

) ब्लाबमामल ([मिन]ब्लाबरमं जामलकाल), की नार्वा अभे मिल् ([मिन ] की मार्वा य अभे त्र पू अमर् जामल वार्व करवंत [ वन् । योते ] विमानल-अटकार्यक्रकालान् (इक अस्की निभिन हमाइन-बर्लन् जातम्बानिन् अण्डम जानान्यम् भः [जारूल]) जी लाबिक (जी त्याबिक त्यवक) यत्म (यक्षताक्षत्र)॥ >॥ ) क्लाल: य: ( भिनि क्लान श्रेमा ) अकानमाउ० ब्बनश् (धान्तमण कम्पदक) डेन्राच्यन धानि ( जिल्लाम किल्मा ७ ) अटाममस्म ९ मूर्य मा ( जिल-(अम्मन्या के स मैग्री माना ) अम उर् ध कर्वा र (भूत्राम काल्यम मण कार्निमारित्यम) व्यम् (जम्म ) ७१६ (७२९ (विहिन्स हिन्स ने की कुक्षरे छ मार् (की कुक रहे छ मार्मिय स ख दक ) अभरम् ( व्याच्या कर्ति दर्शह ) 11 2 11 भी जीवाका आर्य दक्षा: (जीभात् वाक्षाव्यत्व) १ वं यु क सम् (मा: ( जार जाम मा मा पाव ) मा ( अस ( मवा (त्य त्यम् त्रवा) त्यम् त्यमान्त्राम् ( व्या, मक्ष केर टलम अ ए जिं क पूर्ण ) मुक्र निष्-

लड्डं: याक्षा (मारा नक्सान विधानं विक शर्ने न अमृत्रम् अवि धामक प्रश्वमात्तेवरे धम्रकेमं, [out man ] ) wite suggest a sell (ami & sh. ग्रिक्टिं म्य के देव के रिवा वार्य आ वड र मं) मा मांस कर साक्षा स्रोत है ( स्पराश का एपड़ एसस-टमबा लाड कड़ा थाएं), धर्मता (मह्न डि) मालार्थ-सम्बं: (असम्मास्त्र हक मार्नु ने ) लाइराइ र विस्तारित में मीन तन त्याना ), प्रमा जार ग्रिश्चा का विश्व विश्व विश्व का के विश्व के विष धामा (ज्यान ) निकास धाम (बी निक्स मिन) टेमानिक हारिक टारे वि (मिन्ना माम्य प्रम यक्ता करिएहि॥ ७॥ 8) म: (क्रिके) मिलाउ (बिक् मीव लांब जाता) क्षा (क्ष ११०) त्याके (त्याक) अदिलाह (अत्यम करवंप) मानः भामं १ (मावः कार्य ७ आमंद्राट्य) त्यारमायासमार्थाः (त्यारम अ लय टलक्षेत्रात ) भागां केंक ति (भागां क्षांत्रात क त्वत ) , क्षिप्र (अर्ग्यकार्य) प्रभेटव

( मूर्वप द्वाला) प्राची छ : ( प्रश्तन स्ति अर्थ ) भा : लग क (तर् रेक्टर (धाराने कार्डिश विराध क (क्षेत्र) ( जीनादीन अरिष ) विलित (ब्रायत ) अकर वित्रमार्ड (मर्माहिक्डात्व वित्रम कर्ष्य) लामनाट्य (लामनायुकाता) तमाके प्रमान ([यम क्रेल] टलाटके लयम कटबंग [नवर]) अक्तास (अक्तमकात ) श्रूक्ष: ब्रम्म डि (स्क्रामेक व्यामकात्रक (न्त्र), मः क्षः (८४रे की कृष्ण) मः धवजार (धामापिमत्म त्रक्रम 本典は)11811 क्राडिकाड् सहमाछिः (व्यवत्रीक्षिम्, क्रामिकिम् द्रि हिड माना ) धारिम् (तिन्त्र ) भर भीवर (यात्रा भागं कानिएम ७) प्रका अप के ( प्रक्रमें र्थ में कर्न) , अर्भामामामा विष्य ( [भारा] द्य द्वालन् वितालक इर्मण्ड) अने म्हाकाकामाण्यु-टमारापिक्ष (टबम्बानिक अस वयन देसार उ ट्यार अकृष्टिं डेल्या पन कटन ) , आख्र हार्ने इ काल (तिन्तु व भारतन हर्वने क्लिन् कामार करा

११८म ७ ) अम्म न म ५९ (अर्बमार्व अहत न म विष्ये कत्य [ वन् ] ) त्रामिक्ष्या किंद् (आरा तारामित ७ रूपरमन मार्थि वर्षत करन ) , जर रेप्या मुल म्यू रार्व ् ( म्या वित्य वित्या-कारेक, जादम नरे ) अपूर्व (विकिन) लाविय-नी नामृ ७९ (बी लाबिक जीना मृष्) की या ९ (My 70 282 ) 11 811 Mass (min ) mug: (mug) onengis: (केंद्र त्यालाम विदेशहर्मात ) केंक्यामार्थे वादयः विष्युक्तिमाय-भ्रव्यक्तात्वः (श्रीमं वृष्यः ब्रिक्स धमक डाउपाना जीक एक व नी नाम् . मम् (मन खलाह न भी महत्य (र न रेक्ट्र र उमाम ), निव्याध वि (निव्हन ) जित्हः की ज्ला १ (क्षेक्क न निमाम् भीम मू एवं अ अडाउट विश्व -वण) देवकवाताः (दिक्वमतिव तिकारे) भवीनान द्रामा (१५) (७०० भम भावेशस्य मान माल ) मारे डाविका कियू (भावमाने छ इरेक्ट्रिंग कि ? ) 11 ७ 11 ्राम्मा त्म (मन्द्राक outra) भक् (चिक्कि-

रेक्षानि सर्कि तारिक: (जीक्ष्य (प्राम अवि ? रेक्षानि सर्कि तारिक: (जीक्ष्य (प्रमा उर्मा) प्रमः काल (मुक् माकि अ) त्याविका विमायव नितः (जीताविक्ष्य विमायविम्य विमायविमायव नितः (जीताविक्ष्य विमायविम्य विमायविमायविमायविक्षः) मक्षा (विक् (मिर्स् विमायविम्य विमायविका विमायविक्षः) मक्षा (विक् (मिर्स् विकास विमायविक्षा ) भ्राप्त कार्वे (विक्षः) विकास (भ्राप्त कार्य विमायविष्य कार्य (विकास )

त्रेभिकाः (प्रिकाश्वाव) अतः (प्रकारमते) अमामा -

मक् मकाराभितार (आयान मुभक्ष मक्ष्वित विहनते-ट्यू (अम्मुक), त्माक्ताम् और (अमा मक्षा (माक त्यत्र व्याजिम् सामिष ), रेमण् मार् (यरे वाकारक ) कर्न कात्रावीय वि स्थि (की म कर्न स्थ प्रद्रा-बरम् में निकार ) भूकत (लिम्लानम कक्म)। भा २० किया मान्य के का स्ट्रिक के कि स्ट्रिक के कि किया कि टलमा छारा जाम बाम बुद्दार वीक पूक नियानिष नामार्थि लाक्ष्मति व लया अयते ) त्वारिको (स्वाच ररेमा) करीड़ अकरिंड : अम कीत्रावीकार्षः (भूमामिण, व्याह विष्ट्रम. कारत मूहनीर्य हिंड व यम्भयन, छक-मानी व लपड अयते लूर्यकः । मुमल म्यार् के चिर्के ( असम्म का ररेल के विक इरेटम ) असी छि: मृट्यो (अभी न ने उपदानिमास मिर्मिक ने क माम्) इत्यो (इर्ज अकाल करन्त [ वनः ] ) जमार्ख्यारिक. कार्वन तिर्ण (७९कान आठ वार्विन मीन्ना : स्तावस ट्ला अपने कार्या ), कक्सी भी: क्रम १म, [अमर्] 🗶 अष्ट्राली जाली

( अन्मान अमूनामानक दर्गारे ) निल्नितिक नामि ला छ छ ट्यो ( मिला- मिला- १ ८२ मार्थमा न्याम व्यास्त्र म कर्दन , [बार्म ] ) को (क्ले ) मर्दर कृ एको (सीना नी कि का का का नि (क्रांत करने )।। 2011 ) हुना (हुना एवी) मिलायभाम अध्यक्ष (त्वातीत प्रवसात दर्भन कार्यम ) अवाविक भा मर्ने भूपमा (अ) ना कार 3 वी क एक ने ) अत्याची मार्थ ? (मिन्दिलंब किए) निम्लासम्बर्ध (भीग जाड्यीमान्यवं ) विषयार् वृष्ट् (वाकिननेत्क) ति त्याल्याम (निमुक किन्याहित्वन)। >>11 ) विल्ला : (क्यावत्त त्यके विश्वंभते ) त्यवा. सम्दक्षे थिंगः धाले ( अन्मर्था कृटकद त्मर्गी विधर्म छेवकार्वण हिं इंदेम् । अपर्यं (धारान् अत्मक्रम्) खन्मार् (अम्बरः) मूकाः ध्यम् (स्मेन छाट्य धानम्य कविष्टिम), ७० (अन्तर म्यानियान (विम्हार) बुल्यादावीव ट्ये कार्यम ) व्यवावाड (माड किर्मा) र्षा (र्षवभागः) की जीतिक्र लानेन: (कीलाक् अन हर्गित्न) के के हिंदी. (सब कारेट कार्य हार्ने )॥ २२॥

70 [वटकाटन] साम्प्रम (सम्भातकासमें ६४) मात्ः क्षता; (अका आक्रम) द्वारात (व्यास क्रिक्स) सिकी छि: सिका: ६ (कानिय ७ काकियाने ), भी टले (भी म बुर्क) करवा छा : (कला छम र) खिम् (कप्युन् (क) अमृता: (श्मृत्न) न्याम् (अण बालिव प्रार्व) कुंग: (अस्रवस्ते [ - ववर् ] ) ड्ब (ड्डल) जाम्ड्डा: (इक्ट्रेसने) मड: (धार क किरी अकार कार्य कार्य कार्य कार्य 78) लग (लक्ष्मन) वसी क्व क अ में दिस ( नम मुझ-बानिहां विव्हिल लगाम्क ) अमू त्रवतिष्-य के के अ (सत्मविश प वर्षि कि ) सक्ष्म नै के (मर्नू मूक्त ) कार्ने वृष्ट् (अधव्यत् भरे) वृष्टी विष्टुः (कल म ना क ) यं गेन क प्र प्रमु ( प्रक्रेम आ हा न ग्रमं ) ब्राउत्र (क्रांत्र विश्वर क्रिक्माहिय) ॥ 28 ॥ DO सर्माण (मर्नान-मण्डा) मर्ना- जार्ड: (नम्बी-निते) दे छ दे पत्रका (धात्रत्य विश्वत इर्द्र भा) ल्लाबिष व्याची में कू विक् किया निर्माष्ट्रे न निष्ठि ) कालिम संस स स ही रेय (कालिटन ने

भागोतिक मानुबी अर्था ९ मां मानुसाम बाद विलाय ! गारं ) सके १८० (सक्षां ) ला के के ति ( ला बह कार्नेभाष्ट्रिय )॥ ३० ॥ DI मिक टक्षती (का कित ब्रंप) प्रताक्षमा बीता देव (कनार्यव की नेत्र नाम ) का अ अ अ अ अ १ ( श्रू अ अ मक्रमकान ) सूथ: सूथ: (बान्यान) कृत्र: देखि ( क्र के के के नार सम ) जान् अन् ( ठिक्क कर्ण) штаты (штаты कार्यमाहित) 115011 भी अठकारं (लाम वक् अमिर ) में रेप में रेप मारा-खा प- विभाषे करी (काम्य मू क् महामिन आक्रात. रूप के कार्य के कार्य कार्य का के कार्य मी (काकिमवर्भन) यम्मप्षिक्षद्वाद्वास्था तिस्ता (कल्लिन्ड्स श्वात वड निक्-निक-विम्हत्यं भार्ष डेलाय सन कार्या) , न छ. मर्नु विलक्षी - मप क्रिशे प्रमा (व् किएमरी व म्मर्व विभिन्नित्व ध्यम्कव्ते ) काक्यी : कत्रम् वि (अया क उ भूमर्व भू भी र्यानि अकाम कार्ये कार्य मार्स ) 11 3911 िये लांद (तर्) साय वं के दाय : (कास-चे ल वं की :

अन लम् हैर्ड कर गाम ) टिल भी में हि-सुस् हमा- प्रथा-म्मी: विभाग ( त्यामीम् तेन देन विभारत्ने उ मकाक्षा मुनीमनेटक क्रिकिविया ) मामक्षक असमी ( जिल्लाएन ] भामका कुक, प्रमान की मर्म ही वर्ष के के ब्रास्टिं काल के में ठड़ेगा,) कत्लाल भूष्कान प्रित्यने सर्वाल मास्त्र (त्यत क ट्लाक्स ते वं भू दका व क्यों व हितारे म के न कान्टि हिन) ॥ २ ७ ॥ )। क्क ् विता ( वीक्क क क नि ) आता क ( अ अ न कात्राकाते या ) काकी दिर्धियं वाकि वाक् वि वि भि (बीरासीन दिस्सा अर्व हेलातन कर्न्ट) असम् : (असम् दम् १ [णव] ) देद (न बमाल) क्रम्य रिमार् (क्रिरिमा ) रूप जा मूलार् भी मारी ग्रेंचे ) जाता: का: (जाता कात में में निर्मा निर्मा ने ना) (काल्यमं क्रान्त्रीमं) में क्राया ! (क्रियं में त्राह्में ता है) Ty for so only is it wise त्या र रे के कार्य है । जार्थ । सर्वार्थ । सर्वार्थ । (रिक्र मुख्यमा: (अमर्थ मुख्यम दरेख वादः !) भागित:(धर्म्यम) मान (मानाक काएन ) लाहिन: (नामार्व के अधित) लो वार्षम् छ : ( भी नर्षर कृ त्कर नि पाड भी गाएन) है। है रे में दिल ( अद्भात मान का का न न का ली ने कार अकाम कार्न्टि कि १ जिसम्मात हैं काः ने में स्टाल काः कर्मा क्रिया क्रियम प्रिक्ष महिल प्रमुख्या कर्मा कर्मा क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम )0 [ यरेस्य ] आठ: (आठ: काटा ) कुकुरे: and (क्कृदेभक्षीत ) त्यपालाभी (त्यपालामवर) यह: गम (बमारावीयं ग्रेम ) उन्न-तीय-सि. युक्त ( 37 मीर्थ अ अवडावयुक्त) कुर्द्र (इ,क् म्र क्रू ) राजि खन् ( अरे स्थ खन् ) ज्यारेष (डेक्सन्ते कार्न्याहिन)॥ इ० ग े निय (लिंद्धां ) त्ने (न्यो समित व न्यो के का क्रियां क्रिक्टि: (माक्रिमरोव कर्तिक मिल्य ) आरमार्थिको लाल (आजि रर्गा ) शिटम र विपि आमत्ते (पदम प्रायम क्रामन क्रामिक म मानेम ) जमा (जिवकाटम ) मिनिएम ममूरम विख्यंका छट्ये ( दृढ़क्त आयक जानिनं त्रव विटा मीविष्य कालव इरेमा)

कल्टिन भीनिन पुल्ले (कलटे जारन नम्नमूलन मुखिन कर्निया ) कार्टिके छार् (अवस्थात कर्निया हैं त्यत्र ) ॥ २२॥-११ जिस (ज्युन ) देवात्र (स्टाजकात ) मृत्ववकतकियाः मिल (डेळाल जूबर मिल्ला एक धरामिला), बिली मिला- मिश्रिम त्यानिया। क्रिमो (अवादिष्कृत्यन सर्धकार तम की ज़र अठाक कारी में) रूप-ला मुका कि - मार्गिक (प्रदेश की मार्था म कारिक्षिया), म्याज्य (म्मियून), म्यु कार्यने (मर्नु न-उनाची ) मूर्याविका अली (मूत्र बनामिना अन्ती ) त्ने (वेड्यंटक) ध्यवपर् (वद्गास वानि (क-) नम्मिलिका | त्याकूत न त्या। ( द्वा नम्मान व स्ति है (का अव रहेता ) का मुक्त वर्षेत्र ); (हटनरं भार कर व मुल्लासन अनगर द्रास कक्त [ ववर् ] ) की छात्र क्तार् (बी विकार अतू-क्तिश्वावां), विव्युक्त्यार् (तिक्रिकार्ष्ट् व्रष्ठक व्यान व्यक्त प्रवास्ति निर्मिका), वार्ष्टिन. वादार (कार्यमं कार्टांड विक्रम्स) का कार्या (21/2/ (42/2000 SOFT) / SO /

March ( Mark in Markey & At ) 11 3011 78 यम ( a जाता ! ) तक्ती- यिष्टां ( वक्ती सर्वं कार ) अद्वाककरें: (अडावड्री मिर्म) अकरें: (त्र्यत्त्व) अवरमाम् मण् (काल्यव्र ) देम् मी वाल ( State 220022) [ [200 20 00: (cod cas) मिक्ष (त्नामत ) मित्रमः अल (मिला-गूटर मसमकक्त [वरः]) शिवं (अवन्) कामिल्यु जि उरेज: (अधूमान भीनं १रेख) जरे (असाम कक्त) ॥ १८॥ [ क्यमम् भि अभी ( एक ह ल्यु भी भी निवादी !]) मिन्तरह (क्ष्री व लिक डाएन) विसामाभाषा मान न मनकी (विभामकानिण कामामीट्रक् कालनाम अमन ८५८२) भ९ मानि वि ( [arma] एम मिना भारे एए (इ.स.), ७९ अम् (रेशक) जन (कामान) ट्याम: न (टकान ट्याम नारे) ; कि ह मार्कि भना (किंतु त्र मार्थि : मे (प्रमा) , जय (जायरान्) मुभग अमारिष्टः (भूष अभरिष् वरेषा) हना-अर्था हेय (हल्लायनी व अभी लपाय नाम.) क्रामेज (ब्रुविश ) रेएक केटी फिक्

( वर्षे लूनि मिन् मर्ट् ) आविद्वाणी ९ ( वक्षात प्राप्ता -क्रमान कानेग्राटर )॥ इवन कि अविध्यम् काम ((प्रक्षम (प्राप्त अस्त )) बिक्र भी माना (इस्पेश्व लक्षाप ठड्डार ): चाव: (चाव: धात) माण्य (देवाम् वर्गाट ); त्येव व मक्य (मर्-यत्म ) द्रमंद का वस (द्राप्त उर्माह ); मत्माद (मस्वि ) जीवन अनुवन्त्रात (मूनीवन अनुवन्त्राम लगरतन ) काहिस धामत्र (काल नाम जाम कर्ने)।12011 वि लग (लखें अं ) र्कार्यम्था नेस (मुर्केक द लर् बामराष्ट्र लोबबाकि), देश्रिकाम्बिके: (कार्क-विकिय काका अरमारम अमिथून), जार्विभी न भार्वः (ल्प्लिंग ही ने ब्रेटि ) विश्वभागाः (विश्वभागातक) पीछ: की व: (डेक्क्न एक मार्गिष ) भर्य वर्षिण विप्रभाद (बीक्रक् मिन्दिनीविष्य मधर्म, [धर्म 6]) अमन-यर्वन अव अवी सम्राई (विक्रिय व भेतर्व विभने-मम्त्रन् अभ्यासमार्ष् भारतिष्ठः ) भन्डास्त्रीः (अम्ड मसूत्र ) अठेडि (अपठे करेबे (व नाभेन) ॥ २१॥ ) (माक्त प्रश्लेसक मं ((द अक प्रकार का नरे !), की (मारिक ( ( क्यान्य ! ) ला व ( ( क्र ला व ! ) प्रमान

(x ayolganise; [ound ]) 30 halo ole. निकटि लग्नकाल विवास कविएटिन [नवर]) भाडे-अस्त्रार्थ - मलामक (अर्था जीमक्षश्रामारक्ष प्रमान-वर्षत्र किल्टिट्र )॥ २६॥ ) श्री मार्डिक । (ट्र स्ट्रार्टिस व वरात्रिक ! [कामाने]) क्रालाय -(भाष- ज्यार - त्य अस्त्राह्व विल (निमिन्यक माउदान प्काक्त नम्महासिक्य अवन्त्रित् अभारक वय-असं भ ), व लावर्र ला मावर (श्रिकाट ] बलावणात ससायक र्म्नाट : [लिक चर ]) है। मुक्क खिला है-मिके (अह्व विक्तिकें आनी), पानिके (पून्वरी) में बुंद ट्याक् ( मिली किता है ट्या टक) का डक्स (अयमकक्म)॥ २०॥ 00 अन्मिल्निस्त क्षो (दिकसत्तस्त क्षे क्षः) भना (के (मम् त), रेमण (भरे) केली फिर् (भूर-मिर्मर्स) मा अस्मा जिन्हा (अहर म्यह. ( द्रयं अवृद्ध लारबाइ (पृ र्ट्य ) शुक्र) (राम्ना) वाक्षितीक ) इयदं (रियाक वर्ष ) द्रयं त्राकं के कं लय ले से प्रमाय किंत्र के ले से से से का के कि

इर्यम् राम ) डेर न अन्य ना जातीत (न कर्म धासुन जिल्ला अपनाम , धार्मा हर्ने न सम् भारत अखिमाटक), एड (१४६-१००) व्य (नव्) विक्रक्र अ (निर्दा क्षिय क्षिय किया ) निया करी वि (1221 MEXIS + + ) 11 0011 () । विस्ता भारेका (हटल मार्क) विस्ती वानेका (विस्ती-समा वर्षे ) अविव : एकिका (भूरम्य ए एकिका इंग्रेग) विक्ति शामुक्त (मवं मेंदं शामुगं माद्रावर ) देवः (MS & [on wigo a x RUTY) or yin 1 1 3 in भसता ( जिन्दा नद क्षेत्रक्ष स्टि) व देता महिं : (प्रवृत्यक्ताला ) प्रविष : ७०० : (प्रयूपाणी व प्रवेष) WE (अम्बन कक्त)॥ ७०॥ の 変か (公到更か!) 日本日前 (「水田で」日本日本・ वर्षे ) अक्ट हरू: (अक्टि हरू: ) अक्टेरिय्रेर-माद्रियामार (मेत्र क्षिप् मक्षाप् चं क. व पुर्द्ध) साम्भरं ( da leta [196]) mais (mai en: ) Fille कारत ( पून वर्ष छिन हम नारक व पिएक) छ निष् विश्व (गणकात त्यवं काविकार ! [लावं]) में का: ( Сыर क अप) अही ने मारी. तक के र देशाः

( नक्ष्यं प १९८७ में अ द्याद्र का क्यां पड़ेगा ) में करार याडि (टार्मन डान मान्ने कार्य ग्राट्ट ; [अड्यन]) नाटक (शत दम्) वास्त्रम् (म्बरम्य) द्रम्पूर कुममात ( कुममा १८ म लाटबार म कार्ने गाटर म मिंटबंद कालाते]) विद्यार वरीति (विद्याण्डाल कक्ते)।। ७२॥ क्ष्मिकः (क्षित्वन ) न्यानकार करिना विद्या रावीक् विव समारा (अंदर्स सम्य-व हमावती अंदर्स मानं करणे कान्त्रे मूर्यना ), नामा (म्रायाक ममर्-सक्त (अवादान ८ संदर्भ सर्वे अवति सक्त रिटी) जिला । तिना विस्त्र माला (जनवार विनिधिष्ट (के य प्रवामना ) मुक्स सी- मानी मा ( म्या सी- मानी) कत्र शक् (प्रवृत् जामिती) भारी (भारत्यम) टिमार्य मू ज म करा (टिम म डाय वा भा किया रशेश ) अन्त्र फ्ला- नशे कूट्यी ( कि लिसाका म ब्लंब्रक ) मारी ९ वनर्ष प्र ( बारी क मृज् कब्ने माहित्र , व्यक्ति नवे सब बार्र नम्हित्र) 100 , 0811 ग्री बलास्त्र समाखटम (काम सीक्क मामेख!) माबर (प्रमातः) अल अवि : ध्यमिन (अल्पूरीन

अकत भट्टा असाः म अवादि (कमन्त्रे निष्ट्रेत कांबरण जात्र म करवंत ), जावन (देसन्ष्यत्रे िला मार्थ ] ) ला ल (यव यं ) ला यम ह चल ( श्रीमा मुट्ट यावा कक्त ) 11 0011 कि। र्मास (लाम र्मास ;) ००: (अर्धि [लामार्थ]) ज्ञानिष्ट (अञ्चर्त ) देण: (अम्बारत ) अन्य मण् ज्ञान (अभाग जीय कार्या ) ल ब पढ चक ( रिट असर कस्त ) दिवसमा : ( सिक्का ] पिनक व अ प्रामि (द अर्थ! [बा भारे ]) मियाए करीदि (मिन् जाम कक्रम), मिन् अ अपरा (कुन-गूट्य माना ) विवशीय (अविकास कार्य) बायर अयादि (मुख ममन कक्न; [नाववरम]) धात्रत्राण्य विभागि (धात्रम) धावत्रम्म क्रिक्टमम् कासु ह त्वार्य ( वियवस्य का अव कर्म ) ट्राक्तकार् र तार्यम ( थाय, ट्राक्तकारीय/र अवन्त्रमे कार्वावतमा ) वि (८४(२९)

क्रांजि: (बिह्मने काक्सने) काट्याहिंग कृतिः (अयटणाहिण काटभन्ने अकल कियान) डेन्न्यांडि ्रक्षात्त्र कर्द्र ) ॥ ७० ॥ (श्रक्षात्त्र) स्त्रिम हम्मूष्: (स्त्रिकर्ष् willian वर्गा) कुक: काम (की कुक 3) व्यति : ( वर अम्बद्रायरे विवाल कार्वे विस्तान [आन ] ) अमूना आमि डेमणू ए। (अक्किक्ट्र क्लाकि क्षिंग दरेया ) क्षा उन क्ष्मि क्रामिया (बीक् की उ मिकारीया दरेगारे व्यवसात कार्यमा-हिल्ला ( क्यान ] ) अवद विभूतः ( अरे यू लाम विश्व ) अ छ। छ कू नश् काल (नक्तीन . अवमान द्रेष्ट्र धाकून इरेटन छे) धनवार ज्वार (टार्व मुस्मुड धामका देखा आयाग इत्रेख) देवाकु म अभाक (छोठेए अम्म इवेटम मे मा )। ७६॥ od क्क मा लानू भाने यादे ज माने जम्म ( की क्क लान प्रम्ता [ । अम्बराम् ] निष्यु (पन्म अवस्क कित्रा ) वक्षः मृत्त र्वक हा (जिम वक्षः मृत कुरम्भन भारते भूर्वक ) बद्दा धार्मा भारत (तिल यूटम छात्राव यूम प्रव्या कविता),

काउन ( विवे कार की नार्वा) ल के (बार्वा (काम्यम्बर्गान (आमन्द्रीममा भाड कार्नमाड) अभा (की कृष्ट्र) कर्ल विद्यालि कुला कुला वर्षाम (क्लेसल मिल्- नाष् वास्ते सूर्यक व्यीम नाष्ट्रक डेल्मान-कुटम धरान्य कार्ने या ) अना क् धार्म (क्रिक्नियाव 3) न रेकाछि दि (भायभ्यात अकाम कत्त्र मार्च कर्मा मिन्द्र मा दि अवस्था करने मारित्य )।। ७०॥ 80 [ वर्कात्र ] जितः ( जित्र वित्व क्षेत्र ) टमाक्रेनम् प्रविष्यी: (टमा के महत्व मेरि म्याहित रेर्मा ) सम्मा (स्याप र्राप )हेकावर ( के विवाद के के ) अब्रुक: हि आमि (धार्मिस देव्यूक इत्रेट्स ७) शक्षा भाष्या मान्य स्त- वर्ष-डमं- लख्नाविम् एमा समाः (व्यी गर्भाव अमं-ममूर्व पृष् ज्यानिकंत म्ल चिनारम् विष्ट्रा-लक्ष्म हिल्ड दिस् कार्क (३०) अर्थन कर्ष कार्य क्रिं ( मिला न कि क्लें कि ) ममक म निकंशि (किकिसाव अक्षाति किस्तित्व )॥ 80॥ 8) [लाउन ] जिल्क्ष नमः (क् किंच मानामन) जीकृकनीनाव्यम-त्रूपकः (जोक्रक्तिनीना-

करित पूर्व निर्मा ) भग्नेगानिक की न सकः (ध्यार्भ असमभीनं लिभक्षम्भ), दक्षाका: अक अक: ( मिक्र रितासक त्यात यक अक अकरी) ए ९ ट्यमका तमा विक्रून भका: ( क्ष ट्यम - क्षित कामा नगड: अक्रम्मान डेड्स्न जान धरत्ने कार्या ) भार (वन्त्र निर्ण नामिन) ॥ ४४॥ 8) इक! (त क मीर्क!) भावत (त्म वर्षेत्र) भेडरी कार्य- (गृह्मी) ए (काम मन् ) बनमी (माना ) देन बिना ( निका इरेट देशिए), दार्मिका:!(द दामीमर!) वर्मः (वर्म नीकृष् ) धर्म रे अमने डवंडः वित्यार्क ( promit and = ) Tale: (213 57 il) में भी प्रताह (यह प्रचान वामत मर्ग करते तार) जमार् (अर्मिष्ठ [लामना]) डेरेक: क्रिमममन् (किर्मिक प्रविध्यम ) म प्राष्ट्रिय (कार्डिमा) देवार्व जात्र अही ( अझल काकड्रामाल मा कर्न्स), जामन ( जन मूर्य रे ] wren मे ] ) वृत्र ( भव्य ) मिष्ठ ( टमायत ) न्यानीमिक्ट (न्यमम्पर) अपिक (अरमक करा) ।। 8211 80) वन (जाममन ) कार्निमाम: (कार्मिन अपूर्ण)

भून ७ मः (धिन्तरे) छेमात्र (अ७४० कात्व) अक-कर्ति। श्विका: (कर्ममान स्तु ७ धूम देव् कर्न्या) रम्भितातें : ( रहमार्भित्य ) एमिणान, अवर्भान, ( क्षाव न जिला- वर्ममर्ग के ) धार्य पंहड : (धारमाम कार्वाट कार्वाट ) मुश्रामार्ट (प्राप्यमान वासन पिक ) मिथ्वम्मा: ( प्रिमिटम म् मूर्वक ) में में आ (लाक (पार्काः (कार क्या में में में पार्व निर्मिष्ठ हेर्त्रूक इसे मा ) हेर्त्वा हर्मित व्या की हमा ( डेर्स: जलिए अपनातन डान-आनिए बीडाय ) त्रीपांडे (धयमाप अकाम करिएट ) मूर्राठ अली रि (रेक्स ध्वमा रहेत) ॥ ४७॥ . 88 यात्र (ट्य वर्ष ह) आ टबरे त प्राणी (टबरेन अभी (परी) विजाजिक रू जा ( शाव: कृष्) ) अमा मा (स्मालमाध्रक) छे दका (छे प्रमुक डेरेक :) एक (आलकार ) क्रिका अर (भाग्य आर्ड) उराउ , 500 (orang gularisanca) 2000 1920 4 अग्रामन् म स्विलिर (अग्रीम्टर सर्वम मा कत्यत ), जाव (जयन्त्रिके [व्यान]) वृत्विम् ऐरेमदि (जमान समन कक्त )॥ 88 II

80 अस (००%भन ) र्मि: (नीक्क) कीनामना (अरक ने क्षिक) प्रवर : (बरावि रहेमा ) निर्दे वर् (मिड्ल) विकाणं : (बिया ज्यान अमे मध्य ११०) भागाति (मेर अमे माध्यम ) धाल हु थड देखर मेर (विट्यास भूरक भाइने भाषत कर्वितत )। १६। क्षि कर (लिंकिन ) रेम्प्रियं : (रेम्प्रियं मार्टि) उप्रमान : (अनिर्मिक् कित् मन्नामने) भूर्य अतुका : (भूर्यत्रे मिनालाम कियुग ) निक्क लामान्य-मधार्यामाः (मिक् ख्रिय भयाक्रधाल मूम विमाभ-मुर्वक ) जामाः (डिक मूनममृतिक) मृप्ति अधारण-पत्र रहिं खिलाने (अकालका सीन मुपु धाराभन विसाध-भस्त ) प्रा छ: ( प्रम् क क्रिक्ट लक )॥ 8011 विष् प्रा (प्राच्या ) जिल्ले (जिल्ला त्म ) मार्चिक्युमा -उत्दः (क्या स्वाद प्रवाधिक व्यापणः) हे फाजा (गरिंग हिंडा) त्रुप्तती वि- वि दिला ( भूमती दिनार्य मूखामिकार) क्रमाधिनी (ममूबी) श्राक्षिए (निस् क्रिम्डस सम्बद्ध ) बिम्का (करिड)क्स्यूर्यक) श्चिमकछ : (कपश्च कुम १३० ) त्रित्रानियात्रांत्र 

. (राष्ट्र अपन अभारते) याम अमा रहेकाम् ० रेपेस )॥ १९॥ 8H ७०: (अम्बेड) माध्र जल्मि: (जल्मि) मार्म मूळात्रिक ) , इत्रः कत्मानी (जीकृत्कन् ममुनी) पूर्व (भवन ) क्प प्राप (क्प मुनु म दरेल) जनम् रड ( क्रात क्रमन्त्रे भूवक ) कत्राभव्यक हे महनी क्रा (मिला-मूख्य द्वानि म छलाकार विकस कार्नेमा) यूपा लड़ीण: (रसंबदा) मूत्रः (ममूमकाला) मही प्रति (विकि जात मुण्ड कार्य कार्य कार्य )॥ १६॥ 82 जिए (जर्कात ) मनि (लीयरे) मार्चनेमका (कार्जिमिनमी) राक्ती (राष्ट्रीपि) जिलाबिस विश्वाम (तिस-विम्विम्वि कर्निक) स्थिम । म्पि अपमा (अकित ) क्रवन्तार्वः (व्यक्ति) व्यामकन्तर (धायक्त स्मातम १३८०) के सिर्व असि (के सिर्वाद द अस्व वर्त्र में) ट्यम् ने (ट्यम्यू मणः) वित्यात्र-वित्याहनः (हक्र नम्त्रभूलनके) भविष्मारिष्माः (निष-सारिक्षेत्व कार्यकार्य ) नकारिएक (मूर्य-अर्भ र कार्ड ) विमिन्दि विश्व कर्रे ग्यार्ट्स ) ॥ ८० ॥

(10) जन्म (ज्युकाराये) कुणक्कव्यं: (अक्टाक्न WYम म नर्यक ) माध्रा भूमणे: (भूमणे माध्रक) d रर : म : कूर्ण : (अक्टांक्स मुसामित्र क्रानित हि) कुकामता त्यानिव पूर्व वन्ते: (विद्यान्ते मुख्यन पितक पृष्टिकी विष्ठपत् कार्यमा ) व्यवप्रायमानं: ( काम भा-का कि - पाद ) का म म म नार ( का म म का म्म एक प्रवेट ) निकुष्त १ यटमें (निकुष्त ज्वल धामप्रम करियाहिल )। ७०।। () जिल (अमुख्य ) केल: (बीक्क) देवार (मियर १३८० उन्येच र्रेम ) उत्त प्रात्रिकिः (अधारत देवत्यम् न सूर्यक के नाला ह नियानानिती (कलरे नियानिका) क्री विकाश्रीर् (निधीनिक न म ना), जाहार् (अवनाप -असा ) कारुपर् (अम्बदादक) प्यार्डार् (तिका रस-में अप का का का कि लाया कि विम कि एम हिता आरम्ये क मारेया ) अन्ध्रीि ( प्रम् कार ) व्यक्ताः (डेंग्यान) प्रार्थिश (अर्थि) अमावि (पर्मत करिए लामित्यम )। एडा (प्रमाण प्रमाना) भूताम्कात्मक्रो-अश्वीरिक्

(Maximaxim Myinima winding course [mg]) म मारे त्यामा मक - कुलं का मर् (म मत्रे एएल क्यन् भूर भून माम हक्त वातक वालिविक्ति । अ अ अ अ वा द्वा नि उर् (अवाड -अस्तामा सम्मित्र क्षेत्र (क्षेत्र द्रामान्य क्षेत्र मान्य) स्वतामा अभाग्ने महिला अभाग्ने महिला अस्ति क्षेत्र के (अम्म क्रिमाहिट्यम )॥ ७२॥ (सर्मन भूर्यक) स्पत्र मानिसंगिष्टि ([मिन् नाज-उने अका म करिए (इ.स. [नवर]) दे कू क मुस्मिर दे- दंड-कराहि (मुद्वान हेप मर्द्र द्वार्स पड नालिन असूर काडिन विका भीनाकि को स्टेल्ट् विरेमन का छार ( वियव प्राक्त ) प्रात्माक्त ( प्रम्म क विया ) मूक्ताः (अरक्ष) म्मर्प (१वेना व किन्ति हत्त्र )। ए०।। (शिक्षित्र ([मिन् ] मर्टिस् ) श्रामा क्षा दिन प्रमेश दे (तिल-टमाड पाल डेड्नमानमाम नम्म करिया) मु पू - मूका - ट्रान्द (म स प नि प्राप्त प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख जिस त्रामात न अवि मू त्या के सर हा भा अका म कार्या -हितार ), जार्ट्य सूक्त का दकमार् (में दान महिंदा क

(क्लब्रानिन अञ्चलान अर्थ हे मुक इरे मार्ट), विद्यादिकन) TRANKERS BENEAUTRACIONE AND MANERAL स्क्रिक (क्षूष्ठकारार (क्षित विवर्षि व्यामान) क्षान्ते काने एएटन), हिन्दानार (सारान रान हित्र इरे मा आड़े मार्ट [अवर के विनि ]) भूरेरयम-नम्मम् १९ ( भू में किंग्ड धामम मय्मम् नातक) डे सी ना हे सी ना ( वरन्यान हे सी न त्यूर्वक) श्वासना-टमाक तमप्कार् (मिलान अर्थार मीकृष्कन मुजापनीत छेर्मका अकाम काने (छ एडन) , जार (स्परे) कार्न-जाउनर (कीड्रीयाहा) काडनर (खिंग्डमाक) अभाग, (मर्सन किया) अलापु: (बीक्किट्य) अञ्चलमार् दू पर् व्याभ (बाजू मतीय बीवि बात् वन कर्मिया -12 (AA) 11 8811 (ए) रहर (यार्ष) अकला (मिन्हम डाकावता) असमा (विगूष) नवन नर्यात् (नवीन त्याप) मुम्मूणः धर्मन अरु ( स्त्रिकिमी स ११७) , जना (जारा इरेटनरे [ डेक्प]) रू रेक (र्मणात्र) स्त्रिक्षणानिक्षारहः ( । श्रेष्ट जनराम ना ना का हिलामी ) का हमर व्यक् (अन् किन कार पाल पान निरिष्ठ- न मूब:

( विश्व द्वारा क्रिकं क्रिकं क्रिकंट क्रिकंट क्रिकंट ) क्रिकंट क्रिकं की ना क्रिया : (की ना क्रिय ) क्रिटेट आहा कक्रार ( मुम्बर्स अभक्षा) जिल्ला ) जिल्ला १ (या कार्ने व )। हिला (अ [उद्कारन ] कन्नरमक्रेन (क्रम्मरमा क्रीमाची) भूत्राक्ष्क्ष्र (अध्यान-प्रक्ष्यीलमाडिण), मर्म सम्बारमाद्य (स्म सर्व राम्य ), प्रतासम-वि टमाहन ( प्रमम् मन् टनवयू सम्भामी ) क्षम-मिलि (भरभव गाय ट्रोच्ड प्रस्मव ), त्यातातकः (ठक्रम- धमक् मिलाउड [नवर]) अपमामकान्यून-मनीम टमने बे (भी म मडक ड अ अद्भार टमाटम उके-टम्ल सराजित खाल ) १ रतः सूभः (क्रिक्ट एक मू सूभ-मलम ) अभी का ( पल्य कार्न मा ) व्या: (व्यानाम) मिन्यारमारमूका अब्र (विनासम मार्क छर्मका मुका र्देमारियन)। हणा ( विदेस में न्युक्त ) अवस्त्र (पाकर गात: लकार- तिश् छ - ६०० ण स क् कि जा अर ( अस्मादन पर्मन-खानिक सकारिक अवितिवृद्ध ७ हाक्रमामुक भेष९-क कि नम्मम् सत्यव त्मा जीयक विद् ] भेयरामिक

(स्रू रामा न किए) , जिला मा : सूमर (जिल्लान मूब्र छ व ) बी अर ( ए वर्ग करने पा ) भूग : (भूग ग्रम्) डे भी छ एकः वात्र (मरसाम नाममन हे भी बना लाड काइ भारित्यत )॥ ७१॥ ( पि | अम्बन ] म: ( नी कुक ) बारमम करने ( नामश्य -घाना ) जनाः विमामाः (विम्वमा अनिर्वरन्) व्यव : नलव : (धावन व मसकरि) डे न्रम्या (डेन्ड कार्बमा ) अर्वते इ (माक्रिते र एष्ठ) हिन्क ९ ६ ( डिम्रान् ] हिन्क डिल्म सम्बन् ) विद्यक्षे-। भारता विभाव ( श्रीकारपालंब बार्किया अ स्पूराभाउ-(क्याडिक म अख (प (क्य व (क्याक्रीयक) ) विश्वासः मू अ० (सिन्दिम्बे विस्तित्य) हें द: ११ वे व्यवस्व हुम्म करिया हिल्म )॥ ७५॥ () [ वरकारत ] आ (स्ताना) का द्वान्त्रसम् म्यूमार्थे -ग्रमा ( विग्र त्यं व्यवन भरण मूममागान निम्मा १रेमा ) प्रकृष्टिं अभी (नम्मम्सन रेष्ठ कृष्ण कार्यमा ), कन् र्र्माता (१४ मका नम्मी) धार भारे वि- सन्ताक न-अन् करी (काल्यम मृद्यात पा, मा नरेक्स

करे कीत अका ल कर्नमा ), अजी प्रकार (अजी-वलन वयमभर्तिन) स्मक्ष व्याव नम (इस विस्तु कार्मिग्रिश्तिम )॥ दिला Do अस (अमुन ) अमा: (खीन्नीन ) नम्प्रा: . (अभीगर्न) अ(आपार (इस्ट्रेंग्लंड:)। त्राचात्रहाः (इन्छ-मूल) अभी ( (मभी ) छा ( नी नामा क ) रम हर : मिशः त्यन् मेहडः (डेमराम कर्नवान कर्ने वन्धन (अंत्रेश्वीया कर्नेमा) दें शह सतातात ( दें अ अकारकारात्र डेलाम् विष्ठू ) अमङ्गः (माध्रेवाहित्व) मसराष् ( हर्पिक इरेट ) मलदामिल अ० (यमन-न्टमन् एक मम्क मिक्न ९ (मिक्न प्रवत ) व्याचित्री: (वारवल क्रियान)॥ ५०॥ D) 5 no ([colours ] months)) my colours र किक्टेब्लिं कि विकात्र स्ताः ( हक्षत्र स्ता) प्रिम्म विषयः (म्या करव्या ) मार्या (म्या मने क्रिक्) भिर्मा (म्या मने क्रिक्र ) मार्या प्राप्त (मिर्मा प्राप्त ) कि छने १० मा पर पर्म ( किछने दर्भ विद्वान मूर्य ) मार्याक म्माद (ज्यान डेक ममल्यन सर्ग कार वर्ष) उपिछिष्ठ (भावाश्वाश्वा कार्यमा मिया )।। ५३॥

DD के द्यार्थिक याचा ( विद्याप ) स्त्रीयाची सम्मन मार्वा वाष न कर्ने मा ) अ मुसम् गृ भी ज भी राउ वी त्या न (क अवर्षि भव: श्विमेव्या की व दे क्षी मं ब स माना) (अकारित्राहर ) कामक (मिन्नामिक) से में भें भुक्तामि (अकारित्राहर ) कामक (मिन्नामिक) से में भें भुक्तामि (म्याय आहे पृथि मिल्ल करवेगा) वियम वाला (अश्चिक् मार्ल ) देलितिसा (हेलियान कर्मणा-12 CMA ) 11 (52 11 प्रवृद्धः (टम्ट्रे ममीमने ) वृदः (मिर्द्धान् मम्माना) मिला वस्त- विकालन व व प्रेने (धर्व व डार्म लब्म् (वृष् पड्अण्यूकः), बिमामात्री ( विमामा १९ व्याम मर्गिष्ठ ), म आद्वि श्रीक (स वर्ते) भि-श्व-भिन्दीत्व न अहिर्द्ध मूला किए ), मानि श्रीम या न भा-ाक्रिट्रेश (सङ्क्रादिन अक्र क्रिरेशिक्ष), न्त्रभाष्य व न मूक्डरली (वस उ कल्लवालिन 1100)( CE) ( CE)

March Indon 98/036 ([विद्याप न्यानिस के किं ] विष्या अन्याप्ति) प्रति ( ११ के) ७१(म ) अछ्ठानं धन कु म मक्रिक् (अक्षित वर्षात्र मार्गा के मार्गा के मार्गा विसे) रा का कि - या व क - बिहिविक - ला ली यू तप्र ( के छ प ला ली जीनावीय अद्यूषित्व असककत्यात्म विकि उद्गा ) ल्याडा: (अभा अद्भवं प्रकट्ट) व त्याः (यूग्ने सृष्टिन् ) कानीविलायः (विश्वन् विलास) मिलारि (कालम कार्टिश्म )॥ ७४॥ अद्य व्याताः ( [ज्य्याल ] प्रभीम ते ) श्रम्भी द्वर्ष (किंग मणी क्वी बंग बेर ब नाम ) आयापए (सर्व आमार्का ) जातिक- मेरकाशक मामे द्यार ( भूक्ष प्रकार याल्य ) व वस्ता- वामा अव -हिन्दिलाभी ( अयग्वमसूर जासूम शांत ड कळात्र वा राष्ट्री विकि [ निवर ] ) के छिर का छ-भाषी मिला कि कि ए ( वियं छ दिन कि मिला कि के मिला कि कि सामित ( अस्ति अस्ति । क्रमण्य ( क्रमण्यमम ( अक्रमण वर्षान् न हाकारीक ) मास्ता अन्याक (व्याचात व्याचन टमाडिड) , १८१: ( श्रीकृष्टम ) मपमाधुक र (में मक्स प्राक्ति) में कट्याः (में मही क्रिक्रिक) य अस अरहा : य प्रहे हे (मक्ता यमा : अवर कारत धायमण विश्वमानित्र ) अपूजा अपूर (मिल् मिल- मृष्टि रामा अपने करने कार्या हिरामन)। एए।। प्री हिं : ( [आमहन ] मीकृष ) या विशेष के बार-आर्येश्वरीं (क्रिशिवरातं में स्टेश्टर सिंडित छाय विकास कारिंड अर्थे में) मिर्दे: (प्रभाम करता वेद्या वर्षा ) जाडड: (टमवे मभी मन दक ) मृत्र हक्षेत्र (त्य मा अप मन पूर्व ) जाः हे सह (उत्तरादिनाक न स्व मिन्नित्तर) । ७१॥ क्रिया (स्ट्रियमात) भवा (यमान्यमानी णानका, ज्यानि द्रीका नामा ) का हु । वर्षः

( विम्लय हमारक , जार्षा हिंदी के कि रक ) यमा मा देश (अटबन्ध) ( अअम्हट्स, अत्मिन्डट्स, निका- करात अस्वम कार्नेट डेटमामी कार्यमा ) विल्यम्छी छ। ( A STORM OF STAND ), IN ENTRY ( CUA) धाष्ट्र विमयहंडार् (अम्बाममान विमयह लिस्टिट्र मेर्याम लिस्टिस्स्स्स्स्टिस क्रिक्ट्रिस क्रिक्ट्रिस कृति प्रकार कार्य कार्य (कार्य क्षेत्र क्षेत्र के 18 % अध्यात मार्ट के कि कार्य गाह ना प्रेत क्रिक (जीकृष्ण) रेजि निममार्ज (अम्म किन्ति) आ (जीक्मी) अस्य (मम्मूमजारम) अम्मिणकरमः (रामान्य) जा: वसमा: (अरे मभीमरेक) वीका ( दर्भन कानेमा ) प्रकृषि द्वाप्त तत्वा ( ६ कार नम्न-मूलम अक्षिक कर्विया ) द्वामेणद्वाहिल कः ( विक्रिक के क्षेत्र कार्य कार्य कार्य ), विक्यप्रमालक (मम्ब्या म्तिर्मा न क्या भी) खिने ( जिने के का के कि क ) लरे के क हार् के : (मार्केस कुराक्ष-भाग ) मेरी वृत्र सम्मार्थ सा ( टमत जामाण करविमात्र प्रभीत कविए मामित्यत ) ॥ एक।।

90 [ जवकारन ] का माद्रावे : ( श्रीका भाव द्रावे ) वरमात्रामा ( त्या जत्म हे न्या म् क ) , प्रमूक्तिका ( केवर विभी निष्) वाक्षश्राका (यास्मापत्म सिर्मिष्) व आक्षेत्र (आहजारम बङ्ग्ये) , मका- मक्का- हलय-हाक्षा (नक्षा उ अक्षितिक हक्ष्यान माठ्ड हाक्ड), विष्टा कार्य विकास कार्य विश्व क्षेत्र कार्य का बिष्ठाम् कर्निमाहित्र)॥ १०॥ a) एमा (७९ मार्स) अका: (अभीमते ) देखाः विमः त्यम-में भा भि में दिया : ( अंदिशक के प्र अने क्षा देव किया-क्र मूममानदा निवन ) एता: (की ग्राची क्रक् अटम जरीर (अकाजका तीत ) विख्यामर्बीर (वियाभ-यां-रूपे) निजीम (जामादम कविमा) अम्र का समा: (इस्टट्न देसाड इहेगा) विश्व विद्याला ह नरें (जाइकालिक अभू हिल स्मेरी हरीर) विश्रमकः ( विस्ता के माहित्यत )। १३।।

की [लाउन ] रेमा (रेमालियी) सकारमण्यालमा ( अतातका (परं सक्षा मस दिवें ने सामें क्या पर्मा) त्ने ( भी मार्गिष्ट्रे भी कृक तक ) तीया सूछ विक्र मटलो (नी नाम् जीना भारतं निम्म निर्मेश किरो ) जा: मश्री: 6 (टार्य मशीमनेटक ) अनेट्यामामा अप: (अनेय ब्रामिड छ साम्याम किएक विकास का क्या ) वि लाका (मन्त्र कार्नमा ) निक्षिणिक जार (मेर रेमिक रेमिक विस्ता कार्डका) प्राही (प्रशासकातक) मितिएम (कर्डक मिर्टिंग कार्ने मुद्दित्यत ) ॥ 9211 ( उक्तन १२ क्लान कर्ष कार्य करात्र निवादिका छेलकात्रात्र निवान नेकानि ), छ छा आ ( छछा राष्ट्री) प्रावृक्त (प्रावृक्त ) क्राधिकारवार्वप्राधिका (अशिषान् अरवार्य बत्यारेया ) आत्र ( नक्ष वानिगारिन )। १७॥ क्षावेत (कार्ड्ड कार्का लक्षत कार्युंड्ड) र्यांचार द्राम्त्रात । ( अम्पा क्या कार्डमा ) व्यास ( ( प्र वास ! ) कर्रमा (माध्वार ) उर मार्ड: (लामान मार्ट) भी न छात्रार ( १८अ व लाकसप्त ) अन्यामेत्र (पाकस्मां वरप

\* \*15 in ) ( ungo ? ( cung) 2 x sa ) oun 21 ( [315] आमित्य), ७९ ( ( ) हेन्डिके हेन्डिके (लकर ल्या कार्ने मा ) देर में दर (चर् में दर ) तम् याद बाझ-मुनाए क्की (अल्जां जिक शास्त्र मुना अस्मादन कर्य) = रेयर (नरंसल) मात्र वायमडी (मा व(नम) ? जाम ( क्या में व्यू तर्थ ) मक्क तमान -CHECH! [ [ MOULY ] ) \$ \$ 0: ( \$ \$ 27 (0) 12606 ( त्माल त ) मर्गीतिक छ दल ( सम्मम् १ र समम ◆季日 )11 9811 90 मन टन अमे (ए मन टन मामे!) जाना (जानका) ज्यमा अविता प्रय (हर व्यम् अपरेच) निभिन्न निमाक्ष-विविधिविश्या (अध्य व्लामी मामक् (अविदाय कर्विमा ) अक्रानि (मन्द्रानि) अञ्चर्यात (अभन-लाटक) भीत्रत (यम स्वाला रहमाट ) विस्वाल ह ( muy 3 ) \$ \$ 16 ( \$ \$ 2 \$ 500 ) 450 mi (मूट्र मझन करून)॥ १०॥ क्षितंत्य (ए सम्दा:) हत्त्र वर्ष (हत्त्वं साम्) व्विक्योत: (भूरी-किव्योत् भ्रम्भरम्) काम्मन् (मिन्नेयम् र्ने मार्ट), नामम् (नाम वर्ष)

लमानि हो । वि निष्ट् (त्यान मध्य हाने ए कान्स कार्डि : [लाक नव ला जार]) के अ बर्क के कर ( देश लाग्य लाग्य ) ००० (००१ मक्त्र ) देशहैंगा (अस्ति ) त्या व न वी भव्र न विष्य (विरक्ष वार्य असमे डिक्स ) ॥१०॥ ( ( ) 如 ( ( ) 如 ( ) 如 ( ) 如 ( ) ( ) 如 ( ) ( अट्म्यूम्पटक्ष विजिष्ठ हिला), ध्रमा देवाद्वा म ( पर करन ); हि पा ( व की ( दिशका नूस का नका नी ) मार्क कार्टकरें: (डेम महार ) वार्ट: (वार्ट) on बिन्न गृ: (का बिन्न गृ) भार्म भारत (मारच स अभिकास करने ) देश (द्रार्थ) मन्ति (मन्त्रारे) भा (टम्बे मूमामिका) मनका कार्स (ममाप्ती ) करो। (करो दरेमा) व्यवीकु ९ (सर्वा) अतिवद्य (तिसासद अटमास करन ) माठ: साठ० ( चिहित्र मिल्लिक मान हे-लार्ड 2 x 21/22 ) 2 63 and ( 5 mile [ arail ] ) -2 mg मन् मार् (यर प्रव्या (नि ) म लया मि (भाविका भ \* 13 CO CE X X 1 9 4 9 9 11

वि लिल (लिक्केंड ) साधुना ए। माने - दुल्य नात - सर्के स-हम्कारणार्थः प्रम (आविलाय वहनम्ल प्रक्रम् अर्थित सर्वल (इ.ए मारान करमंस्ल भीनममूच आट्याहिक इंडे लंदड के के के का की मार्ग हे स्वादयन नवीन भीता ([वनर्] में १२१ व नम् नम् मून्क व नवीन मन्त्रम् देवाड दर्काट नर्मियो नमा (खी मर्बा) बिटमान जीत्र (डाबी विव्दाहिताम काल दा दर्मा ) अम्माद (अधा दरेख) देव म्हार ( डेन्बिकर बर्ट्सन) ॥ १६॥ प्री रूक: धाल ([अरेक्ल] क्षेड्कड) म्म जा मूगाः । (क्षेत्राचीत्र) अपि विलाम सम्बर् (७ म-४ क्रम-मम्म-भूमन सामी) का हुए (स्त्र श्रुण) भू अर (भू अय उप) लाना (तिबीकार किव्या ) मीतर मुहीतर दार्या निक्ताल ( मिन्ड मास्य निक्र हेड्डीम म अहि मुद्देन (भिन्न नात्य) स्वार (तिलानाम ररेक) देना दिने (3720 22 AT (AA) 119011 प्रि जम (काल्बान ) का प्रिम : कार्न वार्डिक मर्गा तो ( अन्भान हेड्डीय बटमन । बिनिधयं करनेया )

( ) ( 30 ch ) out to ( out to de a de ca) अन्भन्ति वाम एसरे (अन्भन इस मन्ते सुर्वक) निक् अ । (मिन् अ जिन म र्रेक) मिन माजार् (निभेक इवे लाम )। ५०।। क्रिक: (जीक्क) मत्तर जात्म (गम रत्य) भासावामुं (वी मार्कान 28 [अवर]) अमत्वर (पार्क्र रे [रही) त्वर् विख (त्वर् कायर कार्म ) कु अप १ निर्धन (क् इ १२ व वारे में व ११ मा ) विद्यासाना - भिकासामाः भवर (विकाश भूक्षिन भारत प्रिमिक स्मामन) (बल्प (लाडा भार्यमाहितान)॥ ६->॥ War ( अक्षित ) तका (कर ) देश क्यां नर् ( प्रवर्षमं लेंग्रानं ) मंदा (लक्षे एक्षे ) अप्रवे रहिं (भूबर्सम- एडम्ट ) बड्ल मर् (बाल्य), क्र आल (क्र रा) मूमल (भूसभा ) आमल (क्रम्म) धारा (कर म) विचि ध्रम्ने प्रम्भामयः (कूर्य-७-६ मम्बून विहिन वान), क्राहि९ (क्रिका) सामुक्रिक (स्पुसंग) वास्यान (जामुमार्थाय [यवर्]) धममा (धम क्रिस) ल के ब्रहार् भगविकार (ल के रार्घा माविकारक)

एसारा (क्षिप्रेन्डिक हहारा):-किम्छाः मकाः (काल्यमं मक्षी) अमृद्धि- रूप्पाः (क्रेडिड) कुक्क (भराप (क्रूक्क ग्र वर्गाण) निर्मा : (निर्मा र्रेमिटि (सम )॥ ६ र॥ Ao विषयमधी वर्ष [विद्यापा] कामच व्याप यथा कर्णन विश्व मण्डा लाड कार्ने मा ), धार्यकारु-क्रमर (रेल मीम स्तिम् स्तिन्त व्याय में मुक्त), स्काक्तर (सूत्री-भाष्ठ), पाउर (सक्षाउनिर्धि), त्र त्रिस् र त्र प्रत्म १ ( त्रिन् र न्त्र । त्र न्त्र क्राक्र कोरेपिटक ) कू ह कू ऐ स त्या अ प्र ( युन कि कि वृ मान ) मेडीत्र (श्रवंत करवंता ) धेरे अला (भूप श्राम) मरकार्त ) कुक्कार (कुक्क ररेए) नियमार (यहिली इरेशिरियम) ॥ ७०॥ कि काहिए (कान मभी) हिलाट स्मान भए हिन् छ मार ( अगिने में तर्ष में राम मार्च मून किन इरे मार्ट न मुक्ति । राजा १ (राज ररेट ) अतिहाउ ( ७०८म मामिष ) नमत्यो किन मक्ष्यं (प्रतामि भू क्या का कि ) सूचा ( यर्ष भ्रत्यात्व ) वि किन्तु ( त्र वाद कार्न ) भ्वलि विकास ( तिका व अप

धाकात्य ) १६९ तिन वृती ( १६ काल वक्त करने ए कतिए ) कुछ एरा १ (कुछ एर १रेए) विविधियो ( ARMOT 22(A) 11 6-811 स्डित कि सम्हानी स्नित कि सम्हानीरिक्षी मधी ) कार्य विश्वेष् (बियान काटन मार्गिक) जाढेकुए (कर्म प्रामितिक) @ सेरे (लागा डंड्रेड ) लास्त्र ( वैण्यं लड्डे में ) प्रवृत् (भव्य ) मिर्ना (काविर्त्न व्याप्रिण) (काव्यरी-कर्त ( निक् रिवरी की मामन कर्त ) यह पाल (अविधान कवात्रेगी किलन) । ए ए। शिवित्तर्भन्ति भी (किंग नर्भन्दिनी) कुल अस्तिनी क्षित्र अस्ति हो। ) उन्न का छाउ ( अप्यान का छ द न अ इरेट ) क्युमीश हे जापाय (क्रिंड मीरिक्स अर किस्मा ) मिर्ना ( कार्य त्व ध्याप्रमा ) मिष्ठ ए (लाभरत) प्रदेश पटको (मश्री न्यीनाश्चान निकडे धार्व के किया हिलाम )। ५ ५। by मात्रका छनेमञ्जूनी (छनेमञ्जूनी क्रामिन) अवर भारत द्वाराम (विक्तानिक अन्त) ठा छ : (अ श्री मर्ग के ) जा भू महर्बि । विक्रमेडी रेकिट हिर्चि जा भू महर्बि । विक्रमें कर्मिडी

कार्ति) वार् : भटमी ( द अर ररेट वरि मीडार कांत्रकेश (यत ) ॥ ६ १॥ भी मा वा वा वी (मा वा भी मा भी) जिल्ला : (म्मेन स्टिन) अमेर (अले इसेट्ड) कुछ भारतातू-त्रमार (अमिछ भारत ७ अन् ट्रास्ट न- म् मेर्ड क्षार कामाम (आम) वर्ष अर यह करिया प्रवीखुः अपहादी (अकत अधानते एक द्वान महिर्मिक् कर्तिए कार्ने एक) निमिर्मिका (कू अर १३ एक कार्यन 23/12(22) 11 6611 म्भी अविष्म १ मभा : ( [ज्युकारमें हर्वेद् रिम्मा भूव रूक निवर् क्षित्र का मार्थ के क्षिति। भी सक्ति का विक निवर् के क्षिति का मार्थ के क्षिति। जीन्सिन् ) भीडा मृत्वानित्वानि (ध्राम् भी ज यह स धारकारिक ) विस्माका (दार्थमा), जा: (उंत्रामा ) क्याविष्ठिम् भा: रमडा: ( रह भावा सूभ धम् कु कर्विमा क्रामिए क्रामिए) कुरिम हम नृग् डि: (कुरिम क्यूक हक्र निय-वारा ) कट्यामिड (म्मक्): १ (अवस्थर्म

ल दक ल का दक वा अन तर आ मृत्ये ) में में हिंदे के किरोहित के किरोहित के नाक काने माहित्सर )। हरा प्रिटिं ( [ तिकार्त ] म्मांचा ल मार्क ) वामार् (म्बोनातेन ) लानेरामडनीए (लानेराम-डनी) प्रतीका (मन्द्र कार्नेमा ) काट्यारेग बकुगाल करूत-(मास्त्रों ( लब्कान क क कार्ता न मूस्त्र मिल छेर्पूत्र मृतियूगम मिल्मम् व्यक ) प्रयुक्तर्-. (अस में भी में स टक्षी ( पेक्षानिक टक्षमान्य आमाएं मिम्न इरेमा) हिना निज त्थी देव अहुवार् (हिलाकि मेर्टिने अधिक असे लक्षा म कार्नेग-12 (MA) 11 2011 भीकटमी अंगः देव (अटक्राव प्रजाउदा प्रवाहित में का एक टमसल मिलाम छ। देव खाना माने मारे टमरे कं ल ०६काटम ) काउन (क्यांचा) मरकारी ( दस दशरं भेरते का का का कि कि के ) जिने का मिंडिक के टाटर ) का छेतीन ( अका दु डाट प्रश्व भ ), धनमाप्र (टमट्य न हे ना न में अग्रम वर्ग), खर ही तर वसमर् कान रिके मुगा डेड बीप मस्रिक डे) माने तड्र (नक्ष) क के दा वासी (अध्यो इने त्यामा

[अरेक्स ]) हाते: व्याल (बीक्स ड) विग्रहणा जिले (क्षेत्रकेष (मट्र) मी मर् (मर्मम ) कमककारि भीछर् ( भूगति न काम भी जनते ) वर् (भी प) की छर् (म्बन्ह) हीत् (त्र्य डेड्डीम न करिएक) न किलामी द (मक्त) कार्नेट बादन म मारे )। करा ) (कार (कार्क ) नामका (मामका) वटनाः (देक र्मेगमार्मेअएए ) भीतामू राभाम-अष्ट्रामधम्बुना ( ती ना मु ए न का मापत मार्ग ना मार्ग हलापन एड क्षा रम् मा ) देगा हर्ष (द्रित्मा मू अ ) अक्रें (मूर्यक) मिलडी (मिल्स काब्रेज काब्रिज) मश्री जार (छियम भी जी नाबाद असल स्मिन हिलाम केर ( त्रुपारी क्रिसीय ते में मार्ग कार्य करी वा दर्श है: ( खिन्छमात्रेन आर्ड धार्मेड विशान essera ) miniming: (muraicu) mina-सरग्मः लाभ (अम्मेमट्यनं असे आम्बल्स कान्ते कान्त्रा ७) जमाइ जान (जमारवार्ष) उर (यर अप्राठि ( क) के व ल्या के व ने कर के व भार )

अ-अटाव: (मिल- मिल-अटाव) प्राम: ([अतर-五年の:7] をかば(20)11かの11 केश जिल्हा (क्षेत्र ) इव जातूका (की नाका) मानित्याम-इपमकाति - । प्रियमा (लामिल्य हे व्याप्ति वित में देश में राम मार्म कार्या) जिल्लाकात ला दे ( लिके प्रकार के कि क्रिक क्रिका सार्थ) विकितिडमंग्रम अकृति पृत्र (विकीक्त क्रिंग्सिन क्रिक्नि क्रिके मिर्दरी (तिटम म पूर्वक) सुदू म अ जाकिनी धार (१६ ) म: लंद (ये लंदन) लर्क: लाख (देक्नेयन-रीय रहेगा । लिखे लग्ने (लक्षा हात माना कार्या ) अभिर्मात (धर्मकाने मर्खारे ) गढ : विस्तुरी (लाकाम सल्य लाल्य मर्भिक ) दुर ने में ने वि (स्मिनाम ] डिविड रूम); ८६९ (थरि) त्रः विदि: (विकाल) अपर (र्यास्क) (याक्न करिया) (डिक्रमुक किविटिन), जम (जारा रर्ग)

मातः नार्वा कार्य (नार्वित अभ्यादास्य ) न णकार्यमारे (महन अन रहे कमा)।। ग्रा अर्माः (अक्षि) मताब्द्राट् विकाज- नक्षीर (अटांजकातीत मत्यक्क (लाखा) नीका. (पर्मत कि ]) ७ महा: ( विम्डलान ) न हमा मन् तिभीय ह (सक्द्रधर्य भात करनेया ) सूचा हेसद: (2 दिनामा हिट्ड) विक्रिक टमा के मान: (टमाइके-धारमा (आरोक्सी की सकारक न क्य नित्र मामित्व व ेग ग्रहा भी [त विमित्स ] माना (मे तम ) दिना हा काराहर्ड के कार के रेन (त्यान के किसी त्यक्त ट्रिंग् के भी ) के रेंद (वर् ) मादी (में न्यू में रेंग्यू ) त्र व्यक्तिमंग्ठं (मान्य प्रमाय रिटी) क्रमानिक् सर्व कमामंग्रें (क्रम मिर्पर्व न म्मेट्य अम्मम् (य जन्मेन पुक् ) देन् महीका) (भूर्य तक प्रमा करके या ) अस्तकारिका रेव

साण (भेक्षामे त्यम वालं व्रक्तिम अकाम किरिएट )। रेपा क्री दियाल (कार्म हेमल [क्ष्मिति!]) मना (के एक ) के एक (कारान ) वामर माह: (वर् बिमंख्य ) कि (अन : कार्ली कार्य वात-क्यः (अपम) (र उप नमा ह : जाकी) ( विव्यक्ति [ ह (अवं मामा हरें] १ रेमा ) विका (आक्र व व का का मुमान उ क्रेम ७ केट सिका यहार इसे मा उ विकार हती अपित मात धर्माए बाक्र ने क्षेत्र अस्त अस्त (लाटकर धाउना नामक, लाहिश्वाय र्यमाड]) बाक्री । प्रवित्यय ( बाक्री वर्षा वक्री-कालाय करियोकि नामियापिक आस दर्यान व्यान करने हामा भाग कार्न मा ) अवसि (अक्षेरे) ममसार निभाविष: (धाकात्मर आहडांक इरेट अमिन वर्षा हरने अर्था हरने अर्थ एक दार प्रावित्रम् माविष का अत्रामावकी - इत्रेपादित )न मा दि ( ब्राटम ब्राय ) रेडिकामें (अडाठकात) रेया चीटम्त-मन्त्रिमुपिण-गतिनेशम-मन्त्राण-नकार (निक्न-केरह शूटर्पन अयं ट्रा इन्छेरिछा

मापितीत वरेक्म डेमयाम्बिटा नाकाण इरेमारे) इम्बिरी (क्यूबिरी) अश्वाहिः (अद्भाह-असे ) त्यः पत्यः (मिल प्रामध्यधारा) ह र कुर लिश्ए वि (मूक्र जल्युक्र कर्ने एट )।। करा ग्रें जनमानिषा: ई क्वरीन (अक्र कार्मानिय नाम क्कर्म ) धारी धाराष्ट्रियः (के त्मिकिय-कार्त्रिया ) अखार (कार्ड: कार्स ) हार्किंगः ( ब्राम हक्ष्म इर्च अर्था अर्था हम उ सूर्य-हें छ म-कर्वके अक्रमन्यिता मिल्य स्विमान इरे ए आर्य र्विये माल ज्याला छुत्र युक्त ररे पा) विषय करें कि (हि लिंद का कर मार्जिंग) विषय असर ( कार्कर्क अस ) सिन् हन् छीर (मूर्णिय मन्त्र भारति ) कूरू (अभायमा ाडिकिटक) कुदुः रेडि यामिता (कुट्टे नरेनुभ मिल- लय द्वारा ) कार्यमेरी जार्य मेरि (जार्बान कर्नेएटर । [अमानकानिविष हल भूर्मन वाडा द्वा अरक्स कर्न , वान

के व्यक्त करा-विल्लासके मूर्य अग्रे क्य बार्य मा Any a englacia thing My austria esta मिल् म छ विमालमन काम्पद्ध म अम्बिम । नारे (यपूरे टका किम मर्न ट्या टकु हु - अमर्थ व्यापन भारक दे धारमात्र कार्व ८० (६) )। २०।। १०० नम्डका छ-त्रव्यम् ना वान पड्या (व मड क्य श्रिम् छ त्र मर्म जा जा जिसम् जा ने त्य है। मन ८२७ ) डेमापा (डेमाप विश्वना ) भा करेबी (मूक्षामका वनकालि) कत्याणी भूरकावामियाप (कलार्धिर्वृत् पृर्काव-क्वितिष्ट्रा किर्कर्वािष्ट केर (हमत जीरकार कार्य छ हिए (ह )। 20011 मामिस्रोमे (क हम्बस्नी) केर किराबिती-कूत स्मानिशिक्षणः: छक्र छूलें ( ६कल असवि [मा किसात] कू सू पिती. त्रसूटर विराव टर्जू विज्ञवर ररेना [मकार्ड]) गामिनी टकाटम (मटामन प्राक्ता उदन) मिलि कुण-प्रकार (काजियावरकाविती किर्) कुलताल-ड अंगर् (मिक्-श्रिमिक अम्मिन ना दक) मू अजा -भागम्बा ) पृथीर (यसवीय) अनु प्रवि (धन्मवने कविष्टि)॥ २०२॥

207 (काकी (हक्त अक वर्ष ) लामंद्र का देश लामके? ( असी माना छ मान मिया ) आमन विस्वता (जाराय छेप्सू मा १रेमा) व्यक्तिए छ किस्ताक रें ( अकृते कि नते-त्यारम विखते न कर्नते ) तका करा पूर् ( बक्त समा तम ) हक्का ( हक्का वा ) ह्या ( ह्या व करिएट )॥ २०२॥ )00 कतकार्व (८० मर्बुन जार्वात!) कलखताकाः (कन-धन ना नक ) नधः (नरे ) द्रमः (द्रमिरे ) टर्ने अग्रीका (जामादिनक प्रत्न कार्यमा) अग्रमम् अवकः (इर्व स्टिः मक्ष्रमृ ८५ न छि९ यू ल्रा का वा वे मूर्यक ), विवर्ष प्रधानी इर्भीर् (विकामको किर इर्भीत्क ) विश्वार (भार्काम करिया) भूत्वः (प्रयास डार्ष) उ हिना : ७६९ ( नदी जीटन ) मटमा ( देवामून 220(2)11 20011 508 अवामिग सामि (त अधामामे!) - मना (मे प्रम) प्रकलकलकरी (प्रवर्गिका प्रमें नक्षेत्र व-विलिखे।) माम्रा ज् जिल्बी (ज् कित्ने-माम्री) क्र मकाली (इट्मवर्षि) हक्षा निक हक्ष्मिट-

कार्न ) म अ स र ह स वि मू छ १ ( विस् स र हन कर्ष्ट्र क अवर्षे ) विश्व (किन्ने क रिक्रि) क्रम्मा प्राचिकारी (काम म्याम छा पृष्टि ना किया) नमनेश्वान अट्रा कि (निक्- श्रिप्त का प्रमूप्त मिल्के ब्याप्रिट (१) ॥ २०४॥ १०० [ के त्यम मामानिअव हानी (माम अर्च एवं मियन -(५(ल विष्योकानी), लक्क्षा (मापकानी (समामकान (मान्यम् ट्रिन्डिश्वानी), नुवाद्तिरेक्नानी-मात्रा भिकारिकारी (मणक्षा महेककामतेन न्छा लक्षक), अत्यविश्वी (अत्यालाय विश्वन-वर्ष विश्व ) आयात्र दावी (त्रकत त्याटक व स्त्रभागक ) बामू: (बामू ) अव्यवे बब्-नावी-स्मित अगमा भन्ना ( क्रियं ए हम मारे का मिलिय वक्षां मामारे व अर्थकाल पूर्कान्या) क्ट्राड (अचार्ड दरेख्ट्) ॥ उंकर-म क्रिक्र वर्मित्र का (ब्लावरमं कार्य केर्नी ब्ला-त्वती ) रेजि त्रम्यून-नाम्बिमायरमाः (स्टिक-क्ष मूमर्नु वरका विमामी भेमत्माः

(बीन कार् अ व्योक्तक ) जार् भड़वत्रभात-विभ्र विर (निका-निका- सूर मझतन विम् ि किए) भिष्-क हिन् : (भटना न्या भारतिका ) छा: अर्थी : ह (टल्ले प्रजीसरोड़ अ ) सूरा हे त्रारा: (इस्पामाउण) अधीकार (अका) कार्निया ), दिन प्रिया (प्रिया-अहं ररेमाहिलन) ॥ २०७॥ कि लिय (लक्षेत्) वसम्बन (बिक्सरिय लक्ष्मिल) स्टमान्ने जां किए ( ब्रम्पुट्रिकी व रेम्नि जा किए) श्रमभुष्टा (कार्त्याहिण कर्णन प्राम्भाका) वृक्ष सके दी (वृक्षा वानवी) क क्यादी (कक्यादी)। व्यम् हैरामण्यासाम ( वरेक्स वर्ष हैरान में कान्यादिता ने।। 20911 किर् महार मध्य (मकामगरन मक्तीम ) वकामना ( वक वक्षा , बामन प्रमिष्ट्र वक प्राकालम् स वक्ष-कार्ने ती ) , डिस अमर्वन कार्ड कारिया (निकर्] डिर्म डाटम विस् च भूर्राक्वरे- वरिया व्यक्ति मूर्यक्रिते क्य- लिएका) रेप्ट (नरे) आडामका ज वार्मिती (बाठ: मकिर्दे वा ज वार्मिती) दे वार्मुज (YTHACK ESTA(E) 11, 300-11

( Manger Expires ) 11 200 M हिन्त (लक्षेत्र ) त्रवस्त्रमात्सी (त्रवस्तित सम्बन्धाः डाक्य ) को (क्ये ) यम् जत् न् क्यो (श्रीनार्था ड अ क्रक ) व्यक्ति विष्टा व्यक्ति (मार्विष्ट का म व्यक्ति-अमं लार्च वर्तात ), कार्ट्यार्मः (कार्ट्यामः क्रमा छाता ) मारियम्म : (मरियान) अपने-म लहकी (गम-अबार लाकुछ ररेमा) । छाछ छ म-माड्री (छीषि अष्ठ छिए ) मिनिषः (क्रिक वर्ष) बार्रिक वर्रत्वत )॥ २००॥ 20 माना (कारिया प्रेम कर्ष) द्विन उद्देश (७८५ ६ कम ररेमा) मन्त्राम् क्रम-छित्र स्वत् (अम्मिक वक्षः दक्ष मनामि छ माम्मिक छेत्र पहिने (छेत्र मिक किन्मा) की कि (कि किन्मिन देशक वर्षित जिल्लाम के किन्मिक के मिन कि किन्मिक के मिन मिन अत्राचन कार्ने ( ) बीभ) (दार्भपा) हिक्ला: क्षित्रित् ) २०: (२ मा इते (०) दं ०:००: (वेच छ छ : ) त्रिनी मः (वादिन व इते मा-12 (AA) 11 5 >0 11

११) रू भः (बीरूक) यात्म (यात्रजाता) हल्याय बी-बार्न-उरमान् (हळानतीत मानेक्नमनेटक), मध्नसाष (अभ्यू अखाटम) टक्स व क्राम (क्यादीन टमामुक्सने एक [ निर्] ) मन्तर (मन्दाद् छाटन) कृतिन-अरिमार् (क्रम्य कार्य कारियातक) ज्याम छार प्रमा : ( ज्यामा शत कार्बिया ), माक्रीत (पाक्रिते खाला) भारतीर (भन्मबंधा) बहम हर्दे पर (डीविकमा) काहर (स्मिन क्रिक्ट केर्किक दरेग ) क्रम् सीयः (भीवारमान हक्ष्मा प्रमादन ) पि भी पि भी ( हर्षिक ) मुल्ले त्यव्यम, (मृश्चिकात्रम कार्ने में ) ट्या कें (ट्या एक) ला मार (लाम सन कार्निक्षित्र (लग) ॥ >>>॥ ) भेषारी (बीनाका ) अहिता धत्रावर (कारिया माराय कामिए एवं प्रिक काडमाझेरी ( वरेक्स व लक्ष कार्ने ), एक निष्य-कू (छाष्ठरमकूना ( ७००व मिर्व ७ हमयू भारत वर में भी केरन व्यक्ता द्रमा ), कर्ने वा म न दक्ता हमा रिम्मिक्टिए (इस्डान्। यस उ त्यानामि किन्ते-

सूर्यक ) क्रांचिता श्रेण वसु (क्रांच निवासिण मार्चि क्याद कताहि ५० ७ कत्नाहि सम त्वल अत्मव्य-ज्यत्वरे ) बुअर् यटमे (बुल् म्या कार्य मिरिलम) गाम्या Do [ व्यक्तात ] सम्बद्धारी (सम्बद्धारी) उद्याम् सालाहम-र् में टमनम में के- विकास में भी (लग न माम साम दिन हूब ज्ञान्द ज्या के ही छित्क ह कर्ते हे कि ना य व तिकार्षा वा ) मिर्याण (धार्ण) मिर्ला (कीए) ब्रद्भावत्य (हिंडवर्थ) मिट्यमा यव (धाटकारने क इस हे या है ट्यम ) जार (केंद्रिस (की ना नी तक ) स्टूर मिनी युः (मूट्य मने मा मान्यान रेक्न कार्ने या भारत (अग्रादी) उपन अमाप (अवाद अनु ममन क्रिन्सन)॥ >>०॥ ग्रिक्स ( विशेष्ट्रम ) या ( मुक्सिका प्रश्री) व्यक्षिनी ह (विविश्वष्ठिती । अस्त्र में देश: ([भना-कारी न्य अङ्जिन ] असमाधी ) छिट देव ( ट्रिमम्बद्ध नाम ) रेड्डिड: कि छ हत्मक्रम-छत्नः (रेडडा: विकिष्ठ हक्त मृद्धिस्त सर्ग-मानी), डी मु: म्- त्रप्रिकिटिंगः ( एस काण्य इ हिड्ड डियम् र कारा ) अराष्ट्रमार (अय क्रमन्क ) मियान् मुडी (प्रियान् में कार्कि, क्रमें

अवक्वात जनरहरू दृष्टि नार्या व कार्यान केर् अनुसार (अवान अनुभन्ते कान्यित )॥ 35811 प्रति हा के ने प्रश्नाद ) तिका के ति (निक्-निक् अक्ति) लयानि विमागारको (यह विमाम मूर्वक) छङ्गमन्द-हारि ( अक्रावलिंक मृत्य व द्वार व दिक्) ने छाडि-टमामादिकाहटमे (अडिहनम मदम्बृश पृथिमूमम मिटकाल किन्ति । विष्ठ - विष्ठ १ (जार्जिस मान) ख ् ख ् त्वला (तिक् - तिक - मूद्र भारे मा) विकासियो जान (छम् मान्जाम कान्टिन ७) धनमाकू नमान्या (आनम् अधिक्माहित ) एव एव (मिन-मिन) जिल्ला (अभाग) मुध्यल : (मिनायम रहेमाहिलन)॥ >> ०॥ ११ वर्षे (त्यामां विके ) मत्रां (यमावनं भिष्टिकार्य) विद्या वर (यतमहिं नीमा मध्य ) निर्वर्ष (मिक्साप्त पूर्वक) क्षाजितम् (अत्र मुक्य द्वा) म्यामि (मुर्ग नियर के आपमें) में दि (प्रमा-या रवेटम किया मेल प्राची मान Ward Cay and and Endant wife is fred and किक न्याने क अपूर्त क्यार हिमा स्कार

रिकाहित विधानं संभार्ध से क्षिणिक किर्या २३/१ ) मिलाविषातात्रेयुमः (निमाविष्ठात्रे-तिक्षी) अस्ति: (वेत्रवनी) अस्तः केलि आसी-िक्षा करें के किन का किया किया की मार्थित कराहिती) स छ पाः ( छ प्रका) अव मः (क्या विभाव म में र ) स्थार राजा सहीतं ( (तस्त एवं अव विकेष कास्त्रेरं निल प्टेर्मानी प्रकृत विशेष अभिन्त में कि । निल प्टेर्मानी प्रकृत विशेष अस्मार्म सूर्व के ! • तिभूते छतेच्छी] ) त्रकाः व्यक्ते (मन्नीमतेष) लामका) अलगः (अक्टिन लामका) राज्यीय सम्बर् (तिल-तिल-गु () } [ अरवल कार्न या-र्मित विष्टिका एए दिव भाग भागानिक जिय व स्वाम क्यी में क्रिम (मामारी में प्रकार या म क् जिस पिटक (अवस में कि मिन्न) इ में यात ता अप्या करियामा अप्रमंद्र अ तत म कर्य गा-(६न) व्योकीय माणाप्याव (याभिक कीय-[ वर ] ) श्रीवर्ण में डिं यव (क ( श्रीकाम व में एक दरे त्या अधिक इति इस का में अधिक हिंद भारान यहना रहेगाट ), (मानिष जी जामु ( काटक है लगाविस जी जार मुंड- जार म क तारे कारवान है णहलक ) तिलारु-रक्तिवृहत् नाम (तिला-Com स कर ली म विश्वत्वर्गम = माधक ) जापिः मर्भः (अग्रं भर्म) भनः (भ्याषु THE THE PRIME STANDER AND THE THE PARTY OF T 支之一、) 22 more 2008 may 2008

किनीय मर्ल

(अभी मर्द्र अप्टेंब) ' मुक्तिसंस विक्र करंग (विक्र कर्नी -कर्क ) जम्रास्य (जमीय मृत्य ) व्यष्ट्राः (निव्रानेजा र्मेता) श्राव- विक् विवाद (श्राय-व-लयक्षाद-विक्रिक् प्रकारतपूर्व ) विशिषात्र-मार्स्मितार ([ज्यान यारे या ] त्लाका वस मेशूर माक काव्या ) हकाय-लिस् भार जिक्का देखि के त्यार कार्या. थाहर ), जर बाबारह (टमरे खीबारी [नवर]) रू कर ( विमिन्न निका इरे एक हे। ये इरे मा ) अवास-र्दिम प्रमार (टमालामायां यात्रेमा) विकृष्ट लादमार्गः (त्ना-दारम प्रकाममधूर्वक), भूमाण् (मामाटक) भरहर्तः (भरहन्त्रीन अप्रिक) कृष्टा का नर् (टलाल प कार्ने में किया) कं के कं ह (अर च्या के हला एक ) ला सरमं (लासमं कार्य द्वाह )॥ >॥ ) जम ( जन्म न ) अलगा (अन्त:काटम ) (असम् मूर्तम ( कार्वमा टक्स मूर्र ) ट्योर्न अस्त्री ( ट्योर्न सम्बी टप्नी) क् जामका के ली। (प्रिक कि में स साम म वर्ष के) लाही वसी अकि। (की क्टकन अने अराजियमणः) आजिर सहिता (हिल्ड कार्यम न अव्याप्ति रकार ने विश्व (यह ने)

अल्लान मः (जीयन प्रश्नार्भन मृत्र) प्रायमान किम (डेमांक्ड इरेक्ट्रिसम्) ॥ १॥ ण प्रम्पताकृष्ममाविन् मिक्टि : ([त्याष्ट्री अस्तरक] यम् वर्ष्य मार्म मार्म मार्म के का के अपने प्रमें प्रतं आ(लाड्न ट्रेडू प्रकाबिक वालिकाया , [बक्स कार्डिक आनमीमाल ] मार्बन कराय पढ नाममा डेक्ट भया यस्त् विक्रमप्रधारा ), व्याकीने व्यानेन् (भात्राव वस्तीभ अन्तर अविकास दरेशाटि); स्मिमानेक बनाविष् (स्यम्तात जीविष्ण मने भियासपर अमसी वास करवन) व्यावर्षः (बिविश् ) न छ : वि हिना उन् (त्र प्रशा कि श्राया भाराय धाउडाम लेडिया क्रिया करने (छट्ट) द अीरमार्भीकर मिठ० ( भारा पूका समादर देक्टामिठ म् त्रिया ए विवर् ] भूषा आरे विसमक्ष्या-अम्लाह्य ( [ल्या दीयमा अ ] ट्राम्सात प्रकृत ज्यारि । रिक् क्षी जियर क्षार्व जारे ज्यारि जा मन चिल्लाहिं भेरलाके सित्र हिंति हैं क्रमा कर कार्य वाल कर किर्मात

किए वर्षाद जीन् के जीविश्वकारात्रे विभाग-अत्यानम् निक्त्रीयस् न्यर्थात्यन् न्यरेसम् ) ( यह वी अर् रेब ( ८४० वी त्यं मार्ग ) ब्रावादा: (बीतन प्रश्नालात ) परायम् बीका (डबबिर प्रभीत किया ) आ (देनी मिल्ली दिनी ) आयानिया क्रांत्र (जानमा माड कार्निमिन) गणा 8 गाउका (अवसामिश्रमा) मिराठका (क्रामान-ज्याम महत्वता ) तक वाच्छी (त्राक्यवी) भाकार ल्यः। म्ये पूर्व (भाभाष् ज्यः अस्यत्वं मार्यः) अधामकार् जोर् (अधामका ट्रामिश्मिशिक) का छ ट खकर ( कर्म कर कर में भा ) सूमा ( इस छ एक ) जिंड्ड प्राप्ते (जारान अकुर्म मझत अर्थाप्र आड) र्यमा कार्ने भारतित ) ।। ४।। प्रकृष्णा निर्माण (क्रीयामा पा टार्स) टिला: अल्बाला डमका (क्ट्र अल्यान नीरम् डमकारि!) वादि (जामून) भागजा कामि (ज्यामनाम् उपाममन . छ १ ) डराजी १ अरोधाम प्रे (अरकार कार्य कार्य कार्य १) - रेनि हें भीर्थ (वर्ष शमिया ) अबिर्ध (मिक्टे मार्थम ) अने मही ( अने प्रम कार्य ति ) आ कार्य ति

(त्लोने शामी तिनी डिंग्याक ] आमि कंन करने मा-7/ 12(HA) 11 @11 क्षित्र (क्षित्र क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित्र क्षित्र अधूर् (की यां भाषा (प्रवीक) का क्रिका (अध्येताम प्राण्य कार्य या ) अर्थराण्या - (अपछ एड: ध्यमा : (आधी, भूय, टला-मम् एवर मार्ड डेन्द्रा में)कूनायर (कूलन) अध्यक्ष ह (विकास करने स्मन) ॥७॥ व [अम्डन ] बल्यनी (बल्यनी) व्येश (त्योन-र् भाभी दाबीरक) कुलं मं विख्या ह ([अकल्पव ] कुमान जायन करनेमा ) हेर्किक मा जया अद (छेदमूक) कि लारे तारी व मारे ) डेदबर (स्मेर्ड हरकार्या रहेमा) मृत्यः लयान्य दे (भूटन माम्नम् १३) अवितम (अरमम कार्मा-A (Ma) 11 911

## WEIGHTS AND MEASURES.

TNOVAN BAZAAR	BENGAL BAZAAR	BOMBAY BAZAAR	BRITISH AVOIR
INDIAN BAZAAR WEIGHT	WEIGHT	MEASURE	BRITISH AVOIR. DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 6 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powah, 6 Powahs = 1 Seer.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Athi. 20 Athia = 1 Bish.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight.
5 Seers = 1 Pasari. 8 Pasaris or } = 1 Maund.	16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund.	OF LAND SURFACE	CAPACITY
40 Seers	8 Dones = 1 Maund 20 Dones = 1 Sali.	39} Square	4 Gills p 1 Pins
JEWELLER'S WEIGHT  4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas )	BENGAL LINEAL MEASURE	Cubits = 1 Ketht.  20 Kethis = 1 Pand.  20 Pands = 1 Bigha.  6 Bigahs = 1 Rukeh.  20 Rukehs = 1 Chabur.	2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
or le Annas at Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME	2 Bitastia = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = I Dhanu.	2 Angulis = 1 Tasu.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard.
60 Vipal = 1 Vipal 60 Pal = 1 Dundo.	2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	24 Tasus = 1 Gaz.	3 Feet = 1 Yard. 54 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chateks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund.  BENGAL PHYSICIAN'S	5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings a 1 Florin 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
3 Pies 1 Pice 2 Pice 1 Half- anna. 6 Pies 1 Half-	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE OF LAND
6 Pies = I Helf- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garce.  UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre.
INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.		640 Acres = 1 Sq. M.
1 Anna = 1 Penny. 12 Annes = 1 Shilling. 1 Rupes = 1 Shilling	2 Haths = 3 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
13 Rupees & 1 Shilling & 6 Pence. 13 Rupees & 1 Pound.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = Week
CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandas) = 1 Chatak. 16 Chatake = 3 Kaths.	9 Sarsi = 1 Maris. 20 Marias = 1 Kanel.	4 Weeks = 1 Month 12 Months = 1 Year.
100 Cents - 1 Rupes.	16 Chatake = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Bigha.	4 Kanale = 1 Bight- 2 Bighas = 1 Ghuma.	366 Days = 1 Leap Year. 53 Weeks = 1 Year.

ganata

EXERCISEBOK



No. 8

Pages 128

Name Out of 19 that as SCHOOL LAND 2

CLASS \_\_\_\_\_ SEC \_\_\_ ROLL No \_\_

MOLYO BONE WIND THE COS 48 प्रमा ७ वकान्याप म प्रिकास (Contal) निवायत (वर समारंगरे) त्या वरे- कम्प्यन-स्वाय- स्रिक-क् कार्यन - जीपारमान्यन-पाम - कि क्रिने - मुप्पमप्रां: यभागः ( Стов, ७ म त्या, भूवत, त्याक कृष्ण, जान, अराम, उक्तम्पम, किंद्वित उ म्रामिस्म सरहन्तरे मूर्यर आमण्ड (स्वन निल-निल-मूर ररेए धार्ममस्वक) मुना (इस्टर्ड) आरंत (अम्मेर्ट ) जी मी विमे (बम दिव मारिक) प्राक्ति शिमिण: (शिमिण रहेमा) (एम: क्क (त नीक्का) हाउके (हेरे), तिरम् छे लाके ए अमें (तिक- मिम टमाटक समय कर्गे रिशेष व्यावनम्ड: (नरे सम व्यास्तात कार्यमा ) मिला: (व्यानमा कार्य ट नामिट्यम )।। ज्या ण हरी दी टिंग: यंग्या: (री दी यन यंग्येश) तात्रवर् किस (बाजि अहात ठई गार्ट किं। वित्वा) मः समा (कासार व मम्म) मिक्क) करा कार्य (नमन ७) क्यर विकारि (विका भारे एएटिन रक्त) है जर अन् तार्वकामि (विकिल्पान्ते ] र भारक मामव कार्वाष्ट्र) री भेर्म्म ( नरेस्य रामिए रामए) वर्ष्यामेतं : व्याक ( अर्थ्यामेष ) यण नुष् (तिम

मका इरेट ) देर द्वार (डेन्स्न काम्टिन )। गा मिल्लांबर विश्वसम् : तिनिश्व अति तिन्ति । न रेमा रेमार्या कामन पर के कि [लाव: असे ] सममार दिल्की (दि सममार दिलेती) रे जिल्ला वर्ग ( अरे क्ल वान ए वान ए ) मध्र प्रमेर: (अर्थ सम्म ) निकासम्भासम्यातः (तिकार्षातिष ज्या मार्य भागिक भार ) इरवं : (न्योक तक वं) ज्ञातम् (न्यानित्र) शाबिम (अतम भूष्या । भूष्य । जिल्ला । जिला । जिल्ला राका बाग्रव रहेमा ) हे विकाम: व्याम (हेरिए रेष्ट्रक ररेटन ७) भूतिम् मूरिकते: (त्रात भूतिम् द्रियर्य ) अते (अने कात्र मर्दे ) देनार्ष्य भेत्र नं त ज्यात्रीर (हेरिट मधर्म हते रतत्रा)॥ इडा अयग्न इयाप (मुत्यं लक्ष्यार्थ) काष्ट्र अपन् स्थापं भावत (क्यान्य काष्ट्रः वर (क्याट्वं यतं) कालन अयमात्त), मूळीन न्याकनसालिनातः (देवस में का व ने असीर मार्च जी वर्ष गालान में राजिक करिसाका में अमास्टिं का वंत्रमें एते व

धार्मा प्रमित्न ) धारत स्ट्राच्या न व स्ट्राच्या प्रमुख्य म क्ष्मान हे व्यक्त स्ट्राच्या म्यान हे व्यक्त स्ट्राच्या म्यान हे व्यक्त स्ट्राच्या म्यान ) म्यान (मिक्टि) हार्न (मिक्टि) (मिक्टि) हार्न (मिक

(अद्भेत देल त्वं) अवडि ल्यापु द (कास इंड) पर सर् (विग्ठात्र भूर्यक ) जपू लावि (जाराय हेलय) मिहिड-आम लावा (मिल प्रकाव कार्य कविया) अधिया-यम्येत (ए एउं संकाला भनं अपन वक्त विक्ला प्रे रेणवं कवं कम (लग ( मार्कते इस्वावा ) क्कम अलं ? (अक्टिं के के अपने कार्य मा ) लाम म नार्ट्याः मु व कु ह भ मंत्रा व की व भी ह ( आ म भ वाष्ट्रा कर रे स्मिन्त्र कार्चित में अस्तिमान काम वसें ( व्राध्नां का नाम ) सिकदी ( व्यक्तिमां) र्षात्र ( (अ रहे म ) लाक देन्य ( अम में देव ) ' भुरां ([अक्ताक] निक्ष मूर्य त्मा ७) मिने कि प्राय (वर्षे क्ष बार्निभादि त्वत )॥ २७॥

) श्री (१४ वर्ष ।) तारोश (तार व ) वा: यं कते : (यं वर्ष : (वरमधान्ते महत कार्य कार्य व) करे (मूकार्रका त्रित्यते) माहित्र क्राक्ष (तीर्चकात्र) मार्के वैर् लया द्या क मं हरे : ( का स्व म द्या म द्या म द्या में द्य न सम् अम्माडि (म्का पान करत्म) क्रांड वर्णा. (जमान) उस (लामान) मः निवा (सनक) ७ (कारान) यमनमाय ने निमीम महिएन न लाअसे ) वार्षे लय दिवार्य ( काता क्षेप कार्याद अक: (अकाकीते) Com छ ए कार ( Com (क) हार्निमा (अम्पट्य ) ॥ 28 ॥ कि [ प्र रहम ; ] दुख्क (दुव) उँ त्व (त्वा सार्व) सँसम्मार्वमः क्रीन् (मूल मार्तेत्र कार्बेव); रेश प्रपालं (ट्रामान मरे अवीर्य ) यसमा काम: किं (बस (प्राव व अ त्कत है है के कार्त भा ( नरे स व वारिए वामिट जिमि ) जममार (जनमन् धमं दरेट ) नीतर् मत्रः (तीत देख्हीय वस ) ज्यानित्रप्र (ज्य-मार्बेंस कार्बता ) लाय्य लाय सरे ह ( टब्स-म् सामी-टप्यीरक अवेक्ष कार्निमाहित्सत )। ३०। अ (त्याव !) लक (त्याव !) निक (त्याव ),-मल्लीत्मात्र टलटेन: (मल्ली जाम क्लान)

अर्मू में पूछ ) हलना निश्च मसूर्यः (हक्रन मानकार्न) · अस्त्रश्निकाणि: (तश्न्ष्णिक्ष ध्याषाल-हारा ) त्य (लाभान ) लभा भेटमः (नद लेटनन) स्वें अपरात्रिवर (पार्वक रामारिकारं देशित) कसत्त्र्ष्यभं (भभव्षत्रम् भाग् मूटकायत) क्षेत्र (क्ष्म्ममूर) पाटनिष्ठ (अव विभव कर्निगट्ड) इर इन हिं कटनारी (शम ! धारी रुखानी र्के काब्ब है है। उछ। भी में नाचि: (जीकृष ) टम्र प्रदेश: श्वल म मार : (प्राठ नाप : ट्यूर-मीला निज-मनीम ) शेष्ट (नरेक्त ) हिन अपार् (बिटिन अपमूक ) जार कातीर (अक्ड) ध्यवीर्ध (अवसान्नेल्यक) क्रिक्टिकने: व्यक्षीर (मळान मस्मिर्मात हिक्क एकी अकाम कर्विशाहितात ।। > १। १६ भान्यमणहे: (भान्यमानिभूते ) वहे: (विश्ववातक) प्रकृष्ण : (भ्रविष्णेत ) कृष्ण (श्रविष्णेत ) मण्डल (लक्ष्मक्त ) ज्यालक्ष ( झत्र कर्निया ) , त्र्रक्रित्राह्माए (टम्या किछा) अम्रार् (माणाक) ध्यमर (यरे का म बालियाहि (यम )।। 59+ 3611 १७ विस (उ छाड: ) मको ( दुरंग मका द ता ) व्याम-

१क्ष्मा बन्धामी (माला हलम बन्धीयन् धिरं लिल्-की अधिमार अभी भरी ] ) समा कार्यका जाम (जामान मन्त्रे प्ररष्ट्र ७) व्यक्तिय व्यक्तिय (व्यक्तियं कीका-रूक नरे और दिन मार्ड ) धार्मिल (मर्गार) क् अर् (क् अमस्टर) त्याम (भीण क विभा भारक है। इसे ॥ 20 जिम (ज्या न ) श्री: (बीकृष ) अकामीकृ जवाया विषय: (रामकाहिण के अस्विकाली भूषक ) मूरः (भूत माम) अपूर्र (अप्रमय्यादम् ) विस्ताहर मम्मीला (धर्मन्स् म म्रम् लम हेनी मन कार्नेगा ) भूव: (मम् अ छाटम) श्चार् समीर् किम मानाटक) भन्त्र (द्यार्थित अभिया )। भाष्यक अक्षाः (म्भक्ता मृद्राभ बकाल कर्यमा ) स्तः ( व्यक्ति ) मुद्यानप् ( ट्रिमक्य ] नित्रीस्त्रक काब्टिन )। 2011 टब्लु न्यासी (टब्लु न्यासी) देखें के खे बादी अ क्रीन (क्युनिप्यामां र वरहरू लाकपूर (काक्यून्य नेवर्के क्रिकेट निर्देश क्कार । (अक्टकन ७) सनमाः जाना कुलाए-कर्वी (आणाय मार्म टाएवं छाट्य सं सम्बर्गकारी) बामो एए कार्ड (बाम क्या हर के बरा में सही को.

(त्या कार्नेमा) भिवन्त् (मित्राम्भीस प्रकारत्) १०० आर (की कृष्ण क अक्र विमाधित्य )। र्टा। काः मूमलं (र मूमलं!) मुम्मीमण् मरकारे : (मयहन-भार्य मध्य ने गरित ने गरित - सभी भार्य ने सहित) तिस्वार्थ (तिस्छ्य ) कार्ने प्रश्रीकाने जिल्छ। (काल्यां कामाविमास ) कार्यकातः (कार्यकात रहेगा ) प्रव्यव (ज्राम टम ) रेर (अभात ) कावार्थ (निमा भारेत्वर) वर त्यामार (वारा ममंबर ब ए ) दे कि (कि ) जिसक मार (बर्माइमार) विश्विक्ष काल (केकाव कर्मा) हारी लागा प्याकरे. ( त्याम व्यवस्तर त्यन ) डेर्च : (ता र्मान विमान ( तिल प्राष्ट्-स्त भार कार्डिट्रम ), बनक् नम् (द्र ब्रा-कूत्रवातक!) ०७: व्यक्ति (५० वन क्रिमें अर्थ मिन्नाम्नाम कर ) 11 2211 ) сшटक्रम् न प्रत्य (त उक्त अम्पर !) देखिक (देव ); मन्त (मे एम दिव (कामन) लमन: (लमक) अमर् (बल्पक) नम्टिनः जन दिनः ह सर (नम्माम्भाव) क्षेत्र बद्रमार्थक भारत ) टमार्थर कालकार्य: वर्ष-( टम्मिक मिन्न देव्य कार्यमा ३) साम लातकार

आम्राप कार्यमान ) माधार कम्पा ।। र ।। (कार्य क्रिक्ट (प्रकार्य)

) लग (लादेश के ) लक्ष्य भी यः (लक्ष्य कर्त कर्त कार्त कारत-वत ) अ : (अ कु क ) अमू सि (मूसि व क ) आरी व्यं ० (२ ४ व म ) डेन् सभा (डेन्ड क विमा ) नमानमार्थः (व्यक्त यानगा अस यश्रम् १) वित्यारेम म (विटारित्रभूर्वक धार्मा भाया छं कविया) वृहा-वित्रलीम लनाएक गान : ( कृ हा किका लिए पर किसने-नाल विसान करिए कार्य ) अमानार देममार (अपम इरेट्ड दे। खेड इरेट्सर )॥ २ ४॥ ) प्रम (व्यक्ष्य ) म : जू ( जिम ) मिट्टे क दि टम मिर्नान अक थएला) प्रामितिके: (डेन्स्यमम पूर्वक) व्यविद्रा० (इडल) विश्व कादा सुमः (काद वस-भूभन विनामा कविया ) क्रस्पित्भय-भद्भद् (अधाव द्रमात्व सर्ममत्व), क्लार् द सबाह ( (४ द सवाह ! ) लाइ (क्याह्म ) है। (ज्यास ) मधानि (अभाम कार्ने छाटि) 2 शेष लगम ( नरे स म बामिशा-(E(A) 11 2 @11

2 [अमहन ] लमनी रेम् (समनी वी मलाका) विवादिय-टम्र ब्याक्स ( काल अयस टम्र का का क्सा रहेगा) लयो (बायक न्युक्ति सं) अयर न्यं प्रमं ([मद्रा देवाद्र] भू भ प्रसूत्र अन्तालक वरे माट्य न्ये का व व असु व (कार्यमाम्क) " क्षेत्र में सर्वे (क्षेत्र भाग ने गान प्रदास्त ), मृप्- त्केल लाल ( म्रू कांग्रम त्कल मधूर) उपराधा (अर्भक कार्यमा) है लेर बदल (हैं ले प्रमा कार्नेशाहिलम्)॥ १७॥ 70) लाका ([लक् अने ] अपत्री) में ने में आर्रे पर का क्षेत्र : ( म्या प्रकार ( म्राम्क अयम मृद्धि ) आमार क्ष्मि) ( म्या प्रकार ( म्राम्क अयम मृद्धि ) आमार क्ष्मि) अवदाक्ष्यम (प्रिल- न माक र्म के देन के वादा) व्यम् कर (भाक्त कान्यों(किल्पन)।। 2911 (भवार् मुंह (अपूर्य सामी त्य वा के क्षेत्र सामः (वाटम (अअवर्णकारम ) भरगुरे (बाम ) करने रे (१ स्वाना) मर्ममन्त्रात्र भारते ( धर्म अंग्रेस र ह ह [अर])

रेणायन व्यक्त (मार्कने द समाया ) बर्मीर विकर ( दर्भ क्षां प्रवर्ष में यह ) न्यामा प्राप्त ( न्याम में य प्राप्त ) आगंती लाममान (अगंति हे लामूछ इतेतान) ॥ २७॥ अपन (त्यर कर) लाग (मिन्स्म ) कर्षे (रहत्र) अटमें थाता ह (थान क टकर कर) था। नि (प्राम्म सिस्य ) राममत (नक्यात्र ) स्थे अवः (स्थानी क्रिके (असंप अमें डका: (जाला डमक किं) (कार्म के (तमा: (डिएम् लूतम्त ) मभाम: (मच हवलने ) व्याविष: (हण्मिक वरेटण) अन् (जनवाटक) आवे बक: / भारितास्व कार्या हिलन )॥ २०॥ 00 [ जिल्काटन ] प्राचा (अनती) जर (जंपदाटक) ? - (त्यः वर्म। (त वर्म!) तमा छे वक (त्मारके-भव्र कर ), जात् जिलात् (तिक वर्भणनेक) मन्त्रंत्रेत ( सर्वित मन क्षार्म (रुट्र) श्वाः प्रविशः पृथ्वा ६ (श्वापं वितृ मने त्य द्वायत कार्यमा ) वि (विषि ) साव्यामान (सावकुष्टपं मिक्कि ) लूत: (भूतवारं) पूर्व (अञ्च ) तित्वपर म्ट्रार्थ (मृत्य द्वानामा क्रिकेश) रे ने वि व्यास 

HOOH THE SHE DIE OH त) त्रम (लिक्सेड) य: (म्येडक) केम विम विम याउँ : (यावानं (अवप्रतं ) कृ: प्राह्व: (यत्र वेसाप्तं मार्क) पुरिणः (प्रप्रत ) अभवार् प्रमार् ( जिला- स्मा मर्पन सामग्रह विदे ) हानिष: (धाया करन्तित ; े [जरकारल]) अविश्वास्त्र (आवश्वासियूर्न) म: बढे: (विश्वकातक अर्थ्यम् ते ) भाग (भगमार्या) गमत (आकारलक पिक ) मयत धरेयन (पृष्टि -मात कार्ना, ) तर (मार्ककाक ) लाक्तर (निस्ता-] बार्निशहिलाम ) ॥ ७ > ॥ 0) sixi ((2 sixi) on out (3 (2) (2) on & 2. मीश्यामार (लाका भारत साश्याम ) कंद्राय-सामाः ( क्विप्सम स्मित्रें) स्मार्विद् (विष्ठा वकार्व) आपिठा-किन्छं अस्मा (श्रीक्र म्रेशकीविक मेन्य कर्निता.) कार्य कर्मा ( कार्य से वा भारती - सर्मी अप ) आर्ड : मिसिमा: ( क्ट्राइट सक्याने वर्गाह )।। तर।। ०० मृत्यकाकत् (मनीहिका- वासक) (आगडमर्क-रेगारपड (दुरम्भाय मिस्स व्यं के एक) किंगी

(यन्त कार्यम ) समाह : (१० म ) अर्थ अर्थ (थ्ल समाद्रक) चार्ड ( उक्षा कार्यक क्रिये ) लाम्नामार्वः क्षेत्राई (ध्यष्ठाहत्व गस्त् ) अविभाव (अत्यभ कान् एएटन )॥ ७७॥ 08 मण (म्याम) हिमात्र (अकावकात्र) कानकतात्र (त्रभगत्भात्व) तिः प्रविष्म मर्छ। (४ धक्ष भर्ड-मिर्शक रहेटम ) रेम १ (-१) भारामा (काकान-वर्ष ) वित्र खे-जावादि-विष्यते (जार्का अष्टि णमक्षांव भावेनाम कविया ) आरमे (भावे अमार्ये) क्रान्य में के का का हित्य प्राण कराय के कि का के-अस्तात ) क्रुं कृत्वि रेप (यन क्रुं न सामि ava 2022 )11 6811 क्ष (द्या: प्रवस्थां (८४ कराय-वत्तां) द्रा ट्याकत (कार्या: 2) टम्प्रे), कार्यमा (मान्नाह) रेपड् (वर्ष) व्यक्त ( लग्न ) सर्वार् कार्ब कार्या ( मिक सन -स्ता कामर समक राममा भागमन असे ल लाम ह लक्ष दिवं का वा ल ते ) अहम ( ह न्या क व ग्राम- यत्रमा (मिल-प्राप्यसम एक्सीम वर्गसल्य हादा ) मार्डे बेंद्र (मरा बेंद्र क्रिक्रें)

मार (लाकान वंद्रक) लाम मारे ( में न वंद्रक) बीक्षड (पार्श्वमा) रमाजि रामा किन्छ हो। जिला ) (आभासमा: (द्रिम्मत्वं काट्रियासक) (द महावात: वाताः (८४वे टमा अवात्मकमते) मर्ब मन्त्रमा (पर्वे. मने त्वर ) रे वर् (वरेक्न ) शमडकरी: (शमडलमक) णः भितः (राक्ताप्रमूप ) मिल्ला (अवने किन्म) इम्रह: (इन्सिट इन्सिट ) भ्रमाञ्चर् (निल्न- निल-) Cमा मान - प्रात्मा: (टमामा ना- प्रतृ (र) विवि छ: (अतम कार्निमा हिला )॥ ७७॥ ०० यमंद (मक्षाकात्म ) यकादी-भाकातः (क्रीमं व व्यामाज्य अग्रेष मिलिए) मानी धामुन्ध्रे रव (हार् CAN MIDINABCH [Blam & CAY & M] अवाधसर्वस्थानः (वस देपात्र ७ सर्व स्थात्म सार्ष) टमामान: काम (की कुक अ) अटमामान ( मिल-टम्मानाम ) जानिक् (अरव्य कान्तन) 11 0911 भी [ जिल्लात ] विद्याताली त्यावि : ( छक्रवरि दिन्-मनेकर्क अवितिष्ठि) मात्रः (बन्न दिन ) गुष्कार् टेक माना- ल छ रेल मानी - मकी टेम् बावड - म मर् (प्रवारोत् हिए कियान नर्का विहा रूर रूर रूर लिया-

का निमम् हिन अर्थ नहीं को नाय का निमा जाति ) पर्यात / डेर्बादन कार्निशाहित्सन )।। ७७॥ तिर्भात न सं लहात: (बार्क ) लाह्य: सिवायार (हण्मितक अवाक्षा), डेलानमानाए (डिक्सिम्भी) रियमायमी मर् (छक्त्यमे रिम्मिस्) प्रार्थित व्यक्तम् (सरी जाता विवालयात १रेमा) अताता (टलाक-सर्व (मार्कि एक मार्मिस म्मीमा नम् रामिया अम ) मली (लकारेमारित्र ) ॥ ७०॥ 80 काटम उविषे : ( [ क्या क म क म क कि क [ क्या ] ) कि दी मरण लाया माने अवार्य करात्रीक मेवल (िर् री माणं, (मायावारी, नवारी, कामीक, देवाता), रि दी र्सि क्रिं ज्ञान मम् म र्रिम क्रमत ( वि की र्यु प्राची, प्रवारी, प्रम्ता, द्रामे, क्राता), दि दी बटह हत्य कामारे दामारी (दि दी बटह, हत्सा, कार्नि, रान्ति। (स्तः (अप्याप्तक) मिलिन मून्डी: (दिम्मारेन अकनार्कर) 0 most of ( outsit sharing ( 12 ) 11 80 11

8) जा (लाक्षेत्रं) प्रधान : (न्युरिक) समाराजातुं (अम्मूलत्व धामकारम) नड हार्थः (धारतंत्र कात्र कंग्रेंस कार्डमा ) स्मर्विट्स (ब्राम्मेस्यायं सक्ताता) (पार्ती ( (पार्त्वाम ) अभिष्म (म्राभन पूर्वक) मांत (मांत ) क्यालहर (काल्या प्रयंत ) लतं (देख) काकि (पार्त नानेट लामियत); दू अना देख डेस् भी: अवा: ू (आव कार्ड न्यू भी-स्वत्क ) भाः प्याप्ता (श्रीय अपर भरते व वादा (एर्ने क रार द्वार क्षिय " [ नवर ] ) लागः (लाग-राज्यम (व्यास ) कल्मातः (आयकल्पत्रामा) भी ने मन ( भी कि पान करिए करिए ) मार्जिक-सम्पर्ध माने ने वि ( प्रिक बरम साप्ते हैं वै वे खारा खाराहरे द्रिक वर्ग क कार्य ति लागित्यम ), रे-यार (नर्काल) अरम (अडाडकाटन) अम्बडी: (मिल दिन मरेटक) क्षित्रक मत् (क्षित्रक मत्त कर्बम ) नकार्ड (लिस संग्रे का लाम कर्म का मिला हिलान) 118211 8) लाम (लाक्षेत्रें ) लामात: (लामा पिटक) खंबतु (बेस्प) धेमवा (समब्दिसी द्याप्त लाम्पर न्यावायां याकामारी ) कया । जिस्क्रिया (आठ:कार्य

मिना खालं वर ) ७ माड (मना रहेत्व) हेलार (डेविया) विनिम-नार्मिम् भूनीर् अवही (धवन यार्म म् व्यान अकरे कार्या ) प्रमुर्का (छेर्भका-प्रकारन ) अन्न ल्नाः (स्त्रीता लोग्रीची व ज्यारर न्ध्री ने मार्थ ) में यह (मिर्य) सम्मानी (लास सन कार्डिमिरिट्रात ) 11 8211 ( जिस ( जिल्ले ) मालाय के दिया करता वादिया (बारिमा) महावण: मू न महावा इरे(म छ) पार्थ-श्व सम्मार्क कामा मा ( मिला भू मार्म समाप कार्य -कालपात ) ग्राक्त्य (ग्राक्त्या (ग्राक्तः) व्यापादाः कार् (असम्बद (सर्) में अधार (धे सर्वाटक) ध्युवी९ (अक्रम वालिमाहिटसर) 1861 8 (एक (त्र मूमा छ ए !) श्र मा (प्रामान ) म्यान : ([लामार्ड]में त्रं ) मामार्ड्य रेश्य रेश (मास्यादु-त्याः (क्यू) मार्गः क द्यार हि केट प्यार ल्लार्वन मार्डन मिरे ) जलता हैना म ( भू रे-(परवर्षान्वित्रहिणाल) मूचा ([कामान] भूम वर्ष् भी श्रीराक ) निभ्वः (निभानिक डार्ष)

अप्रमेत-अगत- विक्षतेपूट्यो (अल्बेनिक अगत उ धानकान्-भानताति विक्रा कार्दित )।। 8811 80 जिल्ला (मर्वाचित्र अट्लाका मनविष्ण जा किला-अस्मना ) ट्लिन अप्ती किल (ट्लिन अप्ती ट्वरी) ट्रिस विकासिका ( विकास अपनिविधान ] मामन आर्यान भारत ) धात्र (भर्यापे) श्रिक्ष) क्षािक्षांड (क्षांतम करत्र एम )निक (क्रांत्र) मिल-टाक अल्डा: (मिल-टाक शकी की मानाइ) धारकामयका (धारका व अहि समापत ) अलि ( केंद्र कार्यामाडिएकाडियु (कर्षणामाडिक काकिमालेक राक्रमम् एत् अपि ) धरका कार्या (धरका अवस्त कर्यट्य ) 11 8 @ 11 (स्ट्रे 732) अभा (मार्गाक) सस (लामार्व) मियाः (मित्रे) मर्ग मधाह: हर्वर (अकल अस्था- माह रूप व्योग्वीक ) भर्व अलं म मा छण् । विस्थिरि (भर्व-अकार मण्य सम्माटम विद्यास कर कर्म )। १९७।।

80 लिस (लिस्डिसें [1212]) वर्द्ध (वर्त व्यानामाक) W नाम (माने (मन) की वार्ड! (रें मिर्ट्स!) प्र (लेख) विधात दुखिक (अम्पा व्यास कार्युंग ) विष् (यवन ) पास प्याठ यस (मास प्या यस्मात्म कत् ) : अले त माराविधि । विधाप ( अवर् धालां निक मारा किया किस्ति भूषक ) याविष्ट : (मूर्य प्रायव) मुरक्षाम रावर् विसिरि (मूकाव डे मराव वहता A 4 9 ) 11 8 9 11 शिष्टा (जर्कात ) त्यूर क्र जा की (त्यूर विभामिक. मृति ) मुस्र (मूस्या ) विराय (धार्म!) सटाठ० (सटाठका म) लामाव ( दुलार्ह् डड्रमाड) जभाव (उभाव) नम्बी (मार्जिन) मिद्यारि (मिना भार एटर्ट्ट) रिम् यः देशके वसकी (वानवान नक्ष वाम् क वाम् ए ) अभागमार (अम्म मृद्र) लाक्ष्म) (लायम प्रक्र ) एनड (न्या नं स्प्रक ) देरे अवष्य (अक्ष वानिभाष्टित ने)॥ 8 मा 80) सर्वात्म वर्ष (लामं : लाहम एक वर्म !) मयमप्रेडिक (अमा इंड्रेट देव) दिया (ज्ञि) अपा व्याना ( ज्या त्य विवान ,

इस ) बहुआएं कि ( के लिया थित ह कि) । ल्य न ( से व ) साहा ( से र करने गा ) जाएम (मिन्द्रायं द्राल्य) अवावान्ये विस्त्र (स्ट्राव-का भी म लागूर भिष्ट ) ह (कुर्ड ) लागर (ब्राजां ) म ल्या ल राय ( लेक्सा व दलप्राव ) व हम (वहमा कर् ) में हरे।। कर् ( प्रकार ) विलाआ ( विलाआ ) प्रका । ) श्राप्तिक में अप अप वारक्ष अप अप वर्ष प्रका । ) मासमा (कार मार्म रकार्म) हे लाए (भारताकार भन-नित्क ) सर्वा (काल्यन रे में डाम मार्थन-कार्या ) मार्थ (दि मार्थ!) वृति (भवन) त्रवार्डिक डिल्डिकी है कि अगर (डेरे ,डेरे मुन्स विद्यादिलन )। ए०।। ( जन के ना कि का ना ) विकासिका ( स ट्या व ट्येन क्षा ) ना लहर भी रेव (श्राचर शीव नाम ) विश्व प्रमा भी (बार्डिया -अन्त क्षाम् (अम्प्रिट क्रमानेश उद्गात)

भूम: (भूमेशम ) निकास मिलायो (मिष्मिश्रमा र्रेष लागित्यत )॥ ७ ।।। ( ) जन अन ( अर्थ असरम्दे ) अन्मना जिल्ला ( wombo क्रिक विद्या का साडिका ) मधी वृ विद्युष्ट नी (कृष्टित्र अमिराष्ट्री प्रकी) कुला क तालकर्षाः (भीकृता-बरमञ्जीम ) जीपर हनमेल इन (जी हनमें करान) क्रियात (क्रियंत्रे कार्यमाहित्यत )॥ एटा कि इंग्रें (नदं काल ) व दा हिं के विश्वा (कारावन टिस् के सम्मना पाट कर्नमा ) इंग्रं (माना) मार (शाम ) लय यार (बदस्या) अनेपार (जना इरेट डिपालके (भात्याभन कान्याहितान); लास (लाक्स न) में संभं (में से ना) त्र में स्वित न हामीं बीका (छात्राम काले प्रताक्त की व बमन मर्भन क विमा े लाकि करें ( प्रंच मां के माहिता) रेमं देनाह (यस व कार्य पार्ट त्यन)। क्षा (8) on in 19 men i (on in 19 men i ) so (cartis) मभी (मभी) ये विकारि (मार्स शास्त्र करिंगाह) क्ष करक - प्रवर्ष ( भावित प्रवर्ष न गां कार प्क) अज्य (अर् ) वसन् ( नम्हि) भाग्द (प्रकारकारत)

म्बार्ड : (क्षेत्र क्षेत्र ) हेनाम मुक्ट (क्षा: म्टार स्थितां मार्थाते है। समार : समार : (इर्ग ; इंश करें सर्गालनं कमा ) विकासमानाः ( अक्र बर्भवाजा ) अभा: ( अरे की माधाम ) रेपड् की बास कर अली (देश हैं के बंध ला हें ये ' लारा मका. कर्न ) 11 क 8 11 ( विला आ (विला आ ) ७ ५ व हर्षाके ७ ६१: ( म्या ना न बाटका हिए हुआकर्म दरेशा ) हम मू की। (हक्रम. ट्राट्य ) मका: (मनीन ) क्रिक (नक: म्हत्र ) भीव-वस्त्र वीकाइ (बीज वस निवीकार्य विक ) देर वाडर ( वर्षे के ) कार विकाश की वर्ष के वर्ष [ 10 CO CH M HAIN TON 23 41 ) AIC B 12 hold stor a day on the and interest क्षि (रामं इस करं) अर धने वि देश पिलडी (258 16 753 de QUITY) | CAN ( 524 CL M 3 in ) The 3 are

MARIN ASA SIGNISCHA SUBOLL

क्रिकावारक संस्था अवेश्व (त्य लाभ मलारक सेरम न्कः। ) समयम् नगणः। विकारणादिकः नविक्रदेशकायः मार्जाका विकास मार्ज प्राप्त करें मार्ज का मीत जिया बंदे कारल [मकी व ] काक्य वर्ष कारल बाल डिक्टानिक दलमाम ) वसमामा : (उनदान ) वेपन (नरे) नामार कमन् कार्य (मीन कमारिड) भी जीकृत् (भीज कार्यमा सदम इत्रेश्वर्ट ; [अड वन कामि]) रू : (इकेटिड ) अक्ष मार्कि ( विस्व हिस यहे. य भावं लात ) अस्ति (प्रत्या ) केंकति (ज्ञाल ATT (0(2 7) (211 QUII (१) जित्रहर ] नामिन्सिम्भा: वा: अभारः (नामिन्सिक्षि) प्रकल प्रजीमने ) अभित्रियणः (निक्न-निक्-प्र र्देष) विष्वा: (अवव ) अभगतम्भवमः (म्यायिक भावित) यमा: (यभी भी में में ने ) लाहिक्ट जाय (यहीएम) वालमः (क्राम्यन् क्रिक्ते) । १९१। क्षित्रहः कार्व (दामील्येड) म्रायदानी-ममीला: त्या प्रतं विश्व विकत् भाष्ट्र कर्न मा ) भाषा विश्व विश्व विकत् भाषा मही वार् स्रामी म

ट्रबर्ग ( मिल्ली में अर्ग योगमान ) में भारता : ( MCHMIN ) MNO: (NEW CAN) ON : ( MANDIN कान्या हिल्ला ।। एक।। (क) ध्य (क्किन्ड ) व का की मा (मू म बी की का का) द्याम (आ त्यात्या अत सूर्यक), मा भाग (माभीकर्ष) WEN (मम् अदाल ) म्नामिष्ट् (बाकिष्) नामामाने-हिन्द (मना स्तिसम् विहिन्) आसन वर्ष (हेल्स धामत ) धर्माम् (डेस्ट्स्म कार्ने त्यम)।। २०॥ У [ प्रमास प्रामिक ( प्रभी नामिक ), क्रेक ब्रव्ह: (भ्वम् माण १२ (७) मात्र-क्रम्य-स्वक- अहम ९ रेड (अन्व उ भू अ स्वक गालिव गाम) , यम भी-जन्ड: (मिल मभीव टार रहेट ) अपमं मखनेम् ( एका- ० - सम्मी सरकाटकी) लाह बंद प्रिमंड (लायका व-त्रम्र ) धावनाव्ये ( क्रिक्न क्रिमाहित्यत )॥ ७०॥ अ जायर (जमने) मान्न का न न न न न न न न न उ द्रशंबणी- साह्नी) नेख्य क्रमा किल्लान दक (उलाय- वसमा वस ) या मार्सि देवा मार्स ( रम. मुन्द जारमार प्रक ) स्वाची है दे अ ७ मूछ : (मिलिसि नेजवी न निकरि डेलाईड वन तमन )॥ ७३॥

) [अप्रह न ] मा (नी ना का ) मक हर आ में जूर- विह रे-में असे (असे असे हिंद आड़े की म व काता का का ह्ते कुल निर्मा ) धारम्म मम् भू विकया (व्या द्वातां व्यक्तिवाना) वामनाम- व्यक्ति-कारिका छ। नित्ते : (अभा मां म द्यान-क्षाहिक क्यारिक-काछित । जिल्लान कारी) श्राप नाम ( निर्माद ह नाति) लार्ड्सास्टेर (स्थितिय कार्ड ना) व कंगल्या (कंग्रेयन-द्वाना ) स्थित ( भ्रम् प्रम् ) बिस्ति ( भ्रम् प्रम् ) विस्ति ( भ्रम् ( कि रना- (मार् नी किंदिर्मा किए (रामाकि) रेशा ( रान्ने-मूर्वक) जारतो ६ (मर्वात्र) र मका ए लाका पृथा (बिशा वानिश्चान करने मा) , प्रामी एक स्वी कु भान ना ना ए मर्दितः (स्मीकर्क त्रत्व मैंबम्सन हिमार्वे ब्रामिन म व्यवादा ) बक् व प्रकास पासाम (मूस अभामन कर्न्सा हिराम) 11 629 6611 अ [अम्बेर के ] अन ( जिसे ) अन्ती न्यी में सम्म ० १ जा छात्र एडर (वलक मार्थिम स कर्क अवड ) सार-टमामार (सायतमामा) कास: (वस) मंत्री द्वा (अविधार किया), असु: प्रसु छ : (जनभूत)

ना० के दृह : के दृह : ( भेवप् क अस सी मीमाना ) वराश गढ (ह्ल्मिक मान्याह ) त्राम त्यपी ( अपम त्यादित) किंग भी द (असम कार्स (यम)॥ विशा VA [आवास ] (अवति (अवतिमार्थ) नियूना: (थाडक) माइसमा: (माइसमाप) मार्क (प्रव्रं ) दुमामंप-कर्नाः (निनिष डे अकर्ने राष्ठ लय्यां), ज्या ( के मात त्यित् हे अरम ) ही त टिलामि रिए नियम-उसाइण), काक्षत्रयन-मृष्यील (क्षत्रयम मूरम प्रम प्राप्त ) बिनिविद्ये (हे अविद्ये ) जार् (अशिकारीतक) भाषित्र: (ह्यू पिक् २१ एवं वर्षतं कर्निक भा उटा अ [ अमहत् ] सर्ताम्बता लक्ष- कल्ममक्ष्य कार्यद ( किस समित , डेफ्र के न किया , आस क क - नाम-मध्यादन उ कल प्रकार विभूता), मुमका-निनी मासी (भूभक्षा उ नाम मी- महूमी) मान्वा प्राव (मान्व. 4 MILEN ) MLMCO (2 MIN 8 MUNE 2 55 (MY) 11991 त्रीलक (नंड पालिक क्पायर ) त्यस्प (म्युक्ड मांद्र ) धामा: (जीकाकार ) माजाता कवा नहीं वालं (याडायठ: ठेळ्यम थाने प्रमू(र ) मानाम्मेर्टिय-

में द्यं: लाक्रेबर ( अवामप् क्य स्प्य मैत्क ) स्या म्लाक मील: (मिया, म्लाक उ म्मान्य) द्रमेश्री: (१ मेश्री स्व) भर्त हार्षे ) दृष्व वृत्रा साम्र है: अमिक (अप भाषत-क्षात्म कार्युक्ति (य म) ॥ ७१॥ (ट्राष्ट्रिक त अमार्थाल्य कार्यम्था मार्थ) क अभ्याः ( स्री वा वा व ) कहार पर्के के ( कम- पर्कार में वि क An Kayed By be a show you was a John a plan may pris for ( and ( and ) हेळ्य नामि (हेळ्य न) अलामि ह (अलं में स्ट्रक) श्रीमार के का सार्य म से वर्ड ( में अहा व में हा का सार्थ म eren ) or one praire ( en praire ain) AMMINIMAS: ( RAJO DIS MISCHY) 11 PP 11 त्रिष्टी विषय के न जा न अवंत्रः (यश्ची अव्या) यसमङ्ग- अडिवापिक- कृष्ट त्यानु मर्ट्व वर्षः किस्टि (क्स मसूर । रिंठ , अअपूक उस्पारिक अ नवाल ) नाउ कु ह भी है का उ विश्व दें : ( सूर्य -मिसिल अरी मस्त्र भारत अर ने सूर क जाराब हर्षा हरना ) ये तर (स्प्रिक भडे कार्य) हार्

(न्यांसाटक) लायर में जांगाड़ ( जाग्र संस्त माप DO [ क्यान ] अम्मा: (द्रारान ममामा) मूर्-र शिन टक्ट्रेंस: (भूटकासन भूकी वस वारा) क्राः कारात (द्वारा काममंत्र) महतालेश (यहामं क्रां भार्ष म करिया ) कमान् पाना मारियुन, विधामं (स्कल मालिस कल विज्यम्य अवयार्त. लूर्क) प्रश्री (प्रश्री नी निकार ) अलू प्-अस्ती मं - रात्रः (त्रीण क्ये किस वस्त्रमात ) आई बालपांड (आविधान कनार्य कार्य तान )।। 9011 ि) ध्य (७७° अप ) धनमं (हकी: जानश्रीन: (काम. टिछी असूर दांब हाव दावा ) जाक के त्रक्षी श्रदेव ( त्योत्रत न्यी त्यं त्यक्त वित्रकृत कत्यं तत्रक्षेत्र) मभड़: (मभीनाने ) ह्याने त्यानिकामार् (ध्रवक्षानं-अभिटमाहिण त्वादिकामं ) धामलार् (प्रमामला) ०१० (स्थानारक) सकारकाष्ट्रक मिना : (सहाव-काला व हे जा पानी है सप्तार्थ विहे सत्तार्थ : विकार का निम्मियान ।। १०॥ . 1) क्रियह ने ] आयुका (आयुका) ईल-र्य-आइक्टक -

ममभीर (र्टालन रिमाटाता छक्ष व ममभीकृत), अत्राः प्रिक क् किए क छ। त (अविवाधाव विका कू अप टक अ ब्रामिटक ) अधिमा अउ - वर् व्याव बाज पा छ -क कु जिक्सा ( विविध वर्ष प्रांड ड अला पहनिविध ड हिक्ती पाना ) लासिटलार्था (मालिक करिया)? विराष्ट्रा तक ब्रुका आनि (विविध मुक्तीभा नाम विद्या) र है वक्ति ( क्ट्री वक्त्रभाष्ट्र मुलाहिक) म् विस्ता के कार्या के कार्य क ( हुड़ा भीने वि) विमात्र (विमात्र भूवक), टिंग म म म मूला (स्ल ८५ टम टिंग वी वक्ष न कविया) व्याति हम् श्राहिण-स्वति कां छ छ। मा-उट्यामी रे अ है व के हिंत- व वं ह से वी बा में से सार ( अरड ८५ ८० मिरे महिल मर्गाहन ने में प्रम-लारम बक्तवत देळात अहे मूत्र मूक देवंस हमरी-नभारीम् रकाटन ) त्वरी व्यक्ष (त्वरी व्हार 本行政(人(日本)119279611

विशि द्वः (अपितः ) १९ चा (१९ चार्रेगासे। यथा ) सँस ( सीवित्रकारन ) देशाए (की नाकारक ) उपारकूक विक-कल्य महा लामे हे विद्याल विकार अवामा कून-कालि जाताका व के कर्म व ति की में व प्रमें हे वा के-छाटम ) अभागाक्षण बक्ष भट्ट प्रवी-भूमान त्यानी-प्रमा विका काकिल-भू कि जामिल-ल जम मेर्चा (अर्थ आहिल वक्रमी भरेवाहिण अख्यूममधाना बाह जारम विद्विष टार्मिय्याम धावक क्षित छ अर्थ. डारम स्थि (सम्), ह्यां मीकि (ज्यात्नं भाग के कत्र ) े त्यला है बा मोर्ट (समाहिं बु-नायक ) भूकुल (यम्म ) अर्थ वा अर्थ (भाव कात कवारे मारे त्यत )॥ 98॥ OC (मिन्निक्टि जिसे की ना का की ने मिन्दि (मिन्दिरिए) लिसक वं वे गाहिल - स्म - भक्ष वर्गा छ । भड़े हि बद्धा छ मा हार (मून जारम विविध त्रू भारित उ आतु डाटम अकर्म भट्टे मिरकारामिया छ विश्वी) मूर्ये मूचा-किए-किन्नीकार (मूबर्भूवावक किन्नी सामा-अंदर् के काक्षीर (१ न्या अंते ) सर्वे रायने ८ (विमार्क कार्नियार त्या )।। १०॥

( A M Chm ) 41 5 ( 41 X 2 4 ) 3 Ely 34: 2 ( 21 X 4 ) MAN: ( 21 X 4 ) 5 4 6 ( स्त्रभम ७ वक: ५० ) कर्त्रा छन् - कान्सीय-अक्षात्री अवह मति : (कर्ष, वा अक व क्षू रा अक्र-मिलिए हकत ) अभानिषड़ (टनमन कविया) लय (लप्डून) या (छित्र) छाट्य (समाद्दिल्ला) मान्त्र द्याः लाक (मान्द्र (मान्द्र हतं मह में प्राप्त ) कष्ठ वी-भन व जी- श्रम् भारिष् (कष्ट्र वीव दिन मयन्त्र प्रिवा कि हारा लगाडिक), धर्मः (अर्थाडाल) ला वः क श्रे वि टका परमा मार्ग न न न न हिंदी-म छ हम में निष्ठ हम दिमा हाना ) हिन्द (ना ने का छ [ अबर ] ) का छ छ : ( मर्म ) अी अ छ विसू एक व वृष्ट् (इन्द्रसिन् न प्राथिक), भी प्रतु द्राधिक् (भी प्रतु द्राभी पुक्र), काप्रभावा विभाग काप्र यन माल प्रात्रिक ), जिन्ह माना मिल्ड भरेक: ितक हिन ( घमाट प्रिण्य अक्षेत्र किनक 4 BAT & Part & CAA ) 11 900 9 9911 विषे १९ अस (१९ मार्थियों) अर्थ ) वर ह दर्ग : वर्ष. (द्रायां प्रमेश प्रके सामिहाल) क्रेत्र.

हिल्म ) ॥ १६॥ भ में बर् ( में का छक्ट ' ह क्या (प्राया ) हिल्ल के का निका ( क्या के का हिल्ल के प्राया के का के का निका के का कि जिल्ल के का निका के का निका के का कि का कि का कि का कि का का कि का क

विके किर्मास अयान अम्दिल कार्क सरमाहिक वर्षा मनलम् व ७ ६ व्या ट्राम प्रामिश ] प्रता (प्रत २मं किया किया : (कन्न ) जम् क्रिक्र क्रिक वाय-तिन् म कर्म ( उनमन आयू भम म म ब न दिन एक न प्रकार पर र ठेते । किस्तीय हरे मा कर्मा नी वा का व त्य में यर अ काय प्राचार विकास की का का का कर डे yaldi oud equ u ousuin ) 148 2684-कात ट्यात (यम्य मिमममस्य मार्ग काता-स्ति ) धर्म- वर्ष- यव वर्षे व हत्त्रीय भाषाती ्याहिक - अन् - क्रु - क्रु - क्रू व्याम अपन्ति विष्णाहिक, वारे, इत मासक धान भी के हेते:) गार्वड (अगिर्मा पिमाट्य ) ॥ १० ॥ कि त्यारमल द्वीत्रिया (प्रमाना कि व व्यक्तिन प्रद्याल विचित्र) भाषारुकार्डिः (भाषारुमाला)

देनराम रेच (त्यम् म द्रमम ७ व्यस्तित्त - श्रीक्री क (तं , (अर्थ ना वर ) हिनाबिना (नक-विहिन न प्र- मुख्याहिण न क पुक्त-रहानी (हिना-कर्क विराष्ठ , विविध विचिन्तेषु-शाहिण उ भूक्त-रिकेस अविक , वक व अनिर्मित (का भी वलारि अ या बर्ग विश्वासाय ] के दिए (में पर्म अपरक) कि विश्व (विश्वक्ति) नगंदानी (नगंदानी) कारण: / किल् का ने कर यूलात ) प्रमान् ल भू भूका विवाद प्रमण् (इल्मीन भाषतंत केंत्र वे क्षत्रं भय हादा लजाता मू (लगाडिक मिरे) ) टम्लेबर्र जास पत- म्रमुसामाभ-अतू ९ ( त्र्वरी अम जात अवश्वादा अम कितिकाकाटन निर्दि विभिन्न ) कुलामहीरारेकमित्वा कर-Cardares (MARICH TRATA अरुक्षित्र (अरुक्षित्र) त्यम्पर (अर्ज्याप्त अर्क्षित्र क्षित्र ) त्यम्पर (अर्ज्याप्त अर्क्षित्र अर्थित्र अर्थित्र अर्थित्र अर्थित्र ) करात्रेशहिलन)। ७०॥ ि हिया ([लव: अन ] मभी हिया) वमा: म्रवता: ( सम्बं ना बादां ) किटा: (क्ष्यां ) देलांबे

( डिक्सिंट (ल ) रकारं ने याने हिंठ - मून नी ना न्य म रिंड ( सकी छाटल दी नक ७ मूर्य कात क्रिनेमुक अह न मनकछ-बिलिये), त्यों किका मी मु काटक (आह काटल मुका-स्किलिनि विक्षिण), मूका बहा से लान-कला मिका-वाक म त्य ( धयाराम मुख्य मु अ म्य म्य मार्टि) त्यामा भारती के हिट्ड ( विव ] न त्या पेड मूर्य न मार म त्मा के का ने प्रति (भवत्वाहिन) हाक हन्ती-न्यात्क (मूलवं हक न्याका इमं) भूट्याक (धावक कविशाहिलन) ॥ ७२॥ ि मनात्म (अम नामिन ध्रमादा ) माने विषे: (ध्यार्ष) द्वान: प्रत्नाल १ रेव ( प्रान ट्यम् म मामन ट्यान पिष्ठान कर्द र टमरे के ल रे लिया : (स्रीना का ने) काहित हिन्क प्रार्थी (प्रतिन्त हिन्क दम (म) मुप्राक्ष हा या का-कालिए-कव्-विभागा-निर्धिः ( म् प्राहिण ला नाक्त्रीमान्ती जीविला आ व इस-वाहिण ) नवस्म प्रपादिन : (नवीत कस्वी-विन्तू) ज्याय (अस ह ( स्म ह ट्या ह ) CMI ह में में हका हि (त्माना विष्ठाव भूवक विवास काव्टि-至日)11 6011

P8 लामताक्रीत: (र्राप्टरा मार्थाम् ) प्रथा में जिल्ला प्रिकृत मामा अयुका कन् (ममा अयुक्षाकान श्रीमृत्य व्यानक युकाकनारि ) नमाम (व्यावनाम Carron कान्ते कार्यशाष्ट्रित ) च यह ( on a हेरा [जरकारन] अकामा तके (अकलकी व हक्षांना पक (अर् ) वर्षक मार् (भ्या ब्राम्य) सर् (सर् ) लवली काल (लव मीक व्यक्षित द्वाराष्ट्र क्रम दक ) तितिक ( जिन्मान कान्याहिस )॥ ७ ४॥ AC MA (लाक अर ( खिला आ ) वर्षे के श्टा की व (जी वाकाय मृद्धिकाला ह (का वी तक) कृष्णातत - भूत -मिर्मा प्रिटा कू का सुद्रा हम्मा जिल्ला स्थार वी कार (क्रीक्टक म् मम्भ क्षवी म् निर्मा श्रीहत्य न कारिकाम भाग कार्ने वार कार्ने कारिया नाममा-मक एक्स कर्तिमा ) वर्षल: न्या में अन्य अपन-द्वेसमा (स्विकेटके विस्टंड भीमें प्लाहानेत वट्यक्ष का लक्ष्यित वंशामां ) लाखिला विद्रति ([जित्राव] ट्या डावियेत कार्य गार्टित्रते)॥ ५०॥ िल्डिड्ड ] विभागा (विभागा) मुक्रवाक्षा: लया: क्रिय (लाहमा नी बादाव ) शवि-कत्र- प्वाहरू-

अरिंद (जीरासेंब रक्षाम्च अवगारिक व (माजा-र्बियमात्री) कर्ड (क्रिक्टिल्स्क) राम्राख्या देव (अविवित् एत्मेर तमत ) समापि (७९ मनार) डे मार् श्राहिल-रात्म वृत्रादी: यू न हुए डियाने-खारम नियम विविध न प्रवालित भी। छ ट्यारम ममुख्यल ), विसल लूनरे लवाडा (भूनिर्मल ख्रामची-मान ) मर्बा (मर्क) हाल ) द्रापमामाम (आक्टारिक क विया हि (यन ) 11 6 छ। H [ 6 दमा (त ] जमा: ( अरिवारी व ) डे अकर्ष कुष्ट (करेक्टलन ममी(म) ७ मा ५७: (व्योविमामा-कर्क विराष्ठ), मञाहिष्म छ न इप्राहिन -मूम् न प्रवेद : (श्वकम् अ रेट्य मी न प्राने-सम अहित त समे हाटा व्यवला में में न ) अन्दर्भ -हकः ( अर ] अन्धावा मुमलाल करवा इस्टेक हिन दर्भ : ( त्रुवतसम् । बिहिन दर्भ)

( मूर्व छित्र मा एं व अह कात हे क्या रे व्यक्तिमान. तम् छ रिकान् माति याम युक (नेर्]) मूम्भायका-बान छ। बिन छ : (जाि मूका बुका बाबिशवा अकीड) टमा हता हिंद : (६ लाहते नायक) 21 न : (21 न) मुटभारे (विम् ह कार्यमाहिलमं) ॥ ६६॥ ि निइस्स ] मा (1213) क कें तर्त (म्या का का के कम: भ् (त ) व प्राय - हिल्लाम - म्या नाम - प्रवर्ग टिमा ली -ज्यामे वा ह वा द्या : ( तहार तहार द व्य मुमला हे ह का छ . राप्ते अमें अस्पत्त व सेवर्ष अदिकासमें दिव सार्व सामक ) में ब्या खना एम : (में ब्यान व मना म-म् टमाल (भी शत्र कत्रारेमा हिल्ल ।। ७०॥ अपड़ के किंगी में भगाहित - क्षेत्रा क्रिया का का का किंगा कि का किंगा कि का किंगा कि का किंगा कि का कि का कि का कि का कि का का कि क टमानी । भिर्मिण : ( शर्मेड शर्मेड ते पूर्व क्री मू लाम इ प्राप्त भूवर्गनिवि धारामकी वीक्या उरिका-स्मिताना प्रथ्य ), विधि मुकावमी - हिन -उक्षक: (विकि मुक्तनाविन माल्य के उक्ष) जम्माः (व्याचार ) सम्पा (वक्रः भ्रात ) स्वाका ( (क्यान्स अपने मार्ट में )।। २०।।

वेशे आ (क्यीविकाका), माटम निकीट्य (मात्र-विकरीत्व) मर नृष्य भार कू तकेत ( अक भरतं नृष्य भीरक कार्य-का महिल्ली में के के वर्ष में हैं। वर्ष में कि के के श्रक्ति मेलाई (स्ति कर्ण वर्गित मान क विसाहि [ निर १ निर भारा]) ७ अइ नव (क्या के टक नंड ) आक्रम है का ल क्या भी इन (काल-सक्षीत् नाम् [मात १रेमाहिल, वर्क्व]) क क्षेत्रमार ( कि अप्तां ) कि पि (मां माने क्ष्य ) में त्माज ( म्यूनिस कार्ने माहित्यम ) 11 9>11 भी ब्रां वा वा वा ने वापा (न अव की में व भाग र्रेषु रेड्य हा कि हा कं चित्री में चिन्ही) सर्वात्क-दिहें स्वा ( १८ वर भाग सका सामुश्रादा लयके व) नकारणी- कारिसी (कारिसासती बंध्यान गान नका बसीरेम सक डाइ) ० भ्रमः (न्यु बा ब्राइ) अम्बद्ध (अम्माकामाटक) लास द्वार (लामके ० यार्थनार्य)॥ १८॥ कि [लप दे ] ल मो। (मी बाबा के ) साम (बक्र : रूप ) विमाआहिणांकिण (विभाआकर्ष विग्रेष्ठ), कतक्राहिज वर्षः (भूवने शहिज दीव्क वालिशामा)

प्रिक्त । अठ।।

(वार्क्ष के अवस्था अठ।

हिन्न ।। अठ।।

(वार्क्ष के अवस्था अठ।

हिन्न ।। अठ।।

हिन्न ।। अठ।।

हिन्न ।। अठ।।

हिरिया (विकाल) अपेल (मिन्ह मंत्रे) कर्ममा (६ म में अवंत्र अ वर्ता ) (मा लायर के 20 (CHONY-ट्याने व तहना कार्यमा द्वाभिया (2न) ॥ 28॥ पुदी लक (ल्यां अंड ) खुमार्था (खुमारा) वैकट्या: ( ज्यानामा ने अपनिष्टतं ) जयत्र अक्टामुल अहे-त्या विका- लर् छ- मन त्र व्यासमा । भीटर्स अम्ब भी छ भाजी नव नव आजा भाग के प्राची के देरा ( भूवर्ग मिर्छ ), शब्वं प्रमाणित ( निर् नी क (करं स्राट्यांत्र (कर्यंत्र अस ) में ब्रामं-कारत् (अर्ख्याय कवात्र नाहिलय)॥ १६॥ भेशे तरा (वरकार्य) माम्बम (माम्बर्ध )क्या: (नी का का व ) कला विय तम (भान काम जार्या-(५८०) भारिकारी (विम्ह) कारह भी त्रवस्पानि (यटम शक्त रे लिमीन स्प्रिस बमम्बालि) भू ता क ना क विभाग स्पूरित साम - प्रश्विषे - दूर्ण -लरेनी- जारिक अंगानि (अ भूरिक तक अभ्यूसन ठ र ८० अपर् व सर्वा नांत विणि है पाय है तिनं देलाई अप भिटिल त्रां के का केर्यं कर्रकंट) विब्दे (स्थारक स्थाइ (कूल्य) ॥ भूति

भित्रे में अंग्रेस (त्या अर आई कि हैं में ) 11 केटा। प्रति । (त्या का का का अ: (अर्) वर्ण का च-प्राति (वनम् नामि) भूक्तवती शाहिक-उत्तक-कल्लाल्या (में अधिमाहत में वर्ष केंप्-भूगत शाया ) प्रव्यासिक: (भामेरवासिक दर्मा), विद्या: विदेष: (हान विष्य मिन्न भारत ) वितिष-जिक्रमें भे भारती । विभिन्न भेत्र सक्षितिनं भाग्रत्तास ) द्रम्मार्डिक मः इस (वं दर्व पीरनं) प्रकंत देका कि (लाक्ष्यं त्यात कार्य प्रकंत -(を対)112911 भी जमा: ([नरंकल] छात्रक) धार्षक्य- वक्ष्मी (भार-वर्ष व वक्षती ) रिम्म सम्मिनिकानिका छिल ( प्रवत-मिर्छि डेळ्यम भाषाम-त्रभूरकामा अमक्ष ), अमन्न-भरे सुवकावनाष्ट्री (नधुषात भरे छाळ्त भार्ष मितिष मित्रे ] अत्यक वृष्यानी - मानिष्य दुवा ( सर्व) आत्म विविधि व प्रवासिक प्रमाखिए प्रमुक्त र्थमा) नमाम (त्या डा वारे मार्ये ) ॥ किए। क्षित्रहें। [ विदेशास्य ] क्री रामान क्षेत्राम क्षित्रम 

भुग्री [बरबाट्य ] लाग्यः (न्ज्यु श्रेष्यां ) भिक्याचार्षिका (अतामाद्भिण), नातान्त्र पूर्णिकन् प्रिला [अरेट] विविधे न्प्रमूलम् भी छित्रवाविष ) प्रभूति-यूक्त (क्लंदी मंगारे) विवक्ष-सम्मानी वाले (विवाक्षत सर्वत्रकार्बस्त (मा डा मारेमाहित)॥ २०॥ १०० जिसकार ] विलाभा (विलाया) उद्यापवाणालावेदी द (जिसे म अम्म असम्भात्म के व्यक्ति । करेन-करेक-मार्य ( हक्षत हरेक अभी व क्षां नव मुक), कर्म-लाट्याः अविश्वि अविश्विमी-शास्त्राले ([पन् ( श्रुमं सर्वेर्ने हार्त चार्षे किंच क्ष्रेम्य दिन् त ब्राक्तिक्र अ २० भी भारते का कर्षते का बी ), करक-आहिए-मात्रा ब्रुका तार्छाहट्यो (विवर् ] सूर्वत्याहिण विविध-( के में कर्निश्मिक्तिम )।। २०० ।। शि [लम्प्रके ] कमा ( मिम्मास्म ) एड अमर्ता: (स्माकाक्रक काक्ष्रालक में सम्मन्त्र ) में द्वारा में विद्या

(इंद्र ट्या में बेर या मक र में में हुन ) भट स्पृ ( क्या का का का का द्रम ) लाय: (कालुमानं मी हिमानी र्युगाहित)। २०२॥ अर्थित ) म्रामाः (व्यानामा ) अपमन्त्रीय (अपमन्त्री-विग्रह) व्यावनी-क्याहि-कव्यक्ति (विविधः व्याहिकाति (विविधः व्याहिकाति (विविधः व्याहिकाति (विविधः विमालकानित्र-जाकि ( जिन्न को लात विदाणन व विमायनादी), भाषामं भीमाति त्वनः (भाषामं वीयन सान CMIGN MISTINE W ) 11 20511 मूर्भी ) विभाभा (विभाभा) धव्विक विलाह माथाः (क्षल (लाहता) धमाः खमणाः (तिल्ममभी व्योना वीव ) कवाव विलि (कवक्यात्र), प्रामाह्ड: ज्याम (भारतान् मानी) मर्पया (मर्पाकृष्क) दिवास (साठ: कारन) देलस्वर (देलसा संसाल अवड ) नी मान्यिष्ट (नी मीक्यमिर) मेरीर ( जर्म कित्तन)। 20 611 जमा यह ( जिल्ला त्ये ) मम्मा छिला (भम्मा छिन 708 कर्षका ), मार्वाण्यवा (मार्वा मार्मी)

यमका (में अवधा) में बिहार क्षिती है। के स्पियं के स्तार -(म्बिनिष्ट) मल्यासास (मलिन क कारेमा हिलान )॥ 50811 या ( िलप दे ने नी बासा ) में के दं ( एक्ट्र नं लाल) दिए) अविशिध्न (अविश्विष्ठ) यह वर्ष (तिल-८५२८क) इक तन कू के का हिल सं ल रक्सर ( जी के एक सं मनं म-म्मालन डे ९ मर्किन क सम ७ तम्म के ) धाराताकड (मन्त्र कार्नेमा के क का अमाउ वर्षन व्याम (की क एक प अगर्नकी पा (त्वा क्रिके हक्षमा दर्म ग्रहित्सम ) गरि विलिय विल: (ट्रम ह्या) का उन दिवाक नकतः: कीरहेण न वार्षित मध्य- की कं व स्वाकत क्षित केल टमाम्मित्र ट्रमबाबं मन कर्ति महामानिक अवस अक्षित का लाक के के आप साम (आकार साम्ये के का मार्ग के किए का मार्ग के मार्ग के का मार्ग के का मार्ग के मार्ग के का मार्ग के का मार्ग के (क्षिणे हे अ ए म कार्ज मा ए में मा कार्ज के के ब

Many Survey surv

इंग्रेंग यभू

(आकृत अटल त्याव (आटक अयप कार्य ) ) (आर्येत्रपत्त (आर्क अयप कार्य कार्य ) Силорая ( Ситратор न्या महा निया । ) वर्ष त्यारे वात्या . के ये ( १ अवं का का त्राहर के किए की के या ठंड मा ) अर्थत् गूरकत्मत् (भूरामूख मकत (लाकत्क) व्याद ( अक् अ बालिया हि (ल म्यू)। >11 भी पर धाले (भाषेष) ए (भरे) गृरक्ता: (ग्राम्ड अभावियमण: प्राकृत रहेमा ) निक्न निका कम्ती एम कर्वार (तिन-तिल-कर्वनाकाटर्म) बुद्राहिखाः ( [अडावर्ष ] बामिडिड हिल्म ), ७९ व्याम (जमाल) मू जमयू गुर (सूर जी मुझ थू न- स्मित-या : ( में च बार्म में अ लामें व व हार्ड हि दिन लाह तक १२० ) वसी मा ( बल मही ) जान (उन्यादिमान ) अधारपादिनी हिन का वान कार्य त्रे बा क्या ([लय दे ] च क्या कर्ता) राष्ट्र : (राष्ट्रा क्या क्या) का कुर्मा हि प्यत्र ) ॥ ४॥ ्रमधार्म (लाज्यमस्वक) धमार (बामाप्त ) ?-1 To admuy; [ [ Col sid ] )

(व्याज्यम्४७)? संग्रह: (यम ग्रिसं म्प्रट्र) स्मिर्ग्रिंग विस्त्र काल्य काल्य मार्ग विस्त्रक्ष (स (लासाक) यदम: (यदम) म: (च्याकिक) केसूव: क्यानार (असान त्याव्ये स उद्गा) क्षिमा (नमन्द्र) अरमाकार (ध्यान-त्याक र्देख ) महमकार्व (अकार वर्ष म कर्निय )॥ ७॥ 80 ( COLD IL ] MENTA (MICON IN SUL) MISM : (विविध लाक) वस्तानि (स्त ) वस्ता- विपन-क्त-प्तारत ( भूका, पार्यत, कत्र भय ), थार्यक् (लाम) भाषक साम: (त्यावि सामकणाम ) भ है चार (लस सका) में किया - डार्डिस - स्पाल -किए- लीवकर ( किली , श्रांब मा , श्रांब ह, क र्यं न , व्यक्ता वीया) भी स्त्रातः (ध्र भीत्) । हिक्ना-त्रिक्ट्र- विकाल (जिली, विरं, विकाल अर्थाय माकाराती, नमार्षे (क्षेत्र) में मार्या प्रिम : (थार्व का अस वरिका धार्य वडी असूर्य), (अकावन (अक्रवलक्षे) अगिब्लमा (ताब्कि त्व लाम) क्षार (त्य) प्ताईमह्म (पाईम है।) भूठ पिक वून भी बाना प्रख्या : ह (भूठ, पिक, पिक,

भिष्टि असी सुर ट्या द द अस त के अ [ नवड ] ) सात: ( This: silver) - 3/3 Cany ( Taddid ) anning ( ans x 12 ( 12 ( 12 ) nd 28 hy wir: ( । असे वा त्यं ता ते था ) : आई ०० (त्सवप कार्यात्यम ), ७९ -१७९६ सर्व (७९४२ स्तित्ते) था: (राश्वाम्) ०००० कार्त्त्वे (अंद्युः. भि लेस इ. १० मिस्टा: (चात्राक्षेत्र क्षांत्र क्षांत्र स्वाप्त तर्र असे सम् मेको ) योजन्तर (पर्यंता माल) ॥ ८ ६॥ कार्य समृत्य ) भव्याः ज्यासम् (भव्य अवृत इसे मा हि (लंग ; [अछ: लन्]) त्यूर माक्रमाममा (त्र्यविश्व हिल्म) भा (ब्लाभ्यनी) त्वादिनी० विद्यात्र मी दिन मीटक) क्यात्र में क्यात्र (क्यात्रवात्र व्यवक बालियन )।। ७।। में माम त्यार्था (लामं भाम त्यार्थान ।) लाइक्ष्म. (७००-६क्रम) प्रवत्तः (वनवानः ) वातः (वानक-भने) माय्य (का (माय्य (का) मृद्दार्ल (कार्छ-( ale win of 2 1/21 4 2 (4) 11 411

A CH (ourse ) CMCS (STCS) 218 CHIMI: UNI: (टमानाममनानी कल मामने) म अहि (मा बार्ड माट्ड ) है लगाम (जगाम ) द्वा जम् (देशना पूरेवन) मान्टिन वल दिन्यमें प्रावन प्रावन (आरंअ। हर नाव: (आराबंद्य अस्य करंव ) [जाति] किल्कायारि (क्रीकाविक) है।। ७।। भी राजे बहरामे (बदम बनापन उ मेर्डिक) मैस्विमेर-ज्यमे नरे मा मा प्रण: ( पूर्णा धवर्त) विष्यं उ न्गुकानिक भारे समर्द्र ) (छाक्तमप्रकृती (रक्तात किछोत्रक काहिन कालात ) मारे (प्रकारकाल) ज्या (प्रक्रम) हे तह : (वर्षक) шमाम काल ( एडाल म 3 ) म 6-2010 (कर्नमा ) ७९ (अरे एड [जराश हेड (अरे ]) रेड ( 7 7/1/4 ) 120 als ( on 2 min ) 2 g ( on - on - y - y -मु जी बार ( पूर्व क अरिनेका र रेगा 2 16 m (2) (28 (0021!) 25 (000:00) जट्या: (जादारम ) देप यहा ana (देप वंड) अस्त स्टिल प्राप्त प्रिक्ट ( [ न्यं में - ठंड नंग ] अंदिल सं मध्य , असिम् (प मसम्म : [वै.स ]) केवर (महर् व्यवक्षाई (भाकलायामें) लंस (भराय कर्न चिन्ही) मा (भाषाटक) इंटिस ( खाडाबा दु दिस ) त्याको-हि क्या ( रहा ब्रिय का मार्च क्या का का का मार्थ 27 मा ) महर्काह (नका ह काहर भार छ) सामाद: (त्वाक्षेत्र अर्व ) वे ठम वर लये वं ( Сमक्षेत्रात्मन टमन (हाडा) नक ) भारति ( समित करं विषय ] यत्र मत् ( एम एम के प्रमं कार् रेकेर (धार्माद्व का डिनायान् भाव) ज्याज्याहः and ( alsith a recourt \$18) 2 81 ( CL 71 12 rils " [ alg. ] ) and raid ( aroun ra-भरस्पाद्वं ) ७९ २०९ (सरे मकत्र ) रणमन् ६ इक (ग्रामा अस्ट कार्य) गे भाग के राज प्रिकी (बल काळी व नक्ष मिर्दिक्साम्पादि) बाधना भाषा (जीरकारिनीरमवी [जरकारम]) क्रिकी। (क्रीरवि अर्व ) माश्रीमन् स्रक्षाव (मात्रीयान कट्टिय आहे केंट किया) असेंटालास-सक्षाकार (अश्वाक्षाक् लाक त्वा में सहस्र में छः) व सवडी ए पटार्म (भाकम् १८ मधन कर्त्रमण्टित )।।))।।

) [नाम्य ] (मार्क त्र मनी ( ब्राक्ष क्षेत्रणायर ) अर्वन काहिया राजा (म्यन अञ्च कहिट्यू राजा भिन्न ) विकादमार का प्राची मान मान (की ना कारक जातम् दाव्या मिन्न) महत्त्वम जामी ९ (हिटल व वार्श्वाण अकाम कविए लालित्वन )॥ इद्रा भेलस स्टिश्चिष् ) कुल्यरणः (इस्यरल्यं मैंत) छित्र (क्याना) भन्छमा (स्वामास) लास नामकार (समारम लाममा) सप्ताहर (स्माम कार्राम ) आ (ब्राक्की) व्याव ([छात्राटक अक्स वानित्मन ने।। ५७॥ Big lain ([w ing;] & ms mis (cn ceres). सर्वेड्स लाक्षां (लर्सेह्ट्स कार्स सर्वेड उर्दर ' राधिकारित (धार श्रांडित '[राजा]) लर्सेव-[लाइ])म: (लाह्र) वस ममा (अह त्वाकी बस) (छाछ्म (डक्रन कविट्यन), मः छ (छिनि उ) हिनास: उन्ने (हिन्दिन नी इरेसन) हिनाकी (जी वा का) पूर्वात्रत्र: (पूर्वा आ- भूतिवं तिकरे १३ एक)

रेडि कानिजवनार् विपिष्ठा ( यक्ष वव लाड कार्नेपा-Vanting the Leging (sping ) and les ( and ( and ) is which is a which (धारा देने कारे (छाड )॥ ३४॥ ्रि (स (लासावं) में व: (में व) सिव वें क लाम् (स्त्र ट्लानी वरेम ७) आपूर्वालकी जाकार (काल्यम भार्तित हे भारति है के कि कि कि अहक है। अहक है कि कि कि कि अहक है। अहक है। अहक है। अहक है। मार्वन मार्वार् (मार्वन म्याप्त भार्व) जार् भारत्मार (एपर मीनाद्यातक) ला स (मधन) इंड (नक्षात्) लाममं (लड्रमा लासित )॥ > ७॥ m दर्द ( क्रियान ) त्रा नव ( केल्यवा व वा वा क् मू थः (प्रकार) वा कार (अवाकीरक) २ प्र (जिल्लार) ल्यमंदी (ल्यमंत्र कार्टिक) गर (मम्बाट त्म) नवार (कैस मवाट्स ) कमर्स रेब मा १० ( रेक्ट्र वं

भार साम्या कर्तिमाहिट्यम ) वर (वाद्रा) त्यातः प ( त्याद्यमं इ विसम नत्र); यद (त्यद्रष्ट्र) कृष्ट-का तमा समा नार (क्षान कारण हेसाख) बाल द्वि व प्रचार ( ब्रा बारिमते व ) मिन्दि प्रवं (प्रक्र कार्य के ) मन मनश्र केन (मिछ) मुख्यान नाम द्रमम् रंग १ [ मंद्र] ) लर्मस्थायं प तारि (काम कार्य में भूकालम बामिया स्त्र द्रम्मा)॥ उठ॥ ) लग (लक्ष्यं) रें परत्री (यं मनता) श्रेम वह:-(अशिकाकाला अववीरक) वर्ष्म प्र-मानं ती ? ्रिक् (अक्कम् अम्मा समाम समामा करारेया न निम्मि) डेल्का का प्रीप (छेल्मू क मुका इत्रेसन) ॥ २१॥ जिल्हा (कार्क्स) विश्वमा (ब्राक्टियर) सा (क्रियरा) मुसामार (वर्न मार ) क्रिमाराका के विरिमार (क्रिंस डायामना) (क्रिंडिनाय निक्टे) धात्रामा (अयम कार्या) मेलामार्थः (मलाम्बीन) मटलल् (ट्याविक वार्षा) आयमाधान (अवने कवारे (यन)॥ > 611

29) लग (माद्या) या (वाद्या) त्रव बाब्ये बाल्याः ( य (ब महान ) ला कार्र लाक्ष्य (लार म मनप V2 रेड्ड) असे साथा लास (आहेटा उद्यात). (मर्बन्य अग्रा : (टक्पेन अपन्य ) विषया (देवार म) दिहिंडा (विहान कार्यमा) जाए कूम बनीए (१इसम्बाटक) सम्मेर (माटिन स्पर्वर) ध्वापीर ( अक्ष वामिणाहि (सन) ए इंगा १० वर Сम (द्र वर तम कूल म एए!) छते आविय- आस्तिक. वर्षा (अरे टम्बंबक्स वर्षित्स समर्बिहाना) Cस इंगर में ता (ou लाव नर में न वर्ग ) मा स्था. (लाडिज्रा), अप्तः हिदारस्थी ([ज्याम] ट्यानम् मस्य किमाटमधी धर्मात् अन्द्रासम्माम-कारी विकास ] नल्यमं : म : (मल्मल्य न्त्री के क ० ) हल म : मर्च ( हक्ष्य न के वि वाल नार्य. प्राप्तिक ; बक्ष लाड गार्रिंगः (कार्यक्र म दे व द्याम ने निष्यंत कावित्य मार्श्व हा विश्व दे : क्रियो म्यामित्वी व नर्म भ मिर्दिस वा का छ)

आयोर (लाइकाम भाषामुन : [मार्थान सान]) Here's age ( Count ] 1000 aloun contains En 213) ( # 3011 ( En 22 owa ] ७ वर्षी (धामात्र) प्रवाद वमार (प्रवा कमारे रामि ( १ र ) : कि क ( क्रिकेट ), प्रायं ( नरे ) टलारमञ्जू : (अल्य मेल् (मंग प्रश्वा) अस्तार : अनम्मिर् (अन काक्मिन) भार्मः आविषः लास ( [ लासमादक ] त्मस्य क्रमाई माटह । [असम])त एक भं : (प्रत का वि (व तता); र खिय- छि।यद ( जा लंब ज लिसका वं ना म के विंग्रेशि) CALANCEL A CALCA CUM-ल मी क्ल में के हम वाक वर्लिं भी वित्र न विवर्ष) टकामा मार्म : देव (मटनामिक स्टिन मान िचिताला कार्निएटन ] ॥ २ > 11

रेड्रेट (अंडेड) वसर (द्वारात ) सार्वेश् (सार्वेर्ड ) ललप्रधीवकर् (मिनिन क्लाक् मूवकीलन क्के) डेस्न्मिडि (हेराड कर्निमा शास्क) दे जमार क्रिक्ट ) ७व (का समान ) बी बिमी छ : (बरे मस क्रिक्ट ) ७व (का समान ) बी बिमी छ : (बरे मस त्कान गम्हा ) भूकर (ममंख्ये वरि : [किंह]) ७९ (इ**७००**) आ भार्द्धिंग: ([ज्यामाने] ह्याम णालका केवित्यमा); धमा: (बरे) आकार: (आर्थेश मांचाय ) हाता लाम (हाना ३) राज्य (राप्टाक) (त्राप्त) (मिक्टिक्षे) देक्स मण्ड म कर्ना (मिस्लिम बार्ड मारम), वमा (राक्ष लात्वर्) लड्ड अमंड (व्यास समेंडर्) देशाई ( र्याटक [कामिया ]) दाक (न्यासर्) Co लिलां ही (लामगान निकट लिली करनेन) ही 2211 कि िक्सन करिया क्रूनिया क बामित्नन क्रिक्र! (व रद्दा ) प्र ( वृत्रि ) टमाटके (टमाकेयर्देड) मासी आमेर जामि (आहि उठा काल मूझामिका); ७९ (ट्रारेट्रवूरे) रेग्ट्(नवे) प्रव्या (प्रव्य-हिडा) वर्ष: (वर्षक) प्रिं (लाभाव विकरे)

कार्या (कर्मने काने मात्र ); त्याम पृष्टिः (६ अम-रम्म ) भः मलमूतः किम (अरे ब्लाधमलम) य आ (यात्रात्क) नत्र व म मार्गि (देशात्क तार्मिक मा अगटवंत विशिष्ट ] ) वर विरम् मंद (प्रदेस अहे क्रम्या कान्ट्य)।१ २७॥ 78) MM (माठिक्षे [1012]) अर्वेड (वर्ष स्वास्थात्क) कारम (मद्भाष म भूवक) समाद (बालियम) न बिर्ट्स ( A बर्ट्स ! [माना वि क्षि]) कर्मा क्ष (निल-१२ २२८७) न क वर्षीय भी भए (भी बाल्य की व प्रिकरे ) बुळ्य (भवत कवं ; [क्षावं ] ) कम्परः (अन्तर ) त्रिम् (क्रिम्कार) निकार्ड (मक्षापन-भूकि ) धानमा त्र नव (नवे कुल न न न अवर्ष) प्रें (मध्य ) नार (शिर्य) हाने या करामरम ; [कावंत]) लागड (लागड) व्या (लामाव) वृतिः ति सा असा (िम्बिक्स) न्यानामा ) इति । समा भ्रित्रावः मिन्तानि ए मार्टिमा ) कार्टमाल्य कार्स (कार्टमान कार्य. मा का में खिल ) महश्र धारिष्यप (त्मर मनतम धानिध्य मंत्रे ) अन् मनी ह जार (मनी क्यानाता)

देवाह (अम्म मिलान) के रेट (अम्मात) (म (orm) के को ही लग् ह (लग काम बंधि गाटा ? [खिलक : कमारी) मिमामेल १ ५ (मार्ग्यं रेकाल मार्) ने मर्(त्ताक) क् मार्थमा (क् मवर्ष ) १२० १२० (१८० १८०) म रेश्लोडि (अमर्न कर्यमा) ॥ २०॥ 30 व्यास्य (या मार्थ (व्याक्ष्म का व्यास का का व्यास का व्यस का व्यास का व्यस का व्यास का व् ध्या (छ्न्यास) त्मेन्डा (क्न्या) क्राड -आबि (दि आबि! [प्रिंप]) किए हैं के रेप्ट्रे खीका लाम (इस आर्ट्र) है मार्स (कार्स ) लाइकी लाम्नी [त्यसं ने निक्र कार नार्याह ) राष्ट्रियानिका ( क्रियाकक्क ] यरे माला हरमार्थित रंगमा [लिक: अने स्थाना]) में अवर: (भूमाकिन महीर्व) अच्ट्र (डिक्सिश्चरी न पूरर ] भूग्री कार्ड त्यम )॥ र ०॥ (भावादाकायं क्रि) अंदर्भवटं (सद्देव) (स्थायप्त) र्क्स्य (स्थिर्क्षं) मावदासारं वि[वस्य] यात्रविधिश्यः (प्रायविष्टिः ) स्रभः लास्

लाक कार्तिक (लाक कार्ति) व्यापान ( यत्र वर्षक ) सभी (श्रीनाकी न ) व्यत्मम् : (व्यत्भव्यम कान्यम्)॥ 29॥ भिक्तवनी (क्नाना ) अस्ति (अमना वेड) अवस्त्रप्रति । अर्गमण हमम् बक्षः भरे क्षाम्य । अक्षान्य । अक्षान्य । अक्षान्य । अक्षान्य । अक्षान्य । अक्षान्य य टक्ष म अर ह हाम जिल्लाम जातमकातिक करकार्य- १९० अर्था ( क्रिम १३ कि ट्रामिया ) ट्रिम्से ( क्री कि -मानि (र मामा रिप्ति)) वि हजूराधियमार (जिस हारित) टक्स बडिक्सम करिया ) प्रकारभण: (मकारकात अन्तर्वर मूर्यक) मूनामी तान मर्थाः (मूना भावा की व स्टेन अवूनि (स्यूमनेतक) तमाडि: अरोपेषु ( मुस्मते ममं-मा ७ कवा देवा व समी ) धार्य मार्थ नव का विश् (त्रयम नार्विते) क्रालाक (तिल-लाक्षे) गुवार्त्रीर (लाममाय कार्यमाहित्यम) ; यर (निश्वायमाम) (मर्दे ) राम: ([कारावं] राम: म ) हमरें मा है। विति हिल् ( मुखके नमक कि नाह [ केट]) व्यक्तः

(धर्मक (पम) माने प्रमण : (म्रूम हे माल रे प्रह : अ व मुक इते मार्ट) । वर (स्ते (रेक् ) धर्म मा (म आवि) मार्था : एवं (भावित्र वाका मार्गित वाका एवा मार्ने ) म्र मुहिल्ट् (म मार्च) मिली मूट् (मिली करें) मार्ट (म्रूम हे मार्स मिली के लाम मिली क्रिक्स मार्ट (म्रूम हे मार्था मार्ट (या विमान मिली क्रिक्स मार्थे (या विमान मिली क्रिक्स मिली क्रिक्स मार्थे (या विमान मिली क्रिक्स मार्थे (या विमान मिली

उठ प्रम (पानुः भन ) नानिन (नानिन ) भ्रम्मी १
(तिल मभी श्री दार्शन ) पह र्ष्ड मिलाए भू न कि कि र कि का का का का पाला का (न मन भू मन कि
पाह निक निमू एं रा भान भारे व हेर भू न , प्रम ह
कि कि र मिलू एं रा भान भारे व हेर भू न , प्रम ह
कि कि र मिलू कि र रे का का मिला के ने का का का विश्व विश्व के निम्म के निम्म

जर (कार, त्यरे त्यूरे ) ध्यम्भा: (जात्रात ) रेपड (अरे) शादमंद (बाराम्ब छ) जन्मात्वादिवद (जातान्त्रे न अविष्याम क्रिंड द्रेमाट ; जिन्ने) प्र (प्राप्त) हिर् (स्टिन् ) नुसा अक्षरम ( रूप्रेकामडा कार्नाटर ) री ७००। ० रे स्माला ( [बापडन ] क्सान्त ) समी वहः सार्विः क्रिक मन मीरमास्म ९ क मा वन विकासी ए अर बीमा (अविश्वीन् धिनेममूपम् नानिषान् राकामान यात्वे कुळ म अं भीतीयान कात्याल हे स्मार अवस कक्ष ७ व (के ध्या अव इ इरे एक दिन श्रिमा ) अधाकवर् अभारे (भट्डायद्व व अभ का लिड छाउ मृक्तिनाड भूवक ) भूतः (स्त्राम्) अश्रिष् (राम्भारकार्य) बराले क्रिकेट माम्स्मर्ने ॥७२॥ त्वः अमि (द क्याविति। ने की द्वाः बद्ध आसीत्। दि ब द्यार बद्ध करारात्र । [जूबि]) किए (किस्ति) मूमा (मूमा) धानन्द-कटला छन्ना धार्म (धानक्षानिण कटला हळाना ररेएड हेरे क्यमना: (क्यम्भमनान) ट्यवं : (त्याडिश्वक) धटमे अर्च भूषतः (अर्थ

चयनं ) असः जामानं (स्त्रीनं के विष्णं) विकर्षकार ( यर्ब दे अ दे का व अ अवाद आ में के कर ) द्वार् हां दिया । क्षिति का निर्म की नार्ष । जाये दूर ह इयाते कितनकारिक कर्मी हक्षा द्वे एवट ? के का या वा वं (लाक्षर ला मार्ग) तत वर् लाई महित्र क्षित सी के के हा करी चलव , में त्र त्रारा क त्या कर्निमं क्राम कर्निमार्टिन, क्यूर्री (वासारक प्रकार प्रवाभ (डाभ कवि (पन मा) 10011 08 [लयह ने ] विहम्मत (अवभाषका ) विभाभा (जिलाभा), कर्मान प्रमूर्ध-छर्छ-कु छत्रात्रिकिली (अन्तेम् अट्यां स्थान क अन्त्रमीन हमं क भूवन कुछत्यव मिर्भारीविश्वरम् ) कर्पनार् (मानिश्मा) जार (अरे) क्या यहीर (क्या नात्र) क्रम् (वरे ) यह अग्रिती (यू म् ना क्रिक्टिंग) क्रम्ब्रिंग अर्था विक्रा विक्रिंग विक

द्वस आस्त्री बाबामा अधासा ) स्त्रात (अत्मेर्तिन माड , लाभ ह टन निक् माशीय माड ) अवध्या प्रमाणव डेव्रही (काल्यम धान्स कान्स कान्स)? क्यम्ती- एकान्याह (क्य भूकाम निष्क खमन धरममा कामके [धर्माहरन्त्र क्रम न नी में धर्माद टामान) क्लिंगिक्टर माम्य क्रमिन) कामकी क्रमिकी म्तामाए (धार्व हक्त ) अधन्त (धर्म कन रहेट , क्षित्रत्न काश्य की कुक इत्रेट्ड ) छी- छ ब्रा हर दाल ( बर्म हकता देते मा कार्या वरे रेख हो रेख हो। भ रका टमाकत्र या यह आउवा निका विकिक मनित्री मान आम कितिह क्षता [मेर]) डाताहाय विद्यारिणाह हे सरा. लाश्यमाट लर्म वार्थिको १ भार का (मार्थि) आरोप में राज्यात (हारवार में उठ लाम्हि अंग्र-र्ठीलास-अयास-प्रम्हिता दश्रीमें बेशी-दबर- क्रियामात्र-विमात्र यम् वृत्ता : (अरेक्स अवम लावेशप्रवृत्ता. एमी भारत में मर्थे एकत्मा आवं विमार्भीति वै सुरं भारत शामात शामात ) गाह: ससर (सरहरीमान्द माउ०) मिथि जा प्रमंड का का (ज्या महा गंदी ने पूर्व के देलाई क वर्ष (सर )। छा।

## ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 NO PERIOD	3RP PERIOD	4TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7TH PERIOD
Mon							
Tues					·		
WED			33				
Thurs	S						
FRI							
SAT						**	

ganata

EXERCISEBOK



No 18 2 2007 STP Pages 128

Name 200 Ad School Name SCHOOL OF 19 Rhalas
COLLEGE CLASS SEP BROLL No \_\_\_

Subject\_

286 ००० असमी असार्था असार ( असार्थमा असमी आरवामा उ िली बादान सार् । लाइक (सरमेका ) सेके समारा (की कुकलम मी भिटलना दिनी) उस दैन ना भटम्) ल्यामका (समामका [मुद्री ) १ वेप्टमाः स्पृत्रां ( हर्ने कटन अन्त ) वार् (आ मा दार ) अत्याद्राइ (यिक- सारम्मलकावा) डे यात्र (डे यावन वर्षक) इति मिर्शामं (या की न ने का ने मा) भूषि व्याष्ट्राम (यम् क आधारी कार्नेट्यर ), ००: (अप्रड न) म् पिला ध्यमम् भी (अविवल्लः ध्यामिकन्य पान) धमा : (४। ११ व ) मूमर (मूमम अन ) हु हु म् (इस्त कवियादित्वत )॥ ७१॥ ० में अन (कीयर नामन) वर्ष मंग्रान: (की वादीन मंगी-भित्य ) माळ्य ६ ( माळ्य का त्यरे ) ज्यामिनं (पानिकेन पूर्वक) प्राप्तः (सीनाधान) प्रवाद् -ड बुट् (निर्विध कुमन वार्डा) अश्रव्य (बिकास कार्यमादिततः (प्रवतं) भू च मा ( मिलू सू (अ म ) अ अप त- मार्च (त ( एडा का) -मम् त्रवं भेरी निमलं ) का अप (का अप दरे मा ) अं : ( अं रवा में) ना : ( ची वं की चार विकि

भरम्भः (त्यश्रम्भारम्) धायकन्ति (नामाक नामि (स्र र -) ।। ७४ ॥ १०० व्याः (त्र वर्त्रामत!) मिर्दरसाः (मर्न्त्रसा) मूंगर किन (एम प्रना) अन जावि (वरे अन गर्मा) विविध-प्रमुख (अप्राप्त ) अस्ति (अ अस्ति भू प्रमुख (काला महन अग्रिकी मार्याद्र ); ७९ (मेर्डिक [ाधना]) येत (अमात ) मन्ना (मन्न मूर्वक) मार्च डक्कारान (डेडम (अला) इस मध्ये ) क्या (अला कव ) याला (माप्राट ) (स (लप्सान ) बढेस: (में में) मंदकाष्ट्र: लाखा (याजावनः धात्रकाष्ट्रिक रतेला ) अम्बर्भ धानि १ ( व्यक्ताक्ष्मान भारे हे (व्यक्ष में क (म )।। ० के।। १ वर्भाः (व्य भूजीश्रात!) १ वर्षाः मृष्ट ७ (व्यक्ष न क्य क्य ) हे समानाने कर् (अभावकीलयतेव्रयक), कानिष् (कर कर) मार्थक (परिकाया अरुक्ष् ), ध्रम् : (कर एक्र) साम्कि (मिल मड्मिल (नवडी) लंबा: (कर (कर ) आक्रामुक्त (अक्या-भढंक (काक्ष) त्यों) 3.40 ( 18 2 2 4 ) 11 8011 8) क्रांति कार्य (कार्य भाष: न्यीं कार्य !) प्र (प्रांत्र)

यहमान्यावणी- मण्याकिया-लाख्णा काम (भूमर्युष (७) व रु अमू (२ न भाक किया म का छका बार्सिं) रेस (अक्षात ) बलक्षमभंग धर्मिके छा (सीरवार्यमी-दिनी कर्क जिल्हाकिए) दम वस्त्रवार (सपी प माकमृत्य ) भारि (मधन कर् [नवर्]) ७ थाः मर नव (उ।रायरे भारक) क्यानाव (यन म्बक) विसेष् अत्र (मूस्यून अत् (मेल ]) डेडस्मिन (डेरक्डे) क्रुनामि (क्रुन्सम्य ) वंहय 8) मेल (प बदाम: [ब्रेस ]) लर्घ काए: क्रिकेट लर्व लारमका । भर्षे वं (से सर्वे ने) लर्ब कायुं (कर्ते व्याप्त-पासक) पड़कर ( पड़क काम्ये बरें। [निर्]) अव्यवस्ति (अव्य ७ क्रायम) अमार कर्व कार्नि (कर्ष्य कार्य-भाष्ठक प्रमान रिक ) लाल कामका ( लाल मां माने प्रक् ) भार्त (अमु कर ) मं मत् (किर्वर्गे द्रावं मान) र्कः प्रदेकः (चार्किं किं व्यक्ष्मे वामक व्यक्तिः । [लाउं]) स्वेमाठ (वित्याक) वार् भाट ( जांत्र कित्र ) काम्केट (यम कर) गयो (कुर र हि (द्रिक अपेट क्षिक ब्राप्ट पर) //85/1

रेश्र खड़ा बाद (देन अन्त क्विंट कारामा)॥ 82॥ 80 वर ( १ वर्ष ! ) तम ( व्याप्त ) मृठ : ( व्यू म) म स्थार (मायानं काल) द एक प्राथमारहे : (काल्यानं ट्या की मिना है प्र ( प्रांध ) जार ( अरे ) भी मुध-यार् ला मुर्ट (भीमंब यार लामु) के हा (त में व कर्षण) मतीत (मत्रमद्भादं) अक्षार्य (आ (अक्षार्थः-नामक ) कल्ब्रिक मान्डिबिक मान्य (कर्ष्य उ लेमादियुक मूमर्बूव भामी (म्य मर्था) (धार ( 251 MY 24 ) 11 8011 88). लक्ष भाष ( (४ साव: भाष(व i ) व ६ (वेशि) वभामाए (वमाना-माधक भानी मिवल्य ) विर्विष्टि ( कड़क कर र ( कड़न अ) विभारित (व्यक्तिमारभ!) प्रश्व (जूबि) देश (अक्तात) आ छ (भ इवं ) भा ए वर् (भा ए व- मासक (अपहार्व-विलाय), ताः भाभ तिल (य मामित्रां) व् ६ (पूर्म) निश्चित्री (निश्चित्रिम्मक मिसर्व वायुर्ग [ नवड ] ) वी खां (बर (मां) कर् ] ।। 8811

80 मान क्षारिता ( त वर्भ क्षाविता !) प्र (क्षि) लाग्रिकार (हामा) सरमाया (स्वस्व कर्त्रमा ) विभागः ( जाया वरेल ) जलमारिकः ( विचित्र माया मार्ड) त्या मला कीय तहता: ( तमा उ वाक वि ला मकार्ग) 034 (0414 (1210 ) \$ (018) 43 [346]) अर्थ हिस्न ( स्प्राट्स : ) वर ( विष्र ) सरमाडी-मामकारि (विक्षीत प्रव्यप्) वि दि (अभुष 44 )11 8011 १ कारि (त न के पार्व!) प्र ह (प्राप्त) यह-प्र कारि (य न के प्राप्त प्र प्रमुख्य के मुद्दे (त मुप्तिव!) पुर् (जूनि) विधियान् अविभावान् (मना अकाव मामार्ड (य मामार्ड!) ४० (ज्ञाने) छना : ( ए अवर्त ) मृद्धातका: ( भूरकामन एक निका ज्यारि मानाम [नवर्]) समात (व समातः) वर (प्राध) कुछानेकार (कुछनी वर्षार् लिलिलि ) वित्थिर (अ छठ कर )॥ 8७॥

क्रिकार्स (त काम् श्रीत !) अ९ (व्राम ) ६ व्यकाची: (हल्पमाड ), नार्यस (य नार्यस !) वर् (क्रांत्र) ज्याह्त भिडी: (ज्याह्तित भिक्के किल्मम), त्मेश्राप (त त्मेश्राप!) प्र ( प्राधि) वृति एडपा: (या अस्म के ) ल के या ; ( ले वी [ नवड़ ]) लास र पान तम (कार्षः) हिमान तम !) प्र (प्राप्त) रे पु-लिखान (हल्ल भी-प्रम्य) कुक (म्युंड कर्) 118911 का माम्या के (क माम्या प्रार्थ !) पर (ज्यो पिरियरक-म् अपनि (मिर्मिय कृषि) काला, धार्य ये जरिश्व (कार्व अर्थ के) बरेकान (बरेक वा कड़ां असूर) अभवाद (भव्रमद्रकारंग) विर्विष्ट (अमुक कर्नं [कार]) मुभार्थ (त्र सुमार्थ!) पुर (द्वार्थ) वस्ताः (वस्तीम ) अस्ता-मिनाः (अस्ताव वर्षे का व्यक्तर वाद्यान [ नवर ] अन्या (क सार्व मार्क :) ४९६ (ज्राम) न १८७५१३ (विशिष्टिक) विकात-स्मात् (विक्रिक उ स्म कियार भी या ) अनु र ( निर्मान कर्ने )॥ 86 ॥ 80) एका: यथ्य काक्रमवानी (ए वर्ष काक्रममार्ख! [ व्राम ] ) टमार्च्य म हु तिन मुच म कुकानि (त्मार्च्य-

र्मेन्या वर्षा के क्रमर्थ ) ' यदण के त्य (त्य सप्पर्वता !) १९ (श्री ) हा तार्य का भी ( हाता र्या ना सक क्का देव [नवही ) बेले सार्च (ए बेले साल ; ) वह ( व्राधि ) ट्रामे कि का अगानि क ( ट्रामे कि क- नाम पाक ७ भी भवा ) विविष्य ( अक्ष कर् )।। ४०॥ (0) क्रमीन (त क्रमीन ! [ज्राम ] ) मू ह्य-निम्धय-िते : (अक्स उ प्यमुक कित प्रम्या) क्रिय करके जिसकप्रमास (जिसकप्र-माधक) त्यापकार ( (त्यापक्ष) ज्या (ननर्) माजिसा: अखलीहुंका: ( विस्कृष्टि छाउँ न नारेग्री अपूर्व ) कुक (अअड कन )। ००१ () बिटका (क बिटका)! [ श्रृष्ट ] भागान (क), प्रदेशम स्थान हिलाला स्थिति (कुट) मुभूकाम (हिलिटिक मिस्ट्रक) भूड डिलिटाम रुष्टा ( युक् जिलिमा ) प्रिजाङ्गरीय: ( हिनि व अक्ष व सम्ब मार्ष्ड मिल्ड कार्य या) अधिम्याम (ये यन त्राह्म नं अर्टित्राम) CHURCH (CHURCH ST (HOW) \$ 80 (22/20 24)116211

ि वटक (८२ वटक ! विश्व ]) भवकारक्य न कवालेड: रूप (क्ष ह ज्यार पार्मा पार्मा विक मक क्षा कर ); सरमारक (व्य सरमारक ! [क्रीय ] ) लक्षा भ्रमण् (भड़ नाम म्हान वस ) प्रमा वर १६३५६६) क्रिया प्रिकाधन भी व युक् विशिष्ट ( मार्क वार पुरे भन भीरवं मार्ड मिंड कर ।। वहा ( (अ: क्रिमिट्स (प्र क्रिमिट्स !) भन्म (ल्याम ) मार (आठ: रात ) मुमका-अयमः (मूनकारिन्द्री दिन्द ए अला । एस । प्राप्त ( मास ) स्थाया (स्थाय कार्य गाँ) यत्र देखे मक्षार (सरमावस तमेव ब पुक टप) (अध्यक्षा रेट्य में व्यक्ष कंड )॥ ६०॥ (४) थामित (य थामितः) प्र ( ज्रामि) बाक्यने स्मेंड रे की सार कर (चला कर के कर में द ८५१२म नूर्वक ट्यान्ड ) ध्वमाभगः (ध्यमा-(व्यू प्रात्क) वर्भागः (वयवाषित माहिक्तं)

प्राथात् (मारा वं क्षेत्र ) सम्पर् कर्त्व के के (अयर मान कर ) 11 5811 ( ( अम्या : ( ( अम्या अप ! [ कासका ] ) व्यक्त ( सबके ) अनीय-परी-तिवरि : मू लाक कुछापिक- ७४नते : ह ( विक्रमारकरं लाच मेरी वा ठाठा भेगातं त याम्यात के व्याच हिंह आन मर्सि ) अंगुका (अर्बेशास ) हुन्नीहमाण्डा (इन्नीटनाने-हारा लगाडि किट्टी) प्रिक लिखाए (लनापि भाना प्रिक उ मार्सिक) मम कर्णान-न्यासार (त्रास्त्रे त्ये में ड्रा नाक में (सू ) चंद्रा (अक्षत कर )। ६०॥ ( किनिके क ( त्र किनिक ! ) प्र ( क्रामि ) ठाउँ १००१ १९०० : (विक्रिक् (००५ ७। ८७५): ( । शिंडिन डाउ इरेट ) ज्यमि ज्यमि (एर्स स्पर्) मात्मा अक्र ने नि (विविध डे अक्र ने ममूद) निश्चात्र (कार्य कार्यमा ) भात्म के व्यक्षम (आनमर्दि स्रायन वर्ष्) रायन (धर्मने कर्न)। ए प्रमाध्या (त) वर् (ध्राम)

व्यक्त (नरे) व्यक्त मर (क्रू में में मार्ड ) छारेट् (मप्रह) अभागी गाँद (जामाराप र कामासगढः (बाहान् मृत्र इते (७) ७ छ न अमार्थान (आक्स स्मानी विविध मन असूत्र) अपनीम (लाम मंत्र ले वर्ष) स्थापार्थ : (त्य भी सत्यं हाता) ०च ०च (हाई द्वात ) धाल में (स्तरंप करं)। ढता ( किटा: रेलु मार्स (त रेलु मार्स!) प्र (कृषि), असवारे दित किस (सर्वारंड दिन्त्विक ) हिन्द मामिक्सिन ( दी र्यकान क्रिक व्यक्ति व्यक्ति क्राम क्री है ) कर्म का सर (या के ) धार्मा कर मान कर भूव - कड़ी व - का जी - निक्राक - क्यानि - दाहकात्र-क्षान ( कार्य ने अन्त क्षान बिल्मक करीय , जायमकी , त्यय , यम्बी ड (ग्राहक म् छ्। किस सम्य ), अस (१४९) व्यादिक मुभावि (व्यादिक छाष्ट्रि) द्वाहकावि (काहिकन्) स्मानि ६ (स्ममध्य), ७६९ भित्रेक्य ) हार्मा छिका-तम हिल्ला विच-लक्ष-हिक्स-राजी-व्यान-वपवी अकानि (विसीव बरम दी र्यक्षत मालिए लक् जिंडेज़ी, व्यवस्वी,

अम् ७ वम बी कटल व किछ अमूत ) मन् निकाक्तडः (७।७ ब्राम ११८७) निश्वामा (बादिव कर्नमा) माक्रम डामाम के के का (क्रम्माम के का अपने के का ७०। मन्मा: भरम छएड डम्मि बीचान विषेत्रत (त्र रद्दम नाम, छाड, ७ वाने, भीयावे, विकेत्रहा) मंगर ( (का यं वं ) टमाकार (त्याक रंत्रत ) लार्डक-भट्टी सक्त जाति ( छात्र वादि मते कर् क जाती ) प्कारी (प्कामस्य) धारा (मस्य) ह्नी हट्या जाने. र्णायुमसम्मीम (हुनीमम् एक वह अन म्वालण अरू से अयू न तीय प्रामा क कि अम्मूर्य ) निषाय (अभिन्य मेर्य ) अद्यः (शुद्ध ह्या ते ) व्यमने व ( NI A A 4 ) 11 3011 क्रिका (लक्षेत ) अन साम्मान्य (स्वीतात्त) क्रांत्र (क्रिलं ११ (७) हा किना वा सक्यानी वि ( अर्जुनी मक उत्यम् अष्ठि) क्षतानि (अन्दान. प्रमूत ( वेश ) हे अबी म्कर (हे अबी म्बस् ) ळ्यू (यया (या म) डाट्य) दे उप ये (डेटन्या हम सूर्यम) जू स्त्री कट्य (जू स्त्री) विश्वाप्ति विश्वाप्ति ( जू स्त्री)

कानिया ) , क्षेत्रकार्षित्व : आनि देव : (क्षामक्षेत्रियोव अस्ति हारा ) आग्रिट्यर्प सकायर (इस सर सकायम-ल्वक) म्रूर (धरतज्यस्क) वलमा क्रमी ९ ( और नारि मी (परी (क) पाडियन्त) ( अमेर कार्यपा) ज्या ( शिर्मादेती एत मी-कर्ष ) ट्यामी (शिल्डाप) महत्रेव (महवर्ष माम ) मामहमामा (धान् छ। वरेमा) वयवणी (याक आयाम) बिट्न (अट्न किस्तित )। ७ > 9 ७२।। ्रेंगे लय (लक्षेत्र) व्यत्र (क्षात्राचा अकट्य) र त्या ६-मूलामू (राषार्क्त्रिकित ) ७७९क मीन नमामू (क्षिक्षित का में का डंड्रा ) चल कर्या (मामला) ७ ७ ६ का र्थ यठ: बा भाग (त्यकाम प्रिरे वि वि कार्तु को स्वार्किक मामार्का (हिंद्रीसम्ब नार्ने ए लामि त्यान ने। ७७॥ के बर्म भरमाम (त्र बर्म अरमाम!) भागः (प्रकारकात्म) लम छान्यादिः (लम छान्यित्रकः मते कितिल पूर्वणुः (यम् तर वरेट ) यद धारीम ( ट्य [ लत ] धारिया ) समानितम् कर मीठन. त्वापित्रत्थेर (मृष् अयत-७-६ व्यक्ति म्नीम् म्लाल

भीष्य त्वादि हे छ भाव ) तहताः व क्षव प्रमान् (बक्रमाना धायक्रम्थ ) , त्वाम् मा भागानिका-इकिन मरामिश्र किम मिस्र अर्ड द रिल् क्षित्रं साम्नारि (विशि ] ) ०८ (अप) श्रेमतं: (डेड म मन क ) कू कु या छक्- वि प्रार्थ- भरे रितः (क्षूम, पाछक, कर्म् ए उ हत्त्र काना) वार्विवात्रा (स्वारिष् कार्या), त्रिक मृष्ट- आलकात- लिलाछ-साम द्यापि ( प्रिक छ स्मान के प्रतास मारिक देख मान बार्ष ?) व्याह्न न म / ह कु क्या त्या ×147 +4 )11 68 9 6 611 अ वन्ति। (१ वन्ति !) प्रश्न क्रिक ( प्रिक ) मम (जनमान ) मूज्यमः (भून म्यम् ) नात कृ ८० (अगरन के मिन्न) आडक र्भ- मूर्वाक (अडक्व रू अ मद्दान मार्क मर्क ने भी कु ल (भी मम् १३) क्रीके (क्रिक्टिक प्रकावर्ष) वार्व (सामाक) विष्ठाकिलायु नवनं भारे ति : (भानिका भूका, क र्ष्य, लयमं ड बारे मीम् एक न नाना ) मुनामिक् अमेग् (मूरातिष कर् )।। एए।।

Sol तर मानिष्णक्र म्यक्षा (त्र मानिष्ममा भूनका! िवास ] समीमरमदाद (लासान अर इद्रेर्), क्रमाने पा भड़ लिखना (क्रिमाने पे-मामक विषड़) थ9 हिन आर्थिक (मीर्मकात मूर्त भाग अक्ष कान गाटन) लाला व त्याव त्यावर (अश् त्या समायक (अर्द)) समाव-कंड ( लाडु जां वी खुक्ड " [ अपू ] ) मांबा में प्राथ य ब लेमर ( मानाम् मे नामक डे अम लेम) मर्पमार्थर ( [ अंग हात्मं करण ] सम् त्यं म्यूरे व्यक्ति )। ७१॥ ) स्वर् को (व वर्म!) म्राक्ष-कर्ण्यक-गामिक! (माल्यम्य म्मक ७ कर्ष्यक!) म्यार (कामना उख्या ) प्राक् (मध्य ) आद्भीत् (प्रायंत्र 120क्रम) मूलिए (मूलीयन) छे द्वर्ष त् (छेप्र्वन प्या स्थि) दिमाउँ (कलान उठिकन ) दे हिमान (प्रत्येत-(भव्ष्युक) विद्यास्त्रकी - क्तू १६ व्यात्र्यण् ( ट्याकि जाम न न न क क जार कारेर जासनकी क्षात्रम्य कर् ।। ५४॥ े (दा: प्रावंश) (त प्रावंश | विशि व्यावान मूजिकत्में निविधात्में कर् विभिन्न ) भारीम ही तिस्ति जिल्ला कर

इस् १ ( प्रात्रकारत वानि संग्री में अभाव अ लाक वर्ग) मुक्त मिन्द्र साराटक आवे (समे ) (पित्र अभू) , जमा (अवर् भागात अवि (वंभू)) आर्जिसकाडि (अर्थवर्ष) त्यात्मम् भाष्ट्रिय वशीयं (क्यानम्भामस्य सीवयम् ) में वर (भवन) अर माम-माम्बर (मेमका है द्वां त्यां बत्ते क कार्डिमा ) अक्रिकिट के के (केरिक कर )। त्या। 90 किकूल (१ यकूल!) प्रः ( प्राप्त) वालाक (१ माक्ते-हिन्दर् (यभाक्ता बक् भीक , व्यक्ते उ हिन्दर्ग), चल द्यारमामड् (बल त्याम व देन त्यामी) देकी मंकर (डेकीय), क्ष्रक्ष (क्ष्रक), मण्ययभा देख अह नी अक १ (अर्था मात्र उ छे प न यक र्रेशि (नरेक्न ) यव नवीन शममह पूष्ट (न्वन त्य भावेक्त हर्षे य मिन्द् ]) विभाविका भाविष द्वि-वर्त् (अाउठ ७ अमाउ छ म्य त्वर्गिय - क्रे र ( द्रोडिक भोडिकन ( द्रोडिकी अपन त्राहिकीरिक क्रिक ) भुष्ठ ह (भूषा पार्थिक ), महेत्वस त्या तार् (महेत्व त्य न हे स त्या ती ) क्षिण्य के का प्राचित्र के का प्राची के का प्राची

[wight 315 165]) " 0 28 ([3) x440] अल्ब मार्म ) अल्याहर (के कि कार्यमा ) लामम ( man ad ) 11 do 2 do 11 Q) श्रूवाश्रविताश-भाकित्! (१ श्रूवाश-विताश-भाकित्! ्रिशि ]) क्षाबिरकमुछक-क्ष्मिस्ति : मन्तर् (मन्न मूर्क) हर् मसम्भात (हर्मिस्टिक) वित्मलमानि (वित्मलन अधूर) अव्यापा (अकु कार्यम ) त्रष्ट्राचली-अहिण (अते एक कमक्ष्रिक् ( र्ष्ना निमाहिण मुकान मम्बूरि वर्णा द क्रिराम) अवंत (अवंत कव )॥ वह।। ०० ज्यानिक (१ द्वामिक ! [ व्रामि व्यामम् भू-म प्रत्मे ]) क्रिक (मनारे) जिसकर कर्र जिसक वहनान मित्र ) त्यादवाहमार् (त्यादवाहमा) विर्वि (टलक्षते कर्); त्रुष्टिय (टर श्रुष्टिय! जि.मे.) जारादिय अर्थ ) हिना प (हिनि कि कि विवास समें मित्रीव्यक्षां वर्तिकाः (त्याविकापि ममावरिष् रीषू ११रा न मुन्दिया ) इ.क (असुष कर )॥ १०॥

विश ८४ अभवाम में समः मर्कन्त (८४ वे का का सामारी (अ सर्वक्स ; ) में में 6 ( COLET की ) PLEST में - वें दे क-में का का मंत्रिका एरेट : ( १। एका में मार्ये १ स्तिक का प्रायादक अ वं स्थान क अप में मा कर हाए ) में दुर्म : ( स्था मध्र भारा ) आल (भन्न ) वि विश्वाः श्रीम ) काला उक्त में व में वराम हा: (में भक्त (भारा सक्षा में ) भारता: (भारता) विवास (वहरा भागातक है कुक जाउक्त जनम निर्माम उकर्न-भर त्यारम भू गार्भ ) कु के ७ (कब ) 11 9811 विद्रिशिक्ष भामिन प्रकर्ण कृषिर (तर देशक्ष) त्य सम्मा (य सक्ति मा (य क्षिप् !) सम्बर् (विमाण प्रकाशका (म) प्रमी (धाराष्ट्र) के रे (सर्गायत लियं प्रति ( लायानं ल्याल्यानं WM अ2 - ७ - ( अ स्वल ७: ) इसेन - हे से मार्का: (इसेने उ हेम्म अ कृषि ) का भाव का व सूरियाः ( (अथे स्वी किर्ब-मने ) छित्वने धवाद (भी मिक्सलाई म व्यक्तात्त ) मक्षाल ( व में का श्रि-माह व स्वता स्थान माह के अन्ति क्रिक्ट के मुम् सस द अग्री ( कास्मन निकले कार्न कार्न गर्द्र)

उराहि: (लाधना ) कायात्रमणः (कायानान ११०) निक्षात्रह ( विस्मिति वाहिनं कानेता) छ : नन (७ मा नार्न ) छामड (छामड ) भूटक्कर बात्मः ( में का- यक्ष में के ) में त्र्यं ) लावें व बादं (लामें व-सम् मियटम ) सस वद्यों (आसाव सून हमंदर) द्विती त्ये (ज्यक्ष कर्वत्य)॥१०,११७॥ 99 रदम नामिक ( ( व यदम नामिक ! [ व्याप ] ) नी न रुषे - न व निन्दू - मध्देः ( ममू त्यं म नवी न मूष्य म भू य श्रादा ) ध्यव एम ( मिर्ना इसने [ वन ]) सम्मक! (एक्सम्मक!) व ० ६ (वृतिष) अनु I-व्यास्ति । कि के प्रतिक निकार का निकार के निकार रक्षा अधिक अभिष्याना ) विविध्यान-मूछलान (नामा अकान रावन एक ) विसिर (ब्ह्मा कब् )॥ ११।। १ मा मून ( १ मा मून ! ) १९ ( जू वि ) मूकर्नी-अखिट्रमंत्रायर (में यें अश्वी वास्ट श्रीमां मार्व (४ में लार्स कर्य कर्व डर्माट्ड कर्या) ला मुन प का छिए (धर्मिन) रेथे जा मून - व नी प्र-मकर् (राम्क्रीम निर्मा मार्टिक) हाक

(मप्त ) ही सर्ड क धर्म विष् विशि (भूका वस् भागा 84/00/0 24 ) 11 JA 11 १ ली वर्त्र मार्विताम! (त्र वर्त्त म्विताम! [श्रामी]) म् भानी समात - अव मम - मिक्छ - मवा - भीना व - लंग-म्वर उनाक मंत्रमूर वीक में। किशन आवर्षी-अट्य व भाग संभात्यातं कर् म करतं गा ) ठ नु (मध्य ) जानि (देशास्क ) धन भग्य मुयानिजानि सिकानि विर्थिषे (कर्व ट्याल सिका ७ म्यामे あず)119かり किं। ति से मार्थ विभाग मार्क (य बेमाय ! प विकाम ना क !) यू बार् (ट्ला प्रका हे छ एए) वस टमार्थि ह ते या - य व में - र्रापिशिष्टि: ( बाद कारा लगाई ० हर जार हरे ने के के अना ना ना लयमं ७ भादिमादि भर्यामा , ज्या वा उस (आर्थि है मुरित जनार सर्वि य अर तामा [ डेल जासून प्रमण्ड के निर्देश कुन्ड 49 )11 5011

A) अस (सान: 44) (किरोधन) केन्द्र वर्ष कर् म एक में (मक्षितिस्त कार्त कार्त कार्य कार्व वर्ता) भावा (जीयत्मादा) मुजामधार्मितिक त्रवम् भा (भूत्वन कामसमील (अव पितक मयतभू मन अस्प्री सूर्वक) टमाकी माठ छा व बादान (ताके इदेख जामड लाउंडाइकस्रेटक प्रक्र कर्षिता), किस: लामाड किही कथर विस्थ : १ ( हनी कुक जामिता र ... कि १ छत्रम् अछ विसम् १रे छ (६ (कर १)) रेडि (अरेक्स ) धात्र (बार्सिशा हिलम )। ५ 511 रि नक (काम काम ज्याम ) जार (जाराक) काय: (बानियम) किया किन (जी कुक) मबी मबर्भाम ( मूजम बर्भम ने तक ) मृ पूला प-भन्नवात (कायम ह्रेभन्नवन लि) हान्मिछ? ( ७ करे क मारे (७(६ म)); ७ मन (७(भारत) करत) ( ध्यम कर कर कर) छेहु: (बानियन भि: हि (किमि) वामिक: वृष: (त्माल वामक मतिव भाग आवि विकिष्ठ हरेगा ) तमा वृद्ध : वृद्धान (ब्रम्पार् व मार्ष व्यमनेटक) अर्टाम्बर्मन की छाडि। (यक करारेम कीडा कार्ड (एट्न?)॥ ४ २॥

ि लिस (लक्षेत्र ) मा (चल्यात्र ) लेनायने पाठिसे का (स्तां लायमंत कुठ येक्ये में का ठ्यां ) लयं बर (बीक् किन ) समस (समादिनार्स) डेप्रमूकः भक्त ( द्वेश्रीक व श्रीमक ) इक्कर (उक्क- प्राथक कुछ) क ) ana (मिनिम ) विषय (दि मरम!) हैं (विषि ) केवर अध्य (अध्य प्यास्त्र मार्यो ) प्रमे मलंगर (प्रमे प्रलंग), यमर (यम गाम) ठकनर ए सर संत ह (केर काम न त्यर ह अस्य विचाहित्क) लायम् (लर्मा क्रम् 18 mx ( Mas 4 2 ) 21 ( Tyrund 1 ) 26 ( 3 2 2 Ce) अधिकर (टमाटके टब्रुने कार्न्म) प्रशासम् भाषा (भाकमालप्य अरकल भूर्वक) बलभा भाठवर (क्यीत्मादिनी (पनी एक नक्ष) कार्यमा ) व्या विक्र ( ज्रिषे ) अवया मर ( सी श की व भारे ) किं किए एवसमापिक (बाड्डिमापि क्लाम् काम् कार् माबिछ (वक्षत कार्निमार), जर् नजर मर्वर् (वरमत्रतं ) यस मल्लात् (कासा एक त्रम के रेडि प्यात ( नक्ष विमिण हित्तिन)। एका क्षि लाम (लाम के ) भा टबाहि मी (लाम टबाहि मी दिसी)

७१९ (व्यीय सादा क) अवसा किं व त्यापिका वर म (अम्राह्मिण ट्वापित्र हे लात्रिकारम ) म बीम-मू छाकम-भर्कि- मह्ण् (त्यम म्र्या मम्र मर्वाकिष्) क्ष टिल्सिमा दिक्ष् (मा अस्मादि स्कू टिलामा मार समूत्र ) मलम्डी अमलत कव्यत्रेष्ण ) जाए मानाए समर्भिष्ठी १ (स्री संस् म समर्मारी स्क ) लाड (अस्य वार्तिमाहित्तन)॥ ५०॥ कि त्रमार्भ मार्भ (त्र मुम्राभ मार्भ!) भूतः (मम्मा अंडा (म) अवन मन् निकाम (ठेउम्बाय-सम् (र ) भूमसु ७० ( प्रव्यक्ति ), भहत मिन्नेग ( अनक कर्छ भूमिलूरे। ) मृद्-नार्वपा (काम मानी अग्रेत्र अला (बाग्र दल्य कर )। ए ।। A याद् ( (४ पात ; ) यम केवर ( लासाय समित ्रिश् ) ब्रम्मी-अस् ७९ (श्रूभात्य प्रव्यक्ति), रत-भूषिकन् (यतकन, भूषिवर्षक), रुगाः (सट्यास्त्र) सर्वंद (संसर्वं [3]) सर्वंद (मूक्सम्म ) म्र्याय ह भना (प्रव्याय धर्मा ९

म्ताले करा मर्यू के मू प्रामक ट्राष्ट्रिक्टिनाए टिलाका विट्लाय मलत कत्र )॥ ४ १॥ bo प्राह ! ( a प्राह ! ) न सा- शीन - भी नपादेन : (कप्ती-माबित्य - ७ - भी वंत्रा व्यान अक्षण), विविधाः लक्ष्मी: (मामाक्षल मिछेक कि (ज्यान वर्ष्यकार ) मूमर्क्षाम (भूभक्र) मिसे-विकानात् ह लला (७ व्यह्नाधीका ७ मियेक माठी थे (डाक्स) वस ममिकन )।। ४४ म केरो यम् विषि: (यादाव केरिक अमेरी) (य लाहरः त (धारार्ड धकार) व्यतमा प्रश्कृता: (तर नागराने सहिन्दे नर्भे भीमें मार्. कल्व किनिका मुण किनिका: लन्ता (भी मूक - आर्दे , कर्न कानि ७ ध्यम् ए कानिममूद ए स्त कर ।। एक। १० मार्गिवाक्रित: (वकात्रक) क्वान: (क्वन) अमृत् (म्यक् म्यक् निकः क्रिके के प्रित्ति क्रिकेट विचा क्ष: ( में प्रकार कवा हरे मा (ह ) यात्र मा कार्य ( अरेक् रूप माध-मरे कड ि कार्य पूर्व-

अकार २७मा माकत्ये ) ६० विश्व : ( हारि अकार [ यहेक अस ७ वरे पाट्य])। करा क्षायावय-विमार्सः (द्वेन क्षायं कार्यं उ लास माना ) ०० म म का सित्माम : ( विद्मार. म मर्बिट का दिन अर ट्याल [माने अकार]) असमर्व-आद्राष्ट्रात (अभव मर्व र क -CALCU [ शाबुसकार नवर ] ल्एन सर्वत त्र ।-(मार्म [ धार्न त्रकार्न र्रिय साकतार]) जिस का देश [ सम्बद्ध के माटि ] ॥ के ।। (अस्म का देश [ सम्बद्ध के माटि ] ॥ के ।। ) विषय विश्व पर्यात - ए ये बरे ये के प्रार्थ तां : (स्थित भि (स्पष्टा व वाउन व मैं व्य से के (य व लह्म) मानकका मुक्छीनाए (भानक हु, अन , कानक हू)न य अवस्त्र ( र्यातं क अ कार्यं कर्ष [745] & AUG-12 (3 MILLS E ( 12 MINO) (देल (अय) हमा ए अव ना मक १ (हमाका (व (क्रिया के प्राप्त है। लामार व्यक्ष सामाइमा) प्राप्त समित ) हिष्क क्षिम म क्षित कर मंगर भंगर (मंगर मंगा वात्र) में वर्षे ( AG RIML 54 TU (2 ) 11 952 4011

कर्म कर कार यह कार्ति (का मा म ह तम क्रांति कार्य न वहेक असूर [अन्द्र]) धानु मडक क्राय कि नानि (ध्रम ७ हेडम ७ ता न क्रांता मिक) ज्यानाने (धलवामन बरेक-मन्द्र , [निवर]) क्रामणहाम ( देक अटन ) श्रिमाम ( अक्ष ) हरेक (अपन जिल्लामा क् ( क्षिमा क्षित्र क्षिमाम ( अक्ष ) हरेक (अपन जिल्लामा क् मम्म ) मन्द्रभाकरादि (धनान) य नड -अरट्याल ७ वाकाविरिष्ट प्रात्मिकी विष (मनामाल अम् ० १२२ मा (१), (माकम ([कारा] 1 2 4 4 4 11 98 8 9 9 511 की विकान - मानिहाटीड: ह (टब्ब् माणी, नमाह, माकारिति ७ मानि । अष् छित् ) अष्टामानिष्य : इ (प्रव्याना विलाधिषाना) विका- कत- मूत्राताः (कार्का क्रम ७ म्मम् (२१) भूभक. (स्मक् स्मक् ) न यथा कु जा न ( नामा जार न मङ्ग ) अकानाम् (मामानिवे (छाल) यसु [ had a a ] ) 11 26 11 ने उटड (क मन्यमार्थ!) आपि (मार्थ!) धरमा

(अरे अी लेका) कर्ताक क्लाइमिका ना मुक्ति ना नि आला क्रिके मिला उ लाइमिका अन करे मुन्यक सूत्रक् (प्रक् प्रक्) मालिका-पार्व त्यालम ( बारे मर्ब । कार्रिताल ) प्रश्कु जानि (काक कर्तिंग ८२म)। २१। भी क्रामिल सम्मानि (की कृष्ण व पडी के वक-सूझाममूत्र ) त्वयम (त्वयमान ) मृष्ड्यानि ( में त त्रिक्त कंत रंत्र मार दें लियं ]) क्याविरावेशाः कार्यका: (का क्रम क्रिक्स कार्य अपूर्व) मृष्ट्रिया: कार्यमा वा आ दर्गा (१) ।। के ।। भेभी भूष कृष्टे : पश्चित्र मा : (भूष देन के ए पार्ट. त्रिक विश (पूरे अकात ) अभूतविका: (मूक्त मेरेका [क्रेंस् ]) जातर्क हिमानि ( कार्जिय काहिला तक), अरहे। यत्र क्रमानि (लाडेन मीक सम्म ) जाक इसे गरि (भूट STEN (23 71 (5 ) 11 2 311 प्रका कि क्षी माना न कल्ला : (कि हू , भाग , आनू उ उत्तव मिरिष्) वृक्ष कुका उत्तरिका : (अक्

Treen which of the the the १००) वर्षेत्रामत्यत-वस्केत्राद्याः ( अद्शापन अद द असे के अन् अद्भार अद्भार ) अिछापार्श्वमूणः (अर्कना ७ पार्शिपाटम) सर्गायः (धर्वेष ७ व्यय् म्यानि भर्माप) मूमी छतः वाकः (क्रिमी छत क्रामाद मी छ. छप्रेस कर्नमा लाक क्या वर्माट्ट)॥ २००॥ १०८१ व्ययमा ([कार] यहे खीराधा) मात्रीछ - एम्बी : अवस्थिका - प्रिली - लाहोत्म - वासूक - विष्न न - प्रिलाला । प्राचिका हिल्ली , स्त्र का , स्मेरी , लातान वास्क वा (माठा , छ धनी उनिक रिवरे मकत ) नाका: (नाक ) खक्तवं प्रव्याम. वि ८७५७: (मामन म अका ग्रिड (में) मुकामर्-र्वः श्रीभ्रंक्षाः (व्यम्व व्यवभाउ सम्मूर कर्मि लाक कर्मिश्ट )॥ 20811 200 ल के १९ का मा: (लक्न विषित् रथान ) यम लका (इस आक कड़ा) कन श्री (कल्झी नाक) कारियम (कार्यम कार्यक्तिवं स्ति विस् कर् इंद्रंगार्ड , लाउं ] ) लास्त्रसावक रूपमें क

किया पुर कार हिस्तिन दिस्ता किया। (तर) छड: (त्रुल र 2रेशाट ) 11 20 ell १००१ व्यर्थन (मन्त्रिष्ठि) समा (व्यामि) सूक्षेन मु ( वस मुल् ) , बूद्लमा ( भूल ) भाषा मा करा करिय अर मा मं कमारमंत्र त्रिम् ( ( ) विविधः (जिस अकात ) मूल: (भास) हम्याक्यानिड: ( अम्टा न क्रान नाम मर्न कर्ल ) विलाहाल (आक करादे एटि)। 50611 भी [कार ] समा (कार्स) माभी छ : (माभी नर्प-कर्क ) भूमा भी दि : (डेड अमा (भ भी दि), श्रमहतिकार् परिकः (त्मार्थिहतिन अके हाया अस्ति आर्रीत हिंत अस सम्मार देश इस अर्थन कवार्ता ) (बाहिका: (लारिका) किएएड (अअड कर्ल टि) ॥ ४० १॥ १०० इत्य वस्ताः (चर् मक्य वर्षेत्र) अध्यात्राः (अभारती प्रकार ) दीत (दिल मु (कर्ष मुका बद्र ) प्रिका: (यात्रक कार्य मा वाक्ष रद्रेगत्ह) क्टि (क्रीक्क) (मामेठ: (मामे १२ ८०)

कामाठ (कामार ) तम (काम ) क्रामेठा मात्र भाक्षाः (देक्षणात [वादा]) भाक कर्ति।। १००।। रेक्ट्रीनिक पर (क्षेत्रीय ), तमे (क्षारा र हेल्ए भन ) कार्रिस रेलि धन्न अनारि (वर् नेक्स ध्यात्रेष के मु त्यन ) कामि विष् कि में सामान कि में साम क्यार क्यार कि में माने विवर् कार्र मार्ग ) कर्जानि छ (कर्षका क्रामित करा देव त्ये देव धन्याम् ) सर्मिकानि अलीहि (अस्मिनिश्चन रामिभारे ब्यामिट्य )॥ >० गे।। ग्रे भा (जीयर लापा ) ट्रिकेड - म्रम्बरेम्स्त्रवर (डेड म मक्ष ७ वर्ग १० मान्य) ७९ मर्ड (टम्पे ट्राम) वस मध्य ) वीक्र) (पर्मात कर्त्या) यू पिण व धू व (महको १३ (मन) ; अभ (छळ्ळ १) जिस्विधान १ कि छा समना १ अइ (जिमि अभक्त (७१०) वस्त अपून डेरकार्यन ७ छ । बिका भा करिता ) जार् खादिनी विभाग-वर्ष है लाड ( दंगरिती एकी विश्वर मंद्र क्षेत्राटक वक्ष वामित्वन )॥ >>०॥

)) भा प्राक्ती (प्राक्ष अपनी क्षी मारक्षाता ( हरेकाल् ))

भा प्राक्ष कार्य ) ॥ २२ २ ॥

श्रिक क्ष्य कार्य ) ॥ २२ २ ॥

श्रिक क्ष्य कार्य ) ॥ २२ २ ॥

श्रिक ( १००० ) भा भाष्य । - ४०० - विकाल विकार विकाल ( भा कार्य कार्य प्राक्ष विकाल ( भा कार्य कार्य विकाल ) ।

भा प्राप्त ( भारक विकाल कार्य कार्य कार्य कार्य विकाल विकाल

में में किया व्याप्त (सम्माप्त ) वाहि: मैं में में र्ठ भक्ष (मैं में आद्कर्ष में दि भवर क्रिक्ष में रठ भक्ष (मैं में आदकर्ष में दि भवर क्रिक्ष में रठ भक्ष (में में आदकर्ष में दि भवर

(भारिका मर्न कर्क) भारत्म कर्षात (अस्त) सर्वात ७ अभागे (८७१०) मध्मम् ) विलाकड (प्रमात कार्यमा) नामाण (अख्या व्येतन न [अम्डल] 🗓 X मणामाद्यार मुका (पूर्वन वामायन-विषटमं वर क्लीगिया रहेमा ) लच्च (प्रवर् )त्माभूतर् (अन वाटन) यह भी (अमत करने किरेटान) ॥ >>७॥ 18 की देव का समावादिक मर्च म की के ल स्मिवाक ति (भारा क्षीरिक कर त्मवं नाम निमान्ति त त्र मं मक् न न्त्रीयमं में निमान मा कि त्या मार्के का शाम ने म पात्र साम प्रमाणियां के स्थाप के में पात्र में स्थाप के स्थाप विस्तित्म कविया (१ न) विश्वी व मांगापण (भी क्यान कीर टमाश्चारिक मंभटिक भाराय हे हिय वर्षणाह प्रक्रिक न में मार्ग हुं व व त्व विश्वास व मार्ग व के किये के किया के किया के किया के किया के किया के किया कि र्यंगाटि ), तमारिक मीमामू क काटक (मिट्याविक मी माम्जमा प्रक (सर्व कि। क) व धर्मा ) कलड्रिन अवर्तत्रमः (आठर्रिना सर्वे माञ्चर ) म: लमंद (चर् मसामक) विभिनं : मभ्ः कुरि अधिक क्ष्मी गर्छ। सिक्सी अधिक कर्मि प्राप्ती (हिला संस् ) अव: (संसद्ध वी स्प्रियिश प्राप्ती (हिला संस् ) अव: (संसद्ध उन्ने )। १०।।

5 9 % अर्थ ±

) लग (लक्ष्यं) चाकात्मन (बब्धंब न्यायन) केलामारमिवहुं : (लाल्यमं लामर मरकारं ) मारे ( ( क्यांतु कांतुर्क ) सः क्षः (म्युरेक) भेंत्र : मिय्या ( असी अत्यात्म स्थामका ) प्रकाम भी ( भिल्प से त्राट में क आठ देवा [ कर्ड ] ) अभी का-याकेरे अ र मा स्वार्धि विष्टे में के वि त्या कं भवंदी प्रिक्सिम ७ मिक वसमा ) ध्राष्ट्रां (ब्रामी व्यी भारताता के प्रमं (त्याभी क वारे त्या ) 11 311 लाल ( विशेष ) मार्थ नार्थ (नम, नम) दे में खिन: क्टिके ट्यड र मार्गाम (क्टड लासूमा) र सार किस पूर्तावी (अरेकाल जामाक पू:अ माउ करें) थय ध्रमापिकर (ध्रमापि त्यमकन (डाका रह अनि म यत्प्रम आलि (आन्सम् मप्रमास्तर) माकर (अम् ० कमा रह निष्ठे ) ०० (००) निवन वार् अभाव (निवन रहेम भारे (वह )।। र। ी सा रिल्ली मिलाता ) ए प्रमंद (ब्ली के करक) यात भगामिका ( यर क्य बामिषा ) कर्यम् ( यर

11

( जिला-कन मलन काना ) जममं ( छ। यान जमं ) प्रकार (तिका- निका- प्रमादाव करिए) भ्रम्यापाए-उद्वयं भारत् (कृक्वयं भारती क्रिव्याक-हिसा (काल्यम त्यानाहत्व) कालाम व ( नर्केल बाममाहित्सम ) म ७॥ 8) # ( ( ( ) 4 ( ) NE ( ( ) 6 20 A : लंड (१ क पाष्ट्र न्या के के) त्राक (प्रवेष) दिवलाई (लामारमव) मणं मार्ग (मार्च मिली विवे मिली प्रमु ९ कः ( हे ९ का के छ १ रे भा ) ख्या हि : विमा ( ता भार्ष व विक्षित्का (म) अहू वर् म, इहरक ( will a month of the most of ( ); or ( ) यस मान्ति (जामन् मृत्ये) अपन (मर्वपा) प्रत्य व : मार्क : निम्निक् एक व मार्च लाया पत् भूकाः ((त रहमस्यः) ; उह (भूक्ष्य) भूभूत्रात् भूकाः ((त रहमस्यः) भूकाष्ट्रः मू ([लायम्] याठ (तिल-तिला-न् (र भयन कर् , [नवर्]) माद्य ( स्मायन कि है ) हिं सप हिंखिला: ( लाय क्रें नं कार्य हार

सूर्वक ) त्वाकूर (त्वाकात व विमिष्ठ ) क्वर (क्वाक्तर) मस काम मेर (कामान मेरड) का सकेत (कामसन किंब्रिक )। लग मिन्द्री भावते रिक्ष क्षित्र क्षेत्र के क्षा कर के वासकार ) एवं राष्ट्र माठ्य ( कर्मे रें राया मह के हिए निका-निल-मृ (र असन करके (न) न बल कू लामारी (अधिलापा) प्रवाध-सर्वस्थाल (वन्नाध उ सर्मिशं (स व अर्घ ) अ्ष्र व्यापाय विकेश सरेमा ) श्रम् २९ भटमें (निक मृत्य सम्म कार्ब्सन) ॥७॥ 9 [अनडर ] मुकूल: (अ) क्क) मिलम्बे निम-शिया आनं विष: (श्रीमं डेउस सार्चिसा नाव वर्षते छ। दा ) पृथि पृथि पृथि छ । छ । छ की व ज़्वी मार् (अष्य प्राधि अ अविकारी कावकी माम त्यामी-मने के निष्यक्रम् (आडि विक कार्यमा) निक-नम्नह्कार्वे (श्रीच नम्नक् । काव्यूमनक) जम् त्यलू-पूर्ण मर्च वसू बार् (जारापव सूस हटाइ मासिक् म मुमर्च य म्यार्था ) आम्मन (मान क बाइ ति कवाय ति ) मह त्मर्ट (म्ब-मिटर) करता ह (प्राममन कार्निन) 11911

नि [ला दे । या बंश गामा (आवं क्रीमायक) ठिटा: (प्राय এक कृष्ड ), अग्र (बिकानु न् क् व्यामण् (अग्र (यापेन हे भटन मधाला ) ७० (व्यीकृष्मन ) ७(मा: (८५२ १२ १०) विव्यर् (ध्याक्षाव्यव् ) अमुलार्थ (हे त्माहत पूर्वक) त्रू कुछ (हे अत्र कुछ क्षेत्र), छीत- सबीतः ( भूक्ष उ त्वत ) धार् छकः ( वस् ) तम् (शित् धीत्) अर्थिशम्प् (अविधात क्वारेगा-12 (AA)11 6-11 ते भवी (भविताधक त्यात हुएड), उव (अरे मान (विद्य हेल (व) व का मात (हेल प्र धामत) म् अस् हे लाविसे मा (मूला हे लाविसे) भरता: (अल मिक्किन) मेर्स हन्मिस (बारक्स-भू न नक) लाजक - ला नि - विक् व हु ने व मू एक म ( भन मी मामक धामन वृ (७) न रस्ति कृतान 220 क्राविण ) नकास्त्रा (मूनकि कि किवाना) अक्राम् (अक्राममसूर्वक ) वरम्मा (वस्वादा) यमाल (प्राक्षित कार्यमाष्ट्रित न)।। गे।। [ अरहन ] भूवक्षाचा (भूवक्षीराधक) भूगने भूर (माम्य न न कर्त ) मानामने किम्पूर्वः (मान्यंत.

(अर्थावन मार्थ ) ज्यां मध्य प्रमा वार्षात (व म्राकारे छारे सम्म कर्तिमाहित्सम रेगरा ) रेख: संमक्ष: (संमक्षीयतक काप उर स्टास्ट्रें हिंदर) मूक्न ( भी जित्रकार्म ) मय मी जा मिलाप ( मय मी जा लेख WEMANIE) । प्रेटकाम (भाष्ट्रक), नीएम (नीडम), मी (क्स (भीक्सर्त) देव के त्रत (देव के मेर्निक प्राचा) धमा (वी रुक्षित ) निमर्न-लीठ० (यहाय-लीडन) ७९ लग्रं (लग्रममाम ) व्यापः (श्रीतं श्रीतं) देवद्रंगः सम्म ( देव कर कार्या हित्य में )॥ >>।। ही । प्रेक्षः (। प्रेक्षिय छाव ) कर्ल्यः ध्राम (कर्न्यामक कुछ ) भीज-मूमाक्रेम (भीडम ७ मूमक्रम्क ) भिलम (छिक्क) द्वानी कत्र मं कत्त्र (केंग्डा धारमने कत्र कन्द्र व्यक्ति (लांबर व्याद्मन की का या) स्रामिकान (कमान (जिमीक श्रीक्रिक किमनामिन) अग्रक्षर्गर (प्रव्यात कर्त्रिया (हिट्यम) ॥ ४८॥ क्षिकः (वक्तिमा अक क्षित हुन्ड) अस (अभारत) अत्यात-मङ्गा (अत्याद्धित्रक हित्वे करत्)

भी कर बारे बार्म ( भी कर सर्वाना का ना अकार-मी (ठाळ्यत- तमा प्रतानि (घडाय मीठत , ठेळात उ अटका प्रम ) = जमकाति (जिसे म अम्म मुद्रम्) आति : (स्थान कार्डि) श्रीमा कार्य (मेम न महाने) व्याल (भारतिक कार्नेमाहित्यन)॥ २७॥ X लाम (लाक्षेत्र) स्थमः (लिंडोयम्) समीतिताः (इकेहिए) सर्भ न्म क्ष प्रिकाछ विष्टुक: यल भन्न- लाने कात्रिण कि हा त्यानि प्रष्ट् क ले : (म्यापि कत्रभम्य मण्याकिक भयदाक लान स्वतित धरे समूत्र भूति करिया छ। राष अरार्वाना ) त्वल्यम् (मिल-अष्ट्रक) त्रमणि (भूपत कयारे मा हिएसत )॥ > १॥ M [ धरहर ] अभी (अपि-ताधक क्ष्ड) सूप्रिश्मम (भूरमामन मुका व के का ना ) व्यीधर ७९ व्यमं ९ (जिरी म सून्यन धार्म समूपम ) सम्मार्गेड (मार्जिन कर्विमा ) टकलान ह धला छाम् बिसून कृष्ट्र (कमममूत्र १रेए मम्मिन् (ब बन मि: प्राव्येस्वि) विन्ते पूर्णि (भूयर्तेन् मान् भी छिलां भी),

अर्था भर्मा नेर्स वार्थकर (त्मेव वस मेमन) अर्था लयु (लिवियात कवारे याहितत) ॥ २०॥ (श्रामन्त्र ) कूमूम: win (कूमूम-अवक क्छाउ), ज्य (अभारत) श्रृष्टि (वामका-विनामु भीरे (बानेशाकि) (कारिका व छेला व निराष्ट्र आप्रमम् प्रदेश ) छेलाव में मा (देमानेक [जीक्टकन्]) व्यक्त्र्यामिलं: (अछक्र र्व्यक्षारा प्रवामिक [अर ]) कञ्चालका-विस्माविष: (क्षु जिका वा हिक्ती द्वादा आवेषु कर) करें : (क म नामिशाना) क्रिं १ विभीमं (हुं । मूर् वक्ष प्रमुखक ) माम्र करवर्ष किया ( सामाश्वाका त्यर्थ म कार्यमा हित्य )॥ २७॥ श्रिक इस नामा (प्रकर्मीना प्रक) मुलान कारी (इस र्वा कात्री है 2) (आसंग्रिय के (आसंग्रिय है) धात्र (की कृ ८४ व ) जाता (म मपटे ) मून का डिप्रधीर (मूल माडि- लडिक) ज्याम अवार् (जिस्कि विस्थ) विचाय (वहता कित्रमा ) ह्लू: प्राप्त (प्रम्लाल शिल्क कर्षेत्र केंद्र पण लख्ने व कर्त्त वाना माजारी (प्रक्रंसपूर्य) मित्रम (विलिय) कार्बियारियम )॥ 59॥

De अर (अरुक्त) (अमकम: (टअमकमीना सक टमान (मटलक्षे १ के वटम ) देश (म्वर मिल्ड) हक्ष मालाड केश्र ( १ क्षेत्र-मासक क्षेत्रस्ते) विस्टिताः (क्षेत्र में) काल मक की नित (डेल्स म सकत में में) (व रेवल (रेवन वत्र) म्यार्मने में साम ( रवन-यूम् (म ) १९ प्रशानि- श्रमाति (१९ प्रमार्थ न हिडाकि कि कि कि निय के निय विष्य मिन न [क्ष्र]) अपि (बक्ष: मि) व्यवासाम् ६ इतवं (वर्ष्ट्रिका कार्नुमा हिल्म ) 11 अन्त १ के क्ष्रिका ( वर्षिक कार्नुमा के कार्नुम के कार्नुम के कार्नुम के किन्त के प्रमान कार्य (के अप कार्य के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक कुट्डो ( कान्य काटर्प ) वन्य ही (वन्य मुक क्षिति करिति ) खर्ग १ (खर्डि) किमार विपति (टम्द्रे मेकल कार्य अपू उ। इरे माः 電ではる、11 ラかり ्रिक्स्टि हु भः (अर्क) न प्रान्तिसाह्ण-

ड्रार्वण छार् (अपन, धन्तम व धापत् न प्राथि विविध कृष्टले विकृषिण ) सीमप्रमान अी सर्व स्थाना जार (अी यस दि हित है अी धर्म धर्मान [ सेर ] ) जमा अन (ज्यात्मर्) जन नत्मः (लगाम द्यामें ) ! लगाह द्य: (लारे म न्नात्रापि - भूक ) व भ्टेश : मधर् (व यू मा भरते व प्राथि ) विव्वाल (विवाल कवियाहित्यम)॥ १०॥ ्रिका (७ सत ) व्यक्त (क्षत्री की यत्मादा) जात् कित ( की रूक अड्डि अकत (क) (डाका येपू ९ (डाक्र न क बारे बार मिष्टि), त्वायार्थ-क क्रूक- मूरवर्षिण-लायमूर्त- एकंन्य मानि । विस्तापन महाक्षेपुडार् (समात्रिक व्यवस्तिवस्त्र अतिद्विष्ठिक सम्म कृतान उ मत्त्रक्ष धात्रत टक्षिवाना त्रूत्राक्षि [ श्रेट्री ) त्र श्रिक सुष्टे - यन मूल - विम् नि छ । ए (स्त्र का ने स्टिक्स कि छ छ छ छ म मूल का ना भू मराभिष् ) त्यपीष् मिमाम् (त्यपिष् के वर्षः लरेश (सर्लंग)। इन्।। 13 विभार किए (अडिक्ड ) सारिस (रास हास्स) अधिमास- त्राले (अधिमास ७ म्यम), सूरः

(अम्बद्धाल) अर्थु अर्थन: (अर्थु अर्थन) प्राक्रित (माक्रेने जाता) भीरतः (भीरतादम [यगर्]) कार्ये (कालका लवं अकता) सार्वः (१० क्षिक) असूला विलय (डेलरवल म कर्त्यम हिल्यम) गर्रग ि लाम (जान्स न ) त्व ( व्या ना मकत्म) हे भ विरक्षेत्र (डेलरवलत करवंति) प्राठा (की यत्नापा) मैत्यान (० हो: १ (मा के सि व मार्थ) अक्षाक) भारतम् (भार करियाव सिन्हें) अर्थिय भारत्वे (अर्थात्रमध्य ) अद्भुजान (बार्वसृत्व [नर]) . हिलाभक्षानि (हिनाकर्क प्रानीक) भारकानि (भातक क्रिक्ट मार्थक व्यानी म ना मन्तर) क सिर्न परिने (ध्याक्या विष्यूर कर्यू मा-12 (4 4 ) 11 2011 क्षित्रक्षी विम व्यर्गः (स्मारायं व्यवस्थातं ) यू पार्विषाः त्यावाः (इ.व. हिंदा टमाधीमने ) यव (यात्रा) श्राठवालमाभाषाने (अपि द्रायतम् हे या पानीन [ नर्काय] ) श्रिश्च श्रुण विक्षेत्र ( निक्स-निक्स- असुज रिकट दिलक्षिट रियमा क्षेत्र कर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षेत्र क

188 ) BY OF STEWED WAS THE GOOD HERE ) ( अस (अनुभूत ) नमंदमनी (नमंदमनी), व्योगमंगा (जी नाका कर्क) यपुष: अव (यपुप्रकातन) त्मराष्ठ (तिस् यूर ११ (७) मनाव्य ना भगनि धानी छ - भर छा हु व - ल हु कानि (धानी छ लेशाहन-मासक अली मुक्क कमर्ड ) लाता क्षा दा मार्थ कर रे कि जा तू आरम ) भारत (की य (भाषाम् निकिष्ठ) डेल करान (स्मिन काने ट्यम )॥ रका। ) प्राण (कीयलादा) जाते (क्रेक्न सड्क) अकी ने या में ला (विस् व स्तिना न ममूर्य) ति पित्री में (अर्था कार्नेमां) भूमक भूमक विडल (स्मक् स्मक् विडास सूर्वक) (अ20: ((अत्र मार्ड) व नगिष्डुः (वन एप अव् ा कि भारती (अमान करने त्यन) ॥ २७॥ )वि [ ०८काटम ] मेठ सहै ० लयं ० ( मेठ सहै लये ) व्याक्षापमंड (त्वाला व कार्य कार्य भू न प्राड: (ठेड प्र मार्भ भा याका भा वा जार लाम (अप्रवेशप्तं) राममंड० (राप्त) हर्वात्र कार्यमा ) यम्मकल्यम

(मार्क त्यान माना) नामात्रम् का त्याकम् छ ० ७० (क्षीकक जीनाक्षाम् मूम पर्म तम प्रमुख श्रेष्टित । भीकिक जीनाक्षाम् मूम पर्म तम प्रमुख श्रिक । प्रिक्षिक), ७९ (केर्य) मुहाम (धार्डमान्य) प्रिक्षिक), ७९ (केर्य) मुहाम (धार्डमानयम) प्रक्षि (भिक्ष), ७९ (केर्य) महाम (धार्डमानयम), (नर्क्ष) प्रवायव (विभिष्णि रस्त्र) 112611 रेले शहे: (नीकृष्ण), यथ यथ (त्य त्य वस्तु) यमा (याताक) वेखें दिवर (वाडीसे दम्) फाष्ट्रा काष्ट्रा ( [नाम ] वि (अध्युत् व व्यक्त ररेमा ) रमन् (रामिए रामिए) म्लामार (1709 MI 22(0) 09 09 ( W CHZ CHZ) वस् ) ध्रः (वावस्वावः) आक्रम् जलम उसी मापने (मिक्सिय कार्ने या छपत्रिक खदान कार्यभाष्टिलन ) 112011

७० अविदासलहे: (अविदासिल्ने) वर्दः ( यह मण्य ) वाक उर ( जा क क क ) मलहा वाल हर ल है। व लेगा है जार की भरे (ल में ल में लार के कर्षित कुर याता (क काल्यां में कार्ष क त्यात्रमा ) बालाना (बालान्यवीतन) व्यवपद (बाम (सन-)ना ७०॥ मर्द्र थानि (मसस् व्याप्त्र कार्न व); अवी ) समा (जासाकर्ष के) क्यामार्ग्ड : नव ( धर्मानिकार इरे मारे ) अर्थे: डाविन ( श्रार्थ-लाड कार्य (यत )110211 ०० लड़ा(ए स्थः।) लम्ड (चर्ची के प्रकंड) प्रक्राः (कृष्टिमान) (२० ) भ्वमकात्-(डाकात (भूठभन्नाः अन्-(डाक्षतन् ) आकि: न (अगर्क मार्च) , जर (अर्ट्स) पटेम (देशार्क) ने में निष्णकर लाम बाका है ही अपराप

(नम्माक ध्यत्र के अन ) मामम ( मिनान シャング ( 日本日 ) 川 のとり (०) लम (लम्भन ) रमम (रामाल रामाल) ्डुड्यू देखि ( हमाड ने ने नाम मा) मक्रोप: न्तर-इस् वर्षाम अद्य अप्रवादा ) वर्षाक्षर (सर्भा (य व वार्नार) भूवया माम ( भून あるがに(4日)110011 केव : ( व्या असे हें यह : ( के के प्रिक के 一年 10 10 10 10 10 08 ७०: (अप्ताउन ) नि : (मर्च प्रणान ) अक्रर्ष : (कार्ष्य) क्रड का प्रक क्याप के स्थाप का स कार में रे क्या कर के कि कर के कि सहाक (छा छ ० ( अ आ म छा त्य (छा लाम नाम कर्म (छ) रेशनंधः (लानंधि कान्ती) ० श धार ( भी कृष्टिक नक्ष व विभाग-(2(A) 11 0811

od रममड! (Ex नममड!) मना (नने पम) धर् (any) दिक्रे ( [अम्बर् ] क्रमन कार्व ट्लाइ क्रिल (यह रामिया) क्रम प्रथ् व्यात (पूरे बात्र एकरो क्लिंग ) , शाव:! ("(र मार:!) (म (ar मारक) परिव (पाडि? (विशे अभाग कक्ते र्रिक ( वर्ष वान या ) जार (सी यटला पाटक) जंपाक्राको (पिष-व्यान मृति र निके ) आदित्रिष्ट् (ट्यार्न किस् (यन)॥ ७०॥ D [लयते । यह प्रमण्य ) (प्राचा: (( द्र (प्राचन!) मन्त्र (के दिन द्विति मकारे: (धार्याकी) वर्ष ( - १३ ) की लिल: ( बात्र व्याल ) भक्का नू लक्षा लगा (अका मनारहवं व्यालामं ) हक्षाः (हक्षा ठर्मा) रेट (अभूगत ) रू कालि ( मू का कान्टाह ) र्रेडि (नरे बानिया) जान (त्यरे त्यालवानक मर्नेटक) o मिलि (के दिक ) डे मू आम कृष्ठा (डे मू अ कतिया विषयमात्र ]) त्विवार् (ठाका (पन) ट्याब्र न ना त्यथू (ट्याक्त ना यम् पूर्व) निर्दे : ( क्षीर्व क्षीर्व ) निष् ९ ७४०१ (निष्णा जारे ७ त्काला क्रम ) निकिला (निक्स्म भूर्यक)

सर्गम्यातः व्राः (स्मन्यं स्विष्टिक) भ्रम् र रेम्द्मर्व ् दूक्ष्ण (निरे तम् अनु व्याश महास्त्रे क अप कर्ड माहि देश विवाह (- व दे के ल विमाहित्यम )। ७७॥ की लय (लिक्सेड ) सार आज प्रमास लाम कार वाड Vience Alemas Ca. Surawine and a Charin Charles Charine िख्या (दि आए: !) मन्त्र (अरे प्यून जिस्सा (क्यांत्र ) दर्भ विता वव (दिश्व की पर्द ) के अपन व (काल्म वे ) सर्व लेक (मससे लक्ष्म कर्त्रमाहि) (सर्व लाम्स) सालम् (स्प्रेश स्ट्रिस्स) । वर्ष्य) (त्रास्ताक क्रिये स्ट्रिस्स) । वर्ष्ये स्ट्रिस्स) डेबाह (बार्नियाहित्सन)॥ ७१॥ ी [ लगर व ] वार्ता (क्यांका ) (इ त्यर्ते का (यर्ते (स्रीलायमपूर्व) निर्वाष (स्रालमपूर्वक) नवीतव्हाकि प्रमामभाक्षेः (न्वन कप्ती-म (अ इ स म स म म म क्या न म का न ) निक भी कृ वर् (निक्र कर्नमा) त्य करन (निक्ष रस्ड) मान्-([CX2] आसंस ( (CX2) मा संसर ([CX2] आसंस)

भ्या है। क्षित्रक के असामा क्षित्रका कार्याहरी त्यम ) विकास कार्याहरी कार्य विद्यापित्र श्रितः (विद्यात्रिक्ष कृषि ट्याके) व्यत्रहरेतः (धानू हन्मते) भूनः (अभावः) म मून्ते म्यति । हरमेर् ( म्येन सम् ७१७ मध्य ) महत्वानि टका बार्य रिक्ष करतं असाम्बद (ज्याना में प्रक्र कर्षात्र) क्रिकि ) वन्द्र अपन् (छेडम अन ) व्यक्तः (धीरव शिर्व) एडड़: (प्रक्रम (क) मानि विस्यम (अव्दिन्त करियाहित्यन)॥७२॥ 80 मा (क्यादिनी दिन्नी) व्यातीम् व्यातीम् मान्नर्ग-प्राची (बीक्षिक क्र बाव्यान प्राचित व्यविष् ) नाकाभीति व्ययु मिकाति (माक इरेट ज मुलर्मक ) न अनाति (र अन ममूर) क्रमाः (क्रमाः) मतेः (शित् भीत् ) (७७): क्षा ( क्षेत्रामिल का ने स्वक्ष ने कार्ने में किया है। कि हा 8) [लपडेब ] या (लाप्त) वमा (स्थिय क्ष्र) लावितालिणः (अपड), वटस्पद्यम् व्यवनीनाभवाः

(का नीय महलाय माम हमत्र व माम वार्माय भारता), भ्राहितिका: (भ्रामिक), प्रस्क -Cuiga- मह्त-(वाहिका: (हेडसम् (व र्णाट्य -है (पूर्व प्राष्ट्रिका-मर्बेड ) लागमा पर्व विकास (अभन भावत्रमूर्र) तिर्वाण (मुनमन कान्या) ८७ छ : (छ। २१ मिल्र क ) ५ ८५ ( भावे तम म कार्यमा. हितन )॥ ४० 11 १९०० मा ( बल्यमी (बल्यमी की परमादा), क्रीने के भा अव्यक्ति अक्ष ) वंत्राचनारिक् यर (वंशाचाः सर्वि (य-मक्त मन) भून: (म्म्रास्म) धाक्रवः (कामी र्रेगाहिम), ७९ ७९ (७९मधूदम्) लाचाहर्व (लाचाहर्व) लेकक के हा खिलाम रिक्षिण ) अटम्र १ (८मर मरकाटम ) अछा: पर्वी ( उत्राद्ध अक्नाक अविदिस्त कार्त्व कार्नि) मूम्प (मरहाय नाड कार्न्या हिल्पन) ॥ १६॥ कि [ विकास ] वंसप्तवप्र लाम ( जिन्न स स्किं म्राक्ष्ण) लूक लक्षाः जाः (अष्ठ व्यं नम् टमरे श्री वा वा श्र छ छि मू मवीमरे ) क्रम मामिछ-

मुख्यीकारेश हो। (आरेन वड की क्रक्त मुख्यमीत र्याथिए), जमानिसर्व पूर्कारिक्याः (वर्तानं धर्वेत । श्रेष काषि श्राचा व्यक्ति रिटी) हिपि मूम् छान विश्वाः (काल अम ट्यम् मार्भम द्रमा का क्र रहता) म्मू द्र ( क्रामा क्रिक क्रि धनुष्य कार्याष्ट्र तम ).11-8611 when wie as ) co ( cord considerated 80) लाट्य (लाकेकों के) ति (च्या के एक व व मं मरेश प्) भीभूष मा त्राष्ट्र व किया : रेव (ध मू एवं मा ग्रम् मही 10 विकान प्रमू (२ न माय ) प्रदेशान (म्मर्भ ), हण्डिमानि (हर्वड, ह्या, त्रया ७ टलमीटल ए हर्जा विक्री जाति आताति (टमरे एकाम् रहा (एक्टिमम् स्वास्त्र भारत) एकामा दस्य स्थापन कार्ष मिल्यां के स्थान कारण दिश्वादात कार्के न माडि: (या व राम वाका ममूद -कार्वि अरमः ह (मिल्वाड दाम) हरनामन किविए लासियन) 118811 श्री वर्यमात ] त्लाहर (त्लर त्लर) मृत्ति

(त्यास्त्र ) हर्याचे (हर्य प्रयास्त्र ) हर्याह (हर्य ने कार्न १० १६ (अन कर त्यर त्यर ) टमशामि (टनश वसममूत्र) हर्ने यह निराह ( हक्त छ। त्य त्मर्म कार्या लाभात्मत्र) न अर्व (अन (कर (कर ) अस्काः (क्राइमन इसे हिटड ) टलयामि लिसाहि (टलय प्रम्थमूर लाम कार्डा हिलम , [नरर ]) वालाद (वानाद (कर त्यर वा ) विष्ठाः (धार्यमम् वृष्ठ रहेमा) ह्याती (कायने त्याला वस्त्रम्प्त्र) ह्याति ( ट्रायम काटर्स अष्ट इदेश्यन )॥ ४०। 85 कमननप्त: श: (कलल Con हत की कृष्क) निष्रुष् ( रामभात ) जम् बकुन कु आर्ज नम् म आह दूर्भः (नम्म खातु क्ष धन्न कि की याचा म पूर्य पापन कार्टम्ल त्यवंत करिया ) विमामा : (विम्हमान) इस मार्गि (१८४ व मार्ल) आम्ठ मर्ब दे ( अम् एवं नाम म्म्म ) ७९ ७९ ७ वर अर (७१०) य में मे मूर ) मम् २९ (म् रिप्रकार्न) मक्रक्ष (शिट्य भीट्य ) यान् प्रावृष्ट् ( म्याप्-सत्म ) व अम्मन (एएक्न करिए करिए)

विश्व प्राप्त विष्ठ । विश्व कि ।

१ जिय (जिल्ली ) मामाद्रामः (मामव्याम) कृषः (बी कृषः) यमक्षम्मी ९ जाण् (यमादावन् क्रामी बीर्नादिमी दिसी त्म) जिल्ला कृष्णु (प्रति मामिना) जिमाः कर्न (जिल्ला के द्वा कृष्णु (प्रति मामिना) (ज्यानिसी कार्ति) प्रभू नाम् १ जिल्ला क्रिमें (ज्यानिसी कार्ति) प्रभू नाम् १ जिल्ला क्रिमें त्याना व सम्मादि अकामका निमी), मृष्णस्म क्रान-

यानिकाकी ( हकन अस्ति टनाहमा) ट्रियमी ए खाम) ( सियं करा श्री ना कार मा अहि पृ कि नि तम अपूर्व मा) डेनामा: (डियमक श्रेमा ) जनाटम न्यमकृष्टि: जादूर ( ( अस्त विष्या का हिल्मा किया अका म कार्य गा-12 (27 ) 11 8 5 11 8% नर्भः ( िक्षिण् सम्ब यात्म मात्मारा) किसंद (त्माते) एक) ए (त्वाक्ष) यह ) एत (क्षी कुक्कर्क) आर्य दूकर (अर्थ दुक), किक (तमा टाका वस्त ) जार्भाव तमा घण् ( जिस जान प्रकारी में [अर]) जर ह (प्रवास्त छ) धालात अल् वीका (त्वाक्तन) मार्व अस्म म लीत करिया ) माकू सा धारी (माकू न-छाराभना १३ (यम )॥ ८०॥ (७) मू ( (व प्य!) यप्राद ( यप्र मदकारत) प्रकृष्ट् (अपुड ) धार्मारि (धार् अस्ति) प्रमण्ड । अर्थ (अपुड अस्ति) ( जूरि अमिलाम किन ता तकती है अमिल: कार्स (विश्वी असी वर्ष रह में हिंग रहिन (कि कि विश्वरेश करें) यस (व्ययन ) अपि 2000 ( SUSME RES CONTIE) 11 CON

क्रिकेर: अलेश: (भागाव पिन्ड [अत्रिक]) मक्कप () त्र (१ वर्म!) यक्षात (गतित मण्ड) व्यवाप-क नहार (अ ना का तक) व्यासमा (व्यासमा कर्नमा) लस (लाउनमाना) मैत्रमचात्वः (सर्वे मेत्राचान व्याभाव ) विसे ( भूमर्त् ) व्यापि रेप् मर् (धान अन् । जि नहे महामु (दाहा) व स ) भए क्यानि उ० (आक कत्रत्रेमाहि), जमा जमन (जमानि [ज्ञित]) म आक्राम (ब्रायान करने (करमा) हरा कि कल्गार्थ (राम् ! ध्यार्थ कि कर्ष्य ) रेस लगा ( ) लाम (ज्या अप ) आ (स्मियलाया) त्यार मी० (नीतारिमोटक) ७०० (नान लाम निर्मारिमो (त त्वादिति!) अन्त (नरे प्रम) , अधः (अरे) ६क्रम: (६ अम [ममक]) भूरिं : पूर्वम: लाभ (भूशम पूर्वत ररेगा ७) सम दूक (जन-(७) की नामगा) किस काम (किट्रे) र काडि? (2) 21 4 AND (O(5 21)) 1 (CEI) (छ ००: (अभाउन) तम्र असी जा भी (त्मार पिडा) व्यत्य मुद्र छ : अपूर (वन एव मिनी) रेप् (कार्कार्यो प्या) भूत: 1201 (भ भ्रा भ

मार्था ) ० श्वाम मार ( त्ये भी के क (क) मात्र मही माधास न छ। त्य (आपन करने पा नाम एक लानि (यत -) म हणा (छ) वर्म (८० वर्म!) मनी मृष्ठा (मनिकार्के मेलिव केर्य वर्षात्र मेर्टि (मत्रे महत्ता थे मह (चर्) सिर्छ (मुसर्वेस) ध्वर (ध्वर) मार्वि (ध्वरुष वर्तिमारि) देव ह ( प्रामं अ) अप्रकाम : जाम ( केश्र रहेगार के [ वाय ह ] ) वर (वारा) न अन्यात्र ( धाराव कार् उर रा ) कि ्वा (धार्व त्वर रे वर ) छाल् न छार् व द्वार ( [का स्पर ] नर क्रम भी (क) अर हे (क्रिट् क्रा अरक) दूरमार्थ ( 5: 2 NT T POR (0 E ) ) 11 08 11 ( 20 (CA 4 8 X!) ON M) (22 CAX) 700 (का आत्र ) अमरी (अर्थ) । अम्म कि (अर्थ पत्र -ए ( ए अपन ) निर्धन्त में भारे ( निर्धन्त म क्रिंडि) न्द्र असठः ( िक्र अन प्राध्यो बात कसरे एए ) असं डिबिंग [ [कायान]

लाई सम इरेटन र [वान नव]) कि मृद् का नी रि (किकिट लाइरचं कर ) ! सत्र : (व्यासन माका) विदिशि (नका कर्) मेरला ( प्रथम (क्याति) विश्व केकड (व्यापक क्यार्ड कार्न माहि ) विकेश भवा ( िमला किया हैं ने र्येगाट्टी रेशि डेक्स (यर वालिया ) डेक्सांसकर विकायण (डेक्ट्रिज हिडाविकाय) तिथमा (मिनान्तेष्ट्र ) सून: ७० ल (भू नन्यू) जलाश लामें वे (लासे लासे लाकार्त कर्ता लाक्स कार्ति) वर् मला मुवर् (वन वसानं स्वीकृष्टाक) बीक्र) (मलीत करने मा ) अत्र तरामे (क्षान् पूर्णते नमल हु: (धारमीन ड किन्यूमि (नर)। हर्णा (d) on (masself ) on the day on the sing win) भा भाग (कारती जी भागा ) प्रकल थे पूर् (भन्न (काष्ट्रे अन्त ) तर्मन्य भठ कर्ठ (मा के किंद द्रवंस् कार्च (०) लाड्य त्रिह्म व कार्ना म ल लय (ल वस मयकात् ) धार्म ती डि: (धार्मी मध्य कार्ग) यह उद मल्या ही (मस्त्रिष्ठ (618) 28 (CA 2013) , AST (CA 24)

धान्त् ( प्राचन क्रि ), नवम ! (प्र नवम!) र्मिश्रिम्ह (यर यर [त्वाक्ष मह]) व्यव्यक्ष ( ave un rife " [ \$31] ) & and ( asset 4 44) & रेडि वावकी। विव्वानी मन्त्र विवि वामि (क वामि (क वामि (क वामि व वामि )। १९॥ यमप्त ) इतं (जा मत्याता) लर् का (१९१३) लरिष्टि ) केंग (विशे (अने क्षिपं लर्थिय ठ १ व में में म मार्ड क (क्ष्म) में दः ( में म बा में (अस्त क्षिया) मार्था मार्था ) विस्तरी त्याम ०० में वर् का कार्षाक ) वंत्राया-लक्षा में एक - ाल्या केरी -न्नाक्त - अर्गः - कर्मा मिश्रा-ग्रिश- मान - मान प्र बहुत्सम् (ब्यामा, अब् कासव्यान मिन्ती, भाएत, पूका, पार्शिमाञ्चल मक , व्याद्या र रहेक्षिमीर) स्थानंत (लक्ष्यं क्ष्यं मान् । हामा भाषाक्ष प्रक्षियं मान् 'क्ष्यं सिन् के 12 (AA) 11 @ 6-11. (1) मर्च ए ([अनहरं] अर्थ ना मकला ने मकला) मुपू (कासम) नम्बर्ग (प्रमुन [0]) रेखे ९

(ब्रास्ट्रिंग), व १७वर (माताविस) ७ कार (धाकार (630), (619)), (42) ( (42) 3 (लग्रह) हुना जीया ( com म अ अपन करव्या) उस ७ व र छा। (काल मा स स्थापाटिक र छ दर्भा रमण प्रतार्काः शब्यम् (यमणप्रत व विम्यु हरम्क र्यम्प्टलन )॥ वनम 70 ला (लाक्षेत्र) क सत् (द्वाराचा सकता) भू वा भिष्मु पा (भूमाक मृ खिका भाषा ) मूम भारत लामानि ( मू अ उ कर् कप्रम [अवर]) मूम् तिविक्या (कामन मडका के का न ) म दात् ह (महना किक्र) मार्च (डेडमक्ल ) आम्ला (प्रार्वन करिया) मार्टिन: खरीछ-करका प्रिक्-कृ कि का सू (मासमर्न-कर्ष प्राप्ती अर्थ के कृ कि का सू प्राप्ति का छी न भाविति (धत् प्रति) ते : पछ गाति छः (उत्यादा सम् अवा व्यवाका) काहसम् के र् ( ७०६ प्रत कार्यमा हि (त्रत ) ॥ ७०॥ S) [ अतह म ] त्व ( उंग्यामा ) - अमा- मय मं - श्रमाम -विमिन्निजाि : (नमाह , ययमे ७ कर्ष्य मिन्छ), नी (जा क्व माडि: अ श्रुम ५७ - व द आदिन - (मा मिकाडि:

( ल श्रीमाधक छ्ठाकर्ष मापड , भी उस उ देनामा डेडम अतिरवंद ह्ने वादा ) मता (वर्ष मदकारम) यू अद्या व्या का ( यू अ के कि का ने या) अ त्यान करवंत (बासर क्षतां का ) में प्रमित्वं (आंधिने छेप्त ) सम्बू: (झर्कान क्लिमाहित्यन )॥७०॥ क्रिकः (अपेडन ) लियी (ब्रारावा) वेदस्याः (अद्रम् कद्रमद्रकात्व), व्रमान कव्रद्रक्षाभ क्ष-माभवनी-भून९ मूलक् प्रवी हिला: मू अर् धापतः अव ( व्यासीमानक कृष्ण कर्ष स्वर एक स्वर एक व्याप कर का स्वर के स्वर एक स्वर एक स्वर एक स्वर एक स्वर के स्वर क भू में म व्याम त्यान महिल व्यान कार्न एक . कार्ड विष्ठ ) लाम ( मिल्ली ) जा क्यान विद्यासन -विमात-भेताकिकाक्त्यम् (भावभारीकाविषात धाराष्ट्रि भूत्रमकी वर्ण विकास अप्रेम्सम् (१) लारेक्ते: वीकिंगः (लारेक्न्यलेन मुक्य -(प्रवा का ७ करिया) विलयम् : (वियाप क विभारित्यत )। ७८। २० (लग्नमान्द्र) मानिहानमा: (मानिहानमार)

७९ (भीकुक्टक) निमित्य गुमितः (प्रमुक् लू एक न में बान काना ) अस्त मी क्या त्रीक्ष त करने मा हित्रम [अवर्] विनामकः (विनामक्रीमापक ्रिमिन स् स्टामन शिकित ) जादमा मा क्रियम कमारेमाहित्यम )।। एए।। अहि [अरहर ] ब्राममा९ मिक्स बड़ (आक्लामा रें ए यह भी रहें मा ) स्थिता है कहा द (28 अपी अभा मन अर्थक) दात्री अर्थ: (दात्री मार्थक) कार्नुता ) स्त्र अपकास्त्रा प्रवेशार (लाल व व्य त्का त्के यात्रेश ) मश्रीकातेः (मश्रीमार्तेन मार्ठ) भवाअव: (भवाअभवात्म) रस्ते वित्मकम् ही ् (सिम्ब्स्क प्रत्र कर्वा ित्य के कार्त ) कामना ले त्यान ते : किन्द्रेत. विश्वता विश्व विश्वता मूलक धर्मित स्त ) बलाम मा लयर समक्षिल देश स्वीन सामा ० ( इंडान कार आहम ठंड गार्ट -

नाम अधीन अरेमल भागीर र असम ) जार मार्थ ( (अर् न्याचारक) आ (चाल्य मन्) क्राता (मत्रेम्यकार्व) (लाके के द्र स (क्स) ( त्वालायम् क्रिके ठेल त्वलम कर्ग्यमा) सूचा (स्थालन मार्क) वयात्रेता (स्थार्थार्यात्रेयो ) क्षात (म्य वर्ष क्षेत्रक क्षेत्रक ।। त्र के कि ।। त्र के विषय के विष लये) सार्वे (क्राप्टा क्राप्टिक) सामका (कारम्स क्रिये क्षिये क्षिये क्षिये के विश्व क्षिये क्षिये के विश्व क्षिये क्षिये के विश्व के विष्य के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश् किन्ति ) द्वानिकेन (कानिकेन ) रामें कुल (अर्थ: (अ कृ तकत कियामान्त्र ) भूष प्रव्युक्षारेतः (भूजलक अनुममृत्य व मार्ष) भू ए ( (त्रामान) ०९ (७१३१) अराम्या (मिलि कार्नेमा) भ्राद का भीम (भूर ११८० कार्यमा ) कामूडा: (नी शर्म-अड्डिक ) ५(५४ (५५ कार्नुमाहित्य त.) ॥ ७७। अवी बार्ममा विक्रवा (त्यूरार्डाहिछा.) कृष्णमाना (जी माला मा ) साहिकाई (जी का हारक) हिंदी (म कार्रिका :) नमा वृज म जन मराष्ट्र धाम मुडी ० 

भीका) (मिन्दिन समाना लार्ड त लायम कार्डमा कि कि सा व छ जारा व कांबर ज ना एपा से ना व्यवपद (मर्माम बार्मिमाहिट्यम्)। ७१। अभिवारी अमार (दि भाड: !) अस मार भी मिर्म (असी-विया। लासान सिक्ट ) अर्थी युन् पक्सा किर् ( नम् ल मक्लान कावन कि ) रे मन (जा शत ) ए छ : (हिंड) सू ए रेव ( भूम औष्टर्ष न कार्स ) वार्स (कार्सन कार ) लाग्न व श्रिकार (काल्य त्यर्तिंगमं ने विकारह); वर किर्देश वसर् (मक्सर) वसम् (जामक क्); त (लाधान) मिर्धक्रित्था विश्विक्ष म नामि (मिर्धक्रम नामि एक्टि) न प्रम (कारान) प्राच (मप्रम्यमा) विक्रिन् (अप्रय कर्त ) व साम्मार (लासान सस्त (म) कु कर अभागानि ( टलावन कर , [आमि जादा] ट्याम )17 6611 अर्भानिनप्रमः मुखाः ! (क नानिनामे मूक्तानता) मृत्र ह ( का संब ) (स ( का संब ) ए प्रमा: में (महारे २७) , ७ (अन्ह) ध्रम्मा द्रिमा किः ( अक्ष मळा कार्या ७ वि १ (कन ) रे १ ७९ (४७ वर)

mars sing [ [colnd] ] column sing भाषा (जीयानादा) रेपि व्यास्था १ मास्या दात-अ दि : १ ( अ रे म अ का अप ड का अर्थ) अ अप अदात कार्न भा ) विश्वान विश्व व हता : (विश्व -यहत्रवर विषे धात्रवादा ) छाः (छन्द्रादिनाएक) म् प्र ट्डाक् स् ९ (ट्डाक्स क सार्य माहि त्सन) ॥ एक। ्रिवेडिकामा (डिकास्त्रे ) कार्त देममें है। ये क कं सरमाह-भार्त : अहित्क मूला म विकार म का हिनम हे १ भन्न इ लग्न ) से ब देशर ल म हिंत प्र अर ( जै प्त वे लयकावमध्यवं मार्ड ) टम्मार मन्तर (१४२ उ म निमरकार्य ) व यव वर्ष का विसं अकार्य (व्या व न् ज व वर्ष् काय तव (पाना) भारि (एम अकत [ल्यक्षात्]) अवल्यः (क्षेत्रं व्यवस्तात्) प्रिकामः (अक्ष करारेग्म) अ समत्त (तिक्म्पूट्य) बत्यकारे थ (ठेउस अम्बूरे का अन्ध्रु भीभ भूत्य अर्क) र्जानि (कारक कार्नां भागिताहित्यम) क्रिस (कार्य) कामिकिका (कामिकीक एक) देलमी छ : (धामी) कि: (त्ये मकत) प्योते: (धानका व निर्दे ]) नामुन-हत्त्र वर्गाञ्च य- नामाकाः ह (छाञ्च न , हलान , देर रूछे म व अ भिर्म व का या ) आती वृष्ट (म भी सरी क्या में भी का विषय के प्रकार के अवसार है

## ROUTINE

4	DAYS	1SI PERIOD	2 Nº PERIOB	3 RP PERIOD	4 TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7TH PERIOD
-	Мом							
	Tues				215 - E-1			
1	WED	٧						
1	Thurs							
	FRI		-5					
4 !	SAT							( )

## Janata EXERCISE BOK



No. 8 m ) Dann and som

Name Nove 8
SCHOOL OF 19 Chalas
COLLEGE HOLD TO SEC HROLL No \_
Subject

mory sone sug भी ची टमाबिया जी ना पुरुष 200 Egy xm (Contol) (अधाउमेळ कार्या) शाम बानिषा (टम्रमम् भीटर्ष) स्वित रह्य (धारलयाड कार्यमाहित्सर)।। 909 9211. ी। या (इस युटि ) मेर आविति की मेर ( न्याकित्क के). लीकर्य (य देखतीय वस ) श्रामा मण्ड (की ग्रामा लपदस्ते कार्ने साहित्यन) विभागा (विभागा) रामक मा (सामका मात्रा ) ७९ (जारा) भू दें ० (लाभत) म्वलाय अपन् (म्वलव निक्टे क्यों कार् त्या : [आर्]) भूयत : प्राम (भूयत ७) किक अवर (व्यिक कर् के थाव) भी मा श्रें बं ( चिन्नकाक ] तील वसनि ) ज्या वन (कानको -हा नारे ) ७ टिमा (व्यानाधा (क व्यव ने कार्यमा -[至(四月])119211 ०० जनव (अरे सम्हान मही ) अस्मना कृष्टिन इतिन: (मिल-मिल-प्रमिलाटी म्मिलूने) ए पामाः (मूर्विक मान् हार्यमन) (स्वन मान्यून-मानाः (१४११ दुन्नित्वर्व) छः गक्ष-या ना मुन्द्वते: (विदिन् अकान् मका भाना, य स त लयली प्राचा ) स्री लस् स्वरं (शुन सह

हिल्य )॥ वल। स्रक्रिक ) विदेशमाल्य : (प्रदेशिक अर्थेत्र- 98 91 consis ( ) ि लिस (क्सिकी के) चयत्विक्ष्य: (कस्त्र प्राप्ट्र ) लाम क (जीक्क) सम्मान मूर्तः (हलम ७ क्षु मीनाहण) ७। के त्थ्या ६५ हिं। ( विनेक वि लाय) भार्जाह्याने (ताइकाप इ शकूर हिन्दा क्षि), हारे कें (अडूड) तवा बाम: (न्वत वमन) , विभाग पत-(लामें यो मक आख्ने) , तम र दि दि तम मन्) भ उन्धारावर (उन्धारिवाहित राव) में वस जार नाम (वक्षामा) । व्यम् कि सड् (६क्षम कि सड़-राप ) प्रवास्ति। (वसारापर) कर्तात् (कर्म देश्रा) " क्ट्रिए (क्ट्रिप् वर्ग) " स्मित्वत्-का एका (स्टा कार व मन्द्रम मुल्यों) न मूलां (न्यूयं-ने अप [केंडि]) के किल्यान हे प्रसित् (किल्पि) राय्ते अव्यान कार्याहित्य ) , धर्म ([धनहुन् ] लिति ) नभामि (न अ: भूति )धार्ष्यक-म्मा भाक्तरा - अणिविश्व - कदाशिएं : (।मेल-१० डिमण . त्यीरा राव वालि विश्वयुक्त ) भूता (भी के रिकः (भूत ते अन्या के शिया ) छ। सण्य ( आषा ) ठाइ० वहरे ( राज कार्न करने क्रिके प्रमा ? [ नवंसल ] )

किएमें (भार के करान टलाहन: व्यामें (कत्रमनप्त व्यक्ति) शास्त्रामन-लान्यान (देमान्न मायलाल) ल्मा का ह न प्र ( देम न न त्या म स्कान की) मुले ? (ज्या) , + ७ वद ( अरे क्या) मात्रा (डेमारव व पाभने जाटम ) न्याहियाए (न्यूर्निहिन निहिन) सून्ती (सून्ती) प्यान: (धान्ते कान्यूष) रासित (यस) मानुस (इक्ष्णना) भी वर्तान (भीठमते) अय्य-अछड़ी (अय्य भार्य [-केंट]) पाक्रातेन (पक्रीन इस्डाचा) जीना (सावर (जी मिक्सम ) कस्मार्य, (अकामम करवाण करवाण) र्णी-विधान-प्रमार्थितिः (रण्मी, मुणं, भन उ यार्थिकावी), प्रमुलाया प्रविताम (वर्षः (वर्ष्ण्यान्त) शामनी अप में दा ली जाती ) वयता: (वयभाषते-कर्क) महत्यक्ष : (अर्विकार्य वर्मा) म्मर्नाह (मूलगीलते वातः स्का (६७ इस्र कार्या) बनाय मह ९ (बनमध्यव विमें) ज्यमा९ . ( भूते इतेर्ड ) निर्मामम ( वर्षे गेर्ड マオてオオ ) 11 98 - 9911 (See moverleaf)

चीरहेण म ममा सारिय धर्म भ न्यी म भ त्या करन (अत्र की रहे कारपान वाप विभाविक खर्म अक्ष इरेगार्ट), वीन्धूतायपामकृ जिता पिएक (अने सवाहत न्या शिक्ष ने मैं यात्र राम त्या मित्र भारान हे अटम भा कार्यपाट्य ), नीवि व अवंगपत् (क्या सार बीचरमा क्यारी मिलेसमें किंद यावान देशव इरेमार [वनर]) भीन्यमाय छहे वन्त (सीमारे र माना हरे जामानी के रव रा अम् यर-अल्य यात्राव विका र्येपाट्ट) , (भावित्व कीकारमूट कार्या शिलाविया जी आयुर्वित्यक (अर्थ कार्याव) धाउन्न ) भाग तील म त्यानि वर्त मया ! ( अाठ तिर्द्यत त्किनि द्वित ना गुर्क ) हुन्थे: भर्तः (हर्म मर्ग) गठः (ममास र्येम) 11811 ने ए ही अध्यक्ष भूगार्थ - राजकारी हो कार्यान कार्यान strank Con your orginal on strange when your

अक्ष मर्ग

) [ार्माते ] भूकार्य (भूकार्य ) त्वेत्रामित्व : (अत्र मृत्य े अम्हन्मतिन अचिक ) विलितक्ष्णम् थापण् (बत यात्रा कर्तृत्ते ) टमाके त्याकात्र यो ७० (लाके मात्र-भने छन्या न धार्मधार कट्या विन् धिनि ]) अर्था छ-ट्यायर (बी बा बा ब मा अर्थ किया है के म इरे मा ) जिया है-र्राट्रिट (१, या के लाल मार्व व भी का में वर्ष व -ठी उंड (क्या वा का कि व वि व के आर्य देन में में में) क् कर (बीक्क क ) भाना भी (मिन्ड म भागने करने ? [ नर्का मान ] किक्स लाताकर (चीक तकत म्म्यादि ) क्रम्यम्यम १ (मिक्सूटिर मयम कार्य) निर्देश (धार्म के वर्ग के के कर कर दिया (अक् कर वाडा का तिवाय अमि ) भारेज विषम्भी-य विस्तार ( थिक सभी का त्यतं में कार्तमां व्राधानंते (र्म [नर्मा]) वादा ह (क्या नावाद्य अ [ निवस व भावत किन ])।।।।। र्रि [ब्रकाटन ] यः (चीर्क) लकाम्रामार्यः (समावित सर्तित्वी किंग्रें ) समाशिष्टा साविती में

सट्टामने (ट्याल मधी के स दि। म द्रेश मित्र के चगरें संगुमार (चलार विश्वास्त्रं ) के अदम्मारत्य (१९ अर सार्य कार्य कार्य की टिस स सर दलास म ( त्यामन व्याक विकास-भत्रकाटन ) गाँद : कामाम (भूनी वर्षेट बार्य ए वर्षे माहित्यन )॥ १॥ प्रिक्सात ] धरमे (की कृष ) मित्रिस्मिनिषः र्टि: (स्माम दिन के देव मार्थ कर किया में ति मर्थ -दावा ) यू ७० (वार्व भूते ) वा प्रिण-वा प्रयानान् (अठ्मणी सिनुमाने म मां (मार्मी में छ ) यहाता ?. ( ब्यक्रिरोष् ) अभ्या क्षित् (अ० आस हाया डे रक्ट डाबाल म ) क्क मी मार् अलामार : ( व्यक्षितीयाव आ (त में अक्ट) अवस्थरं विश्माद् : (अवस्थवं अविशामीका) १ (माध्मा-य र मे की (अ। सम्मेरी (आसने मर्जार के का) (मामसात्री में दि : बें बंद (लामक्स) (मामसात्रीयन्-कर्क लाव्यूष ), (लायात-वर्त्रायवर्त-याय-त्मायलाविष्ट् (सिन्माने न ममनकात्म वर्म-

प्रमुक् ला बर्दा स्था की का प्रता ला अर आभ-अन्त द्या भी अ प्र: में के विश ट्या भारप ने माया द्वारा के विक् (टमायामा मर्स प्रहा वा क्रिक्सिमें) Wद्वा मृ ि ६ ८ मा न सर् मर्म वर्भा वर स- कू वि छ ल म्का-वामि हिण् ( रूक्ष प्रमू एन एक एक ला डिक्सिक-काल अल्ली क्री व व ने मुक्क व व भ भा मार्मिश्टर म भाष्य त ) , करीय त्याप मा डेख ए सुप्त- हुनी. जल ( मूरिय हुत का ना भर प्रश्यारम कु विकालन कामनवीम छः [नवर]) बल धनकतः (बल र असर देशक पा- के 3 - रे के सार्थी गर्न यांग न्ते (भारत्ते) नेकाला में (न खान मारहित) रीका (मर्मन करिया) सुसूर्य (१ मी बार्च कर्मिश्चित्र )। ७-७। िण म: इति: ( [ व्हकारम ] न्त्री के के) विष्कार्यान्य-मान् त्यालमारियम प्राधिकाः (यदमभाष्तं लक्दंगव् -सिक्तां ग्रेस आमक्षेत्र व वप वर्ष सर्वे र हा जा

A BOR म्बार्ड क्षेत्र ) विक्र पर्ट त्या वां : क्षेत्रा : (द्रक्राप्ट व (या में या स्व त्या र्मं के) में त्या हा व्या स- कल्ला: (मैका लाउ क्यान के ल कक्ष में स्तार्य ) आमके सनेग मक- (माभीयक्र प्रद्यां के रा: (माधां प्रक्षप्रवंश ट्या म्याप्त व यमन व नम्यालिश न क्याह्न) त्रिण करे हतम् वर्म- २०्म काक कृताक्ताः (त्या ७ व्कवत हक्ष्म वर्भक्ष २०४० हक्ष वाक्स तेव वाका वार्काण ), तिलिक्ष क्रवता अव्कित्री: (रवना क्यानकार निम्मू (रव निस्निन पुक्) (MI NOS (MANA: ( ] 746 ] (MI NOS 2) OR (MALY-वालिषाका अविमक्त ) भवासय-प्रवः टार्माः कार्या में में प्रकार के किया हिला हा । वन्ते।। (लामायाक्ष स्टिया में द्वार्य क्षिया ) सम्प्र १० चिक्रमः तः (त्यार्य प्रक्र क्ये के विकारण) क त्यार्व मू भर वाल न निश्चामिक- त्यार्थिक ( बल्वाल कर्ष क बल २१ ८० मि: अगविष विके डेर्सम्ल निल्न कार पृथितिक लका नी स्तू-मारेक्) धन् बल्प (धन्ममन पूर्वक) बलकार्म-[माकार ( वल कार्यम रक) विकर्ण वान्स

कार्न के जिल्ला विकर्षत् (अल १२० निकर्ष केल्ल कार्ने छ ) आश्र न (अप हन अ (पेन अप्रिक) वताम (वतन् मिल ) न नाम (याना कान्तन) ॥ २०॥ क्रम (अपदेव ) न्याम्य देव (याम्याम्य वाप्याम्य) मनी दे त्या में वा वि में ब्रेस ने महिंदा है। भी में मिल्लामक्वरमा । अल्लाह मिल्ला ७ वर्षाम् भगार कार्य (कार्य क्रिय (लक्षेत्र ) स्ति मेरिक कामरे। (सस्मान आरो क्षवर्गा म्यामाना विनिष् द्रित्वीमत्ते वृ मित्र विभिन्न ) मामानि देव (मिलाकिनीन नाम) राष्ट्रा अभित्र रक्ष्या ने क्षित्र में क्षित्र ) व त्यार तहा हिः (भूत्राचिष् रीनिशालक्ष वनवारा) नासा: बिर्वित्तिशामिकवृत्मः ध्राम ह (लस्तु, ब्रामी अस यस आग्र इटलंड ) मडी काश्र (व्यट्मर लाविज्ञ कि ] बूक्षी जिंग हम-मिका कि विपर्वी

(र्राष्ट्र व द्राम्त्रास्तं यन्त्रत द्रलात्य कर्नाश्रे) त्यी अपर् व्यश्य (वित्यी राममा अस समार्माहर)॥ >>॥ ) वनामकरे: (क्यम त्याहमं) शति: (अ कुक) बनाम अल्य (वयसत्य अव्य दर्मा ) मदः मवः (त्म तम मात ) अवासुकर् (क्षेत्र भावसभा ) माने पर्ट (बिराह्म कार्छाहित्य ), ७०: ७०: (अर अर म्हासरे) प्रा (अरे) मल् : (मल हामे) मम्रम् मा (जर्म्न)-अठकारन ) अक्ट (श्रीम ) अवस्त्र (अवस्था अकाल भाषात्र (अकाल क विभाष्ट्र त्यत ) ॥ २२॥ कि सा ( विकास ] उत्त हार्र ) मूर्वः (विम्लतेष्) भूत्वर धामाल के उनि (हिन् ) हिनानी अलामाने ह (हिनेस मुच्हि असिक मिलेक कि ) हुन : (सूत्रम्म) A द्वार य ही ( मुला कार्व मार्च कार्य (यम ( क्वी भर ) म्मल हम अदमारें : (जनीय अपम्मलामिक कार्ने 24 छ त भू म ता भाक छ मर्भामी मन ल (अस्ता अम् द्वायाक बाबि राव । कर्तना TECHT - HOOM ONTHE BERN ENGINE (ME) 11 >011 X [ नरेकल जरकात ] क मूत्राक्रियम ( अमूत मम्मवाश्चिम अम्बद्धमार्था व्यवका)

अभिजाय रहेकेरा (अभिक्षित अस समित्र के ) 418 क. मर्णम्भा (मकन पित्न मृक्तिवास म्ममध्य-क्ष अवशालिशाता भातिभूति। ) त्रकादि-बातात- लतावती-श्राब्श (धारितन मुफा- किरेजा-में था प्रात ) बळा एयात (बळ में ल सर्टिंब सकी रेशे विल्ला इरेशा ) धारिक्ष मा भूमस्या (कार्वात म का रेम कार्य) के क समें से कारात्म ( भी कुक्रमा मामरवन मिक्टे ध्राम मन कार्निया हिला ।। 58 म ) [ निक् ममर्स ] लक्ष ( ख्यम् म्यात ) अमं स्वतः छिएम् क्रीय अण: ) ज्यापिटेव : (धाण्य प्रारा) याष्ट्रम्भार्भनाग्रिः (त्वत्वव्री अष्टि ललने मिले महाडिकारा (व), ध्यानका नियान-भमा बनायुमा अद (धार्यका, किनिया उ ज्यादिंग्यियों त्यवीतं अध्य ) ल्यामवा (वमानं डेआर्ड इत्रेस्त )॥ २०॥

कि [लयत्व ] स्वव्याल्या वाना (त्यम्मी अव्याम्ना जित्रात्रामणं - मण्डक - पृष्टि विस्तान (अन्मातन (अहर्ष भी म स्क्र ), क् कर् न आ ने नर् एक तम (व्यामिश्र व्याक् एक व्याक्त प्रकार देशान हिला )। ३७॥ शि विदेशास ] मम्मम् भा : (निल्-निल्-म् एम् मार्ड) श्येता-अग्रता- ७ दा- माती- हला वर्तीश्रूमा: (क्या ना, माधना, डमा, अमनी उ हत्या मी अष्टि। छा: (मू अमिका) भूभमाभा : (भू (य न्द्रवीं नामे ड) ७० (बीक् एक क्) धातुम् : (धातुमव्र किल्गाहिलाम)॥ २१॥ ोपि जिस (जिल्ला) के जर-धर वृद्धः सर (धरकारन अर्थि ) अपने मार्थ (अपने मात्र सी कुक्) मिर्या [ भूकी इतेए ] बरिसंध्र कार्य के मार्ड व्य-रामा (ट्याक मध्य कार्य के आदम व विवाधिक ) स्मान्यानाभान्यीता (अक्न-७-धानामी वर्त्रमा ) धरमा अवस्मा : ( टम्पे बेलम् मी ) मछ मूनलीन लगा छ:

(बारेशीयमब्ड भवामि अद्यातिन भूत्राभड क्षित्रालकाना ) क्षित्र (क्षित्र छ। क्षित्र के भूते लू के टिक्या खिल टिक्स में भी देव (टिक्सा खिल है का मानारी याम ) अला भी व्यमीत (व्यम् व व्यव वा मक्तम कार्याष्ट्रिल )। १०। ) क्रियर (क्षेत्र क) अ बरको ध्वयं १- विष्यो मीका ( इ ख्रेन भारे व साम् मिना क वार मारा कार्य टपार्श्वमां) बनत्रीमानि (वरन बीमाम्) भिष् (धरमात कार्यात ) तमाक्ष्यिः (खेन्सरे) बानिए और १ (मन्द्रीय जारम जनसम् विक भीवा रक करिया ) उस (ह (सम् कात कात का कविभाष्ट्रम ।। ५०॥ 20 [ वरकारम ] मः (चीक्क) मीयम अमार्प (मीम यमभग्रम (२७) धार प्रेशिष : (धारणे तम न (एट) धारत अ एकी ( धार्ट अय असूत कूरा 22 मां ७) जारिवावं में एडिंगे ( रिवावं ते जासभी डिट्रेस ) त्रार्य प्रार्थिक (एम का मार्थिक) विकेट ]) प्रार्थिक (एम का मार्थिक) मिल्या (सर्वा-मिला कि) मधीको (प्रम्य करनेपा) 28 /2000 side (23 21 (24) projumber 1 1 501)

में भिष्ट कर्ष (में मार्थ कर्षिता मिन्ति भिष्टिता [ [ विकार ] चल र्या भी मार (चल क्रिक्स) आपने ). त्रवानि-लक्षकः (तवक्ष ववक्राकि) लोक्छा-मुक्ता (भोन्दीरमात् ) व्यावन (व्यावन वर्मा) उसमरी (कालियां अयम खाल कारिए इरेल) दीवाण्डमा (नक्याकाल वाण्डाव छाङ्गाय) कार्टिं : (रे उष्ठः) वर्षात्र का कार्य (भूतिं ज २२ मा ७) २८वं : (न्नीकृ त्याव ) युआवावित्य - वय (स्मक्स्रांसरे) म्याज (क्याज इत्रेथां हम )गार्डा यः ( [ जिर्काल ] व्योक्क ) तार्वाविष्ताप्राविष (बीज्यान मूत्रक्र अपने ) बीत्वन् ज्यान-अक्षेत्रि (याम ठिं यम्म मे सम संस्थित प-मुलमारक के मुक्त करना (छ) अधीक) (पार्थमा) क्यीम आए (मिल्र) भू भ्रांनाए या जाए (छ छ अर्यकार्की अस्ति अस्ति अस्ति भे कर्निमार्यत्वन । याचा कार्य भटमन हेलर्न अक्षेत्र अक्षेत् ने ग्राम्म्ये दिल्ली का करण व भूठमकाल आरक्ष])॥ २२॥

ि लम (लक्षेत्र) में बरेम था: (लवंस मिड भी पा) भाजनः (भाष्ट्रामीमा टमानी मर् ) या या वा नर् धाम या म (मिला- मिला- महारक वर्ष जाम व्यक्) उक्त न के है । या का म मंगा: (का के तक वे में आवे पिक धान भूते तम्त तिल्ल करने था ) हुता निक-वस्ताः ( स्तिपूर्ण भाविर्धियं वस्ति आर्ड कार्व्या) सर्व : (हजू पिक् ररे एक) प्रकृत्व (भीकृष्क (क) मिन्यकः (तार्वेत किन्याष्ट्रित )।। 2011 ( भी कृ एक वं झलान ) छाय यही ( 16 हम कार्ड-हित्यत ) देण (अवर् ) विश्व से प्राथ (गाकूमा १३ मा ७) वर अर छर छर (समा कर-नैसल्हा का ) वह लयायंति ( व्रायां भाषा कार्यभाष्ट्र (सत्र ) ॥ २८॥ (आ भाग तत्र मिन्न) भाजभा (भाज भाज ) मिल्री: (अमिल्री) (मामा: क्रिंग्य)

आहि (विभाक्षत कार्य मार्ट । [क्साल क्यारे ] sand (sind) outsing, (M-outs a side ) & र्वात (रेक्ट्र) वामंद (र्या) कः मैं बाजायः [[alana]] For on Han Jan 13] ] 11 5011 भित्रामः कार्य मृपूनः ( [ जूमि अस्म प्राप्तः) विश्व छ न भार्कः (६न. ७- भार्कित्रार ७ ररेमा ) पिनर (अस आ पिनम) काछा (प (अहीत व्यव्ति) निर्मात्र (विष्यंत कर् वायम) निकारंस (१८०८-1201) क्या (देशका लि) सी (य अधि किन य मार्न करने एक मार्न में मिटका 29/ (क मार् : (अ) कृष्ण) मार्ममा का का (वार्ममा)-विभव: माकूल हिंड ) मिटदर्श (धरावा- मिटादक) य भी (तिल्य) १ (भा भारती विकात्ते (६२ 3 लाप का-का नंत-कार्षाहर ) कि मधाना आर्था भीका ( धा अर अरुन म करने ( दिन से या) व्याप्ट ( विद्राल ] यो प्राष्ट्रिय ने । 2911 The Culonas ( Culonas ) 4: ( Carancia) यर्थः (यर्थ); जः भारः ह (सरे

Cul-xas ) non (chain ) 12 at to old tol: (ह्य-लापूका-दीत), त्माला: जभा (त्मालमते उ रामिन वर्ष [ ११ ( डिक ला वा मन क्रम कर्ष) 1805 24 )11 25-11 री साह: ((र ब्रामान !) र मात (र म रर्गाव) लाम् पर्णा कृष्णः (काम्के तरम् कृष्णि रम्) र्धः नाक्षेणः ( र्या क न क्षा करिता रिर्धाण टारे रुक्त क ) क्र रुक्त (रुक्त कर्तन); अ: (जारातक) क्रिश् जुनामा एक (क्रीकाल खाम कर्ष्य) (= डीय (मर्ब अक्षतं डिंग्रं (अटारे) दर्शः (विम) क्रिका धार्रे (क्रमक -क्(ल कि) सात वर्ष्ट्याट्र तरे)।। २ थे।। 00) याम (यामे छ) त्वी (क्वी यरमा पा तारी छ. क्री यल धरायां व दे दिल्ये) आकार (मिक) अ-आतरे ) मूलमा ( भू(न ह ) माप् छते) भू (न दे दे भ अप्छनेश्रक्षप् ) प्रायम्) (प्राप्त कार्यम्) क्राप्त (समर्ग) क्यानं (काल्यम ) यत्रात : (ज्यातमा देशने कार्य माण्यात ) , ज्यानि

(जन्माल) भारत (जनती) अतिमे लक्षाकृतिका (ज्याने के न का के या ठंड में) आवार (Силануст) अद्या ( ( ( ( ( व्या मार्थक, ) ख्याप ( वक्ष राजभाष्ट्र ( मन्)। ७०।। भ्रा: वर्म! (त वर्म!) मूख्य! (मूख्य!) माख्यी बड़! ( व राज्यी छन ! ) न्या कर्ति ( व राज्ये ! मिन्छ . मुन: (७०७ कामन) , हम: अगु ०० (वर्ष ठक्म) वाम : र्वामक (क) भूका भू (जा भाष्य निकिते) प्रशालि : (प्रस्तित कार्य )110511 ७२ [ यर कालकरक ] समा (सर्वारे) व: (लाधका) म ने भी मं : ( विमम्देश कर्ष व ) । लिक्र भी मं : ( लिक्र पित [ विष्] ) भामतीय: ह (ब्रभा कवित्य) ? CE ९ (20%) देश वी (अठनु छ। ध्यास्त्र सूर्वक) दर्द भारत (काराक) कमरीमंद क्या गर्द ।। वरा 20 (त्य: विक्रियम: दरमा: (त्र विक्रम सर्म म र्यमार्ग ) अदा (मर्यमात्रे ) व: (जास्ता) कृष्ण अ एत व मूर्वारेत : (अ एत ७ क्यू के ने वा म्रीलूर्यक) अअअ(ड: (अन्वर्धात ) काढिड: (हर्डाहिक)

हिएं: (अम्हाम करिया ) ध्यार (वेत्रारक) इक्तों भं : १ ( इक्रा करिये ) 11 ७ ७ 11 08 वा (वानुष्म न ) त्रिक्ता (त्र्रमीया) भाषा (क्रामी) करति (रहपाना) मुक्त (यूनन ) करने म् लही (असं मान करिया) भेजान-गाध-प्रदेख: (जनसरमन् माधमा [मेर्]) म्मिर्मिश्वारिक:6 (अर्मित्र प्रत्व नीक बन् प्राना) त्यार् विकाग ( र अपरीक्तिया अस्थाप्त व्यक्त ) व्यभा ( व्याप ) 2 (छ (१८४) न अधिन ने १ (न अधिन ) नव क (न कर कवियाहित्यत )॥ ७४॥ उत् लिक: रिकाला कंत्र क्षिति चर्य माणमा । क्षित्र के क्षित कंत्र क्षिति क्षितः । मन्तरह (यम सारह) प्रस्म एउं ( स्रे व [ केर]) मुन्द्राक्षामुनिक ९ (भाषान सम्प्रा ७ भाषान जन नम्नल्ल क ध्विषिक ) मूज्र ( भून सीकृक्ष्रक ) त्याद्रुष्ट् र्थित (याजन माना श्वां भवं पूर्वक) असि तिपर्वाणे (क्ष्यः म्हत्म आत्मिन कार्नमा) जस्वपत-मार्ष ने दिन ( सार्ष में से सम्माम ) कड़ा हो १९ है है दि है।

र्षेत्र रेक्ट ) वर्ष ( व्यक्ति ( व्यक्ति यह क) くれのなれて बिया हो (धाया ने करने कि ) विवत्ते (भावा विवा) राक्षक ग्रेस एउटे: (राक्ष के क्षेत्र प्रमं अ बतिसाहितेत-)॥७०॥ अमेर (अ बरेस : ] , देवक : ( काराबं ल कि ) हैं : एरेसे : (श्री की व का का न ) हका हम (संस्था रहक) न्तीम् प्रिः (नीम् प्रिट्र (यव) माक्रिका (लाभाष्) २ अक २७ म ) न लसा: लसु: (अयम अम अम्म-क्रक) , रमश् धार्व छड्० (यम छडमाम्क विक्), किस् विकिन् (किन् विकिन्) छानूका (अले सकत् रहेक ) विक्र ( व्राप्त ) अलंगानि । अव न-म्मेन भारी कार्य (अ के इने या ) व्या (अ के अन ) ल्यः ( अध्याम ) यह प्रह ( मिळा- पर्य ) साम लगाः ( छ डा मध्य कार्ने अ र वर्ममाडामर् ( भर्ममा -मुक ) मिछ्डितार (मालावना कर्ड के वे विकार म: (अक्ष) भूम् (५ (अर्गिन गाड कर्मिक्टलन)।।०७॥ [posity] /2: ( De pa) inderioral mon THOIS WAY

भ रानः ( नी कि क ) । सर त्या । सरा सावा-कर्क ) मन्त (टमक्रम) आमिन: (आमिन क्रेमा-अधिक शिमिका ) बनायुमा (क्वीरनादिनी दिनी [नवर्]) त्यारेलाः ह त्याली निवरेदः है, (रेलाल उ टमानीन र्रिक र्क ७) ७ या (अर्क्स विमानिक इरेगाहितान , ब्रिने ) हिः (हारा एवं मक्ष्यर र्षेत्राहित्तन ) सः वतः (त्यक्ष व व्यापन ( अर्थ सम् [ स्मान्त ] ) बाही ( दर्माह रें त्र ) ॥ १० व।। भि[ब्रेकाट्य] यः (चार्क) कुराआर्थ रे बिह्मारं प (कराक्ष अमृ व व कि दी ना दि। ना ) अका कं मामा ( उस ने स्थापन ) विश्व वाक दावकार ( रतेय. नालिक्न प्रकार हा एक मने तक ) वर्ष न (७०६ विक कार्विक्रि आध्यतः (तिल्व व ) कात्रतमात्र (वत -लब्र ) मालप्र (मिलप्र कार्याहित्यमं [लान विभि ] ) वराह: (द्राप्टार्न ) अर्बोरा ना ( द्राम में प्रायाते ) जात्र द्यापिण: ह ( वित्रमद्भावते अर्गित्र लाइ श्रंगिर्वियर) 110मा

of your wa maniet (32) 11 pt 11 त्रे) त्रास्क ( अडक ) ता आर् ( त्या त्रे नवा अन्यास्त्र ने म्लानि कू न कं प्रकार (हिंड के ल का उन शहरी-मुक्त ) ट्रामार विलाका (ल्लाक्स हिंदिन) मान (मीम) काहल मनाम (ज्याना के मान भाग (मास ) में के के लिया मा (में सिसे स के किया प्रशिवां वा) अकारा (धारक करिया ) असलं भू देश मिता मिल्ली अलो ने लये था नियाहिल में ।। ७० ।। 80 ( त्रमार्था ( द स्मार्थ ! [ व्राम ] ) ह अभी ( तम्त्रम्भन) यू द्वासेष्ठा (यू दिल कार्ने मा [कारक्ल]) किया: भिर्म : (पूरे वर जिन भारिका) (अभा : (कारक्ष क्रिम् (भी कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने (भी भूते ) टार्स (कारकात व हे कट्यं व ) अन्न म : हारिण (मिनन ११(व); प्राप्त कक्रोना ([लाउं वेश ] लास्ये माट र महिर्वे) लास (भी मेत्र) हसमा (एप-एसम हम कार्य मा) मक्ड ; (मिल-कु एक कार्या मा कि कि कि का मह मा हि कि कार मन

कार्न (व) हिक: (क्या के क किर्यास ]) में न्या (मार्ड तमाल ) माहिका मार (क्यी मिकार मिकार ) इयार (वर्गला) अपने वियम मन्दि । प्राचित 8) कः (खारक) द्रापरे क्या में क्या किंग्ये केंग्रेक्टी रे प्य-माना ) नारिकार (अन्तिना ) धाळार (धाळा) भणार (अल्पेना कविमाहित्तत्र ; [णावं])कार्ज्य वश्रम (कार के विकासक ) विवह तियों (की का राव करामक) अन्द्रमा (जरकराटमन (बीवादीय करेन्स ) काजर् र प्रथा (काठ राजा अकाल कार्ने गर ) धार (सारिव: अहु जिन् विश्र थर् द्यार्य किन्गाहिल ) 118311 8) िले ( [ज्लात ] की शकी उ की कृक ), मार्क तक: (क्राकाल्पनं मर्दा) आधियत क्रामित (मियम-मर्खा ) M में प : ( M M Q Q ' M M P ) स्वार ( के o ( MM ) विश्व ) करेग्रिशारी: काल (करेग्रिशासी मार्ग लामा ( व ) त्यापर् लास्त्रे ( वर्ष वास कर्नमाहिला). हि (त्याइक) त्यमं ने: (त्यामन ) अने विकास महिः (बिहिन आहि) पुस्ता (बस्टल्से पुर्वा ) ॥ ४२ ॥

80 लग्ड (चार्क) वाम्रीय (चारायायड (च्याचार क एउसल विष्यात ) अकारी-कालन (तिक-कारिक्ष क्रिक कान-क्राना ) निवर्नेष (धायका करिया ) अस्ति (नित्स्व भारतं) मिता (अर्था अमाहिला दिला ] जा काल ( अ) हार्या ७) उ ९ कर् ७ छिछ प्रदा सर् ( भीकृ ( के प पि (16 उसम (६९ मूक) १९ महित्य) अहर कृतेन- अञ्च माड: (श्री म करा अक्ष त्व अव दिवं श्राद्य) के बाह्र (लाव कि कि मार्टि (लन) ॥ 8 ७॥ 88 [ व्दकाल न्या के के ] स्राप्त : लावं : (स्कारिय. नर्मकर्क ) पात्वः (वासेच र्रमा), प्रमणः ( प्रम्मा अलाल ) त्वेतृ: ( त्वत्रत् ( त्वत्र अतं न अवि-हासम [नवर]) में क्रिक: (सम्मार हाएम) चे खेरी धाकसेन ( ब्ल्बामिसनेटक धाकसेने सूर्वक) अन्ते अत्यर् ( वर्षि अत्यम कार्याम्) डे अहक्टम (डेअक्स कार्याम)॥ 88॥ 80 रानु: (क्या केक) में महा (में महारों) एत्ये क्या तर (की वा बक किया), अब्राली (ब्राल्य भार्ष) (अर्थकार्य कि ( अराक्षे ) । भवती (यावानिवारक) लाम लामा (छ) क्रिक्स (लाम माम कर्नित दि। मुना)

भं व : 18 कुर (समीम लाप मानमाप कार्ने गे) क्षिलामे नः (क्ष्ममात्मन ) महुं न धर्म ( मधात स्माम नार ); क्रांकेंक्ट् मावर्ष केंद्र ([०१० १३] मध्य अनायकर कक्तः (व्याय) व्याविष् (भी अपे) तम (ध्यामान ) न्यामा ( श्रवेत आरी में) अमारी देव (अक्रास) आस्तीमा (वारोधेमा पियम); ठाउ (१२ विछ:!) was (bras ) ट्रिं (an ena) क लू क (अ अरो (क कुक-(अभिते काम्रिक कर्म का का निमान ने पिछ-मिश्रवा (ध्यक्षा । हित इत्रेमा । भगार्ट ; [aro a ]) Сमायर असा ([लामान ] बाब मार्ना ) मादि। (यवं ) यह हाः (काट्ट ) अकताः (काट हत्रा [कर्णक-क्षिप]) कार्यमुन्। (संदेश ह कवाद (वन ) 118 ७11 (सर्ये पण) अधिका: विश्व : विश्व (अस्तर- विकार

mai syria) sellamin (oumá ollamin) बायल की बहा ले ह्या भार (क्या वक करवं ना लेहन-म् (भ ) पूरः (भण्माला (भ ) ज्यासितः (४ अ छ। व धान भाग कान् (७ (२) ॥ १९॥ 84 [ अतह न ] अतु: (आठा) ७० ( अ क्रिक एक) राष्ट्र धात (वक्ष वानित्तन हिंगामि ] ) त्र एडाका ? (डेउम (डाक्ट्रिक) ट्रायाम्यामि (त्यव्ते कान्य), प्र् (प्राम ) अधारि यव (अकारिके) ७९ (जारा) ल के। (त्लाक्षेत्र कर्षमा) ल अवाटि (ल अवाद -कात्म) वृत्रक्षणा आत्यः विषय विष्यु अक्षायकम करिएक)।। 8 मा 80) मः ज्या ([छमम] मी क्षड) हार् (भावाता) एडर (थापि) ट्यायामि (कामित भारे त्य), हनती . (धामनाना देखान्त्रे) कुछ छान तमे (छान्न करिया ) लाद (मूद्र ) मादिलों (क्रके हिल [ विश्व कार्या (एएम ] ), जमा (जारा द्वेत्नरे) . (कालमान) मार्डि (ट्याने ) (दालार (त्याला अव)) (द्याक्र)नामें (दक्षते काव्य [यवर])

As a caracter of a the site begin able as a caracter of the site begins able of the site o १० विद्वात ] अर भे (तमरे ने मल्य मन : मः (मल-ने कर जी कु कितक) ध्याक्ता एउए मिए छा (काक्त-180 म माठा मिठा के के के मन मान व दहारि: (का म शता वारक) कृष्णवतः (म व क्रिष्ठ) (क्राम कात्रेणः) (क्राम कात्रेणः) प्रशासकार्यानिः (श्वत पृथा अत्य न मिल्यानाः) प्रशासकार्यानिः (स्वतः) हृष्टिकार्याक्षिः प्रशासकार्यान द्वम्भः (मूम्भ उद्ग क्रिक्न) मूयः मूयः (सन्भान्) मिमामरी: (भीनाबाशहाँ मिमलमामते) हेम्य विद्याणमञ्च्वविञ्चलि हैं (डेम्ट्यं सूर्य विव्यक्त अभवं भूर वाल कामिल [मेर]) मिना स्थामने नी कि भी करेंगः निर्देशः (जिने में मिसिलां कर्म अ उन्सेक तेरकर्ग मिक इने या करेन्द्रिवासन मानिका हिंदें : (क्रोक्र बाक्स न लवं हि प्रमार्थियों) मिली जनावते व्यः (उत्रात् कावन) तम भाम करिए हिसम ) प्रकामा के पाता विषय कार द्वार प्रमायमान

([अरेकारण किनि ] अक्षान्त्र मिलानिक स्मित अ व्यक्ती मधारीकारिक देशकारीकारिक सम्मित अवाद् इरेम ) वन् आविलाप (वटन अट्टल कार्न्म क्रिस्टिलाम)॥ ए०-एथ ( [ विद्रकात ] कुल ( अहरक व खाव ) तिहित्क मे आ ( मूर्वि नि (अभकावी ) अलगड (अल् मार्गिश ले न) कार्यामा वामार ( सकत रे जिसे रे) तस्त्र मुधामीप (तमतक्ष भावी उर्यमाहित ) अति (धराउन करे का मुंगर्क है ) जाम (क्षेत्रक ) व तम जहां निष्ठ (यस व क्षेत्रक मार्ग्स क्षित्रक ) जवार (स्पेट्र देखिन-वर्त ) असरा १ (भर्य ता अस्वरे ) भू विभीन का ध्यू ९ (विजीत धार्मिष् विकिश रहेमा बाउन )।। ६७॥ (8) यत (ट्रपट्यण ) अधः (अष्ट्रक) गः (अविशंधक्षी] णामितिक विश्व (ज्यास कार्यमा) वन अथारि ( निवन ] नम्बद्धाल भन्न करने (एटन विकास) हर्षण: (सर्मण प्रमा) म्यान्य व (ऋाववंशरे) बनारे (अभन्मनीये) दिरे दिव ( नरे दश्यू रे ट्यम ) ए ब्रायामिन: ( सरे ब्रायाम-भने [ज्यकारम]) भित्रा: (त्यादम् भविष) असमा महार ( हर्यान हता) मेर्ड (मेमहस्त्र) OG (2012) नामर्रेड (मामार्म कार्मक्रिय ) ! (81)

क्षि ७६१ (७९काटम ) । १८ए : हिन्नी हिन्नी - १मि निष-अल-प्रीत्रथकतिका: (बीक्किन धाडमीक्म हिन-गापक मभी मारादान कृष्टिक्षा अध्वी प्रद्रातिक प्राप्त कर्निमाष्टिल), सुपताप ( व्याकाटपत् । याजिन) म् भारहाकांद (मूस्यम १३८७) हिन्छ हत्रकृति-अविषिका: ( १ कर्म हार्षिक्ता अवनी के किया शर्म नियम हिन [यन ]) विट्यालमा हु श्रेष्ट्रा वार्ति अहिन । २०१४: (अंत्राह्म क्षार्न स्टूर्स विवर क्ष सहक्र नियम ११ १ में माहित , [योक्सी]) जन ही नी नहाः त्या भी कुला नहीं अर्च के प्रति । (कार्ट अप न भी छि शीन वर्ष पा कि कि प्रति । वीयमधीत (क्षीयमधीन भीकृष्, नदी आला - क्राम्स) धम ) वत-छार्शिए (वतस्य भीशकर्क जमनी) 2227) (क) ताम (लाक्षक ) मित्रेश्यः (कार्या मुट्यक प्रमान ३)

(छ) अम (अल्लक्ष्य ) मिन्नितः (ड्राइल मिलक्षि क्रामित्र) (ज (अरे) अल्लक्ष्यः (अल्लक्ष्ये) विधित्रिर्ण (लाक मिनूक्ष) को अल्लाक्ष्ये (अल्लक्ष्ये ७ अल्लक्ष्ये

मूरीया (अलं नर्मा) अल्लामणः हिक्यममार्च पूर्वप-(अर्डा प्रवर्णते) कृकानुमानि-अवसाविशीतः (की के किने लाय गत प्रिक्ष-प्रिक-१९३८क अनियान-भूरक ) अवर् (क्त्रमान ) (पर्दे : (अवीय प्राचाद ) टमड् लमं: (म्र मनावष्य कर्न्यार लाम) ॥ ६७॥ @ यद्र हक श्वाचिता : अ विताइ रेव ( यद्र हार्निण क्ला म अदिल त्यक्ष धन त्यात अदिलाक विशेषा यामे, (अरे कल) , अभा: जाल (प्रद्रहरीय ने अ) मृष्टिं छा व (महील या ) मार् मार् मृत्यान ( निक- निक- मृत्यक्रीक) मकार लायान (मन लिय मर्ग करिया) गर्ड मिना: (यूटर नरेमा (असम)॥ ७१। (मिलिम (लक्षेत्र) के लेव की (के ले प्रा) मंगंड भेजा लाम ( मने में महामासमा इंड्रांत ) लाहिल्यां (यर त्याम्या) वार श्वादार (अर मी श्वादा (क) वर्ष्यायामः (मन्त्रम् वर्षान मर्गमान्य महत) उक्ट (उत्त ) लामंत (लाममम कर्वमाहित्सम )।। ००।। (एए वं उपहार प्राप्त प्रश्नेत विक्रम् । (वलकार्याप) । । । विक्रम्य (माने के विक्रम्य विक्रम्य । । विक्रम्य । । । विक्रम्य । । । विक्रम्य । विक्रम्य । विक्रम्य । । विक्रम्य । । विक्रम्य । । विक्रम्य । विक्र्य । विक्रम्य । विक्रम्य । वि

क्षिल् (डायान यूनिकातन व्रविवर्ष ) फालिस्का: (जारम्य) हिल्म ), ज्यामि (ज्यामि) (ज (छाराना) अविम्काः यह (कीयम् छ प्रध-स्तितं कातं ) त्र अठक्यतं : (देग दिक- अठक्यतं -रमण्डे ) छ छ द कर्यानि (निक्स-निव्य-कर्ण ममूद्र ?) कार कार के क्षेत्र कार्य कार् (मामावाल्य मिन्त्रे विश्वेष कार् 1 2 my (2 a | 2 8 6 8 0 0 1 ( 20 ) after : 20 1 (वर्ष क्यों का का व व व विक विक व कि कि का कि का कि भित्रक ) बरे के अरे हैं कि में हारत हारत हार कार्य कार्य है। के ने ( क्या में ) के हिं में का में वार ( अ द व्यक्तान्त्वा) अस्तिका की वा वार् ) एक में की (एक में असे िकारीयां) युराठ (११४१०) के कुरल्य पढ नियार : २० लाम (अब्दूस्त ) नम्तिमूर्निशः (नीवितिमूर्म) कुल बली (कुल न छ।) कारियार (कारियारक) अव्याम (भिष्य व्यमतिन मावामातिन मत्म) (मामकें दे सिछिकारा असादिका (ट्यासरमं सिक्नामन

English NEGWED भिन्न ने काट्य डेव्यूका बरेग ) वर्षा: वर्षान (वी नार्षाव लास्यम्मल ) रेटमें यह (मिल्राट कर्यमा) मार्मा पूर्वे (का क्रांत्र मार्ड वार्मान कार् ( दार्थमा ), बाएं बक्तिलार (कड़ छावासना) बाद्यार (त्या स्वाय ) एक मधी (एक भीपाट क बाइना) नमर (छात्रातक) क्का जार में तीय: (को र तक न प्रिकटि अरेगा भारे बाव रेक्टाम ) अवादी र ( विरिमात्क अक्षा विमिमा हिस्त -)11 ७०11 ) [काटर! (क काटर!) नमाम ([काममात ] अभाम कार्वाहि); त्व (व्यासमास) रेस्ट (नरे) कलारी (अण्यस्त्री) म्या (वर्ष्ट्रक) वर्षः तीयाण् (अवा (अवा (अवा कक्त) दे प्रमा: (इंडाव ) हाम लाय (हामा ३) रक्षेत्र (या रिक्रव) मै कि पार्व कार्य भवा (मैंकि पार्व उन मार्थ )11 (5)11 ती क्या (चंद्र एक्सेप) दिलाक्त्रमंतु (उत्पात्रम्) orsas: ्रेशन ) मार एम में प्र : ( माराम् में प्रमेशन । (यह) भू पि व म म ( हिंसी म द की र र में ) = भगाई ही भग (भम् ५- ७- व दी भ मार् भगाव छ।)

श्रावरी (नवे श्रावरी) या नक्ता व्या न (अत्राच क्रिया विकार्य मंद (क्ष्मी क्रिक्स) मिना माने हे अच्छा थान धान छा (यही-द्वी के के में महि ) अर्था भी ते ( अर्था ला की तक), व सत-भार छ० द्यते ( विस् ) व से रेड जिल्हान-असूत्र ) ७ तम (वैद्यातक) ५ 30 (मात करने मा (क्ये) २० बादुमा ( िव्याप्ती यादुमा ) में मामा: ( वर्व व ) मिर्मार्थात्वर मिर्ग्या । विश्वास्ता के विश्वास्ता (असुकी १रेमा) जमा अव (कून मजादावार) प्रमान का के निष्ठ की र् : ( धार्य का ने अस्माप्त के कि का का के अस्माप्त के कि का का का की से अस्माप्त -मक् वर्ग व प्रक्रा ( निष्में धारी में मार्च र मिलि मित्री स्थापन ( कार्ना ) लां ( व्यापन ( विकास) बालभाष्ट्रित ।। ७७॥ अश्विष्य! (व वर्ष!) नार् नार् नार (नम. नम) द्वाराः कू मा मर् ( टिंग भाग अंग में ) रे वा छ ( टिंगांचे ]

न्त्री विद्यात्रम् केर्ड (कासाराव श्रावे ध्ववं निर्म क्रिन ) भाषि (क्रिक्टि ) दु पष् (एएट् ) व १ (वित्र ) अश्वमाना द राज (वर्ष व मण्ड लामा न कार ) । में का लाम ( त्यर लवामने। ) ' वर (अर (२५) प्रभानिया (आसात् व्यानीवार्य) मुख्यक्ष गा म्याः (मस भीतां ख्रम् रेख)।। तथा। लग्नाह (ललनं क्षेत्रीयरोनं) हिस्तायत (र र न कर्न-विश्वर्थ ) केलला (स्विल्नी); अल्याह: (लाली वै यो. विस्ता पर बार में 15 में 15 है)? तह: (अर्ड कि. ) हैं वे जायुर्स ( कार्य प्रश्र नश्री आर्थना कान्छि ।। एटा क्री मन्त (मन्ते) हत्य नार्नेत (क्रिन्यकान भामन कार्ति ) छर्वाछिः (हाद्राय वाछ) (माधान (त्मर्वन भाजी), भूजी (भूजवान), विख्यात (क्रिक्न) जास्वाद्यः ह भगाष्ट्र । मार्की इस ) नमा हता (आसामियमा) (लो म आभी (टबरें में आभी ट्येंची) जामान के के वाद

( ( कार्या देशा क व क व हे वाद मार् कर्तिया ( इ. म.) (हथ्नाप्ताय क्षित्र) हात् व्यक्षा ( काता व निकरे व्याभी करिन्छाई) ॥ एक। अभी क्षेत्र (क्षेत्र इने एक) क्षेत्र का मा : ह ( क्षेत्र अ त्रभीता व रसं दिवारि ( वर्क्स ) त्रवार बहः (मन्त्र वाक्र) मण् (वसु छः प्रण्) । भणः (८४८२५) ध्या: (नर् वर्ष्त्) अग्रिवाद् म्याद (म्मलानन ८००) हुमात्रे वर्षः वर्षा भाग्नेडः (अड्ड क्रिकाट अ मिक इरे गार्ट) ।। ७१।। अमेरम (लामन ) नकः मेवः (नक्षान मेन ) ल्यान (काहिसमान ) मना (मात्राक) कुलमी भग्न (मनं न-Wash [ 745] ) MAKEN & COM ( [OUNIA 75] 4BP बर्ट्स ) भ्रम (भार्याट ) क्रम है: म (क्रम है मा मर्ट ्रिश् ] ) कमा ( ट्रार्ट्स देश ) अम्पाः ( नरं वर्षे ) ११० लार्डामां मेरी (१९ वंका कार्डमा) मूर्याहर निर्माश (भूर्य वा निकादर पूर्व क) न मही लायन (इंडाटक र्ड स्वीरमन्त किर्दि )॥ ७ मा

(वाम ) क्रार (क्र डड्ड ) श्र में खार (श्र में क) इक्टी लक्षेत्र के अधिका-अव-मनुभवाठ (ज्ञान त्मान) लक्षेत्रत कालमा सिन्न पुका, मार्व, भूड) आश्चित्र (भूषमङ्ग धन्न), वन्तर (वनाभूका), space (Shar) days (and) " mand रकामि देलकर्ष हमंद (निर्मास्य देलकर्ष) र्श्वत (अर्पु अंत्र ) लयम सम्म (प्रधाममी नरे क्रमणार [क्रिक्ट]) भागी का कराहर WEAM है - बहे ता का अर्थिं ( मर्नध्रित करार) ( अक्रम, त्मान वर्डनिर्मिल्ने विश्व क्रान्टक न यार्ड) म्र्याहिताम ( म्र्य मुका व की) यार् ( भावा कर )।। ७०।। 40 नामे ७! (त नामे ७! [ व्रामे ] आसी हला ्रिष्टे ( स्था क समार ) ! है मा ( है यि ) क लाम (कामाएं) परामें मभी (मेक-मभी अविक्षाक ) अक्राक्ती म विकिया (अक्राक्ती क्रिकेट दिवन , [क्रब्र]) भमार किन

(त्राम्य ) नम्मूत्राः (अक्तिकं ) ममः जान ( मक्ड कर्माद मदाका केंद्र सर्मित कर्मार्ट), जिल्ड मिल्म (अमिलक कार्ड) व: (खामवा) व्यक्तिः कार्यः नव (अभवने कर्वाय व्यक्ति मुक् वरे एक एक जिल कार्न (व) ।। 90 ।। 0) बहरमां (द बहल प्रमुख !) हिन श् जाका मं ह ं ( अस्त ि त्यमा नगडि माट ; [आवं निक])। Quinty and You & SIR SIR CHANT MANTE ( or such a 3 co co a ) brace ( om a fata ) co ( or ) co व मिला दिकार केमा अपरामित ने के नारिए मिले कर (32 my 21 & Cos (god you are a course -लि और प्रमंद द लक्ताश्री) आर्मकामनः याद (अरेव ट्यासर लवाल में यह मारह? [ and da] ) who ( lower ) HAGIN: DR. लाना ( त्वासातिन द्रव्यानं द्रवनं तानं (म्ह्रिश्वा स्टिम्स् रेस्टिम्स् ) त्रियास् ) ति ।।

1000 ( ans victory) 19011 12 [ 0 अने ] 60 ( के अ नका व अधिका में अप सर्वरावि (1600 प्रिकार र्वितार कार्त्र पार्टी [ कार्रियात ) छेठ छ : (कार्रिया ) प्रिक्ट छ । मिन्नार् प्रकार्त कर्ने के अप्राचार (मिला-कार्य) मिन्नार्थ प्रकार्त कर्ने के प्राची (मिला-कार्य) कान्न: व्यक्त द्व ( त्वासम्प्र व मन्त्र अत्र वर्ग तास्त (यत लावका एक विभा करतं किय के लो ) लाका र (लायबा दल तम ) लवर वर्ष (क्षामा व वर्ष क ) प्रवत्र (मक्स) कार्यः । (वक्षा कार्यय) ॥ १२॥ (क्ष्ये मिल्प्योगिन) वारुमाना: (बारुमान) लालाबाहिसर् (का एटमा-वाका के ल सर्व ) अधित ( अपत्र कार्यता ) (कार्यका: ल्या माना दे में । में व व पे । हिया : लाम ( ल्या कर्मा डे सड दारव हिंडाउ ८५ १२ व मू मू ज कर me कार्यमात) दिन् र्या (दिन व्यमप्रम्य) र्दि लारे थ्याः (प्राट अस्त कार्या -12 (ma) 11 9011

del tral: (masa rizury) " orus (sex लामध्य में व अन्तिमान सामानुस् (अपेम CANAGE (1992) ANTO SING SII BY ? (अपम्यत अवस्य अ अभायत्वर्क ) अ द्वालाने (अद्वेष डेमान्) प्रातिषीत् (डेमानिया). 12 ad mis ( 12 कि ) वर्ग ) क्यां निकार (क्य के का का कि भाषाद्वार्म बील मारि : (अप क्रिम उ बील्कार-हाना ) सूपा (अगिष्ठ स्थाप ) अर्घ हन्स (अविदर्श कार्ने मा हिलने )।। 9811 90 अस्मा वरमारी (जीवाक्षेत् वरमारी) जीतर्पत (मर्वार्तिम् भी) अभिनी (अभिनी) वसार (वस ररेष) धानक्या भी के (समन्ति से भा में मा), म (बा क्या सिज्र (केसमें विकासिज), ब्राली - बार्मन-कर्निका न - वक्ता (प्राचाना ना अस्ता - कार्जी - ६४५ क-माना कला नं लव का क्या पि पू क्या कर ए ( भार्म का, राजाते, कार्यकान , रकूत, आकृत, विभन्ने, मरमान्त्रा, साहि, हमान, नामासम्मन, नवने उ अम्म महि लू का दानल ) त्यलां (तिल्ल्ली की ना के व ठीउंटः प्राध्यत् अभीत ज्याप्तारं स्पूर्यात्त्र) (विटा)

of the water and the same and in a will की या असा ( म्यानासा ) कि: ( द्रक में समर्थे शवा) असि मूरे छरेगा म हिकार (भीका जा ते जा नेमांच में १ क के (ल) के कारण का साम में दिश में दिश र ( भी कुटकर दिन क्र कल मार्गित्व व विष्रा-भ जाकाकामियों) तेल्यांडिलिए (तेल्यांडी साला) विव्हयड (व्हार्स क्रिया) कर्ष्ट्र -कुका छक्- प्रकृषा विलाद (कर्ष्ट्र अ कुक अध्वर भावकावा हेत्रा भूनाभे किर्मिक स्मान ।। १७।। 00) या ([लपवर ] 1012) क्रवापु- र्ट- एप्तेल-वंग्य-लाविन: (निका १८४३ भित्र ७ क्रम्टम् व वन्-कारम मुकामि [बरेर]) कृकाकि-हिलामन-हन्न-व कि का: (की कृष्ण व नयन, हिए ७ मू अहालाव वान वर्षक्ष (भ ) पटलम् - वाजीकत-आर्माविणः (जयार कर्ष के आज तथ्य व अपन के किंद्र (तार्य) विभाग्ने शिली कार्ने माहित्य ) 11 व व 11 अ जिमाम (दि ज्याम !) वर (ज्यामे ) रहतम ( अक्का क ) नजर भामार बीहिका: ह ( नरे भामा

क्ट जान्त्र नीरिका सम्द ) डे अक्ष छ (डे अरान् अमान भूषक ) रूपा भूवत्र पूथण : ( कुनाव अ भूवल यूथ इंड्रेंड ) ट्याम प्रतिष्ट में अर लिस ( मिर किं ट्यालय विद्राखन या अव्ये के अधिया ) व्यास (क सडे वं) लामक (अल्यास स्थार्व) रे राष्ट्र मामवादियानेवा (यामवांत नव्यंत कारमम-बालाइ (आविषा ११ मा) कसुर्यन मी मार्थिय मी (क र्रो क्षिमी अभीनं स्पृत व सभी ) कार्षा । अ० एक (अक्टिक मिको अप्रम कर्निन ) 119 b" वर्) लम (लाख्य ) मभीमार्यन (मभीमाप्तं मार्व) आ कार्या (कार्या क्षेत्र में ) की द्राहिका कार्य (आनाहात) न्या किक रेस अव प्यासते -ज्यमाति (क्षेत्रक कि स्व मिल्य में विषेत्र विष्य विषये विष म्प्रेक) क्रिल्व रकलाइम् एक लि- मूभानि (क्रिल्व-कार्रे व विष्ठ कार्री अब् ि) धरु व न पर कार्र (बिह्न लक् न प्रमूर) कार्य करें अधायक (मालक माल अप्र कार्यक 6rag and (27 ) 11 9 20 11

प्रिं धार्म (धार्मात ), यह धार्म (धारित ) मिल्म की आ (शिल मधी ज्लमी) जामा (सी कुरकर्) लाअस्प्रां मात्य (लाअस्प् अस्य कार्न्साहित्य [चक्ट ] अनंद लाल p (अनंद ?) के क अर्थ (अ-केटर कार्य (बीक किं असे अधिकार्य र ) रिसमा (अरमित्यम क्रियाहित्यम ), ७९ ७१% (ज्याम) बरेज बाबा हिका की (श्रे महिता जी बाबा सका. प्रकारी रार्षेप्रका : मल्यारका (मीक्टिं लाल (अपुरास्त असंत्रिक ) में अ प्रकृत (मार् (नक महमन् नाम अनु डव कार्नमाष्ट्रित )।। ४०।। की ची दिव में असे ने विश्व की में अ त्रवाक (अ (भारा सि किएम प्रतिवं भार भगा सक समासक न्त्री से ल ट्या अधिकार किया के लि करणा में ल वरेगार्ट्यो व्योवस्थानित क्रिया पिरास (अवहीका का हा का भार वंश भार ता माना का कार्या यात्रीव हिलादा कार्नियाद्य ), क्यानीयमाणापता ए स्मिन्ति की व (आका निक् ]) मीव में भागत देव व कि । क्षित्रामें की व (आका निक् अमें ह्यों में ता उ । व

HILLS I SOME WANTED TO THE MANNE (NEW SEA II CII) (NEW NAME SEA III CON CONTRACTOR OF MANNE) ASIS MANDER MANDE TO SANDI ASUS MANNE MANDE SEA III COII MANDE SEA III COII MANDE SEA III COIII COIII

Y WW (अडिस) शने: (जीक्क) बन्द आविदे: (वत अवनि क्षेत्र में श्रीमण क्षान् ( श्रीना वक्ष करिया) सम्हात (सम्हात्काला) सम्भात् (सिनीमन सूर्या) बुल्य नगमितः (बुल्यमिनीटक) निमुखान् बीक्रा ( भर्देक ठइ ८० लाश्र मा ) द्राष्ट्र के स्टि ( काष्ट्रमाने ढेलामपुक दरेमाहित्न )॥ ।।। त्रिवी (यासीय) हसयः (हक्ष्यम्लाव) क्ष-मुड्यमा९ (अल काममारोन मुखिक्स मुम् ल्डजन ११७) डेम्ड: (हमूक ११मा) उल्यूमन ( उल्लाभ भावनी भूव तक ) कामता (वनमार्थी) धाना : रेब आडवन (त्या धाना वन् म लाड करिमाहित्यम )॥ १॥ ७ वमहिनकात्रीं (वमक्ष हिनकत्र) व्यक्ति-शासिम्बर (व्योक्कक्ष डेउस हिन महिक) बलाभिवकार (बल्कामिलेन मुखिन्न वक्त १२०) विद्याहिए (विभूक कार्या, जिस्की) नम् तार्भवनि (नम् तव कानम् नम् क्ष्प) लकारी (अभेनम् ) जम्बिशन्हियानि

(जमीय विश्वनिमम् ) अतक्षा (नाम-अगाद ) आद् र जू तु: (धार्मिष्ठ दरेपादिन)॥७॥ 8) लम (लक्ष्यं) चटल त्याताः (मुरिक्षं भवष्तं CULUSINEMY ) LOUN ( SAN : ( SAN ) O'n sylvanis in lay with a right oft of (उठ्डि (उठ्ड) भागाडि (भीठ) इमिडि (शमा) कृतिहि (कृति), तलाहि (धानम अकाम) भाविकातारे (ह्नेकेन किट्र) नर्पराने ज्यार (भवित्राम विकान कविए लाभिलय : [ नवकाल]) ८१ (७ (४ १२११) रकार विष्ठा: (रक्षत्रक्र) कमाणाण्याः या (कविभावक मार्थेव गाम) नमारि (लाडा मार्समाहितात)॥ १॥ Q ति ( ( कर कर ) सर्में में द: ( स्पान मसी ( म) वकारवं: (की कि एक वं) । में आई। । में १०६ (। में वेलात ध्यमात्व ७भी , [कर कर]) धर्ममात्रू ( ट्याम मैंबडी अपने अपने ( न्यां ) [ [ 245] | [ 245] P [ 245] [ 245] पाता (कर कर) जमामार महारेष्ट्र हो । (सरमम् १३व निकले । द्व-७-६ क्र न-७। (व लक्षि)

(छ छ। ० ( विसाससम्बर्ध मिल्ट ]) अवासिका । विष्ठ छ (लाम के डाक्त ) लातू कुर्य (लात्क वर्ष कार्नपा हिलत)। लग ) (कारि (एक (एक) रेक्षमार्थिः (रेक्ष यकाराधिवं लिखें य डंड्रेक) स्मार्थिकामानेबाः ( ट्यान मूल्सी अ (पुन यान ) महत्र या ना दृष्ट: अलिहर ( हक्त करेन अ धूर्याम ट्यारम र्शित्वारी क्षेत्र ने मान् हे प्राचित्र (के कर हे त्या का किया) धम् १ ममा छ : (क्षीकृष्ण द्यामा द्यामा न्द्रमत् (ध्यक्तिम ११२०) कविशाहितान) ;भारत ह ( जासा त्यर त्यर ) मुक्त (इस मरकारन) देवला-(लग्नाम् प्राप्ता: (सिन् मार्तेन् जान बान्नेभूवक) लाही कर्दाः (इस्टरंत अस्टितं व यावा ) सहीं मुन्त्र प्राधिक अवन्य मिन्न विन्ति । विन्ति निक अधिकर्मन्ताः (जीवा डश्रीम्यकादन कर्मभन उ सम देश करिया [ 2120 - विक्री करवेगा-(A) )11 611 विक्रिक्टामाडिका: त्माहि९ (कर त्मर विच्छा

लियार क्षांत्र त्या त्यां सावित्री मरकारमें कि कि मार्थ-ने छते : (भरहन मार्तन में छ । विकित भाषान कर्म के छ न ), त्माहिष्ठ (त्यु र दुक्त्र) म उपमाछ -नर्तः (५८७-५८७ अरानम् म्याम्), अरम ( त्वर त्वर ) त्याप्त अमारेवः ( सार् मुक्त ) न ल (र ( नवर ) श्रीकार मकत्य ) किसालका स-राट्योरिष: (नाम अकार प्रम ७ वानेवर्षन), ५ ७ ड अर्न टल्ले अट्रेस : ( याचे हेप समाव टलेसम ) नार्टिशः शिक्षः मामितः । मृज्यु राम्म उ टममा-है। वं ) मिरि हर (मुर्क किं ) कि में। सा में : (क्षीनिक्षित कर्व्याहित्वत )॥ १० ७ ॥ ) लाज (मालिकां ) रेका (रेका प्राप्त) रेकार (क्षिकिन्सिक्ट क्षिये) का महर्स क्षित का क्षित विस्ता । क्षिकिन्सिक्ट किये का महर्स का (का मध्य पक्ष) विषंत्रे (विधादमुका) ब्लारेबी १ (ब्लारेबीस सम्मादक) अत्यादम् व क्षावम-माववकामम् (विकावमार्क क्षावमार विकायमान क्षाववकामम् सम्मादक) अत्यादम् व क्षावम-माववकामम् भिग्निं वर ) । २॥

> कि कि कि कि ( के मार्थ बेसा हात ! ) लिया मार्थवः (क्रिम् अर्क) ममाग्रेष (नामारन हे भार्ष वर्भारत्ने : [अवन्तर वृत्ति]) वित्र-भूते १९ (विवयस्ति भूति व विव ) भयहार (अर्वाटार ) विभूव (कार्य) मध्य के) जून १ (भवन) डेन्ना म त्रीरि (डेन्ना म विसान कर ) दे अ छ ने भने जिका लि : (अप छने ना भिन विकालकाना) अपूर् (की कु तकन हिएक) त्याचारी श्रानं मिल्सिनी भीना वेकान मा ि लामका कर [निन्]) धन याः (हनकासन डे ७ ८ एवं ) श्रेष वितारित : ( अत्यानुश वितास -अम्दर्भा । विल लक्षी दे ह अयह मान >> a al: ( (x u al uy; ) & a 42 que ( [ Cal n'al ] ) Call el à A 3 | 2 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 1 | 20 || ्लासक ठ०) , ममा: (८ र्मम्पर ) विक्यक केश्व ([Cornai] केश्य कं ), लका: (टा प्याक्रम ([Cornai] विकामक ठ के भी मां ; (टा संग्रम गां) भम्। [तासका ] ) हि. (त्यव्यम् मध्य ) मानर् कृक्ड (मान कवं) दे लिलिनः दे दि प्रमुस्मने!

र्सा में लेट ( [कासबा] इब्हाद में हो कर्ड ) ; (७1: की वा: ( (८ अक भर्ग [ टिम्मवा ] ) व्यक्ती देव र ( भर्षेत्रवात किलान कर ): स्विष्ताता भारा सावन-क्षंत्रमते! [कामन किंदि (पाद्य ]) व: (कामादन) सिम् छ सः (सिम् छ । अरमे (न्ये क् के स्मान मुम्मिल (कासार्य क्षायम यहत्त मेरिके) मधामाण: ( विश्वास विश्वास क विद्याल्य न) ॥ >>॥ )) किं (भ्रावड़) अटम के का है म: (सीके के से बी न्मिर्व ) जिल्ली विभ (विभ विम विम कि श्राविष्टिम माया नि मुळि छार मिक्स विवय्क्र भ भारामत्मव अखारल धूर्विषा) असीका (कार्यमा) जार एक निर्म द (काराय टिक मी प्रकार मिट्टा) भागवन कर में हैं ) दल्ली निन्ना मान कार्यन (वर्भी क्षानि कार्ल अप्रक्रिकारी वस्ति करन्या -屋田田川野川人 ) अर्थ (अंब्रुख़न् ) आ (अर्थ) कुला हे वी (कुला दन -हार्य) वर्मी मिला मृण कृषि प्रिका (वर्मी विवास कुल

अक्षित्व (ते प्रिका), कृष्णां प्रकारीय बीकिन चित्रक एकं मन्मर्भन नाम काना नी लिला (अर्थ) कामा अविक मा (अभी जीव कार्यनी-कड़क) देखि: मू ए । हिंग ह (क्षेत्र के रिम अलारेन अ त्वादिका इरेशा ) सरमा (भरमा) उनिम्मीन (विकामिण १रेगाहिन)॥ ३७॥ 8 जना (जरकाल) अरेबी (ब्यायम जुनि) त्वन-नामा शृ लाली है: ( त्वने क्वानिक ल प्रमुख वर्षत) मक्षा अवस्ति। विश्वारितः (अग्रेमारेन हर्षित क्षित्र महात्वत् निमर्गन्त्र [निन्दे]) श्रमाद्विविकारें: ६ (भ्रिष्टा आद्विव विकान. असूट्र न देन मेर्टिक ) काक्ना थान् १ (काक्ना 2年7772州 )112811 M [ ज्यात ] आ (त्ये ) क्यारेवी (क्यावम क्रि एक मराश्चित्रें (श्वाबन अकार्यम् १ रन एक नर अर्थिन ) त्यामरे त्यमर : (कल्माम्बर ) व्यद्धः लगंदाः (लगंद अमार्यत्रम् त्र व किंगान देममं-(र्षु) हका (हका) अवम्मान प्रामितः) Man any a cycle arendo our de monto भी विमानिष अष्ठ व्यम् (दव् क्र क्रिकां क्रांका क्रिकां)

migai (carlotal) ) young ig: (aloungin Machine mandered in the or a sit of area is was सिक्सि विमें पार्कड्वं: प्राच (लामेडिव में स. दानि वावा एक वर्षन धार्मि देव की मुका) , भूका-सर्दे प्रते : (मुश्च ना निम सर्व कन्ते छत् ) आदाः ( धामका क वर्षने वृष्ण) , भमानी वृतिः (भाक्रेमारे वृ विमाम्छ (न) यव विमाम् का ( यव वर्षे मका ियह ]) अवाक व हर्न : (अवाक व आवे विव दिम्मसळ्य ) त्राक्षाक्षात्र्यभूषा (त्राक्षक्ष वार्षः में करा इद्रमा ) प्रत्ये (त्याता आप्रत्यहत्य )॥ ५६॥ या ([अ अमरम ] (यह ) अरेबी (बन कृषि ) विभाषा पक्त भार्षात्र (पक भार्षाय व्याप्त कीकृष्ट्र अयम मिट्रो ) का अल अत्मन (धन भारे (वन लामार वामार व यामवीप कर ) माख्या क्रिक्ट Consideration of the contraction किं त्ये वे का अवा (कार्ड क्ये म्याहित के क्या अमाराता) (मा हा की: इंड (प्राम मक्षीन गाम ) मान (को (Bell & winds 1918)

Maxing will the sales on भी आ कार्या ( नव्या प्रमं वसलीय ) केंगर देश. विर्शं-भक्षमकता नात्मा नुमनी (धाना क मर्न्न मिः वक वर्षन-त-विर्भीयिष्यं भक्षत्रमावं द्रमामम्बन) (ह्याण्युभाकुत्र-अव्यत्मावकत्-व्यान्तामा (भक्ष मानि देवस मलसम् त्रं वसमाना समुका [नवर]) प्रमुत्त नामिनी-विमाप्ति-विश्वपत्य नी-ग्राचनी-निर्म-ना अहारार्य सक्र मना विद्यारिका (अमू न कमनवान विश्वकानी अ विकामिण हेल स नणामाल समा पक्षीनं पेलरेककं बारंक्ष्याद्रवाना लक्ष्याद्वा-ब्रिज ररेमा ) रतः (निकृत्कन ) प्रति ज्ञार्यापिती धाड वर् ( अक्र रे विद्रांत धार्माद देव भाष्त्र कार्न गाहिल )। > 911

क्रामाण प्राम्थित (प्रभामाण स्थित क्षाण ) रामाण व्यामाण क्षाण क्ष

ससराम का सरकावं ) केवान ( त्यका व कार्य ता-行る 11 >611 70) दर्धावातः लाम ( [विकारण ] प्रवादंगाल ३) मस्त-लिह्छ विव्षय्राष्ठ्र (भन्न क्रम म अधाना विकास्त डामा अवैवन् भेत्क) लाम्यानक वृतित. क्म्मामा र पर्न ( जयन कुल गामककर्क हास्च स्मिन में इस के से अंत (आहा क्रति कर्निता) व्यमि (माभाव) नामा विषयी (मृत्य क्रिक्टि) कामित 西町山下町当5015円 )112の11 १० प्रम (प्राष्ट्रम् ) रिवः (चीक्क ) म्य नम ने भारे वा मार् (मिक्न - भारित भारे विवाय स्पास [स्टेड]) वर्ष-स्पास ज्या स्टेड (वर्षीक्क ) म्या मिन्द्र्]) वर्ष-क वल सुभासर् (भूभभटक प्रेक्वसमित्री) राव्यामार (श्रवीभारतेन ) ६क ना त्याक मानि ( हकत्र पृथि छत्री ) बीक्न (सिवीक्रते पूर्वक) म् विभाषा धार्यक्टिः स्थिकि। किः (स्विश्ल जीवाचीत किराम हमीव देम मार्च विकास ( कामा त्या व करने माहिता ) 11 2011

) इकाटमकार (मार किन मन्मी(25) मून मर्मी-्राष्ट्रिकः (हिन्द्र ता सम्बीमाने न अवि ) प्रवसम्ब-इन: (तत समंबर्ग ) त्यमंत (त्यमत्व) ला बाद ( [द्रामान ] स्मिट्ट ) लाम् ७१९ (म् ७१ कार्न एक हिन रे श्रिय अपनि दिन दिन दिन प्राचन प्राचन माना मुन मूळ्या अव पर्यं ) जाठ (अवन्हें) निष्मु क ( के किस में ति में के ) भिरम के विवादक के कारिय स्मित् : क्षामी (स्मिति देशम इनेस्मिन)॥ 2511 22 त्रः (नीक्क) अवाति (भरवायत्व) यत्कत-कत्राविद्धी-प्रव काराधिकातार (अप मडा हरेकी मरे कत्रर्भी मरे) भावसामार लाल ( मेरे यां वस भए प्वं ) विवादन:) (कि निक्वारी [ प्रथान के के कि के नकत कार्न कार्न कार्न () May में कि बेठ राज र मा में देश- में -( नार्य मार्च विचित्र मार्क मार्थ अब अवटन) तिमानाः (विग्वमन्) न ममकरेक काकी-मृथ्यार्थ (वयमं केट्र कार्य नार वयमं काकी केवर में ने पंता ) याता मिन म ह्य किए हिड : (लक्ष मार्स) जात पड़ा-माणा ए तात ( विपाण प्रात्क त्माभूति हेका देव देत कर्याणि (यत )।। 2211

[ ] sa: ([njan ] alsa) gard- tardad, (gegeren Бक्षत अस्ति वा कि ), वड भावित प्रः ( करे 3) व्यक्तिम द्रमें व व पक्त), कर यह खका मर (क्षित् विकामिक) म मर (मम में मार्ट्स) ममें निर्मा कर (मां मांच मन्त्र कार्य ) , ६६५० (ठ्रेश्न ) खिमामा : (खिमलमा व्यी श्रीत ) अल्यामक राक्ष (मून्रामा मार् कराक्ष्मिस्क ) असमाअर (असमाअ) में मध्री(यमर ११(य) मेरे विषय ( परेस अ निम्ह में पूर्वक ) जाड़ी उटम छार् विस्पत ( छ। दा मनी अवाह दी दि। न कविलाहित्सर)॥2७॥ शिक्टा (छिति) अ जितिमन् धन् पृथिः (तिक पिक (माम्बर्भा स्था हिंद्य , विस्त ) मामन हिंद : (में भी मामन हिंदी : भ न अमू (यून काना ) अभारि न अमू (बाल- बारि-मम्बद्ध ८० छ। (मण्डे हित्य सम्बाह्य के ने नारिय उत्मिन्त ) इस्टिमाक्तः ( इसे ७ कामग्रम + धार्यमानमणः धाक्त ररेगा ) १२ (अक्टा) वासिकामाः (अक्षित् ) वष्यः विष्यः (पद्रत सर्वकाभक्ष ) लला ( आलाक्ष कार्य मार 1至(日本 )11 2811

[ [ change ] no: no: (on on year ) sta: ( ) sta: ( ) विताहन भणा (टन्स कार्नेड १२ (छिल) , ७७: ००: (अरे अरे एएकरे ) एएक- मर्पा : (न्मी नामान ला अर्थेड ) म्में बाल ( सकार्या डर्ड न्यास्त्र ) , ad ([mis] \$21) mr 00 4 P (cult to on लामिएं विस्मिने पट्य ), मेर ( एरडके ) देर है ( असरम ) अला हेरी (कृषाकर्र्य) र्दं : मू ए ( व्यीक क्षित्र क्षीर्जि को विकाला वार ल्या देव (क्या वास्त्र अस्त्र भार कार्डमाहिन)॥ रदा। ) । हार्ड : (क्षाक्क रें दि : द्रम्माय हा बामी-बाकरण अरे क्षामिन मन ( अभवन विभग्ना न दिल्ली निन अवभग्रे का का का का कि क विकिस कि काम में सामुल्ड ( मिन्य काम में मान मान हक्रमण्याम ), सम: (मिल-हिडक्)। मुनीकर् न आभाक (किंगनकालके ] । हुन काने ए प्रधर्म वरे (समना) ॥ २७॥ किंकः (चार्ष) (जर्मा कार्य व्यमः (अंत ट्यान श्व मान् (निक्स-म भनीकानिक ट्याबर्स

विश्वमाहिल), मुकावमाद्भिक्षाम् (ब्रावमाद्रिक हिलते समित (लाट्यमं क्रिक्टिक्या हित्यम) ॥ इव। ्रिक्सिं नवा: | (दि अभि नवा मिन् ) कू मन वि कि ( ट्रायस्व रम् कर है) रे समामः । मार्टकरः। ( ८४ म म में अभाग ; ) (असही ( व्यासात व के साम क्री म्मा : । । ज्यर किश (व म्मीमन ! जाममा कूमत लार ही है में या : लिसकं (टर में समन : व्यापतं अञ्च में १ के लक्तिमा: ! (त विश्वासी!) हराइ (CANCES & MY () ) + M& SA: 120 EN (द लाकने ! टामापन अख्यतात जे में दे हे में !! मही ( उत्तर्वायम । त्यासका में त्र व्यट व) है= निर्म के पुटर का मिन हो। (य मानन 3 12 अक्रमाक ) अंब ७ पर ( आ अर अरकार ) अ अवह (अस्कान्याह्त्य )॥ १७॥

कार्या ( [लायहन ] स्त्र क्षेत्र (वता विष्यों) CHITETA- का कृष्मण्डकात्र ( CHITETA- कि निव क्रमा कार्य ) मान मिलू ए ( इने कमने म्बार्यान किया । माम्लाझ धार्याचर (स्रीनामान धन्मन्ने विदी । अनः (हिड्ट् के विदे निवर्धन ( प्रश्या किन्या ) क्ये (भ): प्रथ् (क्यू भ) भरतेन भरिष) विलश्न विश्व कार्य लामिल्य ।। इका 00 श: शर्व: ([क्ड ] तर् ची कृष्ण) त्यां क छ अति कि: (ताकप्रके विभाष), खकाले छ: (अ-वाहिक) विश्वादं : (विश्वाद् ) वत्राला हमा ह (क्वेश्व व दावं (मालारे द्रेल का माना ), वासी विवेदा विवेद सिवाक्षेट सिर्मान कर्डित । भन्त । (हिउद्ध) भन्ता वर्ड (व्रामन कार्न सिवाह ) यम : (हिउद्ध) प्रिताक कर्डित सिवाह । वर्डित । वर्ष टलमना )11 6011 0% लाम (लाक्ष्यं) के जांग लाम् 18 व : ( एंग्रम् 18 व ) क्षः (जीक्ष) हिः हिः। विश्वतिः (नानाविध विश्व ) विशः निम्कि: ह (कि अवसाय वायम्क कावा)

best Kassaguy ca Jon 3/4 mar of y you (ma a म् कार् ४ दे दे दिल हिला में हैं - लाम संस्थान (भ्योग सर्वेभपुट्य ) नारार (यार ) भवात्रार (अस्ति निर्देत) किर्धासिक प्रमासिक प्रमासिक किर्धासिक निर्देश किर्धासिक निर्देश किर्धासिक निर्देश किर्धासिक नि क हारे ए रेक्प कार्न (यन) ॥ ७३॥ त्री वारत (चर् असरनंद्र) शामका (शामका) म्यायवासिट: (भागवारिक हिए) मर साव: केवर (साव: का एम नाइत अंडिं कार्नेमाहित्तम [ वर ] ) बात्रका (क्षीयलमाना ) वं सामा-सार्वे (बस्मानिसक सिन्दिम्बर्क स्ट्रिक [अर्ग] ) ५७० व्यान कर्निया हिल्म ), ७९ भूष अद्या लाय 6 (अर में अरे लाये) लामार (यर प्रमुखा), मात्री हि: (मात्री मार्थेय अग्रेड) असम्बनास (6212 BN120 22 (MA) 1162" (axille mar) (Iope condi)

## ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 NP PERIOD	3RP PERIOD	4TM PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7 TH PERIOD
Мом							
Tues							
WED							
Thurs							
FRI		H	1 1				
SAT							41

ganata

EXERCISEBOK



No. 8 Pages 128

Name Trop 19 Khatas
COLLEGE Khata NO. SEC S ROLL NO.

Subject.

प्रत्य प्रति स्था । असी ट्यास असाम । प्रति । विकास असी प्रति स्था । विकास । व 582 35 भ : डाई: (मीर्क ) तर ही का (दाराक दिला) इ. ( त्र के इरेगा ) ब छ। (य ( वान लात) के कान की! ( Ex STACE) CH (OUTERS) INGCH (WOY-ING) म यह है: किस्ट्रिक कार्य मार्थि है का लार (जाराका डेक्ट्स ) मुमाण् (मूर्णभाम करत्या) अल न्वा ( छ न वपुर्द्धा ) वि वि व ( अव्यादन कर्निया ) अर्थात अर्थाय) (अर्थाल्य अरका बर्धिक राम पूर्वर ) छड् किए त यम् । (टाल्स कर्म्याट्स 18 भ जार ([जमत] समिकाउ) आत (काललात) िक् (अप्राचा देखरारे) वर (अवश्वार ) बन्नार्थ (मकेल न मिने) भागिहिए तमे (म्राम ७ डमकातन मूलाम्ब्रमाप्ते मेर् के ) छिल भार क् छाटारे (उपकर्त-सतेतक वित्राम करिया ) अर्थन अरहाला (प्रक्रमा (जालता करारे मा ) जार्य (जार ) डू उन (हरे (स्रेंगें कार्ये क्षिंगाटिय निवर्]) वे होंं (मिक्सिर्वे निकरी ) ट्यानामि (ट्याका द्वा प्रमूप ) ट्यमपड: मा ६ (ट्यन्ने कविमा (इस्त्र) । ७८॥ क्षेत्रमन् क्रमारवादमप्रकाम् (क विकास विवेशमिव

यम् केल बेटक लाजायत्व भी द्वेषात्रता वर्गा) धान मुत्राचिती ( विष्या धान मुत धर्या ९ मराय-विस्मिनित्त आस्त्रम् का ) २८वः विष्यु वि नाजा ( अर्क्ट कि व के के आ आहिका ) जर् ( श्रीमरी क्रीनेकी त्य ) असाम सुमार् (सत (टक्क आम सुनकाल प्लाम कार्निमाहम ।। ७०। त्रिक्ष (अद्भार ) अ: (ह्या के के व्यव : अक्षेत्र) : (रेज्यन: अक्रवंतेकावी) भवानी: (विनूसने का) श्चरवर्त्रमार्दे : (श्वीम् बर्भी किनिश्वाना ) अक्र नथड गिति ) बर्द्धः (बर्म्मभाष्ट्रं महत्वं मान्नः वन्नः। अल्बं हार्ग छा: (असार्यास्य ) अक्षायम्य (असिक्सिल्यिक के विकि ) साममीकार की (साम-समाम) क्याम (भेग्न कवि (तरे)। ७७॥ If Cum: ([no: as] Emouremy) el: us; (005) (र्म्मान के) आद (अआद), भीवर (भीवन) मैसिन्य ( क्रिंड लाश्मित्य ) ब्रेयड (ध्य ) आरात्रिय (आत क बार् ता ) अंतर (मिंद्रित) अर्थ: ( [अर्थे अर्थ] भार कार्ने (तर [ यवर ] ) भारति (ठेक क्रमधर्षेषु )

मसं: (सात कार्नेता) हिन्द विक्रियः (रीस्काय विद्रान् कान्या हित्यत ो। ७१॥ our es: Lord's last of the De mu (maista) जारम् (अप) र क: (च्या रेक) डेम मानित् (भागम मणान् मानित्। त्यां निकरं-बर्णि आत ) अलाविणः (तिलाय हण्मिरक) डेल-विकात (डेलविके) जात वस्त्रात वस्त्रात (माम कामक मनेक) पि धार्मि व्यामन-भाक्षित्रातिगृक्ष् (पिषि , वकाविलास , स्भामा ७ व्यस्भात्म व्याहा व स्वर्षित भार्व । भार्षित डामा दिन्याम् । स्ट्राप्त ) मन्द्र व्यक्त ह (अंद्रेश ) मन्द्र व्यक्त ह (अंद्रेश क्रिक्ट क्रिक्ट ) मन्द्र व्यक्त ह (अंद्रेश क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क् मन्त्र (जालन कार्यमा ) (जाले या भाम ( [मक्तक] एला न क्यारेमा हित्तम)। ७७॥ ०० ००: (अपरे के ) गर्ब: (क्ये के के) मभीय ला (बनमरे -स्तेरक) थात्र (बाजिस्तत) नि प्रशामाः (धार्म अवयत्यवं भारत ) मंग्र (त्यावा) लामतः (असीम हार्य) अपूर् (अपूक्षण) था: श्वंत्र

(पाश्चे क्यं) , लाउं (लास्) याम् हो सं (प्रथा प्रवेशन क प्रत्य प्राप्त ) भार्य नी भार (वमहर्गाति) वमान् (वमटमाछा) प्रकृष् (पर्वास्ति विष्ठि हेर (असे वमस्तिएक प्रकार) ( बसरे कार्बन?) ॥ ७०॥ 80 हम्मेका (स्मेमका) सम्मी: (सम्मीसन दक) व्यवदेत (रामित्तन र्रिम्प् (जिमन् ) आम्रेन अल्पनानि) Takan my dagan (ma) mo (ma) ( नरे र ना छ निक) भू रिखा (नरेमा) व्या (नक्ष) यान ( मिर् में मिला मान) विकेट (लाम) मानाम्प्रिम मार्ड ( विक में का न क्राप्त) में कार्य याक्वर ( जैलाहत्म क्षिमा ) अल्हाद लागवा कार्य (अन्तर काम कार्य कार्य कार्य 8) our (comment) sun stancial) massiai-हिछ्ट (कर्रहें त्रापुं डे अटमाश्चि) में सें (ब्रह्मिक) प्रसम्बद्ध ( हस्स क प्रस् म ) लार्यन लायती ( यत्र प्रत्य त्मानी त्य वास्त्र ) के कार करते ([OLXL] = \$ \$ (\$ ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) (wat ) 118511

क्रायत: (मिनेत्रा स्थान में स्थान क्रिकेश कर्णा क्रिकेश क्र मह ) रदं : (चीक् एक न ) पन दक्ता (कम्म भार 28 220 ) यह: (मर्स अंग्रेस ) ७९ धादाय (अरे १ सार में साम में अमें कार्य कार्यता) ए व्यावराः ( व्राधान करें हा । निषदि (म्रायत के मिर्मा करित्र) ॥ 8211 80 प्र: क्क: (धीक्क) बाड़् छनेड विकात् (प्राक्ष, विध्य, यात्र प्रायत् दिन ७ पाट्यम् - माकाती विश्वाप अरे र्ने ति एवं सार्मा सम्मार्ग त्यात विष्टे]) दे अर्ग-प्रभाम (डेल्पम् मिलूने) भाष्टिवाम (धार्डिखक्ष) व्कार् कि निशेर् मूनमर् बहुर्ह (वृक्त किनिका, म्बल ७ धर्म प्रेमलक ) डिमल डि (अम् इरेमा) मंत्रामं मरमा व वा शि मिनि ) त्या कि निक्रि / केशिमाहित्यम )।। 8७॥ 88 य: ([वसर] छिति) समलानेस (समरसङ्ख्या) धर्म मन्न न र छ० (धर्म प्रमेशन र छ ) अग्रा (कर्ने कार्बेस ) रूपा-कार्यका- प्रवीत: (रूपा, कार्यका उ भूवलव भारेष ) भूभतः प्रवः (क्रूम्भूष्णियात् ) स्मार् (अध्य क्रिय ) ॥ 88॥

8 श्रा ( [ अमामुन ] जिति ) क्रू विच- चक्रवती वीत्य-कु कि: (भाकित कर्माणमानि कु असिष्ट [नर]) म् नलान-विद्यानिकृष्ट-रकाना इति: ६ (मून हुन ७ (०) लगहत्र माम्यम् दिए का नार द्या मधनीय ) कूर्या-प्रविधीए (क्रूप्रमास्ववह्र) की अन्ड ( प्रजीत केरिया) या की गरमाष्ठ : (अशिका कित्व आरम सम-विवास हर्मक वर्मा ज्यामुट्य: ( मिन धनहन्मतिन 8) दिन (किं ) रूका मूबत : बर् : वर (रूका, मूबत प्रथम अर्थ अर्थ मार्थ किं किं (स्थित मिक्ट) अथारि (अधन कर्दन । जारा ररेटन) करिया (बारिया) अलाहु। (अल्प्य कान्यम), मा (ध्यम्) अ छि: अभर ( देशाया अभ्येष ) कमर् विष्कार (क्यर कर्रवत); ध्यम, (क्यू मिर्दू (व्यात्र व कर्ड में में है। १ कि ।। (वर्ड न्यांचा का अंडा दे : (केड सर्क) ) पुकेश्वार 

प्रवास अपूर्ण कार्ने ( ट्यालवर्षेत्र ) अद्यम् हि १ ( जिम्मात्त निर्मासम् कर्षातः [कार वादा वर्षा]) अनमा (नर्मी मत- मान नामहार (अन्मम असेडा अर् भाम ७ माम छ। यहिलाछ:) छारिये -मी नापि- त्र : (जिसे म अबी के नी नापि- विश्व के का अवादि के का का कि का का का कि का का का कि का का का कि का का का कि का का का कि का का कि का का कि का कि का कि का कि का कि का कि का का कि 80 00: ( प्रमेश्य ) मित्रे ( त्र मित्रे ! [ वृत्रि] ) कून-र नीर जाल (क्ष्मणम् मिक्टे अध्य कन्) । यर (धारक) भा लिया (१४% करिया) अभाष् (कृष्य वादक) अकीर्छ रूप (विन्वाम क त्रेम) . उप वक्ष्मित्र कृ वि : (वि विमार्श कार्य मिला जिम्म पार्वि नामित्री किर्]) मपा (मर्वता ) टामे (आधाव ७ म्बीनादीन व्यक्ति) प्रिकार्वित (एम्रम्भना) मा रिक्सम्ला) क्षेत्र ( गुन्दनंत्र ) अर ( ज्या सारक ) लामानंदी ( सर्म क्रामिट्यमें)॥ १६ ॥ क्षेत्र वाम ( क्षेत्र ) रेपा (रिया ) लाय (श्राम् प्रिया) ख्या (कार्ति) मर देखर (मात्रम शामिक्टि) ८६५ (भर्ष) ७९ (७१२४) मण्ड वि (४०) में रस, [कात्रा व्येत्य]) क्याहि बाबा-म्यी (अ) श्रेषाय

Valisas yella त्मा सुस्मी ) स्मान: धानरहत् ( प्रथा ह महन में कम रेय (म्लांस) कामन माइ (कामस्य कर्नायम) द जमा (जापा र्यंटन) अभार: (ट्यूप्रे प्रश्नीत निकर इरेट्ड ) व्यापी (अयस्ट: ) छप्पत्तः (छात्राम म्डाह) कि लग (लग्नें अं ) से वें यह (स्थान्त के क्रिक्टी किंगी) श्रमका ( अभ मनी व कार्य ) जामां ( जमान जाममा अभिकार वर्मभीकार भन् (वस्क भन्तिक वर्ष. ग्र में लिए कर की रा किन प्रभी मुन्दार छ की में केरन मार्च अतः भू वह १ (मध्य अ ७। १० विवा अधाम [- विश् अम्माभ्ययाम विष्यं अष् (अम्म अविष्यं MUNINE RESULT WELL ON OLD LEAST STATES (निक्करण) प्रशीक) (पर्णत किन्या) दे सूस्र / NEST ST CHA 110011 क्षा वाम ([माह ] यर भ छ) वर या है। वर (न्यानी मान आये क्) ला कि कि ( का में का म प्रियं या ) उस्में का ) जार ( जूनशी दन ) कार्यमा अध्याण ( अंशर्यात् अप्रेक अभासका ) ति। किछ ( सदन काव्या ) यद काम (ए (द्वाराना सकत्यर ) मक्षे (महुद्ध

्रेस्तर ), अस (अनुक्षेत्र ) सान्तः (क्षिक्क क) धार्यामि (अरम् विकि) म छ दृष्टिः धर्षु ( दृष्टि भाष कार्यत ।। ७०॥ ( ७७: (भ्राहन) भा ज्यमी (स्पर्व ज्यमी) इन्हे। (इक्टिए) बहेक्ट्र (अर्ड अंग्रेसन १८४) अवर (सामा) में मा ( लास्त्र कर्त्वता) विद्यार हेर्धारें। ( परिका हिला कि विशा) अवस्था करन (मूबलन १८४) मी डि॰ ५८मी (मी डिका क्रिकेट लात्म । भाम ) म देने (माम करित्म )। वटा (छ) इनका करा दमान अमूक दमीन ७० (जी ना क्वं कर करा तन (अर्ब हमाया मस्य भीन (अर्ब ह) वमा (अर्व) अमु ७९ जाक स दिन्ते हर (क्यी बाधाय विहिन मिन्न त्रिम् र प्रम् एवं ) डाम्म बडी (अकामकावेरी विवेश ) अभवामिकार्स्त्री (अम्बल्पेन धाकर्सन-क्षार्थ ) कर (त्रद्र) भार क्रकेट (सामारिक) वित्याका (मन्ति कार्नेगा) श्रीवः (न्थीक क) छेम्राः जित्व (क्षिक कि प्रशिष्ट्र ग्रीकिंग क्षित्र) ॥ १७॥ (१८) अय (अनुक्त ) जी अर्च अक्रेस : (जी अर्च अक्रेस)

(असरात्त ) तार (अप) विकान ही विकान कि कार (विकान ही सामार ) के बाद (अवादे मा कि लिम ; [आव]) जाओ (बीक्क ७) वाची कत्रमान प्रमाद रेव (बीवाका व में मक्ष कर अप (ल्य पात ) तर आल्य : (दु क भामान समित्र के करोकिनां धामीय (अर्थां भू तक दीवृत काव्याहिलात )। ६८॥ कि संकर्भ: ([लाक्ष्यं ] चारक) गांगुकार (खतंत्रा) ताक (मा का हा (क ) के कि लाम को (के की माद्र NWIL ल्याम् लेख ) लाव्याम- भीमा ( लाव्याम छ (अ ल क्रायं जो अस अधावयन (भटन कार्यमा) जगमा बीला १ कालका कुला का (जिमे सी मूम यर (राभावा द समीव भार के) मह समाम कर्णा (नर्मे के स का मह भार का विश्व का के का मान brak ara (MA-) He ell ( चिक्क मान्यम् भागः (रिमामः) (व (त्वामानं) Ami: amael (Anda ama alla am) क्षित्र कि नामान में कि माम ! कि माम ? [ white

200 न्त्र कार्य कार्य ने कि में में के साराम लारहमुं में हु गढ़ ( कि में में के के के के (कारमा ११) विमान कार्य में किए में कार्य करें। विमान किए में कार्या कार्या किए में कार्या कार्या किए में कार्या कार्या किए में कार्या कार्या कार्या किए में कार्या द्राम ] अद्भ करिए लामि यातें। जिल्हा Medis ( William de ) CISIA SA SE वरेम १ रिनिवर्गा गृत्य कुकार है जिसेश मिनिया किरिया अत्यादक टिल्पमा कर्यमा भूट प्रायक करिया पर दे अत्यक करिया पर उन्हार करिया अत्य िनार के प्राप्त नियान मार ह मार कार्य में क्रिकेट मने मा क्रिम; जिस्मी नाम सन्दे सिरिया न नकार किरिया विकार करा करा अस्य अय गर्र ? मिक्क एमन द्रंगतर कार्य यान तम ने हैं देश हाम राम! विविद् हिं ( ( arg 2 0 6 18 0 12 ) 11 @ U11

(तिन्तुम् ज्योत्मीम् पूर्वकानं भूनते (१०) कार् रा त्याहिष् धार्म ( ज्यमीन टमर्च भाने राम-नाका ट्रा छ) भन्ता ( प्रभार्य प्रदा क विमा ) विष्र राज्या (१६७ विभाग यस मिन्द्र) भावाक्यः नष्ट्र न (क्या में विस्ता इरे ताम )। ०१।। ( र्मार्शिक्षा छाए (रूपा छ स्तिका) क्ष्र (बार्का) - विष्यं पू प्रमाला (विष्यं द्वार्थिंगे) दूला (त्य करी-प्रकारने ) छर् पिछ। (छर्मना कार्या ) छूलपी ( वस्त्री ) क्राक्ता (काक्सा इर्मा ) खनंद ( अमंदर्) अ-मि मि प्र क्षा विषय (म में विषय भार्ष कार्य त्मन, )। १०। (h) जिलामक! (दि अक्षामक!) टलप्र भा मा: (विश्वर्य २२ विस्ता ) विस (अल्पास ) निर्ध के पर सार्थ (मिर्न के के के प्रमुख्यर (क्षितिक मार्थिएक) जानाजार् विकि (अक्षात हे बार्स छ र सत कर्त); ग्रमा (७ताम ) आविदाम: कुछ: १ अविदासरे करिमाटि अभीद अविश्वासक्ट (सर्व क्राये क्रायेन क्राये बार्य मार्टिंग)। ६०।। १० विषय (व्यक्तिन ) बक्त मान् म : है ब रक्ष मान )

( CY 20 3 ) 11 USIT

अर् [ वसर ] कारदम्मार्यक्याचेष ( तम, कार ७ वस-के खिला त्राहका) वेसमी (वेसमी) केटं (मन् के) का बार (जी का का टक ) जा नित्री भू : (जानि रुष रेष्टा कं निया असम वटान कर्मा एक के ए ( खिया न पर्या न कि कि किया हिए ) शनि ( खी कुकरक) ब ला एवं ( निसंस ) क्षिमाहि (म म-) । एडा। क्रियमम्म ( रिक्र क्रम लगहम ! ) तक (क्राक्ष्या के ) भ कारा (अरे थिएएम) श्रमभा त्माक त्मारका (अभिक्राम्नीयम मन्तिन मिन्नि डे दे के कि जा रहे मा य मापि ( वरभारी १६ ) मुर्या है। देश ( भू ये जुला य मिर्दि) विश्वा-त्यात्रका (मिरियानं त्यांत्रा पात कर्तां जिल्ला में हल ]) कुल ब मुड़ा (कूल म जान मार्क) वाद्य कामासी (काल्याम निकटे जामधान हेमान EX TICE Y [TOUR ] BOTH (B) (BLOWNER SIGN कार्मिशन किसे ) अभाव (अभाव :) भार (अभाव ) वेत (अन्तरम ) क्यार्टियेन ( त्यन क निमाटिस ) मेर यस (ट्यासि ) हार (ट्यार ) को न के में ह लाहमा) (की छा कु इस मिलिय कड़ारें )। ए छ।

दुक्षाप्रक्रा है: स्त्रक ) हद क्षा ( श्रिम स्वम कार्य मार्थ में। क केर ह किन (कारे रहेए ) उ क्या न नी ( अ क्या भाना ) उचार्य (डेट्सा हत शूर्वक) हूत्र टिंग ( जूत्र शील [डेम]) मान्टाश्वर (भान्टाधक) ५ ७ मान् (अमान कार्न (क्षणा ) जना (कर्मा) भी मानिक क्षि-क्रमां (क्षणा ) जना (कर्मा) भी मानिक क्षि-क्रमां (क्षणा क्षणा ) जना (कर्मा) सभी कुला (जीक्के के मेर्ना व म्लाव मार्ट द्रार्थ जाड कार्य क्रिके ) जूनश्री व जात्य (जूनशी क निम्तिन न [क्षि]) शिर शासिकार (क्षित्राक्षित्र) भाग (अप्रमे) कम्ब कि विश्विम् अपन अर्शिक कुर (कम्ब कार्यम् अपने ना प्रक निक्ट्रि ) धातम् (त्रदेशा धात्र) ॥ ७०॥ भे अभी ('a अभी!) धर ह (ध्यामिड) कानि प्रायमी? (क्रिन डेअटमिक्ट क्रामध्य ) ममयामेषु १ (य० सर कार्य वार्य मेरे ) दरम्का (अर्भक्रमका इर्रेशा ) वृथा भार्य (लामान भारेल) ५०० (मननर) वारी कुछ (वारी कुछ) अथाण धामी (ममन कार् (छार्रे)।। ७७॥

A 2148 (तर सम्मा) द्यारा (द्यारा) मारे हिंत-प्रहरीए (मिल्या विश्वप्रहरी) ७१० हत्यायती (६००१-स्वीतक ) मार्किन्या कृषा (मार्किन्यात जानम्म मुक्ति विश्वालिय (शिक्षिक कि एवं ति दे ( छमा में अनु में भा ने ना ने निर्मेरे ) छत्र ला अछर निर्काणन बिन्टे क्लामेश ) श्रिक्ति (दिन्द्रान क्क: 4 लि) विका (मिटा क्लाड अ काम धाम डब काम. SHORT (CEMEN) (CMASI) & AN WICH ( अक्टिं असि असे ( रेसार मार्ट) प्रवास द्वाः (पालां सवता) ७ ९ ट्या प्रकाः (खीमनीव विषय भी) जूस प्रा: धालानार ( व्यमीत्क प्रभाव कार्यमा ) बार् सार्थाए (अश्वादार) न्यमान द्रावा (म्यात न्याम्याहित स्टान कार्यमा) दः सिका (दः सिक हिट्ड) छा ( जून प्रीक) प्रवास्त्र माल्यान (इन भरकारन करेका अवानि माहित्यन)। ७७॥

निमं वनमान द्वामम् १ क्या वनी ) ares (ares) म्ला न राम मा अ- सरवाद्यक कू र का ( पुलिश्वा न देम् आ लत-प्रदार्भाव अवुडा वरेमा ) जार का भार (अशिकारिक) निम असिष्ट (मिस अने किन्न गर् भिम्न) टकार्बा प्रामी (का सारक मारेगरे मा पि मारहत )॥ ७०॥ 90 ममा (जामे ) जा (ममाडि) मा (डाराक) मूटर धार्वेषड (मूटर धार्यमने मुक्त) न न द्वा (द्यांत्रेट मार् अमसमा) म्मानत्म कार्य न ( न्यर् बन प्राची ७ ट्यामिए मारे लायता ) द क्रमामी! (त्र जूनात्र!) विकेडा नद्भा ध्राम (काम)का ट्लामा कं भाने माहि । ए (टलायम ) य भी (मभी) कून क का निष्ठी (कामां प १ कावा वर्म)॥ 9011 9) जिं : (कार्स न) भा जून भी ( जून भी ) टेल बडा ? (देन गान के क्रिकेट कार्य कार्ट कार्य (क्रियाम् ) क्रिकेट कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य मको रिना १ धार पर (कूरिन मिरकार मेरिनोका अत्माम कार्ने (या में मेर (त्या के ) भारते (न्याते का ) न्यात) दार (न्ये वार् ) ममं: (ती जिम्मा )।। १३।।

dA pari (pari) समेशात (क्यानादा के मेंगर) नाम सना िक्यमा ) काम्र कामाः (जी पूर्णात् ) व्यवधारा १ अवन इर्नाने या ( अण्यादाद्वित्रकामा अयुडा द्वेपा) अम अस्तिमारको मुकादेवी-मान् मुछा आ (मुका-बलमारी व्योशिका नियम्ड (नियम्ने भूरेक) श्र गूर्व मीण (निक्न गुरूर लहेगा नि मारहम) ज्या (ध्वर ) विनरेष : (विविध विनर्भी भ्रामान) अ अ श्री कू ता पार् (अश्री शति व अरि ए विश्वास्ता) धात्रार् (कीश रिष्त अपि) छात्रः धार्म विप्रत्वन् खान्छ) धर्मगाम ( wal में कार्य म्एट्स )। 9211 90) 00: (अरेट्र हरे) मानिष्य (मनिष्टिती) त्रका-कत-याता-अमुक्तरमि (मुक्ता, कत उपाता -महान्द्र अर्था यारे पत् मिन्न ) ट्यामिक अर् (जा सारक टायम ने कता में ) छार भूती का हानिया on की ( 612126 mg गा गारे (612 ) 11901) 98 प्रमी (ज्यभी) रेडि (नरेसहल ) छ गंडा (डमी-मद्यादं ) कृषि माश्चा पाले जार् (कृषिन वडावा टेम्प गुप तक ) अलपर्य (अला वृतेर कार्य मा)

सार्वर (क्यो करक व व्यक्ति) हे पानी मा रेन (उपानी कर माम् जाव अन्ति सूर्य ) ब्राम - श्रीनिको छात् (इनाउउ दीनिकीर मार्च ) यापी (कामान कविलात ) ॥ 98 ॥ (७१०) राकि ए ह क्षा (त्यक्क तीमरकार्व) विवास (मिनान्ते भूर्यक ) जूनभार् ( जूनभी व श्राह) श्र (श्रीम ) छेप्रभार (छेया भीत). ) के पूर्वेव (असमा करिया है त्यत ) कार (नक्ष वील यह-15 (A A ) H 9@11 की थि है है है। कर के कि लिए के किए के का यार के ) दे सार मार के किया है मार वर (के आ प्रया )। सत्त (लिस्से ) खिन्य (खिन्छा) रेपंट (यरे) हमारम्पी (हम्पानमी) ह प्यारको (AMMIN OMET); (40 \$ 40 / and" किन्से कार्वा एड्नी ॥ १७॥

dolan (Misale) on ( guall ) one sign ( ove min सक्ति वर्म ) ७६ (क्याकिकटक) स्थाप (बाम (प्रम))कार् विवासमा (माठले) मिक्का थाल ह जानती (हजानतीत पूर्व व्यवका कवि तक ) अपा (व्याधा ) दुर्भा हे विक्रा ना ( मूला दिनीन थिकान इत ) मच्चर (मन्न अवकाटन जिल्लाक रत ) आतीजा (तरेमा आत्रिमाहि)॥ ११॥ विनि कार्य ] विश्व कार्यकार्यका कू लाए (आक्षाम् अक्रेसाएव मिक हे व कार्य छ। वार् (स्थे ह व्या व नीटक) अशीम् नाम-लट्यड (अभीन्यीय आहणारण) अक्षमा भव्यकड लासकुर (लारकम्पूर्ध प्रसिद्ध क्रिक्ट (मक के) मुद्र (समाचे के स्पृत्ति प्रसिद्ध (मिंड ) केर (मिंड ) मुद्र (अभात) धामना हिमार्ड वर्र मार्डि )॥ १०॥ क्री [क्रिकारी ) शहें (क्रिक) परः हिर्डिः (अहरक हिन्द्र क्र रहेटम छ) कार्र : क्रक्टर (कार्य इर्ड अकाल किन्या ) हभाग (इस सूर्वक ) ट्रेल बार् रेव (भारती भार कारे कि एमर) अव मर ( यह स्थ किया त्यान ना वर्गा

िट्यामे! (दिस सामे!) क्षेत्र (कार्य ) कमलिएक छे: (दात्राव दर्भात व मिल्ल हर्काके व के कि गेर्फ में हिन्देश (क्या का अपन [ @ 10 ] JANE ONCH TORNATION TO YOU ( MX in लामगंड, [मकाह]) जमार (कुरिरिक) वसमार र अध्यास्त्र ( के बह्य कि बक्ष मां दु अ त्या शिह ) त्या दी -भुर् (ट्यां ही शुर्त्य) अक्षित (अप्रत्य मत ?) 11 0011 मी मानत लड्ड (ल्याम एक अप) मेमम बाहाटमा ( अम्म-नार्व- रामक ) बस (बनमार्वि) भा : अकान्युठ : (त्मा छात्रेकारी) प्रक्रीत् (अइ छत्यते टक) अ या इ महामादन (स्वन्तरोन भाने हर्माम्) व्यवनार्थ (शिमक करवंगा) लामक: (लामिटिट्र) 11 का। ि विमा (पान्य ) नहें (प्रत्याम ) ७९ (भीकृष्टक) क्रिया (क्रिकी मरसार्व) क्रम् प्राप्त (मश्व वार्यार्थ) ( क्रामिकोर्द्वा ) अप का क छ ् ( ट्य का ट्यम के विश्वास्त्र ), उद् (जारा) क्रू के विश्वास कर के कि किन्ति किन्ति का मान क्रिक्ट का क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट केरिक क्रिक्ट क्रिक क

290 (आव: शारत्ये) अय (अभूगरा) १व: अम्ब (प्रदेश्मण) लावेनत्रेमाट्यत (म), कर्ट्यत (कर्म) छछ् (द्वरंगल कायर (क्षेत्र काल्यमं रशक् ) समाह टक्टांतिकाः 148/10 MIGHT MICE )11 0-5 3 F P. 11 किन्द्र) मर्टि: टमामानिक: (टमाममते प्रकलिश) भावधाति: (अत्राट्ण भावताता) छात्रणण (भारत प्रिक्टिमार्ग्स) केरा मीए (मक्कार्ड) मिनिकेया (मिनिकेश्वाना) मार्च (आशार निकटि) जड़ कामिसेड्र (का मुल का दम्म ८अवर्ग काविमा ८२ म )॥ ५ ४॥ जि भामी (त भामी लिखा (व)!) तह (धार्म) हर अञ्चितः । ( वर्रे अक्रम विभूरित्र ) कहा हिए (क्रामा उसे) सम (ज्यामन ) विस्व : (विस्व छ) अस एवर ( रम , जिया वरे साड ) क ( व्या ) डेटक भ : न कार्यः (कामक ल हेट्बम अकाम कार्डम ); धर् ( Muly ) File ( Harry ) FOR MUNEAS ( अवन अलिशियन करने कर)। ५ छ। िश्र ब्रम् हें (व्योक्ष) के वि (वर्क्टल) छार लेकार (अरे नारक) अवार्य (अवार्या करिया) अअअ: (अवहर् महते न अधिक ) त्मा मिमार् (टमाडान्ते-८०१ त्वन पिएक) अडल ९ (अम्बात करवटला ) भा धार्मि (धरव, अरे द्रमात्रत ) के क्रा (मध क्रा ठंद्रमा ) वे वे मा (मध वे ) हलावनीर् छाणि (हलायनीय निकटरे याका क्रियम)॥ ७७। े जी दे क्या अमा व विलय में भ न्यी के ल ट्या मारे (मारा मीरिकाद्यम् भादसभा चिक द्यम् मक्स मिन क्ष-Mante Comment of the गाराव देश विर्वारह विवर् ) व्यक्तिमारह दे य के त्या कि का प्राचित के का प्रमाद के प्राचित के का प्रमाद के का प्रमाद के का प्रमाद के का का का का का का का भी आरम् क कारत के आर विक की आ स्ट्रिया कर तर क्षिकाटक न ला प्रमेश में मार्थ ला की मार्थ की मार्थ मी मार्थ विषयक ) यस: (यहे) यकी: मर्गः (यक मर्गः) य महाडि (अस्ति डि) मिन्सार (अभाउ वर्त्रेय)॥ ७॥ The self the sevent sure severed white years a BALLS THEREN WILLY MENERS

त्र अस अस

में दिन: (अपे प्रेंच ) हां : (त्यार क ) । क्रमें हें बंद में से ( 1 के हैं दें कार्यों ) मर्बेटर (स्ट्राबव्य में क्षे किंग प्राचित्र म् मः ( किंग व्याम प्रमं नाएड हे व मिक् आहेत: (हेर्न के ) साप ट्यालाया वासाह: (स्पेत्रसे ) में कि के के कि के का का का का के का ने से के के के के के क ट्या लान (खन्ने का का) भाव त्या खेळ ( भाव ति खेळ) हर्णा : धार-अक्षा क निर्ध : (धार्म व क कार्निट थारे-क्राइग ) पिक्र (इमार्विप क्ष्म) श्राटमाडिए (मू स्माडिए), जीली भाव (बारिष हे भावकारा) आंभेरेन : (ध्यान-में के के बंध बंदे में हैं है। है क्या बंदे में के अभने के आस्त्र का सामस्य हत्र कं के कि मार्गित के किया । अपने प्रति के किया किया के किया किया के किया किया के किया किया के किया किया किया किया के किया किया किया किया किया किया किया अविष्ठ न नार्यम् । व मा भाष्यत्वेष्टे ने : (अव्व सक्ष्यं आक्ष्रि र्क्षाभागं अधिषात्र) 'पात्रामेश-रामिकि : (मतावर्ष भ्रम ७ वस्तिम्पर्रे अश्चार विदिन), त्या मिर्डि के से ते : मूडि के ति : मूडि के ति । मूडि दिक ) हक्षक त्याः (हक्ष्मक कृष्ण मुस्त्र), सूर्व (स्विदिक) मीलामा : (कामा (कमस्त्रम्याम), वारत (देवन किएक) लामिट्याः (कामक्ष में या विक्र ) त्युद्धर (दुवन पित्र ) रक्तामाः (वक्त न्भ्रम् लात्र) वक्त न्प्रविका िस्वीदिक ७ जात्रिकातीन महिंद्र ) जिस्कू एउन मन्डर् (न्तायाक एउव माठिए विभिन् ), क्य (डेड एमंब्र मान्यः म्ल ) छेट्स ( डेस छाल ) श्रुस का नाष्ट्रिक सकु. मयाक्षे ( हिस् ममुदान मर्का नम् भाग विकित त्रकू-अस्य भर्यक ) मन-रुप्पन्ताहि-त्यानेकान्क-मिट्रेश: (डेळवाँम न्यांप्य, यक्र: म्य, डेपन, ना हि, करि जात ७ डेक्पियारे), भड़ दार्थ-वसूरकारे: ( The Late ( ON MANO CHARLES) ामान्य प्रम् अम् देक: (मीड कार देक); जीयकाल (जीयकाल) मुनी ( : ( मुनी हता) ? बिविषेश्रीन निवर्षः (विविष-क्राने अभिके) , पिक्र ( 19 The ) CHANAY ( : ( CHANA as ), धीनकिक्त नी हिन्दारि - व्कालिष्टा भावित -

विद्रम्याकात्वातात वा ते : (भक्षात करितिहरू हो। ते क्षेत्र कार वास नाव के कार्य में दे। दी के का देंग : (अ विक य- मार्थ की श्रीक किंदी) नर्भाता । अध्यक्ष्य वाता न स्वती न्यू स्मारे : (भावश्यम्भाषान खारिकातक देल (मन्ता भागड अडू विविश्वान मूल्माहिक), हिन बीर क्रिके! (वर्र लेक्निय भागी हार ने महिलाना) निहिल मूर्य-जमारार् (भारिष्ठ् ज जनाताला अ विकास ) कू मामिष-वय्वली- निर्मे अम्मा कुला तार (विविध स्थित न छा ना कि वाना अप अप अस् १३ विभानी के छ। अस पत-फल भूका - ट्यान डावानडाता १ (मिनिड अन , अन उ भूक्षिकामिक छाट्ड ध्यात ), भाम भागाए अ विविधि: ( दुक्र (अपोनेश ना ) anso: (हर्वित्क) प्रव्याचित् (वार्वे त्वाचित्र)) (हर्ने हार्ने कार्य) अवशे-हर्ने आयाहः कार्वे (भार्ष्वी प्रवर्शनिक हरू: मात्रा वर्षा हरूरहाने हर्गनि ह

प्रकास लाइकिन) लाबेंग्ड (हर्ना ) बारी वं Camin Cutte 12 क दुक्क : (त्वाम क्या प्रधान व कारणान के अ साम ) रेक्ट (सत्ताक्ष में) कर बार्ट : (व्यायं याद्वारा ) वान्वः (हर्वार्षा ) वाकितालके . म्म में दिलारिक के क द्वां (लके व लिक के म व ले मा-मम् । भीवन करते : (म्मीवन अन्युक) कम्मी-थरिः (क्रांती क्रमा क्रिया ) वाडिकर हे (माडिक) क्रिया है। (कारोन क्रमा क्रिया ) नार्या अन्या में के मूक्ता हेनी-मृष्ट्र (मिन्द्रे हें अवसम् अवन् । विभिन्न क्रूम कारम-मुक्ती से एक एक माना में के लिए में प्रति ने के क्राक्रिकेट अवर्ष असी अने कि राष्ट्र अटम कु व वासि वर् (मार्क), नाता भू क्ष्रिक त्या छहा थे- वन (प वी न ना वि छ: (विविद् भूका ७ कन मर्स्य काविनी वन दमवी मार्नेक कांस्रीक े [लाभ ] ) ट्राट्याल शांत्रक के के रामी-अरु के से श्री मान देशक में मार्था में मार्था अरु मार्था मार्थ । अरु मार्था मार्थ । अरु मार्थ म HARE : ( THE I SELENAMENT & STOMMENT THE

मही कार् ) विकास कारितः (वकारमविक्ति । टम्स्यालक वृत्रीला व तिक देव : (टम खालार पाली रेक वत्र अन्य अन्यम् द्रव अस्मम् वानिष्ठा न वि कित्र), वे प्रीयर में कु भक्षा है : यर श्रिका का प्रायम र किया, याजप अर्थे हें के कि हिंदिन के की मुन - प्राप्त - हें के -मार्थिक ) मा मर्वहत्वन जास्माव भाषा देम्रे : (मर् मात्र भाय , जायुत्र ७ स्त्र भार्योदिन भार्य). तं यक सल ५ लाली- अल्लाबन वृह् - नाता-कृत्रु स वृहिष -न्यामिकी विद्यान कार्ते : (मुण्य माप्त्र भ्या व उ इ उहीर रातावि प्रक्रिका वादि नाम में सुका-वकाव देवरणिति विल्यान देवाकावमपूर्व भिन्न ) भूगानिनिन्ते ती ना ना ने कु अ न मक ९ (म्म कि

क् सूरका कि व ) कर्मा व देन : मण्डलवा ता : ६ (करनेण लहुंबा (में व अवास समें में मांचा ) सत्ता (सब्त) में मान मुकामिणहः समबंद रिल्म नामन त्रीन दीममूक ), [श्या] कार्य, कार्य, मन्ड ७ ह अयाक अङ्कि भक्ती [ केट्] ) यत्र है। - अभा ने। ची तार् (१९ म वर्ष् अ मान्मवर्षु -क्षड् जिन् ) कन्मनारेन : (धन् अध्य प्रतिमाद ) अपि -कित्र (काठ्ये अवर ) मिलीमेरे में मायक - प्राथम र (मन्भन विভिन्न अभागे वंभनीय) मानी उपमान (भागे उ छक्षाभेशतेत् ) कृष्वती नात्र (भानामि-काया नाम-स त्यार बंद (क्क नी नी बेरियवं हे जा असम का बारा मार्थ स्तान्ता) द्रमाडिक्ट् क्ककाडिक अनेत्यास्तः) ANTONIO (MIN) CHMANDED DE DINGUES ([ मित्र ] ची कित्यं बाड्र म्यू कार्यात स्पर्धात सप्तामक) न म मुल्डाकि मिना छे : ( म लक् - न् ज्र न धर्म न भरते न बाहा ) नाम छ। नाम जिला न १ (डे अयम, जीन द्वित छ हवन्त्रमृत मान्यास), कृष्कभनातमानिभूत्रवर्षने०

[HETE] ( इक्न न्यूक्निक क्रमान स्माक त्यमानी ) वानी -मानायण हाजकारिक - अरुषे - नाताविध - हिन्न भाकितेनण् (श्रवीण, भा नावण ७ ४१०क अष्ट्रि (इटबीमाड) ना माविषे विष्य अभिमार्ते ने कर्त्रमूठ-क्षात-विष्टि प्रताक-कात्रम् (अविभू अवन् कार्रि महार्वाक (कार्य क्रिकेर) कारक आर्य न निर्मा केरे - अर्थ आर्थ मार्थ में -मनामे कि: (विभट्या सूर्त हल मई क निर्ध मुद्द निर्द्ध निर्द निर्ध निर्द निर्द निर्द निर्ध निर्द निर्द निर्द निर्ध निर्द निर्द निर्द निर्ध निर्द निर्द निर्द निर्द निर्द निर्द निर्द निर्द निर्ध निर्द निर्ध अक्क मंत्र ह द्या ने अक्तियामका नी ने अक्क का करिया विभक्तासकाशक्यां करते : ( भारा ) कालिक क्र म त्याद्गा उ धमक भन ) कूम्य-अनूरित: (मूच्य, अन्त्र) मुक्ति: (भूकून) ब्रम्भु नी छि: ह निम : (अनेर मास्त्र नी अप्रित् GICन (अवन् ) बनी-फ्टेंश: (मण अन्मे कि कालियाना कुछ० (अतिष्ठ ) अपतक मधाक व्या की प्रदायत्व य स्टिक्ट्रिक् अवसीयक० (भाराव क्षेत्र अ अस काम क्षेत्र कर-

Maria Maria Maria De de Sas de Maria De de Maria De de Maria De de Maria De Mar (प्रवंश ) गाताक का हु क्रानिक् (स्माविक अभ में अनक्ष म्सादि कारिश्वां हेशामण [अह यात्रा]) अते: ( अपृथ्यं ) (कि विभावसमें ते ( अप्रिंसिं से लंबा हत-का भी ) कड़ ६० ( िमर्गामा मिन्या पाछता -मस्म में क्षेत्र क्षेत का समा (व्ये क् काप मा अवाव) न निक मा लिया. वित्त ( किर्मानक भागात्र ) थान्ये कु एउन (क्षार्क्ट देव आर्ट) अंग्रेट (आसाम् व किंदिन) खिने ( ( विमे ) वाका के 30 विशिक्षक ( अभागा ): (daring 22 cm x )11 >- 2611 19 मस्ड (देन्क्रीयासाक दल्व ) खादा (श्वे लाटा) लास हिंगू-( हमने एक व हमने कार्य ) टक्का मीमार् ( क्रिंग क्स ण से म भी मं ) अन्य-प्रामा (निल-निक- नाम ) आमे का : (अभिक) क कुष: (कुष्ठ प्रमूप) जाति (विनाम पाने क्रीकालि । ( त्यक में भे प्राप्त के कीलील ट्रेडिश (कीलाशिका भीत लाही विशासन विश जारि: (ठेक मजीमते) (अम्ते ( ट्यम्प्रेस्ट्रे)

स्मि (क) अक्ष के किंद्र ) महक्का ; महक्षा के कार्य का 21/12/11/29/1 रे जिल्काकी आतु विल्यित्र भी आ का त्यापारा ता त्या माठ्या-विष : ( कि असम कू क्षे ] निक्य-निक- किक् अभू (2 व अग ह जारम विक्ति भीमां ग्यार् क हेल वन हेमान ड (स्ति करात्र के लिकीम सेचा लयकी व [यर्टी) एडट-शियाकोर्दा वार लये रे क. िया में माळ ये व में प्रति हैं (क् अक्ष भासकं लाहिशितं दुवेल में के अभावित के विक्र ट्या मी किन है असम्मा हे क्या मिल युक 12 41 C2 ) 11 2 5- 11 (त) डमान- वर वन्धानान हिया कि एक- आदिक मी हिनाने उ केंद्र विश्व में स्ट्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक का कि विश्व के प्रकार के निवर्]) अवकवस्ति वृद्धः अतिवृद्धाः अतिवृद्धाः (अड्डिस्डाल अव्यक्तिमानिकां भावितास) कार्य क्रिक्ट के मार्थ के क्रिक्ट के क्रिक्ट के मार्थ के मार्थ के क्रिक्ट के मार्थ के क्रिक्ट के मार्थ के क्रिक्ट के मार्थ के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक इरेट्डट्ड)॥ रगा

00 [ आनं देन अममये ] मानुनामिनं (मारक (मारक की अन्यान्ते व्यास्तेन (हर्ड) दर्नमाद्र या माक् (दर्भन-सा (वरे प्रवृत् ) हेल पत्र मूल शर्मा (पूरे हि केल पर्त म प्रविश्वासी की समीवहताहिः (विविध क्री मा लिए क्षा कार्य (कार्य व-नित्र किंदे ) स्थान कर भाग हिल्ली (तिका-तिकरेष्ट्र क्रितेनम् हिलिए ) व्याष्ट्रायम् ६ मिरि: (मम्ब्रिकेटिश्माप्त काड़ी) पाड़ कुटियः युक्ताने (हिंड समिस्रावा क्रिक्स (क्रांति) हाडि (क्रिक्स) M12002)110011 त्री दिवाश्य ( शिकाकाकाक विवे दिव पिटक) जीर असि (भारते सकते) अभाउक कार्य पति: (भग्नकाद कार्टार कुल्ल म व कार्टार मन्द्राता) विद्यालिए (म्ला ७० किटें) भूरमम् स्वामितिक न्यानिए ( NO Judy Hayan ary ab and you is a wand do) अन्तरं हाम अत्यानिक विष्य ( कि अन्तरं न संस्थाने नाधक अकरि हाम ) जाति ( कि अपनिक स्टिम्स्ट्रें) ॥ ७३॥ ०) मर अभवार्षे था यह ६ ( [९०. १ मंग्रि] अरत्मात अभाकात् धवान्छ), भूव९- त्र्वत- त्रहारुम- मन्

राम्कर (सम्बान स्नम्सम देवस के दिस् धतार्वे करिका अक्ष ) , तीमान क्तारिष्टिष्ठ एन-ज्ञ मार्षि छी ने वा-ला धाय ९ (आ व डेश्रा जी जाव डे अर्पाण -मात्म अर्था र अम् हिल अरक्षाह- विकार्भी मारी (मेरेट्र) देन अवर (व्यक्तिन कारियम् मे। ७२॥ क्ष ) येत्र केवर ( डिक ह वेता ] में महत्त्र इंद्रों ) की पाप्त - मिक्स ( पाप्त वं मिक्स ) क्षेत्र की (क्यार्य) -सत्वे-संभवता वर (त्रक्ष अठ त्र में स्ट्रिक्सिन) मेल-मामारकार्य- व्याकदृष् (विविध कार्ये व त्यां आकर् कल ज्या हा वार्ट्र (क्षाप्त नामण क्षाया क्षाय क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया प्रवन्त्रप्रदेश: (प्रभी मार्व भार्व भिन्ति ) निक्रुवाक्षाः (निक्कु वाफी सीनार ७ निक्कु वाका) वादी कर्या । (सीना देव ७ की क टकन ) भड़े प्रान्ति १ (भड़े नामा) असंस विषठ ] असिसिय ( विसास सम्मी क्रिक्ट अन्मकाडिव जिस्कात मिन्सिन् । 10811 Many et com à Cay - Caragas (Cort d'eny et an क्यान ना किया अनि विश्व ), स्त्र कार्यक (देशन कर्तिका भूगर्रायम्), बार्यः बार्यः क्रधार् (हेत्रा

गरिकाल क्रमः) वर्षभागम् भा अधारे देनः (प्र्भा ७ मार्या रेमा धारिका मुक ) यक कर्र प्रमुक प्रमा माष्ठ ), नव्छ: (जाराक) ममज्यानिय छरेन: (xxxon & dani nad sud side ) eito dieno (में सर्यात माठ्ठ र [लाब दुरा]) अ त्काल राज्यम : कट्न: (मक देश्विट्सन किस्माम्म नक) देनणामान्न-छतः युक्ट (लेक्टा सम्म समाम तमा खने का नि द्वाना स्मान्त ) जु ([जान ] डेश्म ) नारे: (नारे देगान) प्रमण: (क्रमण:) मर्त: (म्रन), विद्वीत: (विद्वामी) रेल मीम के: (रेल मीनी) कारिक: (कारिक विके?) लम चार्म: १ (लम काम राष्ट्र हाना ) १९ द्र : (का कु गा कि मिन्यान्य विकासिकं नाता व्यावितिविकः (विविध. क त्यु निर्धिण ) प्रकामक कि: (माहि ध्रक्षाता ) प्रकारिक (में स्थारिक ) वंश्रीमितः (में में) त्यान हेलीलक ), हिचिछे : (हिचिछ) क्वरते : (नकाकी, [अलवा]) त्रिभूती डायमणे हैं: (भूभ-हात्य विकास्त्रात ) म्लभाके हिः (धूम , भक्ती),

(स्ट्रिट) ल्याना मात्रमान मान्य के माना के प्राटिगाट ! चित्रम देश ]) मक्ष्या दृषि वि म मय पूक्ष विकू १९-क्रिमदादि- आधि-आधिकाति-अद्विष्मनकुर मार्थित किया मिर्वा के मिर्वा के मार्थित के (डिउम हत्याजम प्रात्न डेमानेखारम जाळापिक विनर्) अप्र (अप्रान ) अहः (अह छाल ) सान्यम् न न -क्रायम क्रियान क्रिया का क्रिया अमूत्र अरमपत्र (भार समार क्रियान क्रियान अमूत्र अरमपत्र क्रियामान प्रमित्र कार्य क्रियान अस् terstanless Joseph die al de Cupa-albanda-Angi: (na sa mana) an main-श्विष्तीय-काम्भूष्यः ( अ क्रं, बक्रं, श्विष्त भीय उ मामन म्यान ), जास्मन्य कालाक-न्त्री-सक्समकार्नः (में य वंद्रात कामकार्षे के वहात काकाकः यवासत्य मेर हाया ) सका मितः (बाह्न), अम-जैस्त्र म आकात्ं : (अमर्जास्त्र ने गान का का निक)

द्र अक की महत्यः ते वर् (माद्राद्र द्र अक के हा के मिने विश्वार ); अवीते जानुमात्माक वकं कुष्ठ बवारेक ( व्रार्थ संका मर्स अध्य व्याप क्षा क क के के के र) Quanta के अंग्रेश कृष्टि करिकार कर (भूतिक धारे यस का समाकृ ि मी मीनिक असम बुलि एका व के ल विवास कात ) कता (लाव) द्राव) मामकार पिलि (माम कार्र) कु भेरकाकिय-मादिकर (ब्रह् ७ क्लाक्सम्पर्भ न क्लिम् आवे ) वत्रह-म्मार (रमहर्मिम्मिनियर ) विश्वेषा न क्षा प्रा प्तर दाहि (अरियन-अमार्य के अरिये हेराव क्रिक्ल (आंडा भारे (०८६)॥ ४ १ ८४ ४ ।।। grapolis K chap (and) Dobied ( 21 = 2 plan-मक ) के कार एक पार्म समाम के प्राथम किल के के तान कित हिलात के हिन हि वि है व पर ( कि मिक आर्मा ७० ७ व्यासक रहिया हि दि हिंदू रे मे (मानक कर्ष क वाक्ष ) , मम्क का भी मेर व्यक्त Consynga Jalannin Cela Co: (34) रिकारि विकेशक (बिक्सिम [बिक्)] क्रियक द्विमाति।

( si she of 1 all state 1 1 4 12: / 412 ( shory ) मुजनीविक प्रव्यामा मात्र - कि कि वि: यु (भूकिन-वर व विष्येति। विषय वर्षा में द मार्क वर्षा ने बी ल मुकी , मुक्रिय कि कि कर कर Edylar ( Tala cad cy de para [ Tura a lang. तिक्राठमर (तेक्राठ-त्माती) - 6 व्यापि हर्वावर (आराव हर्षादक हाविष वाव) . याजायमीत्रकाश्व ( केंद्र वाज्यमभूर विभामाम), मार्थिक के क्षित प्रमाहिक क्षेत्र माना कि कार्य के कार्य के कार्य के कि कार्य के कि कार्य के कि कार्य के कार कार्य के क पहः मक्क त्याभी सर् (शियाने) प्रकारत वीक्ष उ ट्यामीम लेव ) मर्गामानिहासि है: (मर्थ-वाभागी-विभात्र) वामकुक्कितिला देशियारियाम उ कु श्री बिमाय [ ययर ] निर्दे (धारा है) रार्थाण क्षे भुवतानिके प्रदेशमाप्त - वक्षिति हैं। (अजरावन ७ कार्य वर्ष मान मीकृत्कन काराह-क्षित्रमेड ) पापत्रीकृति : मेळ भीपापलक्षिक्ष

learned or to Destite ancounty in to the )? क्रिक्रिक के अन्ति । भावकित मिल्डि भाराब रिक्टिक्रिक किया में मिलिडिंग मिलिडिंग मिटाब स्टिक्टिक के किया के मिलिडिंग मिटाब मुर्दे भाराने केलिको ), मार्ट: (श्रामान) वर्षिताम) ण कु प्रमाकार्यः (क्ष्रम प्रमाकृषि) (बाद्रम स्माके किः (हमाड अप्तर्भक कारकाक [नवर]) छ अ द्युमा मुनामले: ( हेशातन क्रिक्स पुत्रे-पुत्रे विव व्यत्न नाम वर्ष) क्राकाम तमा के ते : धार्म मुण्ट (त्वाड मा प्रण्य) क डेल अकाकी शाना (बार्ड ) महिमार दें दें ([यादान] डेर्ड किल्म) जानूक-प्रानित्यम-भूवपड़ा-सिकार्नि ( जार्म प्रमात्मेश प्रमुख्या में भी करे। जिस् विवाल भाग ), अहः अहः मधापुष्ठ-मिल्डि सह अहा कि व (आया रे मार्क मार्क कसमा हिन्छ । हिल्लियी न सम्मार्थि जा अहारम भू विग्रस अवाय वय डी कू ति: (भू विश्र सु अवामध्य वम डीममूर भावा ) द्रादित (काळ्याके) लिये मुक्के देश: ( [ अवर ] लिये में जात्य छे के मान) धरात्य भरे ते : (धरात्य धर्म वरे न वर्षात् श्वादा ) नालिएन (म्रानिए), मुद्रासन

स्थिलातं : ्रिक्स क्रिक्ट ) व माट्याक -विकालिक (मिल्स क्रिक्स क्रिक्ट के ) व माट्याक -स्थितिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट के क्रिक्ट के स्थितिक क्रिक्ट के ने माने के । त्या भावन (है हो हो ने । मिश्रास्य ( वय त्यालारिक प्रिंत ह अत्यास्त्रक में भरानंक) लकी तथर (मार्ट परं दे में ) में अ आ म् रेस्ट तं के मार्ट मार्ट म P अं राज कर ( यह द का प्राप्ति में का मान्दि कार मं ]-य्येत विभूम देश अवायुक्तित्र शक्षे में प्लाहित के स्थां के अर्थात्व हिन हिन हिन (शिया) तिव डार्म न्यू-या छ । अपूर विदिय दिय पुत ) जान्न (ममूल्यम) कारेसने माय कार्य के प्रिक्त प्राचार (विवर) देश. करे म् जारिविसीत-क्रिया (करे असते एक कालिसीत मितिसां ) लाह्य: में वर (त्रिमार्गिक क्र प्रास्त्र) क्रामार्ड ) आखें : (माराय) हे हैं ए (क्रा) हाबद हस्रायां (दिन् ) नारकार अर्थियों के राइ (मारक्ष रिम्मिर (अंद्र ) महा: लेट्ल: १ (म्पे के लेक्स्याल हाना) या असे के दिस सामिति ( के हि ताब का दि हा स भिर्मिल्य रेष्टिंति विर्वास ] अवन्त्रीरिंगः (यम्भाष्यं मार्ठ । यायुर ) का मार्क क दर्ग : (म्मारं व्यावा वारे व

जी क्रके ) कार्यक्षा करं ( छेला कार्यमध्यम लाक बंबाल व किया ) व्या अस ता मुबंद या म (क्षा अभाषात् वर्षेता सक ) मंत्र वर्ष एक (मन वर्षमान) अस्ति कार्य लाम्स-दिल्लाए वाहीत वक्तव्यव्यवां काउ र्रेष ]) वत्यार्थमा मना (डिसीमित वस्ताहित) कि।के प्रमाहि (के बद कियेन हात्व) विविश्व ह प्रमान अ मिनिजाडार (विनिर्गठ ७ डेआवेडारम मिनिक) मेमामा हार (में प्रमेश मा भारत भारत है। का) है। एवड (लाक्साएक) विकास के वि (सक्तार (भमारे वि चे वे से सिमान के हिस्से) हा वि क्रिका का आर्डिट्ड ) । उट्टे करा। नाभाष्यम् (र न म्म दिल्ल धावक), दुर्हः (४६६) अद्वल हळ कुट्मं: (अद्यमं वळ हळ क्रांत्राचा) वक्ष छ ठ दिसा न ( भारा के छमाने दिसने आ वस्)

क्रियार के माडिया स्वाक्ष्य महाक्षि (माडियामी हेळ क्षा दा भारा लानामें के अंभिने मामान नाहे हिः (अर्वामाधीन हिंड धारेटि अरे (७) अवायन अपारे दें: भारिक् (अवासीवारक जारेरि अपवाना भारा निर्मिष्), (भार्मिट्ट महेर टबर्डिम महत्रे मात्राच क्लाच मक्ल ) वह रक्ष का के भवाद्याका का व - व प्राचितिकार्यक ् (त्याष्ट्र प्र लका कृषि इस मा विषिय कार्न स्था का ना मा मार्स्ट टमा कार्रिक स्टेमा टिंग्डि कि विषय कार्मिक कार्या के ना दिए। मना दार महीत: मुण्ट् (भारत मुने पूरे आवस क अभवार्षि असे पान भावन् के मिलाहर व ते माद प्रमां व विश्वास्त क में यह में तह व व व मान अद्भिष्यातंतं लाह्य लाद्यात्रां कार्यां क्रांत्रां के क्रियाटि क्रिये प्रमार्थिकारवारवारवारवार्थिक (माराव मार्क्र मार्थ मार्थ त्माल बारवाराम् देश-टमारी में मुद्रि हार्क लकारिक) अमन मिस्टिमामक-अडिमेक्नवसम्बर्धिक थिके सहित्र सम्बर्ध अडिने अस्तिक साराविद्या का नाहा के कि व की कि व धात्र म्याम् भ ), अटे जू मी- असमा के ९ (भारर्ष्ट्र

व्यापार महेबटम म हमी वा जासक लाहिड), कार्यात्वर में आन्य में कि। असात कें (मात्रां में मार्था. ELLU NEGA ON THING & MALLY BRINEDS माराष्ट्र रामाहियाल्छ के: (विविध विहिष वसन [करें]) अर्ममूजायूरेव: जाम (स्त्रीमूजयम वस्ताया ) हं यदं (गाँदा व्याक्टाति विश्वीद्वादि) व सम्बद्धारमी-मुख्यमाम-एक्ट्रिक्टिश्तक् (भात्रा व डे मिनि छाटम क्षामिनिकि ह मनालि छ म कामामा उर्वेष्ट्रिक्टि हिला दिन हार में के महिले मार्गित किया किया किया मार्गित आर्थान वस्त्राहिः (भीठवंडा ध्रमं म्यीमानं मार्ड सिनिन इरेमा ) यन (भाराए ) धर्म मनामी मन् (कार मा । में ा मारी मारी व ) सर्वेड तार्व (सर्व) मही में न्या वर्ष (भेन्यती ७ मेन्यत ) मार्थ का छा तर्ग (की वर्ष) X अ के क (क) त्या में ह (त्या मार्थ में निक्य) ! मासं - नामा है। दिया । ( [मारा] । में मारता वासं ह व्योगरी कि किए अवगा छित्र अठाक वर् ( प्रक्रम टलाक नरे व्यक्ति का करने करने , सदमाटलायमा हिन् ( (धरमा टलासन मिस्क) हिलाना मुन्

anong ( 28/8/2 2 2/5 2/2 MML MAILE

प्राचेताहर (क्षित्राचित्र प्रमुक्त (क्षित्र क्ष्मान क्षित्र क्षित्र क्ष्मान क्षित्र क्ष्मान क्ष्म क्ष

प्रमाणि (श्री क्षा के क्षेत्र (श्री मनं क्षित्र - मने क्षेत्र के क्षेत्र के

मिली), जिलाद्वल्? (जिलाद्वल्नामक) क् न् वा ( 2 00 12 12 12 14 5 (DCE ) 11 9 0 0 0 0 0 0 11 त्रित्रेश्वीकाव्या (व्यामायामण्य के के ने ने ति तक ) यत्र-नामा लेगा में हु- के में (प्रमय ग रून: (कर में में म्ये प्रमि का शिवा मारास्व लावयव नामा से ल देख मर्बर लामणाअंक ठर्माट्ट "नर्सेल ) वसाप्तः (वसामकं -इ। कि भारा) काले जर (विव् हिंज), कि भू नी त ब्राबनी-हिण्ड् (अधूक्यम तीम ब्रु बा कि वा बा बाद बार छ), मीत लग्न माकारियः ( नीत लाभ्य पत्न ग्रम् वाक्षि-विभिन्ने ), देशक क्षाने कि : मुण्ट (धारेटि देशकुक. माना लार्च बेळ) मैक्प्रकान्कर (जवर स्वास्तान-क्रिका आती) कू कुषात्रिवा मुक्ष् डमाव ( ध्यात्रवा मुक्षे-25 CALCI OLIS CACE ) 11 62 6 911 90 ( अवाक्षाः ( [अतामिनामनायेक त्राम निक्ने दिक) मा बाला मिरिट का हरी राम कर (धर रेक्स क बार्स छ (त अभवामा दिश्वने वा विधा वा आववास), भू टेल्ल : लबर्थ: (बिन्द्) अभू ल तबमंत्रणना बिवाना) हमादेवर (Mustige) में से में के प्रारं के कि ( , लाक प्रतिक, पासक केंद्र क्रिक्टी क्रिक्टि )110011

CALLED S 9) अविहरार (भानिस मित्न) भूत्र हम्रत्न : बत्ती हि : मिन्स हस्रक ज्ञानानिहाना ) द्रादिष्ट् (आस्ट्रादिष्ट् [स्ट्र]) ट्रमिहिण वाद्या छा छ वा तेक (किरहे ७ आछा छ त्य र्ष्ट्र कारि (रेक्ट क्रिक्ट (ट्रमार्क) मध्य ) 9) मामायमाकान एक पार (मानिस यम ७ काक् ब्रिक्स) मुलाए विमायकाविते: (अलाम्य लामक [अट्रो) का की दाने किया : (अश्वाकी कृष्क व अरेड) प्राप्त ), पार देवसार क्रुश: (परेस प देवस अहि हिम् रे र क्रमहर ) 6113 (mis mx (6(2) 119211 00- मिन व प्रावेषि (अलाम त्यात), अविविनाक्ष्णिक त्याप्त-मार्भनी त्यक्षिणमार् (हरू दिन हे वि धार्भनी या। कालिकाना भानित्यिछ ) वस्यानिसम नीताकिछ-प्रशास्त्र (सरप्रकेष त्राप्त अवस्त्र विवास म टकार छिन्छल र क्परी), धक्री- राष्ट्र- भीछ. न्यास्त्रीम दक्षाक ना पार (बक् डाव्ड भीव व केक. वर्त भूका वा कि मिन्दि ), वा नि वि पि म श्रू पे प क्र क्षमानात् हर्ने (अिट्यान्यात वसार्क मेर्टेन्टानं गु ि प्रामिति विश्व निर्मा है : (भग्रम विभिष्ठ उ

छित्य हारत स्थित क्रिक्ट क्रिका माद्र महत्र : कत्यः कान्हर है वालनं याद्यमं दिलानं वाता प्रिमिष्ठ के असन् किल्सम् ) मिक्स भागतमध्रिः मिलिसिम्मिना भामम् ) मी न बीजा के माना (मन, भेड त उक्ताहिक ) कर- विक- महै व्यापक ( किक विक व क्षवृत्यव) भर्वनित्रवृति : ( पर्वेत्रिक्तिताला सत्पर्वत डड्रमा ) हार्यकः टम्ब्रुवे परः (मात्राटक लाकारिक करांते देश ट्रम्म स्थित कार्या करिक इरेए (१) मून ज्यान निम्दिश: (मून कार उ ज्यानार व्यममूर [अक्ट]) अन्तिः (अन्नवं विश्वार्ग) कुछ नाना उसते-सम्मन्याम महानिणाना दिश्तेः (इंडिंग विविध धाउने, बर्ड अध्या ७ देखन विकास सरिविवा मारत में बंडियाट [नवर]) पिल्ल विकिल (किक् ७ क्लोन्स् क्रिक्ट) समाति: (माम मुक ) अकृते- विभाद- जी ज- मा अ- मा आए-भनारेणः (बक, खन्न, भीठ ७ भागवन भगा उ हेर्मनाविष्यां ) कार्निल तकहिन: (भारा निहिन. किस भाषा रहता (इ) व्यव - अव अभारतः (आवेलक अवीरायक हिन्दिक व अपाका),

अञ्चेतः हिन्यूरेकः (अञ्च ७ विहिन प्रकामम् वाता,) भारित मुद्र करारी- आवत वास्त है: (भू न कलारे वादा आतात छ।विदि वात धावक वारियाट ) , यमकन-छन छुन्नाती किती-छाव्यात्रः ( मूम्बून छक्षमन् ६क्षम प्र ध्यम्मत ट्यम्पत टमताकाल हार्म्यका कार्न एएट ) कार्न हम हिन इति-कर के अमा के सर्वर: (चिवर] मारान सर्व) जाल भाने-बामिक्सिकाल हारियट ट्याड्मिट मध विभ अपत वरिमाट्ट), बारि: धाम (बारिकालाड) मधराद (ह्ल्सिक) उच अप आख्रामिकारि: ( विसु ज अम अम अ सुर् द्वादा ध्याक्षा पिछ) ध्यादिकाडि: (जिल्ला ) हण्या है: दार्योहि: (हमनिह. रेड (जमार्क) अमिनिश्रिक्टिके धार्म (रेडाइ) विके अभी (विके अर) बेर्ना में में में में में में में with ( [ ] is ministered in ( [ ] किला मेर्डि (लक्ष) राज्य में मार है। My Jak all all sale ( Mad)

ना राष्ट्रिकारन : (अशिक्ष के के किएकन ) विश्वन -र प्रवाद क्षाविष्णां विष्णां में त्रा में त्र विष्ण विष्णां में क्षित क्षेत्र " उपिता भारतात: (शिका भारत त्या मा में क) ? समत्त्रम् विषय ( अवत्रेत्र अप-नामक) प्र: न्तः (अर्ग ) देश होतः (इस्टिश् विकास (क्षा का अपनि का ने कि । विकास मार्थ (क्षा ने ) । विकास का निकास का ने कि । विकास का निकास का न - कुल व ली डि: (विकिन कुल, मण [3]) हिन कर्त्र: (विहिन न प्रामिश्यारं) हिल उन : (धर्म अला लाविकार ) हिन्दिर्दि (विहिन्दिन विलिक्ट ) अरेल: पृतिः क (अभी , अधन ), क्रिये: (क्रिय [3]) अमारें : (अमारे मध्यकारा) रूठ: (वारे रूठ) हिन्द्र अवस्था (किंदिन विकास ), हिन-12 त्यामिकाति : / किट्राविटिय विल्याम-(गाडिण) महियान कामण : (गहियम नक्ष पं- मारक) हिन कुन् : (विहिन कुन्न) विवाला (विवालाक्त 11 42 9 50 11

क्रिक्टि: रेजुकारेड: ह क्रिकिड हजाका हु क्री मानि-है। वा ) १९० के हिस- ६ व वं : (सार्य के हिस व ६ वर्ष -महत्र लाने गास ) वर्त्य मत्ये १ वर्गिक : ह (८४० लग ), देन्य ते : (क्यूप), मा भूक्या पाड: ह (मेर्ड भार्तिका अकृष्टियाना ) हिर्निण: (निहिन्धामन) छ न भू मा पति : (छ न अवन्यू का न्यूर्य ) वृद्भ : न भी छि: ६ ( कृष ७ ला गालि धाना ) अधिष्ठ : (मारा) मलाउठ) नम्म एकर्षः (क्यमधान निकार वार्यम् अर्थात क्रिक के विकास अ अगरी- विक-की ना टिंग : ( अ अवर्स अध्य न विभिन्ने उ एक अष्टा विश ) तिमारिण: (कारियक), यस (ट्यन्द्रास ) काक्समार (श्रामे प्रानिकामीए) पालि : यय ( मशीमारेन मार्च ) अ अ वालाने (क्रम्यम्बार्ग) जानाक क्ये व (म्यक्षिक अकिक) कात (का लग्न (क्या विशंबत ड्यंग व) गार्क में न के त्या (मार्क लाहर देनम) का त्यापार हिन्स किया ने अपन-के अप ने

लास्रित् ) मूछ अका स्वामिज सामि: (काछ छ अ (कार्य कार्या मिक) , रे पुत्त आसू अ अप : ([-वन्ह] इन्स (म आने में अत्राम क) जिसमी माला विसमी-41 24 ) mis (015m) 300; 41010 (300 (अर्मनणा मा मि-अविवृष) द्रम्यूकाले : हा पिछ: (अर्म् का ना नी कक्ष ना लिक्षां यात्र काळा किक), दुर्शित् ) १ १ रशमभाव भी - किया: (भूवर्रम् अभ -अस्त्र प्राम् धाक्रा बिहिनीत कर्न कर्निक्र व्यवामने कृष्टियः (भाराष् भामने ७ कृष्टियमपूर श्रविद्या थायक), मिर्याट र्रमम अभिकापुक: हिल्यामुकार्षितः (म्बर्यस्य क्लिक्) व्यस-तर्मिति प्राचित्र विद्यो ) असे निर्मा करें ( मीला भाषाभी क्रमें प्रम वाईक्टा व मी बादा भाई-भू में स्मित्र की गंधा (बी गंधा) भी मन (सेमार्विक्) भीजवस्ता भीजात्मभ-विष्वता

(भीव रमत , भीवयत कात्मभत ७ भीवयत द्यत-असूत्र की बर्त व्यक्त ) यक अविके (रम्भूरत अ (वस कर्न (म) कुएक म ध्यास म मक) (0 (सी कृष्ण छेपद्रारण लक्ष) काव्य वार्यम्म), यस ( ट्यम्बर्स ) कृषः ( व्यीकृष्णे ) ट्यां यान्ती- समा-देक (त्लो बाकी की बादान त्यम करवें करवें पा) क्रिक्: व्यक्तिकः व्याति छि: यद श्राध्यम्भाः (अभी भरते न अभी अपर्कि जी नार्वान्) (अमन प्रदेशकर (ट्यमा प्राप्त ) मुर्ति (अवने क्राइन, The place supported and man of the (काम नकित ) अभूमा (अभाकर्क) (अविवा ( ट्यांब्छा ) कार्या (कार्या) या व्यामणा ( caron ca con so and ) 3 to c prod ( and soco ट्यामान आये प्रत्य में [ किसे ] ) त्व म ( अर्थाक न अर्थि ) जकामन माध्य कार्य मं वाद दार 

कार्यामार (मिल्पिकिट व्याम् व व्यामार्थिक) म्बर्चर केर (शिक्षत कार्य वस तात करत) माक्रिये (की मंद्रा के एवं मार्क प्रे हिंद्य क मार्थ) (भू अभिक कूळ्य भाक आमा) आरह (विश्वाक्षाम वार्य में टि र्रिम म्यार (त्य लाक कात्याने ) ला काक्यमें। eral ( our with in the sold ) me ( grown and) अव्या (व्यास अव्य ) क्याहिए (क्यम अ क अत्र ७) अर ट्रास्ति (का कुल का कु ए अर कार्ट ) मिला भारता: (की ना कार्य कर के व कि एक मह (क्क तलाम ) अस्मादमाछ (अस्मादन कर्वन) का नाम बर्या ह: (न्यासत्त्र प्राचा विश्वारं) । भी के नारियः (ना भाभाष्ट्र विकाष्ट्र) ज्यारो : िसाय वक्तर्रेष्ठ ) देवा हतः (माजाने सका लाग

१ व मं : (मात्रानं का ला विश्व में हिस व ह व वं वं वं का देख नी न कारे अधूर काम लाइकास महिमाट ) १ मन (लक्षात्य) बेन्द्रिंग मैथमु श्व , सास : त्याल. अक्षार्थ (उन्हारक त्मामिटक सम्मम , [अबंस]) न का शासिका नव मैक्षा ( नकतार स्वीवाह्माकर टमार्थ ए अमेर ) देन क्री का ए पि क्रि (ते क्री क टकार्त ) कार्य कर्तिक विवेत: ( जी कार्य के विवेद ) अर्व आर्थः में क्ट (प्रथ्य में कु (क क्लाप्य वर्त ) के के [OISM] INDINAS: (morelas) sialo. GNG NO 1002 )11 27-2011 की गुर्मिया विक्व मी बिल है (बिल वर्ष म का बी कि बारी मानियाद्य ), त्र प्रमाय व : कति : वृष : (वक्वन- अन्ति क्यीमानी वक्क वाहिन्यां आवे-क्छ), त्याने व प्रहिला छ। करहे भागे मार्थ न रिक्टिस : (तक वर्ग वर्ग विन्धाया कराउ सहारा भाराव क्रिम , अर्थन अ अस्य अपूर अविकास )

अर्था माने ला किए (मर्व लार्च : (भार्म ? Não 30 a 2 10 millor mon core ) a moiss ( अ नि स मित्र ) के तकत : रिकेश के (मिश्या के एडी है कि लेकिया मार ? ( के कारिया) my 1018. [Older ] ) 014 y 28 2: 018. र्ण कर्ति । विक्र भारत कार्य मार्ट्य । २७-२९॥ रोज देखी द कर श्री क्रिक विकास कार्य । (अया मिर्देश राहिते वर्ष के मारान हिए न) विक कर्ष अवियोट देविद्यका मिन्स् कृष्ट : (यहर श्विपवर्ग अभी अ अंधव मार्नेन क्रिन् अधारका है), युर्वार रे येत्राति। हिला हातु वीय क्रिमहत्र्यः (यादार्व लाड) हरन उ बार्ड हराल के हिंस उ हत्ते -असूत्र व्यक्तियत अर्गिकाल अरवह व्यक्ति व्यक्ति अर्द्भावि : (यात्राव प्रार्थ) अर्थन स्मार्थी र रिवृत्त . वर्ग [नवं पार्य]) बाक्षाक काम क्लिन है: (क्रीयाक्षक किये लिक्ष क्री कर क्रिय क्रिय आर्थाह्त ) याने को (याने त्यान) मेरान्। मम्माडिम: (मुत्ति क्रिम् - नामक [क्रान्त])

008 ्या अक्षेत्र अवस्तरम् राति दे अवः विशायाः वितिष्णे र अवे विवासम्बद्धाः を食のでき まいかりのかり १०० हमाने मत्रीज्याकाम किटा: (डे भाने जाता जमानं भाग विश्वितकार्व ) भागितः (अकालामान) भन्या. सारे म हिं ( विर ) वका हारा व वका सार्ग के ) मूका-राश्मित्राद्धः (अकाराम उ श्लाम सम्मान-हारा ) भारत् (विविष्टि दर्मा भारा) देवन-ट्याटक (अभिवृते अम्मरीय पृष्टिए ) कार्यप GINSIAS (अल्येन नाम क्रिक्टिक ियर मारा ) सार्यम-क् मूपारिश्वमान्यर्माह-मक् (सर्मित इसम् अस् वसर् छ द्रम-BERNASSING CONTINES EN MIS-दिनि (हेउन पिक ) नाइ स्विभान्यकः (टमण् बक्र तथ् क [७]) भड़ विकद्भ अन्तरमात्माव-वर प्रवितमण् (त्वाष्ट्रण पत्र माण्य मार्ग मण्यात. विप्रके ) अन्त्रेयुख्यक्त्रीलास्कृत् जिन्ने-यक्षेत्र म्यार्गिकी, व्यास्ति मान्यती। स्राप्ति ( along an acque Mas ) - Marine ERENTE PERMENTEN TORNER OF STERNER

What you your you wanted - And Joseph of the Kareline and Control of the sold of the sol श्री लाउनमा देव (चानमार्व भार ) लाए छ : दुन : छता : शिल विचि छरेनालिन त्यामायक ) जिस्नाम्भी ( द्वारा अवारवं लक्षा नी ना के छ ) र दि: ट्यका (अक्टकन किम्ली, माय्रीकर्मात मः ( जीक्क हत्य ) ज्या ( जीश केर वं अच्य ) व्यक्ति ( A & & a Canto ( Along ancie) निर्माति का विश्व ( विश्व कर्तित ) ने मार्गार इ स्टिश्विशिक्ट (७) अरेट र सर्हर अपरेट ( अके वा वृक्षाय स्नाम कि विषये ) वर्ष वा विका से व ( ित कात कार ] ज्या का कर मार ) व्यक्षेत्र टक्स महत्व ( क्षा अस माड करन्त) , वर् ( वर पर) ल्याः ( देन के एवर ) सार्यसा (सार्या) एका (क्षे) महीरवेस (सर्वत् ) किएल (इसर्टान)

रकत (कार कार्क ) बन्दाः धास्त (बर्नेत करने एक भारती) रे २०२ । मिल्डिक ( प्रमित्या के किस्ति) मेरिक) रूपमः ध्याम (हिटा ह्याचि हरेता ) ध्रम्पति । (डेक क्टडन) कि: कि: विविधि: छति: भिवादि छ ने दिन्दः ) हे भी लिए विस्ट छ। य- भा स्यान । (विव त्र व हे की अमाम का प्रवास करे मा) अमा अम्हार करेंगा-करानि प्रमा: ( अम्डिया) 318 14 183 (30 2) XAEE 3 32 43 4 लाइ ट्रांत [वर्]) बमार (बाडिवलड:) लामा की ए ( देन के कि म मत्या ) मार्गार विमार (रामका केट्ट अक्षर व्यक्ति का सूता) विदिध ( 2/4/0 MINE (2) 11 20 011 क्षिण विति ] ट्यमक्षकपूटमा द्रावर ( हरमूमहन ह भीके हक बाक मित्र तब की डा मुक ) प्रम मुखा-अवन्त्र (भ्रामान्त्र अप क्रियाक क्रिया के स्थान क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

SIE GUBVEVE (म्रांक्नाहरू) जिला वक्षः अवर (म्रा क्रिनेक्राप्त वकः मृतव नाम शत किस्पाष्टित्य )। २०११ The sound of som of my ser 200 अमार्थ अधिम (स्वाष्ट्र मिक्क) मन्त्र Parties of the state of the sta SOUND THANK (आनम्मर्थक श्चिम्वयम्मी (क्ष्री विम्वमार्म्स्मी तक (अम्मी वेच ( अम्ब्यान नाम्हे) काला कि किए किया है लिस )। २००॥ (जिन ( [अम्बन ] मीक्के) अत्यक्ताविद कर खार्थ-१ कर हमार अर्थाइका (भिक्ति) के कार्य के दिन सकाकतम- वार्ति छाउ (मिल्य क्रिक्ट वादी के दिन

में कि कि दिलयस ल बाजनसम् ) । स्था - विक्या (म्हिन हका कर्ने में प्रांत काम कर्ने में दिन केक जनमंद्रम नाय तक विवादने कर्निएट ) न यहान के प्रति । माना कर्निए के विवादने वास्त्रमाल १ के प इंड्रेंग ला बेड्र रें कि के क्षिल से से हे के प रेंग) हाम्छानि-करे। अविडिधममुख्यास्त्री (भारान अद्भव (बाक्रवरोव कत-स्वामेत्रे द्वात्राच अव्यद्भ Physical Court of great (मन) अप (एक अन्भी वर्भाष् नार्वाक छटक) (आम) ९क है। प्रिल (कू है। प्रिल हाय मुक्त अर्थाप् (की ने कर के अर्थ ) का त्या कि ( ते वर कर के गेर-क्षित्र )। २०७-४००। भ्रः रावः ([७९नाल] न्योक्क) त्यावस्त्र मित्रः

(टमारक्षेत्र निर्मेष ) आत्र कार्याम् (क्षेत्र आरमण प्रश्रुत व्यवस्त ) अमून्याभा नी ना सुकार (हकन-ती न मार् किंद्र किंद्र के अत्याप आर (दीनिया) क्षिल स्थार के अप कार्य कार्य में के निकार खटलार भू नेप- जाग न च स्था है। डिक के छ -र स्टा अंग्रेट्रिय मक्ति एक देर में प्रतिमान : अपाना न (म्या क्ष्मण मेल [3]) मारक्ष्मक प्राचंड (बाक्नाक्त) धाकि युसलकूरे व (प्राप्त (म्थन-मुभारतम् ताम प्रत कार्न्यहित्तत्र )॥ २००॥ ११० मः (व्यक्ति) जन (ज्यात्म) ध्यायाः छर्तः (श्रीम अन्यक्ष ) ०८ व ०) अं म ं सम इकर (जिन -ज्यां विश्वादिक्षिया म् रिक्र में विभाषा : मन : (अविश्वाक कुछाक) अधीक्षा ( दर्भन कार्बमा) धारालद्र (धारु छ म ) धारान्य (धारान्य ) वित्तर् धार्म (धनु उन निवित्त ) जमामामी मूक्ड-विकि. विर्यन: लर्ट का बाकार्यामा समाय माने दे दे के मार्थि दिन-विशेष वर्षा भारतीय )॥ >>011

भी यः (लियप्रेचे ] 1914 ) व्हेबान्स्यर् (सुर्वासुक्टिंवे माह मार्जिल जनार्य ), आयं वनिषे . सामु त्यमकर (मातमः लामावम् भीमं मदम्या -विकित् किर्ी) नमादी निर्देश कर कार्या आ अश्रीक्रायः ) मर्जम्यान-मिर्पि : (मर्चभद्र हर्-भारी दें के के कि के । व्यात अर के ए : ( व्याव मार सामित . न्यूटि थिरें ) के देखें हैं विकासिक (के के अर्थे र्कार्क के क्षा के क्षा के कार्या Will अवत: (भूवत), अर्द अभेत: (अर्द मलेत), डेक्वमार्क्त-मक्षर्यः (डेक्वम , अर्द्ध म , अर्थ ), विषक्त-छूत्र-त्काकियाः (विषक्त, छूत्रे, कराकिय), फ्रम्म व्यवसायहाः ६ (६% ७ म व्यवस्थ मृति) व्य बिम्मर्भम्भाः (१४ मक्त विम्मर्भरहन् इति भारत्य ), त्वचार् (जारायन) श्वन्ता विधा-विण: (तिल-तिल-ताप्रयुक) ए (भूषाभिक) इन्द्रा: (कुश्वमग्रद) कि: (उपत्राना ) निकल्य (विकास कर्ना ) मार्निवामिकारिय कर्निक: (खीनार्था क्यामिकारिक पान कार्निवास्त्र)॥॥ १५ 28 Tarch: well ( sinteney ) signi original (अर्थाक्ष कर्षक श्राम क्रांस आवं में यूरी । भवतायल पा (व्याममान-मायक) कुलामिका व्याह (कुल्यूम किए भार के रह माटड ) रियम् : जी रिव ( कि कि कि सामम भागम् (माममार्ग्यमे आ (असम उ लाममा) बातक विकादिरिक (असे निष्य में)।133811 भित्र वा (क्रीकारी) धानीनिः (प्रजीमार्यक् मार्च) विभू नाअका (कार्कनाम व्या अविश्व कारने) मिछ) ९ (भीके) अन (डेक सात के अपार्श्व), कृ के लाकान पाहिंगी की ला ती ए ( जी कु के लाद कर्य-अपन मास्त्रीकें य अप वर्ष विदेश ] के का वर-जित्तं (क्षेडकम्प्रेस किंत ) किंश्वरं केंद्रि (यर क्ष्यार्थ) माडि (अम्म कर्वन)॥ >> का। र्रे दुर्ग क्यार ( ९० वं एएक ) नामवाशीक्र वियात कर्षिक है क मीरिक) में मी की निका निमी ( मार्था क्षेत्र ) विक्र ) विक्रा म माम्मा कार ( ६ सर्व सम्मा- मुअप ना पक ) जिल्हा का का कि विका (6061818 ), & MONTH (238) लाह (हिन्दी न्यूर एक) । १०० ।। >> ७ना

Dd zomesió (oguerany) igunació se (विभाभिष्टिक मिक्ट) देळ्यमामभाग ( - Belle Hum Balle) " asi ( and जकार दिस्यूय विभाषात्र वर्ष्याद्यो ) भूववः (योक्स ) जामा में मिक्न (जमाम मिक्सम् (रड) ल्यातः के वास्ताः (ल अवा सर् मभी समुकर्षेक अकि ) क्षेत्राः तातु (लस्के अवं 28 Not Call 21 ded 10(5) 11 22 011 My y Cumidacin: ( ) al more moderation da -मित्रियाक (सर्का न न न न मित्रे के) न न न न मित्रे के अपन भारा में जीमें टार्ग (मात उ वात व का नव के व्यानिक) क्या विश्वीति (क्या विश्वीते) भूर्य भा के अनिवारमें (भूरे उ भा के अ दिन -वर्श देशी वय ) हः (विभाषत कार्यार ।।।)। भी इंतर सर्व (म्रांक के के के के विकार में मीमानहतिक वित्र (मी मा मूकूम काफ भरोन् मिक्टि [नरर]) भागुका मार (भागका त्ये) द्रमार्थित हिलके ह शिक्षित् के महीमार्क ) अवंग महः ( अवंग महः ) 31880 ( days nouse 0 8 4 (m [ - 15]) ( सार्व प्रमं अर्थ) द्याष्ट्र (स्थाल क्षिक्रिक्र) क्रिक्र

## ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 ND PERIOD	3RP PERIOD	4 TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7 TH PERIOD
Mon							
Tues			(d) V				
WED							
Thurs				10			
FRI							
SAT						, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	

(4) 2 Times 101-16-Hates 19 Khatas 600 80 ma ( लाळे के ) आ रे जा ( रे मारत हा) म्ल यल मंद ( न्ये के क (क) तथ अवर् बी अरे ( त अरम द आर्मे व इंग्रें व त्यार्थमा ) व्यामान्त (व्यामम सरकार्य) व्याखाउड (ज्यान प्रकित लग्रिया) तथी कार्यकावायक (अ) (कार्याम क्रमम्बाहिण प्रारिक महमते) डेल-स्टार (डेस्टार स्मान कर्नेट्सर) 1132011 ) रेसा ( किं भेड़ ] रेसा एस ) लये कर्ट (म्हासा न क्टछन् जीन्डाल ) उछात्रिम मिश्र नेचा मक्टिं (श्री म विविध नि न दिन पूर्व भाषा कर्म की ) जर्जर 2811200 (28112 MIST) 5-1139 र् किर्य का निक्त है। का मान में ही क्षिया का सर्वत कड़ांड (को ) चंदाका है ( व्यक्तिक र दिल्ला भार कर्यात (चा रा दा के दार अमाप कारप) टेक: मर्ल: छरेत: (भाग भारतारक छत्रभारताम) त्यत्म भेगत् - प्रमास हे के कियो प्रमान (MZ 20 (MCHA) 11 72 > 11 

(बीनाकान अर्घ०) क् वक विमानान प्रमृति-अक्क ह्न-वर्भनः ( युर्ग माक्व भी मार् म्यूटर्न मान् केन डिसिश्चर कर्वन भी मिस्ट्रिस् (स्क्रिस् वर्ण इतेन) लाक्षेत्र हे: प्रहूद (पार्क मार क्रिक्ट क्रिक्ट ) 11 > 22 11 )) [लापडेंच खित ] युक्ताअना (युक्ताआ) ये से में में रंगम १ (मक्षेत्रभी- ०-र्मिक्क) समाहिक (देनक का निर्मा हिंदी) हाई लाउ कि ला कि प्रदेश (मर्भ में में के कि कि कि लाउ कि ला कि प्रदेश (देनक का निर्मा हिंदी) हाई लाउ कि ला कि प्रदेश बार्यात्मत्र) ॥ इर्षा 7/8 रिला (लाम रिला ) वच (कामक) सभी (सभी) अर (अवंगरी) याद (याद ) दिन्देश (ट्रिंग डामायता) क्षा ( क्षिक मार ) व्या मा मार ( क्षिक प्राप्त ) व्याभन्न कर्यत , [वनर्]) यादि (यदि) छमा ( १ रेर में मार्ड ) सस ( ल्यान ) ( ( व विसामा: (गमाविक विमाममपूर) मिश्र कृत्र भूः (मिर्विष् अस्म न रस ), जम्म (जारम र्ने सिर्म पर्म मर्म न (वसर अवंत सहार अंतर्व ) के अत्रेप् क् ७, वन द्वि [७]) र अ ट्राय (र अ १४ विर)

कार्यन ( देशक्त नह के की कि में हिंदेन ( charg EN 180 Ca 18 20 E Maison o Dag Marin धानीत छुत्ववहिष्य विहिनी ह (एका वाक र्क व हिए देशायन विहिन मकारि अवस्मान कन्नाए ( X1 X 4 SH) 4 X11 > 5811 ) ( कटले असा ( ट्यायान अभी जी नामा ) म ( मिन्हमंत्र ) ं जून भी- अकालार ( जून भी व निक हे रूरेट ) भार (mmi) 2 ( 2 2 3 8 m m so ( 2 1 8 0 - 3 1 3) धन्माद्वार ( केट्र ] ) याचे (अट्य ) टेम कार्बिए B (टेलकापन अल्डि विलितन कथा) तिलाका (अवरे कारियां) न अभाषि (अभारत ज्यामिर्यत्रमा) ; उठ: (रिडिंडिंडे) रेठ: किल (निष्णात दरेट ) कर व्यक्त मद्या (क्य मार्थमा ) सस (व्यास्त्र ) अर्थि (बार्बर) वित्यार (का अत कार्यमा) जार (ठाराटक) रेर (नामार्य) व्यायतम् ( त्ये मां व्याम् ) 1125 611 र्रीत्रो सामु एकं। (क मामु दक्ष ; ) च्या मामा : (च्या माम निकटे ) यार्ची मार् (भार्व वर्ग वर्ग्य वर्गान) 

दिल्गीकी लाबकार (चर् हि। वस एका) व्यक्ति (इतेन कार्यमा) क्रमार् (जात्रा रक्) अने म- विकलार (स्प्रेशिक्षण [क्ष्रे]) हैक मा कार्येया ह ल्याम् नारं किंह ) ह ६ (वेश ) सर्था (ल्यासर सक्त मुभार्व ) मामिडार् ष्रुवं में (मामिजारक न्धितं (सर्वे कार्य )।। 25011 ) रेट्यो ( लामे रेट्य ; [ वेंशि ] ) नक्यर अभी ( ट्या प्रेष्ट अभीत्क) ट्यानिमकात (ट्याहान्त्रेटिमटान पिटक अ(म) म्हासम (क्षामिम पाउ); कार्यह ((कार) यस (यस) धार् (कासारक) का व कु है (का अवप् कार्वशक क्षेत्र ) लामाल ( [ मार् न मिल ] लास, ित्य इरेटलं ] ) धर्म (सरे मभी) भया (त्रम ) ७० मवावटतं (वाद्राक स्रावप् क (द) 11 > 2911 ट्या दी भ्रम् क्षाप्त (ट्या दी श्री कियं मटा) स्थाप में भ्रम् पड़ाई एकाई (जवनं ट्याप में हर्दे ने सम्हार् (अंग्याम यात) ! (१४ (ग्रह ) द्याका क्षेत्री अ

( दुलका क्रमा) क्षेत्र (क्षात्र सभी ) में : क्षानाष्ट्र (मंडडान जार्षक लाएम) अस तका (अ त्तर) डार्ड (बादारक ) मक्तिते (बक्ष पर कार्य) ॥ 250 H ) शिश्वः ([लमडन] मीरक) केंद्र (मामर बहुं ट े (रमाडापूर धर्म प्रकेम कि) अक्र स्मा कल मम-मुखिए (भक्र वस्ताकत्म व पिरक मिथिक पृथि) रीक्ष्र (टमार्थमा) कुलाइ आर (कुलाएक कामात्म म),-( क्रिये ) असटमाः ( वर्ष कमसी मुक्त म्रोटिम) कार्यः (अयमसंद्रताका द्रियाव) त्रवं संवत् (डेमन भूकिन) 11 22211 DO बरे: थार ([जयत] अर्थ्यमेस वातिरतात. क्रिंट्स ( (र्थ मत्यां) लयमे (चयु र्वे क्षामावा) त्य क्षिक्षित्यावं अटमाल म हरू शिहा प्र ( ( क्रांच ) धार ( arunand) त्मिश्रेष तम्भ्रिष ) त्मानूभ : ( व्यास्त्रिकेट छ ) गम्म सन अह ं (इक्टर में से स ) मार्म (त्ताक्ष म कार्यमें) क्रमात्री (मार्ब्स इर्नि)।। २००॥ कि वमं ( िलप्रसेव ] रेसा ) वक्ष वक्ष ( र्रायुक्त म्हाप -हिट्म ) तियूर्य तमाः अत्याः र्या प्रेमि के वियो प्रानियूर्ग

समीत्क) मार्कटमाः (रस्ते न कार्ता) क्रकः व्यव (यारे का ) जिले सुन्त्रात्र कि अप : (आ का मार् लाजत क्रिक देशि प्रिक्त भवक ) क्रिकाम्ब : व्यक्ति (देदकार्य हिंख ध्यम् त कर्न्ट नामित्यम्) ॥ ३७० ॥ ि । अवस्य मुनी (अभू न क्यत भूजी) भा (खीं गर्का) र भावत कामाहि (त्म मर्गेड मा क्यामित्मम) वायर (जिल्ला में) मः (वीक्ष) अमिन भाष्मा छीतः व्याच (महादक: अक ममरसद मार आही तुमात्र) लाम सिर्म: (दिस री के दर्मा) कर ने दिलान पर (अभुकामारक व त्य ) मैशमक व तित (यक मैश धरम कवियादितम), रह (वर्रम!) ७९ (वर्षम) हिन्द्र (बिहिन मत्र); वि (प्यत्र ) अमिनि (अम्मी ग्राष्ट्र काष्ट्र) त्यम दालाई (त्याम कारप्त) इत्र (चर्या) (एका (क्रास्त्र) अंडला (माडाविकरे ररेण भारक)॥ ३७२॥ की किएमें लिया विस्ति स वैस-चीक स त्मरार त (यात्रा की एक का प्रामिति ट्रिया वं यह मंद्र स्ट्रिय क्रिया कि क्रिया के स्ट्रिय क्रिया के स्ट्रिय क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् ररेण (ह), जीवणं राय पात्रक् किरा पि एक

Marie als a Consultation of the more of the way a series of the more of the series of इर्यार्ट [नवर]) जीवमामा के हें-वरंखी कित्र मार्थ के प्रमा इस मारह) ' प्रमान स्थापार्मित । किया का मार्थ का मार्थ के प्रमान काता हिलाविक भी मामुग्रीमामक रमने कातान णहर्ण ) = भूराद्र-ती तायमः ( सूर्याद्र-ती नाष्ट्रक) वयः (वरे) महाभः भर्मः (महमभर्म) भ्रेष् मिर्मा (मभारमक्ष मधास रवेस)। ए।। अविश्वीस्परम्यायकि सहरक्षेत्र क्रिश्चित क्रिश्चित्रामार्ग इंटिशक्ष १५०० सम् क्षेत्र १६०० में १५०० सम् क्षेत्र १६०० में १५०० सम्बद्ध स 020 लक्षम धम् ) भक्तारक अत्मामा अरक्षातिष- विविध-विकासादि ह्या अमूरको अहे वि क्षेत्र के के के प्रतिक स्थितिक गामा के कि का न वामोलाव के कुर के का स्थित काल कर सहक कर न) " हो अंक्रमेशि सिमिय मिसिये निर्मार काल कर का प्राथमित के के कि कि का का का कि कि के का कि कि कि कि कि कि कि कि भावमानः मानिकातानि-मर्भाष्ठ ला खिर् (भाराना काम भाग-कारम नामिकारि-मामिकार्य नामिमामाम मूभ वार्ष करवत), दलताव्यास्त्राच-व्यक्तिच-व्यक्तिमानाक-व्कानितीटली (जनप्राया द्याता द्यारते, वनवित्रात्, का तारकार वर्मात्वन भूमा कि हार्ने मात क मूर्य व्यापि प्रियामक मेक चिवड़ ) आड्डियम देश टमक साट्या भीयान विवश्य करंडर) अडिक्ष (स्थाना सनमान ( अविकार वर्ग अविषर कारा एवं त्या मार्ग निय के कार्य (हर े [लाह मुक्राय]) नेत्राके किय (स्थायक कार्य) भारता (की न कर्ने)।। >।।
आय अव (के क्रिक्त निक्त मूर्र ) (भारमान्त्र में माने माने स ( जीक्का करंग्यी की वाका)। मिन सम त्यार मुके: ( जिम्लाम मानीविश्वतम् अधूर्यक्) विकासिरमः (निक्रेराज्यम्यम्याना) म्ममप (नककात्न) म्यक्

में अर्थ ( में अर्थ में अर्थ हार्ब ) लार्षेषु । हुता ( । हुताद्य लार्षेषु हरेमा ) अर का है मं ही र (मिलान आहे या मार्मेसी) विकामिकार क्रीनिमात्रात्न) व्यवद् (निस् भ) वानिमाहित्तन)। रा ्र किरात्र (द्य प्राम !) टर्मा कर्म मूल- प्रमू छ मे- न म मन- हिंडा डि-यर सारकः (गिति टमेन्दर्स अमृष्मामदान जन्मे-प्राचाका ननगामाने । हिडक्स सर्वाक प्राचित कर्यत ), कर्नरताची-अन्तर्भ झाड्ड-यहनः (अँग्राम् अस्त्रिशम-मि। अ७ व्योग् वाकाताभ कर्मभूभता ध्रामक पान कत्न), त्कारी क्यो जा कंक: (यात्रान ध्यं प्रभूत त्कारि हत्र व्यामका मुन्तिका), ट्राम्बद्धाम् प्रश्वाम्ब क्यर- भी में सरे त्राधित हैं । (ग्राया में में स्मिरें के बेसपीत लिई स्थानं त्माने लगमें दिवं स्थार हानं प्रमेल्यिक अग्रिक करते), मः (जान्न) की त्यारम् मूणः (धी बुला क्ष नक्षत ) समार (बम मूर्वक ) (भ (जाभान) मकाल्याम (मक दाल्यात ) कबाद (काक्ष्र) करिए (इस ) ॥ ७॥ श प्रामी ((र प्रामी!) नवासुम्तप्रमाणि: (काधीन त्रीतं विक्रियम् काम् दीछिलाती), त्रवाएं-ग्राजाध्यः (भाराय वसन क्षा मय कामभान

विद्य एवं नाम बानायन), माहिन मून्ती भू व्यान पत-ह अरतन : रिल्वर्कातीत निर्धत मन्धिएस लामे (भाषान अभूभ (धून्नीर्माडिं), प्रभून्त्र छ्रामेणः (भिने मर्में में कि विहास्त किंदी) में स्मानं मान महः (अम प्रकृषिका मार्यक की छि- विभाविष ), मर् भि मन्तरमाद्य : मिर्मित ट्यायन ) ट्या (धारमाम्) ट्यायम् शः (यम्मम्मालक क्रिकालका) विसाद (वस्त कार्ड व्यम) ॥ 8॥ ( भाभी (क भाभी!) नमका न मीनियन : (माँतान अप मर्कत व्याचित्र क्षित्र काम मधीत् ), अवने कि मप-मप-त्रिक्किट: (मारान् धमकान् कारि कर्ममात्मन धाकरक), अमर्ग व्यम् हका अन् अपार्य डक्ट्रा किकः (पेंग्रा न बाक्रममूत्र अर्थाठ विकिन्यम् अर् जारूम अर्थ-ट्याचक लगममूत्र लावताम-बहुमें में हरा धकन-असूत्र शाना विक हिं ), ब्राधिक-वक्षाकेता-क्रम्-रात्र-वर्भी कल: ( [ववर्] मात्रात्र मून्नीन धनार भर्व कार्न लक्षी अपृति इ ववाक्षेत्राम् ते नु हिन्दी-(भारत), त्रः (टमर्के के सिमन टमायतः) र्ममन टमायतः) CH (कामाम ) कर्न म्यूटार (कर्म म्याल में क्रिकाका) उत्मार्ड (वर्धन करिए (रेन)। ए।

अ रेशमाधिरवळ अधियात्मात् केन्द्राम्यः (त्रात्र में अपूर्णेने म्ठाइतिका अभः (भिनिकर्ष्युक अभासक विद्वान कर्नेन), व्यक्त न कला राष्ट्र - श्रूमाक्ष - हिर्हि : ([नवर] । धानि भीम करण मंगम कर्न हेडम हल न ड क्रम मिरिए भीम करन सम्में कर्न ने अस्ति क्रिक्त स्थापन : क्षित्र प्राथम ) एक (त्यामक) मामान्त्रमण् (मामकाव (ध्राकास्का) कतावि (विष्ठायं करिएट्रम)॥७॥ प्रार्थ ((a अर्थ!) राहिसानि-क्यारिका-अव्वयाहि-वक्ष:-म्म : (म्नरावं धरमायवं वकः म्म र्तीमधानीवाहिज क आ (दे ने भाग स्विष्ठ ), स्रावाद जरूरी - घर:-क्रम्यम् का भारत् क्रिया व व्यक्ति व विक्रमा व व्यक्ति करवं), भूक्ष्ण शहिकत्मत्म व्यान - प्रिका अभीवानंक: ( चित्रे ] यात्राच असम्मिन्द्र हत्त , शक्तम , देवलम ■ व कर्ण्यं कारं में मी व प) मं सर्पर (मार्थ : अप्राक्षित ) विशाव किल्लिय ) व अ: अर्थ (ब(अव

अर्पनं क्रां के क्रां के क्रां के क्रां के क्रिक्र के क्रां के क् नडा एक ता तव : (मात्राव हे कि एक लिल मार्च मूर्वि. हर्षिण: (चिवर् ] । भी के परिवालिका-मूप्त-वीरिका-मनीव कि बीरिका क्येंने करवन ), म: (अरे अपन-(सर्व : (बदन (सर्व ) ट्रा (धरसर्व ) किया मृदाः ( व प्र मान सिन्मा ) जता जि ( विष्ठा व कान ( रहरी) ॥ ७॥ तो अर (अण्डम् ) अन जूनप्री (व्यापनीव त्याविका ठे प्रयुक्ति खार अलाई (CMई प्रकास) लामकाई (लामुमा) नामिका कराएक (लामिका व कर्कमान ) छ आ वनी १ (उद्भामाना किरें) भक्षकती यूगर् ह (हम्बर मूश्र. वयं ) वित्यप्रेडी (अमर्वने मूर्विण (इके-हिए ) समस् र्खर् (समन मृखा छ ) आभर्म (वर्वन काय त्यत )। गे। क्षे [यमस्य ] मानिन (क्षेत्रामिन ) यूद्र (क्षीनियरकारः) किन्मका: (किन्मकी भीनाक्षक ) व्यवसाः (कर्न-यू मल ) राविमणे मध्य (मोर ७१० ( वीक् यम न

प्रवासी दिल महाविक त्यों वे जना नि [ ] के कार (मन्त. समं ) वाबवरंत्रक संगुरं ( ( किन मिष्टि के कार्योग्ने िक्ट ] अपि (वक्ष: म्हत्ने ) जिस् ए क्षा अक्षर्याल (जारूम उक्षाधाता) पर्ट (अनारे सा दिता ) 11 3011 77 वरा (तक्ष्म) में य य द्वार प्रता ( का में प्रें से से प्रिया !! [क्रा गंता]) वटक म्वः ( हक्ष्यीत् मुण्ये व हक्ष माणान सर्भार्क क्रा मं सर्भा के रेव ( की कारक वार्थ. कर कार्य रे कार ) व्या हम (व्या कर करने मां) क क्षो क्रमा (अरमक क्षयू उत्। [अवर]) करे कि छात्रं. यहि: (मुद्रासं त्यामाकिया इत्रेमा) मह श्रुद्रिका पान ( मर्म किल् केर्रेक महिल् कर्मीर (स्कु का अवसम्र मन्द्रिंगिटि (स म ) ॥ प्रमा १) [अम्ड इ ] मा (लिमे) भिव्षा- मामला- मूक्श द्रायां नीहि: स्वास्त्र (अवंग वासवा व में अर्थे हें के में ये ये या प्रमाप् कर्य सत्यात्वा डम्मा) माध (मामिक्सी) व अंगिदी: (विंध-कार्ति) यथी: श्रीपालिका सहित अभी मने (क) छ कंडा ( छ की अदकार में) भारति द्रा म (अविशास कार्ने एक आगुलिय में)। ४२।। 20 SELLANY: ( (50 513 4 ) 15 2 20 ( OLY

v Grances रिटाश्रमां देळा मां। एत ) यर कि मां लयं (लामान मेर् ल्या का के व था ) दे लिट म महा (ल्य मार्मा) दिल कार कार्य कार कार कार कार कार कार कार कार बाउन लक्ष में मार्थिय क्षेत्र का प्रायम ) के क्षेत्रा कं म अलाव ( रेक भाव-में अरक लाभाव रवं - रेक से ल अन्त बकुटक प्रभीत कत्र )॥ >७॥ े8 हळावती- अभी-वादी-भाठिषता (हळावती व अभी रमबासमा बाबी अर्भाव मक्षत्र माउठ) क्कमामितः (क्ककम मडमाउलंग) प्रमूक्ली भेतिक अरवंत कि ) आश्रीयार ब : ( त्वामा एवं भारे राश्चिमी व्यक्ति दर्मिन भिन्नी काली मा नामिनी मार्तन ) व्यक्: विर्वयः (यव कवा छे।हेव)॥>८॥ क्षि में मा छ द्व: (में मा खिव भन् ) उपार (उपार) या प्रकार (त्यात्र कार्य कत्वत्रता) द्र धाविष्ठा वार (विष्ठाव ता कविया) कृष्य कार्य (कार कार्य कार्र तार छारा) अमर्थकर् ( सिक्षेत्र दम ) वि (त्राट्य ) मे क्रिकेट (मैक्स्मिप्) श्राविद्यार कृष्ट् (विद्यां कार्नेग यात्रा कत्वत्र, जात्राते) यार्षक (यास अवतंत क्षेत्र (यर मधीया त्व (my 22 ) 11 > 011

१० प्राम्क कार-श्रिमिक राम्यान) में त्रिक सकार मर ( िलासान ] नरं बाकर मठाई (म, ) ठानं : सक्रिम : व ( अक्क प्रदेशियात भवत करने मारे ) १ किंड (अवंड) टेलकामिड: श्रीण: (टेलका अड्डिंग वे डांशास वर्षन कार्ने में हिमारह) : वर (सिहिट) मान (सिक्रि अस्ति करात माचा ) साम प्राम तंत्र नाम -511为 2 当多新的 > P 11 28 mm (order ) your ( young = saige ) Egyptord-क्रिक क्षम्भात्मादकालिका-काक्रमाह्य (अक्ष-मिन्न लामारेड दुर्सकार कार्केमाहता ड्रंस (द्रें के काम कार्या) द्रें विद्या के के कि के कि कि कार्या कि कार्या (क्रिक ) विद्या (क्रिक ) कार्निमा हि (यत्र) ॥ २१॥ अने ट्रिंस (काआन ) नमाना (न न पिनी) विटिश्व में (विटिश्व. लक्ष मम्म ) र आद्यः (आद्य) लाद्य कर्षः (लाद्यमं करें बढाव ) विवाहार (आछडी) आ आमें (विदियात) क्रिन (क्रिन अकृषि); मधा अक्षि- विश्वमा: ह (अभा अख्ि अक्र अक्ष ) वसवात् (अवस) ; धारि (दिवास) अर्व वन (त्रध्य वन ) अक्षेत्रक्तिः

( टाम्य व अप यसीर कर्य. ) भास्त ( पार् में प् ![mi]) कुक: (बीकुक ) प्रामिति: वृष: (मप्रवंशन कृष लान् मु न्यिमार्टन ; [जिन्म]) विभूमय्त (वर् विभू भेड़ीन १ रेट (नरे पिया डाल ) क थए लड़ा: डावर (उर्भव मालि कि सकी साम वर्द्य के रिक्टन 79) रेडिए: (मैं हाम) कला) टल (लासाब लक्ष) लारे (परा) १८व: निक्षाय : मनं : (मिरिष्य नीकृष्कि मने ) पूर्व : ( पूर्व ) र्राड धावन विम : उना : ( अरे काल जंगान हिड की कूल रहे (ल ) लड़ा लक ता नाणि: धामी ( अ प्रक्रमान देमार्ष 2文な )11コカリ ) [जारा करेक अने के त्र कार्य (कार शकि के) देखे ( तर् म्यारिक निर्मि ( तार्य म न्ये ) अ: म्यहः ब्रूनड: (ब्रद्भादे ज्यामारम भादेख); विम-अभेवत्ते ( [ न पिष्क] जिनेवित्व अभे भेष्टक सरम ) निल बास कुटिन के छुला- नम् न ( श्रीया के व निक् राध छत , हेक , माय करें तम्म ७) व्या (भवन) प्रकर (उक्ष्मक्षित्रेयन्ति) मन्द्रेयंदि न्न्यूष्ट इंदि प्यूप्ट ) 1501

भा कार्य कर मर्थ प्रथा का टक्षा पर्ने प्रतास के प्रतास कर प्रतास की प्रतास धकंत मूहक तकलीमाय कारिक इबेडाव कार्ने सूरीप शरेलाड) २ देवा हे अने म् विमन गाम सामना नी विका रिका क्रिक्त कार कार कार कि कि (अठा विक अने प्रार्ट् छिम्छरमन् अभेलार्डन् जात्रसावनाम् मग्राहेखा रहेमा) भावन्त्रमाति विस्ति क्रिक्सिन क्रिक्ट कार्य मार्ट र ) कार्य कार्ट अवस्ति क्रिक्सिन हो क्रिक्ट र ) कार्य कार्ट (क्षेत्रकारक) ध्वामनार् प्रम्म (त्रभूगत ध्वामेरक टिमार्श्व (अस ) 11 र रा ) अन्या ([क्लिका] अभावा ) अर्थ क्षात्रकार (त्रव कार्यकारक) याग्रेसरम् पिण्ट् बीका (मिल्ड् । विसर त्यु महरे। टिनाम् भी किएमं-रामेल लार्तः (अर्थमम निक्क कर्ष) त्याने जार प्रमाता (त्याने जा प्रत कार्यमा) अवने-उदिए विविध जाय का कू मा कामि (विविध जातन हिम्द्र का कुला इसे लाख) आमा (इंप्राष्ट्र) शार्षा-अयमे कू के पि का कि अध्याति में कि कि के -युका रूर्य मा ) बडाकण: (इस प्रश्नलाय ) जार (छात्रारक) धामुख्य (जिकामा काइलाम )॥ २२॥

क्षित्र व्यक्त व्यक्त क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र हैं [ ड्रक्ट में ] र्रे क्षित्र प्रव ; (रिमायत हर (क); कममें ( विन्ने विने विम्निका): लयं के वर कि ही ([प्रकार ] साम् तत्रं प्रति नं 'लामाक्तं - मार्क क्षेत्र मा, जम्मे Com a त्यामार क्रिमा है (आक्ना) (डिक्न) (पानेपाडि) देवल विस्कार भाग ( अल् बिल्ड ट्लार्टन-क्लम्मलेड मानक) ट्याचन्द्र : हि अवव अस ट्यान दिन विकटि व्यक्षित् -क्रा टाके अहिएक मिक्टि ) प्रकं रे (शिमाहिल की है [डेडब्न]) किटमी क्रीकिंड: (क्रिशकड त्याम्याहि द्वाम ) हिन्ती क्यां के (क्रियम) आ की दू भी अ : वा की दू करें ( प्रार्थ व न्थी ने ट्यायवर्ष क्रीका थे.) 11 2011 )8] [डेलन् अभि! (दि आभि!) विकाशिव वयमा माक्षे-म् केरामि कृता ( विष हिल्मा छान अल्की विकामिछ बन-चालियां सत्वं अपने आकर्त् व त्यां के कार्ते में ्वीकृत्कन (लाडा मास्ने मत्तामार्य विकासिक वर. सरम्य हांचा ल्यं संवं वास्त्र क (कार्य क्रंग) विक ए जिस्ता अरी : (अयम मार्मी विकामिण जिस् भूर्भन

किटीयं मरमन् मतारहे सम्मन् वित्यमं तमाहा शास्ते-अवक) १ है, टकाकियानाम बद्धा ( विश्व मार्की क्रावितन म् यर् प तिमाद्य म् प्रतीया इरेमा , विकाय मार्थनी टकाकिल ने फार्स सर्वे अपता बंस्ती मा वर्ता) भू वा छ - खरा नार् ( भूवछी नारते न ) कार्प ( कि एक ) कार्य देली अम्डी (कामंडात्यम देली अमी अम्बार्ग) धार्वस्त्री (मार्ड वमर्डन, अर्थ न्यीक्टक ) विभागा शर्ष्ती (विभाग मार्जुनी) कू नाजी (अकाम मारे (एडि) 11281 ) । बार्म (दं अर्थ!) विविधिष्ठ कालका की तेन् (विभर्ड में अर्थ के उस कलिका ना कि हान भावेदारका, जिल्ले अवस्तित्री नामा-क्ष छ दक्षे प्रका [ रेकेड ] ) म भीता ए आ व्यक्ति ती ए ( प्रमास त्ये का स वृ कि का विती ), प्रार्थ वी पार् (अवस्त ) का वर्गामिव क्षा : रे वर्ग कावित एक असर्व इरेटन है। रहा ) अटबास्का ([ cura म् य अटका । मात्र मार्थे मार्थे परंदेय " [ कि कुक लाम-] । भीने । देवें जार्मा ९ त्या वर्षत्र अर्थ एक छे दर्भ क्षान्त्र करवत ), क्षा पूछा ये विकास का का वा मा ( दिए प-

अटमी मारा व मक्षा । वाब्र माठे वे द्या के कि के केर के हिं। समर् त्वन: ( जिस्म माम ने माजाने सद्या तान काम्य बर्मा-यर्द यार्गे भे प्रयंग स्थित रतं क्रिका विश्रमात्री भाराव त्वर् वा वर्ली क्वानिक रहेरक हो, विम्नीकालन म-खाल इन : ( दिल्लं अ क्षित्र के का कि का के विश्व के का की कि इंद्रां त्यर व विकास मान्य हम र वंत्र कार्यमा ८४४) का मुख्य की की किन्य माम ने माराव मादी के के कि कार की ज़ व क्यों निर्मा १२ या (१) , प्रक्रम प्रव की वर्षन कुडी ( किसमाना कार्य किस्त निर्मात कित्र मिनेटर मिनूरे अंभी निक मिन्न हमादिवान (भावासन र (वे र े [ हिन्ति क कर्म ] विति अकत में के अपने ही , लिया दिन के कर्त्र कार्यात कि प्रमानिक कि में में विवादमके: मूक् : (क प्रियमका में माराष दे तह मूर्य ्ति लक्षर आक्रमानेव विक लक्षर व व में हिला में भी ल (क' - (मार्चित्र दी वी) अभाव ( विन्त्रा वरन ] विवाक्ष कविल्यते। 2011

किल्ला (त्रांका) वर्षामं क्रीयर्भीयार (श्रम्भाव मान)-क्रिने स ल सर्व बार्क ) भारमात्र कर कार्क (भार कार्यम उराजाहिका रहेत्न छ ) कारहाद छ १ (जि म्याम मार्ग) मिट्ट ट्याटंट (मेम्म मुक्त मान माने माने माने लियमं (क्षामकावं मार्ड ) सर्वापर् लक्षां र (बाक्रामान क्रिक्ट का ने हैं क्रिक्ट का क्रिक्ट का मही (का क्रिक्ट ) क्रिक्ट का मही (का क्रिक्ट ) क्रिक्ट का मही (का क्रिक्ट ) Larna 12 al DE Lang Man - Jaid & John & किन् जिल्ल व्यात्वमा में के दि त्यारिक कि विकास कि विकास कि मार्ग १८ मं की की की की की की का के हैं। दूर गर्ग किस्त रे विस्माक कल प्रतार हिंद् छि ?? ्रिनेत्वम् कर्मा ट्राम् त्मन हम समी विकास मार्क िर्मित के के के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के का के का कर का कर का किया ( ट्राक्टा व कार्षिक मान कम भी मा वाय रहेट [MAGNEY 1516-] MAN & MER ) ELMIBOGH; (MNSIN) ] ल्ला (कल्ल्) समागु (प्रमण-सम्भय) दे ललंड

(ट्लाक्स कला) प्रकासितः, (लाम रीप) है सं १ वस-न्रं? (क्य ल्या अम् करे) है जिटमे विश्वासिक: यसि वि अस्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का का ने का व देव के (ज्यारिया १८ यन के अभक्तारानं अन्ति के के के दे के एडू त्यार्ववणाणः ) सम्राधी मम्कः (मिल्लिकिक् व वमह-काल अध्यक्षिमानी देवेग ) ७० वार्व (कें) द्वारात्क भीड़ार्कात कार्डिट्र 112211 ०० राट्रमाट: (कल्ल) दुम: (म्यान) लाद: र्व (मान-अस्टार नाम ) क्यूटिं : ( भूक्ष नामिशना ) हे भारे ( देश हिन किए ] ) कार्य- विक- वत्रहामित्रभूथ : (अधन, तमाकित ७ अनम् मामूक्ष) भाषा है: (अप्रस्वर्श्व वाका ) अप्रद्वार (हर्बाहरू) अभाव तर व्यत कुष्टा (क्षेत्र वृत्व कविया ) रेट (इकारत ) द्वर्ष्ट्रा. वर्गः (कामन के ह महीकार्य के व्यव (प) के कर मा के व है (कारका कार्ना का विकार) मः वि (ि प्रप्राम् ] निकृष् ) वार्षः मारीकिनाः रेव (वार्षः मिष् (सरावं नार्य ) हव (खायावं ) अयं (अयं ) ्रिश्च मार्श ( साम्या कार्य ८० ( द्र में कार्या है में का कारण कार्य विस्त कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य है। विशा

कि हिंति ] न अक्र के वंक्ष्य के (या या का प्र का तातं वंक्षाका की [ अश्र अस्त ि ] ) देववदात्र (देवत्व अलात) जव अलेनि. वाय-जानते (राम्ने विस्त (यक्मान लामान विस्तत-हा मारे कार् कार्य ने स्मार ) म क्ष (हे लाहिए (मक्स हि निमम) अन् (अम्प्रि) वान्ष्र (प्रवन ) जारि (डेकान रते) : 4 (१६ (कार्या) के बले वा (के बले वा किकार्य M12 (4] )11 0511 ित्र क्षित्र रिष्टि । विति ] ) विदेश के की विश्व विश्व विश्व ( (जाआ न अमरेण मिलिण ररेमा विवास कर्तम) , जमा (अश्मित्रविट्टिनि) अपन (आदम: (अपन एमादम काल [आर्राहिक इ'र]) । अराम (अरा स्थाप [किरी]) विन्द्राशः धार्म (विन्द्राश्तर द्रेल ७) श्रम् (अयुर्दे) अपन (अपरिष : (अपरित् अडार्ने आपरिषरे 2'7 )110211 क्रिका । रावे: ([अका ] त्रत्र क्रीक्क) वृष्या न्नाकन्न : (अर् दिल दिल सम् प्राष्ट्रिक ), रू दूर्म यव है: (स्थलमार्थं आहिए), रादि वसद्विन्द्रः (विषक्रामा हिल [यवर]) १२ (लामान प्रियत -विश्वतम् ) अक्षित्रात् विश्वि (नाताक्र अक्षत्रम् छः

इर्या ) वर कमार्बस्म ( कामान्दे कमा नामाज वान (७) भून : कार्म (वीन्छ म (१०) क्राज्य-करम-पूलाका मिण्डिण: (मिक्रें न कल त्यंत्र बीड़ ता रिर्वर्ष डासंद्रिया ) छ अभिर्म वी भ- भिक भेर अभि (ति शर्यं छ अपि उ क्यारित मुल्या मुल्यानिष ) क् (अ (क् अ वर्षड) नियमा (ध्यम्भान कार्ने २०८२न)॥ ७७॥ 改成(公知后) 本在出去五百十一 08 आसि। (र मार्व!) मबीम-ब्रुव ५- पूर्विः (मिने मबीम सीमिष्ट न नाम भी आती ) , वनक भी ज-अद्भाश्व विदे वसने श्रिवतिव नाम भीछ-वर्ग रिक्रिका का का किया । (। यार्ग प्रक्षाकृष्ठि देख्या -क लयहां वि ) मूर्य हाक हिंगा कि हैं स्माराय बि विषय बिस्त के के म- विति के सम्म स्वर्धानकर्तः हिंद्र में कि से मार्म मार्गि अपूर्त कराल म प्रमा कर्म कर्म कर्म भूग्यका- प्रात्म) का म ई किनी प्रवर्ग भूगिका व प्रात्में -कारी चिर्ट्र) । लिया के कि ट्रम यह : (या प्राव िल्य सर्वे अप्रिक्ट ने एक निक्ता ) डांडे: (अविक ) के डि ( अलाह ] के अवादी ) के वाह ( A) 10 0 11 0 8 11

भी होते: (बीक्क) अभागक्ते-सरम्णाक्त-वित्रमप्-त्नेन्द्री भागः मूल्वान्तिक उत्रं छाले वित्रुक कर् अलावक (म (मताकृष्ट किट्टीक्न तरा स् जीमसू का विमामनी म त्रोक्ष के क मनानित प्रकारण नावरोक्त छेत्रण छव्यं गाति व मार्थ विवाध-यात कल्य हायक्त व्रात्त वाटाहरन ) जीवन्ती सिनि-अक्षां द्रांश्व - अवर - त्यासाक - एवर्षे पृथितात्र) A Sent de Francis ( दल्ली कार्यक्रांट्य हे जाय- अठमलीया द्वारीशियों कि रनेत व किन्य व विषय के विषय के विषय के विषय (मन् ) मिश्रकारंग काल (मिश्रक्ति कार्ने मा उ किएक) श्रिक्ति कि रे की गिर् (का मान म (यन मिक) देशका ( देदकरी प्रियका त् मृथिया कर्म्य दाक्यार्ट्स )।। ७०॥ ON नानमूर्य (१ ६ छन्ने ! [ हामे ] ) मूरिकाम (नक्राविक्र) नवणकानिममूर्त (नवटामेननमानी),प्रमुक (कृकापून [ केट्] ) ववरवल ( डेउम तमकी वी ) अम्मिन वकाडिनि (९० लीक (क) मार् (मीमं) मेंद्र एको क्षा अं ( अने म-र्वनकी), नवा काक्र नक्षी (नवट्योवन टम्महा), वाकि कार विकार विकास किटी) त्वल क्षीक्ष कार्य.

(त्यल ७ भी) असली (असली मूर्वक) अध्याम (ित्रमंटन ] समय कन )॥ ००॥ भ कार्या (ट मिने याम । ) [ विति ] ) के वर् (व्यवस्त्र) (कारमार हा दे (क्षिम व दि दुरे। दे ) के क्या दे दं (विभानिणाहिं ), प्राम्माउ ् (कन्म भी हिं )2 मेहाउ। डे साड्ड का का माड द (में मिल रे का के का का का का [क्ट्रेट] विमान्य (कामन्द्रे नकान कर्)। ७१। अो [अत्रत् अ नामा ] रे वि मश्री वहता मृठ-भातल - अकरे - छात. हमाहिण-विख्या (मभी बीनिकी र खरे क्र वाकाम् प्र-लारीकारिए के मूम्प्रे डावममूर्माम प्रवास भावे बा छा इरेम ) आजिमा स्मूक्ण छ ए जा क्रां म्म अव व्यक्तिम् छेव्यूका-छ-छ एका-अनि विश्वनका निर्मात ) कुछ। विताधिष्ठ भार हा छि: व त्थि (कुछ भन्न उ विसत्य लग्न — अरे छेछम विषदमरे आछिताय कानील नानिस्त्र )॥ ७ ७ ॥ ार् ७०: क्षितहर ) भा (जीशका ) प्रग्रतिय (गमरास) तरा अव लायव-कॅल ब में। अभी संभाग्रानं केवत कांगाः ( वरकारम् अमामका स्वर निक्षतं मात्राव क्रिकी वैद्या-

4000

कार्त्री केंगणां ) कंड में स्था (इस् क्षिर्म (इस् क्षिर्म ) यार्ठ व्यम् ), भान्त्रः (भान्त्रियं) मार्वभाना नामिका ह (मामका व किम्प्या [नवर]) भावेक: ह सम्मार ) असम्मेर (मिन्सि) अर्थ (म्योग्याद्य) (१०० (म्योग्याद्य) अविवार्थ (टार्थिक क्रिवेस्न ) अव्यार (अनूनमन कार्नेमाहित्यन )॥ 80॥ 8) [तिक्षित्र] अप्रेसरव्ये (मिनेसम्) में कर्ना सक्रेये (ओक्रममुक्ते) क्षम्पर्गा (अत्याभक्तेन नामेजाहः ( जोश ना क्रकंत भाष (अवान देशक्रमे कार्म) मन्न. सरहबी छि: (धाषा जू माउन सरहबी बार्लव [करें]) मूर्य-अं एथान शहन : में हाल्यार (में मुर्वियां दुमक्र ने मिलि) पार्विका छा १ ह मूका (पार्मी मूलात व प्राविष विनिष रहेमा ) ७१९ (जी नाका न ) ध्रम्मान (ध्रम्मने काबेट्यम )॥ छ ?॥ 8) या ([लयह के ] क्यांचा ) उत्पार (उत् रर्दा)

विविश्व प्र (वादेश प्रमुधक) भूष: (प्रमु (भ) पार्व अपन-(कार यक प्रतिष्टि ) मार्केटो (मार्केनेडाला) हार्ष्ट्र (तीय क के- बेक्सीक), 18 क्षां विश् (बाक्र नेक्क), तक यर् (बिल्ली), स्मान सीर् (स्मानस्त्रक), प्रवर्मार् दिनु र् रेक्सि अवर्मा सिंह [७]) ब्राइट्ड (बक्रिस्क) प्रवर्म (टपार्श्वाक अगरेतान)॥ 8211 80 वाता ( अमन्त्र ] नीनार्या ) प्रवामि (प्राक्षवत् ) इथे-अहका वासीए ( समन्द्राने नान भाने त्यासी ), विकठ-अल्प ( अक्टिड अभाधार्वड ) उपड ज्ञायड (म्छात्व) प्रापित्र मूलत् (अक्षुत्र म्लामक) आत्माका (मलत कार्नमा), अहतम्मक भाजी-मार्थ विशं ९-म् ताय- श्रवसर्न-म्याविष्ठ- खंगाति खाक ( हक्का यानक-SI WE CHILLE O. PAN THE MENT STATES TO THE PARTY OF THE P हिट्यम ) ॥ छ छ ॥ 88 [ यरेक्टम जिति ] रेजिल्ड लक्ट्रका दुण ब्रम्म क्रा मेर् (म्रार्वाक काम छा सक्तेमम्राय प्राची राष्ट्र रर्व-यर्व ) विविधे क्रिमश्यान्यत्र प्राप्त विविधे क्रिक ( कि नगमा विशे मू ए शास्त्रा न्या मही केरा वर्षा)

स्रोम सरह बीतार टकामां : अम मार्जा (खरम सम्मी-अपूर्व स्वतं अविति विका इत्रेता ) सर सम्बद्धक मात्रा (सलसालमीर भाग क्रियाटिक) कारमान्यं wra (वदाव निकटि छेषामुछ इरेटाम) 118811 80 mm (लाक्षेत्र) मत्त्वा: (कार्कतं नम्मुकंत्रा प्रकार शक्ता, अर्था कुर्य- व प्रक्र तकी प्रमृती) उनकाकी (कसलाहना ) वेयु (स्वीना की) 四年前中国人民人的社会人民中日前五日一 भू त्रमंती (७ क्रमण का खिन हे९भूत डाव विश्वाप. पूर्वक ) अपकल - कलकारी - काकली - करो नापा (प्रमाण क्लाकिनान सर्वेत क्लानेन नाम क के किनी खकाल कारिया ) मर्क्रव-कला विश्वती-सक्तिन-छि छि। शि: (अभन ७ ६६ नी मत्ने में जिल्ला ७ हे ९ के के किया ने के किया में में किया ने मदकारन ) वनक्ष धनू (वन प्रति) विविधा ( अटबम करिलने) 118811 ( विश्वास्त न ना ( विति ) भूवं छ : ( सम्मार्गि ) ट्यकेमा (बिग्जम की कृत्कन) वभू: रेव (बीम्प्रिं नाम ), भू न माम्राया (णाळ्या सर् ( चिश्रिक न

शुक्तिला अन्य भूमार भागाधवरिगळ्यान , विस्माली न्या सम्मित्र वा वा निष्मां डेक्टबस ) म् जिनक-सीयूक् (स्मिप्टमने मून् किन क्ष्रिणाडिछ, ्रिक्टिन (अने प्रमान कि ने के कार क्या कि ) विभागार्थ न-टियार में टिया १६-ठाल विमंद ( किया निकास विभास उ पर्व न्या मक अ र ठ र व में ने की क्षिक किया अध्याहित हरे इसीर के विमादानी अमरे ि निक्र भाषा विसास अर्थाए छेत्र अर्थ पर्युत मुक के से (स्परमें से रामात्रिक, त्रम्त क्रमें के संस्थित हमाका प्रके वाया पर्वे वर कि किएं (किएमामा) ना भारकमार्खा है। नर्यन हमाक भूरिकार स्पामित । हार ने किया के अल्य ने अ अपि होता वितित ) भन्न रेव: मिक्स भीका ([डेड में मर्किस विविध म सुर्वाक्षिक ), काक्रमाविक्रभादिवानिष्ट् (क्रिकेट अ तम् के अ विकास में ने कि विकास मार्थ विकास मार्थ ] का कर रेअ. उ लागाम । या भाव , के मा लाग्न र के का था थि. दार्ग प्रेंक्साहिक) वामिक्र का से प्र (क्या तन

( [ ANT WIN ] RENGIA WIN LANGE BLANG & STANIO " [मिश्राम्प्रम न कथार क्रायु क्षेत्रक हम्म क्षेत्रक )" उन्मान् की व ना निष्ट ( किया मान ना निष्टि भारत ने उन्ना माना ना नि हार्न े [ किस्ति अटक ] उन्हान का नाति हरना विना कि ) भ on nx ight ar al and of ( The och - mug uma हा मा म क कर में वर मिल्य किए । मिन्न आड़ान जाए हैं पालक रिमेर्डिंड ला सने बसे ) विष्ट्राय-धातात्रवर ( अक्षिपाटक वर्मिकितिरक् सामाय्व, सिन्तिक ने वक्षात्त्र वान तर्म (ठळ वर्नीयराक क्षेत्र के क्ष्मिर विश्वानी नाम क्षाना करमाइन), कारित्र हैं। भी वरा-हिंदिए ( किया नाम ने मून छ-र्षेत्र के निर्मात का में में के प्राप्त के हम्मी लारिकास ), भूल्र माम्य-म्बार ( निर्मे लाम ने रिक्ट कल महायात्रात, चिम्मिल मा अपूत्र-मिन क्रिकेट पूर्म ), स्वरमः लगडाविनामास्य पर् meral [अवर]) प्रतिकेष ५ (प्रवेग्डी से अप) वनर् (वन पूछि) ज्ञामाप् (दर्भन करनेपार्श्वता) ॥ 809 89 ॥. 89 लय ([वरकात्र] रमद्र यदायं सत्तर ) मन मन बन्धन (दन त व अव पिटक) लाम्याः (व्राध्यवं ) प्रतेष ६ लाह ( रे प्रिक्र क्रीटि इंद्राहुन) 'द्रधीलाम्यर (वरमस्यम बस्द्र) लगादाः (न्त्री किटकनं) विकासमामाम् (वित्र वित्र वित्र व्यासन काम अव्यक्तिय ड इम्म ) सर्वेद काम्न ( डब्र सरम्य कार्युवेत ड) मनः : (७९ अभारते) सम्हः (स्पटमं व स्ट्येर) विश्व स्वट्याः (कल टल्वं) अस्कार्धता (अस्वंटल आंड्राव डर्मा) हिलम क्षित्र कार्य कार्य प्राणित ), जरह जलर है - भश्ये अद्भारम कराइ रंग्ये हिल मेर न वाहत कर्य 3000 Mars 3 3118 0-11 80 (६००० ] वन्त्राह: (यत्रीम) अवस्मर्वनीयुका (बिन्न स्वित्म - ट्राब्सिन म्या न भी नर्न - त्या के छन , ि करे बी बल्ली हें अत्या सिनी क्रम् का), वजाति तक्या मिना ( ब्रिशायलक - ज्या मीलाहिल मन अभिकान भागा द्या का , [ धरेबी मास्ट्रेड बबक्टमाडिड बबबार्सका - कृष्ट्राडिडा), विभागातिक करानं (बिंगवालरम-] विभाग मशीन अल्डि । ब्रिजिंग , िक्टेबी माल्ये । विभिन्ने माला प्रकारवर्ष हाग्रम् का), विक प्रसाद सम् ना ( विश्वापा अने डे १ करे

ELTLOSS. - विकास क्षेत्र [कर्मिकारम] हुमु व मुमाक मा )-(30 X H H B HOLD ( TO WILLIAM ) TO THE CHATE C यात्रा वेंचा . िल कुत्री अटक न करें ये या प्रक्रियों याक्ता), मर्वम्मिलटा विम्नाना वर्मे मर्वता क्रमाडिक [बरेबीमरक्र] अर्थताक वर्षात्मकत But and Andread To the Control of th शिक्षाक दिव व समाता , [करेबी अ ट्रान्ट्रिक व ्टमा जिल्ला दिन मार्न व कि श्रिकार दिल्य मार्था) मूर्यः - मूर्यमाल् निन क्रियाताला मूर्यः धर्मर किट्यक्र म मुक्क वयः मू वह त्रमेल्डिय्ता, िली नी कार्या न में मान मनं लिस्टि कार्ड मार्न्स ट्लाडानेका) वर्षाने द्वा वर्षः वर्षेत्र व्याचनेत्र वर्षा कार्य वर्षा कार्य कार कार्य का स्थाल्य देश ) अभिकाश रेश (की काश व लाग) म्या (म्मद्राधिमी). थरेबी (बन द्वित ) पर्ट्य (दर्भन कार्बिशादित्यत )। 80-001

( मीम भी क्रांचिता हिं (मिन्नी मार्च) मिन्नी हिं (म्मिन्नी) र्गामक्षाह: (म्टामब्रायप) ११-अम्बर्धि (१५ लाइकामान: (लादाक्षत्र कर्ति ) य: (द्रायनक) कमा क त नल्ड : (भारेत्वम त्वन) रे वा (भावं) मुद्ध : (ट्लाक्ट्र [छात्रेर म]) आहा: नहा: (श्रीकरहे स्मा यह मृत्य अवीत्र ने क्यार रामा है (इसे करण िया कार्नेट आटनेत्री (दे। कर। ( नाया ( अवाका) । प्रमम्पि ( श्रीमं 18 ( ) देवि ( पर्यंस अ ) या मेरामा (यर मां क्या रूपे मा) ध्वयाया (पाक्री जाता) बरह् धार् (यर स्टर्क) मृत्री हिं (मृत्री मारेक) विसम्बर् (विश्ववं क) केक्रमांवर (केक्रमां रीम निर्देश ] अखड (बामाडारम) कि किसीडि: (प्रमृतीमार्तन माइक [विश्वं वे वे ]) । आग्रिव वंद्र कप्रम (सम्बं वाकात्) धंगामामुर्जे क्या (श्राम्क मक्रमान व सर्वे पर्याण्याक) त्यालक: (त्या ) स्तिन-इत कार्ने मा किया कार्यी (माक्क र्रेसन) 110011 मा ( [ अन्तर्का ] छात्र ) अन्यामप-वक्ष मृत्र ( मूलापाल यू वर्ग वक्त ), भू मु मू वर्ग-स्था (अभू म कर्म स्थान प्रांत ) त्यास्वर (विसादिव किं) आभास-

प्राह्माभुपर (न्यामाएक प्राधित सर्वे बने के ) क्यामर (जमाय कुम ) असीका (दर्भन कार्नमा ) विहिदानिया [ a con a le constant de la contra con a la contra con a la contra con la contra contr क्रामल कृष्ण कार्य गारे निर्देश क वित्यम )। • 811 CO [ class out out ] CACAR-ENNI- " BI FERRENGENCHAN समा है असी व तरमात ) यह अत्य र्का (कर् - 2) हि. 12 ) NPBA : (1818 OND WIN I BU SJAI) POJ-W- RG (2) 1 43 - 24 4 31 ( 24 4 3 CA = MB ( 44 अहल विमाक-रित्य कार्य देवल कार्यमा ) रिति किन् कार (दिनिकेरक दानितान)। एए। ( चिंग्ने में दे हिंदी कार्स कारिका (क्यांस सामुरक ; ) दुर्द 「生花」(タン1 とう「中山のはり」を中 (生花)(Eumin とり) Mars and ( Way or - ) Zanch 2 18 and 2 43 000 रेपड बरडी (मिनिका-) रियमिन के रेर एर किश? ( जिल्लाका- विमारक हरा किया किया के का का करें रे ( किनिकी- डिट्रा वना काला कि नरमि ्रेक्।((प्रामा) वर्षातः) वर्षात (यम्पा) ल्य ८० ८०१ : ( या के बार के के के र ( उर ८०१ ) का में वृ

महेन् (ध्यूर्व म्ण, [जारा]) म विकनमार्भि (दामेलहमा कि मेरे में में में अभी काशी: कि में कि कि में मन मिर्मिय Eigh sigh our (s) ( Con (d) MA (MASA DE LOND ]) MY DOL TO DE DE LA MASO [ मभी मरे रक]) अवपर (बार्स त्म निम्मभा : (व (अभे अभीश्य ; [Carasi]) कात (अक्षि) अप्रिया: (कार्वेष्ट्र व कार्वेष्ट्रमा) क्रमत्मा: (नरे) मरेमरहेडा: (तर्वक ७ तर्वकी क्) मधीप (धारमा क्रास्क) यू भ मर महेत्र ( वक्का तीत मुण्ड) अमा ७ मू (प्रमीत मा) पृथ्वा ( विष्या:) राहेश (अक्क) तिव वाद मर्गा (श्रीम बहत-सर्व द्वाना) विद्यारिका (विद्यारिका ) आसी राम्याक्त (यर रामका एक) है यह (क्या मार्टिंग) श्व वली कुछ (मिला व बली छूछ। करने मा भिला बी केंद्र-प्रवास रिकास के का वा प्रवास में रिका में दिन के निर्देश निर्देश (कलारे महकी करा वाबेप्र कार्ने गार्टम)॥ ८५॥ (प) द्वार्वक-रिवित (विविधित कर्व स्मार्का (किटी) इसम् जा कि न् मृ जा मार्डिंग (कमरे त्रों का सम मृ राष्ट्र मानिभूते ) धमली (नरे रामिका) डरली: (खामा-प्रमाल ) अने में (कर (त्रत्रे अदिन में (क)) यहासर:

विश्वाष्ट् (अकामम् कवियाव) छेर्मका (कामक) र्ट (यर बाप के सार्क) मना (यर मा मार्डिट )। एक २० अन्मा क्यांत (कुटाम असिवन्त्राम : लाम (माटम प्रवृत्ये १रेटाउ ) अभागम कू वर्षे : (अग्रिट कू प्रमें ल्यार डाब्रेमीलानिम ) मः (यर मार्गारि वर्णार न्याक दिक मं के भावं के सहि ) स्मार (शुर्स) अप्त. यत्र हती ( अमार्ग्मी ) वर्ष्णमा ( वर्ष्णमा राष्ट्री कर्णाता. (अल्यव्या कार्या) इतिरोधिः (ध्याव्यविरोधारेत् प्रार्थ ) विश्वाव (विश्वव क विषय [ नवर]) भर् (धामारक) विताना काम (पात्रेमा छ) धम्कन, ([जारापिमल] मानेजाम कानिक्टिया) मन (तिकप्रे) अभंग: (अभं अडात्व) राबे. अठेठा ( अर्ट्रक में में कार्य) धात्रीत ( १ के कुक्तारवंव मार्ये) अर् त्रमल (अर्मामेव इते माट्ट)॥ ७०॥ अर्थ वि (कर्रा!) वाखाविकः ('वाखाविक'-मामक) कतानी (अकुटकन नवे असून हि) अप्राक्ती ए ए में कार समंदी ह पिक में पूर्व में में मिल से में में में भी है (क) सम्माम कार मीका कार्य (अमुल्य कार्यमांड) किनीह:

(अन ध्रमीयरोन्स्टि) निः अकुर् (निः अक्राहित) देन्न मार्जित्यारोही देन मार्जित्यारे किल्लिट); यक्रारवः (अश्रिकन्) मालंग (मर्मारिक्स छ:) रेश (रेशा मार्क ७) भारत १ त्री लाम (अनुकार ) मान्याम् । (मान्याम) व्याप क्रियम ) मान्याम । (मान्याम) प्राप्ताम । (मान्याम) । (म ्याक ((द्र याह ; ) विंग नव (बैंगिन ) भिष्माहन रेट्य (ग्रमं विकित्र रेकर ) अस्त : बनंड (लास्पर वं अक्टरेंचक) सलासर : केल: (अलायर कानुमार [नक्]) मठ (टमइ ८४० द [लामना]) लाभार (मक्षात) करें के वर्ट रें है। (करें कु. लूर म्डर-म्लाम ) जील: मा (महाधान माड कार्यमाभ)॥ ७२॥ अठ मूर्न व स्मारक ह (मूर्न का समा ) भन अली (रम डिनदा ) नामका लामाछ: व (लम नामाठ लामाछ. बदम ), जन (त्म विवटमंद्र) क्रम डाक्मर् (धनुकाम-मार् व ) हारि: (१६७) भिका (अर्थम) अक्रुशामा है भी (विभूममूट्रव धालक्ष कत्व )॥ ७०॥ All mus: ((x x my my; ) mines (my); & min ( किरमंग ] न्युके किं प्रकार ) व्यु ( प्रवे ) जिल (वरे) धाकु ७ मृष्ड ् (बिहिन मृत्व) न कमा) विमित्वप्रम : (तिरक्षत कार्व व) क्रियम (भारति) वितासी

[क्ल्रिम्] ७२ क्कालि मसूर भूका: (उं राक् की क्के मनंआ उनिय (मं छेर मूक्य मुक्ता) मका: (मकी सने) कि छ ।
हत छ । (कि छ दिला हाने एक हाने एक), रे थर हा विव मनं वक्ष मद्दे न्या वना (नाक नार (स्टॉक का स्म
धार्म (वक् मक्ते का विव क्के चला । विकाम छ नु का च दा व एमा उन्निय निर्दे ) क्का हु छ - प्रार्व नि व क् मूर्या भागा छ का कुना कुना र (की कु एक व विकि भार्म मूर्या -

भात्र कार्यकानं मित्रिक व्यक्तां विकाला [नवर्]) एसएमायात-प्रमीयुवाक ने का किलामा में किया हिल ने में या म कार्डिल ) मामा व का मू मार् (विविधिवाहि विकार) जार (जी ने वित्य में : (वित्य के किन देवराम कारेट ल्लामलार ।। ७७। 99 [अन्तर्केत ] मन (को नं की) सप्तवंत-वारिका था । विष्-कितिक्रूम न नम्भ सर्वी ( मिन्छम किन् किन् प्रदम -व्री-कारिका-नामक की ज़िक्सूय-काम तिवं अकी छाल) कु अ विक ना विम् र मार्विश (कु अ । ये व मूर्व मूर्य मूर्विन निक्रि ) अक्रमार (अक्रमार) त्रमू मार्म्ड (डेमार्म्ड १रेटन )11 ७ 9 11 ति [क्षित के ] करी (में मही चार्चा ) हाहुहारंप् (हाहुहारं) जार (त्रके मूर्चमूर्णिक) अने का (अने व मूर्वक) राजा अवि: (कृषा अवीर क्रेमा), दिन व! (दिर दिन!) ७ वर्म प्राचार. (आस्तान धात्यदर) टम (धामन) विविध-तमारिक-ल पा नारिय- मणं: धारा (मिरिट्म क्षेत्रप्रमारी इट्टर रिनरंसल ]) वसे ववं (स्थानंस ववं) भणार्ड (अल्मेस कार्ने (यत )॥ एए। २०) इनंड साल्या-में ने में भं बक्त समारता द में से सम्मा

िलयहन । शिम कालियान मस्त्रिक स्थन रे मू मूला. म्मात विभीम व्याच्या व्याप्त मात्र मुद्देन देवमू मा विद् क्षेत्रः (म्यसम् ) ता ( द्वाराक् ) मापुला (मिमा काहिया ) अशीष्ड: अत्र (अभीगरोन अधिक) जिलका ( [ज्या इरेट ] निसंग इरे त्मत )॥ ७०॥ do पालका कमा ([अंडि ] यात्रका ने लाटाला) न्यात्रेत्र में आ-त हा न मार् ए (की मूर्य मुलान हे अकन्ते ना मन प्रार्ट) भावे हार्वेटक (भावे हार्विका- इस ) जन्माधी दावीरिंड: ( देल बरादुकार्य लाक्ष क्राचीयराने स्पर्ट ) दच चर 9) । वि ( (प्रक्रात्में नार्टिन्से ) ॥ 9011 क्रिया (जवकारम ) कार्या (ज्योगिया ) भागे (भरमक) पिनि मिलि (प्रक्रम मिल्क्रे) मूझातः (अकुत्क्रम) जीमन नार (की अर्थ ररे ए ) विमन्छी १ (अमान्त्री), मुगमन-मान-अटिल नी वंग मार्स देव (कर्ति वा पुर पुरमार ना क्षेत्र नाम ) हेटिक: अविद्यानी (अरम त्रीव्यवार) अम्बर (का मित्र कार्यमा ) देशाहक : (mon à दुमला ड्यंग ) यलार (जिल्लामार्य) हैं से व्यव ( व्यवीव मार्ग) उस् धार (क्षीकृत्कन काडिम्ट्र ) दे द्वारिक : क्षारीप (छाड़िया अपरेट रेक्टा कार्य (यत )॥ १८॥

वि रकः ( [नारक] न्युक्क ) अक्सार (अक्सार) लामार ( विकर्द में ) विलय- वसमेर साममें हीर ( वसमार देने वार्ने कानी के कान्यी गंका मुल-लाने माना ना की मी ० [ [ ] & & ely 1 30 will the con is a factor ल ना चर्नितक कारम ) कर हा जर्मी मू न र्मी - टमोन्डाव्या-रे त्यास्त्य कार क्रिक्ष कार टरें के आ प्रंत्री व एए के ह-केल माप्त्र कर्वा वं क्षार ) मित्र स्प्रश्वामान (मार्म् विद्या भारे भेर हात का मार्म में के ने मक-वारितः (अकालं प्रक. कार्ड वरेगा) इंगवर (चलरवंद कार्य) (कार्याटक: कासीर ([वराहमात्र] रिक्ष्मिति हो से मार्ड क ये व्यक्त वर्ड (स्प्र) 11 व र 1, १० २ विभी (बीक्षे ) भावेसमासिममा ([बीवादीय परवंत] (यो व् धार्व्य करिया ) यस् धार् (वर्ष्ट्र) खिलिल (समामला) माम्लाई (आने सार्क (किस्पूर्त)) प्रवीय भी ( पून्वार्जिनी ) ब्राश्चा (ब्राल कार्न्य) णार (डाम्माक) आत्मकू (ज्यामियान कर्म) मयुर्मुकन (छिर्मूक श्रेम) क्या (क्याक) अदिवा ([७५ डिम्ट्र ] ट्यम् न नाम्त्र )॥१७॥ 08 लम (लाईकां ) या भेदा (मार्थाया) के (अ (के अपत्रे))

इक्षर्भ मा (क्ष्म मान जीकू एक के) ममानाइ काम (मंबें-यायक लवत ) मासा ( देनार्येल डंड्रोंग ) में के: (मनीत लाटम ने स्याह-कर्न हिंदे (गुरबन अध्ययादा क्रान कर ने ( त्याकेका कि ) मिलिक से बं : सिप्तकार (समी महारम. प्रभागका ) कृत्या । वि (कृत्या क ) वृत्वि स्वी ( स्विधवी ) या की के। त्रित्र देव (क्रीम कि के कि के नाम ) ददन (मन्द्रकार त्यार )॥ 98 ॥ वटा [क्याना क्या कार्य (क्या (मरी क) कट्टिंग (क्या निवादी तक) क् एका ७० महन् (की क्रक कर्न भू वि कर् प्रेमे काम रायक किटा) ० एम् ममं- मक्षामिक छ- प्रमान प्र (क्षेत्र किन कर कार्य सम्बद्ध विभी समित्र कारा क्रम्मरोन हेन्यप्रकातक) रेचीवन्ष्य (तीर्लाप्यम्यम्) ५ ८५ (अद्भन कार्न ट्रान ) ॥ १० ॥ 3) Rober m. Cyself mains ([264 majai ] ga. मी टिमार्थन मूम टिम के क्यान व टिमांब का मू कर का के मा) के तका के से भ- अमर् हत्य कि के के के पिन व टम्पंड (कंड लर्डे क्रेड्ड (यदा (यदा [नरही) अमूह वद् छ। व- विधान - यदा (तिल प्रार भारे करे

कारमध्रमं मर्लाभरम मन्नीमा रम्मा हेर्ना ( ३० में कर कार्य ) लाज ( यत्र वं ) लगा ( रेपाए श्वं का आ इड्राक्ट्री के मार्था (डिक्स के क्या के किस ) विस्तर के किस र्धित असे हें दें : (मुर्किक ) अरत वैयात, अत र् दिन निर्देश कि दिन मान्त्रिक करिये कि क्का कि ( अम ) ( अम ) ( अम ) ( में कार्क कि ए हरें भी) Jally ( [304] ( 201 my, 1) ( 24: 86, ([NA]) A (A 1) / (2 4 (8 0 + ) (QIM A ल्लिन्थी हेड (मूमिष्रमा महकी न कार ) ७० (हाराक) स्व कार (मिल्ला न कार प्रकार) नह मही (र्ड) रहेरिक्ट करार किर) अरिंठ: (ह्व पि कि) क्षांठी (क्षांत्र) क्रिए(१) ॥११॥ वाद्य (वस्ट्रंड वाद्य) र नहा (र्या) यह (व्यान)

000 कर्ता । (मूर्लि तरम ); इक्षाईकर् (इक्षाकून) दिला : आहर्क: (क्ष्मिक कर्तां देका क्ष्मिक) कार्ड प्रांत अस्ति। क्ष्मिक कार्ड प्रांत कर्तां के क्ष्मिक कार्ड प्रांत कर् Composition of Contraction क्ष (वर्गकारोश्यावंता अवरेता व (वर्गन मश्चाना-बाह्नी बाज्यक्रमां ) टेमकामा नव (टेमकारे डिंग्डाक) आकाली (रेक मुक: ममने कबारे (कर्टी) ॥ १६॥ विश् [ रूपा वामित्म मु टिलो नी मर्का एकम (टिलो सवर्त) ्रिशानं सम्मीविश्वामं हेर्भूक [क्रेंट्]) वाल्पर्ला-हू का (वार्ग्याम विकार क्रिय के वर्ष क्रिया ) एत (त्रहे निक्क ), सम्मान मार्थ (त्रिक् म्यो । हनायती व मार्व ) भारती लाका वाजा, व्याप ( काण्डाक्या क्रियात्क छ ) जप्रमधा क्रिकाकुरा (त्यो नी व्यवपात्रमार्क कमरे हाक कालेगा) कममा १ (तिल् निकरे इरेल) तमे बीजीर्य (तमे बीजीर्य) लाहिन्। (त्यवंत कार्यपाट्य) ।। १० ।। o [ ज्युष्टि नी का का मानिता के रिय (क्रिक्सार ) म : (onumer ?) विष्यार्थ (द्राराय कमार्थ है अत्याक्षत ) किश्राध्यार

( Es ) & = nouge eaged au 226 ([oundi ] - 20 2/3 णातिका मार्ष ) धार्ने हे क् एका था - भाजा ना नि (धार्मिका) के कि का जान मार्था ने का ता ) मार्था नि (स्रात कार्स्म) वित्र समाधार (स्रिय वर वार्मिन अभागत मूर्वक ) भूद् अभाधाः ?(भूट्य यादेक)। ५०॥ A(क) ([९० वं-] (काम वंद ) वंग का है व-७ विक- विका अन कु एके (का ला) न विकिस प्रक्रेन वार्षा-मिरवन तर मिन्द्री कुर्व कर वर्ष कर वर्ष किया शलामिक भ, बल डेंशी देप र क्या बने म ( डिड म ) किलामक वरे ब्लावत बाला)") अधिपरिव - मू विख्या म हु ७० (बमरहरं, जार्यहर्व्यामा करके वं देव म मम्मरम धलडु ० १रेमा ) यूथः (मिन्डन ) ड व मा (भाकत -मिर्स (अव्यादा ) के प्रमुका (के प्रमुका ) लक्ट व (का प्राप्त ) -भ प्रति (क्षित्र के विश्व (क्ष्मिका ) लक्ट व (का प्राप्त ) -के व्याद (क्षित्र के विश्व व्याद के व लिये प्रति )

्रेटल (एड रेप्स : बिंछ ]) भुष्यर्द त्युक्टर (अमं रूबद्दाक) विसे (आंत्रकोरम कन ); प्रवीत्रांस (त्यांन्सनं कात्म ) में क्-यसर्थात् (र्मिर्वधावं कि ) इतं (तवं क्षावंकारक) के क -में ने (स्क्रिक करते ) माने लायुका (लामाने इरह may subin (5x ) 11 p 5 11 a [many any] and arts ( \$ susa ) maining were (अरवाय सम्रावं श्रम ड्रांट दुरेव) लांबंबुर्श्य- यंश्र (काम-र्ड ( अर्माक) (माप कतार्मा ) निर्देश ( (आलाप) मुकार्म (मुकाव करें) मूर्य त्वाप कार् तरका (मूर्य तकीरक यर्ग मर्द ) 110011 शि [ लान ] (Ed (मार्ट) अस क्रिक: (CH म्लाटन लाम्बर न्यासक्टि घटमा मन्द्र का का मद्र (मिंबरे ] साम में मार्ग मार्ग भी का की है। यत (टमरम् ) अरिमाक्त (करिमान मिरम्प्रिकेट्री) लास्त्र (र्यास ) केक्साश्च-ति । ला कि कि से अर्थे में म् र्य ) य ट्यमं (यह मा मा ख मा द्वाहिक मर्द्य) ॥ १ 8 ॥ ्र कृत्य (कृत्य ) waste (कार्यात क्रिक्साए! (कि कृत्याए!) इरदे: हिंग (विषि ] क्य के कि के करते कि समूर्द हिल्मा मार डिछात्र (साममाममान यामेख (कन है है, अक्क देशायं कर्ने

(नकार क्रामिक्ट) महा: त्याम (रामा १) म: (क्षामे ) (नकार क्रामिक्ट क्रामिक्ट क्रामिक (रामा १) म: (क्षामे ) त क्रभाव वर्ष ([कामादेशक] दिन्धिक भारत्यक्रमा) ॥५०॥ मासि। (द्याल के समाता)) के कः (क्षार्मिक) सर (मार राशिष्ठांत्र (जीनंतिक्टिन)क् (क्षाप्ति) लाश (विदास कर्षि (ठ १) में मंद (त्याता ) में दूर . ( म्बर्किटक) नामाहिक-यम अभा (आर्थवीय दा महामा) में में मंडा (गमाममदार मसम्भेर्य) लार्डिक्रमें: (ल्प्डेस्टार्य वंशिषा की का कि दिस वं) भारत में अ वंसततं (आर अम्म आन वंसमम्) , अमरह अटर्स (भू ने अटर्स) माना (मात करिया) त्कत आर्थ अपूर्वाः (मकल्य लय (अ) ) का सर (मटमक्ट कं त्म) मिल्ट ब्रिस के ( टमाम त हिल्ला यात्रे त्व) । ७ ७। प्रिमानिक धनपर (मानिका वानित्म) क्रिक माट (Ex क्याता : [विष्ठ ]) समस्य त्याल (सममा रद्गात) सिक्षी त्य व में किस मिल किस किस के उर्देश के किस मिल किस के किस ( जीक्रक व विकर इरेट ) कि विकारी ( दम MIZ COZ COA \$ \$4 6 911

िलासमा [लाउन कीनावा नित्तन विक्षण्यामः ( जिल्ला ] निल्कु (अरे भारेक) , तटन (बनमर्लंड) या क ब्री में के किंत ( क्ये के - (माला ' भें टे लाए- में के किंद (योग्पर्य) लम्लाम: (पर्मात कर्निय); म्राष्ट्रा (- वन्हे) सात कांबुका ) लेय: (लेयबाक ) स्टात्रास: (श्राम्य लास्त्र)? रुषः (जीरुष्) तः (कासार्य ) किल्किस्मिति ? ि केट्ट ( ट्र केटल ; [ केंसि ] ) किंहा : अंदि : (मेंकसभाप्तें ) । व्याम द्व इ क्ष्र क्ष्र काम का का दामान ( पर्मन , अमन कि, अन-म्रास्त्र व वक्तेष व्यामात् ) मीमार्मः (विमार) लासाटन काम ने स्थापन के दिन्न की का म्यान : (त्यक्तीविश्वविश्वक्त भक्ष वर्ष त्य वर्षाकुछ, जारा २१८७) अमू १ (अ अक्कल ) हूर १ (मधन) मि: भानम र्रेक्ट्रिके कड़) र आकार्व : वामा (द्रांडा कार्त (अभात ) कि (अभात ) कि कार्य वार् मिका appendix of Minery 3 3) # pon ( अम्युव बुका अवाकाका कार्य माने अप्र ( आप्रे ) कार्ष. म् की (कार कार मारा कारा), राहे: (कार कार) कार हता: (लाट सरक : [लकतत]) इंद्र (चर मीर्क महिला)

नक्त पड़: (नक्त सम पड वर्षात् मार्थाक छ र्रेट था कार्यम् [लालाकर्क])कम् (क्ष्रिंश) में कं कं : ( त्रिकी रहेट्य) हे, मार्थ (य मार्थ!) मः जिमकी (यम् त्र क्षा ही त्ररे की कृष्टक) ता अभमार्थः अकः अभवा (व्यक्तिमं क्षेत्रको विष्टे ) व्यक्षित वास्ति (विषये कार्यके कर्षित कार्य के प्रति (व्यव्य विष्टे ) ( Mg win eg mand De 2 13 ) 11 30 11 N) इस बन्नी व्याय (कूम नाम नामात्म के न्द्राम! (रि मुल्य!) वर् इनडा (वाह डाडा) व्याम हला (वान हली अर्थातु व हता व्यक्षित स्त्री स्वेदा के व व व व व व व व व व अर्थाप लगमातक (मने की क्क टक ) क्ष्र विश्वासा : (वर अल्यान्त ) असिन्द (अर्थ अने ) बड्डा अड्डा (इंडा से शिराय प्रामार) ॥ १३॥ हिला आह ( [अम ] वृद्धा वामित्सम् क्रिक्ष्यू डिड की: (रिस में क्षिति कारित क्ष्र मारा में हरा लाग्रें ह त्या मारा में क्षे की धार्था द त्या हा अप इर मारह, द्वित्र न वर्षमानी (मा भी लाक ] किन हे अतर त्या मू म मु क प्र की

कर्मर ग्रम्माड नाड कार्यमाछन ), वर्षम्पन-मटमाणा ( जिल्ला मार्केन । सिन सर्व स्माप्त कार्यात व नार्य [180] in Man = al & Source on Colons ( aligh) क्रवनी अव (क्रुवाना करे) भूताला के वार्म मूर्यी ( विश्व अत्या में येनमें लिश्च अस्ति अत्यात्मा व दिला व िहित्रे म तकनी में अन म, लाक्षर में क स्ताहत न्त्रीक कि न लक्रामारमं मार्थे द्यामी में माटि , प्रिमा स्तरेख्टि)। करा No प्रकाम ( [ क्या ] प्रकास दामा अकाल कार्य धान्यु कार्या ) अन (यून्ता) जार् औनाथिकार् (ओनाकिए) देवनानिकाविवार् (देवकका कूमा, [धायह]) छ। य-लासीर- मूमक्नाक्षेर (जानमम्यक् मासीर्याद् व्यासमा की ) विद्या कु (दिवासमा) कु के मड (क्षेत्रकिन) क् कार् (क्का कर्मार क्रम्स ) विविध्यम् ही व्याद (तिरयदन कार्यमा यात्रितन मे)।10011 की साम् वि (दि मामित ! [व्राप्त ]) क्वर (मप्त ) यकर पर-लक्ष वर (लामनं नक्ष अत्मनं देखनं राख )्रीहाकक्रियरं (छाठककाल ) मिलटढ (मिक् आटढ ) छेम्लाकार् (छोदिछ) कादाधिनी १ वीका (त्याधाना दर्जन कार्नेग) विभायपा

(म्यामाने) मँगाड (र्याह्व दर्भ ) यथावेपायाः (यह कथा कि के क्षेत्र के क्षेत्र के अपने व्यवस्ति के कि कर्ति के क्षेत्र के व्यवस्ति के विकास कि कर्ति के कर्ति के कर्ति के कर्ति के कर्ति के कर्ति के कर्ति कर कर के क्षेत्र के क्षेत्र के कर कर के क्षेत्र के लड़ तन धावक वैपरे क्या के समाया याने भाने क्या ने निर्वादन का भी में के के के के बे की हो । के हा े किसी कार्य कार्य कार्य किसी किसी (अकत दिला) मिलि आहे ह (क्रावि क दिवाकारम) आवित्रक मिनी-(वर्षानाः (बागूनानिकर्क वानिहानिष) शहणः कानिका: (अहल (अध्यातम) मनमन्त्रभूति: (तिक) न्वत न्य भूव धार्या ९ अवसी ना छा ना ) भूतः असूर्व (अस्म अकि हाय देक मार्टि ) स्महन डा: (लाड्ड क्रिक्ट कार्ड ) अर्जे कार्ड (ड्रिंश क कर्ड ) अंड ( एक ) लाग ( १०० कि प्रिटिंस अ ( अ ) जन्म या चन (यक्षाय मित्रे त्याचाम मात्रे) (यक्ष्मी मा म दशही) (लाटमार्गाट्यामार दम्या क ने में के विदेश = त्मक्षातान काम व्यक्तिक कर्म मार्थी के मधील देन (धन मार् अर्था अक्ष मात्रे हाठकनात् स्वा चार्वक कि एक भी मिलाय वं सहाबंद त्या है के कार्य न

विश्वित में में न्या के ति के माम चक्र में वास्तात कामाति में में के मिलि अवीका रूक डें। हिंच नत्य कि हैं।) ॥ अव।। क्षा नामहत्त्र ने मः (हमरे घानकताल ) (६५ (मार्ट ) एटर कामक : स्राप (जक्षाता टमर ट्रामामाना क्रे धार्म काम अंग) ७५१ (जारा इरेट्स ) आ कार्स (सम् ट्यारी ७) छार् (सम-या सारक ) व्राकृष्ट् (प्रवृत् ) प्राप्त (धायका वा वा वे ) भूतः (यस (अ) अभागामा (आममम मूर्य ) सूक्त (इसेमर्भात) (सक्तामा) भी केमा: लाल (क्रिक्रमा अर्थ ) मार्थ ।। १०० । विकार क्रिक्रमा १ में विकार (त्रिक्रमा १ में विकार (त्रिक्रमा १ में विकार व (मित्रहर )धालता मा (बाम् ट्याने कर्क ) विद्वारियाः (अकासन देखें) ह समा : (हका इत्रेम ) जम्द ( छा छड्क का एस्स अगिष्टिं का में रे ) म द बा हिर्मा कि में) १००१। ते विक्रमार्थिक व्यापा : ( ( प्राप्ति के भी सर्थ ! ) उद् ( मार्थ के के) म्यर् भाव ( का समा पाउ); कार्न हो निर्मा क्रिश्च के (क) अक मर यात्रा (अक (म यात करवंदा) विवस्तार्कुक्छ (सूर्यात्वन स्वा कर ) निकामि ( कार्य नक्षात्तरे ] शाक्ति ); क्राच (नक्षात ) त्म (क्रामक) 20:0082 ( \$18 01 (22) 11 20 11

प्रेम (मार्थ ) कार्म (मन्याय) माराम ( शतुनं सार्थ) यू ह पू में ( सू ह पू मा ) सा ( ब्यार्प मी ) मुका विश्व छ छ। ह माहिता (र्यम्बरी व छला-मधी मार्वक्रीयमात्र है वर्ष) । अवसार् (कार्वक्रिकाराधिकी) कामार (श्रिकार्षीक) यम (मधन) व्यक्षम् मण्डः (कारियान) अव्रिडः (अश्र सार्यानं मायु ) उलाम (उसराक [नवर]) अरा ( कि छोत्न ) हत्या कात : ( हत्या करी व कित कारिकाय विक्रि ] सि विकास मार्ग (तार्म वी ट्यपी व बाक्त ट्वं) मादिलार (वारोद्ये मादियम)॥ रेके। १०० [ लय हे ने अप अर् ( लिप ) श्रिक्ष मही वं मरक्षा का बंद पम्पत्र कार्ने था ) सूपा (वर्षमञ्चलात्म ) छ ९ क्छ ; कमारे (७९ मध्य (यं अर्कानकारी क्रिंग मर्टिंग हे कि: कामार्म (कार्यमं सम्भाष्म कार्यमा )॥ 20011 10 रिकार व न्या (स्कालवी) है: (छन्छ। त्य वाना) ० ७ ८ म्हारा में (गमारमाम) मात्रममृत्य ) ७ त्याः (मीवार्षाः क् एक्स ) वत्रत् काम- विल्यान मीना- प्राध्वीक भारत्यः (रमहकी डाक्स म दिल्लान- सीमा, प्रवी आप ),

वर-व्छात्र्रक्तीयार् (वराविश्वं, व्विकीषा , क्यक्ति) मिला द्यम के ८० : है निया नियं मार्थं व्यम संहरा) बर्गालय-मालर्गः ह (बन्दाल्य न निमा [क्रिक्ट]) अक्षावाक्षत्रीत्राः (छक्ष्याविकारक विकासत्त ) [ च दं से स । द्वार ] och: (चाना वा के किंच) ला भी हवा हम ( भागधनवार्षा का ) ज्यानी माना के कान ( वि में नी जा क भावित्य- अक्ष ) अर्थात् अग्यव् - क्षत्रं प्रात् (अग्वव ७ का अं अ-अक्तरकरे ) नार्या कात्र व्वावित्र हाक (व्यत्राम्ब उ ठेडंगाम्बर कार्डमार्डलप्र)॥ २००॥ 8 [ जरह न ] मा ( ब्लाटा वी ) २ शिक्स के के कि कि (वर्मः (अमिन्स्किन ) विस्मान न्यानी - याना -यस्ट्रम हा वह या स्वारको (अवका व दर्म क्र व व्र हत्यं देन म त्रव अ मूक्तान क का ना मुक-अमू त्य ) अ १ श्रा तका -ठ चित्र प्रदेश (लिस भारत्य के मिन्द्र) लिस दे का दुसरे हैं चे -मुका र्रेम ) १८मः क्रामिक कु भीता मिन धानीर (वीक् एक मिकरेन वी कु प्रार्थ मुक्कामे ए डात्न धनम्बर किसित । 1008.11

१०० जायर (यर मधरम ) मानीमू भी (मानीमू भी) जायार (अत्याद्य ) अल्हाद कामावड (अल्हा क्याम्य ) वटनाः (अश्रिक रूष्ट्रक ) भी सावरताका स् (सी साम्य अपि ) आर्यूका (०८ में कर में क्य रहां ) रे ल मा यह (रे लाने अहि। हिंगा (अवस्थात कान्यम )।। >००। ) हिन्दे असरमं ] क्या कि ) आसर ( सिक्ट्रेवर्) वक्ताचिके विक्रिक्ती भूमाह का स्वाति (वक्त वक्त स्काति -मूल (यव अर्थ) कि अभ विमा ) खिम्मर हरी सिंहिणाए (स्मिन्न की से स्वाहर के कामक द्वाहर दे हैं। काम (स्मिन स्थाय) के का से ट्याहर किया के प्रमेश हैं के का के (आर्यात ट्वार्यमा ७) दे पि व्यव : असि (कन्पर्व डाय इ द्रमम् प्रति व ) इमंद्र लिखामं (द्राप्त क्रांका प्रत्य, वर्षत लाम कार्यम ) रेगर (राट्ड विव: वर्ष िति ) उपि किसम् त (की ना की व का किया ने कार्य जनाः कृष्टा ([भीम जायस्यते हिर्व मक्स स कार] लीना दीव वृष्टिं कू वर्ग प्रावा ) मूपः (भिन्छ न) याक्वः कास (यक्विर्ययमाष्ट्रित)॥ २००॥ 20) थारी लास (स्रिंग्या चार्यात) थार्ट (सिंग्यम भीकृकरक) धवलाका ( एमन करिया) हमन्क्लका

(हिट काम्कर्माश्रक इनेगा) ह विक्त्रीविक्स (कासकार्त्य) लानिक विस्ताला रमक: ) ७० न हि जिल्हियान (शिक्षित प्रमु एक तिन्ह स कार्ने एक कार्नियममा) , यह (टम ८२ छू) अपक् (रेण: मूर्व) जमानम् धान (जमान क्रान्ति) वर्त्ववः (अवक्रत्य) अपामार (अपाम कर्ताने [छिति]) ध्यामी क्लमड़ (मश्रीमार्त्न) श्रामित : (श्राम-हाना ) लाहुना ह्या का भीठ (लाहु कर्ने प्रामु कार्नेता-屋(本不)1150911 १०६ वर्ग (० भन) टब्न (द्रिक्टनंद्र) भित्रः (अनमान) ल्यं छम्। प्रदेशमें हाताचा के साम एम (अवंश्वादं के व्यक्त लयह लम्बाम्ब लयं हर्ष डिडे व्यापाद ह रहें म्म्यामका का (अस्मादन मम्मामत्म प्रक ररेगा) य विकर्त्म के हिंछ : ( यहे क्रिय अव्याद्या कि अकाम 413 CO WANTY 11 20 P. 11 १०० व्यक्तकं मर्लट्माक्ट्रियं (रेप्ते) कारतः क्रम. तिया कि हिर्दे कि काछित कूस दिवा में रे के वा (ध्याता) जाक्रीइ-लक्षी: कियू ( त्योबन-स्थीर कि) · अस्मर् वा (किंशा [रेजि] अस्मर् रे कि ) रे च दे प्रणी धार्ष् वी कियू (अध्या नवी विशासी आर्ष्तीरे कि) ()

नायके-बन्धा र किए ( [क्या देनि ] नायके व बनारे र्वेत्वत कि) है आत्रक्ष्यांक्री किट्बा (अथवा [वेवी] कारात्मन करानेती रे कि ) रे कामना (किश्म) भीम्य-हाडा का : १७६ (मेबामानाम सत्र वर्ष का म हाडा द्विता (क्षार्य) कांग्रे कांग्रि (जिंग्रेक्स त्ये की अवारे ) मम (कामन ) दे जिस्माने (दे जिस्वर्गाम) ह ध्यारमादम्डी (ध्यानमात कारे क कार कार आमना क [EMICY] GMINED 24 MICENTY 11 20011 20 ou (1212) CA (OLENA) CYTECAN & PRACES निर्मिश्व अ १८का (बंबे लायना याने क रें अंखे अ हत्त द्वावंप काईएएइन) नमामानिती-भाषीती ([किते पुणायान] नामाक्या जनवीव धानस्याप्ती कवाननीयक्षा), जिल्लाका कि मिका- क्या न द वे का ([ गिरी व्याधात ] हिर्य से का क्याक्ष्मां सम्बद्धि लामेमें देव काम लक्षेत्र का ) कर्पित का ( मिंद्रा में ने वित्र क्याने क्या के कर्म वार्षित का कुछ करन ) , द्वामनं प्राच-वा बारे - प्रचा - (भाक खानी - मूर्य क्ष ([अवर भिन्दे] कर्मन कुल प्रचारता मी ए प्रमीम प्रदक्ष माठ दिन भरम म्रिकी धम् कु मार्थी- मस्या ) , रेप्ट्या पार्या

वड (दृष्ट एउद्र । खंडी क्या नं कान् ) दृष्ट्य ( चिक्री छ ] हेलाई छ दर्य मार्टन ; [लाठ जन ]) सर्डामा - कल कर : (लालानं टम्डाअ) कत्रवक सिलाह ]) मात्रवनायं ( अभव इत्रेव?)॥ >>०॥ Madique a doucing any al: 186 ( [ M] 18 aman ) 5 लतर्वतः किय (अवनः, नवीत लत्यवंत्रे हे केस्त्रीतः कलतः या ( किस्स इस्मियरान्त लक्षेत्र हैं लक्षेत्रीस्मिक्षेत्र यार्थः या । कुर (लाम्बर लाक्षेत्र- अबुद्ध सार्थद्रसमा हुं) मानक्षंत्रकः में (क्षि यक त्यनं में हैं के कार्यं: क्षित ( लामना सम्मान समस्यार ) ( रे र्मावनामार पिटमं : किटास्ट (किंकी प्रायममें गान ) हे बे के में मर्गार मू की कुछ : अभाकंपवरमाक : कि ् मू (अयम अख-में (पार्यामप्त ने में के हिंद कर्रामकात ) हैंस 22311 D) mid boand: (3/2/8 2240) = 2: NI िल्याम् ); अमृद्यामिशः ।किट्या (वादा दर्दा मि कि अमृज्वित्मस् मामन् किम: अविविष्ठ:

([भा"] क्येटक ७, १ वं लक्षारे में क्यंत्र गुर्छ), य: लाम् यर-१९६ (वाद १५ (जातारित में क्येटक हैं) य: लाम १ वं : प्र ([भा"] वाप्रा तम लाहाबुक्ट ) देर में ये त्याम लवाबे वर्ष वं वं : समार का कारा देव प्र क्ष त्यामां कर कारत है है नेम्प्रिं विदास कार्ड (त्राहत है) है सस वमा हामार् (काम्पर) हैं [ लारा, में असे ज पार , कारंप ] जायां (मंद्र न लाय) (41 Min ) ( \$11 2 2 5 11 [आसान ] मनम् अल्यारम् (ब्रमार्थ !) (मन्द्रम् ने विकारम् ।) (अर् जिन्वर ) लमें (यर्थाल) में नेव: (यसीका) में दाह (स्थाल बार् किट्ट में है कि देश लड़र (लमन) कारी ) जारा कामी (जारा रहे माहि) दिश्वि (रेशा) यक र कार्य (यक) कार्यमा वय ) विद्या द अर करि ( वस्त । खिलाम कर्नित विभागं) भूमाकि - ७ मू ० (भूमाकिए(पदम), सद्भवनकककिकेशेर् (सद्भवकर स क्षकिकी अल्] धानीयां मः (मन्नीमत्ने दामार्यः) एलयम्बर्ग (एकसम्बर्ग) हाड (त्यरे ची के दादक) व्या (रवेत्ररकात्न) धनादी (रिश्नामात्रत्र)॥ >>७॥ )भी समास्याम्। (हर मिल्ली यास:)म: (।मात्र) केंद्र ( ( क्या न ) क्राय ( स्वारिंग) कर्या: (क्षून में) या छतक ए (धरम नृष्ट । छतक), छरनाम-भूतम (महत्रभूमत्त्र)

हियाए (विया), हिनू तम (हिनू क प्राल्प ) जिल्हा : (विन्यू), क्ताः केंद्राप १ (क्षुत्रमान्द्रेत क्ष्ममंत्रिक ) कृत्युवन -किंग्रित: (शुल्पर अर्थि। हर ) कावल्य: (हैं सर्गे केरि ( Danter I bain spico ( Mis ( \$13) Co (ज्यान ) त्या का म : (त्या हा म के म ) य : गा ?: (१४४ । स्रिमंद्रात्र,) के बंदि ([अमेरम] विदेशको कार्न ( क्षेत्र ) ; असूर बले ( क्षि ] छात्र विशिष्टि m 7113 / 11 >> 8 1, १९ इंग्रं (चर्चल) गिला म्ल्यक: (अनंभारं कं म्ल्य-किल्ले ) विश्व - त्याप-वडात्याप्त उ-डायव्रि : (विचक स्थित वहायकिक: प्रक्रांड छार वंगाने व अाटन ) विश्व क्ष- टमा नाम समस्त्र (हिल्स ७ मरीरम्ब विका क व के जारमन हेट्य के (क्षेत्राना देखरार) अने १ (अनेकान ) क्याकि अवाउ (त्यानुक्त करा) म यमण् : (अकाम कार्वात कार्व (मन मा) ॥ 2201) नि वि कि का अपना विक मिन भी ना भ रम वा करन मारा औरिक्रार्यर माय समाजिक अपने के स

व्या सर्वे देश ल त्या काश्चितं त्य का वं रूप के त्या का का व्य इन्साइ) भे व्याचित्राम रामकेश्या एति (अनेम श्रिश्रि TAME BUNKLINGURING BOOK डेसरवन कर्नियाट्न ), न्योशीय क्रिकाम्बर्ध आनंत्रात्र (अ) हिंद भी बरणा आधिक अअधिक माराव दृष्ट व इरे भारत [निष्टे]) कार्य मामक देव नं एवं (माम्पर इस्याम के ट्या अधिक विशेष करें में किया भारा न नहमा इरेमाट ), तमारिक सी सामृत कारण क्षिताहल भी मार्ब विमासक एम्र क्षित्र व वास्त्र) सक्तक भी अन्य ( सक्तर भी अमेरिक ) अने इ (यरे) अस्य: मर्भः (अस्य मर्भ) भाष्ट्र वर् (मह्माह) ख्यार (ब्रमास इरेस ) II FI) क्षेत्र के प्रिकालक के किया के यिकार गर्द्ध संभूय मार्गिरीम पुर्धिय

## প্রেমের আনন্দ থাকে

**७**भू श्रहाकन ।

প্রেমের বেদন। পাকে সমস্ত জীবন।।

## ROUTINE

Days	let. Hour	2nd. Hour	3rd. Hour	40h. Honr	5th. Henr	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday			0				
Priday							
Saturday							

আলোরে ভাল বাসে।
পাতা সে কথা ফুলেরে কলে;
ফুল তা শুনে হাসে।।
রবাজনাথ :

8 2920 R () olas

जीजीरमात्रिक मी मामुख व 090 ्र धार्म ७ वज्ञाम वाम द मिया मार् A an (Mist ) immisis: (immisis) can (can) र्या मधीर्य माणमा त्य (र्या व काम्य मधीराइन क्ष य अल्ये अल्य असे के दिल ने असे दिन ) भ्यानित्यारे अम्पना: त्व साममयद्या (आकाशक का १९३ में समसे व पिका- । भागा महक्षां के व मंदक ) ज मूनर्ष की बड़ार् (हे करमंत्र वर्षे सापक्ष्रिमें प्रांच महिं। मिन् मिने करिंदाः (न्छ करारेट अनु उर्देस )॥ ४॥ र्ी [टिक्सि] उक्: ( उक् म्प्रिट ( अस्त ) सत्त ( उत्तर्वात ) अ मालिशो (मिल्स लिया मार्था मार्थ), जटमाः (छो प्रत्यत तो (अ) नारीकृत्क न 163 म भी तारे नर्ज क-व मं (क) हा लालाडोर मं कड़- इसे हिएड: (हर लागड छेर मून) क्रिके अवहारि ) छात्राम खुर्थे : (छात्रम्य अम्डाप्न-ना अवारा ) अलकात (अलकु कार्यमाहिल)॥२॥ अर्थ: ([अमहन ] Cमरे छक्) त्रीनाका जम्मिर्की (त्रीनाका म ज्यूसमा नर्जनीत्म ) क्ष्राताः (स्ट्रिक्षि उद्यायतिः ( उद्यायः ) स्मीतिः : (भिर्] स्मीस ) माहिक: काम (माहिक डाव कामिक म) क्याकरेंद्र: (रयमप्रधूर भारत ) प्रसमक्ष् जर (ययायय डात्य व्यमक्षु ज कर्ति।) ध्याद्याद्ये : (प्याद्यक्षि) यक्षि :

( 28124 ) MADGOS: & (MADOS) ON ( THE) विमामाद्या: (विमाम अष्टार्ड) मनाडि: (दनाविर्व) भडानरेकः (भडानम), डामार्टनाः (डाम अङ्डि) पिछिः (जिनि ) अमंति: (अमंभाष), ठमा (अवर्) हाकिए-(ध्रेक्साडार ( हक्षिण अ स्मिका [ मरे ] ) द्वाविश्मना (त्राम्ट्लाट्समानं) लयहैन (नं (लयहैन ने स्थानं) स्टान ( राष्ट्र के देश (स्थान कर त्ये वर्ष वर्ष कर प्रवादक) सत्मत्रवर् (माल्क्किकार्य) हु विष्ण् मिन्मामी ९ (बिर्डुड कार्निशाहितम )। ७-०॥ 20 [ लक्षे क्षे क्षित्र क्षित्रक विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे ( वीक्टक वर्क्त प्रतिभूम मर्दिश के डावशनरिए: (डाय, रायश्रद्धि) क्यांता: (क्यंत्र), त्याडार्षाः है: (टलाडाक्ट्रांड) क्यावर्ताः (क्यावता), यमारमारी): (अभरभामा) महावरि : (महावर्ष), मुक्कीरिंड : (मृतिष्ठ) मसुमाञ्चितः (मष्ठावित्र माञ्चित डाव), हे क्षात्रः (कृष्टा अङ् ि ) देहा यत्यः (देहा अन्) — जाहः (नद् अम्रम् ) अद्दान वृष्ट् भिर्मिन स् द्धने वा मिद्रावा ) अनक क (अनक्ष कार्रिमाहिट्यम )॥ ७ म १॥

A [लपद्य ] मिर्गाः (म्याचार्क एकते ) लग्- प्रमी- वंश्व से प्रश्व ( May CHIRE HA SUCONCA ) PORTE OCAL: ( MEQUE मल्कीम्मरमम् ) ब्रार्थमः (हेलमं मृत्र) अमृत्र वात्रीप (mist syn [rad]) ed Et ( eist crisin) माध्यमः (नामिषा अकृषि महा मन्नरे) मुम्द्र प्राष्ट्रः ( Many Me me era ( 12 ) 11 PII कर्म (कर्म : केट महत्मी (टमरे महमीयमन) थित: (अवस्त्र ) के दिश विष्ट (के कि नि न अर्थित्यात) क्रमार (क्रमम:) अकरि ज्रमा क्रिमा करिं! (क्रमा-क्ली अस अकाम भूर्वक ) तिक अव्यव्हा (अ एक करे बादं स्ट्रीसिक्षे चिन्येत ए (ब्रिशनं कार्केमा) पर्वे वर्टेंं (रिक्रोसिक्षे) विक-भूका- भट्या क्रिसे ) वासे में प्रवर्द (रिटो प्रक्रिपे) (मुड़ करिट्ड लगामित) दिल्या (धरमा!) त्यही (स्ट्रिन्ड) मुक्ति । प्रडा : (प्रडा प्रमित है सक् के वर्मा कि वर (सक्षेत्र) का ल्यार (रार् मर्वनिम्मत्म व डे (५ (मा)) जन क्रम्य क्षारि काम (त्र ७ हिड्स म न प्राहि) यम ! ( प्रमर्भने किविधादित्वत )॥ गण N रूक: (चीक्क) शक्षां (चीवाका ने विश्व की-

वर्षित नाथक वंग्रीत (वर्षित्र भीव मार्ने माहित इने भूति ) की मृ क्षीतम्त्र प्राष्ट्र व तरि (क्षीम् तम्तम्स्य-क्ष देवस मह्यमानात्क ) व्या (न्येक्ष) धामक्रांड (उठ करंदिन हिला ) रियम (य-रिविष्ट्र) अमार्का (अश्वा ) मुक्ति (मह के दरेमा) अन्य उदम्भार्यः (शिनं यनंत कार्यनं में हिल्लिल द्रेल य चा कि हा का ) (शिनं यनंत कार्यनं के शिक्षिल द्रेल य चा कि हा का ) लमें (चारकार ) लखातं (लम्हिक कर्निय [ वर ] ) अमहार (अमहार ) अख्डा: ६ (अखासद्याने क्रियु स्या (अरावित अर्थ चिक्राम ध्याद्व विक्रिया दिया)॥ ना )) वैंड: (बस्मिलाटम) केका त्याकार (मुक्टक वं म्यूपटक) लया : (जी बंग का वं ) आहि : (आह ) म् । अह के दिया wes ( म् नि क्रिन क्रीम कर्रेगाहिन); अम्मूम् जान ( विमेन व प्रमाखन ७ ) विक्की मण् ( विर्मण्-डावालन (केट्र)क्कामनप्त व्यव् तीयवर्ष अस अप्रक्षिक्षा हित. ) , मम्मम्भर ( विश्वेस प्रदाव ] प्रांप्रमें प्रवा ) कि श्रिका दें (१०० मा अवस्ति ) , म्य वर् (विश्व [0]) लाहें यह (मुबर केंद्रियानेक [वर्म]) रिक

(लड्डिल) मा (छित्र) जिसम् त (जिस्ड जीकृत्य अमिवर्सतंत्र विमानागा अइ- श्रामक तर्ने बनिषा र्क्ष लामी (किममीरासक माने लपके बंदाने 1 33 CAR )11 23 11 किति ( विकास ) या (त्यांका ) यक्षा देव देव्यक-ल्या (यथा लेग्य द क्ष्मिक्ष ) मेंबत: (यत्रीय-लाटम ) " आका मा (प्रकारिक है क ) अव्हार (अलहार टाटा) रायवमा (रायोहार क्षेत्र) यहार (रायहार्थ) म्यारा-कार (तिस-म्हर्षे अ एवं कि कि कि िति ) अवसमा (अवसर ) ध्यादिश्मा, विस् हे किंद लासन सभा मधीक है के असार हिर्देश ( मुक्तहम् (तन् क्रि)) व आर् (व न मूर्वक) ध्वम एड जाम (पाकिने पित्क) था कु सी (थाकू से दर्दान ) आ (जिनि) देवर् (वरेक्त्य) छाव हर्शादना छ-अश्या (कारमश्यमं द्रम्भर्य है किस रक्षा क्रिया (मार्टिक ) मेरर ल्यामीर (की डेर्यादन कर्वियाहितान) ॥ ३२॥ ि इकड ( तर्यात ) मा (स्थाया ) सिमार्टिक

(हिंदी कि कि का का प्रका स्थापित है। हिंदा हिंद ने मा है। क्षेत (६ प्रिंतिक धाक्केर दर्भा) म निर्माण न । भू छ । । असम का ध्यम् प्रिकाम कार्ये असर्थ र्रेट्सम्म )॥ २०॥ 18/ Bin Briman ( Leurange: my ( [Roberton छित्री नक्षीं क्षी जू सर्वा (हब्रे मूलता क करिए। अब कर्म क्रिशी अकाल कार्व त्यत ) , हता हिन्दी बन्ती -प्रतिष - व जितात्मा विषय - विन् : (उंपमन दक्षम क्रमण-हाता कलाली डे देकरे बेत्र व मना हूं च तरे या हित) ; बिए टबरमाना त्या न विष नामिष्य नामिष्य न (जिस्की का करक के की विक्रिकिक दे अपम्का का ने का दिनी उन्यान अधिअत्य लायत किम्पिटिला : [अर्थकार]) भी (छिति) भिन्नि क्षित्र ( क्षित्र क् आयुत- कार्यस लायद्वीर्व क्याकेक वर्माहिष्य )॥ 28॥ ) रिविधान मनदेवर्ष (क्षेत्र किल्ल मेर्यव ) नाका जनीम के की छरेते : त्या अप ( अपनिष्न क्या करा

महिन्द्र अवनि (धानिनंद्र रिक्रिक भाग करिए) पत्र भावर (वादां कार्यमत) श्वाक्षं श्वांगाहिय)॥३६॥ एवर्षपुर्व काल (कार्यम्भिय वर्ष्य भाव प्रवृथ्व )० १३-Mari ( ६४ खन्टता ) क्वर्ष त्या अवप्ताता : ( सर्व का हमारवं का सरहरू ) हैं ( का लाव) गुन् साक समानी (अर्जन तम् शब् विभर्ष मी गट्ट ) पन: तम: ([लायान ] नर्डेन पना) प्रत्यः अभि ([आआर ] हिएउउ ) हमभाउ (हाकार) अभगे विश्वेष कर्ष छ (इ) ने चार्र (चय) लामें प्रकृत्वाधी [कार्य ] भ्यापय डात तमा विमाम कार्या पिछि? रेयर मार्लार्मक-यायग-अविश्विष्टि [क्वारिक] नरेक्ट्य अव मिल्न- अंग-का टर्न मिन्द्र भागित्य के की कु कि व अ विश्व मिन हरने) धारमध्येश (म्य धारत करिया) मुद्र हडी-ट्यालाकी (ब्रट्डा हिंदिकाटन ममनम्मल हाकत) अकाल क्यांग ) विधाना के चिनक हिन छत् : (विधान-र्मक ) वर्ष (क्षार्किक ) विक्रिक का व्याप्त र्राप्टरात्त्र के व्याप्त र्राप्टरात्त्र के व्याप्त र्राप्टरात्त्र विक्रानं कान्याहितानं ।। ३७।।

A m ([aloug] याया ) हिंगा (पक्षा) 'हिंगा (हते) " बायलमा (बाधानाब [3]) व्यवशियमा (व्यवशिया वर्षात् कार्ति (माध्यक्षां ) के वार्ष्य (व्यक्षा ४ द्रां ) इस्स्याम (अस्मर्क्ताय ने मिस् ) क्षिक पड़ी (बक-ए। एवं मन्न करिल व्यावस करिया ) हेर्भुकटहरूमा (डेर्म्सिटिं ) रिनिम (जीकुक्कर्ष ) भूतः निकृता ( श्रिप्त ) दर्य ७ विगिर्द में क्रिक्स करने छ MIN (MA ) 112911 > (ब्रिकाल ] कारामे (बिक्क), मधाकाकू निवाद में केन-हें पट्येच हैं (बाक्याक्य व का दिलाटम बेक कर हकन मग्र किए) र वं द्या नामिष्ट (वटमवं दे नामम्क) उपार्मिष् (मृद्रामाञ्च ), किलाकिषाकिष् (विडिन्न डाव-विश्विक), कानुगमः धारतर् (जीनाकीन वदमधास्त ) बीका) (मर्भमणूर्वक) अभेधार (अम्ब प्रत्यकात ) त्वाहिडानेवर (क्वाहिडानेप्ड) of ( sea ) orano ( oram ) orana ( mo

म अर्थ ( र्म मार्ग निर्मित्रीय शिक्षां ( माटक लाहन ) 79 mm (काक्श्रेंड ) आ (स्थार्डा) में के या के या द सिक्य-टला छिण ) अविवेश्- त्रम वृत्ता आर् अत् (अधीकार्य मा मा दिन मा ने कि ने आ का का ने में में मार्थान -विकार ( म्रक्षा अवरतेन हता ) कारिमम् प्रव: (कारिमण क्रिके अहि अधिक्ष (अधिकार प्राचा) उपाक्रिय (डेट्डायन कर्निन)॥ इके। 50 वस (वरकात्त्र) देवकार्यकार्त्रकाः (विकासम् डेडमकामिकायुक , चिक्किलाम चेरकिकायुक ),जामः में ग्रेसिंगः (ट्ये में येत्रमें यात्र विक्रि प्रयास्कर्त जिलार्म् - प्रश्ममंत्रक - श्रामितः (जिल्ली में का द्रम्यितः मित्र-कारिक कार्यादे ) मुल्या ( विक्र कार्यादे ) जिल्ला का प्राप्ति कार्यादे ) जिल्ला का प्राप्ति कार्यादे ) जिल्ला का प्राप्ति कार्यादे ) (क्रिक्ट अक्ति दुरम यत्र नाहित )।। 5011 [ [ = 7 xxxx ] 2: ( 3) & 20 ( dini ( sic dinucis

भिति ) वाक्ष्य- लहे- क्ष्याः (स्थातिक व लहे । हातू आ में हते मंत्र (कास-का मंत्र स आक्षित का का का का है) । किं राजामार मं विकट ये प्रति अस्ति का स का ने ते ते हैं मिल्या कार्य (केट मही भी कार्य मन्त्र के मन किया), एमा (अर्गानान् अर्घ ) धेपसूत्राप (विवास अनुष इदेशाहितात ; विछण्: ]) ए९ (जारा) हिन्द म (जामहर्य नत्र); वि (व्यव्यक् ) त्रेमाप्कः (त्रेमाप्कः काड़) उक् ने पान ( उक्त मार्ड ७) विसादम् ने एड ( विवाद कार्वि रेव्हा कर्वत )॥ इत्रा ( किएक कामायत रिपट्का (क ca) Cu (oruna) क्रम्य (म्बर) हिता विशेष कार्य वह दिहा रे नियम नामिलान के का कार्य के कि (किया त्यार मिर्ट ); नामा क्षार कार्य कार्य कार्यों); हि ् ह कार्य निरूप बामिरमन क्रिय रक रे दिल्य व बारापि (क्रियां की नानितन जिल्ला कार राहि (नी क्र नानितर) त्र लाखी (कामिया) विवादी किन समि समी के किन र्रात ) रेड: (नभूगन र्राट ) अल् ( हार्य पा या 3) [ वीकृष्ण बिलासने ) विषय ( Combr) श्रुक्स अ: व्यापी ( अकाल क्षार अकारक करें प्रें " [कार न ] के Me reser

्रे ज्ञान नावा जाक्षत्र महेलामकाती थानि (काम्य भारेन हैं जिल्ली किल करें) दिस्तीय ( इवरीन विकते वाडेन अमिन्क निवित्ती) क्रिक्स न हारहरा (प्रश्नावयदम नुक्राहरा, जार्माहरम-ल तकार कर्मार कल की विसर्ग में का किया। विस न व मन अमी विश्वित शिक्टिंग टमर्ज त्यांती रिवाह दुक्ता (क्रीका रामिशा) अ: अर् भूषत: (अर् भूषत व्योक्क व्यक्तिहर् विन्त्र (यकाह मार्डि) अप: (विष्कं ) मार्डिट (इपिन्यम्)म इर्ग किं (किंगि) मुक्ता (मुलाई), अवक्रमवर्त्तः (अम्बर्टलन वर्ष [अर]) आसी धार्म (भावना दरेगा ) मनमा (अवं) अक्ष्मा (अक्ष्यं) म्यार द्वती (अक्षे = (नक्षा दवार्व कर्निट इसा); ७९ २ ७९ (रेश) हिन् (वामकरीका रकरी); वाका मा, (वाका मा,) मण्डल (प्रकार) आण्डाण: (अभीताल ) अविवतः (बत बता) चत्रकातः (चत्रप्रधार्वेश्वं) प्रका कन्ये त्र हि (मका द्वीकाल असवलव द्वा कारति द्वारंका शिक्त र किस्तिन देश (वर्ष) वन (वर्गार्ष) आक्षांत्र (

(अकटल बंद के बदार्य) : बनंद ((लावं) लाम्बं ) हिमल्यान ल्लावं स्ट्रिक ) देर का कुटा: (द्रेर का कुटा दर्माहि? [अवड ]) अयः (अये) अतामः (भागायनव्यक्तं War हर दे रिय म ट्याउम की के शिक हे : and (अयूत २रेटन ७) अपन जी मण् (अपन जी मिस्ट्रन, धार्यप्रदन-का डिक्स एवं क्रिकेश मिन्यर्ग विकेश कर्मा उटका द्वारा ने के न न न वर्ष वर्ष मार्य व प्राप्ति ने पूजा व वी याम, विका, में कारि करमं काममह का द कर्षिन कराने न-हाना, किश्म, अकेड व्यक्ति एके , व्यादिसास पंडें . रे स्टार्स वर्स वर्मा इ बक् ए एक अन् अन् वर्म मूक्त हमें हमें में मान - देशन दम हान रहे वार्षिक राभाष्ट्राम कथान्ट्राम ७ के , मंड ७ वर्षा वर्ग-विकास के प्रमहर्गत्य अप हासमे शहा ) NOMEN ( अस्त का कार्न एक के दिल ( दिन्द्र) कारी प्रातं कि ।। 2811 ) र्यास्ट्र (त्यस्मान : [राध्य]) स्थान कार्य

(मका इरेमार) । कियानि (कार विश्वपते) न त्यवार्थ (यात्रम) : व्यवस्थिति (याप्यामिक मी) बाह्य-(याम्याह-), लग्ड (चय) अकत्वालमः (अवाग इक ) असामली हमं इव : (हल सम्मली अप्रें शाना है भविष्ण दर्भात ) मिन्द्रा (डाम) यमा :) क्या वर्ग (क्यम ७) अग्र कुम मृति: (अण्डिल मा अमूक्म) धारिता ( वाय त्याम ) मा जाहिः (प्रायकी मार्ते व अप्रिक ) म भूमाक (शिमाव सम्मा) क ह (ज्यामा) भ्याक (विभिष्ठ रूप )।। २०।। अ मार् छम वडी (कल कि करों) बममा (न र बता न) आही (कार्रकार्वकाल) विकितः (विकार्त), टिन (छिनि) यूपा (अधिकारकारन ) मार्थ (वापान अिं ) विभिनादकपुर् (वनव्यान् वर्षिकान्) कार्वाट्ट (कार्यने कार्य पाट्य); प्रश्न (एकरे रतस्मक) सस (काराय) धात्रक: (असारम के [क्रिसे ]) क्रिय (यादाव) मर्गष् (मार्च) वित्रकीम (म्केमकार्य अवुष्ठ इते थार विभाग लाम र ]) नेपड् अधिक्षेत्र रेगार् के विकास (वन क्षेत्र में कि कार्य के कि कार्य के कि के कार्य के कि कार्य

अ हिंग्ड कामूर (हवामान प्रमष्ट कामूम कार्यमात्र) कड ( प्रक्ष ) विहिन्म क्षित कान्ति है कि कि विशेष (रेश हिंगेक्टल रामिटल मान है [ट्यट्यें क्राम])कमा कार्स (कंस्त्रक) सत्तर्भ (अीटला क्ष्रि) म केटल (प्रमार्थ कार्म), कियू प्रश्तकावि (कियान भारत ] मेर्निकाल WIMW STORY DE TONE FOR FAX: (TAGE) भ्याजिम्म्ति । (भ्याजीव मन्ति माह क्रिक्त ) भूताः । हो किए ध्याला (ने अपने वा इक्सेका कार्या भाष्ये व ( अर्थ कार्स ] ) अपर (अर्थपर ) आत्रीड : (४२६ प-भरेकर्क ) अरीण: धराभी (अर्विवृष्ट वृष्टि प्राष्टि)॥ 29॥ ) व ( विक्ष ) नका (नका समी) म काम (मम [ अंड ] ) थिक ६ (अक्ष ) लकां का कृत् - एक मार्क : रे का (श्रां लकांत-प्रमूद्र अ अस टिने का ने मारे के विष्टे ] ने प्रमूलानि -हमार्शकर ह (लाजा क्या य भी भरम न अहं । साम खर र्के गरे ) राअवुड: (राअन् किल्ले व्याप् कद्रवीमायक Tilled mays ) anders (-14 anders ) nois विकाछ० (अवस असम् ) मुकामि (इवने काविकर ! [mens centra ordanca]) with (outhout goda)

अम्बद् (नरं । तोर्णनं ) नाममणः (नाक्ता) मिनरण्य ( अनिक इरेटम )। रहा। ते जिस्कार (के) बनार (कन क्रेट [on पना]) निक १ (अवदारे ) क्रमूमानि (भूका) विचित्र मः (इसम कानित्रिः [किंड ]) कल जाम (कमत्र ) देत्र (नभात) डयान, (स्वित्राह्म) हककः त हुने: (इक्रक्त्य द्वाम नारे); किए (किश्वमा) अवहत्यवर्ण (कलार्यक्रवर्णव माधा) श्वाप्त प्राच (बरमण) म क्रान्ड (रेन्ड शर्म अमिमारे); एर विकि न्या किए असमाप्री व्या असाय क विक्रा कर में दिन (देश [ ज्राम ] ) मजह वाय क्य्रीमण रे नाम एक कि ने गरका Op लायटमाः (ल्याहा व कमन् दिक्त्ये - च द दृष्टानं ) महाम-वना : (अवाक म्यामा) बन्द ( िरे ) बन ) असर (ब्रिकेट १ प्रेस (हिंगी) पर के : का वर किया के ) वर विकार (वसार्वा अत्वक किता ) रिरे कि मिरिका (अरे क्रिक सर्टिक ) टमाहरने ने अपिया (टमाहरने अपि नकार भारती रहेगा) समा (will) कार्टमपुष्ट म अव्य क्षित्र अपि के के (इंस ) नवर (इंडा के क्ष्र के कि विद्विष् (अर्थन देवे ने कर्बताह)। ७०॥

( १ के हाटन लाम हात लीका ( हा का का मा जान ( का मि ) हा हुन न व्याम (व्यादे कामारक का बेटल मार्व माहि , [वाव पर ]) वंदर (समात:) वृत्र (सम्भारत) यात्र के रिवास्तान क्रिके) विस्तृत् असकी (द्वामानं काश्यक कार्नमा) में मार्किश्विमके मार् ( [ कामा कर्ष का अर्थ ] कामा व क्षां के कि का व्यक्ते ) यहा (यस्त ) सम्य न अव (त्रिक्न सर्वेष्ठ भारति) (धर्मने कविय), जमा (जमा) ध्यक्ष हर्ष् (ध्यक्ष छ-सूर्व ) ७९ वलमें (त्ये कला के कम वर्ग एक वर्ग के किया वा (दार्शिक अपरेख )116511 क्रिक (क्रिके) आसामा काम (मर्व आर्था माने व माने क्रिके ) ने क्रकः ्याचि (कार बक्क ) र जाहि (सरे रिशेड का का रर (रेश बार्निम्त्रे) समा (जारी) अन (न्यूनात) र (प्याप्ता निकटे) अवनार्थ: कृष: (अवनार्थ कार्यमाहि, [अन्यह ] ) एवन (क्यामें ) क्करायम् वाद (काक्र के. रमणः) अत्र गः वय (अभात्रे कवित्य के, वद (नर्राय हू) भार (कामारक) मुक्क (भार्वकाम क्रिके रिशेष (नर्मका) 32 (35 (1860) 24.22.8 2 (1825 26/200) 3 (100) (100)

insolf for more that is such from the such का मकः (रमद्धके) रेगः (कम्म्संस् ) कार्के आहः (ब्रज्जस्मात्रे) अर् ब हवाहि। (अरवन कां मादि ) अमाहि (अर्मान कर्क) खिल्यालुड (खिल्यालुड) Ca (कामान ) लाम्यड (समस) श्वेष्ट (लाहबंप) क्रिका (क्षेत्रप्र कार्येग) के का लाक त्रप् (में स. १८ लामही अंडबारवं) सान् (लामवं माट् ) नामें ( र्टि (क्रिटिंग क ए ) विवास ( विवास में व ) केर्ट हमार् (ट्यामारकने) थाहरण (अमर्जन कामरे (६२) ॥७७॥ ्री (माध्य हर्ते क्रांचे दमा खेर्या खेरी का का कि का कुर ह (चर लंग्ये) चाका ६, (चाका) द्वाह (द्रांत) त्यावर ( [minica ] and mile); man ( while ) \ \sum\_{in} र्वः थाने (माना ) थान्यः (जूरीय , पर्माउत्मीप्रश्य). विभार खिड ( विभार्द्र सम्मर् : [ किड ] ) वा: समाः का: १ [पूर्ण त्य अवामत्रेष कथा वानिएइ] अरे अवा मर्ने त्य ? रिमिष् ]) रेडि (अस्त्य) यमार्थ (यम, ित्ये कर्यात (मयप्यं) रंगः समस्य मवादं उमकी काला): (मारायम अस्माद् निश्चित क्राप्टन कीयरीव अगव डे आर माभी ) जा: आसेड: (अरे डेकम क्षिमर्ग्य अवधान्त्रक्ष)। विशा

of they porriged from ्रि रि में से हं ] किल मन म म म मारा म न म कि व - इंड माः (मक्षेत्र भ सब , भग , प्रार्थ , यठ दशी , द्रम ) , कब्छ - कनक- मस्प्रम् ही-राष्ट्रिक्षा: (कार्नेभावक क्रिक-क्रामी, क्रक्य प्रभूटे [किटि], कांत्रे छ ), अव्यं अभय-कृष्णा कृत्र- अद्वाद- विर्श्न: (कन्तिन व्यक्त, असूना कृत्त, देउस त्यहि, विश्य), अयु द्रा - जुन्नी- अर्र-कामा स्ताति (अयु द्रा, ड्रांभी, धायाचा भाव , कलार्यन् ल्याम), कम्मान्यूक्त-जाम-अभित्रिष्टमकृष्टाः (अभकानिका, जात्र, विव्यक्त, काईकृष्ट) विल- सन्धित जाला ११ लाक - अव्याल का : ह ( स्नेत्र ककार्यन लाम, अटलाकर्रिकं देवस अमूत ), राजिलाविर्माकि-210- अम्मक कता: (कमार्य र देख्य मादितासक धास बक्तम डेउम हम्मक्रिमिका), एडिममिह्ममुकारात्वाम् निकार (विकार, खन्न क्रिक, भूका दान, भूवते अहारे), एक-मिक-मिन्द्री-कूल-स्टार्भमानाः (एक, का कारित, प्रमुख, पृत्री, कूल प्रथा, वरकार्यमा प्रकृति) लक्न मृत- हत्नावी- अकु तनकी ववानि (लक्ष्य- प्रथा), राविने, हटकारी क्रेड्डिन, नी सक्यम ), आवश्यन अवस्था भ-कार लया- वक्षकीयाः (कलार्यन अक्ष मारे, देत्रः देत्र छने

वान प्रा , में भू भी प्रा ), विभन दन हमर्थ : (ताड़िय वीक्षुड़्य) कार्या ) के मान प्रके लाई ( [ न द के का ] के मान कर मार्थि।) विष्टें : रिका : (विष्यवानि द्वान रिका), मर्का : 3x (JAMES) 30:00: 30:00: (२०४०:) जायाही जमने कर्नेटि है विम्हत व्यानिक क्षेत्र क्षेत्र प्रमास्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मित प्राय भी भारत के कि है से में हे में के दर्दा मंदी का कार्यक करिया विश्व कर के कर की कर की का की का किए के किए कि , अस्ति व , डे क व र क र छ उटा व , निष्मु कि र क कलार्यव व्यावाकन द्विष्टिमक क्ष देव प्र विदिन , दम्यानमीकर्क त्रिमीन, माहिक्षिक अम्बद्धारम्, न भाः यु तर्क हं क कलार्य न कारायं, स्र रिकर् क क्रमकाल कप्, जास कत्या, विस्व कत्यं क कार्य कुछ.

तितं ' इस्यह्म में पाणित त समम्त्र का दमनं कर्तान-कर्म अटमार्जील मारवन , अन्ति मार्जिक के क कला विन मार्कियम अर्थितिक किला हिला करिकार्य का न , हिंदुरक न निम् डारम् का डिकर्क विम् एवं अयक किर्क क्षत्राते व पढ्नाकि ईक श्रुवात्रात्न व व्यवकार्ड-क र्क मूक्तिप्त नामिक् कि र्क एक अभीव क्रिकेशन कर्क काकित्यव नृष्टिक्ष प्रमृत्वव त्रवाक्रा. कर्क समर्थन न भूका तड ना कि हम के स में तिया ने अम्बर्डि ईक ब्राञ्चन वार अकृतिवा, त्रायकर्क ल र ने किं के किंति ह दका ने वि अ अधिक कि भी य क ल दियं ने करामीक र्य कल त्यं की में महिने क्रिक र क वश्रे विम् रकत् कर्यम्लामुक क्क बिन् व उरते व , उर्धकर्क व्या- ७- मं र् मी-मूटम् न, पड़ना बिकर् क अप पा दिश्व-याक्षात स्थान (को वं ) क कर्ष हर मा त्यान दे क करोत्र म्बर्ग म्यान विवनि विव भ्राम क्रम्म मार्गिन 5 x 11 (5 ) 1100-101-11 ठिल्ला कर्मा के (कार्य ) के कि के प्रकार (कर्मा त्य व लाक अध्वकू ना भू अक्रक) देखि

उप्तिज्य ( अ) कृ त्यन जापून वान्त्राय नहत ) व्यक्तर् (अवरे कार्यम ) अन्तर (मिन्डें ) अब्द्रादिक वर्ष विकानार (अल्यामण द्राहक विकावसमूद्रक) अवार (पवस्रकात) व्यान्त्र (श्रव्यंत्रेष्ट्यंत्र) काः (क्लिन मेर्ना) कावितः (अधिकाक्ष्य ) देगर (चर्या ) क्रम्क र सम्मर ( विकार काकारक) म्डकर्स ( विक्कर्स) विदर्वाडि (मान मान 4 ( a c ( a a a [ an a ] ) \$ 0 : ( a xgra 2 x 20) यारि हिंदी या यारे ट्राइ रे रे वि मिर्ट न की विद्य (अर्क्षित्व नरेक्ष वर्तिक वार्ति [नवर]) पामें उर् ०र्रा लाम ( मिन रह की के एक ने काए व ) सम बल्ट रे क्रो (ध कहा मूक भिक्क ) प्रमान बीका (कि कि प्रक्रियार मार्थित मार्थित का मिर्टियार मार्थित मार्थित का मिर्टियार मार्थि र्विषे रहते ) लाम श्रीका (लमभार्थमी-२३ राम ), ब्रिडि! (श्विक्ट!) मन् मर ( जि.मी) आसारक) अमान्छ (अमापन्थ्यक) छन्ता (छनी-मदकारक ) \* कु हमामि? (क्ला भाग धनरे एवर १०० यः रावेः ( की किक ) देश वसम् (नवंस करामा व याम् १०) कर्म कार (१ म्यान) व्यक्तार अ (27 108/4) repré (ourage que (44) 11 000 8011

8) inge ( [about ] way and ( of som of ( of som of ) लय हैं ते वह (लय हिंब काई ते हैं) लाय (ल्या दुन : (लायल -व्यक्ति) मना डाटेव: (मान् द्वारं म खलात्य) विद्यानिका ( विकास का रह मंग ) विस्था की का ( सी का टिल कर कार्ता) खितं (खिनं व्याव साव ) कारण कर्त (मृत्यिति त्मय कान् (सत )॥ ४ > " 85 [व्यक्ताटम ] बाक्र रे कि: (अवाक्षाव रे कि) विवासक्य-म्हिलाका वक्षा : ( जासक्षिम् महात मृत्रा का का धारा अका मार्निक्यार्व ) टभावंग (क्षेत्र म विकास्य वर्तमा ) विष्य लास्त्री वृद (विकादा सम्बंदि भारे) एमा भागा स्कुर (वीकृष्टम म्माम प्रमान पिए) का बढ़ी (काविण दरेन १ [अण: भन देश]) क्रिम आहा (त्मारे-हिए क्रिजा कर्मने करने मा ) कड : (द्राया मिक् २१०) मिन्डा (मिन्ड २रेमा) कि किए या क्रान कुला (माध्यकतीय कि।किए थार्ड) हो मारिन (Mgs ]) ningan in war on a gray कार्वशास्तिः विश्वास्ति हेका ]) शक्षाता नामिती (सार लाटअबंड सेन मेरियकाटक) सितंद (सित्वमाक) ज्यानात्रका वानान्ति (ज्याम कार्यक्रियाद्र) लामकायर (मियाका करवेस) ॥ १८॥

80 [ Colong on ( maige ) advisão ( my supa 28 fo) व अने रक्ष न (श्रीम व अरक्त ) धाक्षा (धाकर्ष ने वृर्षक) द्रिया सा (कार्य द्रिया व्याय व्याय विस्त । स्था में ( विस्त अर्काक) विश्वम् मृतक्र कता-मान्वाने मुद्धे द्वा TEXT TO THE WAY OF THE TEXT OF ( डिर्माडिट्व असाविड मध्नेत्वाते ने त्याभाव म्य लाश लाग (मीरका कर्तिवादं नाम ८० यानियाने॥ 8 ७॥ प्राक्ट ल आर ( वार्व कि कि लकार्व ) (मार ( (पाटक) सर्वे अ- अंभे र (सर्वे अंभे म व अंभे भूम ) र् तर (CA CA) ब निस्ति के (ब मिममेरे ) । पुरमा हि कित (बर्डमात मारियात्र) पुर (प्रामि) देन-व में दिल्ली ( मुख्य- वर्षे से का सहा दिल्ली है। का की कार्य (Hexing) Dis (Chung) Sir (Onus in Maigno Jan Michigan ( ( ( ( ( ) ) 52 ( ) MG ) Mile ( MAL ) ME.

लाम (मार्च रंत्र क्रिक्स ) वर (त्यर त्रक् ) वरणा वरणा ( अवरत्त्र अश्वाक ) ट्वी प्रवासी ( ट्वी के अवाद BAN 4 4 1 1 8811 अवक (कार्य मार्थ क ( वार्य मिक्सिक ) मार्च ( क (मह्ना कि ) क्रायुक्त व ह (क्रिम्मी यवा-मन्द्रिस) Congalue (am) & may ye ( & may here भिर्मा अमूर्कि कार्टियापरे ) आक्रमी हा छि (यार्क्सक् (ल विमे लाय बार्ट में टि)॥ 8 द ।, की तर (टमटब्बे) आंबु मृत्याबाब ट्याम्प्रामय - क्या ते वा संद ( अर्डपुर्तामान लमदमा क्याय एवं धवा कार्डवीय) उल दि (नमें उनकारम) सर्मालिये जिले : (मिल्येन-अम् छोत्रमुक ) क्वाहितव- ७ को : (त्रीम कियात गार्किन) में दर्भ थ : लास (में इंग्ली रंद्र में विश्वास ] कराह-नारियर: (विवाद कर्द्निक्ते); ७९ दे (किट्टिक निक्रि) किया विवासनमः (एमक्य) क्यारानी लाम ( Tan eng) \$ 2 /212 xo) & ( 72x xo) ( 73x xo) ( 8011 8 12 अप (कामना, ) है। के (बिक्सिक करके) कामकाने: ( armara रेक्ट्र ) कान्क्ट्र (टलप्त-वकार ) सम्पन

27: (NOLBY) CILO (JANA MAJOR) LINE ल्याक्षे (ए. अत्ये कथा अस्ते क्षिण ) काहि (कथा) का व्यान करा (कार कराये) प्रार (अविधारिक) न \$0 20 ( Quo a ( a a a y e ( a wa) 11 8 d 11 SP NEW ( ON THAT MEY 2 IN ) \* R BLANG ( CNJ 7: 15/5) G राजा (क्यान) के जून में न का हर्ष कर है किए ! उक्ति ) अभी कुछ ( अयमस्त्र भूर्य के) उत्प ( अव-ध्दर्भ विका (विल् ) मुक्षा बहुता (प्रभार बहुत्र लग्रह ' च अप मार्चते का अधाल हा ( समान कार्न ते ही) | 80-1 112511 89) ag: ced ([myn ] nig = meig & 2 (ca]) ni-क्राधाकारताकत (अव्योव ध्रम्मित) कुष: क्रिट्रे कु पूरी (को पूर्त अका म करून) दे म (कार) मण्मी. कोबीक्षणाडि: (बल्भीका कोबीकर्क धार्था) लवं स्थातिः (लवं-यावी सर्पवं स्थाव) केवः (द्वीराहे) व हिः (वसन कड्वन) है।। इन ।। पि एर (सर्विष्ठ) हमार (क्रिकेट) यार्नेण-भगिष्ठ (सम ( भूतिक क्रिक त्रिक अमिक स्मिन ) भार्य भार्यक : (अग्रीमिक्ट्र जिल्ल इर्मा )क्रमान प्रिकीमार्ह

( Faigle 3 Marya ) Saffermi ( Artura) भीकितः (त्रेश्ची यत्रंग्रहिक् )॥ ६०॥ ( प्र ( किस् ) करा लास लामा लामा स्वास नि क शिक्टामांव: काम (समय ने मिने में कार्य का के टिम में अकरि अभ्य वाक्ष्व (वा अने मा कार्ने भा उ) बमार्वकारी (इस इ लाइ का बी अनु गार्डिड) दे का अंडिश ट्रिस हो में प-उउस्मः कार्य (कान, कामर्भ) टमा-हान्ते प्राना डेयारान् मून्यम्य हेल्य कर्न्य । विवित्व वकः (क्राक्रक My Joseph May ( क्रियाक ( क्रिक्टर ) मण्या (मभी ) बे यहां ( बेला कर्ष ) रेक्ट मान्त्र (मान्त्र मान्त्र) मठ (मर्ग) रेमान्युर काळर (रेमार्युमारम माम्स) वर अवद (अरे कुलावनक) विधाना (विधावा) अवकाल्यकर (बन्नाल्यक्षित्रकार्य) सकार ए वर (काराने रास कार्य करन तार्टिन किस्कार की जन के : वाका किल मी वेदार वे वाका ) प्र ह भाडा act ) 11 @ 21

रेम् न्या रेम् मर्म् अवित्वित्ताम्य तम्मा नेते द् (कामन क्राउन जीन डार्स डेम्ड यर की डार्स ) लसप्तिम् शिक्ष स्वाचित्र (कामान प्रिकास समाप [वर]) यभी में भिर्त्रा भान-का य (धार धार में त्रिर्भ मत्त्र धार के के। म-(अ) ; रेर ( यर बत ) काय-अर्थ अवस्था ( किएमार्थ-अदे-गाधक) क् क्ष्र कार्विक् क्ष ल्लाहा सम्रेटिक )॥ रूपा (8) [तम्द्राट्य ] मेंडमार्ड लाममा। (मेंक्य पारम् क कावानावं लामाण) कासुवार्वात्रू वर्षे के गामी (कासुवार्वा भूकार्य मामक निरम्बें का व्यक्ति का के जिल्ला हिटलं का वे लाभू व जिल करता ने या व्यक्तिका के प्राप्त कार्य ] किस्ताकर (काम्पर्व ) र्मेर (अहे) आमानी (देशसमामूनी) जारि (स्मार्टर oug cocs ) the sind: (ound sixony) none (ट्यम्बर्ग) (निधन्न: (डेललमन कार्नेमा) पिछा (अर्था) क्रियं वार्ट्रमृत्यति (क्रियं धर्मत् अमिटिनायंक मार्थम् भ प्रमृत , प्रभेष्ठ त्व कि मृत्यम् बार्थमृत प्रवास (धाम्मान कर्न न)। ८४। (ति करं (लामकी) इड (चर् बत्र) इप-त्यवात्वितं (म्मे म्मान क्रिके) क्रूप्रभ हिन्द्र : (भूक्षहम्म काने त्वाहि);

तिश्व दक) हि अवधात असे ल्या के क्षित ) या स्वाल प्रमाण कर्ति । विश्व वि कार्माट् कि ) है। दला ( वटिन द्वा बक्षहात्र् ! ) अवना त्ववावशवधान (न्या मरोव कळ्या विवन विवेश मा) रेड (नरे) ल्यानास (भूरकामास) ता (न्यामा) ह गर न कारे (कार्य) कार्य मात्रे) व अकावा नम्ही (बडाबानक-ल तेन माने ) सम्मन् अवन १९ ( असी मुख्यानन-वं वास्ते ) विद्यावसीय (अ विद्यावस्ति के अम्ब बली (मबीम क्रेम्क र्रेम्क प्रमास्त्र भाग कर्ने) ।। ००। अ [जर्काल ] शर्वे हकात (जीक्कक्स हकार), भिष्कि हि-। जीकी वाद (अधर शक्ष अ भी छ व अर पाल मू जीवन जिल्ही) हलतम्त क्ष्रिंग् साय व साप ( हक्र न नम्मक्त श्रित् छेल्लम् (म ब्रामीय), जर्वक-ली मूख व लगः ( अति वा बार्व श्रम हत्य प्रवेख) अवही ९ (अन्ति) नर्यभीग्विनावार् किमान्यामस्य सम्मन-बीया ) । भेरावि ( अपन करिए अव्य श्रेराम ) वेर (वमार्ग) अभीता (मभीमाने ) दृक्ष कारीहमं : वार्म

(यम्मनाक्ष्म हाकाबीमन्त ) व्यक्षर विक्रियाह कार्ब्याहिन )। द्वा Ch) अर ( िन म् अलां ] आधारा ) तरमा मुख्य देव (आक किंत क्षाल तित्र (त्रत्र ) कथ केर्ड (स्था ) विर्वे को (क्ष कार्यता) करें। अरीटमार्भम धामण (करेंग अक् म मीत्मार्भत्य सामाताका ) मिनंद (मिनंदम्ब ) रिवते है। (लयहै र कार्ष्ट्र), अमूरे बर्मितारक कर (अमूरे बर्मना अठकार्व ) अवक्र (लक्षाट (वं) भुष्रता (टक्ष) वं आर्व ) लिए अलस्यान (बस्य अहिल है। लेप (MCMA) 11 @ 6 11 (क) लय (लक्ष्में ) काशिकर्य हिन यव्या- पायरान (पाटका. लिया का क्षित्र मा है। विमें का के के का विश्वित प्रकृत र्ठा त्य्यं मिक्ष लाक्ष्यं यात्रमानं दुर्द्र (उठ ) किकः (अविक) केवर (अविवे ) अ (ला) ( १९४१ व प्रमाद (१३३३) १ प क के बा के पुर १ १ के प के प्रियं का प्रयं का प्रियं का प्रयं का प्रियं का प्रियं का प्रियं का प्रियं का प्रियं का प्रियं का हाम दिना है दिशा (शायन करने (अप )। किना। 20 शहत ( कि अपी ना ना ना ना नि मी के नाहाम नाहिला (इन्ने अयस अ हरे क्र कर्न के ) ट्यापा के का प्रमान

regrangi. (mine sing concy à l'éra à matrisse ग्रंथ ) हैं एर (अक्षेत्र) । स्रिने व्यक्ष कर् (। स्रिने व्यक्ष भिर्म का किया ) विभावड (एए प्रमूर्वक ) भी प्राव्यविक्रम (जीजा कथल कार्ण) ७० (छ। शास्त्र) भूतः (बाव्यान) ००१७ (छाउँ सामित नामित्य )॥७०॥ D) (an mrs ([reward] Cng = 1 & (ra ) 1g and = ci (पट्र काम (विटिश्न कार्यायम् म (पर करके छ) लाति में में भक्त है। यह साम है। यह साम का मार्थ का मार्थ है। यह साम का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ इरेन्तर); अकस्थार ००: ([टमरेट्यू ] क्रिक्स मान ८५२ २१ ८७) अत्यन- नारकार्यू सक्छ्ट्रम (धर्मकम ७ म्यक्टाट्म ) साट्या ([टम्बेम्म] मर्गाटमन रहिद्रारभा के समान ( किन्न महिर्गाहर)। वर्गा अ उर्मालियः भूत्र जताः (क्षेत्रक्षं मार्ल पारकं कर्मे क्षिट ) पत्तवः (में संधु [म्याना के]) ककेक-वक्ष वीरिका भीची ह (कक्ष्य वक्ष मंद्र भीवी वक्ष) अमर हिन्द (अमर्थ हिन रहेस ), अवर (किंड) स्माहनार (क्षेत्र का नरे) तिष्य (किष्य दिल्ला) ही तर्भ्य ना छ -बीमकर (क्षाप्त मेक्षा लाक्ष्र वसराक) किट्स (लवक्ष धार्माह्य)॥ तर।।

भे त्र (मान्स्कार ) आ (अंगमा ) लाय्यम् भीक लाय प्रका (यत्रीयद्वे डाक्ष द्विष्यपत्त र्यं में )व्वत्याप्ताक्षर (अहरकन रह द्वारी व्रेष्ण) बन्नार (निस-बन्धक) विष्णा हर (अस्प्रधार्मा) एवः (स्प्रस्पर ४४०) लक्षर्वा (१८६ आरेग ) क जितासीय (अधानिक नी बीव बकान कार्य) म्भार्षा थान ( प्रमार्था वरेला ) विश्वा अकवर (र्काक्षा रहंग बाहिट्यम )। ए ।।। १८ वादर (वरकार्ष) के कः लाम (मक्के ) प्रवास ( डेड यही छिलाती विट्]) त्या द्वाड: स्ति ( यर्व तत्र-मून), जर्क्षन रमकृत्स (जिने समझ अमकृत्स) मार्गरमवावस् मियते (कला त्वारमव व्यावतस्त इत्न ) अन्ति कार्याव ० (इस्तिर्ते व मेर्ने ) डे०क: (डेर्म्स वर्मण) ७ मा: (ड्रायान) व्यक्तिक्षाम (तिकटे छेलार्यु इरेट्सम)॥ ७८॥ तिकारित ( किस्मिया व्याचा ) कमाकृ (काप ककार्य) नीवि (मीव) अविक्रिक विनिविष् (बक्षत्र करिया) (ए मिन्दिर्यक्षाकं ) स्मिन्त्र भी: (इस्मेन कर मार्गित्र)

कार्कि) वन मार्ग द्वार्ष्ट् अवि (न्त्री मु एक म र रह-थियारं ( विकारिक विदेश किया मिला हिला )।। तहा क्षा ( [चइंस्ल ] स्थान्। ) कान्यं में में में या चारका मित्र (अर्थम्मू विव वाम दाव वावा दे द्वारा [करे]) देवसूका धाल (हित्य छेवसूक्ष्रमुक्त इहेटल ३) धार् मू-CRAT (कृतिम दृष्टिभाष्ट्रियकात् ) । श्री क्रिकि विधिष्ट (21200 - द्वान कार्या किए), अवस्था क्षेत्र व रें (अवस्थ लासकाम्य ) वसर् (सिन्नी क्रीक क क (क) हिंदमंडी ( दर्भना कावित कवित् ) धन्न ( दंग्यान ) वाकून-खारिय विविषयि (कार्य प्राधिक कार्य ) वर्थारी-द्रा वर्ष का का तीर (कियो प्र क्षिक्त कार्य में कार्य कार्य कार्य [03 MCV] MA: yardu: +3(in) भी लिका त ] हारी बमाजा (काम त्वला) हमारमा: ( हक्रम, [धारा ] कुला सामा मिन्ना । ( अक्षत्र ने अमन दिन्द्र -टलाडिण ) वाबुटमा: रेव (कयमधूम स्मव नाम ), विशः निक्कारणः कवरणः (अवश्वरव निवाबिक क्ष्ये कार्य १ क्ष्रिक अर्थ ) सर्थ है : ध्रात्रीर (सर्थ र garde 55 ELD (M) A) 11 2011

Ewenstiney Junear अभिक्य (अक्ष्म् ) मार्चन (मार्चन ) उत्पः (द्वारायः) तक्ति ता (सक् कारत द आर्टि रहता) के कर की बावंतर (अर्क किल निर्मा वर्त कार्य (त्र ( ) कूका ( कूका ) कूका ( क्र क्र कार्य के कार्य का ( द्वि ) लक्षानित् कुक् / लक्ष द्वान करिन्द कर् । 11 55-11 ) ते के : (बीक् के) कुल म नाष्ट्र धार (कुल म नार के नियमी) कि ( विति) सम ( व्याक्षाने) क व्यक्षित ( नरे) मान्य को (242-200 ) orient sa ( oriente 20 [40]) यात्र मार्थ कार्य कार्ड १ ( विषा ने अमान कर × जन्म के मिन्द्र ) ट्रा मिन्द्र ( Graven दे अदम पठ अर ६ व्या के प्रमाण का का का का का का की विक र (का कि) व्याकारी म (व्याकारी मार्च , [वक्राम ]) मानी-यूकी-यूकार (मानी भूकी व यूक्र ११ ए कर) ०८ (अप्ताक विकतं) में आकारी काल (काहे-टमालकी र र्रेटल ) क्रमांक् (कामालकि) (८५८४०) वर् (व्या) यहास्ति-त्यत्रः (outh But (43) / (60)

Lang alace and Lange - मिल्ला का कर्न देश Maria Hara Hara Judon क्षिति स्था अमेक्ष्य । स्था । स्ट के से से ति के से सि के में (कार्य ) श्र क्या : प्रशक् (क (क्या कार नरे बामस्त) अत्युल्यां त्य प्रमः ( ब्रास्ट्रेक्स् द्वा श्रास्ट्र प्रमानं ) हात देशवंतम ( जड़बेल दुकावंत्र में क्या ) न्यास (कार्य) म्यर (म्योगे) कंबर भेषर (कार्यार अस्त्रेम, इस) प्रमर्थ (प्रायम कन )॥ 9211 वर् मम: म्लाम (त्यम: म्लाम,) इति वर्ष वर्ष वर्ष अने कार्नेगा ) क्लिन हैं अरवं वरमाका मिर्न ( क्यांत राक्ष्म प्रमध्य मिनाम दिन ) कार्य अवं आहे -अविक् (श्रांत लामन इस्टेंस समिति) लाम्त (म्रामम कवं विष्टी) देवि शतिकार्नं मतः ( द्वीर हार्डिकारेस नमः ) रेखि (सरेख व पटक) र्थः (अभवातं) व्याप्तकः क्रमेकाः (मेल्या च्यां कार्य ) लिया हा कार्ल (सम्र (क ) वर कर ( 41 20 28 [and 1 49] ) 119211 ते लम हैं (क्ष्मिलंब विषे ) त्रमं आये वार्षे वार्षे (र्याव क्रिकि) कि ( प्रक क्या हो ( क्रिक क्रिय प्रया था था)

WANT: (केरान ) मुहिन्कर (मुक्क हिन्क एम ) त्याने-मून ह ( किर विनिध्न ) भूषा ( भव न करवेंगा ) म्भामिन प्राम ([म्यम] म्यहत्त ) अतिम निकल नमः ( अरेम विकार नमः ) रेपि ( वर्रक्ष ) मन्वर् (देवस सम्) कामार (देखाने ने व्यक् ) म ् समामा (भीर मूलला) तिसिरि (मालत कर )॥१७॥ विश मनः (म्मनाम ) अमम क्लाब द्यार्मः अभि (द्रेशन विवार ने भाषा ) भवित्य नमः (रम्भाग नमः) के हि ह हिती व्यान ( यो का ल हेक्का वृत्रे पूर्वक ) क्यार: (वैत्रान ) जाकार्व (अम्रक्वम ) अक्टो (अक्टोबर्ग) अवेल (अवेल) अपि कुलार व यक्तीव को (भारतिक स कुल मुक केरे लियं के ल य में ही में में भारति (लियं करें) 119811 ण्ड क्षवती क्रिय (क्षवतीरक) ख्रिमडीर ( ७० समा कार्य ) अवार्या विष्यम (कर्ताव समामा) exa sá (13612 [ = 1561] L) eléngo la inó ( OIGHT DE ME AND DE MINE MANGE MANG ( [ निक्क ] जियमधीलनेत कार्नियम्)। १०॥

भी (ड मर्गाता) समा ( कामा) अवस्तानात (सर्य-भटक का बटडि ) विकामारिस् (विश्व मारिस विश्व पक्षात्म (यक प्रवाद म्या कर्का किंकी के व: विश्विषात्मक ) अभी (अभी) खर ह विष्ट कार्य) किए जिन जिलि टिश्रम का निर्धाद कर रे ) ॥ १७॥ विका विभाग्ना (हिम्मुन) विभाग) क्रिया व : (क्रिय-क्षा के महकार [ मेर ] ) मिलायम : (यराम-वदत ) इंग्रेंशारी वाभित्र: ( विका धार्म भी वहताना) राविश्माकिषठी: जा: मशी: ( ट्यरे मशी मरी की कृष्ण रक जियक्षाय धार्य स कर्नित छ। देश पिता क विवन व (विवाद रेणूर्वक) पृत्ति क्षित् : (वस्त्र प्रदू व क्षाना) क्म यहार (क्म यहारक) में मही (दिल्एं में महि-वक्षात्व माना करिया ) ०० ( चीर करक) ध्यापी (बार्यस्मान)म 9911 कि अठी। अर्थ (अवीव अर्थ ) दुश्का : । बुद्धा (श्रीकार्धीक अमुक्तिम मामाविद्य , अम (अरब, नाविधरंग) आक्रमबंभत्म ( देखर्गबर् आक्रमबंभम-माराह ) असकर (मला सिंह रेंग्रें अंदरें ] विं (जाये ) ७९ विमा (अक्षमवक्षम् किक्रों) रेक्रोंकिवरी

(मकायकार्य) सरेत: (सरेत र्यंगार: [कार्य]) रिश्मिका संभी ( [ कार्याल कं मंत्र ] मुस्कर्वा में मध्ये) कर् म अर्थ र अर्थ कार्य कार्य करता एक में है। १ १ मा वर्ते [ ब्लास्य] व प्रहार् (क्यो ना का ) कृष्टि भी व वद अनि (क्रियेमच बक्त कार्बमा) क्रिकियात्रम् (धर्मन ७ रर्ट्य के ने प्रकार्य ) विभागाव (विभागाव कार्ट) 13 ( 21 galo sig ( 21 galo sig ( 2) areid 18 an (असाद् काल क्वार्क ) कूप नवा (कूप नवा) यूपा (रस्टाव ) हाताः (देवामंत्र) अद्याप्ताः (देवकारं यगतन ) धकतवक्षतर्का वाद् (धकत्र वक्षत कार्यः-EMZ ) 119011 bo [धमहर ] धमाक्रिका मा (कूलमका विषया (4) (मार्क) केवर (मडेव) समीमार नार (समील लास्ना) अटम बना व छेट (अकृष (अवाक्षाका काक्ष्य) भारेपर (अक्टिक ) हेबाह (बाम (सम निर्देश (क्रिके) अलंगा-किया हिंद कार्य तिथि पाटलकं कि ) यह सराम् व्यक्ति (यन सरम् भूका कर्ने ) 11 क्रा

(ano) नि कर्त कि के ) वार (क्या महारक) व्यवस्ति (वानाय के [618] ) Sas (armen) 32 2 all a 180 (212-भूका न विकात ) मिली (देवाद्या करें); आ जाल ([जमन]क्षत्रात ) वर् (हात्राटक) मुना (तम्न-मा (७) वा विकालात ( वीका केर्स अलामम् ) । ५०॥ क्रिक्टि अवत्र ( मान कवार ( क्रिक्टि वाच ता में)। ५०॥ b) रिष्ठ (कार्स (कारिक) इड (कर्टाम) किस्व- प्रमेत- माना (कार् GIATANNE (क्षेत्र, म्याम् मात्र में उप्तान, क्रम्पन, MARIE STANGE PARTY (# ) AND ) एकं नाम ( (aria) अर्मेस (अर्मेत्र) अराधा (यर भू वर्ग), ७९ वर्ष्म (ज्याम) (ठ छाड (यर मरने म) मुश्रे मटडाय टराजा: (मक्षक माडाका विकास ने मिन्न) ८७५ (हेक तब-धरमं) धर्मन-विकह-वक्ष कार्यने क्री? ( धर्व इस् अ अक्री एवं कर् कर्ष्या असी क वित्री ॥ १ थ। ि विस्त ] (काहाट्यी (कट्टि काहाट्य!) क् ( व्यक्ति) धराने (धर्म) धमूर सामित्र (मिल्न न नरे मिकार) आलंगन (श्रीम् धलंत्रमूत ) आत्राधिष (अत्रते कलात्रेप) यताहार क्षिण्या (अम्बेन का क्षित हा का है। (क्ला माठारक) रेटि देखा ( वर्ष क व वार्मण )

केक द्या (क्येक किंव करमें) क्यमारी सादा (अभिनेश पूर्व हामिया अर्थे के केल इसे तम) माक्रम अहिता / श्रीम व्यक्त सन् अहि द्वारा ) व्यस्ति इका (विकत्ते क्षायमा इने तान)। एका िश या ([क्रिय] <u>किथ</u> ) हिन्यंत्री दर् विया दक्त शहता) उत्याक पादि (मिन्स, लक पत् चादि हारा ) दीका (प्राम्में सिंगुक् पूर्व के के कि विकित्य में माय या का क (सनकासनासन्तर्व अमून्ध्री श्रीता ) क्रिक मट्याः क्रबन्तार् ह (जीक्रक, मश्रीममन क्रिंड कूममणाम् अछ ) त्राकी (भेकी अकाम भूर्वक) मी मेर (अवर ) याहर ट्राश्मिश (यार केट्र कतिक कर्विक ) लच्ची ( [ वक्ष ] वानिया -E(A) 11 6 811 क्षा मित्र (मरेयम् अरे नीक्टक् ) दार्थी - मार्टी (ईम्बाक्ष पाद्रक्राकार्व) द्रेतं (चर्) विचाम (बिमामा) दवा मेरी (देवस मेरी) मामिल (मामिला) सत्त्रेसा (त्यक् प्रह्या [ चर्ड ] ) प्रार्गर् (चर्) कुम्बली (कुम्मला) विपृष्टिका (विपृष्टिका) ॥ ५-०॥ के म: लयं (नम् मिक) अवीवहः लाल (नम् (अवी-

दीय उद्गांत ) लया में बेर (लिए ने में में में में है) यमप्रीडावर् विधर (मिल्म मण्येय डाव मान्ने कार्येग) भ्या वास्त्रार भवंग्र (श्रीम बास्त्रीव वेल करें भीता) अत्रक्षर (मिक्स मरी) मक्त पा जाने (मक्लाउ) रकः ( [ व्यास्त ] क्रांस कार्यमार ); त्याहकः ([अवं क्रिक्स का के ] प्यात्य है ) दूस होता ( रेर्जाम भिट्ट ) सून्यानिः (सून विश्रास्त्रे 2112 22(27) 11 6 411 नि ज्य (अक्ष्में ) के कः (चीर के) तर (चीराद्या कि) उल (अकर मार्क्टिमाहत ) तिवाव्यत थाने (तिवाव्ये कामिक्षे प्रमहस्राहिक (में महस्याहिकाल) व्यर्ड: लाभी (व्यर्ड र्युत्मय । [लावं]) कामा लाभी (स्वीकारी ७) ७० (स्वीक्षात ) एन (म्महम्मारी-काटर ) तिवाद्य ही जाम (तिवाद रे करेने क करेन ) अद्रमाधार (यम्याद्वीत्यार ) कान्यायम लर्दि (लाकुमार्स लाजप्रामुका प्रमुख्य ) 11 मे 11 कि त्यह (पर्द्धा ) ecai: ( व्याम दलता ) मश्चिति ( निक मिक कार्त) समें देक त्राः ( देव में क उन्ने मा ) लियारे कि द्या कुन कार ( अक्स दिन प्रवान में

सिर्द्रिश्यः (वहाक्य द्रांता) देश (अव्यक्ति) या पायका (पणिका, ) दिस्मा (प्रकट लाभुमा) मेरिसम्मा ( हिम अस्मीमिरकात ) २० (व्यानकात) wed समें ( हर्ममा करिएम [ वर् ] ) अद्रीका कु क्षिक क्षित ) अस्त्र क्षेत्र कार्य प्राप्त कार्य का वकात ) उद्यासमा (काइम् मासमा दम् चल्ल (न म बन्नासद्य) क (कास्त्र निस्) क्या मूर्या (विश्वायर्थामा क्रा मूर्य [प्राच व]) सकायकोर लयमा (सर्वेशमा चर् केसम वार भारकेत्रे ) ज्यू धार्षे (धायम वक्षत वहेके ) ॥ ६ गा। आ ([लयक्ड] व्यास्ता) सकल अदावित लाक्षी ( मक बमाक्त काक्ष्र्य के क्ष्र ) काबार । खेला (मैं के आकृता) १ यर स: अव प्लाइकाशी (र्राम्मेक समयम धामक कार्यम )म्याप (स्वाम्भाव वार्ष) मास्यमे (मिनक्षांक ) उर् (लीक्किक) अर्गिलंडिय (गिन नम्ति रेम्स्टियां) क्षितं में ही (क्षितं मुस्ति मिन्द्रमातं) देखि लवासीर (पक्ष वामेग हिला के)म २०॥

णी मेर (ट्याइके) मा (माम ) लाएन (मेर्यास ) खिल्मां (कर्षक) मिक्सा सार्थर (पिक आत्मीका) विश्वाप ्र के से ही (क्ष्रेंड्रि) राश्चर क्ष्राप्त (कर् क्रियार) हिन जहा थार का हिन कर्मा द्वास रहा रे मार्टिक co (त्वासाय, [त्यरे]) ज्याहात्री (ज्याहात्री) 至1至19(年1349)11の511 N) क्यान ही (क्यान ही) धान विश्वित त्यान करें) किटि (इड केटि ) लडं (ल्याल ) हाउन प (साहित मित्र ) दे का भीर ( १ दे ) भावका की (वपरथ एक प्रवे ) अर मुना (अरमारे मुना किन्नी) रेडि लगड विसि नै (देशरे आएसवे सिरंस)। यह ए yo mercay (manianya) मुक्तार्थकीय-माधानि (भूगत, व्यक्षित व सव) ल् की (कि काम कार्य ) भा क्यानिका (क्यान) मेमा (रेक्षिमान हांचा) तर (चारिक्षि) लामी: (Any ayes) (cemy 6 Games) 2018 ( अर्थेक क्षिम्स्रियम) । ४०॥

まののは人とからからからからのとうまののは any Mary Co (Estata) De olpino रिकार (लयाकृत में आर ) मार्किशिया असे ठेमें आ : (या अहै भीगार्थ दुर में स रहमा ) अने से ला महा: (अर्थ काम का किट्री) अन्त्रकी कि (त्रिक्ड विकड़ कि कि) 12 छा: (ध्यार् छ४) न्य छा: (यह प्रस्त ) हिक्याम -मुखी: (पिक्यान मूर्य ) यक (फर्यन कर ) 11 ने 811 Manne (Burn ) må ig (må Cia (miller (लामका) लाक सम्हनी (हेट अन अम् कार्निका (मूक्नी) Стр ( ( ) सर् ) " ОН ( पर ये प ) के अपनात ( इंभविता ) मा असे मी (अटबर ) अहिला (हिना) टिममाहनी (मिक्किक) धिमंत्रकी (नकं प्रयी) . खाटिक भी (बक्तेन) क्षेत्र तमा कू (देन् तमा) मादासकी (अस्य ) (कियाकार्यका (६ अकतका) शामित (क्रावांत्रे), अञ्चल: (अञ्चलता) सिर्धा (सर्भा) म द्रें (तर् क्षेत्र समामानी रत्या नामकवी (रत्य हे नामकाविती) द्राम (माम्बेभ ) म (मैं मामुला क्रियम्त में

(स्मिन्स का सम्मिन इ. प्र) ॥ २ ८ - २०॥ (स्मिन्स का सम्मिन इ. प्रेम्सिस इ. )स्मिन: स्टेन (स्मिन्स के सम्मिन इ. प्रेमिस इस्मिन्सिक इ. स्टेन भी नवाः हर्षायम्वाः । हर्षायम् नवं वेश्वस्त वर मधीलते ) मदा (मर्वतारे ) म्यार्थ (मार्ट विषय) वाशकार्थः (व्यास प्रियम् सम्बद्ध रहेगा) विम्हारं (त्यासन ने व्यापादिन में के दिया : मह (दिने य उन्तरहारे लिंड चर्डे विशे विशे विशे मन-मिल्यां (ममामाष्ट्रव मिल्ला) लिहां : (इस्टरव) 1) [ maga 4 pai: ( cry noy ny; ) controja & co; ] ( ( अस्ति : ) वर ( व्ये ) असम अल्य-त्या के का कं के ( किल के वि में के का के का के कि के का ( नरे मारम (कारमन अर्थिक) प्राइ (क्रिय मानारक) हर्माही: (हर्मम कामेल जान ह कार्य ) जन्म किर म् ( विस्थारियन कार ] देखा जात या ने हिंदी नी के क ) ल्याहर् कं ( अं आ करत्य व क्रिक्ट) हिरमम् (द्वारात्व लाडिमेरम लममं डर्जा)।। अश >00 [तक्ष्यमा २1: (यात्राचा ) तरामाश्यमका है

( छात्राव कालपात कीका इत्या ) खबकरो (तिलाक्ष रेकाम ) अवर्षाता: (अवकात्रका धवत्र मुत्र भूवेक) त्र (क्षात्राटक) त्रामार मास्ट (त्रामार क्षात्र माने मिल क्षेत्र क्षात्र क् MTIN (47 ) 11 200 11 M) [विद्याप्य] सः (त्यु किक ) मार् मार् एकपाक्षीर क्याट ( १०० ममम्मा (म (म ममीन हिक ) र्माम (असमन ररेकाहित्यत ) आ आ (त्यरे मेक्स मभी) अअमारा ही (अमान्त दुरोका अनुमा ) लम्मा (क्षा क्रिक कर्नेक) लान (लड्डिया पाट कुर्वमा ३) लासुमारामी : लड्डिया (लड्डिया रहिप्यमार्थी) के वाह्य मिन्य (मभीमारीय भारात्म), विभव: द्वाप वा (इस मा इस व्यक ) अमामेका अव्य (अमामंदर मधर्मा 文之(ガオ)1120711 १०) का व्याम (काम मभी) मकाकृ विमण्ड (देशिक मार्च वित्रम् खकाल), अवा (अत) (कात मश्री) मारिक ज्लार (आत्मान मूर्क ज्लून) अमा (लाम कात मभी) लगार विमान (क्रियं भक्षाम)

लय) यभी एक मालय [वन्]) ललवा (काय मभी) सर्वापत लामा : (देव दी मं वस पांचे लाम क चिंता) लिया (अयाग्रंत कार्ये या )॥२०२॥ विक्रात ] अः (बीक्क) आमीठ-वाप-एर्सर् (मेर् राम) दिल्य व (रम्पीयास्त्र (क्षेत्र) अवस्म-लैं साक्ष्रक्षाकं (अमें में प्रिम कर्ष्य वर्ष P. कप - यम् मुक्ताहिक) में वा मार्व में मंद ( व्राज्याति के संस् वीका (मेल्य कार्या) भागाता मंदी काल कर्मन (क्षिक क्षिक मानुक नित्र) विभावता मत्राहः (नर्मला ता मन्धार रत्रेन्द्रीर्यत्) हिन्द (विहिन् )॥ २०७॥ १०४०: ( [तर्यात ] द्वित: ) त्वस्तान (समानम-र्जिक ) कार् चा कार (आ ग्रेस कि) में सके ला सामी ( मैं स् मेलि लाक्सर शर्यां। ) लाखेठ : । मेरियां ( [द्रामन ] हर्जादिक लवामेका) लामार (त्रमे मभी-मार्ति ) भूनककमपुक् हिकार : (डेक्ट्रम ७ हक्रम प्रिक्ता हत्वावीयने ) प्रिक्ता (प्रकार्थ करेगा) केकामाधाला (व्यक्तिन से महात्मन याह) मिलवं (A) 20 22 = )11 >084

DO म्यार्डित लाप्यार (अस्तिका चारादा से का) जिलं ( Lynning ) mind (me signi) ains (यथीमार्य ) कर्म सामि में मार्थिकार्य (यं मार्था के व्यम् त्रत्त ) मधीका (जिल्लात ) क्षेक मः धत्रेरेट : (१ के य तिसरे मरेल क्रिके) त्रा (वर्षाप) जिलासमा (सर्व कारा व देखाम ) देलस्ट्रिंदिमे वः wall (मिकति अमेल देमाण इसे आदित्यत )॥ 2004 क्षित्रा मः (लीक्क) यासार (लीवायात्क) हेन्द्रशा ( मड्याम पूर्वक ) सरमा (भरमा ) डेव्या छ छ : (मभी-अल्बे प्रकार अम्पन के के क र्य (म) क्रिंग (मीबाद्ध-कर्षक ) क्षा (क्यार द्वा ) भूक्षाविष: (भूका व द्वावा) प्रकेश: (अश्रीयास रहेगा) सर्: (सरहत्त) लिस्ट्रेस क्षेत्र क्षेत्र लिस्ट्रिस क्षेत्र ) हिना देव लिस्ट्रेस क्षेत्र (स्म्रिस ) हिना देव लिस्ट्रेस मकामत (क्यामका म प्राम । पिक ) भाए म्या मुक्तर (श्रीम दृष्टि तिल्ला कावंत्तर )॥ २०७॥ भी जी देखना अपन्यानिक मर्न अन्याक स्वाकता त्यार के क टमास्मित प्रमाय क्य में त्र के त

इड्माट के न्या बमाम सामकाल्या । ति ( अवस्मिशिष में आ ए के इसी स्टिंग में में मारा तार तार कि इस मारा के किसी डल एक करियाएर ), व्याकी करलेप एल (वी की वीय (मामायी मां मां किय याराव हेर व इत्याह [अवर]) व्यावमा नाम हार्षे ववर्ष (व्यामार्क व में या हो ट्राया था व व व व व व व व व व व व व मात्रेष बंदम वर्तमाह ) ट्या दिन मीमा मृत कात्र (कारणानमानाम्बर्गामक त्राहेशकन व्यक्तिन प्रकार मीताश्राध्य (अक्रीयर मीत्रिमाण्यक) ध्यार ( यरे ) नवम: मर्नः ( नवम मर्ने ) मना श्रिष्णमम् ( x 21 8 2 x = ) 11 0 11 जिल्ला है। जिल्ला है जिल्ला निकाल के जिल्ला कि की जिल्ला के जिल्ला BURK MERKERIKEVER EXHABIT

मुलम मर्ग =

विषए कालका ) के स्वापी (के स्था ) या क्रियं ने कालका ने क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं क्र समाक्ते (भक्षतं लात्र मानक सरमम्बीक्रामे) विमाप (विमार्क् ) विभीम हरूरेच (विभाग सिन गाम लडामें ) डेक्री ललें (अंश (ब्यु रिक्न प्रकार माम्मा ) समर विस्त्रेर वृद्ध (स्तर्ग विस्त्रेष भाग) जम जार (ज्लात वामी जनामित्र)॥ >॥ ) मिल्लाह: काम ( क्रिये ] मलमाह ); यर (त्यरखू) Co (जामार ) नीत्रमा (नीत्राष्ट्रांग) काम्यताम: (कार्मन विमाल अहिंगा (६); जमार (वान (अर् १२०) क्षराह: जाम (भटक व के मान बरेस); दाव अर्क में मार्स ( किस क् छ न विमाल इरे त्म ) देश ( नक्ति) मननाई: क्यर (मन्ना क हरी काल मस्वमन ) कि वर (मिन्निक) लाक (मवर) लाम न्यू हिल (यम क्रि काम कर). अर्थमव्यमं (८२ अर्थमव्यमः) व १ (व्राव्य) श्रीय वेर्ड (श्रवेद्धिन ) विट्डे वि (अनु केर कन्) 11211 ा जिल्क नित्यन किए (देग!) अर्थ मह संक्रां (अकतान लक्ष्य जार्भार अञ्चलक्रम कार्यमा किर्]) मिनम् वि : 6 (मिनम् वि करित्र प्रमेन) मिन विभिन्न)

आकः याम (कारीयमरे ) आर किस (कारारकर) स ८३ वर्ष जा समाने (सर्वाय वर्तात); छ९ (रार्थ त्र हरे ) कर्म आर् (कर्म ) मिक् ( अर्थन ) भर अम्मी ए अति (मिन- (अम्भीन अति ) निकारं सम्मिन निकार (भीप । अति । अत करनामि (धारन्ये कंत्रियार )।। ७॥ 8) किंड (किंड ) धरमम (लिय [मिल्म-श्रिम्ड वारक]) श्वयाध्यम् व छ १ (तिल-वाध त्रक्त म प्रमेत्र) म उ ९ ( PLY 2 14 TILEY , [ MAR ] ) Mas ( OUL B [ OUL MANA अयवधारको ) भू र्याभे भूर्यश्च धार्यमानं (पाक्रिमे अम इरेट धार्म करिया अक्य व्यंते ) प्रमानि (पान कार्वेस) ; धर्म् क्लां (यह रिश्हे हे ट्यमबला - विकेशा-यमार्गाडाः (त्यार्यमाना । विद्याना उ यमाराजा-(20) NA (mus )00: Was (ma sicos) विभूता कीर्जि: (विभूत कीर्जि) नाम प्री नि ( DA SOLINA DA ( S. ) 11 3 11 ( उट: (अम्बर [ाडाय ] ) म्रामार मड्र माराई (ामेलव (स्वकात कर्षाहिता)। खुराई (खितेत्राव) (स्वकात कर्षाहिता)। खुराई (खितेत्राव)

margas (macos) genos (yeseg nigin ) conig. कर्ं हरामाधः (त्यार्ड यम्यात द्रारास कर्त्या) कार (बिनियम-)। ए। त्रिण्याहै। (हर प्याहें।) जाड जाड (जम'तत)! वट ( वेश ) १ ने थ- CM मंच मार ( 10 1 म में के हैं वे जाम्मिस्ते) - 12 50 ) CM (anena ) 316 (23) madas (अर्थतं) धरतपुरिताकतं कर्वा है: (श्रिक्त) देखि धानमा निरं क्ष बार्या वार्ष वार्ष का ने व काम : (का निम्द्रिक्क वर्म वर्म) के व्यसमामं (क्रिसमंद्रिन-लीका ) वार (क्या के द्वा क ) डकार म्या वं विक्र में विक्र राव्या (कामित्रत्र )।। ए।। वी मा इमेर ( [विक्रिया न्या वा वा ) माम व - कि मंत्र व (धूप्रामा उ लाप (तन मार्क) प्रमामा (लप्ताप. मार्व ) हर्मने ही (हर्ममा कार्ने क कंडि ) साम को (क्षित्र) के समित्र मान का कर मत : क्रिया ६ (क्षेत्रमा के प्रमु - उड़ दिल.) के मा कि ( क्षित्रम ६ ) (द्राराव असार्भ) त्मचं वर्षा (अविधिका र्रेम कार्य कार्य (यम )।। १।। नि [लप्रदेव ] या (लीवादा) क्यादिक के लप्त अवव:

(क्रांसाइ समायत [क्रुट]) मैंसल किय प्रेमेरे (व्युन मंग एप्डेल समेश ) लाम्बेस्स (त्रांबं अप्वं) अके वित्र किया: ( कि निक्त के हिला र्मा ) वर्गर (जनारम् अ) हाम् जी क्ष्मित् पृथि दंभी: प्रधाना (हामण अ क्रिय ट्राय में कि ले में मार्ग के के मार्ग कि ) मार्ग का का निवास न (स्मा (अंगर्द कुन्द्रीय उद्गा ) स्मापार (क्रिनंदर्शक) अश्वा (आतिकंत कार्ने त्यात)॥ ।। ।।
[18] वण: (क्रियुक्त) अभी भए। भी छक्ता जनका (भभी मर्तेन लास्त्र के क्षित्र के के क्षेत्र का के किया कर के (एक्ट्रा कार्टित ) क्य (मीक क कर्क ) उसका (आभारकातं) कालुमार्द भूत्रीका (कालु म्हलार कात्रीमेंका रहेगा) लत्तात (त्यत्यवं यास्त ) । भुवं म्ळ या देव ( । भुवं म विश्व एवं भाग ) बाल (ट्लाब्स आरे माहित्तत ) ॥ के!! कि मा ([वरकाट्य ] खित्र ) सार्क (अवक ) अपपास्ट्र: (असा प्रकार क्रम्मा क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क ( एवण मरे कर्क ) आरिश्व बाड्यात्र मीरिश्रश ( बाक), द्यतः ७ नवीत्यं व्यातमार्य ) अति में (मिला)

Volleger min ) Emerical ( the uspid ) xwin ought (त्रेस दुर्वेलाएंत्र शहेकारहात्त्र )॥ >011 ) तहा ( मुंबा मा मार्ग ) यन्यम में निया- वर्ष प्रत्यक प्रमा (न्या के के वि । न्या क्ष्य मा आरम् व द्र मीमरकार्त) अवकारिक विशिष्ट्य वाका देशावंत कार्ति कार्यिक ) । स्मिन् भारती (क्या के वाका देशावंत कार्ये कार्येक )। स्मिन् श्रिक अर्टि स्टिब्य ) टिमार मेडी. (टिमार स्टेट स्ट्री) कर्ना होते (कर्ने स्टिब्स ) सिने में हैं है स्टिब्य अर्ड (जिन-(१ का कार्य मार्थ मार्थ कार्य (भ्यामा क्षेत्र व्यक्तिके) है आर् (लाकुमर ) विसुद (अ (शस्त ) लाव रें (सिस्रेर ) कार्वमाहित्यत )॥ >> ॥ श्रिम बन्स विवन्तरास्त्री ) वटमः (आवादाकरकव) म् द्रामिनंतर : ( प्रमुद्र व्यामिनंतर रूष ) 🌦 : मूक्षाः (अविलयं महन्देर) कक्ष्णादेमस्मानि हिणः (कम्प्राद-मक्ति मुक्त [क्रिक्]) मूद्रा देव्यू नुसूत्री: (इट्डा१ मून्यम्मा) अऔ: (अभीमरेटक) अधीक) (मन्त्र करिया) निक् कि (मिक्स प्रति) भागीयाथी। (मानी भूजीटक) वद्विमा (अरेका 日前中11年(M A-)11 ×211

To parment ([( Ex sury ; ] \$ 24 or pour ounery CI) " डाबुमा (क्याकेक ) बामा (क्या केम्या (कर्ड) हिबंड (प्राच्या मावर) मार्धित्याम् क्रिया (देर हार् लामिन्न कार्यम कर्मिं रहत ! [लाह]) समीछाड़: (यभीमर) जिस्मां कि पूक्त आमि (द्रार्य अंभागं ur u elgina) 15 for myd (xx mies किं विष्ट्रित )।। उछ।। काम्य लर्ट्य (विक्टिक के का म्य ) म्यूट्यवक्षा (द्राप्त में स्थापंत करें द्रक्का इन) र में रिं ([जाराक] प्रस्ति दिनिएत ) अवल- नाम आ (अवल -मायमार दुरं डंग : [लायारं] ) लाग अल्ला (द्रायां मान्यात रहता) (यत्याता) (अव्यातिता ममीत्रायम् अकाम इतं) दे ( विक्रिय) आयार ( नरे बलाना गामते ) विक्थिए (लारत) हिन्दी (बहर लहरू) 112811 ि [लडिंड ] यामीसँगु (यम्नु मँगु) केइ राज्यहों (वद्मान्यवी) जार सेवुन्ता क्लिक अयम (बार्न स्त्र में क्रिया के कि क टिम मार्ग अवी व ति लाई (मार्ग दिन दिन गरः मर्या नकतान निर्देशक में अभिनाम मार्य

मिडेत चेर्य गाड " अवस्था) (प्याकात के पृत् (लिए किक -इलाया ) येश के बाद (येक में मही मार्ष्के) वर वर टिक्टिं किन (जारूम काहने ममूक) हिन्द्र अठद (तिकि कालगा ममे रमंत्रा )॥ > ७॥ ) मका: ([लांड ] नड् मक्षाम ) बेक के मैर कि हिं। (की १ क हट ए न ) इस गिरी - माम्मा कः ( इस गिरी न निक् प्राधार्क जिल्ला स्था: (मांबार्क रें वा जिल्ला कि कि अी दासिकामाः (अवासाव) किललम्-दल्राहि-ज्लार: (भिन्न निया अ भूष्मादिन जूगड [यन ]) अव्योगः (कान्येन्ये शश्रमे ) कर्मकार (यवासम जी बारी ) कृष्मी जा मृज्यमि हिए : (जी कृ त्था व नी ना मृष्डं न टमने प्रिका ए म् डे न प्रकार है। कि हादा डेल्लामम् का इरेल., जिन्द्रा निक्री ) स्मार्णल्यामः 18 मामिक प्रक्रिक मामकार ( निकास के किस के व्यानकार करें। मण्डार्श्वार्थकर् (मण्डारेपार्थक) कारण ज्ञामः माड (डेज्रोमण १३), ७९ (जरा) हिन्द म (विश्विम महर )॥ ५७॥ भे मुन: ([म्यामक वारम व मक्रामम्बर्ध] मन्द्रमात् ) हिम्बिष्ठी ; रेव ( एम्स हिम्मा किन्निक में

[अंत (लास्त्र करंत्रमा (अवंसत)) अस्तर्करना : हातः (नी वा की विक कि वा का का कि ) विह (भर्माभी) monnied: (mannin [ ] ) A Dames and ( अक्रांच अके क र्यु गां ३ ) मा: मेर अदि (तत लाक्षींच-यम मिर्दे पार हत्त्रीक ) अपूर्ण (अप अस्त का के के स्टूर्स प्रिय क (व्रा) , क: व्रम छ: (कार व्यक्ति वाकि) आमार (वर्याय) अजीत्र (अजीमाने ) वपण्त माणि ? (अमेरियम कटन्त्रमा) है ३१४ में कारा (बीक्सी) काक्रवनी (प्रत्रिक्ष), क्षे: 9 (आन, नीक्क) भूत-जामेन्द्र: (अभूत जमान o क् श्रम ); धनरमा: (नरे हे करम् म) भणम नक्ती: (अग्रंध-(आहर) कर् (कारं) प्रहार रे (प्रहार) टलक् (काक्तक) महि मुम्मिक (मूमी लक्ष १) गम्म ) प्रकाण सम्मान (एक मार्न ( विकास सम्मान हिला ) कामार् (अरे ममीमारेष ) क्रमा वर मूटम (कार्काक में ममामार (पर्) वारे जन् (वर्षावा मित्रमाट ) कालाम : म ह (कालामूल मार ) ; यक्षा ( भवं नर् रेस्नीअपने ) महों हि

(समीलाय व ट्राउट ) साडमा ( क्रिक्न क्रार्काकर ) में आगे (में मध्ये प्रमें) ' लाव: (नर्पार्ट्र) वर्भ मअंद्रि (मीर्डिकं भरामता) वर दिमीयाद (यामेलाय क्रमान्त्र ड्रम्म कर्ष )॥ २०॥ लिया (लक्षेत्र) मा सेसा (त्याचा ) माम्दिल्ली वार-धर्ष करित्य ), वार्माम्य विम्रण् रेव धारवंडी (राम्यादायमाठ अममाठित गाम अकाम भूर्यक ) मानिष्ण ७ ९ मम् डी (मानिष्ण ७ ९ प्रमा भ के निष्ण) धियमीर ( असम कार्मिश हिला के) ॥२०॥ ) हत्ते कलिति नामिल! (दि हत्ते कलिति नामिल!) वर (जाम ) म-क् मृष्ठि-रार्द्य हुना क्यांके विश्वार विश्वार में मृष्ठि) कुल्वला विन्ति (कुल्ललाम् मार्च विनिष उर्द में ) सार्व (ला स्पातक) दूर (नामोप्त ) ला या में (क्लीमा ) ट्राय एकंडा (मृत्यि अस्त ए प्रामा ) मरेकू म- एक-इटिस (अपे हैं हो स्पूर्य इटिस) प्रिक्स (मस्त्री में त्र ) अन्तर् छोत्रा (मण्ड देशतीम दोग) अमर्ड (यर में के मिल्ली) मान्देर-रेंगेंं (रें मुका-रेंगे) क्यांग्रे ( how a 150 = )11 2>11

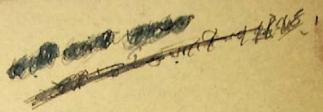
) [ [ वास ] कमसं (कमसं ड्यंगा ) मेर्या लम्या (मेर न्यात्रमं ) ल्यामां ला मन (ल्याम्य प्र (त्र) म् भी अष्: (भू पार लाड कार्येशह), उर हिन्द ( OLYL OLMEN YCY )! Ad (CACTO) SIG (COLINGIA दिल्दां के ) अपूर्माः ( अप- में मुन्दिन क्रमार क्रमान क्रमान क धून् छायरे ) भारत्व प्रमू धानी विश्व कार्या व भवं अवं विश्विमं मिर्निं (है)॥ ररा १० [ जिस्त ] वृक्षे नामिल (मह के हिला नामिला) कृति। रेक (कारित क्षीन नाम डाव अपनित शूर्यक ) अम्मा (जीक्षिय भारेक) डेमा दार्माक-मर्स- एक्षेत्र (मृद्र्यामा-मर् उद्यापन मार्व ) अव्यापन् का वी १ ( यर मान वाक) अ (या म कार्वणार् त्या र् प्रवीयण श्राम) (त भी माण्यिमामक!) रेस हमाछ! (र्थ वास!) व्या (ज्रामे ) देपर् (देका ) किर्न विकाल्र किन्स क्या करकेत ) लयम मही (मन् उत्रेम्ट १) ॥ २०॥ १८ विक्क वित्वत्ते नामेख! (नामिख!) या (भिनि) वतार् (वत्रभूर्वक ) वात्नेत (तिल्किल्लाका ) ध्याने १ (कामान क्यां) महत्त्वकी (वक्षेत्र कार्यमा ) कार्यमान क्रिय ( ( क्रिया कार्य कार्य कार्य क्रिये ) अमार्थ

( एक अभी के किए ( किटा मा के कि ( क्रिक ) (कुं कर्त ह का) का ( कि अवंति कार्य है अवंगार प के) 11 58 11 ) [याम्य याम् (यम) में में या भी (द्र भाषाक्र के ने लाक्ष कि हर्ये प्रेम त्या ! ) र्मं (वड़ ) त्यम् म मर (त्यम् ) (म सर् (स्वरं) में विषय (द्वार से कार्य) म्याम : (मुकार्य-श्रिमार में में का ( किस्माक ) व्यक्त ( विक्र कार्वेकत्र ) पेटें (प्रम ) में कर ( राण्ड्य इस , [ अवह ] ) हर यर (छात्र त्य) ते छः (तिस्त्रिक्त्रम्यूय-राया ) जें (अत्राक) त्यक्त (त्यक्त कर्मिटर) ७९ (वार्म) मुकल् मं (म्मेंड मर्द क्वारे) मना (नाम) नुभः (नुभाष्क) त्यसे प्र (त्य के नाम), ज्यम् (र्क्ष) ज्याने न (न ठाक खरेन कर्ने मार्थम M (क्षा के कामा प्रमी क्षां ( our 3) कर्म (रेप्रात ) क्यां पड़ (क्यां मात्र कार्य गारि [ara]) or in one ( \$123) and ind & all [ will ] कवियात्त्रक ) दे का त्रामि : ( निक्न वामित्रके रेपाए लामन कार की ररेस र [बीक्य रामितन]) समा (ल्यास ) नवर (इस्किलम् नम्मान सम्म muster ) में ! ( जैरकार ) लागा : ( जरप कर्ने () र नकाली (सस्य मार्चे)॥ २७॥

[ अन्य कार्यक्र , मार्ज ( ( हर देव ; ) केंग्र ( केंग्र मारा ) " मेंग्र ( विकास ) " (कान्याम्या (कान्ये क्षेत्र ) इतं भागवा (च द भागवा) क्रिंग्ड (द्रेड्यू-अडकार्व विवास कार्वाकार क्रिंटकड़ी) मना किवार (भिन्य क्षाक् रहा) जतार (च द क्षाबाक्षाक ियु ]) मार् (मार्ग ) कार् (मैसाम्स) अठ ग्रंट (अठे छ। एक ) । चित्रुल (छान कड़) ; अतिभक! (८३ मुक्त क्र सर् ! ) ब्राग्ने ह चे क्रिकार (Corard लाम-कासी), क्रमें कंट: प्रकार (विक्टी। मुख्य प्रमा महरता लडाहिता ) कथा बळाड (चार्ड बार्स केंद्र केंद्र प्राप्त रेकार जिलाडिकार द्विणे (सर्य-अर्तिन अपिष (अप्रकारकार ) में मिस्टर्ड विवेष्ट में (अर्थिस करें) ॥ रेव ॥ ) मार : लास (अमेत ) चामका मा : (चामका ) अं वं : (अभी ला ) हा हर (ब्यानी क्षाक ) स्माक ( स्मान करते ( ) वाक्रमः (अथा दम्मा)३७९ (अर्वि) असूर (रेराक) जान (जाम कर ) नरहर (अयर ना ररेल) हारी-आरी : मिट्टाम में ([कामन ] महम काकमम विशिक्षिक्षाक्षां रिक्रामार्व अभिक ) अभार (बीनामण ) रेक्ट (बर्द्य के ) अपन अडियर

(शामति शामति) केसा (क्यमति ) विसंदर्श (मधवं) orca risolié (orani sza orit esta ce) य: जाने (क्रीकृष्ट ७) जात्रम् हि: (जात्रम् क्रिन )क क्राक्र-द्रामकर्षात्रः लातः (काम , धानक व द्रामक वहार् लायमार्थन देशमार्थ ) विदसः लाख्य रिम्ब्र इश्ले कार्ट्सन) गर्मेग भ वासीत् (जीकृष) काडाकं-अवं क-भूत्यत (काडावृ व्यवं-अर्भ भीका प्राथ ) विस्मारित (विस्मारित देवरेन) कर्ताः (कामन मजीयम्) (कामर (र्मी) नामका-10 m (भण्डानं हर्ते) ह्याः (ह्ये प्रम्याहन)2 रे वि व्यवस्व (वर्षाय क्रयंत कार्य ता ), भा (मार्थास्य क्रिक्टब ) कामाठकवंड (क्रामाठ इस र्रेड्य के लक्ष्य (सेड्या लाक सून स्थिति) माश्रीट इंड्रिट ) मेंड्युर मेंड्या माय हु ( म्हिल हार्स) (अष्ट्र ) विभागीवाय्यकार (जर्मेक जिल्हा पुभवकात वरेट ) तिले (तिले का १२८मम )॥ ७०॥

भि क्रिक्ट ([चर्ड कारल ] न्यार्थिय ) क्रिक्ट (म्यासन रहेमा ) अवदाक्र (सन् इसाक्र मान ) अरकार (लाक् मर्के अर्थात् ) सैनं यु ( से ने यु १० १० अं धार्या है। (ших शर्वात द्रणा र्रहरू ) काम विमास (xm. 12 mm ) exi: ( aldapid ) Lio: ( mla) ones) (only his ) के किय (मी कि कि के आहे ) प्रकाल के कुछ (अक्षाणक का के से क्षेत्रम्)। ि दर प्राप्ति में विसे करें एक कि का का का की मां कर में ( 2 76) & ELE: OUR (COLORS - ZE इते यारह); ट० (ड्राम) या (यार्गक) अमोर्ड ७९ (यम अरक्ष) भेष्ठा (क्षवं कार्य गार ) व दर्द (रेलि) हलायमी न हिंदे (हलायमी नरंपन; [लवंदि]) असी (कुटिका) व वाक्ताह्या हार्वा ([3/2] startung end an, "[ond]) or son: (इंडार्क) लामा: लास १ (मण्डापप ३) वार्याः ( व्राप्तात्वेत्र कारं वास्कार्याः) n 0511



প্রেমের আনন্দ থাকে

एध् अहाकन ।

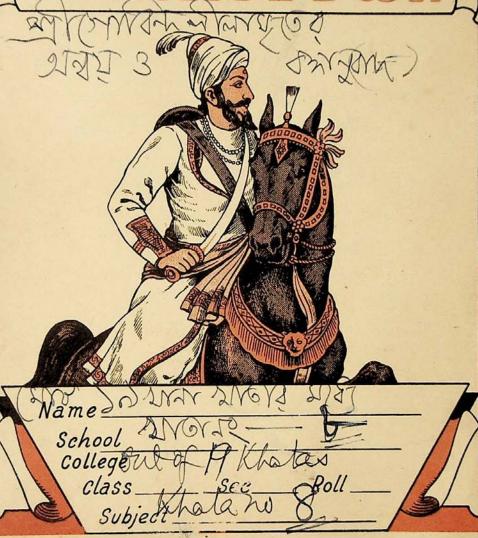
প্রেমের বেদনা পাকে সমস্ত জীবন দ

## ROUTINE

Days	les. Hour	2nd. Hour	3rd. Hour	69h. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday						2	
Treaday							
Wednesday							
Thursday							
Priday							-
Batarday		,					

লাজুক ছায়া বনের তলে ।
আলোরে ভাল বাসে।
পাতা সে কথা ফুলেরে বলে,
ফুল তা শুনে হাসে।।
রবাজনাথ।

## Shivayi 8 EXERCISE BOOK



EUS NEW TOUR TUR May a man a man to a series of the series of 809 (00) (तथा: (गर् अस्य ) द्रिका (ष्टिश्मेश्रेशका) कार्या (ourgante auna (odily erasu); asi proforas न म् पायलमार् कियं का का ( लाय का का ) दे में दे कि का ([पान ] रेपर्विक्का); रेपर्वि रेप्रिका (क्षिका); इसर (इस अहिया (हिया); इंतर विविध ( यव केसिडिक्से )॥ ७७॥ की लच्छ अप (लांच क्र क्रियं रे आ) (स (लाह्य) भ्याः भिष्य कार्य के हिंदी मा ह तका कुर्य प्रिमा लाहु (नर् ता वक र्मा त्या में या व्याच (छित्र व) वर-अरम्ताम्म (त्यमां वर्ष्यं लत्ममाः भावप् अन्य वी प्रकासका माम द में दिया वाम्रे हिल्ले व त्रक्षाक माम करन्या]) : वर ( ( ) हिंदिक ) हं ( जारी ) हलावती वल (हलावती म निकट पार ) 11 0811 ि जिक्क वार्यात्मने विकारियां (कि विकारमां) अव-में मार वर (वेति मकत-में भीरता मुस्त वायमा ) ना है वी वर : यहार (प्रकार । स्वर्मात : [ma]) र्याचनाद्यम् (मक्रम् व हिम्मे न क मार्गी र क्षिन में है। १००१ भी प्रमास्य (ए क्यारम।) वेत्रामार किटम म- प्रिका : कत्प

([मम्बाह ] रिंग्ज । बुरमक बरमव लाममर्थ लाह्यावी Exil Deda gue one one ( hur the ca garan) म्नजा (भ्राका) अर् (त्मरे) ह आवसी (ह आवसीत) यिया ए (जाम करिया ) यू पूर्ण (यू पूर्ण ) जायवीया १ विग् ( भूगे क्व अस्पर् क , अर्था हु कि हिन हातू नास्ती. (13/61. 88.00.6 80/06 80 (क्ल क्रिक्निकः) अम्बिल् रेन् त्माम् काम (अम्बर्ग रे मा (स्था क ) विम् कार्ड (स्ट्री कार्न रेक्टा कर्मिक्षी । ७१ । की नामा (का का के विकास) आ न मन (वामिक वामिरक) रेम् त्रभाष्ट्र (रेम् तमारक) व्यामिलिं हु (क्यानिकंत कविवा में किसी) उर्पाविष् ( उंत्राम निकटि ) अलाम (अम्म कड़ित्र ); आ कान (कान, रेमूटनका ) ७० (हमताक) कार्रिक मुक्री (मिक्टी एमिम् ) ह किला अम्मारी (हिक्का ररेमा दूर हालिया मारेट यारेट ) एक नर काः

(स्टम्निम्म्यात्व)। स्ट्रेन्डिलार (मेर्डेडाम ज्यान क्षिण ) लार (शम्यम्)॥ १०॥ उत ) र में प्याम्या (में में प्या ) ति (ता सा के) त्या गार र (ट्यामार राष्ट्र); भूरिपर् हत्यावती ( भक्र मिक्रावणी हिल्ला वर्षा व प्रकार ) मार्ड (सम्म कवं) देश (लमवरे) स्तित् (मभक्त ) कांग्रः हें क्षेत्र ( यांम प्रक ( द्या 本立 )11 のか11 8) [HARTA] COX (BJEA) ONLINO & ONLINOS (अमल्या निकरी आभिया ) मूत्रीका मामका (मामकारक क्षयंत्रे काब्दा , जिसे ) अववी ९ (वान तार) रिवमा आ-CRIME MB di ( Houman Can In sig (y) लयं यंत्र कि म मन्ते (क्षिमं मक्ष लयं विद्यार भाक क्या अस्तलकं प्रत्र ) 118011 ma. இ लग (लक्षेत्र [ हिन्ते ] ) मेर् के प्रिमा आ ( हिमा मार् आम् कार्च प्रमा का विकास के ( व्यापा ) व्यवी ( वाम्या किवल (क्रिमे ) वार्षाणालामा ( अन्यास (लाम कंगर ) विकास है का लग् ( विकास COLUMNIT STILLE ); 8 3 (( ( 2 8 2) ) 26

( The se din ] ) In a refferent ( nowen guserusnus) onpid (onputer) 12 sin (edu क्षितं ) मैं : क्षिला हिं अंत्रकार [लासक प्रकत] क्षाम् काम ([लाउन हार ] क्षामाद्य दें) लामाम्हरू का नामाहरू का ना क्रिकी (अन्न (अ) कार्न करित , जिनि ) क्षेर (स्वाध-मम्मादं ) ७० ( व्यम्पातः ) मिन् १ ( क्रमन्मितः ) अत्रवीव (वानित्म में किसे (दि क्षे !) हिवारकाम ? विम (हिनाटक ट्लाम मा कार्न मा ) जब (ट्लाअप मार्क) क्षामार्थे काम्यः (क्षिमेश्वर्षेत्र काद कात्र का (五年) (四州 平月) 118E11 80 प्रथम विर्मुण हिचा ([we: अन किरे ] प्रथमा हिवास कामने कर्नेट्र , म्ह्री ) ७९ (७१२१८क) व्यार (वामित्र ) किम्पिटे! (दि मम्परे!) अरेमारे (पूर्व 23); स्थाप्त (स्थाप्त ) का बार्य कता दिला : ( जायका कार्य टिलाम कथम: निर्मि वार्यमार ) दिवस्त्र र हि (देशक कम-अख्या र्पमा) 118011 இ कूमें विका अनुबीय (कूमें विका वामित्य ) किट्य! (कि हिन !) काक्ष: (कार्क) अन कार्क्स: म

(axes custed Dioter Mg 44; [CMCS]) अपित (कात्र कात्र मिया) क्रापूर्व (क्राम्पुरं) Mach 200 man. (many [was 22]) 118811 Mach 200 200 200 200 (22 mg 20 20) 118811 80 भा काम कार (हिन्स वामित्र) कू भाविषाड ) (द व्याविता!) व ् (व्याम) क्रूमावाानः (व्या-मान ); ००: (अर् १) अमूमा (वर माय) 12 चामाई (E आ का आका आमे हैं (का कम प् कार्टि र [ विषित्र] ) लास् (मधन्त्रे ) भी हिला दियाति ( भीड़ा त्या च का व ( व ) 118011 क्रामिकार क्रिक वामात्र क्रिके (दि रेके !) वर् (वास ) लाएन भीन्यर (स्मान अन्यतामा) लू नाका निर् (कू ना ना निर्मा ) केंग्र पार्वकार (क्रं -(प्वीत ) रिश्वा (जाम कविया ) भार (जा भाव ) कि किम्मानी किने कार्या रेक्ट रहेगाई (कर १) ॥ 8011 8) m one share ( [ The said ] incression and करित्त , जिनि ) वर् ( वीक्षा क मिनिय मितिया) (व याद्याः) हैं (विषि) क्यां या मुत्या में

( whish was ( Elmage, & [ mille ] ) of y Explo ( of y-एक्रा) व वीत्रवार्ण (धात्रवार्ण) हक्षवची (हक्षक-4015a ) ayen, (orany 24,) 118411 8 मा लास लास ( [लादिस मार्क माय न क्साय-प्रायक) सिर्वेश लाज लार (म्मेप कार्य प्रायम् मार्यम् रिक्षि (दिन रेष !) या (त्यारक्) ए (कामच ) मान: (भान ) की विस्ता (क्रिक्न) के मिरिया आरक ( किंद्र के ) विखित (भवते ) उसि-मार्निकार (कृष्ट मार्नि) रेमार (नरे) पूर्वीर यादि (भूपबी व निकरे अस्त कव) 118611 कि ) ७० (अक्काक ) अप ( वार्यात की क्षेत्र मुख्य (रिक्र प्रमुद्रता ) अमू त्र रेयर काक्यत्त्री (अमूता चक्र अक्षत्र प्र ) ( ( व्यामाव ) अक्षर क्षेत्रक कार्वान क्रिकेटिक लायम्य (बामालात क्रिकेटिकार) (श्व क्षक क (काम ! [जूपि]) अन (अक्रात) किए लासकः (लाभुमार प्रयं [ अवंते ] ) अर्काप्रात्रिता

(यक्षीत्य स्ट्रिक स्ट्रिक करें में ह्या वरम स्ट्रिक क्रिक्री अधिक क्रिक्र में में क्रिक्र (ARC) (AND 44) 11 CO11 () अमूता (क्षेत्रक) अताकिछ् मूत्रीण मा आमे (अताकिछ-ल्या की ग्रीक कार्तक वित्र किलेंड ) विम्री ( तम्भा अम्मिन मूर्वक ) क ह ह विष्टु ( हुम् (राष्ट्र ) ए ः (बीक्करक) ज्लाम (बानित्र मिले (र नर)) अना-ल्यांभंड वरेल (अंक्री कि व्येष क्षे) ; एवं (मार्ट) हर्षिका (हम्दान देखा रम्, जात ) निका खेमार् (मिलान जिमा ) अर वर्गिकार (त्रिरे वर्भी (क) हुन्नी (हम्मर कर्ने)॥ एडा (१) म: (अक्क) हिना९ (मीर्जनातन अन ) जम्मिना (अवाक्षाव काकप्रामूमरक) जार् भूमनीर (अर्थ बल्मीरि ) अकतार अमहाला (जिल-28 श्रेष क्रमीक रूर्माह ) अवसार्य (ब्रामिमा), कु मजा रेडि ( दिकामान त्रिम (चर्काल) अपूर् (अपूकाम) विमाम्हः (क्सम् क्रिक्ट) क्र नवामत (क्र मनवाक मूलवं दिक ) अपूल् नामा (तिक-नृष्टि तिक्रम कवित्तर )। वर्ष

क्षि या लाम ([वनर ] में समका ३) वर (बार्क्स) १ पर्म-ल्या (१क्षेत्र में कि से में ) अर है। हकार (स्थ में मास लयम्बर (त्यार्गा प्रिय ), क्या (च्यांमा ) वर (व्यक्त) विलाम (कामुक आवंगा) बर्भी (बर्भीटिक) व् न अर्ड (व्रिमीन निकटे) उन्तर्भाषाम् (प्रावत भाश्या पित्र )॥ ७०॥ (ही मा (क्रमी) अर् (अर् बल्मीरिक) अमन्तर (काल्मात) भिरिष्ठार् विदीमं (लाभन कार्नमा ) विलाका-मिकाहि-मन्त्र (विभाभा ७ लियान्त्र छिवं सम्मान् पाता) अ्वा (धयम्बर कार्यत्र ), जावप (जपकारत) क्कः काल (चीक्कड) असीर् प्रम् (अठा (ची या दी म मिकते क्यामेण ) जनार पिसी र्! ( छंग्राक क्रमे कार्वाल रेक्क्र कार्या ) देग्र (नस्य) व्यासमाम (बार्निमाहित्सक)॥ एठ॥ ( अपटेकाने ( ( क्याने : [ ( में में ] ) (म ( क्यामं ) विश्व ( निर्मत कार्या मिय अवार्य ) कुन् ( हक्त [क्ष्र]) अरु मा क्ष्य : काम (क्षर्मा सरक 3) करेग. कामार्मिक्निने किराक्षक कलार्य व व्यक्तिन लाञाला विक ) विद्याम (कार्ने ) दंबरीत

(डबंप कार्चांगर 'अर ) कि (कामाबं मक्षा) में मोबर्ज्याञ्च (में के बर्जाव प्रवंत ) लहिला म (शिष्ट्य प्रतं)॥ वडा। ( [mun ] केर ( कामारक) याम कार्य: यहामि (यामवात्म वक्षत करिय), अर्छक- ह्यते (वसानक्षत्र) मुकेली (म्रेम कार्वेव) न कुछ कार्यामा ( क्रिक्र के म कार्याम् र मगान (यम् मरेव = वर् ) अव्दल्ल (कन्न वंगलन मिकति) लस्मामि है (जल्मे कार्वेव)।। कला ( वाका काल (न्योगका ) क्याका में कार विका (प्रक्रुजम डावमम् र द्वाना व्याक्षा हो मा ) इपिए (अन्यम् अति) प्रायक्ष कात्मका (व्यवक्षीमर्भाव प्राचिमान भूवक ) हमडी (हान्ए धार्म कार्वता), निकारिका वाल (मिराइड के के कि ) अमूना (भीर्क के कि) म्त्रीका (अवक्षित अ क्षित क्षित )॥ व १॥ (हे रावे: (जीक्ष) जार प्राच्च (जंग्याक ) प्राप्त (क्रिक्टम) कोने! (क लोने!) व ९ (व्रामे) कि न्या करिय ( बुआ किया कार्कि कार किर ही आवद (टम अर्थेड) CA (ल्पाय ) दर्मा: कार जाम: न (वर्मी जाम म करं) वायर (व्यक्तम) (म (व्यक्तम) प्रायम्भमार

(यात कार रंद्रात ) एव (आमन ) सः य (ग्राम नम्मर् माक मिरियम ।। ए ।। ( ) किन्द्र गामुका (यामका) अवत्व (विकामनव) है पर (मक्षेत्र) इरवं: (व्युक्तिकवं) अंबः दुरअठर (सम्मेल वणस्यो।) र्वा कता वाय- १ पाक । १ मी यवर (१ मार द्वाववर न ट्रय उ क्र मण ६ क्रम उ बक्र करने मा ) भ्रमू पर १ भी छ -भार्यकामा ( विमम करम सम दामा व सर् कस्मम कर्मक) याद्यानक्ष्र (लाट्यामा-क-त्र्यामा कारं ) तरं (अहम्बा ध्यम् (नाम ए नामिस्मा) म द्रमा २० विकास मा- असंस पु व में डि (दि अस मही अस्म मामा) म्मिर्नि । ) रे में में में मिर्टीय मामा। मार मार्थित काम वर्ष करात कर ) वार्य में (मर्म में कार्न के अधित अधियार के माला त व्यविष [ चीम्बारक] ) हत्माकार (क वरे वाका -क्षित्र प्रवक्ष ) को ब्रेन (का क्ष्यां) का का कुनाई भ्र कुक (जानिया कार्डमा)॥ ७०॥ तर् अव ; ((ठ अव ; ) मम रेक्ट्रेस ((म रेक्ट्र) मेन्य:-अव्यक्ताम्यः (मेर् व्यक्तिम क्षेत्रम क्षेत्रम)

ल्याम्बः लाशः (द्रमान्व कार्यंगतः) कंग (अर) (भाड) मा (भाडाह) ६० (००१६१६०) प्रमी (वर्षी) ४०१ (११ रे करहेशा (१); ८६९ (थापे) म प्रमास (छात्रा विस्वास म करं , दिन ) देश (अ विषय्णं) दूनभी मामिनी (क्राभी आक्री क्षिण्ट )। ७३॥ ) मन: (रेन्न काक) रैर्डे वर करवाति (रेक्सिय कार्यम् करने ) अनु में रें यह क्यात ([व्यन ] अने अपन करवृद्धे द्यानं मा आस्ट रतं ) दिलकां (दलका के ) क्ली (कर्मी) डिनंट० (इन्ने कार्नेसटह रिलमह ठीमी) आर्थि नावा ह (असी की नाबाव काछ) प्यार्ट (एमडारबास कार्ड (वर्ड)।। तर। अर्थ क्टक ( [लप्टेस ] मिक्क) क्स (आम्कार ) पून: (अन्ते स (पृष्टिक श्वाना) ति पि छेन् (निर्देश), अलीक्षेप् (मिल्लिकिकोक्षेप) पून्मी । ( जू अरीव अछि) विभारमे (गणामा) व इरेले) लायु वाराप (समय छट्य व अव्यव वर्ष १ रेने एक की मृतिः रेव (हत्वनं मृहिनं आम), पामितामत्ना वार ( श्चिम् करप्रम् कारमकेन ११८७) मार्ग (जीमार्ग) ध्या भारत ( विकास देव देव ते ) गढा

अर्थिक कर (द्रामंत्रका) आ वर्ष (द्रामी 3) भू वसी ! (बद्माद्रिक) मर्ने (मधनं) लिक्ष्ट्र (लामाका) सम-कार्न मा ) ०० : (रमम्याप ठव्ट ) लाल महें (भिल्म मने के ) म की बी-कर्ष श्रीय अपने की बीच ठट र ) लाल मिला (सम्बूप) के विके अख्या मार्थिक कि कि विश्व दिन है। काई (न) अत्रत (जीकृक्कर्क) वनार भूदी जर (वस्त्रक व्यवपट्टे ) हेर् भूसका कार्यका धाम (कार्टमार भूतक उक्साहिन इरे (तात)।। ७४।। M [लप्डन ] आ (लप्त्री) क्ट्रीक् क्यारियामा : (भूक्षेत्र लक्ष्मामध्य ) प्रधायत्य (प्रकार्या) प्रक्रमं (म्याय visin ) onerg- u (one vio à cira) mas a a ( alm cur ) Las as as con [ Lastin his mis) ल्टमा कार (मार्म ल्ट्रमा मार्म ) के (मार्क्) कर् ) विश्वक्षित् गामि ( [ कामान ] । यह वर्ष भी व या भी व्याम ( [awa] Corara माभी ) 110011 rangé ( mai à mas: ([ Colmà] onas) र्टली ( िव्यू न में ने यु ) स्पर्त प व्याह ( व्यक्षकं प्रवाद यात )! सम् यव ( away) an) (au) 5 मा क्रीकर के (लिकारं रहि ) अ (क्रिय) (लाकिन (द्राम्पारे)

रेडि (नरेक्स) धामलडी (गलेख गरिड) मा (ज्यभीये) हम पृत्वे पर कार्म (हक्र में प्रक्रिया है। विस्मान क्षेत्र का माने का प्रतास का माने का ति कटम सर्वेत्रात: (कार्क) मानव (ममान ) वैनमाः (ज्यमीक) विमाम (जाल कार्यमा) विविज्यम् अवन्त-भगार (मंत्रपाद मक्षण भक्ष में का ) वार (तार) सकी बुंद क्षेत्र अस्ति विषय ( का मार्थ ( का मार्थ २३ तन ), जायर (जभन रे) राभंड वार्डण (रेग्नंड. विकास काल्ला) इनें हीं अस सकी की ) लाक (मड़न) लामिकार धार की मिकारि मिकारे ) वर्षी शिकार ( भूग्रे असी अविमा ) मार् (मूत्र्वात ) उत्से (अवस्ति किल्ड लामितित )॥ ७१॥ भि कक: लास (चारक ) ठेप्ट (मडेंबे) लया क्रायाद: म छवं: (ध्रा भरकार्ष) वर्मीर विचित्र (वर्मीर जारश्व में कार्य कार्य एक ) छा १ (जादारक)

लार (बार्यत्मन ) किमाने! (दि त्याने!) त्व (ब्रामे) आ (sough,) & (couni) (myaes) ( Curas even augine 3, ) 11 AP 11 7% आ लाम विस्मान केत्र व ) वर (व्यास ) वित्य कारं मेड्डी किन्ने कान्टिक कान्टि ) ध्वारी ( वान स्मन किया) (रास्ता) (द्यामार्काणमं ( कण्डा न्यामार्व प्रकाद ) न्य दर्भी (एड दर्भाष्टि) प्रकार तत (लिक कर मार्थ में ह) रिक्टेर (टम्बाम)करम ) द्वार्य (ट्वामान) व्यास्तावम : लर्डि (रिप्याम्य में र्यं य) में में ( निम्यू में मार्मा) लयमं चव (चर् बर्मा हाराइ) (मालया दी: लाउबन ( (आ अं के क्या अर्थ का का अर्थ कर ) ॥ तथा। कि वर (वेनित ) भ्यातिमाल्य (प्रक्रमण्य मावा ) अवालप्रवितः (अव याची अप्रच ) अप्रचि (अप्रच ) में त्रामें के (यत्र रावेत ) दरमें : (दरमें क उन्ने ) क्रांट (क्रांट्र) वर्गिक्यर (वर्मिगिर्ह) कुर : काम (कामम्गत) बिनिक्र (प्रारंग द्याम्य ) लईपा (मक्षात ) वर्षाप्त- गानं ( RISIA OCAACYA EX ) GALLES: ( MAYAX कार्डिया है । वना तेत्र ००: (लप्रदेत ) मा श्रिम सम्बन्धि की ) लाम (म्राडिकाक)

रैका (एडमारकित्व) पामकार करक्ते (पामकारक त्त आड् यं एता ) ाम्युमार वर्षा प्रक्षार (वर्षां । भी भीन वर ए बक्ष म रहेट्ड ) विमिर्भाष्य ( निर्माष्य इर्त्र ) में सं किन्छ : लाम (ला वं मीकिन व) मामाह while ( musignation ) 25: ( musign) क्रवन्त निव-वर्गिकार् पार् (क्रवनीर निकारे वर्भी प्रधनीकनावी (प्रश्ने नामिना व निकटि) भरामे (सम्म काइट्यम ) ॥ १ आ CEL OUS COMMENTE STORE SAME STORE L'ASSE JESO म्बंध: छिके (क्षे , जिलि में प्रतं आक) , किस्स्रं कामक: है(अम्मारम कामिल्यह कर है) कि (मिर) (one ing Engales [onnie 12 esp. ong 2 (2))

u os 1200 (the one of लाक (मुम्बर ) वर्रात्मर (व्यक्तिं स्प्य ) लडाक्ये ख्रि ( MIZET ) 11 9211 की या (ए या !) मः (म्पडाना) लाइट्याई वर् (सक्षालाक्ष्ण) हिडामतीयार् हमर् (हिडामप्रेशामाय)

अवक्रम (अवकारित ) अमा आल (अम्बाय छ) न लाहते नाष्ट्र (मान् करवंत्र १) ' वट (कार्यः) नाष्ट्रः ( Salar robie: ( ala gra Cus robury) कित्युं (हि सिक्कि) वर (त्यास्य ) मा बल्लामाण्या (क्ये वर्भ नामका विकासिक वा त्या में तिक) क्षा (इंग्रे काव्टवन) हैं पा १ ।।। 18 महत्या (152 में का) ' प्रकारण (केंबराय (क्रिट्रा) equain (ecqua-sonal) min (ca [Xizy]) लामुमर (मक्त ) खमक मंद ( वि एमक (क) ग्रा के निकं (गार्केय थरंत.) भा (त्यत्) में वेत्रा गर (में ब्याहित) क्याचित: कनार (अड्ड २४ ११ रड) मरा (र्य मार्थ) म्मान व्हार (अवस्थान क्रिक्र १३ १०१६)।। 9811 व्यामान में क्रिक्र नीवि-कू दुन्य: (नीवि ७ क्लामानिक प्रमाध्यार लाक्स बार्श्य ) में दर (में र माद्य ) में में (में में) कर्तात केंद्र (मा मिक्ट) सारत्व लेक्स में में कर ) रावितः अस ( क्रिकेते ) मार्खिणः (तिक-तिक-त्यां अर्थित्या अभ्यत ) द्रम्यं (म्बर्गात ) १ वं म

( विष्ये प्रकंष [ वर् ] ) सार्वः ( पर्ममस्य ) र् नं (मर्वेच) याबेरेमाएं मंद्रेस (मर्मे त्मं त्माहर्मा अवादि इहेक)॥१९८॥ की रे (राउट ) है से ( टेंस ) चुवाद- प्रमासी प्रमा कर का-मन्त्र (जीवार्षा, तसा, बनामसमा करामते) राभार्भि (रम् द्रामि) क्लानि (इत्ने कर्र्याहित), (० र (एम्बेटडेंड) लाहचार (लाहचमार्गीताक्रेड) (० (लामान) में वेच्य (में बेच्यु ) क्बार अस (इ.स. छेट उद्गाट ) है (द (राडडे) मः (रा ग्रेक् ) अवरें अव: ( and ( a tin ( an " [ on sine 3] ) Zine all Alle (2:02 ough one )11 d 211 de si se (sin sin; ) cund symal (cund cadas) भव्यां (भव्य ) " इस्मानान्ता (नक्दर सी.म.) \* कक्षा (भुवंस) अवकार (किस्तेक) वर्म कार्श्वर. (द्वारामां कार्वारिक) त्क्रम का क्वं (म कार्य, त्क इब्ने काब्रेस ) श्वव॥ क्रिया (क्रिया) भवक राम-मामेण-बहमाय-के कर (भाष्यां लक्ष्मिम् क्षेत्र अध्यक्षेत्र क्षिक्ष का ( का का हिंदी का कि का कि का कि के कि के कि

( खियात यद शवं कार्य कार्यास्त ) २० र के १०० ( त्रीके कि (क्र क्रमधीक (मेल्य कार्वमा) न्यांश्वाह कार्ये लार्थ (न्यांश्वेत प्रकार ) बर: (टामलात ) लामा (द्वाराव) क्लार प्रिकार (वर्माह वास्ता प्रिंग) अलिखा (प्रकर् लाम्य ) मर्विष लक्ष्य (लाह्या मे) बुष्पत्यतं भार्ष बार्य एक लगाम स्मन्ने। १ १ ।। १० मिहि दे क- क्वारिकार्थर आल दिवार आक्रिक कमिति न लक्ष्या ) मस्योद्य (माम्यं रियो गर्य ) मा (स्पर) a die all the man of the land and a ( all which (काम्यो भिर्माट्ड) मार्च (मार्क्ट) : (द (कामान) सम्मर्ड भिर्मे के कि (कामान ) क्रेडार (डाव डड्राव) माठा धान कि कि कि के कि कि कार विभी मार्स (आन , [रेरार कि] (कतरे का विश्व र ७ दे [ प्रार्थ ] ) (MCM) मणू: (डक-शालक ) मेच : लाम (मेंच श्रीमा क्रियात) : रड़ (राजं ) नवा: (नई मेर्स्स (प्राण्य) मेर्टिंग: (क्र के हिए ) द्वार (एक मारक) विक्रमाई (देनकाम 型きの(を): のなら(のいち) ある(アンシン) (まれ मित्ये (प्रकार सर्टिक्र)॥ वन्।।

रिलाम (चर् टाम्मी मट्टेब काड) ममा (मिलामिकी अखन: (थुके छन्) समाम्भेडि (सकाम कटबं) वातं (वातावं म्या पर क्षित (क्रमम क्षेत्र) हमा म (प्रकेशन सक्षा मार्थमा) ( वर्षे क्षेत्र) हिन्द्र (सिहिस मर्द्र) ॥ ४०॥ A 244 (2444) NA (ONDIA) ORB: (18(B) HILL लम्पा क्षि (लामन लम्मक् न (लक) मा म देखा (त्र क्यां कां के अर्थत (द्राम इस) ' आर्थ में मुना. (यक्षेत्रपुरे ) १९ ताका-लाकुः द्रव (१९ व्हाकुरं गात) अटम (यह बल्मी) जम्म यब (जमन्दे) द्रमम् (लामामाटम) वार् बार् (न्युमक्त रक्टा) मामुसार के के ति ( में के प्र कार्ड ने मारक) 11 8-211 भि मक् मार्क में बा (अब्यक्षित्रकार्येत ) स्म वृत्तं ( ( ( पत्र वर्ष्ण) सम (कामन ) असुन्य प्रमुक्त (यक्षत्र कार्मिष्य असूत्र कर्त्र) ? inganin; (mjign & lo [unguy] ) on su: (gsia) अरामोकिकी १ (अरामोकिकी) नाकि १ विवासी (मार्क अवन्यक ONEER) 11 5 211

V (0/3/3) कियान का रियानका) काम काम (काम ट्रिस्ट्रेरी-मूलाए (क्ट्रेसीमारेक गाळी), जनीवि-मिक्समां मार (क्ट्रेसी-मिन. ( San Las ) ( Bill was as ( sund as [ Jak ) ( acond ) बलार (क्रिंग) वं मार् (वर्) बर्जीर् (बर्जीर्ज ) कर्य त विभाः (कानियता त्वत ) है। ५-७॥ ASt Ca (cama) sirá (3) Haiyau (ñay) ovymél Arent site culticaly - 230 years 234 Charles and A section of the Manuals (प्रति ) स्वामानी - मानी - कपन - काने वानी (क्रम् अवार -The man we deres and the man, एक क्षेत्र आहेती बार्या) करे कर्त्र महिला (विकिश्वीनामित्रीक्त्य)। येका आमेका (भक्त)-बाडा व <u>रेसामुल्</u>य)॥ २ 8 ॥ ( कार (कार्य ) म: (क्वीर्क) = क्रायर (कार्यात );-क्ष (धारा!) कृतिन वहन पूर-करेक पूर्मा (कृतिन

820

राक्रें अ रें क्ष्रक रंगालीं मताविक एठ रैस्सा ) हें हैं। ( constrain ) myon no (myont ) mond (myon My Can (muna) Hays ( Songly) onstate ? ( masay eregines, [maia]) Me ga no 2 (भवतीन के आराम ) आनेतमां है। (तिका मानेकार प्राप्त मा ्रिट्ये क्षिकेक) इन्ह (पड़बंस) लाखाश (श्रामा) क्या: (प्रमुख्यं ) यर्गिया ३ ( १ छ स् ( भव सारिता) हिन्द्र कार्ड (क्षण्य करने कि शहर ता) भ (निक्र) धानवीर (बाने स्मन्)॥ ७ ७॥ भी रिक (डिमिर्का) मा भामका यह व्याम् (किएका) ट्ये मार्निकारे हरे); प्रमा (क्रामि) मेल्का कार्मिका ( www.ca [overla] Quyla augine; [ Norte क्यामे ] ) क्यामीरहः बामिल (अभीमार्ने म्मह-बाराद ) हारेजा (हारेग महत्वि ); व (वामन) अवेदर (अवेदर ) भानेदर न (प्रकार 東文州州 )11 6-911

POLE 347 Ly xa sizin) myoré (myon) ma-माश्वी ( धामक लावं ह कार्ड छ ) कार पामकार (त्मर नामेलान ) बमल मिस्रेड (बस क्रम्मिन्क) मः (बीर्क) क्रांद (वानेश्यम प्रिश्मिका- विक्राने विमा- प्रिम्मी-( 10) 2/ 4 060, ) out (out) (out) (cerus) ( 2 2 2/21/2 भात् (तिक सूट्य असन ) मून ७० न (मून ड दरेलना)।। ५०॥ ि एट (मार ) हमा (देशि) बर्जा (बर्जा) म स्वा (डबेम ना कार्य भाक निवा ) डीका (डए ) कथर समाया (अनारेटक कत) र्मिकामार्म (मिक्सिम्म्र) Conginal ( [auma ] Ce on y (40) or Congo ( 40512 -भारत ) महा विके वा (हानेना था उ, वायन अक्षातरे धरम् त कर् ।। ७०॥ ( वक्र व्यक्ति क्रिक्त ) वक्ष्य (क्रिस्ट व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विष्ट विष्ट व्यक्ति विष्ट विष् (वीक्काल) बीका (मिनीकरे मूर्वक) वार (बानेस्मर ) का प्रवड! (दि कामधड! [जामे]) अअकारवजा: (तिल-प्राष्ट्रभाम कूलमान ) अल्लंगने (अलंभमूर) विधावमें (जात्ममन कवं)॥१०॥ कि लामाह: (त्याना) प्रेमी (प्रेमी) म यह मुका

(इत्रे कार्च मार्च) , म ह्रांचा (क्षि, प्राभे व मार्च) व्याले (१९ (एमार्थ मार्ट) वं (वाहा) क्रेमार (१ म्यामिना :) धारात, (armanter) म के देवसात्र (मान्छाम मा कत् [ [ वि ] ) कूलवन्नी-अपिकेष् (कूलवन्नी कर्षक विदिने क्रिक्ट भारत म कर्मक में के भूमाउ ( भूमा) । माटम रम् ), ७७: (अरा ११ में ) ७० रे में १ में १ (अरा में अरोप के मा क्राह (क्रमन नश्हिन्सी एड कर्ड )॥ १३॥ भः (क्रामान ) भरका (मन्न), ट्रेमला नार् (लादर्मत्रकाभिती), नी भूमिकाण्या (म्मिक-करा) ए मन् किंद्र ( र क्रिकें मन् व क्री) मन्तिरा (कारा का कार्यमार्क), वा मार्थ प्राचित्रार (र्वत स्टिन दिन मुकार (प्रमाविक) किहरू (काला ) अकार मिकार है (अकी Thought (ough ) (a ( Calana) माट्याक (अयात्र कार्या)॥ भटा। कि प्रिक्त मानुबाद्य वाम्पान निर्मा (guma काष्ट) अपूर्वित: (लर्ब क्य ) अवस्त्रकाः (अवस्त्रका) मेर्युलायारं क्या: (अप्राच-क्षणाम्) हिम्बितखे बारावेश-नै री-पित-

अवस्थः (विया बद्ध स्माध्ये मुकास ] लामावं नात नरम ति ह के सा विभारक अर्म में हर्ग वाका निका- निक-निवर ]) सम्प्रकाम (शिक्षानिक्ष-क्षावं महिक) सिर्वः (प्यानम् अं ) क्ष्रीम् विरं (क्ष्री तमा व प्राप्ताम मार्ट्रमार ) हमर (कर्वेद्यात ) द्रमप्रवाद (द्रम-21 म अवात करत ); प्रतीया: वा: वाका: (orman См माभीमार ) कार्ष हे (क्वीकाल ) तव (colona) प्रकाः प्रधावनम् (मार्थी वर्षा ) है।। २०।। Of [ Sit ] as (cacse ) Cr (ourse ) soups (soup) इंडाम (इंड्रेन कर्ड मेंट ) सारी लाख (लाख लाकारक) लक्षामाम (लक्ष्मकाकेटकर ) विक: (स्परेटरक) कार् (ट्यामाटक) प्रवद्य (व्यवक्र करवंता) प्रत्यात्र रिका दिलाम (प्रकास ) नाम छाड़ (माम् छाटक) रेखे : के का (अलका ति कार्य में) वर्जें के : (म्यें कि कं मर्गी (म) व्या (धायकात मूर्वक) मीरिं दे आदि मही देव (धन्त अरम डे अरम करने क्रिके (भन ) आर्थाव व

(तर या अभवकार्व ) वर (च्या के का रक्ष ) ला सब्दी वे (बामिटमार-)। २०॥ कि विस्वास्त्रारं (मप्रात्ने त्य प्रांतर्मा मिनाटर लायात्व मात्र ) वार्यः (क्रये वार्य) मार्खाताना क-सरामंगः (महिम्दान क्रियक काक्ष्य महारामेर् MOS: (MOS 24) ) ( 4 (42) (2) कि में करेंग (खिलक मंद्रकार्व) त्राम्ते (लाखिय प र्वाक्रीक कियान (क्षेत्र वाहाना) कियानाहै: य डि (कार्याभिति द्रम्मा) ॥ गडा of 6 क्षक व नी ( 6 क्षक्र मण ) ध्यम ९ ( वाम (यम ) न किट्छाटमानी किछ प्रत्य मिट्रियक वर्षार्मकात. मा का काक ) में क्षंड क्ष्यू क्ष्यू आ में का कि का में जार्म त्या की रूप ); धार्ममा (रेग्ने) वर्षान क-अर्विकार्षः (नकार देग्लं भारति क्षेत्र) कथर (क्काल ) वर्षक्रमाति: क्रिमेगर (अव्व वर्षनम् कब्लि भारत्ये रे भग ते पूर्वारिका (पूर्वारिका) वाद (राजिया मिर्का (र्यान केष्र वायमा) १०८ (क्षिक्ष) के में (त्माय) ?-

र्वन्ती वर (र्वन्ति) मर्ग (म्यावं प्रवृत्तिं (मव्ता) अ: (जिन ) ७९ इट७ (अर्थ- वर् भी व निर्मा किर न दिमार (इक्) पिए स भारत्त ) रिकेमा पुण प्रकाणनक्र (पक्षुक्रिव म्याप्यतावाद) क्रमता (अन् अत्र ) क्लीत्न लक्क (क्षाव्यक विविध्व भावत्) लाएन (अमन्तः) कान्यान् विखर् (मिल्न् वस्ति) अ१२३९ ( जिल्ला निकरे इते छ ] अर ने कर्निय ); ममहार (केंद्र ) मरकाला लित अपार्क वाली प्रितिष्ठ । (मके प्रकार प्रकार पाला माना अपना अपना ते में कि म कार कामार (मकाई तमरे तमरे तमार मिकरे इरेक) पूर्व रूप (अठ्रक्त (अ किंग के बिल रहेत्व) प्रिट मिछि ! ( देशारे विषय)॥ गर्भा (नके वस्त अकान माजारक) यह (भारा मिल्रू) नवर ]) त्यादे व (त्यावेद्ध) मः मृतः (य.मः (cu 40 14(4 / [orar]) 44 ( ) 209 क्टारा ( वार्म बार्मिश [क्यार्थ]) त्व (क्विमात ) रिवर्षाकामधी (विड देश्याम करने व) ॥ २००॥

**শ্ৰেপ্ত** क्षित्र कामाराय - मा: (En) (a (ourse ) प्रकारी ( बर्मी के ) अधार्मिनार्ड (अक्षात्र मित्व (क्षामें ]) व्यटम (वादारक) वामं मह सार्न सार्म (वार्मन सामा सार्मसामा) simmer us ( Exite of the article of the 336 8 ET-2017 (E & Span 3 3) " a i Kong ( यतर यरे का म वार्ड कि क् ) दा भागि (दान कार्य दे विस्टि दे - वाम अव्य विस्टि वाम हरता धर्म म म अस्त , हु बुक व्यापि हु भू तका म बु भी 1120211 10) [ व्यवं व्याम ] दर्: (क्यंत्रवंत्र कार्न कार्न ) लग्ने के ने के ति ( बसे वे ते । महार किट्रे ) सद् मात्र (मद्रमेगाल कत्यार प्रच के मि गात ) । इति ई (अकार्येक) व्यक्ती-वंत्रें ह (एम्बर-वंत्रे) दर्गारी र्राति ) त्याः आमानकार वर (श्राद्धिकार कार्याः रिवंतु कार्वत 'लिकं]) भावतत्यांत (कातत्वरायं व्यावक करिया ) ति कुल का निष्ट (ति कुल का म रार्थार्य ) क्षे रिमार्थाह्य (प्रतिम करायेक)।। २०२॥

00) आ लाम लाह ([223] हिमा आ व काम्प्रिस ) ?-वसुने (बाक्षतं अदम्) नवट (नव्यंत क्राह्म) (प्परिमास वयने १० (वैति (प्पन विश्वेष्ट प्रत्ये Country ( xoing si); ad & ( [ous ] (राटा वे वि ) म के अपूर्मात्म (के अपूर्व कार्य के बर्ध कार्ब टिक्ट मा, अर्थाद मक्षाम ना छ। एक करिए स्कार्तार्थ असाव ठंड मेंड प्री (उड़े) बर्मी ए ह र समार विकि (बर्मी उरसमण वर् मार्ट वास्र मार्ट कार्ट )।। २०७॥ 2081 पका कुक्षवती वब (वक्स्राय कुक्षवारे) अन्मा ९ (अकार्कात ) बद्दा टाल्य (बद्दा मकात )कामारि (स्थारत के में अप्रकृष्ट (कार्य क) क्रायः (द्वापानं) समामार ( [ अवकर ] आसन् निकरे देशन् अकार करनेए लाख द्वर्ग) त्यालका की कार (काला भ-करक रहे त्य) दे वह: (सर्टिय ) यन्तर (यन द्वा ) हे व्याहर् र वा (किकिट द्रिकार क्रम्म कार्नमा) अन् मूक्ट्री (कुल्या करे । बिकाय करे) 11 >0811 अधिकार (ल्याक्षेत्र) मा (विलामा) अम्बी (मर्वाहत्व)

रूपत्रवार (कूपतावाता) व्याव (वानितात्र) द्वानि (हर आमा ) हिन्देर (टम्मलाम) माल ) एक (ट्लामाय ) लाक पिक : कामक: (नारक रामन के नार्यक दर्गारह) निल-दिवसम् (निल-दिवस्क ) सर्मी म् के किना (वर् अपूर्व देर्का क्रिये करें)॥३००॥ 18 18 m miné ( [ MABA] 18 mm) \* 2 2 3)1: (क्यवसीन्) अवासि सम्मधार् (करिशारत मर्नेमा ररेला) रेमिक का (रेमिक का) में अर्थी (क्वीनारी) प्रिक्ट (टमानात ) वर्मीर (वर्मीरि) व्यक्षी-कर्त ( व्याभीन १८४) में मेर (क्याने करने त्याने)। १० ७।। 200 : (क्षेत्रक ) इ द्रांत (कार्ड के ) मारे वर (ह्या -कार्यात्राक) रेलव्याः (र्यापठाकः) सम्ब लक्षा ( ब्रांसक हिस्स मिक मान कार्य ता ), मा (कृष्ण प्रका) जार (विकास का क) आखनीर (वासिया), विकास (कि विकास !) आहर (आहि) को उन् LINE TO THE STATE OF THE STATE (म रकार्य (स्मान कामिया); ए भ भरम ( तारावं गात्म कावम कावं ( । हिं ) ॥ २००१।

२००० (०११) अन्यामार्थ (आग्यकाम विद्य) द्वेदकार व By (g. 6 cone-2x you ola \* ) sine is (sine x) वर्ष द्राम्लास (स्पर् कारंब मकाम मिकास) मर (८५८४०) ८५ व- मर (८५ वर्ष वं स्त्र) सम नव Tá (ou max. gx)? n' ná (comai) nou (chaid) अवा: (क्ष्म के टिमक), क्षत्र (क्षाध रम्बन अवं गार्ड)॥ २०५॥ रिक्षे भास (क्ष्र भर्म ) देव (क्ष्मित ) व व वि (क्षित्र) वं विशेषाः दिन्तं (वर्षी- दिनं का किराम (काम) वर (अर्बि) व वेग्य (बर्वे वाष्ट्र) मुक्से के कियू र कवं) अर् पिला ह ( अवर् धूयं तीवं अकारी वस) ; र्र (अविवार ) यदि (अदि) वि ( प्रिमे) धर्मा भा: (आत्रक्त) भक्ता कर ), जिर्दे ह (कारा उद्राक्त ) मा (वेंच्यी ) मह है क्या. यो ठ (निक-छड्व १४ मठ १६ ८व )।। २००।। >>> [ [ ] bagó (BARO: ) G 6 (SA 8 6 5 214 (हर्टिकाह अर में कड़), का (ध्यका,) क्रामिकार श्राणिल (बर्जी व मकामें बम ) ; मेंबरमा : ( त्यास्तर् देवतं व ) वर्ग्याकार कार त्या हता : या त

( 20 mm 18 sal gerale me 1g aci) orsi ( ( min ) 21 26: ( ch) 21 \$12 mm ) 11 22011 ( केस प्रवावं प्रतिष्वं द्राकृट वेशित व्यक्तं ) प्रवावं क्ष्याली )) यः ककः लाम ([क्राम् ] च्याक्रिक ) केस प्राट्या प्रतिपाम कर् (भी में दर मा पाट के भी ) टब्र्न में में हैं में कोर्ड (पुल्पेंक कुर में को) goargir (manufalle) ungine: ([=14 44] जारान् दुलार्श्व रहता) किंगता: ( क्रिंग्टलां ) निक्तिमार्वः (जीभू करोस्मार्त) अद्गः एवन (स्त रहेटम) अनुसम् (अनुसार्क्ती) ज्या (इस्त्रा) िल्याक नस्का) व छाटक (वाल (यम) ॥ >>>॥ १९९ हिंग (है। हा ) वर्मायर (वर्मीक) हाः प्रमानमावतः ( प्राचित (त न्यान चेस ) ग्रेस्ट्रेट (लक्ष्र कार्ब्ट्टर) कि कि रक्षिक मा: (त्रियं न) र म व्य ) विकर् (विकारक) नामका हर (क्षका है, ज्योगहर्षे क्षाप्ट. क्षिक ) के द्र (का केंग्र) लाम (न दे बर की कि ) वि बेंक में ( विल सटल जियाहरवं - वर्मी अरबवं अम्मवं १६४. संत्य ) । में छ : छा। छ ( विदाय करते ८० ८६ ) ॥ १२ र॥ )) अस्य (क्यांश्वर) क (क्यांस ) वर्ष्यु. (बल्मारि) इष्टा ( वस्ते करने मा) सिन् छार मह

( विस्ति शिव कार्नेता ) बन्धकिया ( रून्सुकिन) कार्यमाटर + [ बर्मानं विस्-वर्षात् वन्ती, ठंते]) ? विन्: (विन्ति) अ- हिबुदक (उन्तान विक्न हिन्दक) यत: लास. (यत इंड्रेड्य ) लक्षावकार (क्षाप्तांसी) य ट्याम्ब : ( विश्वी ट्याम करवंत यार् में (क्ये यात्र डिम् रीत बल्लीटकर (मामन कार्योटहरू)॥ >> ०॥ 278 हैं हैं (वै वि ) लाटम (स्मिटम् ) प्रिक्री (टम्ब्लिस्) मुक्षे वर्माः सूम्प्राम् अन् विन्तु (वर्मीव किर म्मित्य क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के के के कि नन्दार (किंद्रमें ) भानवः । श्रिवा (ग्याने म्मर्न सितं पात कार्त तो ) हार में दी की ( र्ज्यी यर प्रम्य) कि लर्म (वन्नीयावेती यह की नंबादम ) देखरे (अर्थक) मटला र द्यारा काम म ए म (म ज मात कर न न न न छिला का बीक दिस छे एका है । वेश व निकरे व्ये एवं अर्थ कर )॥ >> १। १९ जिंव (त्नामन) मुहार्यका (धूनरी हि) सार्वकामन (जी न का व विकर्ष) प्रिका यह (भी किंदे कारह): वर (प्रार्थ) जार (जारा) मुरार्य म हि वा (मर्थ

क्षं का ग क्षं ) लास (न्द्राति) भिष्म द्राप्तः न हि ( or ma our mag rex; [128]) 1gmm (18mm) no (on ma 13 seco ) & 14 as (mg 2 mg 2) go could (gd care) on ying ( any u executy); or ingres (RIVIA TO DIE DE PAS (DE LA JONA): 1000 ) EN (outra 1900) 1900, (ord) 2 43, 1122011 10 [बार्क रामुलय कारल रिकाटम) के वर्ष करमा: य अव (वर्मी व विन् हिर्हि ) म्यीका (अपने कार्मा) का न (मी मेर ) कर्म (विमामादक) विश्व किरियार (त्वादान निटर्मलान कुल हेश्टकाह) दाकार्य (दान कार्व ), अन्दार दं न्या हिल ने देन छार (नरे बीग्रीतक) अव (न्दे) काना कु (अ (कु अ) काना-मार्व ) सक्वा (क्वार्किक कार्वा) वर्मीर प्रवर डेश्टकाहर (क्ल्मी क्रिक अप ड डेश्टकाह अप्रीयम) प ल्यापी (प ल्याम करने वरी।। 57 छ।। 18 418 (24 20) AND MARCH 3 21140 (2120 वारिक) मार्गाष्ट्रिक्स लासकर (सिर्वेशक मिकटडे जमप्रेम ) अर्डमेर्ना साम्य ( अर्ड. ५० लार हे के छ इंदेर ) ७० रुक् ( ७५ व ४ म

व्येक्टक मार्ड ) मधीका (मिनीमने मूर्यक) नाम छ। (धरावंप करते कि किट में सक्षे (द्रिक्ट तं सक्षेत्र क्षेत्र क् ना ( कार्या ) मामुक्ट (रिते यामोम्य क्षा ने ) लगाम विकिटन मन्। 559" My (लय मा (चर का नाहा ) लगा (लगा) । हा का हमा (में १ -भूभा) म कुन (कर्यम मारे), धर्द्र कि व्यान्हर्य! निरिधिकर्गाम है। है ] ) डकार (वलक्तान में रेक) कर्णा (प्रमण्याना) प्रकार (र्यान) कार्यमार् विशेष्ट् (क्यानित वा द्वाप हेर्बाद न कर्व्ट) अवृत: अपि (अवृत इरे पार), अवयादि (प्रवेह् ) हे (लामन) त्यार्म ही हि: कि ( Chaol 24 Cos and May Cular fore & A (1881) CHELLES EXCOR (RE) ME) MUSION 1) y [ 213: ([200] = 15 m) ais (12 is must ) aux (अभारता क्रिक कार्य (दि कार्य!) धमा डामण् ( ourse 12 is 18 is ) " erer our ( 12 M ourses) धर्ण द्या : म (काम द्या मार्थ) हे कि है (कि है) ए ( कार्रिके) भर (एम) विन्तु: (विन्तिरिक्

गार्दः (गार्दिशाल) अमरेट् मृणः (भूभाष्ट्रेकाल मेप्परे कार्न में हैं। विकार इसार कारा बड़ द्यार ।। >> अ।। 20 mm मेंत्र ((४ ट क्र में श ) ज स: (गई) खिलें: (विन्ति) (ए (एमन) हिन्निम् धार् (हिन्निम्म) बमर् अमि (बाम कर्न्य है) ड्यू र (ड्यू भारे पा) मार्नाहिण- मिला- मिलाए भार्नाहिण मिल ला सारक) असीरक (मिकिटि) असीका (द्यास्त्रेण) मलि (ज्याने ) मला-पूर्ण दिंचाने व्यक्ति पामन पढक्स पूर्ण) प्रवासी : (अरयम कवियादहः [आव]) अभा अभार ( अरे विक्व यम्पाट करने गारे ) ट्रम (धारमन ) ८७ (८४) म्माताः (म्मातेमसूत्र) प्रमाताः वर्ष्यः (एंडेसर, लास्ट रंडेसमधानी हम् मेंट्टरेंक दिसम, जर्द , में क्रिटबंब अव किये का लरेक्ष के दरात कविटारे 'पर्भन्न' इस् ] भा ऽह्वा ) रूपवनी (क्षत्रका) अर् (जीज़कीतक) धात्र (कार्यत्र), - तिमे (विषि ) किसे छिठ क ( विस् छैठ क- भासक ) माष्ट्र -कारक (कार्वीहन कार्यीहरूराम ) भ्रमार्क : (ति मार्क) बड्पाल (अपलेत कार्याण ; [कार्]) कवील्यावरी

(नारिममाहे) ध्रम्मा ध्रात्मे (पर्व सीकृष्ड) ह अर्थम (अर्थीक्सण्:) विश्वामाध्य उत्त (विन्दू-ट्याकारीका व विकारण ) अन्द्रिका (अधिकवारक) भा (तिकामार्कः विकासी कर्त्विमार्द्रित । आर्थाप क्रामी वर्मी क वम्मी हुउ कार्यमा विम् छाउँ कार्य. क्षीकृष्ण एए मने देन विष्यु ट्यारल एपट्मने कार्ने या. (57) 1152511 १११ छनेका: (छनेक काफिसने) विवृश्विष्ठातीत्वति (निकाश्चिर अभा छने मा हे देव के अम भी कारी) छतिनी (क्यान छती कार्कन अम्राम ) त्रावर न जायाति (दाक जाविकान् करप्रता विन्र्]) ज्यामीत् (कापुम्म छत्रीत छाउ ) भीत्रीड (अक इत) द जमार (क्षिक्त) पर (जामे ) प्रमूर ( वरे च्येक्टक) स्पृत्राम्यता (स्पृत्रिक्षाक्षेत्र) ततत्तु (WAGO 49) 11 72211 निक्क कार्यम् क्रिये कूलका मी क्रिये कल्या ! कि [ वि कि ] मर ( ( परत्यू ) अक्कि ( अक्कि ) ८५वन् । मार्भव छ थे : (८५व एका व मी केरिकन छत् ) में सा कार्य (समें सा डर्ने रेड ) देहें

(व्यायते हैं) अम अस - क् म्ट्रेंट : (मिल- पर -संस सम्भाषितां ) लाम (मूरावं) वर (मंत्राम्य) night (night ) majis (macid) sais (युवा करें + [नीक अप्रिक्ष क्रम प्रकार विकास प्रवाधिक ])।। २२७॥ 1) हिमा क्रिय क्रियाल (क्रियाल ) के ही देव (ट्या के हर इत्रेमात्रे )क्का नेपाबप (वामरामा निवास (रिमीक्षा) में गर्भ-में यथेवी. (में गर्भ के में दिसाली एते हिंची) म इतं (न द क्यानामा) लाक्षेत्रमं (लाक्षेत्रमं ! [लाइ]) नका (चर्) भारता (भारता) समा चर (मक्षाम्) अम्बं (ममंदः बढादाः : [०० पर]) मृष्-डीक्नेन (मृष् उ डीक् घडाकाका जी के) छ प्र ( व्राधि ) व्यव (व्यक्ति) भा ध्रां भी (स्मर् ध्रां भी क यर मू ल छात (इक्नेस्ट्स अप्रेटन १ )॥ अर्थ।। )) अाः (देशारा) अमराः कृषिताः (अमरा र्षिया [नर ]) र कार (पर मारं व वर '[मरं]) वर (वार्ष) मुद्दः यकतः (स्ट्रम्डान उ यक्की). ०८ (अडाउन ) चमायका वंद मर्वेक (गुरचें वस उ जात्रकार क्या करते मा जारी र देशात्र

तिकि वर्षेट्ठ माहात्रेशा) वेठः (अभूगत वर्षेट्ठ) अभयोग द्रश शिक्ष भड़ित अराप ने यिकता सम्हाय 24 )11 25 611 ) ि अं रें के त के हिया: (अं रें के दिन के तार में हैं -E OT [अरे ] ) मिर्म में विकान नार जा: 6 (में मीर्म में-विहाक्त्र्या) नवाः (नवे टाम्बीमने) उट्रास्त्रे (२० ) आह जान (जामारक ) मिन माने (मिन्नी भाव) र्वार्थार्ष्ठ ( कुवार्य करिए ) देप) वाः (हेम) व 334155 )112011 20 क्षित्र का यह ( श्रद्य मिन प्रवेश [3]) लामा-ग्रमार् (विकानिका) भाग्रह मासीमार (एम भारे-व्रामार्तन भारक ) बात्मम (बामक) प्रवर्तन व्याम (वायक एवटवं मर्भेड) मस्त्रिमेर् (क्रमास्त्र) अमनंदर (अमादिष), जा: (नरेक्स) न: (में के क्षिक ) अद्वेत्र में दि वि कर्ड कर्ड क्रिक कर्ड क्रिक कर्ड क्रिक क्रि ०८ (मिक्टिक [ल्यात्र]) में उद (मिट्र) माम् (हार्यिक पारेट्डिट ने जिल्ली) बिलाआदेश (विभागात ) आण्या एर (श्री हु छ देशकाह)

4 द्वा (काराम के व्यक्त ) चार (oursella) क्या कारा (En) marie ( a so cost 3 2 x (a) CALE is ( CALE) 2 42) 11 229 250 11 )ोो ७०: अम्बर ) दाव : (बीक् के) इसम् (राजाल द्वासिए) विभाग्न (विभागतक) धार (बार्य र्रिया के रिका की (८०: आसि!) अहि अहि (अस अस); त्यारी (त्यू गार्क) ग्रामे (अर्म करें); धरमें (छिन ) देखि (नवेस्त) भेन्यर (रिमिक्रि) जार (विभागात ) भाने धया का (ध्यानिकंत) कार्क्स्य [अवर]) प्रका: (प्रक्रीसरी) इम्रह्यः (डाम्यम्बर्गानं) नमर (त्यीक्षाक) मानेनकः (हर्मास्क इरेट टक्केन कार्किट्या ) 11 ४२ %। 30 वम (व्यकात्म )कामीन् (क्रीकृष्ण) वमाहि: (मजीमारेव विषद ] क्यारास्य (क्याद्य कार आह रंगे कर्ति कता न्तन्) ट्याक्याचिल (देपण दर्शत) भा नाका (चारंका) काते अभी कृत- विस्नु (तते पर आरं आनक्षार्वव कार्य छक्ष काव्या ) कु आह: (इक्र मर्टिं) अविका (अख्यमभूर्वक) मिसीमा प्रकृष्ट् (नुकार्यम् मित्रिम )1150011

१०) वाबत (तर्मारतं) वित्रया व (वित्रमा) मलका (आहे ब लात ) यर आर में याता (यर मात्र त्य महता) रेसार्वाठ रे अ ६ (रेसा एर रे (अ १ हिल्म थान) खाल (अमर कार्न तात ), मूला खाल (खान, मूना ड) ००: (भारत्य) लम्पः ( व्यम् व) क्वं (इस इम् व) वर्जार (वर्जाति) दुलासमं (सर् कार्यमें) द्यार प्रकार (वक्ष: मेर प्रक्षित्क) अर् (द्रिशक प्रक्र) कर्त्य) व्यवापीर (बार्यात्मात्र)म २७२॥ ) रिश्मित (दि वराम !) पकर छ ( ( कर कुछ ) भू म यर लगा ह वन कार्य (भू म वर्ण का माना दरेख दर्भा छर्भा लास (दर्भा ने क्षित्र दर्गाह)! १०१६ भिष्यक्षेत्रात्रे (भए वर्ग भर्गाहरू)! — मा (त्तराई वेश्य ) का का के करमा: ( चा बा का के किं के) व छानुनी तार (भेरूम) पद् अतार (विधि) भी नामर् (जी मा ममू रत न ) त्रवू: धल भी ९ (रत्र व्रेम्पेट) 1150 रा १०० । एवः (भिन छन् ) मभी दास विद्यास राज्य (संभी भीते राभारिक हक्कमत्मम ) जिलाआ (विलाया) यमन्त्रक् (मद्मद्रश्र ) कुष्ट् (जीकुष्ट्र) धर्मिक अही ( विकास कर्षिक कर्षिक ) अमलार (कार्य नम

पन्नरकार्य) तिविषाए उद्याश्यकार (कात्राव मुद्र गार्यकाम वरेटण ) तिलंबा (तिलंबा दरेगा) टबामार (कार्यकर्त ) व्यवपर (वार्यक न्याम रामन) । २०० । 28 ( इ च ल ल प्रमा ; दें जा मंत्र ] स्थाना : ( हा मा के ला की मा) या (किश्म) प्रकृत्वी (त्वामन् कार्य) प्रश्माः न भाः (आराधकादिती नार : [अड्यव]) न : (आयवा) कथर् ( Egica) navi co (cercua uni na docad विवर साहार (विव सहते कार्य ) है कमार (सिर्हि) नार्थेन (त र्वंशवा!) वर् (व्या) अत्यात्मानिकार्य (श्रीम् वर्नी र अकान दानी [0]) निकारि (arollin) ज्यक्ष्रें (तर्माक्ष्यंत्र ) यह दिसि (नर्म मन्त्र विक स्थान कर )1150811 DO र केलात /(ए अस केल प्रक ) वर (वास ) ममम्बा कार्य (असम्बा इरेगा ७) अक्सार (अक्सार) किं मूका ल्याचा (ग्रेक्स का बिंग ठड़रण त्या हेरे मर (त्तरव [जूपि]) श्वरम् इ: (तिल-एम वर्ष्ट्र) श्रु ध्रार् (धर (तामन निर्म रेड्र प्र व वाडा ) हिंदी (व्यास कर्नमा) टमकार (मृद्वीयमवः) धरापीम् हिंदीर्षः हिल्म (कारा कामार के कार कार कार कार कार कार

किन कार्न ए देश्यक दर्भी है किल्वा (तकत देश) (वर (इंबाझनं ) मः (outerthis) सम्मान कर करनाति? (com son (05) }# 50011 ) रूपत्रका (रूपत्रका) जार (बिम्प्रास्क) ध्यावीय (बार्यात र्रेट्रे भिक्षारम् (रूपत्रका ) अट्टिंग (ब्राक्ट्रिक) ब्रह्मा विकार : य: (डेक्स महत्माकाकाकाक्ती क्रिक्ट ल-डेक्स बाकाती-क्षेत्र (वात्माम्मारक) मन्त्र (मात्र कांत्र कार्ड (तिक केर्य वृतिक) (श्वीम वेर्यवृति व निर्मा केर्य (केर) प्रमात (यात कार्ड टिट्र र विभवन करते ] करड (वणह) मिछिरेड (शवन कर्वमा) किए (किट्रियू) भागर विषक्तार (अरस म्हार कार्य है है 2001 29/ ८६९ (अमे ) केमर (केसर) धार्म (केंग्रान ) सी विमानर अिति कात इस, ज्वा अविश्वार (देशन अरते) किए डीटा: मु: (डम् मार्राट्ट क्रिन ) रे मुम् ( ( द्वासना [ देवर]) ग्रीयर (अयरे पूर्वक) व्यक्ति (अवर ) विखने र का (विखन कार्यमा ) विजयन (विज्योकन्)॥३७१॥ 29 हिना (हिना) धार्मी ( [क्लिमाआक निर्मात) ने जिल्ली (दि आर्थ!) देपड् स्तर् (यर सेत ) भीप-

(人生生的) 到的(明年:[四五]) ट्यण्यकार (ट्यामान विस्तुन ट्यण्ये) करेट्यण ) करेट्यण) अवकातं वेश्वात (अवकात लाए )। क्रि एउस्य (अवहास कार्विष्ट रकत है क धरतत (रेश कारा क्रिमि] भागा जाम (जार दरेगा है) हव कृष्टि: त छ ( कि प्रित्त प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के (क्लामनारकरे) प्रवादि (अप्रय ) प्रवस्थिता दात करा ७)।। २००। क्ष्री (क्ष्रमा ) स्तः (स्त्रवारं) व्यविश (बालला निह्ना (कि हिला!) अमूमा (यर विष्क) श्ववंपूर (मिल्ड वंपूर्त ) पीम्ए (पान कार्याण हिन); ८६९(धरि [लायना]) म ध्याने कुक्व ( अम्रो मा कर), कार्क (क्षेत्राष्ट्र)का दाति: (क्षांक कि) रे जुड (जारा) क्यूटर (मिट्ल व मूटररे) मिड्ली (बारिसे) 1150का 80 [ अपहर जीक्ष क कार्यान कृष्ट ( द जीकृष्ट!) व अप्र भू आमू (वर्ड मक्त्र भू प्राहिका न अप्रिक) Co ( (कायान) धानामर् अमामर् (धामाम-अमाम) उहिड् र (xms रायन, [अरह]) मूरुम: इर् ्रिय प्रकल अर्था द स्वयू माना छ तामकर्षा

वारिया ) भूकतायार बाकायार (भूकता व्याप पानी उ (ठाकी- मांग्रां मार्डिये) वर वर व्यार्वि क्रम्य लाराय अराय कर्गे)॥ १८०॥ १८० लम (मेश्रक्षे ) डांबं: लाम (चारका) रेमा (रेप्ट्रिकारं) लार (आ ना का ने) लार्य को (लार सम् ने में क लार्जा (कामण्ड) कामकार (त्यामुद्ध पा अपमृत्यं) पानुवार (लाने जातक) देया ह (बालिसन) के प्रिकेट (राज्या) O Man more for in Sin क्रित्म व्या (क्रिटिम हिंछा) व्या (व्राम ) अमारी (मिलान मारी) जारमे को वी (अर्थ को वी त्म कुरू (त्यामानं) दमाल्य (ज्याद्यां चाम्नाह) है तम (ल्यान ) मन : (मा त्या) लामी मं वाद (मार्थ में में रेजक्या (धामना) प्र ( प्राथिते ) वेश (ममुरात ) म छड़ा कारि (पड़िम्म इरेट्य) ॥ > 8>11 8) आ जाम (कामेंडाड) जार (बामेला में कियर (कामें) आछिष्ट् : ( [डायान] आछिष्ट् इ पर्यार् मार्ग्य) र (रिप्र); आ ( जिति ) क मला (काम्याम लालत), का बाताडि (क बार्य) है व ( वि. हा) क्रांच ( व स्वारत ) ट्याका मा त्या (त्यामा अविकास अधिक) बाका देक (बाज त

44); 0056 (000 ) Not (NOS) 11183 (PLYN) かな(回を)1128511 8 पका (कात अभी) ध्यावीर (कार्याय क्रिक आक्रिक) अमूत् (तिक मृत्य) अयाजा (हामिया मि ग्रह्म); लड़ा धड़बीर (धलक मभी कामिलक क्रियर-अमर्टकारिम (स्य में आम शिमात अर्थितार है) व्याने किया (धन कर मना) धन्नची (बार्मिन्नी [िविने]) कि अरे (त्वाचान अल्म) ध्रमानेया (क्यान्या वर्ता ) में यः (में यनाते ) का स्रवात (भाष के निर्मार सरतभ-काक्रवीष्ट्री (भरतभ-मकार्य मियत कर्यमाहनी)॥>8णा क्षित्रिये स्थिक्के )धानी है। (प्रश्री मने कर्षके ) रेडि (वर्काल) अमद्गः (डेल्याप्रिव वरेण) कुल्यमहाममः अन्तर् (क्रामा वान भू अन दिक दृष्टिना कार्मि) जम्म (छिनि) हुला (रथ्न- डमी बार्ग) निक्**स**न् ट्याइंड: (इ अमाडियूक्ट ट्ययंत्रे मात कराम) ७९ अविखेवात (क्श्रुभार्त अवण करने तात )॥ > 88 ॥ 280 (ध्य (ध्यात् ) वात्रीत (अहिक) निर्यु-गस्त्र (प्रके किंच लाहा है ने हार्स) महिंदे (स्टब्स कार्ति), प्रम (पठ: भन्) अद्भावात्रकाः (कून-

प्रवानं भार्व ) सकाः (अन्यीमन् ) र वे में हारते हैं (हार्ड शद्र) तवामामहत्रः (लवामामप्रमूर-हारा) क्वारिका: (कवादे अधूर) मक्ता (धारमका कार्ने ) वा: ( क्रांत्राना ) के अराश्ता वन (क्रिंड आनंत्रेरे ) मिनाः (धरमात्र कर्न्स्तत्र)। ४८०। क्षी या (कार्यका) मार्ड (स्मित्याक ) लाह मार्गे हैं Man milit a which a stage of the man of the man of the contraction of मिलीका (टकाम दान पिगारे मिली प्रवेटन मानि. टलमा: [जयन]) अयूना (खिप्डय खीरूक) रमार (दस मूर्यक [अपदारक]) असूर्मी वा (अपप्राम् सरेमा टमट्सन ) 1178 डा 78] [क्लान आवराय छ० छ : (कमर्यक्रम मावाय त प्रकृष ) अटमे (टमरे) कृष्ण प्रवर्शन: (अकृष्ण अप गडरही) इर: (तिष्ठ) प्रविक्तिरी १ ( भूरति भन्नेप्राचिती , क्लाम धर्माहरन-भूर छ-क्री रेंग्ने देश ते हैं। क्री ही क्री क्रिका ही प्रमेत (आड रार्ग) भागा मा किंद (माट्या डाटन) त्राम (विश्व कार्सपाहित्यत्रं)॥५८१॥

1862 [2641 (2)] 41 21. × 5 4. × 5 12. (4) 4. (4) 4. (4) न्द्रत र के भार ( [न्योक का का कर के नियं के कार्य के किया नियं बक्य-८मार्टि रुद्धिश्चित कारा के ] बाद्या ता सरे व x & Con go de de de Coura de la contra la de de la contra del la contra del la contra del la contra del la contra de la contra de la contra de la contra del la contr वर्मीर (वर्मी) म म द्यार (म म माउ क्रिक्कारन) भ स स स स पर ( विर्मी आसार विकिति ] निर, मर, मर, मर, लाई दिंडि व्यमद् छ सम्मम् नम् नमः ( अरे कर्य ि देवरमंत्रे ] अप्नम् डास्त्रं व्यक्तमम् देन्तम इरेख ना सिता ) है जाक नेता दिया जा अपर के कि - से सर्वे कारण करें सम्माख ज्यार ने जिन्द भी नं का कर्क छारार रे अधार देश्रीत्याम के में का अवास कार्य हिला सिय [ वर् ] ) देमामका के दिए कमा कि - क्षि - की-रायामात्रमा : (अ देखेला सम असम त्रमामा र्वाछ, तळा उ सम्या अष्टि प्रभी समेरक जलभाई के काई गाडिल); आरि हुं छ । शिला राषि . टलोक्य-नमस्त्रिमा हमरातारम्याः (डेड्यूय Constant adimental stances of Many

Marchay zenca amagra zya) 2 zydaranga-क्ये - क्राक्ष - अवर्थी भूव का ट्वार्कवा : (श्रीर नावभूषः करे क्यार रहे की मृश्वका माम्य वितं ररेए लामित); अटलामा अर्नम् भूर्यक - कृषाकतारि-Couler: ([746] Nama Nama Ca Frenca अर्रे मूर्य मान्द्रार्श्वरकारन नमान्द्रादिक्ष ब्यम अल्यापन कर्माण आसिता : [नर्माल]) रू तु (कु अपर्वत ) क्षिण : बाबिर धर्म व दर्ग : (अश्वाका कृष्ण ठेडा एव ) भर्ताः (सूम्पूर ) किया विश्व अभागावामा अर्थ म- बीक्स प्रकारत (भारत कारिक्त) स्वायन नाम निर्मा कि इस्र म्लू व्यापन के अर मा अपित त्या वं त्या के त्या करता करता है। भित्र रेत्रेण एक ), क्षीन प्रमण दाम कृषिमा दिएक (भन्देर् शिर्डिलया कार्न्याहरू ), जीकी ब आरंगर्य ए (की क्षां की करणा का किल् या में हे में क इवेपार [ 120] वीव्यामा ७६ववर्ष

HANGA BULLANDE HANDE THANDE AND THE MENDE THE CHANDE THE CONTRACTOR THE CONTRACTO

त्रियादम सम्

) एम (ग्राज्यार ) र्मा (र्माण्यी) मान्येयुनीर् (मानी-मेल्य ) लयं मेला (लयं मास्यी-मंत्र ) वारं में विकारं (टारे प्रजीरिक) कपि (वकः मृत्न) विक्रवाता (टमालत क्षान्ते भूर्वक ) अभीमार् (अभीमातेन ) अवाद्याधामाना (अलाम क्यात्रमा ) कार्यात (यामात्र में मिका: रिक मकी-लर्ग!) अल्प काम ताल्यों (कृत्याव दान अभी करी ७ अभी वन) क न मार्क (कामम लातन) कि धमर्म : भर (जारादान श्रीहन्दे) टामे (कामादान हेखान) थेर (अभारत) मिरमण्ड्र कार्ड (काम क्रिका क्रिकेर कार्य) ॥ उग ) जाः (मभीमने) छहः (नामियन निर्वाल दियाना डेडरमें ) कत्र सम्प्राति (विशय कार्ने एक कार्म एक) मान् मार्व टिलोय-भाग्ये (कम व- धराना लान मिकरे) अभारते (मझन कार्निपट्न ); ७९ निख्या । किर्वप ( टिल आरत ने मिटन में के रे जाहा वन) द कर (स्पिर) वर (वारा) भूरमाण्य (कावरमास भी म रूप , वर्ष) लिक्किन अरेटलर्ट (डेअसमाईक अरेड्स्स ) मक्डूडर् (असर कर्ने)।। रा कुला (कुला) कार (कामिलाय क्रिका क्षीया: आने-वस्:-प्रधाम हविधि (लामरा सम् भाने व अही नका ना

वीशवान प्रभात मानेण जामातन मिक्ट ) अवद (रेका) counded ( Commy in uch ); les ( Mis ) of out in: भी अस्तिन अमिन ना किला में (प्रकार) डे लाभूड आकि तार्रे ) अधिवासू (लासाराय मान सक्तिकी अपने मार्ट ) धरकार (धरकारे [देश]) विट्यम मी मुद्दी (बिट्यम का के वी) । ७॥ (कि ही क्य: (क्रिपेड्ड ) हा: (यथाय) याहे वस्त्र क्षितिकांडे अभाष्ठ ) अवदीर्थ (मिन्हम कार्बमा) छत्माः (खीराबा-क्टक्ष्ण ) तिर्वेषमान-विमात्र (अटस्टामावभामका नी म विभास ) मह ( सम्पान भारत ) देवका: (देवमूक दर्जा) THE ME (ICA) princes (princed to ) 20 -करारेशभाः (करारे नेश्वत साठत कार्नेमा )हित्य प्रव-नम्ताः (कित्रमस्टर्न प्रत्ने पृत्वे भावीं रक्षात्न) वादेवः (हर्षात्क) दिवाः (धन्द्रात कार्वत्वत्र)॥ ४॥ त निक्त थ: (मुर्क) लयंग (मुर्वास्य क्रेस) अन्त-कर्ड (मामानरेपके स्ट्रीसिक के ति । न्याम (सर्व के ति ) । न्याम (सर्व के ति ) । न्याम (सर्व के ति ) । न्याम (सर्व के ति । न्याम (सर्व के ति ) । न्याम २२(म७) अमूळ्या (विश्व समा (विश्व प्रम् (र न देशाम.

रत्य [व्यीवाकी जंग्राटक]) निवाबिक: (निवाब्रे रहितर) १ वर काल (कमाल [1817]) अमृर (न्याना कार्य) विद्वसम् (द्विन मध्याप्त कार्याट राष्ट्रिक) क्या (कर्षक्य) म वित्रकः लास [ [ 2460] @ 180 23 (M2) 11 B11 न लग (लाक्षेत्) यः (क्षार्क) में अधिकाश्याप ( ८०० अरम अव्य मार्गिक्ष) (अने किस मारा प्रमास रमधारा) कारि (जकी ) मार्जिकार (भन) अखिनेका (मिश्रिम ) ख्रांक (भीम ) नित्तात के मत्त (डेक्की (प) महर (दावंत्र में त्या ) जिलंद (क्षा ना वा प्र का कार्यों) ि उन्ने बारे: अव: ? (डे के , बारित भारेते रिकार्ड (अरेज्ञम) अडाइड (विमिषा हिस्तर)॥ ७॥ सिक्ट ड्रेट अक्ष्यिक क्ष्यान कार्य क्ष्यान के कार्य क [नानकाल]) नाम लिलार (विहासीम ना लिला) हो नी र रेव (छोतीन मार् ) बलार (बलपूर्वक) कत् गृरीश (शाल काक्ना) कू ला बिलाहत: (अपूलतम्त) धारमे (अरक) रेस्ट्रायमार (रेस्ट्रेंडर उप्टा ) याम्पूर (आजरेत) धात्रमाद (डेजाइड इरेट्नन) ॥१॥

िक्सिम् । लाक: (मभी भन् ) में बंहिर्ल (मक्सिमहिं) अक्रिए-मून्त्रभृत्मे अमे (अक्रिक-म्मा अर्थेटक के। [अन्मिल केट] अम् न ट्लाहन आरे-(अर्थ [अर्काक]) इकाछा: (इस्त्रप्रवादं) अर्थ-वार्थ (लावे विकेत मूर्वक) अअम्प्रण् (वडळावा) मजी ह्रा धा ए: (म भी विश्विवादीरक) )धार्: (वानीस म-)म छ।। [(x अस : ] य: (ला मार्स ) में के हिंग (काम कार्य) हडका (वैति ) केंच माद्री (काआमे । शुराहित हे) है क्रिमाह: (क्षाम्बा)क्षाम्बा ह ([क्षिमात्म]क्षाम्बन कार्रिका) कुछ: ध्यान (कामाड) म सका (भारे मारे); वर (आन) अमूना (नरे) श्रिकेत (श्रिके मार्च ) है (कामाम) अम्म: धामीय (मिनन रहेन) हैडामाड: (ट्रिकेडाम)करम) अभाव (र्रेशन मिक्टे इरेट) ए (रकामान) कार्टकार म नाग (माम्मारिकाम रफ नार्रे )॥ ने॥ ) लटम् ([ क्या ] न्यु सादी ) काम्पर (म भी गरम में ) वानियात्रकार (वानियात्रकार) निमम (अवने कार्नेम ) ह (चर् ) तिलामी: आह (तिल मभीमारो न व्याचि ) का हु ए (विम् व माक ) का विस्करी । नि

(वाकाहिक अध्यव ) मृहम्ह ९ (भृहमा करकेल) मिलामा (त्यात कांड्रेसे ) करा (वर्षात्य) हिंते मुक्ते ह (अकार-७-मेंबेर्डिं) देखानेज ध्यानी (बिहानेजा रमेर्नम )॥ ४०॥ भ (लिते) कुरिनीक्षकः (क्रम्सन कुरिन कार्नुग) ह या द्वा (लब्द वं अस्पर प्रवंश दि ) मर् सर के अक्रु (अर्भम क्षाक्ष्ण), इमहर् काउं (राभावत सिए जस्क ) जल मीहा नम्मा (जल मीमका नत्) कानी: (तिक्मकी अने एक) एकंतर (एकंपिक्स) धनम् ह (अरेन्स मानितान)॥ 5511 ( दिनासना अर्थायासी शार रेस्र मस्तामा का का मारक वसकर्ष कर्येश (बास क्षेत्र कार्य मे कर ) द्विति नी सर् (त्यात्र म्हात न् कारेश याकित) व्यम् देश ( र्वान मिक्टे) व्यक्त (मीयरे) मृहम्म (अभाग कविश्र दाउ ; [कावाव]) प्राप्त म्लिल् (अर्थ भाकि (अष्ठ) अमूल (वैवाकाना) टअरम्भ (देव जी द्र क्ष्ड); अम (देवान मन) प्रकृ (काम) कम् (इक्तिएन) व: (कामाध्य ) मर्भ: विर्वयः (मर्भ कार्रिक है है। उद्या

) करेकवार्त्वीयकः (करेकनाजक्षा मजीमने), कुद्धाः ह (इंडिममेर [क्ट्र]) इक-भिव-सम्बन्धाः १ (इक ७ ८०० तमनाय-मन्त्रमान् ) मनावि (कर्म्मा) MANGE COMPLETE SAME BORNES AND MENTEN AND (६००न ७ माट्यार्यूक), मुक्षांड: भोन्छ-मुम्छ-दुक्रं-रम्पर ( रामासन स्मान्य मत देवमा अवन दर्ख) क्षत्रार हाक्रार (हाक्रकात समानमन्ता) भार (prontes) इडके; (डेक्स कर्ने गारह,) 112011 त्यह त्या त्या का क्षिति - मामक व्यक्षा व दर्गा हा। ट्य लप्रक्षेत्रं के लम्हिल्लमकारवं कार्म बास्व वस्त निरंधिक मा कार्यम रक्तमामा जातान प्रमुन्तेन इस कड़ा इस, उराहे कारला कि। अद्दार अविकास निल् न भागारेल का के किया भणादिस्य य ति। मारिकिस सम्भारतम् । भीति कर्क सवा मिर्ट्रक ला वी बं का के व दिया करते में टिय Х लाम् द स्थित मा जि कर्रकारियां में के व रहे में रह देर या दे हारा में बादक व ove susi] कुलावली (कुला ता ) धरम (कार्यत) र्मारि! (दि शर्द :) (व (त्वास्त्रं) वह: (वाक्र) प्रक)

(अकार रहे), धार्क्र त (भिकार रहा), यह (पट्यू) क्कार्ल (अक्टिक व करले ७) जात्रीया नेकर (कर्षक-यानि व व्यवता क्षितिक) हिरू (हिर्) के दे रे के कि ( 2 mg EM 2 (0 (2 )11 >811 प्राम्। (त मार्भ !) हर्दे माडि: (हक्र म माडावां) and: (यर्) नजम्भी छ : (नज-मभीमर्न) वृष्टमा समाम (तामादक व्या कार्नेपा व क्रिके ) ही ल्या : (हिन क-न अका ना ) अभा (परे सी क्रकन ) र भू : (नवी नरक) लाटिमाहिक (अव क्रिकेट कार्केमटर ) विद ल वर (त कार्) कित्री में कर (वारात्म व अअंवर रे में मार्ट) दे (क्षिक) रेप्तर (रेप्राप्ते) हिन्तर् थर (विकिट्य ट्य), जब काल रेप्त् ( एक मार्ग मार्गी र कड़) जमार्थ कर् (जमा क्षाम कार्य किल्मिल कार्नेगटर ] ॥ > ७॥ क नित्र त्याक दे असे लामकावित महित (विद्यात्रा) धानकार्व मित्र वर्गाट्ड। दिलक्षात व देलदाम यह ने वाहाका व्याप कार्य-कल्लारक क्रमक बला इस । अश्रूप डेमाध्यम् नका उ उन्यान अभीत जन् देनताम करेक उ डेममात नामक कारत क्षित वर्त गार में

क्षितंत्व कारात मात्र कामर भारत्व देरवाड वान्त हेंग्रेट्य द्रेमाटक विकासमा, चमा हरे। चम्रिय प्रकामश्री-कर्ण जी बाक् व अली केटक मान कर्ता का के प्र मा My Ca 3 मक क्षांत विकासमा लमक्षेत्र हड्गाह । ) अमे! (टर अमे!) टमामामेन तमे वृत्तः (टमामामेमामतेष आडि वामक), व्यक्तिमारेमा (कार्वनमारे) व्यक्त (वरे अक्रिक न भरम ) देवारी (बक: म्हत्य ) ह ज्ञानत्यः (मक्षाहरू-क्ष हळ टळाते वं , व्यरिष्ठ हळा वती तस्त्री लाबी वं) हाड: (क्षांत्र) लायर में का (काल्यांत प्रमंदर रत " [म्बर्स ] ) वर तत (वेति एम) व्यार्थाये व्यक्त वर ( निकार्य मानी टमरे हकावान (कड) क्रिविम: मृत) विकास (कान्ते कान्छि प्रेरेपर् (केत्राते ) सन्द हिन् (कार्वन्य काम्बर्धनाम); अव वय ह ( यरे हकामतीन भावते केन् प्राचिक करेक अव कावतिन ) त्रपूर्वपन (कावते बत्तर)॥ उछ।। निम्दा जिस्टा धे धनका न । धकार्यक लस् काता जरमक कार्याक् अविभाषम ब्रोटम मक् एस व दमा क्या निये टलारक रह का बरी निया न का बिक वर्ष कार्छ. अमादे इत्रे माट्डी

भी नामका ([लयक्त ] नामका) हार (क् म मना क) व्यापमान (यामेट्यम) कि कि (हिर आमि!) ध्या (मन्द्रम) अक्षेत् (कामक्ष अक्षा) भ कू क (कामें अग) र कार् हतार (कार्ड हमता) = स्वार्मार्म्मार (स्वामी) भरा ९ भ्रमः (भन् भ्रक्षंत्रं निकरे दरेत ) छ मन विक्रामार् (हम्बन्धः समाप्तव्या) प्रजीतार् (मरी-लातेन ) न प्राध (मर्गीत ) बनक छेक म- अ जातार् (वटमन कलेक्रिकिक क्रब्रम्रहर्म) पानिकार (धाडान) क्रम् धर्रियरेट टक्नी क्रिड्ना निरे त्लाक 'राम्कार्डि' अल्लान । ररक्तकम्बर्गि क टब्र अम्बन्तिया वर्तिमाना वास्य माक्षा एवं आनका-सम्बद्धेन रहता कनाम देश अस्त्रान मने दर्मार्थ। १ मि मुटल, ( िब्बाल ] चार्क ) लाखा : (आये का वे ) अव्दर्भातार (अरक्षक करणेत्र) वर्ततर ट्यापूर् (वर्तान अस्मे किट्टी) ज्यान आवता नमाइ (विक्रि जात्ववं देवरमं वस्त्रीमं ) जात्रः (मूत्रमणन) कर्षे १ ह (मार्स कार्वकान कार्रिक के रहता (देशकार्थक इवेमा) मारमामाम (बिडिन डेमाम् प्रमृत्यन) हितुरा हिता धार्म ह कार्नेत ) धारा : (अभीय ने )

हाम्यत (इरम्प कार्नुसं ) स्थापी ( (प्रव्य-समीत ) वर्षमामामः (वर्तन कान्टि लाभि लान)॥ उपा निरं त्याद्य सम्पद्न-प्रायक लापकार्य । क्यां स्टार्थ स्टार्थ रेशिक कार्म हत्वं भाराता कार् भूकन दर्दा र्मारा द्वायकाव रम। तम्य कर्म क्रिकं करते के श्री के कि कि मिन मन र त स्था मार्गा में डाफिटड में में हर्माट । किया (माध्ये ) कामाः (क्रमापत्) केद्रियक्त (कृषिताका क्षीमानिती) उमा (अवाकाम) तिर्विका : व्यान (निध्ये मार्च १) भू नारनः (अन्तिक न ) पृटेखा (अनि -विकाल के किए ) उति के फा: (जारा न रामि रामिए अरामिश ) आर कार्विण ने अस्तार (अस्य कार्वेष्ठ अस भू कार्य भारीम प्रयाक ) मार्थ का भा: (भीम काय) भावेरीकर्म न मुकामिकार (भाक्री स्व कर्म्सम्बर्धाल प्रवापिक ) सिचीकुकामा: (कालेवात रेकाम) प्रवृत् तानिय - मूकाव्यि - प्रयामीकामक प्रवृत्तामिकाः (वीक्टान अम् न म्मकातन प्रमाभक्ष देवक सर्व वट्स कालाविक रहेगा )क्रमण: (क्रम्मः) हमाभी ए ord ( हक्र (या हम जी मिन ) वर्म में हो : ( वर्म में क्षिड् क्षेड्र क्षेड्र क्षेड्र क्षेट्र क्षेट्र

when the printing the property of the policy किता (में के में ) लाय में: (मध्याप) हम्मेश (हम्मीक त्ता) लार क्रममार (क्रममा) मन्ना देश रेग (मार्म (तत्र कर्व र्यंत ) सम्भुं (खांकारक) लासम् andnin: (maso anona) garof of: (बिश्रम् काव्याहित्वर )॥ २०॥ ) ७०: (म्मा हा ) आ मानेज (मानेज ) अवादी १ (बानेया) किता का ! कम्पड (दि मधीमरे! (म अ), west ( ) कू स बाब्रिकर (कू माना) धर् मूक्नम (साम-हिलाति (धर्मभूपान मरहामाहिल्समूत ) विकारि E (श्वत कार्वाटिक्ट) 11 2211 विशे त्यात्म त्यात्रेव कियात्र विश्व कार्योत्मा साम लमहान्त्र में के प्रमारित । के स्वास का ने नाटन आरक त्यां ते का के त्यां में का का निवास अदिवास ्या ते वर्ष रंगरह। सामाम किंव वर्ष्य कि एन लकामाम् किंव वर्षात्क लामस्वित्रम् वाम इस । यहत्त मामामंक जीवाकी न नर्म कारल धामामा के क कुक्रमण न नर्मित्रण देश लामकाव वर्माटाड्री

क्रावे (प्वल ) लिकामेनाने (लिकामेनेमपूर) देएका: (१८ वर ) ल क्यांग समाग्र (तक नकार क्यामाना) बामिकामि (मूक बाहिशद्दर ); वस्त (भर दम् ) mon: किर्यात में देश में दिश्य । अवस्ति -म्मा ) जिल्ली भी क ग़ा ( अ अक्ट मिना में एक कर्ण कार्वावं र्याप्ते) अहंबा: वा: (अव्य हसकता) प्रकः श्री कार्यकार्य कार्य पर त्यारक केमक उरिट्यम उ काल तक कि आयु । ति व शक्ति ररेशर्ट । निष् उ कूठे अरे डेसमान उ डेस-टममं में म ८ मंब लालमें बर्म-८इ वे त्यं सक, रह में तर । डिम्पार्म् उर्क्षर्य दे अमाद्भव आहे ट्या महावना कता हरा , जाराक्षी छिर्ट्यमा विस्ता उपमानका दिवसी तिवस में मार्ड हे महामें के हमारे में प्राप्त के हमारे में प्राप के हम हमारे में प्राप्त के हमारे में प्राप्त के हमारे में प्राप √ रहेग्रेर स्थिक, राम्ये अपम्ये ज्यान क्षेत्र क्षेत् ही शांत्र-विकास-अविद्याल्छिः (शामाविकामार्यू माराक् महमर्किक वार्ष का कार् देन म दर्गारह) आ

Med Med James James 1811 Engine Hamm (12 mm) & mile (my & Consi क्रिका: दिन माधारिक कर्ड (चन्) स्थाना माना साने (स्तक्ष निवालकं भूगत) विवक्तर् (भाने विवक्ताna) and so as ( any experient ) minimo ( min -न्त्र ) त्र र्मे ६ (मानुष्ट क्रायक) हिंद्री (मार्क्) स्म कार्य ) व्यानिकारिक कतात्र विभावेषू में निक्र माड्ड व अभ्या कमा बार्ष ), अभाडियः कस्त्रभाविर् मन् (अक्टिंब कर्ममनं कंत मसम्दर्भ) वसीछि: कमाहिः (ध्यार्भा कमानारे) निवा प्रत् (मिन CHICE ) MYDE LAR (MYDE O DENCEY ED ) 1150 11 नर त्याक क्रम हिर त्यमने उ कि दिस प्राम् । कत्रम ७ छ अस्टिन अवर सम ७ । जिना निकंप्यतन जारक्षीवर्गत्व के अक, रहताह ने किकारिक भागात शिल्याक्षेत्र ह सक्ष्यां अभिके वाहि-दिशक दर्वे द अव्या कि वर्ष-में अ अवाहित थेल क्रिक्ट ह क्ष्मण वाष्ट्रिक महित्यम. एक छिर्द्यकार दरेगटर । धान, भाकासर । जीवासिकं २२० समस्य । लेबा मिने पूर्ण त्या हे दक्ष न न मेरिन ह (काल्डिक) यम्भार्टि ।

公世 (विनयान् इसा (विभाग्यवं बाक्ति अविकेश इस्थे) क्ष्य अभ्यासी (अक्षिक कारक पात कार्य (हार्थ) WEI 20 ( ) 21 2 CH 2 -) H 2011 भिहितः (जीक्रकनं ) कवा श्रुता (कवक सन्मान ) अमार्थुता रिकीय भाष अभाग्रामात ) मा अवक्षा विक - ला भा मा मा मु बी अह ( मान-वक्षं अर्थित् कार्ये मतान्य व क्षंट्रिय क्ष्राहित भारत अर्थन काले गर्म कि ) धामा: (भीराके ) क्र मास्येल ( समक्ष मामवं धर्मा व कामक क्रमाविलाय ) मूपा (इस्प्रयम् एक) नहेताः (त्रा क्रिया) क्राचानि क्रवेलार्श्व (क्राक्टिस्सम् प्रमी क्राव्यार्थिक १९०० त्रेशक । कार्किक्ट कर्ने क्रिकं लाहर -नक्षे त्यासक, काल लास्टितं क स्त्रानु व्यक्तां । नक्षे त्यासक, काल लास्टितं क स्त्रानु व्यक्तां । र्मित्यक क्रामक रेरे पाटा । व्यान, मपक् । हिरू परमका कर्वा हिट्स अने सव देव की रवद ने - १०० असर वर्ष मारह ।

Splad (12 m) Me (200) Lyng (12 m) (12 min) ) रेमर (वर ) हिना (विहिन्त ) करकत्रका (अर्ग नवा )करेंग्र where en misser ( man a en se con consiste din) ७ छन्न नारमा नारमिका मिन्छ (जारा वरे नाम उ द्रममाश्यमित्वं मिन्नितेक) भग्नें (भन्न) त्यात्य-AND ( LAB MENTINE ) STOR ( ALMEND) ( 200) ( fray ara (0(5) 11 5 911 चिह त्या तक हु ६ ८ सम्भा त क्षित्र मार्ग कि लयक्षतं । नकट्य ,क्ट्रेस, (अन्दर्भ वर अताद्य द्विकाने टिना कर रेंगार । हिना कर्मात महत्वर स्थायन दुआसार्व के अव्यक्तास्त्र भाग प्रमुख्या ।

Manufactured by:

Shanker Stationery Mfg. Co.

48, Jatindra Mohan Avenue,

CALCUTTA-6.

anaduz 128 Pages No. 8 TILLANOIS Name (Sit School\_ \_Roll No \_ Subject Khala no

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

अपनि क्षणा (क्षिण्या क्षणामण व कार्या (क्षणा) मनाका (त्या बाका हांचा ) सर्द्ध स्थान मेडी (सर्द्ध कुम्प दुर्द्धाए व [यर ]) सभी (मभी म्यांकाका ) पळाते ही (पळार त्र कार्यः किन्न के किन्न क्षेत्र क्ष कारत ) काम मधीय-विदि-मनवाद (केन्दर्भ सम्भड हैं एड अब्बंडाक्स ) हाड़ (डिनेक्स कार्न कार्ट )! र ८ (पर्य ) देश (देशान नरे नकः म्हत्न) क् हर्णाः प्रितने (मार्का कर्ष प्रमान कर्ष स्वारक्षेत्र कर्षेत्रक वामका । (स्वर्म अस्ति क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक वामका विकास कर्षा (स्वर्म कामके व्यान कामके व्यान कामके व्यान कामके व अध्यक्षिक वर्ग ) मत्यामाहत्वर (श्राम्याक प्रश्मा विदिस्ता करें) ज्या (देव मन्त्राक्षे ) केटडी (केडिनेमन लिस्ट अ वस्टान देवते साम्ब्रह 200 x18 02 2 000 : ( comes ang (0(5) 110211 . जिरे ट्याटन इसने कित्रकारी किन्द्राले मेरे ट्यार्थ. अपकृष करियादा । जारे अ वदाव, कालवा अक धड-र श्रीन, जीव्यावन माभ्य उ मनाविन वहारान वाउन. डिकिट्यू क्षेत्रके प्रमेशाट्य । रियू परित लाम

विषदम्ब धार्मात वर्षत्य अविकास व्यापार नामक लामकार्य रम । नमान कर्य कर्य अस्तिमाल्य के सम्म-स्य प्रवेशनांत्रीकारम्य मक्ष्मं लाम्स लाम्स उत्रेत्तर । विषय वस्त वामाम्यित्त वामाक्षर : लामकानं रंग । जन्दान सम्मेगमाद्य मध्ये संभात क्षा कर्त में इसे मारह । विदे अवित अधिक व विद्र 37 garilax around sain (Cas, Exter ) (१) ७०: (लिप देव )। खंबा यर ने मट द्वा ने सदिम संबंधि (क्रा अव में ट्याट्य एड बढाड़ हल क्या में कार्य अमें क्या ' राद ) इम्रें दं अस (इम्रें दंगा) लाह खारात (लाइमार इस्टिं) लिए सम्मार्थ म व स्त्ये 'लिए दे में बे व विस्तर के इस्नामित्र १८६०) कुकः ४० रेषाः (१४ २ दि) लक्ष्येदंद (क्षुद्रा कार्बराटः) विश्वकानं (निर्दर्वेत) स्मक्त अभ्र क्रय्यम् ) द्रक्षाक्षायमा किर्दे MANNERS (CISTA DESTONALO SCRA ONDESTA 24 411 (5 )11 (6 (11

नड़ त्यादक ट्ये के, हिंदिक्या, व स्मेश्र लामके। बं। त्में के के के ने ने के के के के किए के किए के दिन के दिन के उद्गेटर । मझाम इक्षेत्र विकास कटलका क्यांस्मिस क्षितकं विरादं देवस्त्रम् अमानमार्टि देवदल्या अंग्रिटि उर्दे की के किन किन वार की ना- लाकर-र्राट्टिं (स्वक, द्वाक्त)। नार्यंत्र केविने कुर यक अं एवं क तिल्याक त्यं व स्था रहेंगिति। 08 [ अवहन ] आ नमंद्रवी (नमंद्रवी) अमा (नानावा-कर्ष ) मृला (मृष्टि अरक्ष व शावा ) वार्वि छ। वाल (ध्यावित व्युग्न ) अन्य भिय (क्ष्म याका यावा) क्कार्त्र ( की किर्कतं कर्य तेम मार्क ) में करित्र बहतेश (मेझांबर्स अधिनेत्र अधिने )क्रमार ग्दी क्षात्र (श्रिका) लक्षाः र्वेद को अवा के देवाम (बाह्य प्याप्त )॥ ति ॥ (क्रिक्य) (बक: अट्टा) बाहर (मिनहमंत्रे) मिछ्डर (धन्यदन ल्याश्व ) कर्मायुष्ट- राम - में पूर् ( बनक्ष्ये बटते वार् में [क्षेट्र]) में दिल्न (लाबस् ) एं मके तिन ( भेवत् क्यमत्रेत ) ध्याल्डि (प्रकार्य वार्यात. (51; [mid]) 五里五(加)五分:(王思可石力的人

(कार्क) के: नमन-अनक छोट्न: (नमम्म अने मत्रक (छार्मारे) छा (छमार्क) भूत्रे कर्ष्य्रेय ( अन् ' लाग्र हत्त्रिक श्राम करनेवानं निके (त्र) द्र : ७० : (ममक्रात ) भारत् (मम कर्षणाह्र ) ॥ ००॥ वर ट्यास समक हेर त्याम व कार्यास -लम्डी व । र स्मेर्सिक म्याक्ष मा अ अमक टिले व नक् लाक्ष्म त चलका सिंब लाता की कर्त्यीत्र के समस् रह गाहा द्रमान स्पर्देश के मास दिश्व त वर्षेत मान ocam gasnings and a colde mod दिक स्मास्त्र अधिक दुर क्रिका, वं कु गार्ट । व्यव अक्टा इन डिमाप्ये केंद्र अर्जू डिममारे इरेट्नड दिस्तार्थिक दिस दिस्तारमंत सामाद्य विस्तर देसतातंत्र निअक निर्म दिस्मित्र या मामानित व्यक्तित्वात्त्र १९ ७९ ई धन (भ्राहर ) मदानी (मूयन) भिनिन्न. व्टिश (कीर्यक व कीर्ण के मिन्न) क्या की वह मार् (हला भू भी व्योवार्वात ) मार्चे र प्राठ प्रा (मार्चे राभ val [a xalina!] whore (who sair) along

बर त्रिमंत्रक्ष में (इप क्षित कास्ति क्याक्षित क्षिमं ) प्रेलक (वर्) में वर्ष राहिनाई (में वर्ष सेना राहि में पिनार ) क्यान में प् ( अस्त्रभी वं प्रमाना विस्त्र ) यदम्प संग्र (में अवं स्त्रभूभत ) एडेजी ए विच (अन्ते करनेएणए, कातिरा इ ल्या हरन - भी वार् क्या मा में ने हैं लामेर भी वर्षा न्योर्टिक व प्रकारी अस से सर मार्टिक कर्म हिर क्र देखरा मार्थ मार्थे रिक्टी रे विकार करते कारियी , मेरेडा' वर्णात वर् मुक्तिमार बी दे वर्णा भूर्य दाहिष्य अभा का का का का कारक , द्या क्रिया क्रिया हित क्यार क्यान न का के किया । हाता का साम ने जारित्र)॥ ७१॥ विशे त्यालं त्या थ ७ का क्या निवास अवन । व । मेर्र्याहेश्रीयवा व गातिका स्थित सर्वा नवर मय-मैंगाय व शिरां वामाक्षाद्व , सं अस, र्रामाटहा ्त्रानिनं अत्यतं स्थान्तित् हत्यतं रहताति क्ट्रेट्न माडिस मार्चिस माडिस मार्च इंट्रेट डिसटमार ACIA our with our cancer our our chief Off our (naise ) on endy (em & offered and) त्रायमंग तथ (श्रीमी लाज मन का हिंदर ) का प्रका (क क हिटा ) अर वर्र मेह भी (मां वाकाकि कर्म क वर्ष नार्यास्त्रम्। ७७॥

द्रिय (पर ) शाहेक माहिंथी (भूक्य माहिंध नहा ) ( donnusted ) : Mari ( onested de a ) onesso रे मर् (मान में डेड्रिक में मर्थ हारवड़ ) में असे श्वाप हत्त्र ( आर्चे अडे ब्रुवसिंड कुर्वेस कार्ब (वटहरू)।। तक।। देवरात्र कार्य कार्य माहिसी यहा करवामा मिने के का माहिसी. माणा अस दरे ए प्रम् कार्य मीक क्रिस्मे-रहत केदन क-में कर इं ह मारं का का का का का का के का के देनसम्म भन वीक ्षान उ क्रम्महाया प्रथमित ड अलान- सर ' रहें कार्थ 'क मेर क भुट व के रेगा प्रव अम्मर्ये क्रम्ड में मक्ष्य कु मरमर ने बीमक लये एये न ८७ व्यक्त मटमान्ड , रहेगाटहा] 80 [ TONES ] MEJYIO & RYZI ( END MEYS MED). (सके महातीया ) आ रकाकी (का की ) व्यवादी (2) ACAR 1 8011

erdrus win ove ay eracoce ([min]) orwis: cra) Empi: (or Econ a pa ) navit mainge (na. 85 mm: (vinci se sull richan ( vinci oralis cana-600 (मूत्रान ) मड: (मड) व्याभीम (अर्डे के कार्नात) Jako sing salve - a wince, on que, अवसम्बद्ध कार्य कर्याद्ध । 8 2 11 चित्रे ट्याटक मिक्किन असं व काकामिकं ना सक ला सहित्र अधितमा उर्दर्शतह । लक्ट्म स्म के - के ने म्यान ८०, चर् अर्थ (अकेक में म्यर द्व लाह्य १०, चर्में स ग्राभिकातानं देनका-त्मात्व र्वत्वर्णक नव् वर्षाक्षक. Quisico, अम्र करण र्वे ही एक : क्ष म्य लाक्षेत्र , चर्त्रम क्षामवादकों देशका- त्मा छवा । रेव, न्याद्वं ल्याकर्ड म्टलाममा लयवान रहेन। दिनस्त त्वात्र भरम्यं वा वपत्यद्वं धर्म त्यात्र कार्याची त्यात्व व रद्वस्य अद्भम इसं द्रमं द्रमं काना निरं काना निरं काना निरं उसे। त्रम्त व्यक्ति व्यव्यं अके व में मार्य ने कार किए वे प्रमुख्यां की बाक्ष मन्त्राक्षित एत अह A 55 ते वर (त्या का का पर को प्र के किए कि कर के कार के त्या ने मुकार स्थित के क व त्या ने अ अ से मिन wintouring coater organ somi (काकालें) रत्रेणाउ ]

85 [लमक् ] माक्यमका (माक्रमक) क्रमुल्य (क्रम्संक्रम च्या किन्न के का (माल्या माना) मानेता (स्वानेता" [one]) of min (organ quarks) Em (insula caria) बरायेका त्याल (युकार्यका इंद्रेंग त) वार असूर (ट्राइ न्त्री संस्थात्य ) अपने व प्र (भारता का वंत्र अववन ) लाव प्रत ( वर्षेत्र कार्ड कार्म त्यान ) 118211 80 त्यां कामार (त्यां कार्य त्यमाद्र) माह: (माहमद्) द्राधानि: (द्राधनाकि), डेन्प्रिक-विष् (हमप्रात - कि ] ) धात्रड् (यू अभक्त ) विचानि (const भारेखां निर्देश अवा (रेका) अन्माला (पर्नेकमारोत) विश्विक्षा आहे: (त्रेयकात्रेष माडिश्रम) , प्रवार (मने अक्ष भारताने वर प्र) भाम्यर्थिक मने संवास (अलाद प्रकारमार् अत्वावत् ) अकतात्मा वर् (अकरि. गात्मन धामहारम हेट्यन ) धार्ममूर् (अम्मूममाल) मक्टबर्माने हिंगः (निवृद्धन किन्नेश्रम्भाना) भीयान (निर्णातिक कार्नि) दे दे : (ह करे) भीकारि (क्रीडा कार्नेखर्ड) 118011 कि चिर्टन्यारक लालक छिन् मालक लायदीन । बासिय बसाक टमानम कार्ने में लिया के लि कार्ट नारम में लिसके मही।

अभूत गर्य नाडि, त्रामनामि, हरम्मर केर मूम-यत्यत्व त्मालयव्यक्त ममाक्ता व्यर्व-मद्भावतं " मम्मान कर्मान के हममात माह्मार क्र इने भाटक । 881 [ल्यडन ] मेल्युटलाह्या (डान्य्यमा) म मत्त्री (अर्वती) कार्य (कार्याम) 1881 80 Estat (Tinger) on to (Wallows) rement seep (New all ) ( Mule: ( Merchan) \$ 36 ( No \$ 3); चिवान-विजि : (चिवानिव विश्वावरे) (प्रभाग (प्रभाग); धवनमूर् (दिर १९) डामडे (यपि: (यपि); त्मामवि: (त्यास्त्रास्त्रे) सर्: (ब्रेंड लक्ष्रे लाडाक्रात्यं मार्चाविक्ति); स्रीकृति (अर्थमप्र) दे के रही (सम्मानिक्तं) है काम: (कल अर्थ) भवत (भाक्षक), म्क्यम-भटले (म्यम् क्या क्या अभारमारे [यमानात]) भीठे-आडिमी (भीचे उ आडम) , बकारतः (पान) व्यक्तकं ) हिलाका है: (हिलाक मेरे ) रेड त मक के हात में कड़िंग-न्या मेरिड में समस, क्षा में के की कि कि में का का मेरिक में समस, क्षा में की कि कि में का का मेरिक के में का का मारिक कि में में का का मारिक का मारिक का मारिक का मार्थ के मार्य के मार्थ के मा

80) [अवहन ] आ वासडी (वासडी) किलाब्र वनार (वह किला) कारमः कमार (ब्यकार्मामीन अवि) अन्मादी ( दृष्टि व्याण प्रयुक्तारम ) व्याच्यात ( वा नित्यम )। ४ ७॥ ल्या दंगा ( [नावाक्षत ] सम्मय न वर (वा तका वर्) क्रिकाम्यात ([गम्मामा दिवं क व लाम); व्या कर्ममाः (करोक में ) मुबद्द्या: (बारेप्रमूप); बाह् (बार्यम्परो) वारम (विकेष्टि वाम) । गतः रेश वरं (भनतम् प्रत्य अवस ); न्यानिवयः (तिवयु मित्रे) यया भंद किक); दी बाद् भरको (अमुक्यम मा प्रमान) कमक-कलाक (क्रानाहित क्राक वा दि क्रानित हात); क्रीमआ: P ( wailed of man a sent 3 [ on a ] ) is que ( Things ) भावतव्यकः (कल्मवाख्यकः) विभाग (विभाग) ल माना (लम्मा नावाल) डाडिं) प्रकास विष्टा हुन क्षेत्र क् क्रांता उ विद्न म आदि व वादाया वर्ग र र र द \* 44 4 - OLT & A SOUP | (ब्या ) लवादी (वाम दिन् महान वादा महका वर्ष ) इत्या

8% समाना: अन्तर्भ ) मेटरे: (मेलसे टरेश् क्रेंस्मेसरी (मेक्सणं) सम्म) कर (मजमम् अवित (मेर्य हिम्म) मर अ त्र ( प्रमा अन कर प्रमा ( हमना म्या ); अभूभ-माड-अगरे-हबर्माः (मूज, माड , रह उपद नि मधानि (कस्त्रकामि); वक्तामका: (वक्र ध्राक्रकामि) त्रामधाः (जमन-भामा) देशक्त-। भी ००६ (धर्मेव रामा) ्रेडमेट (डेसेंग-अल्स)! वज्य ट्याच (यंत्रमेस्य) -वे निवटन ( देवरि नीम क सम ) देना व्यमी (रवामवास्ति)-क्रा मीलका (क्या न ); न्ये क्षक १ वर्ष वं : (न्ये किंक वं हिछ इडी) रेक (अरे मूर्वित्र में दी ति ) अमिषि विदान कर्ने ॥ 8 %॥ (विदान कर्ने ॥ 8 %॥ वर्षि क्रमंशिव मार्ड विमान करिंगिन वर मिकिक्स हित्यं महित् के के दिनं लाग्निक ममीर है , से लक, WAS 14 रिप्रि (क) अयः (अपसान ) र्रिक्षेत्र कर्मः (चार्के कं द्रेक्टिका-हिट्या) आम्यारमे : क्षिप्रमास्ति । वा : (CAZ) (DÍNN HINNE) LY NONAS LY STANDON CON CONTROLLES OF STANDON CONTROL

Carried and man a grand was proud (1) partas ( L'anifordaning mines anteria-(समामाद्रेव समाहर्ममां के क्षांचारवं में मंद (अर्थ का कार् नारे हरंत्र में सत्र) अल्याति में ना मार - के के के त्थः (अक्ष्य, व्यक्तिक भव अभा व की व्या) , भीताक राम्य -करते: (न्याने अड्डम, मर्ने किक्), हाम-आहिक-अद्भा-ट्यामनम् (अ : ( वर् : क्या क्य भर्म व व्यामन अव् वि) म से कर्त : (९० स म म र मेर्स माना ) लाई वर् (१९११ व [नर्])पामिरित्र (पामास्य वर्षाम् वर्षम् अ कि: (भूर्वाक ) धारायामक वृति: (भूरका अकर्त-वासिवाना ) धार्थनर (विन्य वाक्य ) विकिं) (क्य प्राचित्र कार्ड कर्ड ८० ८० ।। ७ २ ॥ प्राचित्र कार्ड १० १० व्या ।। ७ २ ॥ प्राचित्र कार्ड १० १० व्या ।। ७ २ ॥ न्ये त्यारक अखारवाकी, हिन्द्वकारे क्रिके उ िल्ल की अप्रकार । बाह्य प्रकार वर्ति महत्त्रे ्मकारवाह, लयकेरं दंगा नर्ष आवनाम वासेव सकत्तं वर्षिट्यूने विकारवादि इने गटा वाकाम \* Con a significant mines and is across mines. मात्राक्ष मक्ष्यां देवस्त्र महासम्द्रिक द्विका,।

किंग्राहर अक्षांत्र में महिले वाराक्षावर्ष स्टर्ट संभव, । स्ट्रिके क्षित्र हि स्टेश्स बालुने ट्यात, exince it (S) on may (en ay ing.) nomeli (en meninsus काश्रिका ) किलमारं (विनम्मिक वर्षा निमम इक्सर्न भत्वत् ) व्यपः (त्मेन्याप् ) नवतात् (तवत कार्य विष्युरिष्ट्र [ कार्याः ]) अ स्वा आर् नाकार ( असे म , नर मर्का राप कार्कारहर ( असे म = अदिण्य = किंदी वा अद्भावा त्मेलार्थन 'सन' वा ट्यम्त दरेग्रंट, मा उरंब दिन में में में किया का का का ) है मान (म ( निर्मंत तिथ सरमानं ] कर्णा ) रात्रियी टावर विकृतं (भार्ष्य विद्याम वर्षक ) अभाषात् ( अस असे कि (काकवर ('ट्याक' अर्थार हक्त कार्य) वित्र अर्थ: (विमाभ अर्थार मूजिण जार विमारभव काम ने बा व्य करव वार्य गरे ) वटकाप्मरत ह (विश्विष्यत्व) ट्याक मना कि कार (ट्याक मद - 2 र प्रका कान

मार्गाट्य ) रिहेडि (यहेटर के) मा ग्रेस (टमरे मीमामा) क्ष (क्रिक्स दम्द वर्जा में में (नवर वर्षा न न न भरपुरात ) द्वि ( प्रात ) (कार (काराव अर्घ) Gulnio e Cad ( @ my we existe outin &) # 654 नरे ट्याटन केडिटन के नामक ध्यकात 15 कि लाम्या मिन्स स समार्थिय समार्थिय इरेख देवालमं-(5 वें द्र श्राष्ट्रिक (83 मेरह) ] भगामित्र कार्या के क्रिक कर्म मान (क) रेम्ट् की नाबा हमते न म हका नामी: (बी नाबाय हम्तिन वर् नमहत्वानती अर्थाप्न मभक्ष प हत्त्वाति), विन्द्री (विश्वाका), अकर्तकृष्टि: (नक्वर्ग किट्री) भम भूति (अवस कार् क्यांस (व) इति कार (वाक कार रुपटमं ) जाडी (अक्रालंडा रर्ममं ) ध्रम्यी (ध्रम्यी. era gray erigiois An ( ) on ( Sustan) राज्ये के के विकर्त (दाल्ये से के के में में बार्ष रेक) मरें -क्षेत्र वित्वत (काल्यमं द्रात्में कार्ति) ड्राट (१०१९) ह नार ना: वार्ल (ह नाय नी म प्रमुक्त उ) विभाषिर् क्रिय में विश्व वर्त करात्रेम क्राक्त ।। एउ।। निरं त्यात्क के असे विद्या मा का भूमि विद्या में का विद्य में कुट ट्रमेश, लमस्य नाम्राय न्यां प्रमानित

हरका जापाका वर्षत्रक कालक । वास्त हमा निक्रमा लक्षेत्र व अवस्य वर्ष गर्म वाम्मा नक्ष्म हत्वावामि लक्ष ह मा ने कि न निक्र महा है साल मान कर रहितार लाभावतः । निर्वाद वर्राय व ममन्त्र ह्यानानेन भरक मिश्र माश्राव अक्षि अस्य अन कार्स गार्ड विद्यांकाला भी। द्रमात्रक्त कर्यमा क्रमार्थियम् (त्रषू 'काडिस्क'। काम, हिला कारा: " अमे नर 'ह जार जी 'अपारि ह जारको ड हजार जी com al-तर दुर मार्थ आहे आते क कार्य । ट्रिक , हर्ड च 1 08 नव काछ काक्टिंग (टर्भव मझल मबीम कामान) मीडि. किशिट्स (मीडि किशिस शरेटस) मार्था व पू: भउत (जीने का के एर से के जैवे करका) स्थितिय ( अ मार के अहि ) व उमाक्ष क मं द अपूजा ( स्वतं स स म्यूक्ष ) वता प् (वन मूर्वक) अकीर् (अकीरमण) धाक्र मा (धाक्र अमेमूर्वक) विकित्र (क्लेक्स् नर् ([जरान्]भमम मृत्रा ) इडर् (siy elines [vas]) Lamigan ([noam] में देशान में त्य द्यारे कार्य कार्य दिन हिंते । ख्यामाहः छ छ। ( जिनानकम नक्ष्मां ) नक्षा भामक ( दिक भन्तरम्भक विक कार्नमा कार्ममारह रेशिव करवला

(देश सारिक भारतिमा) छन्टार्म (छन्मद्रमा) नित्रीम क्रिक् (मक्रानिक बात लक्षात कार्के कि कि मि द्रमान में यहा बस्त : काप्रमान कर्न के प्रमान वर्ष-हर अलावन्तरे के प्रवासीय । अने के कर्त कर्तिक कर्तिकरण रम अर्थाक म्म्राम्यकर्क सक्तरात्मन मृत्रावाक वाय-डंड्न थाल्डि आर्ड्स क्ष्में क्ष्में में प्रका टमालय कार्युक्त ब्राजिक्टर ])॥ œ8॥ विश्व टिलारक क्रिके उ विश्व अभी अम्बान । जाक्रे उ नवीत बाला जीवाकार एप व पूर्वी, सत्रभारेज लिश्य उ मेर् निर्वास उ विकास उ विकास मेर जायाक्राटरक क्षम में दरेगाटर । अकानने राकान करित दरक्ष असारमादित, दरक्ता, कार्या (C) लागा: (चार्यात) में ए ति (मार्य श्रम. म्मन ) श्रार्का (श्रीम मिलिक श्री द्वारंग रे ) श्राद्ध -अभागी बड़ कार्न कि (में क्यूनिंग कर भी शिक्ष के प्राण्टित कर प्राण्टित कर भी शिक्ष के भी श कीचा (विकात) अमानार्थ- कृत्य - नीवकाग-नामा-समुवार् मास्टि (काममनाम्पिकि

मार्केक्षेत मार्किक्षे मार्थ दाना मिर्दे किस सर्वा सार्ष्य कार्डमाटरम )॥ कका। वरे त्यारक केलके उ हिर्द्यम ध्याका न । वस्त अर्किय त र स्थित क कमारे व हास के वासाका. (र दूरे क् अक इरे पाट्ट। अर्र कपती-४६ War बिक्य में सर्थ दे दे कर्न महीर वमार दे दे दर कमा, 1 C. C. ( विशेष्ट ) कि अपूरा अर्थिष्ट (अपता म वार्यमार्थे ) मर्थन (वाराक) त्रातः (क्षांकां क्षेत्रं) लर्कितोः शिकार (अस्ति मिने हिल ) एउमाम्यरिकं ( त्रेव्यत्तं अध्यक्षप्रिक्षते ) लटार कुर (क्रम्य कार्डमा-(रहत कि) र्माप (राटरके) म: ह (अने महत ) जमार् भी-में रें के के अया में (देशन मार्ग्य के म में रें के किश्म मार्ग) क्काहिल्सिम्सल मन् (अक्षाक हिल्म भ मन् र सीरण ) धात्रीत् ववक (ढेक्परण धावक करिए एक्ते)॥ १६४ ्यर त्या त्र क्षक् हेन्ट प्रकार क्षिक्त कि क्ष क्रमान-गामक लयद्वाय । सार्वित व न्द्रमत् व वर् रह कारिवर उ सम्मा माल्य जाया का वर्गी रेजू के व के। आतान लाटलका खिल्मान डेर्क्क महायमादिक देर तकार ।

कर अन्य वास्त्र हा भागमा मूर्वन धालात का नरे छा। लार भीटिंद , काल के छि,। का वं "मार्किव १९० रही वं वक्रम्भ एए बार्ग हे नम्दा मड्यान धानान ह माष्ट्रिक इव मार्ग क्ष्येमाय, इक्ष्मेटह ] कात्रक्ष्य (कात्र-म्मल मत्र ,[मगढ]) ए (य दूरेरि) का अग्र (क क (र्व ) भू छ एक (त्मायत व किछ) कन क-मक्ति (भूवत्रम् 'मक्दि' धर्माद कोटेर) द्वा पर (कार्यमा भव्रमत्रकात् ) धनत्मः (नरे दूरेतिव धत्क) प्रकृष्ण असीय (भागत करिया ) मुम्द ( ब्रह्म देरे मा (इस) ॥ ववरा अरेकाल कि मक् छि; क् मकं हिए (अक्षे ए किन्याने कानकाम । वान्यान क अध्येदाल का अधिक ने हिर्द का अकृति । की कुरक के मिल्ले के में तिया वर् स रिष्ट का मा की केर्र -८५६ म्या माम व आकार प्रकृत जरममा कार्यस्य प्रमुत्ते हेर्क्षे प्रश्वायम्बर्ण्य व्हेर् व्यक्षेत्र वान, काम् दिलं अनि कि विषेत प्रति विवासि -

सम दर्ज्यानात्रे कार्यान मध्यदेश माहित दर्गम क्ष्यं स्था , व्यं ने एट । ( शिक्षान ( शिक्षमत् ) क्षिकि किरेक एक प्र: (कार्वेन हर्यम् छ अभग्र इरेल ) करव : (कविव ) छी : भार ( दिने इसे लिम्द दुरावे काव्याति द्वावे महत न्यांकात् छे म् भारता कुत्रमा कार्बरक कार्व छीछ इत ; आहे) स्त्रम् क्रिजीतार् (स्वार्लिव स्त क्रिजी वृष्टम्प्रम्(रम्) लभागंद भावाद (मादिन लभानंत्रीय दियां प्रार्थ ब्रूममा कार्या छ। विष्यो ] द्वी: ह (मका [द्रम्य]); उ९ विकेश रे रिने कवल- विमामामाममाला ([पारा] अक्षक मूछियूनताम विज्ञानित्य भाग कार्वनम् करत्वेत्र अवर रस् विमा: (मिश्वास्त ) क (वार्म) निक्स सन्ध्रीत् (अजून ती ए धर्न ) प्रक्रिती ( डिक्यून्स ) त्कन बुत्र (कार्यन मर्ख ब्रम्मी) 2210 MICA ) ( CF 11 वरे त्यारक कि पिष के अमझा न । कार्ने छ उ कर्मीकालका आप्रक हमात व्यापमा क्षेत्रकान उक्मानम् अ डिमाम बसुक डेरकर्षाकिन्त्रितर एड वे केस पार्थित अपार्टी

म्बित-छने-बीता-भाष्तेलाए (भानिताला छने छ नीताल अव्येषानिक) मूद्र (इर्ष) म महरक (माड कर्षमार्थ) [कार्] ) अभा: (अभूगव्) मानित्र अन्वित्र ( भारत विष्यं कार्यमा) जनकार हर (त्मावर्शतक ति ध्- द्रामेश्विष इर्ज लाड कर्नत मात्रे) सः(अरे) लमारियः (चीक्क) लमाः (चीक् रीत् ) निष्युर् भागम (मिण्यु दर्भन कर्मिक) छ ए प्रमु । ( लामक्त व निषम् प्रथमेन्द्रिक केट् अमूमा-प्रामितव उत्री नामित्न मिलानिक दर्भ ) अग्रमाडक (धन् छन कि विषाष्ट्रितान )॥ ७२॥ विशेटमारक कार्य द्वार धान हात । तमवर्षतन निष्य के अध्यम्म मित्र का अ डे अधात जालका या मार्थ विश्व के विश्व के का का कर है व के महिना : यसा ग( मम् मन भूमिता मामाम्) , रिग्र ( १ रेक्स) करा: भी: (काविराक्त ) अछा के (अछ) दिन्द्र ) 2 थर

(८४८२७) त्यमी भम्मा ([मिक्सून आहमद्यमा] त्यमीरे अगर मध्या); वर वन (मिन्यूरे) श्रामित्र (श्रामित्र); टम टहर र (क्षिक्र के क्षेत्र) करन ) वर्ष : (क्षिक्र कर्ष) करका (क्षिक्र कर्ष) करका ) वर्ष : (क्षिक्र कर्ष) करका मरमप्रदेवनः (हिंड्स भ रहेवन् ) कथर् किर्यु )आहिः राष्ठिमशी-मरीनिष्: (मान् रुष्टिक्षा मधी-मर्किनीमार्तर प्राहित ) जन (जमा ) धानिन् (निष्कु न) भी गमनामा १ रेत्र (अयरेटर कार्नेत.)य हिसाकाश (हिसास ना ड करिए एटर मारे जिलाका मिज्य मस्मान्तिसर जूना अकि छित्र बसु नेता नक्ष , भवत हेताने प्रमूताव ल्यात्र । त्वती अङ्दिक धम्मा अङ्बिस्य अलियादन-भूर्वक भूर्व वारका व अध्यम्न इत्रे गार्ट])।। उ०।। यरे टन्नाटक क्रिके ध्रम्मारे उ किल्लिके ध्रमक्षात् । त्वती अवृधिक मार्ड धम्त्राभिकृष्ट्र अद्याष्ट्रा कर्तत-८२७ दम्बर में जीस् किए भेरे कि कि में परिवर्ष न् छा का पर दू भारा निष्यु तक भू निम काल पिक भित्र कर्म के जित्र भारत ने अवर भूतित जामका निवास प देशकी द्वमक्रमें - (४० में के किट के प्रमाणित के नि नव्यक् निव्यक्ष क्षिरकाक्- एवं दे : (निव्यक्ष के उ स्त्रभूमत्रक्त कार्वर्ष टहार्मने भा करियम् त्राचा -२४-क्ट्स: (बीट्यांग्रल, क्रिक्ट्र म् नला, छ ७ ७ इसिएंड अधि ) प्राची है के का (शिया का कार्युंगा) Car ( pure ) टम्मे के पार्ट ( मेरे पहा ) के वर ( इसे प कार्माट् ) ने जि ( वरेक त्म ) छम् कार्य कार्या देव (डग्रुटमार्व ७ टमाक (२ जूरे टमन) प्रमू १ (मः। अठ इरेशा ) धन्नाः (जीन क्षेत्र ) प्रकार (किटियम) वृतिकर (अवन ) मिर्य मटकेम (भिर्यम करिन अप्रेक) य गार् ध करवा ९ (मका का भर का ने गार )॥ ७३॥ अहेर आरंक क्रिके उ हिर (अभी धाकार ।) A PROPERTY AND ME HOURS क्रिक्स वरे त्याक कांब्रेक्स खढ़ार्ड व अगर्ड समार्व मसानग्रिक विरक्षा रर्भातः। ति । विकाल ) व्यानाः (क्राक्षेत्र) मात्र पट्टाः रिविद्य निर्म कार्मः (विद्य के अने) व्यक्ति मक्ष्रिकारों ( अक्षान ) विकारितान प्रकर्त का मूल्ड र्वित्र वित्र विकास क्रिक क्रिक विश्व विश्व विश्व

? (माश्रेम ) मार्डेक्ट (मार्डेक) मिटसे-अन्द्रमः (तिज्ञ ७ स्त्र) अर्थः विकास (विकास :] विभिष्णात्य) धाक्षणभर्षा प्रभात्मः (द्रकी दिल्ल व राधार का जी ख देवन कार्य में में ) सम्मार (अम्मार) अस्कार्भाः (स्कु इरेभा) कालिए बीक्षा (विवाद [आन्यु काने (आ कारें) (यामिमा ) विवि: (विकालारे) वियामिक्टलम (विवास-ट्वाका क हता) श्रीकार हकार लिया ( दिल्टानं मत्त्र ] श्री मा करते ने प्रिकाटिय की है) गाल्या विशेटमारक केयरबामां ७ किमक वि' कामका न तम्त केममात्र में अक्षेत्र मिन में देशाराय म विकार के भीका अल्ला हे नायम निष्य उ सरका पर्दिन् देवरायन विका उ क्राम्स डे एक जन्मसुरवनाए ्डेट्टलका इंड्रेग्टि है लान अस्य जिंगानितं मारक भीकार्यकाल अमामा यमें मेरियू वे र असक् विं इशेमाई। 🕦 विकि: (विकाल) धमा: (बीग्रक्तमं) ध्ययत्रप्रः

( प्रकारमा ) क्रिक्र का क्षेत्र क्षेत

काण्य ररेगारे कि ) कार्य-छर्थ : (कार्यक्ष छरेकामा ) विका अवक्षा (जिस बाम कक्षत्र कार्नेग्रास्ट्रिके )॥ ५७॥ अंद्रिकिट्टिट्समा व स्थम, लामका न नम्ट्र तहरं, अरे \* अस्त्राका धालटकं धाटलका क्रीकाका क क्रक्रियम-अकार्व देरमर्भ महावसित्य देर त्यामा नयः विवासिक्षक् विव मार्ड वृक्ष्म अस् काराव्यीवर्गन -(20 ( 本の中 ( ままかして )] A तटड हिट (इस कि) मेस्यि बमार (लर्जियां वरत) हिंशानि-भू नाक विवालप छ वर् (इक्षेताक उ अपून क्रमाना प्रकेषाल भूल्लाहिक) क्रमा द्वी प्रमन् (अर्मे मार्थिका के मार्थ हरेटन) है में (गा कात्रा गर्र) के कि (अस्ति) मार्था भागामि-गाहि द् किए (त्यामायाम ७ माह- विद्वावि ) मानिका- क्रमण् (अशमाय छेपयं- एक मार्)।। ७८।। विते दक्षात्क मिलह गाउँ भटला रे व्यवद्वा स । अभाव: व्योगमान केपन तक मिना भी प्रति में प्रत्य कार्य णार हे अस्काल निक्य करा रहे गरह । 

प्रिक्ति। ]

प्रिक्ति। ]

प्रिक्ति। ]

प्रिक्ति। ]

प्रिक्ति। विकास प्रिक्ति। विकास कर्मा करिया कर्मा कर कर्मा कर

मानिका (नश्मिष ) इभागा सिक्षामाता ने का न मानिकता - कू लत - क्र्य में त्ये : (इभाग, मध्रमात्मे का न हल्य कता, कू लत , इच , मृत्य ), मक्रा - निष्म में निष्म निष्म - त्यारा प्रत न कू मूग्र न तथा - हा प्रत - क्रा क्षिक क्र क्र हिंदे हुक, त्यरी , ध्याना न त्र क्ष्य तथा , हा प्रत्य अवासिक क्र हिंदे । ध्यापि हिंदे । (नहें प्रकत ) त्यो धाना दिक्ष : (त्यो खाना हिंद्र क्रा मंग

मत्यवंत्रा (क्षंत्रात्य व्यवक्ष वर्मा) कार्य (विवाल कार्नेट्ट (इर ) । अस्य (असर विवान) प्रकार (क्षेत्र कार्य हिस्का ति) आख्ने आ क्रिके कार्य चित्र त्यारक हिलात्माक हिल्दिक्य, व सम्बद्धा वामका । य जारात्रिक क्ष्में सामिन विकास निर्देश विकारमाछि न कराम् इं का ना कि हरक के म साय मन् हक 'भरने' लिंडे करमामा कि एड दिसमा, यह बास्त है मार्थात एम लामी है में का रावा अकते प है मार्थाय -क्षा का मार्किवंप रहें के कार्ष हैं हरे मारह ] 9 (69 (अरे ) क्रिक्श (कामकाल ) भएम ( प्रेरि भम ), क्रीकालाकुल-जीकु हा का निमर्न : (कालारवन अकुरमन गान भीने व स्ट्रांक काम बाधाना भुके ) स्थान्थर-भिर्याली : ( त्यानक अपित भे प्र हत्त्वासितां )। मुद्रामान विकासमक्तकानिका-ट्यानेपतिः (अअवालक क लिस्टिल मट्ने के हे का कर्ते का का के अधिमर्गित माने (आहरक लाहाक्य) कार (त्याहक के प्रक्र हार ( ( डाया इकेट्स ड असरे ) किट्ट्सिंग कार्स ( किट (८० (९८ अभगमा ) खिल्म मेना मे हतारंग: (अम 3

अ तका भ ज्ञानिक अटलप्त ) , भीनिका-इस्टमाः (ज्यानानं कंतरांचं) के अध्ये (द्वीमा) अवत्याक्षीतार् (भाट कर्षिक आरंते)॥ वन।। यह त्यात के सम् की दिख्ये व किल्मारंग वि व्यवक्राव । ्रिमामादित देरक वित्व वमावित्क वन् देनपान-का ला है ला हि होता ह लार में न आ साहित सामार दे ल्या नाराह देन गरह। VH श्रूमा: वाचा-कवान्त-त्रभवा: (भिवाधीव कवक्षालक अवीक रअवादि ) बकादः (अश्टिक न ) रश्छिते-गक्छ-वज्रवादिकाम् (बिमान बक्तः बक्ल रेज्यीन-श्रीतिहिक कवाहेमा त्य ) हेर्कीर हिल कन्में (टक्षापिक हिन्द न हमान कार्याः (कदर्भका लिल्लीक ) त्रमूक्ष-तिलिषाः (कविस्त्रा जीत्र ) देखा: (मामान-त्वती धामकात) क्रुटेव् (ममन्द्रमाम) दे समाड (ल्ला हा कारेट्ट )।। एए।। ने रिला के समके व दिर (अभाने व्यवहार ने 1 न म्हान मर्भव ७ ट्रेट्स व वासाक्तर्य के सब नवर मार्थावर

हेक का माम प्रमा देवन महावस्त्रिक देवर अमा त्रिक्षिक क्षित्र के क्ष्रिक्षित (य ग्राह्म कर के के के के पूरेरि भन कार्ने कार्ने वार्यो [वयर]) क्यूम्म वीभन्नत (कार्मास्म प्रेरि अस्वयुक्ष हरेग) \* काव्यातः (कलाल्ड ) लालाडार कामात (लाला माल) मार १रेम ) क्रिए पूज - जमान - विदेन - अरे (वीक्रक्र क्रामकक्र विकेश विष्ठे अकामम्बर्क ) भीकाः (त्या हा वारेट्ट ) विक (भ्रेड्रेसि) मूल (स्मर्याल ) व्यक्तियम् न (व्यक्तिम् अ) स्वादेकम्म १ (भवाकाम किट्री) लास १ (लयहात्म) लम्भाव किन्छी (अपापून त्या कार्य कार्य ) क्रिय्तेम् यदक न [Let ] \* Ly a d fr a a ( ) 11 con निये दलात्क अटलारे क्रियमें उ म्रिषायकारे क्रमकार । अम्रा जीवाचीरवं बाल्या क्रियं मूर्यास्तेल म्ला कवान र अटलाह , बादम्मत्यं व अवाम्मत्यवं वाराक्ष ८५ व ( के अक, चड्ड ( आ अवार्ष कामि देव, लाभूतिता आक्षेत्र कार्बन् डड्र मा- उद्देश म

राम्भे दिलकार्मक त्र्य; आखिं एसल कार्यमे ( आ आ आ दी कार आ के , कार्या आ आ के का कार्य पढ ड मुद्रां -अक्ष बलाय निष्ठामका इरेम्टर 90 विकाला (विकाल ) राव : कामाल विकाल में ने (क्षेत्र का का अभी जा का अग्र डेडी में इरे मान भी की नामा (जी ना कारक) भीने हिय दे भी (भीने शहिए बिहिन मून अवस्था ) व्यान: (त्रोकामाला) मामाप्री किया ( कार्रा कार्या एवं की है) रे कड- त्यापना कि : ( कार्या ट्रांस्याकिएक) हर क्रम्यी सिर्देश (हरके क्रम्य) ज्यार ट्रिका हा सम्बद्ध कर्षणाहर किये ग्रें ह ( क्ष्रिक कार्य कार्य कार्य में का कर करते गा -[तर्ड] ) स्व में में मार्ड (सम्बर्गित में कि ) लाखें में में में CZT FO ? ) 11 9011 त्मेळाटल अर्थ क्षी बाद्य केला ट्रम का के वार का का का र्रामिन्त्र व नर्दिव डे व कर्ष महायमा किए डे दासका नवर जासम्मिकित् इमार्क त्मुक्तिके के लाक्ष्यादर्व (स्वक, र्युनाटर । की अद्भ न्यांनिका-लान्य लाजी तक (न्यांनिका प्रक्रा

दुन म अन्य मित्र ) टम्मे स्यू - कत्या (टम्मेस्ट्रिन हेर्युट कर्ति (मारावा दुलाते) मार्नु में त्या (सामुत्ये मुन्ते । इतिमार्थ म्यावादी (अश्वाक्त वार्मा प्रम् डिलंश वर्म्मलाक) अन्यभाषा वाक्षर्य प्रविष्त्रीणुणः (बाध अ पाकी मे-अरेक म का त्या ते वा बी ठरक मि popul soldigió sen a trong on of nonsen aforad. मार्किन (भार्माक) में में का अर्थ करने नाहि । पर ।। जिये एकाएक , के लक, लायहार्व । व्यानामार्थ ला स्थित उ टम्प्रेस् क्यावर यवर का का क्षेत्र वा म्यून र सार्दिन मेल में मेल मान मित्ने काराका-(रेटेंने , के अस, डा माट्टा री इंगर (इया) अविष्णामाण्यका (कल्लानाका वागमम् ) शहेकी (भूगममं ) अहिका किं हैं (अरिका की) है विर्ठ - प्रामाह - आहिक र (कमार्थन कामकानी) अर्थ भी विक्र मुन्म भी है। क्रिं सर्गिष्या-आक्राय व हे पूर्वे किए खंड राय वार वार्व वार्याव में वर्षता है में हुआ कि कियार !-अश्वीम वि (म , जारम मक ); विवाक्द विमें (विमीला 60) नारित्र मुखेर् (कीनारित प्रमान मुखेरे) न भारि (mon supplete 2/2) 11 9 5/1

ERME PROPERTY NOW NOW SOUTH - DINGS AGREGATION BAC 3 CHOMORNIA MONOWIE (SE LEGAL) AS LANGE OF THE STAND COMPANY OF THE तंत्र त्यात मिन्हमाड मान्तर कामक्रतं । मनमारः जित् अकात भटकार कार्नमा अन्दार श्रीन क्षेत्र भूकेक्रा मिल्ह्य इते गट्ट। 0) श्वीका: (त्यक कार्यम) mm: (चार्यावाव) प्रयम् । वित्रवर् (कार्यावरः ध्यत्रक) धरमकृष्ट् (क्षा छन्त )। मार्बियं - कवं - लाख ए छावंछ: (चीक्रकं क्रम्माल्य भवकातीत छात्रपूरे) न मह्णायः (धवन विमा वर्तन क्रम ); व (भीति) भम सक् (लास्त्र स्वम् (ता) ला : (द्रक स्थातन) अम्रिकः (अन्ति (अन्ति इरे माड) मर् एकः । मर् र (७९ टमा छलाम (क्यूमा ट्रमेखकार्य ) अर्वह छ छिछ: जिन्ममने ( एक जिन्म ह जारमी-कर्ति के सम्मा के प्र (क) त्वा वरे (त्या कर र रहते में र) मिलाह (श्विंक अव्यव्हार ) 119011 किए विकार विकार व दिल्ला का कार । राव: (अडिक्ट ) मेरर (क्याक्षेत्र) देश (चर् चारं क्ये क केट्राट्म ) मूर्तन (कार्क मूर्तन) ट्रानेक्च जन्मी: (ट्रानेक्चर-नभी ) कारा तभी: (कारा तभी [कर]) अभीव तभी: ह

कार्ष (अभीषसभी विष्डभात वार्यभाद्यत) दिनाषु : (विकाल ) केलि (अरेल्स ) मरे मार् (मरेमन्यर्ष ) लमग्रा: (क्यांसक् ) क्या: (क्यांसक ) त्यांस्वरं न ल्याह किस ( 1841 दिसा कार्या कार्या कार्या कर की) है। STATE OF THE STATE विशे द्यारक र छेट्टब्रमां धम्ब्राम । पम्टत धमम कले धरमका जिन्दि लक्षीन कारिश्वर्ष्ट जीग्रीमन प्रत्यं देवकत्रमासायम्दिवै , दुर्डक्षार, वंद्रमारे। क के महक (क के महत्व ) त्व अलीक तंत्र के (तं आता में-दानारे ) श्रीधार् ह करन देव (टार श्रीमा मिक्सी Wall I dan वरे त्यात डिर्ट्सभेड इत्रके ध्रमहान । विशेष्ट-कार्नेड बार्निया त्रीया हुन अल्ला द्या-जा भागान द्वे क्ष्मामित्र प्रांत द्वे जिल्ला, जर्द त्ती ने के अनीर कं बात अम हिर्दे दं असि दं के शिक्षा के ति । मार्स मिल्य विकार के विकार है।

की यन (म्प्रांत ) अव छता: (अपनं छन् माना) ब्रेश्रुकिता (ग्राचीका लाक कार्यमा ) मिकासी (क्याक्समान) भद्रमन् (mays) " style (mita) egais (egai [miss]) क्ट्रमी: (बीभाखदेश अक्सर् ) बढ़ कार कारक ( wed on a spines & [ous] ) igni ([mais] Concernat [ 22 2xin] ) racele: p (wereny) भेतम् ( अवेच [ ल्यमं कार्बनाहि]) क्याः क्षिमार्थन ) वह देसर (वाहमान हे ) भूमकेर क्षि (त्रक्रेट्न) क्यम: (कार्यमें) (कर देव धान किर्यक्षा अवि दे सम्म समात्र कार्यात्र ) है न था। वर त्यात दी अव उ का कित्वन ' अम्बान । कार्यकर नक्षे व क्रियां र प्रते लिया शर्दां उत्रे क्रियं नकत रेंग्रे त्या स्मिक, यामक अस्तर् स्वित्रेक्त करिक कर् क्षिक चवर द्वर । अस्तर् स्वित्रेक्त करिक कर् क्षिक चवर द्वर , करे छा ने वड़का छ अम्बद्धा प्रतास कर्पकारक 129 cald, ag to in all saint count, देशेया। त्याकित्यम् स्वादिन्द्रव देवायात्र धारमका त्यांक्रक अवाम् वा क द्रकार्य के द्रक्तार द कार्वतक रमेमार

वि यः मात्राक विकान मुख्य पूर्व अ मान्य विकार करा : ( भारतात समन में के चे के में में एट ' मब्दा में मुन् कि ने प् अम्पूटि अत्मन तर्में तर्में (त त्याद क्षा विक्री) थ: विकामाइ ९ - विक - ८२ घ - प्रान्तिन न वाकार्या विदे हु: लामी (भारति क्याक्षेत्र विकास कर्षिकार मुक्त-वासी वं न मया एक व निमार्थ करे क्ष प्यक्षि डिदे क्रिक्र कर का कर हिंद का मार्ग ) की त्म (त्तर में पुष्टिक ) अभ्यत्मार में त्या रे हैं त (अ) माला माद दरमंद (ताम्मा) सम्मास्त्र हर्ने हाक - हिन्कर (का शक्त कर वी विले - हिर्दे भूतका हिंद्रकरम् ) व्यक्तियां नि-मनं-टर्भडम. कार्न मन ) विकाल (विवास कार्नेट्टर्ड)॥ ११॥ नरे ट्रिक्स विमिष्टिक के क्षेत्रक । नर्द्र उन्म अभावत अ विदेश्यम देशसा धरममा न्योगिया हिन्द्रम् द माधापन देशकप्रिक्रे 'ब्राटिट्रक र इर्रेश्वर ति तमा (चर ) बरमा: (वर्षे ) इरवः (का र्रायः)

धीवतां (स्थि, लम्ब स्थित-असेस वास्ते) देवा (बळे आ बरे चिन्दी) लग्य (क्यार क्या दिस्ते) एक स्पा: (ट्यामनं ) राइविधुक्तं (बार्ड विधुत्रका अ विद्यारे) ल्या (विश्व अल इमं क्षित्र (नद्रेट्यू) मेर्स्सर्वाक्ष ( ) i fra ( ) and ( ) ल्यान्ति ( क्रिक्स के कि के विक्र मार्क ) मार्थ र प्र ([ब्रिकेस्य क्रम्बं व व्यक्षेत्र] व्यया वर्षा भारत्या )॥ १४॥ अवे ट्याटन क्रंबन उ किल्लिक ध्याकार । अम्ता धर्म । उत्मेष्ठ मार्ड व क्रुक्रिक विश्व प्राम् जामाकार्य क्लक न्यर देमका- वक्कीय उ विवित्य लिसमा देनद्रांत्लिव व व व व द्रवक्तर्य क्ष्यात्व वर्षात्व । वर्षात्व तेण न्यान में ग्राहित- मति में दि : ( माम के में ग्राहित शरे मान्या में किए ) के कार (जाकिएक के प्राचा के ता ( ही ब टारो पर्व करण ) आ खरी छ : (भारा आणि भाड क विभाष्ट्री, अपनि है, प्रजावन वर्तिन प्रमारिष्ठ : (धरेक् भ कार्य स्थान देख्य भारिता करिंड

र्द्य 'लार्टेल ) चाना मृष्या (खानास्थ्यं मन्द्रायं) लाभा-३११: ३८०: किस (कार्य कार्य ये नम्पार्य व गण्डन अरमावन ही रेट्रिंग १०ग वर त्याक श्रकाखाड़ व व्याक्रका वामझान । जी मार्थन धर्मतं ब्रहान-वर्तनत् ब्रह्मानाहे ' क्र ररेशाटा किमा विधापन विद्यासका कामान द्वार बक्क क्षणाष्ट्रकां स्टिबर क्षाक्रम प्राप्त अपूर्ण लिका के देवराय व कार्य प्रक्रिक द्वाराट १ में लिय हैंग वं दर्ग । च र्टिय स्थान्त्रक लिक्टिन व्याप्ताय ( अक माद्रिश्वी ( विकाल ) विकिल निम्म आत्र के स्माद्री मिनान ) विकिल निम्म अक्षा के स्माद्री मिनान । किया के सम्माद्री के स्माद्री के स्म गर्पद अवाद्यकावी) वासा-मडाम् (म्यांकाकाव मह-रेनेकि ) विन्य गा स्टी विजानिक क्यान हमार्स वीमा (मिश्रीन बुकारणन धाक्रमतेन मेग्रिं हेनावडारेन । अन्ते वासन्ति क्षान्ति त्यान्ते (कर्षा) कार (मध्य ) अक्षेत्र मिल्याम् ( विकारियाक) उने उ कर्षत्वावा कान्यारिक) म मार्टिन न लक्ष्मीर (म क्रक्टिंग ) कमा (बारा वर्षा) ए (जारांता) मामविम् पाल (वर सम् नामा-

-100m) मी. व मेर् विविद्य छ छात्राटक ) मिलार्ष छ ए कव वाकामाए ( अक्सान अन्न व्यक्तिकारी कार्य ) ॥ ४०॥ निय द्यारक दुमाड़े क्रिकट्वम व व्यक्तिरमासि लमत्रेषं वर्ने गेरह। त्यात्र क्षेत्रं काल्यां सर्वाष्ट्र-वर्त्र हे देवा अस्ति । जम्म त्य पह ना लिन कार का निव क्षेत्र हर्गाह । किस्सारिका व EN ALM STAND BARRY GARRY GARRY GARRY B-कालिक क्रिक्ट मार्थित कार्य कार्य gummanin rainfla genzymentford conguising, sames 1] की जीमार्ककार्गः (जीमासाव ) वम-की नमातिः (म उसम कि क्षा के कि : (के म का स्था का में का के उठ लिंड ] ड्रांबंकाह: (ड्रांबंक्वं भागे माहिनेक इंद्रां ) खिल्या (किटिये क्ष्यें क्ष्यंगाह दिया (त्य मंड मक्स अक्सीकी) निज्रकार्यनिष्ठ माठा-म्प्रात्म (मर्ग क्रिकं कर्कं में विधिम्म मातिकं गरं माहिलामी स्पानकी विलातमं है नाड़) CACE ( ME & LANGE ) 11 1211

लड्डाल क्रिके व विदेशनियामक व्यवस्था । मं देना श्रिक के समान का मिन महिल का मान व्यक्ता मान में के का मान का मिन महिल का मान का में का मान Sax gds 18 4 2 1 50 50 Comice 24, or walke इस् । लक्ष क्रीरिक्ष क्षायं अशिक्ष व्याचित्रके मं देशक्ष अभं बारे हम हो या कर्ष गं बक्छन अपन कंत्रित दुक वासक्षेत्र वर्षाति। अस्तिमकाक्त्र-व्यव्य (क्षिणक्षेत्र व्यम्बल लक्ष्यम् अवस्ता एश् या अस्ता क्रिकारं (क्षरिकत्र) अवारा किया अविक अविकास अवि - अभीठ - भूकाक. बाकार (हर्डेक, कार्डराम भग्नीत त भरकाक्षत) क्षाम् विमामाध्य- प्रम् विकालाम् ( निक्स- शका-हितासकीय लामें देतन हिन्द्रायाहि ) व्यक्तमां ही. ( out sand existen ( carel ( carel asympton) 11 P 5 11 ि विशे त्यारक (क्रिक्सिक वस्त्रको प्रीन भारत) ल्याली वर्ष रक क्षेत्र , लयहैं वं डंड्र में रहा ।] भाना (क्षिक) अक्क कर की छ दिनामाता: (वीक्टक व अवसी के अपने अवह कर), में नवड मेरन : किट्याम की माडिनका मिस्ता (अमनीत प्रकर

(क्षेड्एक मर्कालक्षर प्रमुम्म मर्कील) इकटरे नित्रदेश (मिल्क्निक्लेट्स्ट्र) मुबी बिल्स (अरवल कदारे नंदित) वस्ताकः (सत्र (चिनिक्तं) ष्टिशक्ता ) क्रमा: (त्मन पंत्रमुव ) मेम्माक्ष्मणाद्या-क्रमार (मूक्र वक्रवर्त नगरिकाव क्राक्रमेर) बार्र: मुर (महिंदाल ) हकाछि किए (लाका बाह्रे किरिना कार चित्रे त्यात्क संवक्षे क क्रिक्ट्रेश, अमुक्रांत ! त्या के एक के अवसाखित व प्रवृक्षी मी का का के व वस्त्र वर विद्या ७ वक्षर मारिकाव धकालक लायान्तरहरू देशका , इ सिसाइ बास्यम असे वेष के व अधिक क्षेत्र के प्रकार का का अधिक वेप एड है कुट्ड ला वर्डा, चवर प्रमुव रिटोर्ड स्त. लिस्त्व हे एक बे अस्ति अमेरिक , हे र त्यामा ON 18819 23 4152 1

A काना ( विकाला ) ने ना के क - यर का क्रेस कर हि विकास मार केर : (जीकृष्णवं सर्कीषि उ माधा-सर्क्षक) सूत्रवर्ष्याः हं चित्यात तीत्राण्विष्ठ अर । बिश्व मार (भूमवीय प्रक-माम । दिल्या समीक्री कार कार क दे त्य ) मार्था में मार्थ क्ष्रे दे से त्या या हिला (क्या ग्रेस के श्राहक्त वक्स्र वटल द त्याता इहता कवियादित )। ४८।। निर्धात द्यात , व दुर्धिमा, लयही व । के थिया - पूर् लक्ष्य प्रस्तामाने वासाकी -ब्रिट्ड क्राया नवर मिक्किन अरकी किंदे मारमं देशानेप्टरे वंस्थाने दुरं कत्रिस्वयाने (35. CAMI, 24 MES 1) ि अर्थादि - वनं - वर्षे नर ([मारा] भूभीप्रमान वर एवं गानं करमाम प्रव सरमायनं) 'मम् करम्मामं र (अर्वेरात्र के बाक् वाक् वाक क्रम ) अवसार्या हम आहे -लक्षिण- ब्रामक्ष्य - वस्त्रीति (लक्ष अ व्यक्तिकार नाकि दाया अकार्यक वंग-धानकाय-उ-वस किरिधिक), इंगी-इंग्ने-मिक-मिक-मिनमाम धरीप्यकर् अ द्राक्षावं ने ने स्टिंग । लिक क [तक ]) की रूक -

व्यवत्माः (वीक्तकं क्ष्रमेसण्यं) वं सामम (बेमानंत-बक्त) क्रिंट (नुक्रम) न्यानंतिका-क्याम्वर (म्यां मान्यामाम ) मान्य क ( G & ag x suite a lange suite man man in a man la वायाती (दे लक, चवर न्यां मार्थ बाक्रें मंदार-वर्तमार्य दम्हाताहिं व्यमक्षात रर्भाषा ि (क्रमाना - मर्गान - मिला - बंभा बती - मासी क - मर्थ-आठ- १ म - मर्मेश (एकासंस मेंव भावताससेस नक्ता, इसक्ष भर्ष ७ मृत्राम् कर्ष्यमारा मर्मेक [चर्ड]) में दब सा-भार्त शाहिता (कली. अस्तिक अर्डिट सिल्डि ) विकास (व्यानान) लहर (बिहिव) मारी-ब्राम्स (बाका जन न्मान रिक्ट्रिया भागाय (भागाय ) श्रेम-विष्या (मिक्टक विषिणंक मेटल) त्र के मार्च मार्च क्षीं का का का पान वारा के प्रति END, MARIA SIME 1)

(एक से ल इंड त्मिन का का में) में का या निर्धित कि में भी इनेंड (न्या) इरने: (क्या के रकने) में प्रामिने प्रामिने । (अमूजरमी कि) है वाबिज- मृक्- हाला बीमाडि: ([लाम्या मार्कियं] विवादा में कि ए एका योवं लाकार ) में सुराधवा - (का मेरा हैर का कार्म (िहट अं त्कार मा क्ली के मूजन का की नती ( [and a distand or and a continue enable की वर मगरिती ) भूर्याप्रिण- असार्वा (भूर्वा क अपः लक्षेत्र (सथयानिते ) विवासिति विवास कानिकट कि है म (अत्रा नार ); कार्यका-अरिक अर्दिनि : (की का कार मू पू प्राध्न प्रमान व गर्भ -कालि ) दे सी साडि (क्रिक्टिक श्रेख्टि)॥ ५१॥ भिलाहित भक् अ निन्ध्याह प्रत्यर " आ अपन्। जीवाधिकाव ध्रुप्राध्यव प्रकार कार्याहिर द्रे ्यं अ थ, रंगुक्ति दुर्गाक समयः में स्थानित-अल्बि खिरिस्सिक मालर सर्वां बन्हार अति-मैद्यादिनं अं अंसि प्रिमें अयंते ह प्रिक्रिंग दि मिटलय , लयकां व इप्रांटि ।

मा: मा: इत्वं: छभात्री-ववं-कथेवथरे: (ज्यक्तं क्षेत्रिक के का एत अक्षत्र देवत कथे प्रवा )करें हा: सभाक (अभू मुद्रास्य (भाषा बारेर्व्ह), जामार् (कारारत्त ) क्रम्मान (व्याप्रमुप्ते)।मिकस्मार मोर्काक छन्यां क्षिक क्षेत्रका क्रम्स्कारिक भ्याक नेवायकार्य राम्माक क्रियंश्व वायाना-त्य द्रेट्ट्यमा अमकाव इंडेग्रि रेश) मर (CMCS के) त्या का मिस्यर (आ का मुख्य में में ) र्मक्षकंत्रवः (लर्मक्षतं लक्षतं प्रधिवं ) वदः ([cry cra ] ein syca) & 186 ( mina) sho लक्य-श्वमूर्या- (आजम्बी (लक्षम्बद्धल अध्वन्ती), क लाम (क्रम क) मन्त्री वाम्य कार्मी (मन्त्रीवाम्य-गादिती नदी [मन्द्र ७]) मती मुकानेम्रण (मती-क्रमा भूक्षित्राध्यी विश्वता ) क्राया भूक्षिती

( टम्डेट अंध् र मिर्यम् ) क्षेत्रक: १ (anara क्रायत्वा) भिवर्षा एका पत्र (राम्पानिक मार्ट्स एक पत्र) विश्वा (त्रिलंड इत्रेश्न ) क्यानित् (की क्यान असं एतत व्यक्तिम ) काकाह (क्षात्व रंग्टिह) ॥ १००॥ किरे ट्या के क्रांची क्रिट्या मिकी, क्रियारी अ किए. धीलक लिलक्षेत्र किकाश्वाकां में में स्टिंग में से में भरवायवं कार्यक्षेत्र वास्तिमार्य (संसक् , वासक्त वं। मित्र धर्मार आमार्क प्राच वस्त अकार . दु एत अ इन्त व्यूक्तरमास्त्र विकास दर्ग। च मर्त्य अक्रमम् म्र्यामी-अव् कि व्याम आमिक ब छन् अक अर्थ हेर जा म स्त्रे माट्ट। अक मस्मूर्या-मनी अ कृष्णि निक्र मने राष्ट्र जी न केन वदन प्र दिन न में द्वारान लाभ में मद्वानवंत सिश द व तेते तत्त्र , Tad compo, (que sysock) Lay as mins आउट सक्रमान में स्वामान करें है लायक कर् कार्याव असेशायक त्या अक लाक्षेत्र वर्ग मार्थि। प्री कार्यामा: (अविकासक ) वरपड (अमिस) में सिकं -मि अवर (भूताक मर्वाव म्यंतमाक) गुक्रु (विवकान कार्नमा) विकास (विवस कार्ने एटि)

यत (रगट्ड ) कमार (रम क्यामें इस्ट )। मक्सर-मुक्ता- मून्यूनी (भरताष्ट्र राम्भूना-भूवनधी), दिवाा-त्यात- अवा- अवड- ७ दिनी (दिना टमेन क्यूनी अका-प्रवणकारी), वारी-प्रवा- मही (वारी काला भूका-मुन्देती), अश्रीणम्जलाह्बी (अश्रीकृत्रामा भूषी) भारत [ वर् ] अवस्था समाकती (अवस्था-वनाकिती ) कुकाम्जास्मानिष्ट (जीक्कक्रम MENNE, STANY, EME, 3 BYLINGUE, DWARTP. । भी - भर - भूबा - भूब द्री अ ए वि आत कर् करवाल व असे अ ८५ व विकास है। नियम ने रापकार में जीवाकाव मूल इनेए जन्म भूमीभूवर्ती अहरू निम्क डर्म किकामिक ममेरि धरा के उर्दे डेक बदमकर्ष भूटाक मूट्यंत प्रशास्य भिक्त २७ गर व्यक्तात्र मान अव्यव्य भूका मिन्न अल्ल (क्राप्ति) रहत , बसक, चवर सिल्मिस-मन्द्री अपृष्ठि पराम आमार्य वस्त् पर मां डेर्न्स दरक 'क्रम एम नि धमद्भाव श्रेणतः ।

भी आह: (ख्रुका) लक्षला: (मुक्रिकं ) प्रमंत-लाजिक भारतिम अंदारं (नम्म के ल लाजिक के माळाड़ रें (यरं भी ) इंद्र (लम्बाध ) बाद्य कार्गः (म्हाबादावं) मलकार (में कर्न कमात) विकास (प्रमाप कर्निया) ०९ थार (कारान है अने ) भिरिय हरू: मक्कारन (अरामिष् नम्मक्ष अक्रम्मामाक) (मार्ले बीक्र (हक्ता जारा अन् द्वार्थमां) निष्ठः (निर्दा) नाआ-अर्र-६७ (मार्यकाक्त अर्थिएए) निवद्भी न्यत ५ ८७ व अग्रेड कामाया वर्गित व द मने भर लकारि जालका मुकार्य हेर् कर्मात्रकारिया ( दुर्दासम्म, लयक्षेत्रं हिंगेहि।] थेरे काका (विकास) डान्यमान-हिलान-स्थित िलीक एक व तमक अ हत्वावपूर्णाम व खीरिक विकासक मुक्ति) अध्वयानाः कर्त्र व्या में में में मामान (ज्याकार्य संभवता कार्यन् वीत् हटलाव) दुर्वतारो (मृखि कार्निया ) जामान (जमार्क) भूतान नम्न-रान्ते म नम् (नमतक्त जाक हक्त रान्ते मुलताक)

मा मा (मा अप अपवार ) वर (कारम्मातक) ला द्याकर (क्षाक्षाश्चाश्चार्य मार्थ) मार्ग्य (में में मारम्) कर्यवाल्य (कर्नमानकाल में मृद्धि लाम का बेकी) क्षान्त्र क्षान कर कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्या व्यालका मंग्रमपृष् डेर्क्डमसम्बन्धरेष् 'डेर्ट्सका' लाम के प्रवेद रें में एट । 4) Em: (Em) + 48 (448 fa.) " nigo: (ni-इंग्याक्तर ) काश्रिय: ([त्वर] त्राहमां कावनं ) का केंद्र वर्गाय मार्व: (वात्रांव अमामारव लाम्पर डियम्मार्य ) लिसे सर् (सम्बेस्ति) तम सामुप्र र (कारा के आमे साम्य : [क्या ]) में ग्रिम् मर् (कार्ष् निर्मन किरे ] ) प्रहणमूर्तमा अर्थ (प्रवेश कार्स्न-प्रजनमानी ) कार्यकात्रमण् (भीकार्यक् मूथ) क्ति (क्रियां अहि ) हे भरमंद्र वद (जूमरीम् मेटलं देवक्षान्यीय प्रत्ये वाक त्वक, लय है। वं प्र निष्ठ देशका हिल्ला के सल करमा क्षानिक इंड्रिक सार्व विषये हैं हिं का गा। प्रस्तान ) अवामा: (आकाकाक) । खिट्टसम्ब्नुमर्ट (मैक्स्-म् स्राम्बिवाल्बकान्। ) वेसकं (मेंसके) मळ दर्भ (प्रवर्गात ) हि (तिन्ह परे ) कतक- ट्रामेनेन्स् (भूवर्न-May in the man state of the contract of t [डिया]) जारेक मूर्य न अभका में कर किए के मार्थि, अवनि प्रत्व कार्यका पूछ ), क शुक्रका- दिय-प्रक्षितातर् (कष्ट्रीमिष्ठि विक्स भूमम् लेकान-(लगडिण) , प्रकरीविमाम बामिण् (प्रक्राकृति क्छत्रक्भी धक्षापि क्रमक सुभरते विकास समूक [लडरं]) रेक्साहर्कारंबर (न्युर्काकं व्यवन भूमात्मक जायाच्या वर्गित्य क्रमके विद्युक् हिक्किया असे अ प्रदेश में अवित्र अवित्र अवित्र ने was my some oremy of games-मायावन लाजमा कुलानार्थ के मानने कुर्वन-किंद्र क्रिक्ट का अपने के के के के कि ( काका ( किसका ) चार्क - चार्य मेर मर्देल- है के जिला कार

भित्रकार्गः (क्षांत्रक्षेत्र) काप्रतः (में कंष्रे के क्षित्र (तर्) वर्ग- प्रवंशि (भावने) प्रमृष्टिभारत्वातं ) तम्त्रभू सामक्ष्याता (यम्त्रभूतालाय द्वा ) एक (द्वेरिट) देन्दीबट्य (मित्र डेट्यम ) डेट्यापड (श्रुब्धि कर्म्यमा) अ: (छिनिरे) दुर में अधितितः [ दुक क्षा दुर्व अप क्षांत्र ] अमें अवा-विभाग निकार है। (वाद्यातन ) आत्म (दुल्लंन भरमावमार्भित भार्व क्षिण्यार्ड 'म्लक' जम द्यांका व्याच्या अंग्रेस स स्मान्ति द्रेशक के महारमार्टिक हिर्ज्यमा वयर बास्य नम्ममूनलं नी (मार्वमक् (म क्रम्भिक्ने मेर्डिक क्रम्मिक के बायक्रांच वर्गारह । भी हर कार्या - दानामायका छ : ( अक्रिक् मनार क्ष त्व । स्टिंद स्त्य ) नम् (मिन्हमंत्र ) प्रकृष्ट (क्षाप्त) राक्षित (स्मात ) श्रीयं बाज : (अस लक्षी) ब्यवर : (एर रामभन कर्ममा) विवन्नि (वाम कर्माणहर )

वण (भारताः) कलमण (भारता ) त्वसमप्रवाचिम्-(क्रियात ([क्यांकाका मंग्र कर्म कर्म विकासीम्मरम) WM (वरे अम अभीत ) हकः ( हक्ति) मामाक्याना ( und the succession of the strike ) 11 on 11 अक हक संमित्र (काराज्य वर्ष प्रवे देश करें वास्त गणां अवह के सं त्म लाग्रेम्पुक्षं मुर्पि व तला के वि , कर् अकर के जारका प्रमान के दे क स्मामित प्रमान coscam, madra 24 rise 1] ही लग्धः (तर ज्यांचक्कं) मेंग्रम् (संभवं पात्रका) इम्माक्ष् एकः (धम्मान निहन कार्य) केः (ए मार्थि) राटमान हिन्नी केन कार्या : व्यापी ( हक्ते कानामम द्यारक प्रत्यास श्रीक्षाई [नवर]) मेकाम मकार्यकः नाम (मारा में कार में के कार्य के कार्य कृषिकारिक् (देशक्य मर्गमूक) २८वः ६९ (कार्ड दक्षे अरतं) खिल्ल (अत्वल कार्केगर्ट) ॥ ११॥ िने दिलाक वितास के सम के उ वि लिखाडी अमक्षा आकारवीक : कार्न बहुक दरेख काक दर्भ भारे लाला) एक करने के निर्देश के में एक प्रदेशमासिक एक कर्ण वर्ष-

(उठ (शिर्वाम् रिक्र्य । प्रामुक्तमं म्य मार्थि सार्षानं वर्ड मियवां अर्घ क्षेत्रक काताका वर्ष्यां दे लक् अवर् कार विक ना श्रेवाच कावनेकर्ण देवरीवार्षिक लाउंत् अस्मिति व त्रर्वेश्व मात्र पा दवसार श्वित्याक 'ध्यमका इरेम। कार्य में मार्थ द कार्य पा उद्राम (बालाक्यक) व्यमका प्रमं भी अमुका: (जीवाकाक) अत्यावकु: जीनामा-जिसक्रूम-हैं। (बीमा सक्त विस में क्षियं पक्ते में में हैं। हिन-म्भटमाः (विषि कार्यक्रभी) व्राष्ट्रभएः (क्रमार्थम) इम्म- विलिश ( भूक्यमार्थ ) मूर्यः (भूतं वर्ष्टमार्ट)ः उभार ([कार] (भरे वूरे श्रेल) मू अ द्वारा (मू अ दिएा) भिवर्गमिता (राम्यान क्ष्म ) व्यक्ति ग्राप अधूर ) मिमाछा : (मिन्छ दरेलार) द्वितः (की कृत्भेष ) कि दाविते: (कि स्व म्म) त्पषार् ( B. any maria do mara ( um) वर्षाह् ।।। कि।। परे त्यांत क्रम के जिमका के विवासका विवास । माधित विभिन्न तक हिली व डांस्प्च वामानी ति क्रमक ध्रमञ्जान । बाउन राभागानिक बारेकल

ownaig Cra contie, onatia ( cra vaja) कार डेव अन इक्ट्रेंट्स मिंडा बता कार्य के किंडिंट्रियं में स्क MYSSE AND WEST OF STATE OF STATE STATE STATE भुषे भाषानाः (न्ध्रमासम् ) चढढ मामास्मिक्षक (भाष्रकाने ( अवर् अते मुकामनि ) नप्ता कुता के का br (रमनाम् तत क्ष मर्ग क्रिंग अविद्यं व क मर्मामा) या हर में (या ह रहंगार ) के का मान (के का मान win Course quay signite 2 1/2 10 ( 421 ) on & 2 20 काक १ (कल्पानं कविष्यान : [मन्ड]) मम (जासार ) वावर (देत्रारे ) मवर् (काहिमव (प), वर (देक मेकाम्मा) नकर्केक व्यंत्रि थाएं इत्में न्या मानितः (। ने व ह न निकृत्क विवाक धान विदे लासक लयं बाय ने के शिक्ष इस्टांब न्यास बार्ने-श्रका) ल्याहिक्द ( सिक्किक रंद्र मेंग्ये ) लाज (मक्षेत्र) किवार (क न्याम वाम् ममृत्रक) ७ उद्वरी: दि (क्ष ७ वक-व विभिन्न ) उत्तवनिव्या (कृष उ अक्रवनित्या) व्यक्तिष्ट (व्यक्तिक इरेग्राट्ट )॥ २०॥

वड़ त्यादक प्रकालमा, व दुरं वशु लायक्षेत्र । द्वारा-हारक अत्यं (आस उद्गा में ब्रिका का उत्। नरे त्यात वाने ने वर्ष देव वर्षात त्यत कार्यन डर् मार्ड क नर्भें के के लिए दे करार-बाहक देश, टिमाल sin i Lann, sta 1 Jah By or sedundan कार्य दें केंद्र अप अपन कर्य कर्य करें पार क लयकारं रंगा चक्राय में स्म में से से से से हार हो। त करिया केंक व चंत्र छन् स्ट्रम् कवार्त त्वरत्य ,-क्ष्मान इंडीमाही करें। १०० विशाला (विश्वाण) माहिकामा: (ब्रीमाक्षा में) मम्म-युगाविकात (नमनमूमला मृष्टिन क्रिके) कामाउ (ब्रमाउधार्क) मर्वन-मानाः (मर्व उ मान्यार्) ८५ (८५ प्रक्य ) प्रम् छता: (प्रम् छते न ) भाकिणः ( प्रकरं कार्नेगा हि(लत ) अप्रार्टन: द्वार भाष्ठ-उर्दर्भ: ( जारम्सन्त्रे दू- भाष्ठ अमान अर्म-सस्रकान ) त्वत्र (विति ) द्वत्र म्म-६(कामा सिम्ब-घी तारु भनानि (अपन् धूमनुष्मि हत्मन् भम् धीत ७ डेर्भ त्वतं ) मुखाति (मृखि कार्नणः (EX ) 11 20011

विदे ट्याटक विलाव गामक ध्यवन इरेमाटा करी कार्यामाहिक बस्त ब्रह्माम उल्ला क्रिका वस्त विभाग इवेटलचे = नककालीम विल्लाम-लियकारं रतं । चक्ष् क्यांकार्यं प्रमेथ- केष्टमातं न संग्रात्व श्रीक्टर वेष दे ला मार्थ दर्मिति। अर्थार्थ (य म्मार्थ!), नक्षतमार्थ-मक्षतनीयः िया। अलावक में व्याप में कि का के दिक ने वा में के में किया में प्रमे कर्ड ) के अपन सम्म किया - में किर ([मरा] कमरमं भक्क तमील (प्रद्राम् जिन्ना किना अकान करन ), जब (रवामान) अक्षेत्र निष्ठ् (अक्षेत्र-इन्द्रिय [अर्मेस]) अअपुरं (प्रमेप) अविधात (अविधातं भागं त्य द्वार्क , क्षेत्र चयु मं स्व मानं मानं कारांगा-एत्रीकारा, व क्षित्र कार्यां अपूर्णिक त्या ने प्रकृतिक दिल्ला अपूर्णिक ८२७ ( धार कार धारकार न न वर् ( भक्तर हरेन धाहरा े अरेक्स बाका डेसम्मिक सदम दला रियं त्यक्षिताह, चित्रं के ल काला अस्ति त्ये क्षित्र अस्ति ध्रमञ्जूष इत्रेम्ए । करे नाजा (क्रिना) रत्नः (क्रीयुक्तम) कृष्यमीत्रमान्-

मुद्राः (इवनमान्ति म्स्निनी राष्ट्रावेष्ट्रे मामाना भिटिका (मामाना-विकासन मिरिका) नाकामाः (क्यां क्रक ) में मीमिट में क्रम मंग्रेस (में मके क क्रिकेंस म्या- प्रत्यायतं ) वटयत्र मेश्र काष्ये : (व्यापं ट्यम्पत क्षि ) प्राप्तः (नेवा ) । स्यामे व ( स्थिति स्वायन खेरामला) बारल सरकम-जनएम (मार्मानाम्बर् मेर्नि अञ्चलका कतारिक ) विकास (मार्थिण) लयत्यः ( व्यापनं ) (यायवमा ( हक्ष्यवर्षेट्यक् ) लयाम्याड्मा (अलाम्यद् कट्म) भारत्र (भार्य-Chem) व्यक्ति-कात्य (कर्मक पूर्विकाम) विष्ट क्रिये बारम व जामाव्या रव प्रवक देने बास्य म्मम्भाषा मार्थ-कन्मभ्यं पा धर्मा क्षेत्रवर् त कार्यकार , जबर काथ काथ काथ कार्य क् अवर ७ त्यादिक्ष कीतन छेर्क्सिस्वमा-550 1 gd Cam, 23 25 2 वासाकिलक्ष वम्सामे (अवास्त्र नम्रक्षत्र स्थ र्यकारा ) समन- अस्मिन्ति ( समन्त्र) जनका-

िक्त्या नाम कार्य क्रिक्ट के मान कार्य Secure de la constante de la maria de la constante de la const course, ey and at as we can be proposed as a रेट्डिं महाराष्ट्रिय हे देव द्वामा प्राच्या व क्रिक्टि क मध्यम् अध्यक्ष अध्यक्ष भाषा (भवता) धाराभिकी (भर्ति के जिस न) अका बती (भरात्रभम्य में बिर्डी (अपि कार्योत ) विकृत: (कार्याप कार्यात. (2) ) na: (cnos) na: (ga. vizannana क्ष गूर रहेटन) कराक्ष बान्तिस्य : (कराक्ष काना-क हात ) धामको (भने महामसने) मिरमेड Mary : (ng alight) les : anuscry (samue Milling gar, swape, 3 selland, mars 1) अभाविक) क्रार्थ (क्रम्मन )कियर (मिन्हणेरे) विक-काष्ट्रा-मत्व (देत्री लक्ष्मेख्य पवा वित्राः (त्म मठा मरमंत ) के एक (के कर्म) के में एम (रें मेर् क्रम्म ) टनवर्गः भिशार (तव्यूमरवा इता) , संखक, जबर बासव प्रज्ञमंभणक क्रममें में एक लयमिष्टे ने किय के किय है। किय है। व इंग्रेस है रे ति ति (तर्) मिन्न अधिम (अंड कर्ष ) कवा मुख्ये कला (अस हलाका) उम्हर्म-भानेष-। क्षेत्रियाद् -(लाल (डेंग्सन मड मर्मार हिर्दे मानि क्रिक्स कर के -

(यमम्क इत्रेम ) महित्ये किस (महिताल अवसाम कार्राकार म्ही) हिं म र्रेड्सिम मात्र) हैं। इंड (अवंड) कहारी जिल्ला का त्य (क्ल्यू क ज्ञान वर्ष ) कार्य वेद (वेदा ) विद्यूत (भूति ईत ) अवारिका सिक र (यो शे क्षेत्र प्रमाद क्षेत्रका हा क्षेत्रका कार्य क्षेत्रका क्षेत्रका कार्य क्षेत्रका कार्य का सत्तर कार्यमा भन्नात समाद काम । भू व क्या मं त्रिमहणं द शत्यत्रे क्षण क्षावं वर्गात् । ( त्रीत हलकान प्रामि ( त्रीत हलकान पर्वतानी ) क्रमित्रकर् (जीक्रमाय समारे एम ) हिन्ना सक्तान -मक्ष्र तर (क्रमनाइ ज जनक वासिय भगानाम भागक रम्भे ) देन्त्र्य : (देन्दि व प्रमे हाता) म्र्नेमरन्यात्र -(माधिक् (द्वाम माजित्वाधिक) मवः (मबीम) का कान-भारती पार राज्य (श्री भारती वालाव कार्म) भीका छि (विवास कानिएएर )॥ २०७॥ नरे त्या (क हे जा का का का इने प्रदे ] १०० ० मुम्पुराष्ट्र ( ० मुक्ते काष्ट्रिक लायक ) र कः वड (लाक्ष्य) जामा: (व्यक्षमं ) शमहः (त्युग्वम) डिविका (इरेस्पर विकर ] ) अने मेरिन (अने मी)

रिक न र (मार्किक माट्ड) लागाः द्वीनामानं) लर्षेत्राय: (लर्षेत्राय [इस्ट्य] विश्वमात्रः (चिन्नम्थे) भवादिवं लाखास्य ) इन्ह (चन्ने से ल) मा (cn) र्विस्त्री मिलि: (विसाष्-वृह्णि मिलि) कार्ड (विम्हणम वेक्ट्रनेट्ट) जारम् (बारा) सराम्निवे वेन सक्षार (म्मध्य मिलून ७ ६ ल्याहर त्म ) बाह्र : कार्स (बह्रिक्स्म क) 1 2 CALCE & LANG 2 STATE TO 1 1 200 11 ग्रायाक्षा दिक तक विश्व । स्राम के प्रारम्य हर्वान्मक्षानमहिर्व दुर्द्वका, नर्द्राह्रव मुम्म प्रमुख कृषि विषे मि । भे कृत्य अम्माद्व कृतिर्व · MHX 18, MY BLA 57 MC5 ] १०० देन के भाषित आकारक न्या में वा रिवर (भाषिता) (पारित रेक रममार्वि) किमा: (भीराक्षात्) प्रमें कं का जिलकः (अलूग-वाहिष जिलकार ) कताव छ के जिसे. मैट्ट नेन (डि. १९ के कि के प्रमेश का कार्य कर (कार्य ) में मास्यर (मिर्टी कमलामते ) संबंग लामान्यात वा (कल्ल्ब बाम क्रम्भाट्य मारं) विद्यात ( course out 2012 ) 11 20 p 11

नित्र (कार्य दि-सम् लयकार ) हते सुनाराश्चित ( al, male garal- sie a pyin) १०० वादा-कह-काममाह: (जीनादानं क्यानंत क्रमनंत अमनद्र) ल्याचित्रेश (क्षाचित्रे) जीकृक प्रमाण-मण्यं नमा (जीक्रकन हिंड सं प नरं प्रख र श्रीनं ) वर्षे (ममत्रवर्णी) जम्मल-मिलें इ. एता हा मुक्त (दुराव म मिले व एक निर्मे व कार-वार्याम । एक दर्र मा ) सामा वास्तार (भागवः (मामाराम) 13 0 16 ( CAL CI AND DE TOTAL CAMA 3 4 CA 4 जानाका एक 'इसक' अर्थ भी प्रस्म मास्य व म्हरक कार्या(त्राह्म) टक्नामम्बराख्यः (क्नाब्राम् व में महात्म) म्युवाक्रा-क्रमार (त्युवाक्षरक लाक्षर कार्यना ) मैं मर प्रकारता: नि सिविशित: काम ( नक केट मून) इरेप भूत्र बाभ कार्टा अ कारहराका: (अक्रमात्र उ हटक्रम) कार्र (क्षांस ) आ के वर (मक्स) म हि सवर (मिन्हमंत्र L'à En my ) : nd (cristé ) and (anama: ) अ उ दिला ( भिक्त कि कार कार्य कर के कि का है ( ( का कार ) निल्मीभाने (निल्मीमाम्) भूतः (भ्रम् ) में भन्त-

क्ष्यर (अमलकाशिकेल मिश्र-सम्मिक्तिका) इ.स. १ (१ न्त्रीत) कार्यक- सर्कतायल- निक्क्रिट (प्रमादक्र भी-निका-क गासल धामाभी त्याति) म्यार (म्यापत कर ट्याटकी अपाद उ दु के कथा के वासा के प्रक्र , स्था , " राक्ष काना व में अब वा का का में व द का का का वा का का करंप्रदेश तिलके वि, चवर क्रिस प्रमामालयसेल (इवसांस द्रामंद स्तमास्व असी भाषा (लर्मान) 53 min, and my and stands १११ अहिकारं : (क्यांक्रिक ) मैं अक्षरेय-सर्वेत्री- लाय-प्री (में मक्तालं सर्मायं (पाटि) दुवारंकार (देनावंदाता) या जायक-सर्वासमा (जायक कार्य-क्राल ट्रा क्रमन लड्ने ) डार्ड (खना क कर्न्टि); प्रमास्त्रम् (कल्ल क्र कार्य ) ज्याला : (क्यकि किं ) मने प्रतिष्ति में भा भी द्वा क्षाने (प्रेम के ल. डार्स में सथ (क कार्या कार्या है ) कारम (द्वारक) मा खंगा कर (मा क्या क्या में मेरल ) 

मन्त्रित कर्ने विषय कर्षात कार्य कार्या कार् ्रेयक, चन्डं क्रांसाहदे काजमाहि लामकोधिक दर्यम् अस्त्रम् १ देवर अस्त वास्त्रम् दर्गारह। हेला पात्रकांत्र (म कार्बिंगर्गेत्र ) केक्स्मा (म्यकिंक्यं ) कारममा (कारमी(एक) क्यान्यार् मना: (म्यर इंद्र ) े ( ( वाप्राचा ) क्वर ( प्रमार्थ) त्यम-Harle Cana : (Can Haring are date; ) x mina: (में आ उ ही म डर्र में ) क्या सकार (क्या का मुके हिल) मित्र क्यार्क क्रिक्ट के प्रवा नवर क्यान व मित्र क्यार्क क्रिक्ट के क्रिक्ट अनुकार के क्या के व मित्र क्रिक्ट क्यार्क के क्रिक्ट के अनुकार के र्मान जामाकी (रहे समम् ने बासन क्यान maidiation or Dona in y 1500 ( Marile, - 156 NEWYDENE - GENERAL WINE CAMBINE DE -लयक्षावं व्यं गंगरह । The sumin (met engalin) ernais (erna-नासिन ) में के ( में किंगियात में देख) म्याद कर् क्षालम् (मर्बेर्काम (माट्रिक्प्रकार्))

AMACAMON: ( Thispia ) Games ( Caming ) खिला: (क्यारक्षं ) क्रिक्ट क्यार देव सिक्सिंडिक योगं) लायटल् (खिंखाताय केर्ड गेर्ट)। खिके के न्यांत्र कर क. - त्यासमं १, त्यार एक मार्थ सामार सामा · क्राचेत्र क्रिके काम्य प्रवस्ति के क्रिक्शिय कार्य ? त्। भारत के , काम्रत संत्रात्तव , व्याव कार्यक्रिकाम्रत व्यक्ष कर्राहरू , ट्यास, जवर स्वान्त्र कार्याम उ । वर्ष के मा तिवं वे प्रमुद्धि । दुस्ता, वापद्भेष スネックで 778 जिल्ला (जीकाका) समम है ला १ (यम ३ (यम) हादा ) मम्भाः मः क्रकाम् सामः (व्यक्तिन काम् कार्य में का दम कार्य में में में निर्देश: (पक्ष भ्वत कर्ममार्म ) वला: (क्रमीम) णः अव (त्यो कार्डभष्ट्रे ) की मिन्ना मिक्ने (कार्यक्र क्यांभाके रिला) में के किंग्डिंग: ( में के विश्वेष्ट अप्त) र्श्व (मस्टाक) र्वाः (र्वे वर्त्रेस ) विकास (correr ans (0 (2) 11 2>811

000 (स्थार क्षिकार ह, स्थायके अध्यार । (या के किये का का का कुरिक क्या का का के किया महामा-CED GELTAN, AREVARA CAMBINA क्षिक कार में का का का का के प्रात् है ता का के प्र भेक्षेत्रकः (मॅम्ये क्षाकंक्ष्यं ) क्यु (क्यु ) वेम्रावया-लामक्ष्यं येद्र गेरहा ] V लाम् (वर्) कारिमकं खाने ने का (के के सिवे कारिके स सके अनुप्राधे भारिक में का [नवर]) में का कर्यायान-मार्थ वार्यका (म्का क म्थामिक भी ममान महिक विकिया हरेगा) पिक्ष-। व्याप्त (भिक्ष कारिशाना ) संगर (संगर ) भर्म प्राणिका ( न में भार्व कारते लाप्टबेन कार्य में) जिल्ला देव बर् (12 Cay & Suin Dania oux Cals) 1133611 रेकार व अंक्षां शिक भारत भन्नां वारा की ८५ वे 'झ लक', विद्यो धरलका त्यतीन ठेठकर्ष-भक्षाया-त्रवू 'हरासमा' नवर् विविती रेग' नरेमल मार्का-मन्तर्क (डेनमा धनकानं दर्गरह ] हिन्दी कर्ण क्षित्र क्षित्र कर्मिक क्षत्र करिक क्षत्र कर्मिक क्षत्र कर्मिक क्षत्र कर्मिक क्षत्र करिक क् मामार (ज्यानामन कममाम ) लातमा (मम्प

MANNESSA ) WELLER COLMER? (MAIRE ON MELLE)

MILE MANNES MORESTA : (MATER WENT OF 3 POUNT) Binga (nous moly CAN [NANTON]) verigo शिल्यर (अर्क व कारत) काष्ट्र (कार्कर करन हिं सामार्थाः (चीनामानं ) व्यास्त्रास्त्र (भक्षामं उद्राह ) कुक्रमानार (कुर्रामक) केनिया किक्ट माहि का तम्म-टमयादे (मार्ड, क, रकम ७ (मय दरेए) असम्मामना. निस-मीरामप्रमाश् (अउन उक्षृशीनिश्व मीराम्भन-वृग्वित ), बक्षः टक्षावाभ्यः सभा-कव्यवद्यमनार् (बक्षः , कर् वस्त्र मार्थका , इस ७ महम्पन वरेत ) रे मानिषा-हुका (कर्ष्रामिष्ठ अभगम् (यतः [ वनर्] ) कभट्यानी-नरभक्तः (कभ्रामिष्यु उ नभममूर १रेएप) धमम्बद्धिय-प्रश्रिक - प्रदानक्षी मार् (हला म्मीपिक देवस क्वरी-भूरकात्र ) मार्वमानाविष्ठ : (भोन्छ त्रामि) THE STORMS THE SHANGST HE OF IT AN MENT OF THE MENT OF IT AND A STATE OF THE SHANGST THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PART न्ते दर्वामा क्रिया का लास कर कर्न कार्य महि स्मा सार्ध्यात, तार नक त्यान कार्र तह त्यान कार्यात - sto and the me was some year of Bourage, on the

## WEIGHTS AND MEASURES ...

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR-
4 Sikis = 1 Toln. 5 Sikis = 1 Kancha. 6 Kanchas 7 Tolas 7 Tolas 7 Chataks 9 Chataks 9 Chataks 9 Chataks 1 Powah. 1 Sect.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Aghi. 20 Aghis = 1 Bish.	36 Tanks = 1 Tiparl. 2 Tiparis = 1 Secr. 4 Secrs = 1 Payll. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams — 1 Ounce. 16 Ounces — 1 Pound. 14 Pounds — 1 Stone. 2 Stones — 1 Quarter. 4 Quarters — 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights — 1 Ton.
5 Scers = 1 Pasari. 8 Pasaris or } = 1 Maund.	20 Arhis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund.	OF LAND SURFACE	CAPACITY
40 Seers	S Dones = 1 Maund 20 Dones = 1 Sali.	391 Square	4 Gills   = 1 Pint.
JEWELLER'S WEIGHT  4 Dhane = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha.	BENGAL LINEAL MEASURE	Cubits = 1 Kathi. 20 Kathis = 1 Pand. 20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Rukah. 20 Rukehs = 1 Chahur.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
12 Mashas or 15 Annas = 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitesti.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME	2 Bitastis = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu.	2 Angulia = 1 Tasu.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard.
60 Anupal = I Vipal. 60 Vipal = 1 Pal. 60 Pal = 1 Dundo.	2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu. 24 Tasus = 1 Gaz.	5½ Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafte, 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chetaks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Reik.	8 Palams - 1 Seer.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chetchs = 1 Powah. 6 Powahs = 1 Sect. 60 Secto = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund BENGAL PHYSICIAN'S	5 Secre = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny.  12 Pence = 1 Shilling.  20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
2 Pice 2	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Musha. 12 Mushos = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE OF LAND
6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna.	BENGAL CLOTH MEASURE	5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garee.	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood.
16 Annas = 1 Rupee,	3 Angulis = 1 Girah	UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
INDIAN MONEY TO STERLING  1 Anna == 1 Penny.	3 Angulis = 1 Gizah. 8 Gizahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansl. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
12 Annes • 1 Shilling 1 Rupes • 1 Shilling 2 6 Pence.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNIAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 2 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Konth. 12 Months = 1 Year.
CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubics (or Gandes) = 1 Chatak.	9 Sami = 1 Marie. 20 Maries = 1 Kanal. 4 Kanale = 1 Bigha	TO Have D 1 Years
100 Cents - 1 Rupea.	16 Charaks and Katha. 20 Kathas and Bigha	2 Bighas - 1 Ghuma.	366 Days a 1 Leap Year. 53 Weaks - 1 Year.
Contract of the Contract of th	Control of the second of the s	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	

No. 8 Bal

Bahadur 128 Pages

EXERCISE BOOK



T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

(rug your mais righ Mello so man a mane = 606 ११) किटक क्षितंग्राह- कान: (क्षाकेटक मान्याहरतं व - लायम रानंक अपृशं सि साता ) द्रांता (द्राव अस्वा) म्यांत्रिय (मांत्रा ) क्षांत्रिया देव (म्यांत्रानंद यातं) काकाछ (विवास काविएएइन, [आन])अर्खा अभागाविन. महिन्। यात्र (सक्तियातं द्रलाय-बक्ति वरंगितकांत्र) अम्बा: (जरीम ) अमंत्रति ह (अमंत्रमूदम्ड) असंतर्भित वा ( लम्ममंद्रमंत्र यामं ) त्यात (त्याता माद्र (त्र ) ॥ २२ म्य निरं ट्यारक त्यास्य त्यास्य त्यास्य । त्यार बस् डेलम्बी डेल्सम्मल्य क्रिंड दरेल केल्ये लयहरन द्रम । अस्ति जी नासाम अधि जीनामान यवर विरोध व्यामन मार्क विरोध व्याम के देवला 53 min 93. ONABICA MULO SYNCE 1] 19 ( काम अमा ( कर्म प्रांत ) करम् ( कड़ ) च्युम्प्रका (बीनाका) ध्याविष्टिक: (बीक्टकन्) भार्ने प्राथाति: देव (सर्वेत्रकारक याता) प्रयात (त्याता कार्यकार्य ! िल्ये ]) दं मंद सामृत्याता : (क्या के टिक सं सामृत्यालय व) स्वीकं क्षित देव (स्वीकाक्षकं प्रातं ) देख्य : (त्यात्रमतं) धार्मा (अव्यारीय संस्थाते ) विवाद्या (विवाद्या कार्टिक्र) ॥ ५००॥

dy cause gentheriam, oralis I carte द्वारात प्रवास देलातां प्रवर द्वारामं प्रधातं. द्रमात्र वरं भीत्रत्र यव वायक्षां वरं । कर्षां मार्थात क मार्वेत्रामात द्वातंत्र प्रमात ह कामात द - varia gorni szincez] ) अम् ( ( अम् ) क्रिकाण : ( अम्मिन ) ट्या ( व्या क्रम्य नाईठ: (क्रमांबाह्य ) विम्याः (विम्यम् ल्ये बस्त (ल्ल्य्याम्) प्रमुख्यात्र (त्मुख्य-म्बार्ड) क्षेत्रक (क्षामाय्ये) म् भाषा ह (क्षान क) काहिन ; Mende (155) elays (Cally) ma cand (कार्वारियः [कामन]) छतेत्वः (छतेन्यारी) रूकः (अश्वि) कथ् (क्यरे वर) बलमः (बली ए छ) म डाविडा (इवेरवममा) हाउटा चित्रं टक्षात्वः सर्द्याम् संस अमेकत् लामकाचा ट्यम्ट्र कार्यन मार्वक अकरि बसुत विभाषात्वा-म एवं उ अभागा भावक व छवं निर्माण दूर की मुल्दे दुक लायक्षां रंग। लावनं स्था कर्मा सर्वे स्था केर अम्मर दर्शन यमान तम क्रम त्याम, क्रम् तमान कुर स्था राम्मिल स्था मिल । हार र रंगा

अम्त कीकृष्णत वजीकत्रेकार्य की ग्रेक्स कर्मी मान्य दस्ते । यमे मात्र व्योगात व व्याने त्यामह mai mannitai ganeros ennaño, ornatia. इर्मारा । कार् हेक क्षत्र मार्गिममूद अल्लास्त्रे सर का दुवसकी की नाम के सिर्द्याम, के ममेकति के लिसकाल मिर्गिटा ) जिया: (चारंकार ) माट्रिकार के में (माट्रिकार क् ट्यामार है में अववर्ष कालबार: ह के (आवं अववर्ष यानिमा अवनापत्रे वा त्वामाम हे रिकामाद्यक: ह ह ( त्यात्व हे त्यकरे अ त्यामा है के कर्य अवसम्बद्धारी-विभः ह क् ( आरं, अराधीत जापि विभूते स (कामार) ) ज्या देवकार के (जस्त स्वा देवकार वा त्यामार) के वक्तियाः (धान् अक्षित्) विक्रमान्त्राद्भः हुत् (तिक) अलगित का साछिरे वा त्लामा में है रे पर का काल (वर्षेत्र का कार्यहर्मा ) नामान्त्री (विराह ना ) मः (कामार्यके ) क्रमण् (क्रमण्य ) सूत्र ् भाव उठा, टक्सामायक उ वेदक का का मा जिमीर

सरी लवर अववर्षकाल लामकार अवास्त्रकार विके व पिक मम्मार्ड लका है के न विपिष्ट लियह मार्चित वा Codi Antomisa zune chusterna Rineri, ) [ कि.स.) रक्तार (म्डिकंत ) अपृत्यानु है : सर } (अपरमंत्र धरातित (कर दिवने) नका (नकतात) भाग का कि कर्ती ना का कार्ड दे का क्षिक ( कि.म.) ज्यारक ) लयंसत अमा (लव्या अप्रायम्) किंग्य \*1) ( Cany ( 6 [ 304] ) 7 \*1 ( 7 2 m2) का कि की भी का दारे), जारा म ह (जारा त्यर मरदन); क्रमा: (यर भीताका के) कल्ल (क्लारे) के भार (क्रिया), मान (मण्लरे) व ब्रमण (हाक्रम) [ वर ] ) कूटि (मुत्र ) निष्णे व प्र (क विस्त्र) [किंग कर ]); जमका (मिक्कन ) मास्मित्रिकी (बाक्ष्यीं वं एवं माहित्र) असा (अवता ) बाका उव (मीग्नित्र) अख्याव (त्रम्या र'त), व्यमा न (ल्या क्या मार्थ क्रम । अरहा। (ल्या क्या वित्र क्या वि अम्मूर्क जामा अवम्मूर्क क्रिक वर्ष वर्ष

भादि अभरतन काम न तिवास द्रम, वादा दरेल त्वानेम्र्या-ध्याक्षानं दम्। देश गाने बनानं। (३) सम्बद्ध त्यात्र वस्ते कमा वै (१) सम्बद्ध (अप अ अ के क मात्र के करार के प्रवास है (०) क क म र्वक (कान कक्ष कमन १ (8) असम्पूर्ण कात कर् कभन ७ प्राम् निवास । त्रालव भ्रांत अथभ व क् जी में भूटन प्रत्ने में मिहा स बहु केंड धर्मा द बाका क्षाना क्रमाम उत्ते प्रतिक रेड्ड में प्र काका का का का का का का का का का विकास । चर त्याक अमम कार क्ये में क्ये का का का का का कारा मार्थ में दूर में में वार्थ में कार्य कर कार्य के कार्य कर कार कार्य कर कार्य अस विश्व किए किए किए मिने मी कार्य व लगीक बल में बाका का बार्ज है में माटह । विश्वेषवाद अस्त्र-प्रमुख कर्णान कारिन किया के क्रिया के क्रया के क्रिया क टबेस्साटर लाजमेर्य न्येर्क म्योकिं बर्प त्मी का कर में के कारण के कारण के माइका कारण Company 22 2 2 2 17

क्रिक्ट का अस्ति हाता) तंत्रा के बार के अस्ति के अस्ति लियार वेकेस त्याक त्या के क त्य वास्तां का के मार्ड मारह न " [ mey yan wind the Emmi कार्यमाद्द ), अमा अभाविषा अविषा कियान अमे-मस्मिक ने ने मह मृद्याक्ष्य (क्रिन धर्म मृद्रात्वं कर्मार् कृत्ये, महमे किस्ट्रक का किया ), कारमाद सूरा (किन ट्रिन क्या जित्री) वन अध्यक्तिका (किन डेउस अवक्रं अर्थाय अयाकार जिसके कि रिक् क रवत , भर्मे देवस मय समादिश्वा ), जार्म (स्ते) कार्यका (अवाका) रेप (अरे) कृत्यायत (कृत्यायत) ल भार विकास कार्विटिंग में >२०॥ विशे त्याक , अक्षामा के, ज्याकी वे । विनिष् विटममनेममूर प्रावा विटमएक व अरा अका व भिर्व रहेत के जामका र्या निर्मा विनिधे विलियो -म्बिडि अव्यवस् वरेण एट । १)ही लम्मः (चर् यावास्ते ) बक्तमम् (वक्तम ररे ( ) दीक्रा (दीक्रा), मिक्रा (मिक्रा), अवर्ग- अवेदा वा न (अवरे का मार्ग्ट अरते व्याने), ज्यामि

(ज्यान ) रिस् (अहे) क्रिया (अविश्व का विकास प्रान-रिक्र में क्रिया (अल्यानी क्रिया के विकास कारक [अवर् ] ) कतारक्षार्यः (कत्रानिक्रक्र) लोत्यः नाम (अरिक्ड ) अवस्थितिम् भेरे वार (सर्म-में कि अर का स मां मक)) क मा मार (क मा- विरोधी विष्य ( ) उल हम दूनाश्र काम (अस्मूलाहमामर्थे म उ) काहाधा कानि (कारार्थन का मिक्नायनी दर्व एएट्ने )11 22811 चिरे रक्षात्क पविज्ञानां धानकाव । कायने काणी कार्य उद्भन्न इते तम डेक धमडूरन इस । अस्त मीका-माडकेल कान दिदेत प्रदादक क्ष्मीक्रों नाहान्त । किर्हेट थां पूर्व लिंदि क्ष्मीक्रों नाहान्त । व्याद्वार्य में दे रेप्ति १० मा (किन ) इतीक्ष का के के तीत-ताबी के भी आमी ( कें म क्राम्म हम् कर्ष कर्ष कार्य कार्य कर्ष पत [वरः]) मृद्राक्षिक छर्मा कार्य (मार्थि- मर्मन मृद्र भानेकाम कार्न (म उ) मणी अधी भेक प्रकारिया ( प्रकी वद थडीये मक्षाक्ड मामिती , [अर्थ]) वाका (जीगमाक) विकाया (विकाया) दिन्नीमा अहारि (ब्राहित मडायाता (अर्थ मेर्ट कार्मेगट्टें ) ॥ २५ वरा

(कह मिस्ट उद्गापत प्रमां भरंगु मामिस महिलाकां दूर। वरेट्याल विल्याक थ्याम रिक्ट्र ध्रमध्र केंद्र लयत्।काल हार्वतकावं कावन्तित व्यामवीवम् व म्माधिमर्मात्वं का बिकाम स्मिष्ठ दमेरम उ कामकीय अक्रिक अरूप्रें एवं के अन्दर्भ मने के क्रिक्री )) त्यामश्रक्षां : (त्यां क्षां ) त्रवायं - मत्र - प्रति हते (स्रामक्रे, क्ल ७ मू मुक्ति-म्लाम ) मण्डर् दि (भर्वकरे) मदार भू वां मार्सिमा कि रामा १ (मन न्यू में वाक् उ प्रकल रेजियन त्रिक ) क्टेकक जात्र प्रश्वात (कृष्टिक-अयम्भिक्ष १ : हा है। इस कार विषय ) भारत Cand the way in the contraction of the months of the month उक्तात क्रिक्ना का के राव मार्ग क्रिकार प्राथमिका वा अपन रहे में दि । 7)वी राव द्वा - द्वा टारेल् : (भाराका खीक एक देव से स वित रवर्त करत ) , वाकिकामाः अवीतः मरक्रममन नीमात्र ते: (जीन की न तम्त्र मूलत्व कर्म म त्रात्र भू ते तीतात्वा प्रमूत्र ) नामन-मृत- हत्नानी-अक्कानाट स्तान - इन्नी - निकत् - धनन वार्न - ट्यानी -नी ट्या व लामि (नाम कर्माव में रिकार, यून,

ecasay of a man to a botto a water 3 मीट्यार्व्य अधूर्क ) मिलिंग नि (वन्दिम् किम्मिल्) ESCHARGOLIMAN DIMENTAL MANCE SOME SOME SECONDARY OF THE STATE OF THE S ने मेर न्यी महिन हिन व मा ज्या कि र म र र र के के के किया लयकावं ड्यंग्रेट 1] 26 केट्र कार काहित (त कि कि कार्मा में का कार ;) हत्वाय- बाभी र- प्रत्या ब्रिशियार् भगनि : (हत्वाय , हायक अ भाभीशी भाने ) भीता (देश अष्ठ दर्ममा) कथर कि विक्रि द्भिण रेय (लका हिंदी एमत ) नट्यार्म के ब्रामि (लाकान करंग) व ध्याप ) त्वात (लामनं काव्नांट) र्वा (अविधटम ) म: (wruncie सिकार ) ट्यू १ (कामने) अम्भाष्ट्रिक क्रियार मा कार्य प्रमाण क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क धानक्षेत्र इस । अस्टल, मि जी मार्थत्व कृर्ककात्र वा रमल- अयंग्यु व अम्मिन में स्मानं में स्मानं में रिक्र म अवस नाम प्रदेशको वर्तमी प्रकार वस : मन्ड

द्रा अकार्क प्रशासका अकार्वा हर साहि लक्ष क ज्यांत के त्र कवात्रका के प्रमा क्षेत्रात के पिका एका- किंतिहर्भ काह लायान पा द न में के क्रांत्री कार्य गढ़ : वाका मा क दे वि स्टांत वा का म कार्यां ८६ - जर्म का बाको कर्न अन्तर कार्न करन किया क्राक्ट उर्रमाटा] ] के रार्ट (द बार्ट !) हत्मा बार्य का का मिन भर्मा कि ती-ट्यिनियू (हत्तान् , हाक क अभिनी मार्थन् प्रार्थंड ) प्रकारक वार के वार किया विकासिक किया कर कार् निवह नक जामजा- विकेत ) भ : ( एक म ) का जिन दें : (अवस मर्व हिम ) प्र: (वारा) ए (वासान) कृत्वेन. जातकर (क्रिकातामण) अरमभा (रमार्था) नूस: ( 18 4 6 55 ALE TIME TO BE OF A STATE TO व्यासम् अक्षात्रणा व्यक्त - अरे क्रिमिश विक्रि क्षाने विषय क्षेत्र के त्मिर्मिक क्षेत्र के के के कि । ) १० भूगार् (भूगनीमार्थेष प्रार्क) भी : हू : सीतम (भी: , कू उ नी मार्निकाकी) वर्ष : (डेउम) म्म् छते : (अर् छ र हास्सितिको ) अपव है ठा: (क्याका ) ? वान्य :

( Question a count ) m = = ( (my. [campi]) ? aa: (वस्तमा) देश (अर्थ क्यान्त) वाः मत्रात्वमणानाद्भाः ( déremand cuministitud [capi]); eles: (७५८लभा) हक्षा शति प्रमान न मित्रे प्रमामाः (६ व्यावती-क्रति में से में में रामकर्श कार्य [क्या न कर ]) वर्षिताः ( उत्राद्ध करलका ७) जीन कि (जीग्रिक [ट्यारें]); भ९ (१४१२७) रेश (मुलावत) भः कृषः अलि (अर्थः व्यक्ति ) क्राप्त (वर क्रीन क्रम किए) प्रिकंट (ove wir ) x & to ( x & ( 215 in ( 2 4 ) ) 11 2 0011 चित्रे त्याक 'अन्ते उ 'धानुसान' धानकर्यन प्रक्रिश रहे लेटा । बस्त्रमृत्य केवलायन केर्कन वर्ष रम् त्या त्याव भूमायक लासका वर्ष रमा नम्हान 'नी! करे ए की या का मार्ड मून्द्री मार्त व छेडा दा उन दे दे कर्स की में के हुने मार्ट । कान, जी मानी विवटन वीक्टिन मर्काणक मार्कित्व वा टर्श्वाकाना त्मिकार्य अस्टाम् के आका दव नंतर लिये सात , लामक्षरन डर्रम् रहा ) हक्षावली (हक्षावली) अधवाद (व्यवनम् धव-प्रकार्व ) बाडिशक् रि : (अव्यामिन ) अनेम क्रम.

छरे : (अरेग, क्ल ७ छने भावा ) वक्तवि (अष्ट्रकरण) भवसर् ग्रहम् (वसी द्व कार्ने पाहितान) ; व (प्रिंड) क्या निक्ता (की निक्षा) देर (अरे मुन्तावत ) अत्रव कर्तिः ( भाडाविक काल अक्तालंड) ति (क्रीप) (के: ( Type & a a ay this ) Re ( En sich / 4 ) out one (हळाडमी न मधाम ७) मा मान्य (विम् कि देवनान न तर ट्याक स्थायक भाष्य क्षात्र । ता मात्रकां त्त बक्र दिवं आस्त्र दंगे गति द्राक्षांत्र द्राक ल भ्रम्भियंप् यम विष द्वा का महर्म यम । धम्त हलावलीन अनेपादिक व मार्वन बाना CA रेक डक्पाकर माइक रम् गार्ड क्षांत्रके. भारत- व्यमेमार्भिकाल त्मे मार्थम कार्या के कृष्ट-क की कर ति व वा भागतिक व निष्ठ के किए वा मार्व व प्रकेषि रहेन ] )ठि विशः भमक्रारं (अनुम्बतामक्यान्त्र) म्यान्त्रकांगर् (क्षिकाकरकं साका) त्यावायमः व्यक्त प्र (त्यावन (समामा व भार ) र्रेशिव भी: (यर में म बाका)

NOT A (NOT ACE); NO ( E CYCEN [GIZIA]) (कल्ला (टक्स नामन प्रत्येड ) टको हिनड् (कृदिन्छ) द्रिंश में तिम ( क्षित्र में मा क्षित्र हैं का ) लड्रमः ६ (वर्ष्यमम्मल्य) (स्तेयड् (६ क्रवण) अपृष्टि टार्य वर्तिक द्वा व स्टब्ट : क्षी मार्क में स्टिबे केश इर्याट देकावप्न क्या करिए के दिया महार देवकार्यन्त्रे आवक । अवन व तिलाक्यान म्हार्टाय ्याम कार के प्रकारि। ) आर्थ (क अर्थ !) क्षानतत्ते (वीकृष्कत पूर्व हत्य) अि को मूरी अर् (राम्न क कार्या मार्मिन ) भाग १ (मार एक ) शाबि का गा: (क्षा ना का न) मृत्यो कलाए में ( में मान मिक्ने में देहि हिकानी है [ विकर] ) रिक्ट रेमर १ ( चिंगका ने मादत ) लहें के रर ([izueny ] am): nd (crisa ) Emun Ecry (अव्यक्त मनमक्त समन्यतम ) महरका (व्याम्क र्म्सा ) कामार (स्थानं करनं में रायनं माट) मत्तः

Tog Carca Vay & Spain & AND COOK SINGENIA
VOITHINGS (MAN) | House मायके अ अध्यातिक्त का प्रतिकारित का के कर के में भाषां हा हा है कि अप दे व रे में के कि कि के नम्मक्ष ज्ञानम्मात्मन जिन्तिन भूत्यन आछी बीर म का अर्थ तिर्वा ८२ व्यक्तिन जिमे मूटमन समाख्या र व ग्रंभ त्या म्या व व म्या व व म्या व व म्या व ) अर्थियं विर्येश (क्यांका ) के कमानुष्य (क्या केंटिक व मिक्टे ) धाकटे : विम धार्म (तमक वर्ष) मिरा दुर में सा (उत्हार में सा [त कर ]) दावाहिं पुन बामिन (डाउन्मय अमञ्जूति काकिन दर्रमारे)वामी: (अभीयमुख्य) में में में हि (लामम राम क्रिंप ! [लाक]) क्ष्र्विता (जीकृष्कव् भाविक) काली ) अका (केति) विकास मिल सम्मा (हिल्ड विकाल विवर्]) असक् छि-म्द्रमः मेका लक्ष्य (यय्यस्यादं के विवा उद्गेत्रक) ध्राम (ध्राम डाकालम् इरेगा) जामर (मन्नीमार्तन) जन्मन: (एम ७ धनक ) भानिन प जि (कानिन) पूक विश्रेट सार्क विसाक भाव का स्ट्रान सिम्मक विश्रेट सारक विसाकि रामक का सहस्य सिम्मक लात रस्कानीय प्रमन् लात रस्य मार्थात्रार

निमार्ग्य काम्र कुर्मित्र व स्थाप्त कुर में रमुत्तर कुर लायक्षानं डतं। न्यर्ति मैक्प्रिक् लायक्षेत्रकेन्यन मानं रूपे द्रेश्वर्षेत द्रातं नवर विश्वास्त मार्के Da na: (cresa ) & m: ( ) must ( raper ) अभार: (जीवार्वरव ) भूव: (भ्रम्भ खाल), भार्म्य पूर्त ह (अग्रिक्टम) , सम्हाद (सम्हाद कारण) , हिंड. अड मृतियू (हिल्ड मुक्ति), मृत्माः विश्वतं ह (तम्तपूलत्यव प्रम्मभाष) व्याम छर्णः ह (देव्यत प्रक्रमत्त्र ) वृहत्यः (स्त्रम्मल [वरः]) जब्दा ह (शक्षिकारिक स्पान मार्क) क्रांचि ( Dar m dry 50 (5 x ) 206 (cxx 52 6 ) - ming m. (अर्थित रेप (अर्बेस्वर ) क्रियोर कि मारी रेश प्रकार (यर मान) प्रकार वर्गा ॥ उठिया चित्रं द्यारक , अस्तिं क्या वेरवं। मार् चक्रवर मंगं दिसम् मा व्यामक् माम्यादि द्रं वर्षे मान इरे ता के जा अपन रमा नम्ता नक मीक्क

ज्यां क्षेत्र कार्य महाध्य कार्य के क्षेत्र संस्था स्था मह किया काम: (क्ष्मण ) क्ष्मण (बार्ड क्ष्मण ) क्ष्मण क्ष्मण (बार्ड क्ष्मण क् (आमात्राह्ममां कार्य) श्रिमास्तः (अवासिक अनुना) WAS (छात्रान ) किकिए (कार कल ) छाडिकर्ष श्रूषक्रम: ( जिलका ने क्रिकार अम्मिक्स रें में ) के स्थर (क्री ने स्थाप) रेक अभिज्ञा (क्यात्यास्त्री) अधीका (कार्यमा) विरामाध्य (मुर्क क्रियं क्रमाम्मण ) व्यवमार (क्रवमा) ति के द्वारक त्मारक कारी कार्य कार्य ( कार्यकर कार्य लक्ष में क्षेत्रं जिल कर्षं व क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं लामक्रितं रमे। नम्ल कलार् मिलमा चीक्रिकं कराकारमं व्यक्तमं देवमा द्रायम् । अने व मारक कीर्के -राम क्यांत हैक लाम क्रार्व मम्बद्धि। रेर्स निर्म (मह ) मूक्तः (वीक्ष) कार्यकार् (वीवार्तात) अपूर्मा (भाग करत्र [ कार्र इरेस्न ] ) जन्म भीराष् (जिल्ला मक्रीमार्त ) र मूर्य (नवीत्न ) कमा- खा-त्याभाक- शास्त्र दक्षि (कक्षा क्षिम क्षा अ accers gra sa; [ans]) 04: (3) (6)

(rug) the ( mue the: ) naid (na na was) own: (व्यानंत्रेक) लक्ष्यं सर्वे (लक्ष्यं सर्वे ) मिनाद (लाम करन्म) " के (लारा र्युट्स ) लायार (मश्रीमार्यन) वत्या द्यात (स्वकावं दुरंग रंगे रें इव (कार्याः) 1200 1800 1 ( 32 203 anne 1) 209 11 नियं ट्यार्क, लामान , लामकाव । क्रीतृत कावंत्रंत ल्यक्षेत्र के क्षेत्र के कि जाक्षेत्र रहे। बहा : व्यक्तिक कि का का कार्य कार्य कर्य वर्ष व्यानाम कामंत्र कल्लाएं दे देश के क कार दे दे ते NY A " 123 By The maria on me no my mily is टात होन्छ वर्षणा । यथ देस म व्याष्ट्रक कर् त्यानाकाव व्यवकारका कावन ड्रेड क्रिक्नेन सक्कान कार देव का वृश्विद्ध है। मेर कराव्य in one is one my my and a sign of sini कुक काम स्थावं मण्टि इम्सार ] ) में अभरकर (अभवतायं माक ) में क: (क्षार्क) मरं खाँप: (मर्विष्वास्तान मेर्नामार् (क्या )! स्रोर्व (स्मेर्नामार्व भर्का ) व्योक्तिका (भावाका ) छरेत : वक्षेम्सी (छर्न-मर्भेष्र कार्य क्षिक्र ) दे व्यारमाः अनं अवं ( इत्राप्तं

दृद्धं अने अवं अवं के ) मणं र । ब्रुक्स : (स्थाय-अम्मारय-भावा ) मृतः (विश्वकातं ) ०५ व्हान तमः (०५ व्हा-अपुर कुछ ) मंदीमाल (कार्यमंत्र क्रिंग्डि मांकिटर )।। २०४॥ ल दे ट्याट्स , अस् अभक्षां । टमम्टर् देल्डां के टमान आक्षक त्म करिंड दम् डमाम दे अन्द्रान रिट्रिकेस निर्म भाषकं विक्रिके भिष्य साम्प्रेसिक ) विश्व कराया (सामान्य ) इंग्रं (चक् ) केका (चाकाका) क्षार (बीक्रक निकार दमेल) कारिनास डेक्ट (स्टाम्बर्ड त द्वम ) लडे मर्ट (का: 12 व साम्पाद) द्रमादाम (माड कार्यमा) देश (नम्दा ) अरम प्रिमिश्वेर किया के किया कार्य कार्य कार्य के किया कार्य का रकः व (चारकः) लम्मः (वानाकं) लक्ष्मर् (लक्ष सर् ) सिला ते (लात कार्य गि [ द्वारा (क) ) १ डे अवर्ष करा र (१ डे अव रात्र कार्योर (हरं [कारं]) लामा: (मन्नामप्) लाह्यह (वृत्तां व प्रकर् रम् ( ) मनं कम्बलाकर ( एक कार करं

मेक्टरम्य पात कार्नुगा ) वर्षे करें : (व्राधात्मके डिट्नट्न एक असम्बर्ग करने पाट्य )।। २७०।। लड़ ट्याटक त्यां हे बेंदि, लयके के । मर्गाव मने कट्र मन्मन बिमिम् इरेट्न क्रिक् रम । पक्षत की कुक , की नाकि अ अभी मार्थन पटक मन्यम् भूर्वाकक्त प्रभाग स्वता मुभूसक विकित्न-त्यू के ध्याद्वारत्व भन्ने विविश्वर । 80 ( क्षित्रम् सम ( क्षितंत्रम् सम्मद्धे ) क्रमाः (चानावानं) (भ्यम्भम् हिः (अक्ष्रम् भम् हि) धना वह (धनन 54 ince ) " am ( 74 in ) & 2 2 : 2 (mi: 8 (52/5) उ यन्त्रम्तार्भकं ) कथी , कथा। (कथा व कथा क् इक्ष्यातः ) विमा (नवर ) मास्का (१९७४) द्याम-डवं : १ (दे बामाजिमका ३) व्यम : (व्यमरे वरेपाटः ; [लाउं]) मा (लार्) द्वाद्या लगा नव (जातंत्राहर व क्रिकार्य वर्षार्ट्य )॥>80॥ वास्त बस्तक रे भिन क्रिया बार्य क्रिय रूप त्य किन्ने के कार के त्या आर्मा कि इंद्रेंग करका वास्ता वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष द्रिक्ष क्षेत्र के वर्ष वर्ष

185 nery notices: (of energ ) sery acendrice. प्रिं तिकामार (एक-८म्बंद मात्रा प्रकालम र्वंत्र -कार्विती [अके ]) त्यांत्रता त्यां मर्भ मूर्वपर् (त्रास्त्रका , टाम्स् व पर्वा वा व व मार्ग ) कर् (रहिन्तिका) भाष्य कानीए (भाषितीरक) दिशा (जाम किएं।) के अर (कि कि) जार (करेकारि-रताय-मक्षीरा) कण्की १ (कण्की नं दित्न) भाषा १ सावा स्टिशि मा सामाम क ब से दे ए एक में दिया है। चित्र टिमाटक क्रिकेटिया क्रिमाम में ब में में प्रमें क्रिकेटिया क्रिमाम में में से में प्रमें क्रिकेटिया क्रिमाम में में से में प्रमें क्रिकेटिया क्रिमाम में में से में प्रमें क्रिकेटिया क्रिक commen and m, and in this contract जियात्व नामित्री नाविज्ञाम मूर्वक क्विकी मार्ड मध्य - अञ्चलक के के निम्हित करित भाग ि विकित्य व्यानिकाटक आविकास मेन्ये का कर् Dimentandem exact नामकाममम् का अम्मानक विकरमं के दिला Exerce 17 8) भार्षकाः (भाष्यीत ) खीः (त्यादा) भार्षत्वत यव (भार्षत्वत्व भाष्रहत्त्वते ) त्रभाग (त्रभतीगा हमः

[overa]) mga- =: (mgaa cmaca) gxx Iin (and a) engate of a (engage secondary Caryin - विकास इमे ] ) र्यु क कार्याया न्या मर्मे साम दर्द त्व (तर द्वानं ) मैक्टिं (सर्तार्ध्याम्) (तर्थात अवस्ति (ताहा-मस्ति क्रियम्) भवं: (अक्रकाकं) लालकवा लामार (त्मामर्रमाणं सिय यन्त्रक्षर यन समिति व्यक्ति वा दिवा दी भी गरह ) ॥ > 8 5 ॥ जिये त्यातः क्रिक्स व-क्रमरं मां क्रियां व नमं क्षार्वं अकिस् रेंग्रेंग्रिं। नम्त क्षारें ग क्षामान क भारती क्षेत्र भारती मान न वर्ष भारत । क्रम्ड क्रिकाम क्रायं कर मार्थ मकामधीकार्य (मोकर् -यम्य कार्य कारिक का कार्या के का कार्य व मुक्टा कर अव्यव भिन्नत-मृत्रक त्मेकार्यन देशामाद्य , MARO- - MWOM, 24 MSE 1 2 RRA - = 12 is कारंत्र रंत्राम त्रामाण, लायकारं रंता न म्य सम्मानं सा व सम्बद्धं का - नई बस्टरं अंग्रें क्षित क्रियो ने ब्रिक्सिक्स के ल पक प्रितं करते प उठांत , कारकार, क्षा के प्रवंत समाह की गार , टला वस हटनं । युष्य रेट्र स्मा, लामकावं इतं। THE MAN O MAN SECTION CONTINO

Comois द्वातं । समम् किं। स्मा कामका 27 AME 1] ) शिका (विकास ) त्यम कार्य (क्रम त्याम ) मिन्द्रर-शिक्षा (भामिन्ने विद्यादा कर्क) में में में में हार ( अस्व कार्य निर्मिष्) के कार्य मुद्री (कीवा कार्य म्ब्र कार्ने मा ) द्वीते: (मकार्षिकतः) अपना अनुमर् (अव्यक्ति क्रमा) टामेंबडर् (भूमकी अपूत्र) मिर्धिमिर्भू: ( भिक्ति करकेटिक मेक्ट्रक अमेगा ) अभी मिले दिन-माह रहेत ) मर्बर १९३५ (मर्बर स मर्चर स्वर मेर्क) इर (म्बामक) वर लम्बार (मन्द्रामन क मिन कार्लन : [किडे]) अका जार्स (अकीर मुख्यी) क्षमा: मा (क्षेत्रकेष क्रमा) न क्षमीर (११ मना); काम कू (अन्छ) मूर्यमृषि: (मूर्यमृषि छ) विवर्धन अधकुष् (विश्वमाश्येम )॥ 28011 नर टक्सरक ( विक्रमें ल अक्षेत्र । कहानं किंगनं / म्द्रात था जाव ज क्ष्यार्थन हेर् नाडि इरेटन हैं लाक्ष्यं रंग । यह ता क्षांकां वैंग लखं नंबद्य-मलें मृषि कार्ने प्रमृत प्रमेश करतर अकार अवर् मूर्वमृद्धिं न में जान म अम्मिन के दूर्भाईदिन कि धनकात्वव भगाव क्रिश्टर।

)88) । ह्याचा (। ह्यावा) लम्मा: (ब्यांस्वे ) बर ख (ब्रामक्त ) ब्रिनिसिंड (मिल्मिन कर्षात अव) लवे वर्ष (अमेक क्लाक) इवरवा करिया रेकेर (यस त्यात आंधु में यु त्याम्ता ) वटमाः (देक दृक्तां) क्रमात में में का (क्रमाय-कामाय के प्राप्त ) (का (321CH + 5 x ( CA [NM = CH] ) 18 CH MI - SIST-विजित्सी कृत्ने (जमन उक्सक क्य धमीकामा सिष्ठ कार्नण दिणाट्य । [द्यममना कार्य कारम्य क्षा का किया हिया स्था क्षेत्र का देश एए कार के के के किए के के मा देर मार्ट ) 1128811 अरेट्याटक व्याजीय नामक व्यास्त्र क्रेम्ट्य क्से क्षित हमारा महत्र मिटित देमनारम न विकार का मिला रहे एन देन वासकार हर। द्रमार अभिष्ठ हटका के खिला र के गंदर पुर्ण गरिए की विकास की किया के किए के किए के किए की की की की की की की की 80 पत्रमाहणायार (माया , पत्रमं काव्य (मक्]) मानी यह: प्रकार ट्लाह शानार् (भव खडीव ७ बाल्-विरुद्धन अटमाहन, वार्म) मामा- छनातार् (जी के करते छने के लिए ) राष्ट्रिया (सार्य भा)

वर्त तीमः त (वर्तता कवा पात्रेष्ठ भाष्या ); देषि ( Tycze ) And ( corner ) x: ( oumers ) लयर बार्यक्र अपित्र व प्रमायक्री। 28 द.। एक्टरक्र प्रमायक्रिया वाक्रिया - हिंब शिवक्रिये व प्रमायिक कर्ते ) चड्र ट्यारक त्लारिकक, लचकी वं। प्याप बन्न रायद्व मुक्तिक रेम्रेसं रात । स्थान स्थित क वाराव सिक्ट क्ये दंगे अदा दंद पिक्ट लामक्षेत्र दंगे। नर्ति क्रांबाक्षक छन् वस्ता देख्यीयति व लादाक ( कार्अव, का प्रश्निक अमृति हर स्पर्धि। ] क्षित मन्त्राह: (मन्त्रमा) इकर (वर्षाक) समझावकाद्यः (लमक्षेत्रेक काक माना ) अग्रामर (राम्ये भग्रकारं ) वार्याची १ (अमं ममृत्यम वर्ग्न) मान्य मान्य कर्-जूम रनवार् (रमवम्भन कथन उ अमूत्र कथन उ अक्टिंड , पाकान कमा उक्टिम डाया कर् इरेटन उद्यम्भामं ) काद्वारं (चीनाशात्य ह) अन्तरं (दन्त्र कान ए कवि ए ) कूक: (अर्क) टमन अर्था: (मन्म-७-व्यवपुर्मल (पत्र) दिए: (काल्यन) क्कि (ठिक्क) जया (पाट क्षिग्रेम्हिला) 1 78711

FIRE FOR SMALL SULP ENERGY SILS MISSON )) (जीकिन्य) भरावितः भर्म अम्म - त्रवाभारत (भरा खाटक्रिकासट्वं बार्स्सालिक सम्बन्धं स्त्राम्स् Синтару сили म म म म म मामिट रे में गर ). कर्ममान राम टाम मान्या मार के प्रमुक्त कार्य कार्य कार्य है। विकास कार्य कार्य कार्य है। विकास कार्य नी नी व सला मार की विकास की व ता अपनि अं देखें माराव देश व र्रमेटि [नवर])न्त्रवंत्रामकोववाल (न्याम् व मेपाम हरेटाम्बाह्यां विषय वा लये मेरिक भारान न हमा दरेशाटा), टमाबिक मीमाभूए काएड शिटमाबिक की ना मृष्टिम्बर ट्रिंग्रे कात्म म अवर्ष ), आकारा जीवर में पर : (बीवासा के कार्य के कार्य) वनम् ) प्रमं (अरे) अकापम: (अकापम) अर्थः (अर्थ) देवः (अष्य छ रते ।। १२)। दिए स्थापराम स्राम्पिट-स्रामा स्रामा क्रिका ख्याद्याद्ध कार्यस्वक्रम्भाष्ट्र हेक्षणिक क्रियान्त्र क्ष्मिन क्ष्म हारम मंग

(इमाबत्यवं अन्यवं ७ अन्यवीत्क) व्यक्त (बिल्ट्रिक) मिए कि: अलू का कं मूरिगाः (कड़ अलू का व किया निकार) इर (नमात्र) वर (निविधासिक दुल्तां ) वासावित (मामला ) यप (भारा) मिलिमिण्य आहे (मिलमेन करिक्टि), अभी हि: प्रार्थि (अभी मार्थ महिं ) ज्य (वारा) समाक्ष्रमेनवर (व्यव्य करूप-)गात्रा शिक्षे ((द कृत्यव (त्रकाव ! (र कृत्यव (त्रवव ! ) यूव (पा: (लाम्यास्व द्रल्यं ) क्याठायुर् (क्याठ् व क्याड (कारतं ) कि दें : (अवक्षान ) रहित में व : (अव व यप्रभात ) निष्रेण-भवय- छण्मिः (निक्-निक-क्लोना कल अर्थ अर्थनी कार्या )रेप (धरे) रुकायतः ( मुकायत्रक ) मू हि विष् ( भू क्य का व क्रिक्ट कार्नेगाहि); केर्ड म्यार (क्राक्ताना) क्राम्मा (क्राक्ताना) (क्राक्ताना) करिंगा) अक्षत्र कर्ष धार्व (अक्षत्र कक्त); रि (वार्ष्) भेभावताकः (अष्कर्क मनीतरे) क्राम् (अवकार्यक् ) विलाशक्तेनम कृष्टः (मूनिमूर्य क्रिमिलोनम म ) केल (भन्न बक्ते) ॥२॥

प्रवर्ष (त भवाने ! त भवन !) उठ नी नाम् नी- मिं (दिछित्र तीमाऋती-मित्रात्री) कुन्तायत्र-१र्द्र व हरेतः ( र्का तर्मिक का त व अ अभ्यम ) भपारक ( [wm मा-(५३) अपन्यतम ) यव (अल्प) निर्वादिष्ट (निर्वयन कार्निहि ), जर् (जाराउ) धारक्री मण्ड (व्यवने A47-)11 011 🎘 [जिस्तिम मिल्यम वरे का म ] किलाईक मार्थन क्रामित्वो (अन्यम् अमंद्रक हमाममुक) हम्हिरे (wanter दिलता कार्य कार कार्य का यार (लामपाटिंव द्रिक के के पिष्टित : किमेर्सेल उहुए ) तिकार्थः (विक सम्बद्धम् १ द्वाना) निस्विष्ट् ह (स्वर किवान के ) म: (आमार्य ने भा अहीश (त्म थाडियास) थक्ति (किसिगार्ड) जार् ( [काल्याकि] (अरे काडियाव) अध्या विकेष् (मक्त्रीक्षिक) कर्वर्ष (स्मेर्डक) 13/811 D जायर (जमनरे ) भूवतार ममर (भूयता मार्ड) बहै: (मर्ब मलंत्र) पाठ (काममा) के किए (अक्षाक) धत्रवीय (वान (नत्र),-कि के ((र नी क्षं)) कार्यमा (जीवा का) (

(कामनं) रेमावपत्रकाः (रेमारप्तं त्रवीमपुष्य) ति: आः कृषाः (ति: अ कविशाहन)॥ ए॥ वयत्र (र्यावत्रंब ) ट्रम्पित्र मार्चेत्रामी (ट्रम्पित् व धार्य क्या ) म नक्षी: (त त्याता) म (वारा) लम्याः (तर् क्यां क्यं ) वर्षे प्यादमा तत्र (त्तरीमादा-माराह ) देवा (लक्षक र्द्रमाट : [कावं]) गार्ट: ह (कार्टरंड) मध्यम्याद्यमी मा (मम मेन्याद्रिक्षि) (त [men]) न का लाख (र्या ३) लावरंग: मस्य ( ( कामार्य के दिन न ममूरम) मभी दि: ) (अभी मन कर्क किन्य कर दर्गा तहीं)॥ ७॥ a) उठ: (अद्रहर ) मानीमूत्री (मानीमूत्री ) प्रमुक् (अभाष लामगा) का (अध्वर्षक कत्क) लवरद (रामि लात ) नियरह नीमान- मर्मेवाली (मरह नीमान् मार्क शिक्ष ) बार (अक्षिम्मार्थ हे वह दे में मेर विस (अर्जन रहेक) द उनवरी (टार्मिन्स्त्री ट्वरी) रेप (अप्रात) वार (अ(क्षिप्रिम के दिल्ला) आसी: नर् (में क्रिक्सी-व्ययम्बरकारक) मत (मात्रा) ल्यादेलत (ल्यादिल कार्क्ता-(हर ), अवन्य (कमानुबाध्य [लिलायम दुवरात]) ७९ (छारा) कर्रायाः (कर्ममात्व) मार्थक छार् भगंदर्ग (अम्पार्टिंग अके | | व |

the Carried a sicon when पिली के प्राप्त कर के के के किया अ : (मिकिक) सन-इक्र वर्ष (कल्ल इक्रवर्ष) कुला देवी- काळाउल दम ( THE CHE SIND ME ) CARES (COLUMNA GRICE) कार्य अव्यास्त कार्य केरत ) काल्य कर (काल्यक) करिया ) कुलं विका पि छात्रात् ( क्यां उ काकित-अल्पिक हन काल ) राटमालपुर (नियान कार्यमा-कारिता प्रथ्याण्ड: त (कत्र प्रम्पास निकास कार्या ) कारिता प्रथ्याण्ड: त (कत्र प्रम्पास निकास कार्या ) [कान्ने, कलप्रत्यू]) अरक्षान्यातिः (अरक्षार्मक् क्रामात ) तमा र्मातः एमर् (क्रिन् मक्ट्रे) है नाहित इस ) वि : (अद्वि ) मै शर (कामसे ) यरात्मा ( outre ource ) sed x ( sund suls tout ) काता (कामा प्रति) भूभर् (मूमा) विचिम्न वर्षा केवि (त्वाम कर्ग) ॥ गा रार (लामारक) देयर (जर्मक) लाकर (मामारहरू)

(अभ्रत्य) विवाद: क्ष्मित क्षित्र हरेंगा भारक), र्यार्का ([वारा रम्ता र्यार महत) व ् (र्षा) वेडिटान (मणमंदाद दिहानं कानेग)लच (नाडुक्तं) रूआ (रायान) लाम: (लाम), रेडि (रेया) जान (प्रवच ) प्ररा ( ( ( प्राम्ल ) निर्मा भी ( का नार्य ( व ) 1830 11 ) प्र (अन्त्व ) इति: (क्षीक्क) मानीप्रश्रीः (मानी-मूभी क ) अलाप (बिनियन रिष्ट्र (कूपि) अत्रा: (धरे जीवानाव ) धार्ममर् बृष्ट् (अक्स ब्षाह) बामात्रि (ध्वनाण क थार); टर्म (धामारान ) प्रियम (प्रियम) क्षः (क्षिल प्रष्टवलवं) क्षेत्रमान (कर्मान) मिन महिन ) अम्म (नर्) हिन मिनामा) (अ (army) देवर (वर्ष) बनर (बनत्त) नि: श्रीकृष् (ति: अकिन्माट [नवर्]) अपड (अपड) आ बर्मी ह ( जिंस वर् भीरित्म ७) विद्वासिका (इसर् कर्न्यार) ॥ >>॥ )) त्रेनी (कूपत्रण) धत्रवीत (विविविक्री) (व! ( ( अरक: ) दश्हा (त्वास्त हत्यं) मर (त) कत्रराम्मात्मे (विवाद क्यांने केरा)मृग्मिरिको (ल्याक्ष्मं सामुक् मार्क) संब-मान्द्राम-लाम्

( यस महानं कि ने प्रमण्ड ) मारात्र ( ममम कार्नेनाहि पि) वन (वादाति) हिंदितं (कि दम्म) रेलन (कामुक्ता) यक क्षाम (यक) कर्ड वस ) 11 2 711 ) क्क: (जीक्क) wang (बाम त्यत्र मिया Coma) जार (देशक) वर्ष (कसर्वप्रश्नां अव) प्रमीत्न ( सकत् ) मुक्षा ( अत्रंग मात्रंग ) देळ ( शायणा) की रिमंद (क्रेनि) बत्र त्राक्षका (बत्तव अव्यव त्रकेत करवन) मिर्याक ( [र्युराक] नािश्च मक्त्र) केन्द्र साख्य रिक्ष क कारत । सम्माख्य ) न कर मूर्व (मून्यां काम्) and a ( municipal and a make and and energy of son: ( & site was signed of the substitution) रात् राममं द्राह्य (aurice any कक्त्र) 12011 [ज्यम] अमूना श्रकी (कन्निश्मानाक विकाभा काहे (य ) दर्भर (त द न्या का का ) वर् ( व्यक्षा क ) द्रमाह (बालिएतर ) क्रिन्न भूका मुद्दे : (४न-७- प्रथरनाडी) curca: (curany) oxincueiaya: (oxin Сины वंत्र माना ) Ca (लाममान ) वर वमर (त्मरं वम) उस्मिष् (उस्मिष कार्यमारः [लक्छ]) तः (ल्पालावं) खां । ज्यां (तिक्षां का दि वर सम्मर्भावं)

ल्यः (त्यम् वत्र) त्याच्यम् कान्ने (मान नाक श्रद्भाट्य) ॥ 28॥ कि कारा: (तर न्यांत्रके) में मा ए के ( मिन्यक्षित्तरे) लामिना छात्र : ह अभा (क कर्म प्रश्नाव लामिना पुक इंद्र ) लम्भार (इंडान कात [व्राधन] )रेट अस-गात: (लाक्ष्मा अअध्याद्वेड् ) सर्ग रेड्: (own. स्थित अमाप्त ड्रंड अविहां : प्र केत : (त्राट्ड केंट न्या केंद्र काम ([क्र्यां ] [किन ] भाभाप विसर् के मित्र मा [किन्द्रिक wild]) म्यात्र (लामात्म छाछ ) भः (त्यत्रे बिहान ) प्रमालेखः (जर्मन कार्नापरि)। १९०॥ अ भा (कूनला ) अवरीव (वालिक र्रियि (पिरे) धाराह (र्देशन मार ) जमा (कम म प्रानालन) अभवाठ: (अभवाठिवरे रमं), उदा (जरा दर्दा) क्त (क) ध्रमा (अवसात) अक्ने व्राप्त् अर्पक्ष (टामेयत क्षेत्र म कला । प्रेंस कार्या) निर्व की कृषा ( [जित्राक ] नामा नारिक करिगार लाक्ष्य वार्मान म जनविष्टमं वारामं त्यारम्यानिन श्वभूग कार्निमाटह ) हैं। एग

मित्रक्षेत्राम्यान्य न " सम्म (mun ) र (काम (तर (कमन तर्माता क्षेत्र राम्न व-अत्य ) धक्ति (अम्मर्लंड ) उर् निकार्मर् (निकान आम्) ०० व्य ) ल्यात्वा ल्या (मान्या कार्या कार्या क (ममन [रेम वारा]) माळू (मान कर्नाव) न केमाव ( of secis rix ) and ( and ) fruit [ [ ours] इराटक) मेलांहर् (एव रात्र कार्यत्व) चर्वः (यरेत र्द्राप) सर्वेत (अमारेत ) लयने (र्यप्त) वनाए (वन मूर्यक [आधार ]) दा छ छ : आश्री (द छ दान भिक्क प्रत्यक्षककृति (क्षित्रकः ] भर्मर हात्व क्षे-किंग), कृति विषय अवा (कृतिन क कन्नी पूछा) प्रम (अवाका कि कराक्ष्यात: (कराक-मर्ग) विकः (विक मन्त्र ) भः (भीकृष्ण) किन भूष्ट्रमा (या दिसे त्या । कवित्यतं [आव अभिकारी]) भा (अरे)कूपवित्रिका कामि (कूम मणात्म अ) भ्रामी माकवात्मन (भिक्र मी मा-अध्याना ) छा। है जा (छाड़ मा काई (मम) ॥ अह ॥ १० छा। (क्रिकेट) मार्थ कार्य का (क्रिकेट) विकास कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य का (क्रिकेट) (बादिवं कविषा ) मन्दीवप्ताकत्वं (मन्दीध्यीपं राष्ट्र)

गुकार (अभी करने तान ); भा (गनीमूभी) ७१० (अर्थ Hall ) mongé agal (mongo acid mile a mile mile कार्य ) द्रवंत्रकः द्वः मद्राः (व्रश्नम् मेका के समवा-अल्छिनं) लाजुका (काम्यार्थमानं) में : लाम (में रकां) कर्म लाबाहरे (अत्र मान वारा मान महित्य )॥ > ३॥ िलार नरंकल काहि (काहि) वामानीम्थी- क्ता-क् स्तारि - अ का निहरम् (ना सीमू भी, ब्रा क क्रम्ता अ कृषि अक्रामात्र अवि ) अभिम् अर्थिक भक्षिमान् (सप्राक्षाम की कल सम्प्रमारात्म ) ज वर ममाकासम् (कारम् न दे तम) विश्वमं (त्रिमंग ) कारतप्रका: वाह (रेकारपं महादेत कथामाय रेकां की: (अभक्ष अस्मक् ) दिन्न (दान कान्टिन), उठ: (क्री के ) व: ( तामना ) नार्नामार्च चरणा: ( भी नार्चा-कृ तकन ) भून निका-गामः (भून ती-अप्रक्षी विहान) माना (मक्तामान्यकाल ) वित्वमं : ह (मक्तामन कार्या ) । दिवा कर (अवद्भार ) मत्वरम् (मब्द्रम्य ममत्य ) वार हार्षिकार (न्या अस्ति) में हिसे कार्य कार्य कार्य कार्य ) वदा (ज्याह्म) भूनः मिना (अम्म अर्थन) बिनामा (बिमारमा) देशह (अर्ब मा बार्सिमाहिता ने) कित्रमा

मूर् ना गंदर ) में ग (मित्र ) रे आमा : (मल्य्नारा गंद्र के निकते ) ध्वाकामे यत (बानिमास्त त्य) मा देम् (इस महत्र) लाक्षत्रम्था (स्थ-प्लाका म ममर्माना) वत् (वृक्षावत्तवं) भूका वि (भू वि क्रिकेत क्रवेल्ट्रित) ॥ २०॥ ) जर (लक्षक )पायवा (यायवा) जार (वायत्यम) ्रेट्यां (त रेट्यां) है एवर्डिंग्या कुर (कामान क कमान अरमान्त्र कि (ट्रिट्र ) ब्रह्मकाममः ( अरे वृत्यवत ) वाकार्गः ( अश्रिवाक ) अभू ( : ( अप्रिवं) अविश्विष्ठ (अविश्व अक्षेप)। १२।। १ मुहिल: उसनामिण: (मृहक अक्षेप किम्म मामिन मा मना मार्ट विद्रार्थी द्रेषा ) काला (कर्न कर्मार्थ) न: (लामाराउ ) किर् कार्यमार् कि कार्यत ) है आगंद ११/१०१ वीर ([लामं ] निक कर ) मायमा मः (मायर करने क / विवर् ] ) अका: (वैत्रान्) क्यादिकर् (क्या अक्टिक) रेडेिंगः (अर्था मर्क)॥ रहा हि वमाम (बमाम) अम (क्यममम्बन् ) थाका (लाएम) माना एड (मह वामादन मान मीन इम् वत्व ) व्यत्य सञ्चा (मम्द्रम मार्मा) मृता-वर्णनां (केस्वरान्न्निक्क) लाक्षरमावर मेक्षार

( एखिर कानं अर्डेटलाहका) व मुर्वित (ममुक्या) шरे वीर (ब्रायम कृषिक) अन्त ( दर्भन कर् ) ॥ 28 ॥ ( मा (cn) अन्यान (अन्यान काम्यान ) स्ट्राम्ट्रिं (इर्ग्निमान्सार्य) दी भी भी (दी भार्ति कर्ने पाट " [जाराटक] [टमरे]) वर्मी (वर्मीहिक) अभाषि: (लामना ) के लास (टकामण्ड) म न व में में लिखि (द मार्थ कार्य गार्थ ); त्वर (यह ) धामानिक्षा (कामान्य टम्लाक कटा ) या नहीं (वाद्या आहे) वरा (अधा रम् अभार (क्रांक) केका मेर्ड : (ममान plendride some (201 2000) 1 ( July 100 ) 415 in 13. भारत (मानीय की) अववीर (बानरमन प्रमं (कार्य) र्करत्यामाडाः (जीकृत्कन यत्रामी अकामनेटक) की: (टमाडा वा अस्मन्) दंडा /दान कार्ने पार्टि)= लामा: (व्याचान ) डाह (न्यं सक्त) मेरे वह: (त्र राको [बार्य ] ) मको द में बा बा बृह (मक) बा सिम्प्रेट्रीइया ) मेब्र प्रधात (कामात प्रधान कार्डता) भवं : (भट्न) वर्नाः (वर्नीन) विदयनः (4214) (444; (414Ca 5xCa) 115011

hizar (Jospina Janzar) dagin: (Antical) विभान- विक में रेक्ट : (की विकास मामान कि का करते में अता दिल है कि कि कि कार के अन्ति कि निक कार कार्य के (कार्य ) मार्थिक कर पायका ( [क्रियां ] पात्रा.) मानार (त्या माटक) व्यक्ता ( व्यस कर्नम ) रम् वम् (रमन दिल ) १ प्रही (मार्टि मार्टि) एकक्टमं : (जिस मैंग पर्वे) विकित विश्वतिष्ट्: (जिय्यूमल्य वत्रविश्व भाषाप्तव इक्षान ) मलाम (मलभन्त ) माम (यान तम)-[आमडा]) मना अर नड (लाम व मदम् र) १ मत ( निक्न निकर् ]) बाहता (न्युरंग क्ष कर्षक) बालिया (मिल-काछि वा मक्तत वाका ) लक्षा (ममार्थ संस्त) (अग्रिक के किएड १ (आर्थिक क लामके क) प्रके बर्ड ्रिकाकां कार्यकां ] [आंकाकां कार्यकां ] (विश्वाकां कार्यकां ] र्के यहा ' अस क अक्ष्माम ममेरत नराम् ) सकर्-करकटलो गार्ड वर्त कार्ल (भूमारे कार प्रकार में वित्वं यात त्युवं वर्षे वर्षे करवे प्रावे करवे वर्षे

(अक्षेत्र) लमाडेले मॅम- मत्यापार वे (स्विक समेग यहामतिव मिक्टि) त्व त्व (मेममन) वदार्थाः (अपार्थ ) त्कवमाकावर्षातः (त्कवमधात धाक्षिण मार्थक्रिके ) मार्थिक मार्थिममर् (मार्थितं (माम) में मं (लाक कार्ना किक) ॥ रक्ष ्री मानी (मानीमूकी) अख्यात्र (मख्यारोन ) मूनक्छ (अभ्रांक ) कमाद (कार्यत्वत्र) के लीक कार्याः (क्यांकाका ) वह: (वाक) ) अठा (प्रभावी वर्ष) द मर (ट्यर्व्यू) ध्याः (१ दान्) वनाद्याः (निस्कार्ड-माना ) में बुद ( में हर्ना) मिल्यर (चर् कर) के कार्यमार् (कामका मकत्म ) (तत्मार्म कर कर्ष (नग्रहासी धानक विद्वात कार्टिट्ट)॥ २०॥ ०० क् कं (क्षिक) अवसर (कार्यित क्रिय (प्रथम) रेग्न ( अर्थ नामा ) आतम् भाव ( भूटर समन कत्वन [ वयन ] वम्मा (बतन ) भक्ताडिर (भक्ता ) के क्रमा : व्यापं aning ([ara] made aca) é me in finalis (Amé véra uxing [my : on i]) ced (me) करते ) लावें कार्य में वि (न अमेरते मक्ष्य विकेश्य करत्र); ७९ (क्टूडिंग्र) माहिका (जीनाका)

Court Die. रेक्नान कार कार किसे हैं (इक्नान) कार्यन बार्य मान 247)11 6011 ( चित्रभारते ] सर्वमन्त्र ) भव्तः अंगमः ( स्थान्त्रवे बत्तामपुटक) डटक्रडम्साः (डटक्रडम्सा (क्रिक्री) अरामवर्षा : (रामम्भी) वीका (तका कार्वण) मम्बद्ध (वरमम्बद काम्याव (मम् (म्पूर्मा (माप्त)) मम्बद (वरमम्बद) के एक (बार्किकत्म) ममेर (ममेर खीं बाह्यां में हिल्ला प्राप्ति का है बाल व यहास्यात ) क्रिक्टिक श्रिक सर्क विति । प्रवेक व-विकार) क्रक्यांड: (अशिकं कांड) ममृका (अर्थाह माल कानुंग ) क्लाठमा ही (हर्वार् का अप्रेष क्लाइ क्ष्रिक किए ) ७९ (अरे) का नमर् (नम् अमार्ग) ब्रायाल (अदिकास कदिया हिल)॥ ७५॥ ो [ क्या ] त्यामर्म मण्य: (मर्म मण्य ) द्रवः (द्रव मणः इर्मा) जान (४०) मनेत्न ) ध्यवद् र (वानितन क्रिन ्रियाप्रित हाः लव त्याक्वा नारम् (भवक्षात्व व आधीतिण काडिद्वाना विदिन अम्बन क्रिक्शनी) रास्य वर्षा (आवादा त चार्क ) संद्राम्या (कल भी जार भी हिल इत्रेम्ने) जर्बक्रमम

(जात्रात बक्ताक केट्रिक्टिक) वेत्र (अकारत) - केन्द्र जमात्ने किंदी किंदा का ह उने गरहत कि है) है ७२॥ करीना (कार) त्रियम ) कर्म किएन (क्रिक्स) क्रिक्स (क्रिक्स) क्रिक्स के क्रिक् अकता) सीमा कर्ना-छाडिमावानिकः (सीमा क्रा कार्ड-प्रश्मित्रक ) मूनारमः काडिमूर्नः (अक्ट्रिक् कार्ड-स्वार कावा ) अम्रः (अम्रेस ) अवक्रक्यो ् मीछि ( अवकार्यान माडि ) धाममाड (क्षेत्रे कर्निया) न (निष्मात्रे) उत्तिन मक्षा ( कामा गण ( विष्यते ? रामक लामकार्वं ) देराप्रवेष्ण्य का का : में (डेनार्वनेकाल कार्नेड रहेगार में किरमतिन वर्तनत्विष्ठियान्त्रत्य त्लाम बन्ध स्थाप छते छात्र कार्यपा लके के के क क कार्य कार्य ए कार , व में खप -नासक वास्त्रम् रूपा )।। ७७॥ ०८ वस सामिकामंड ( किट्यून ] रिसा ) क्रिकेट विवरमा (कि इतिक देश कार्नेम ) भूवव : अवड्डार (अम्राट्स राभिप्रें क्षेत्र जिन्दी ) हमर कर्मा मंद (दूरा के इस हक्त रदेत ) मन (ममन हे ) तेबाड (तेबडमड:) यर भी (यर भीरि) प्रश्नी वा जिस्सी (का मून पार्ड सूनी)

लामुड (इम्म ) ' लग ( लम मृ ) लामा : ( त्यम प्लमुमं) क्षाति: डेक्स हात् (लक डेक्ल उरेख नामित्र)॥७८॥ ०० वरकारमा-सरम्बः (वर्मानं त्रद्रं मेत्र्तं स्थात्र व्यवपुर्वत्य ) अव्यम (भक्ष ) हाक्रवाम (हराक्रव. इहेल ) अभी छ : (अभी मार्च भार्ष ) क्रम्यवा (क्रम-यकर) ममाद (वरममाद) वार्ष लामास (र काने प्रमुद् मार्ग ) वर्क्षक्रमार (द्रामानं इस ४४ छ। जमा में बचार (त्यार में बेच्यारिक्ष) लामनमं (करा कर्नमा) लम (ल्या के ) डमंद को बी, (तर बेसा को बी,) रेडि (अरे बार्सिंग ) असर् (डांब्रा तक ) इत्तं : अधीयर (अक्टा न निकते )हे अनिताम् (तरेण लातात)॥७२॥ क्रिया क्रिया नीका का क्रियार (बालायर क्रिया) (भिर्म कुम्मत्यः) (ए (त्यामान्) त्वनः (त्यन्) वृत्ताकारेन (कृताक र छ ) भूकानिकार (वर्जीरि) <u> विपित्रकं (काश्रमं एकं ) लक्षात् (लॉम्प्रेट्यक</u>) कदर्भगिष (मा क्रुवा मिल्टिन); महिर्मित ) वर (जारा) म अमार्म (विश्वाम मा कर् [विव]) श्रू (खिलाम कवं) देलमण (बेला) द्रमंद (नद्र बर्जा) क्षा वाका (कामान कार्यात है) कर (गर्)

राक्ती में करात (मार्क केंद्र में करमा आपर्थी। १०।। भी रेला लाड (रेला शमुट्यम् क्षितिको। कि (कर्मिट्री वामनी) दिलका कर्मे (प्लबान राव इरेट ) वला ( वल मूर्वक) वर्मी (वि निर्वि) आक्रिका लात्यांत (काहिता लात्रांत ) के कि (के काद्म ) पालीक भी-मून: (नाकी मू औव अम्मू (अरे) एम प्रका (व्याक्षारक राज कार्यणात्रे)। ७१॥ ० प्र (अण्डा ) कूम तथा (कूम तथा) वर्मीर् (वर्मीर) हक्याती (की कृत्यन राष्ठ) मधार्य पर (भम र्वते कार् (तत ); अ: धाम (धान नीकृष्ण उ) हिनाप्तक्षार गर (राम्भाम मान जास के प्रमीहिता) नामान (अर्थे कार्या) अर्थे: (स्थेहिए) जनम्प ([जारा] मानारेख लामियन) ॥ ७ मा ार्थ त्वम् तिमतः ([जमत] त्यरे वर्गी-क्वारे) जिल्लाम्यतारार् (विद्वतिष्ठा मार्गिनाने मार्गिन वर्मात् (हिज्सम वर्म वा त्वर् क्रिकेटक) महत्रक्र-भू दोन दकी तेपत् (कन में प्रकाल का भूने व्यक्ति की हे-विलिश्वकारा कारिए [अवर्]) की रीत्र कूर्वत्

(क्रीत क्रमें क्रिक्स क्रमें क्रिक क्रिक्स क्रमें क्रमें हैं है में हैं है में हैं में में (मावन-उ-वन्त्र समास्त्रम् (दन् माल्यक अन्मम् (दन्) वितिष्मंत् (वितिष्मं वा अविवर्षत्र पराद्वार्क्त) रेड (ब्लावत ) म्मलर (अकबाल ) अने १० अप्नार् (इमं अक्षे) अस्ति : (अस्ति मासिन) अमूत्मन (क्याविद्य अनुत्र कार्नेता [चन् ]) त्रुका आरेन: (लर्के व्यक्तां ) ख्रेसर विपत्ने कालिक कार्यमा ) दिम समय (अंब्द्रेस म कार्य कार्न्याह्य )॥ ७२॥ 80 जी क्षेत्र (जीक्षक ) कविकन-भूषती- क्रान-बार्त: (भूनती व किति के ल लका में कर्मा के कलाक ) वर्षि -मूलार (डेउम दिर्मामामिती) मार्गी मार् (मेर्टी मार्गवड) प्रिकार मर (रेंक दम्क्र रम ) रम्पायका धात्रीषु (क्याली मार्का मका मार्ने माहिन [न वर]) धानी त्याकः काम (मीत्याककावीय भूस्वमते छ , व्यक्त कर्ने किस क्षेत्री क्षेत्रमण एत ) ल वर्ष क नहां-विश्व : अप्यर (क्यालं अव व भी डाम का मून म् (ट्यारेट्र ) कर (टारा) काम र्यं में (काम प्रार्थ)?

( notes mass resolución y) mis de mis a: ( Might 2 4 4 4 4 4 4 1 1 80 11 8) newca (18 4 sala) 1 m mis d ca ( mag a sala) (क्र्रेनरित: (ब्ली-निमाद )- प्रशि (बिमानेक में ग्रंग) मि। भी दि। कि (ह पूर्वितक) विश्व बड़ी: निर्मण्य : . ( निक्रितं के प्रकार विशेष इंद्रिवर ) महाका (एएको Treamfung (Early and a fung) us & दिका लास (वित्रांत प्रकार ] मानुस्क ने पुरिकामित रमेटम । दे : (बर्मी- निमाद्द ) कड़ा (कड़का मान इरेस [नवर्]) अपर अविकासा: अभि (अ ब्रक्षम अन् तिकति ध्याभीता कार्य ) मापूर् (भार कार्येक) न वि स सम्भी (यम् इत्रेजना )॥ ४ >॥ 8) वर्णीमर्टिः (वर्णीकामित्व) भवाम (भरवावरवंत) भगाम (अन्यवाम ) अपन-मर्गः आमित (अन्नरंत कार कार्या व्यक्त वर्ष्य ) अग्रमाः (इर्म्मा ) अग्रेकाम (अग्रेव) ल्लाः (बर्का विन्द्र) निक्षाताः (भरम्भरन ANGULA & ALTIN ) BIR OLDS: (R.B. C. S.L.) यलगाति अन्य मा : (कार्य मार्थिक) विवर्भ : र्रंभी : (वस्ता क्या क्री द्रश्मिल्ने मिक ) महत्त

लड्र (लाम कान्ट्र ), जाका: (जासादिन टक ) विभागकत् (ध्नेत्रम्व) मावूर्म (मात काष्टि, [ want sind a cust ] cord of my ( any sing ) क नेना: (अधर्य) में धामम् (इरेनमा)॥ ४२॥ ००: (स्पेडिं )र्रेसा (र्केसा) में दंगाता (समेंदम मार्गा) न्यारम त्वर क्षित्र मेन्यनी व मेन्यन सी नार्वर-क्षार्क ) ०० रे के स्क्रिंग (र्म अकें इ प्यार्गिक्स) म्याकार (मिना मे मुक्त ) न्यारे मीर् (न्या कर कृषि ) मर्भगृती अकावत श्रिम करा है कि कामरे लामित्य में १ 8011 8 "रेट्नो! ("र मेकार ७ टर मेका!) भा रेम्बू wहेरी (अरे लिन्नारे वी ) स्टिकः हरिनः (क्यून नपार्यानिहरम् सक्रण्यार्य) भू न ९ स हा (सङ्ग जाना ), करेड्य: मिरेन: (म्रापन भवार्त्र मृत्र काम नत्र के काम कामिण (काम मूका), अवर् अनिकः (अक्ष्य अप्रमृत्र व विभना (रणू) भिना ( अपार्त) , अमार्थ: विवार्ष: (काममतेव अमर्थ क्रिनिट्यू ) मन्तरभूका (नन्तर डाकामना [ १९]) लक्षेत्र (क्षेत्राहर लक्षेत्राक्षित अभावत्म) जुनक-वानिजाभी (अन्नेममृत्य मूनकपूका र्रमा) अने मनियमा (अने म- विश्वमा) प्रभी स्थानी देव (20 May 240, 1842/ (was 256) / 88/

MEST CONTRACTOR STATES CONTRACTOR PARTY हिटी या तका लाद्र्या (नक्षेर्माह्या) कामही- क्ष्रमाहितः ([रमनकामीर] भारती उ वकूल अपूर्ण), विक्रकिताणाधा-| अवीकापि के: ( [अधिकातीत ] प्रार्त्त का कार का अवीकः अष्ि), भूभी- नीम-मूलक्की अष्ि : ([वक्षाकानीत] मार्थिक, कदम् उ त्मावनी अवृति ), क्राण्यु वानी दिछि: ( [मस्यकातीत] कार्षि, अभ उ तीत्रामिती अकृषि), टनार्त्राम्माम् के : ([क्रमडक्तीन] ट्यार्ट्ड प्रवास्त्र-अष्ठ [ वर्षीयका नीर] ) वक्षक-क्रमानिष् : (वक्षक उ कुल अष्टि ) के हास कू मू ति : (बिडि व किल्म क्रम्मन निश्ता ) क् अलाकल्ल विष्यने हिं छन् : (इंडिज रक्स- पृथले अर्था में विद्वार्थण इरेगा) कार्व (विश्वास कार्ने खट )।। हरा। १ विकामिक भार्य मिका मिका मिका भार्य ) भू ना (अभूत) भू ना (अभूत) (अभूत) रमा: (आम्यक्रम्य), रेर कू (नम्रात) प्रमा ली हि: (भून्या धालिका नामिन भारत )। भनी था : (मिरीय क्र अधूर), अवह (अश्व ) वक्रानेका-रीम्बिन्छः (डेल्क्स स्मित्र अपित ) मीलाः

(करस्क्रमपूर), रेश ( प्रश्त ) खानी छ। (प्रायती-चालिं महत् ) महममाः (महमम्बर्भमेत्रः) 'लाम्य (अश्वत ) क्रूम्प्रिण भूषत्र भा तीहि: (भू । क्षेष्ठ प्रामर्ग्गावेदः मह्त ) ट्रमह्म: (ट्रमह्मकक्ष्यम्य चिक्ट्र) रेप्र (चन्द्रात) । कारिती ट्यानिडि: (अनुम्नावादानित मार्व) रव दुट्ट नंब ) यस्त्रास्त्र : (म्यान द्राप्त द्रम्य ) व्यव द्रम्य ) व्यव प्रमास्त्र के स्व समय ) व्यव (Alounta a विनमाह (लाडा मारेएट )॥ १७॥ 89) अस (अरे बनमार्क) क्व जामी (कान मृति) कुर्भः (जमन्मतिन मार्ड) कतात्रिण: (comक्तात) कृष्टि (त्यम म्हत्म ) हाट्य : ह (क्रार्थि क्रियोक मार्च भारेक) रेख है क्षारिका: (अरे हिमार का क्षेत्रं भाकिया ), उठ: (के मित्न) माष्ट्रितः (उप्तिन का के भरते न कार्य) ामार्थ-हाएका: (प्रमुख उ हाएकमर्स ), रेठ: (न दिल) मार्थाः (अवसम्पत्नं मार्व) द्रश्मानः (द्रम-भिक्ष कार्य (काम देखा ) कि भी कृ ते : आक्रमते [ वनर ]) रेप्र (नम्बात) हन्याले : ( व्यक्तामीमाक्ष्मित्वं माठ्ठ) डाबुक्सः १ (डाबुक्-

आम् यम् ) त्यारंप्र (त्यमक्तं ) मधा के बड़: (भर्ता भ्रममंत्र डम्मा) मेरा (स्थित्रतं) यार (क्रिकिसिकि द्र द्रितंत्र) स्प्रमा: यानेष्ठि देन Many of the many of the same (अनेमनाई त्यत्र कीर्यत्र कान्टिएट्ड)॥ ४१॥ 8 रू (यह र्याचटर) मम् (ए र्मममप्टरं पद्र) जक्तार (जकरि ) हर्ताः (ब्रिक केर्र) जका भाग (जकरि नाभा) भूकू ले: (भूकूलका कि का गा), अला (अल वकरि भाका ) किमतिमः (भन्नवभम्द्रप्राणा), भणा (ध्यप वकरि नामा) अमूति: (भूक्षदानिश्वादा), धामदा (अरा नकि आका) दानिष्टिः (दानिष्टि भन्नम्द्राना) कारिय (कार मामा) बाव्हें पति : (बाव्यर ( [ वर्] अमाम भाम प्राक्त ) काम के: मारकाम् थाः भाकिताः (अनक् मारकाम् म लक ) कता : पूजा किस (क्रमप्रकारा क्रिक क्षियाद विका ) हे यह (अरे साम ) वक्षा पतः ( टमरे र अम्मूर ) अव्यू वि हिं अव्यू कर्क

टेब: त्व: (जिल्ला-जिल-) खरेर: (खरेना कि का का ) (सक् (टमाक्क इनेट्ट्र) ॥ वम ॥ 8% इमेर (तर )र्याद्य (र्याद्य) लावक सर्वे व्यक्षी-यर्ष्ये के प्र: (इ मेर्डिकेट क्षेत्र में मर्बे प्रायान का सरहती गर्न हेक्क ) त्व : त्व : वजसर्म विकत्व : (स भूर्याक निमानिमानम्मर्व ते धय वा निषाना) द्या क्रवड्य: (प्रवास क्षेत्रके वा डम्में) हिताक: मरानं ( दिना क्रिक्र काम क्षेत्र मेव्क) अप्राह्मा (स्रोग्निस्ता) लासी देव (स्त्रीव गांग) बल्यार (इस्टिन ) अमकाहि: (निस्माध्य कालियाना) यार (म्येक्सिरिस द्रव्यंत्वं) मामार त्यवन में मर (भाभाद (मर्गीभूभ) आडिन बाद (रेक्टा कार्यायह) ॥ १०॥ ( व्यक्ति वे विक्रारिकी) प्रात्वी भूवार् की कर (अविशिवि द कर्तरक थ्राप्ट र्राटर समायत त्याम्य) नामास्या (नामासनं नातास) मेर् इ- समक्षेम्माम-इक् : मरेर् (डिर्ड्र-दिक विष्टु मुख्यामा माम्म म कार्र देवनी में बस्कि । वर्षेत्रकी (मका मन् कार्रेस) मधीन ट्यासाम- मजाबामिक मार ( वाम रवन-कार्यक र्भान्य-प्राचीक हता) मृद्यात (र्था कर्तिकरह)।। दरा।

कार्य कार्क ) आहदा: (बिलाइक) मात्रावर्ष: (मामात्र) में दुल : (में अवा जा मावा) नामार (में मत्ते) बल्यिने में के के का ( अरमन लाक्तारम में हु मार् कार्नेक) गरं (का अपटन दुढ्डमंद्र) कर ने पढि (क केर्य मध्य मानेटकटर )॥ ७३॥ () [त्वरंत्रल त्वर रेसाट्य] मॅकामेंटमले-स्वास्त्रेका ?- यते-मेरियामार अमेमा (लासमारिय में महत्यं दुर्मे क्रि विगानिक क्रिका क्रिका मिन हे व ने मध्य के बाबा ), पर्यवतीय बार्ष: (वन म्यूनिकाण) नामाक-पूर्वाकामना-खिलाद्यः मेकर (आमा माम मेप् क्षां कामाधिका व मम-मैक्स मर्द में के ) सारोर (सारो ) लक्षेत्र ही (समक्ष कांब्रेकरह )॥ वर ॥ (७) [अरेक्न अरे रूलारेश] पूर्वा-सूत्रातार क्रांदिन: (दूर्वा, प्रम व लक्षेत्रात्रिक्षक ) लम्पर ह (लम्पर किंद्र) उ न यू अन्द्राहिककाल- विश्व उस्तरभे- काणी कर त्यानकारित छः (वनक्षित्रिक नमीप्रधीरम केव्या क्रम्भूष इरेक निमार्क भवमं उ क्राडिमत्तव कार्यकापुकः ) अध्वादिः (अववाभ-रादा ) लाहमती गर् (लाहमती में ) निर्वतमंदी (निर्वतन कावितिह ।। कि।।

तिर्येत नद् रेसाट्या ] अवसंबद्धः (अअवाष्ट्र अवि तक्ताना ) सर्वेश्वर्त (सर्वेश्वर् विद्वा) लक्षानाइमाहः क्षां वाद्या : (तार्क् किंग्ने के भी व्य व्यक्ष्मं कारं लक्षत ) र्येपट्ट : (मेंगम्तेल) दिनांप्रदृ : (म्यानं भाग ) न्तीकानि तिः (नीकन बाम्र्याना ) ब्रामीप्र (ब्राम-अय ) लातीम (लायमंत्रव्य ) समल्मेडी (मम्ब्र कांडे किटर )।। किशा आ िन के अन न द रे सामुचा ] । क्रेट्रीयान से के रंब में ( रामुक्त रे सम् क्रिलका अमिन ), बाह्म कर्ल व (काम बादन कर्मम्दर) विष्यिणा : (कालिबिष्येक) किमन महत्र-मामावर् प्रकार छ गामक् (मबीम अञ्च मान उ नामवर्ग प्रथमपृद्र १) क्षिटि: (कार्डिमानिश्वा ) रेप्र (अमृति [आमनादन्]) क्षण्यामाति (क्षांत्र त्याम) विक्विति (विक्वि) अर् छकाति (वसनममूत्र चिवर् ] अव मव हम्तामामकुषी: ह (लाग्मर्रियं द्रमामा लायकावमर्ट ) लायम्ब्री (ध्यमे कार्ने एक )।। करा। कि निरं समी हकतेमधांत्रामक: (हक्य धर्मकवार प्रधानीए ) त्याप्यात्र त क मना अस कू दू भामार् (निख व प्रत्ने देश्यत हत्त्र, धर्ने, अष्ठक उ क्षूर्यक्)

बंब (अवेदित: (देवम त्मवंत माना )मेंस (उत्रत्ये) बार (musucia) missecind (missect) peró (ACHA [ नेकि ] भागमंगमाध्यकः (विविध म्यामाणामं नर्मिन्त्री) अदेवासकान् ह (अदेवास कर्मार्थ्याक हरे विलय ) त्रमर्भा ही (अयमी काम्रावाह्य)॥ दया Emination (print ax sured) are (काममार्थे दृष्टांने ) लान (लाम) मेम (मार्थे आर्ष ) वक्षे : कृषाम् (वस्म भू अभिक्षि ) उक्षा भाम (अळार्य), विवामिल: (अनेमा मूर्क्यमिविष ) वमायमीर् (जकावती), मृत्रीष्डिः (मृत्रीमा भूष्मीवृहिष) आस्त्रात् (टलास्त), नवभान्नी-प्रकृत्रियः (नवभान्नी प्रका-विषि ) ट्याचावण्याते अभ (कर्ष्ये ) अम्रातः लाम (सरा प्रता में क्येंबेन्ट्र ) अन्यार ह (क्यामात्तवं त्रिक्त लयकानं किन्ति केटल : केटल (केल-भू अर्बिटिड ) वर्षतार् (हळ्यान [अरेट]) (१००) भूक्ष्रत्मः (जनाम भ्राम्ब्रम् अम्रिहित) जना-प्रकेत्रम्य (लयात्र लयक्षेत्रं र्यंत्र ) कथ्ते ही (wold avacors) 11 0911 ( [ Tal ( Extal = 3 2 dig of [ anomy las] )

त्याद्वातात्व यद्वेला- व्यम्माम् सम्बेद्धाः (य्वास्ट्क. द्वात क पापास्त द्वा में ते वे प्राच्या में में की ) " न म बार् ह (न म ब बाह्य [ केंद्र] ) (क : क्या : (बाराय क हावां वृष्ट्व ) उठल्लाः १ (वठल्यानं माभागर्वेड) mority (nany exicacs) 11 a r Kma (axia) (1) [-12 का वार के कार की का का मिला ] 3 ई समर्था -वर टर्भर त्याची त्याचारी भाजाती भणः (डेई कार्म ति हेत देव से त्मां के किवा का के में ति ते ते के कि क्त ) र्मे (र्भ), हमम्मक समीक लम (हक्स कलक्षेत्रकालिक हिला) मील (मील [नवडी) हेरिक: अक्तर्य: (अग्न अरमपृश्च कम नामिकाल) दिस्का (दिस्का) दमाना (अमान कार्याहरू)। एक।। ०० [नर्कत ] ब्रियम्ब कर्न - यम् अपि अपि प्रदूष्ट : (क्प्रती लिखाण कर्न् न नवने उ वनाह श्रह्णिन मार्च यर में के ) म में गार्थ प्राप्त में दि : (मार के बाक न्ये व जा भू मीता प्रवास अवसि हिं ) जाभू मर् (असूम नी विका) ममल्या (व्यक्त कर्नाएटर)।। ७०॥ (अ) [-) रेक्न अरे र्कारेबी ] प्रका क्रापिडि: (टम्प्रामिका- वक्स अवृष्टि), अम्बल्याहिः

(अंग्रं अक्त्रम्य ) व्रद्भ : (अक्ष्याम्सावा) ' मार्ची -किक्षेत्रवाम : (किक् माब्री के क्रिने स्थित अधित) म्बायक् (म्बर्ध) । बर्वन् (कर्वेट्ट्र)। १२॥ त्री mes (mes ) लड्स (नम् में स्ट्रिय) संख्या संकल्पल स्ट्रे नामिका दमां क्षा का ना के कुकारिका नि मीटिन : (बामूहार्निक हारा कर्रिया भाक्ष वाक्ष्रम् क्ष्रिया विश्व विश् इस्डटन विराष्ट्र डेडमं मूक्तकालकाम मीममानाकार) वि- वात- वार्ताः (भाकिमार्ते न कितिक्त म वाना [अदि]) धार्ति-मदमातिः (दमन्तिन अक्रम्भ मनतन प्रयाण) समा (प्रवेष्ट्व) मार् (जालमासव देखरमंव) मीवासमंद्री ( में नाम्य कार्निएट )॥ ७२॥ प्र) धर्म (अरे क्यारेबी ) मूत्र: (बान द्वान ) प्रधीन (मा क्षान -अगिक कि: (मार्वात के भामिक क मार्कि), मरित्र: (बिन्म) लामाहर्मः (लामामध्यकां ) मूदा (दर्व-महार्ष ) मैबर्गः (लामप्रास्त दृत्तिं ) आरामेशास्त (आदमरभव अधीर्भ) अन्ति (अनुववालि में अप्रिड) मुक्तकाति (मूख्य-उ-अत्म ( क्या) आविष-(विश्वान करने एक )।। एक।

To [ -0 5 de a ] mensió este : ( entresta torca) के विदं (शिष्ट) मामुक्राप: (त्रमंगारमं क्षेत्रकट्ट) वादार् (बाद्य), स्विष्यक्तिः कतः (त्वाक्रियमते व अकत इर्ष ) माप्र ह (माप्त) वस्तानेकारितः (अक्नानी अविविधाना) विदीयाः कमाः (कालपार्दं ह दिल की वर जिक्ते ) मेलोडि कि हि: (मेळ बेल मर्बे-भल्ब हाना ) रेको ६ (रेका ) दिन रेका (ब्रिशन क्षित्र (दमांद्र (दमांद्र हार्स ) लाक (भवं ) दिवानं माप् : (विश्वातिक), हकामिलावामिक-मूक्षर्मी गाले: (भूमेर वा का व्यामिक भू अस्मिना मना निवाना) सूरर (इब्ट्व) मास्तीन-भीमूझ-कर्ना अवी नि (धर्मकर्तिकारी) कार्याति (इत्रम्मि) विकरी (क्ष्रे कारेकिट )॥ उ रा क्षेत्रम् कृत्राचेनी ] न वन्निरामदेन: (तालम्म हाधन कानि किट्यो अक्ष विट्याम- बहादम- जाम-व्हर्कः वाम् त्यानिक कामिक केन मी अमक अ नामम कामा ) रेक्सकः (रेक्सकः) भर्मीम एउ। (बीक्षत्र करने विष्ट्र); रेकि (अरेक्शव) कुकार

(लर्याक्व) अत्यारमनात (स्त्यारमनात्रे )काम्यार लिक्षेत्र काण्यक्षेत्र का कि कि मान कि ।। एए। कि विकास के कि कि कि ।। एए। २० मूर्न ( (र मूक्न ! ) मनात्रिय-प्रकृतिन : ( स्टू वार् सम्बद्धिम वस्वानं ) अर् (लामण सिंद दृष्टानं ) दृष्टा-इवंत्रतं (क्षामप्रदाल-प्रकार्षवं क्षेत्र) देव हितारक-मर्भू भारती- जूनी ( वेण छण : लिलीन कप के किन वृद्धी अर्था प्राक् )।कियर (अविदासमा कार्य ए।) मम्ब्राम्य मुक्ष न्त्याविषातकः वर्षर् रेष (राम डिई विष्ठ भूका लगा नामिश्रामा हका ठल वस्त कबिएह )॥७१। भी म्ला (टर म्बारं क्षिकां) मार्थेर (ट्यम्पत ) अव्यास व्यास्य: (अव्याक वसड ) मूमा (अविकास) यार (कालपारवं देवरमंत्र) (प्रावार मूकः (प्रवास दुरम्य द्रम्में) एवं विद्या (साम विद्यवानिक्षि) हका हि (बिवास कर्ष एए [कामताना]) आधार : WCA (मिल्लिस मम्महाल ) वमडका डामा ! (वमह-कार्यातक) के देवर (वार्म नद्र) अवंशिकायर (वर-विद्याम) भागा द्वा (पर्यंत क करें) । दिन्य

ल्ये)ल्य (अवश्यें) वर्षिट्याक-मेर्मित्य डांड्रेम (मुक्क टारेन इप्राव्यक्तिया कार्या अस्तिरामेकार (अप्राम्ना ) कार् काष्ट्र (मानंत्रा न प्रकार) कारतार (काल्यां क्यालिस्यार्व) असरी हिंस-म्मिताम्यता (तिकार्यार्थन्वर्गत कार्यक्षण) भा वत्रम् विः (त्यरे बन त्याका) ध्याने (वर्तन करने विकासी)।। ध्या 90) क्रमाडि! (क्रक्रमाडि जीकाति!) भाग (मेरम) कुटम ([अभव:]क्मभूष्भव) अवस्मानव कृतियाः (रहेमान कार्बन मार्डमें ) (० (१) दासासंगः (यम के कार्ति) अस्ति (अस्ति ) अत्या मनाः ( किल्पन काछ ] अत्रादन्यक इत्रेमा ) प्रवत्त्र तुष्टाः (धर्मात्क) डेक् मालिश् (डेन्डाम ) आकलर (धामु एक र निक्षे )अभाडि (भाना कविएट )।। व्वा 0) + 2 + 10 ( (2 xx + x + 10 ; ) and ( 2) (2 x ) Jan de : (त्माकितमरे) ट्राने मुख्र (त्मेन अष) ज्यू रेव (त्राम कार्नकर्व कार्न (क्यानं दिखां क्रिक (अयतकाना ) करेट (कर्मात्व) विल्लासम् हः (विद्यार्थ मक्षापतम् केला ) निकी हि: अर्वेष् (काकियामारेष प्राहिष ) दे पात्रमू कू सर् (म बक्षा पूर्ण कू नाहिष )

मायमरं (कामर्काम हिक) कताति (समप्र मार्टिक हा निर्म १) भूत्वः ( अटम् अप्राप्त ) नामही अर्थान मूर्या प्रमान प्रवास्त्राहः (मावता- मर्ग में मानकर्ष विकासित प्रवा काश्वर्ताका) लामाम् कामी (मकारमं लामाम् क डक्षा) रेमंद (चर्) म्ता (विकारिय) हास्त्रकाती (हासकाती ), रेगर् (वरे) वक्तः छाडिः (वक्ताकारि), भा छा मिश्रुभाता धामे ( Naw en 20 4 20 ) ne ( Corg ) 2-10 na - 12 ang:

( Naw en 20 2 ang ( And ) ne ( Corg ) 2-10 na - 12 ang:

( Naw en 20 2 ang ( And ) ne ( Corg ) 2-10 na - 12 ang :

( Naw en 20 2 ang ( And ) ne ( Corg ) 2-10 na - 12 ang :

( Naw en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Naw en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Naw en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 na - 12 ang :

( Nam en 20 2 ang ( Corg ) ne 2 ang : (कार्म क्षेत्र) के पर (करे ) मक्ष्यामार त्या कर्ममान My [ - se ] ) comentations = = ( uncome en e) वित्रकि (त्मादा भारे रवट्ट)॥१२॥ (त) विश्व मार्थ प्राप्त (त ह अपूर्ण मूस्ति!) देव (वरे वत) त्र स्वादिः (नव याने का नित्तं नार्षं) भूत्रामाः (भूतार्भभूर), प्रव्यक्तवनीष्टिः (भूष्म) नवकंत्रण-शक्ति अद्व ) वक्ताः (वक्ति म्याः क्रिक्ति अप्रितिः । (यवकी हैं। (कवकी किंद्र आर्व) हक्त मः (हक्त म-

प्रमध्ये المكريم ، مو المرام اله و ( هو المرام ميلي مره ) (मंद्रक अयाम्प्रतिर ) ' अमस्ति : (स्वर्श्वास्ते भारत ) वं सामाः (लाय उक्त मधूर निक्नी) प्रिक. म वर्गायका- क्यांग्रहः (क्या में भी भी भी भी भी भी दक्तकाः ह (गारकमक्तर्वत्र) के के हिटके (प्लाहा वार्षाट्ट) 110,000 (मामेनी अक्षामि [ वर् ] ) कार्वमूक : हं (मिक्षमूक व्यक्षम्मे कर्क ) व्यक्ति (मेक क्ष्रिंग्टर) ' वमार (किन्त्र '[गमामता]) बंगके मानुक- (मामाकादुम: लाभ (बंभकाव लाभार में ज वर्षे तामाकाव के (ताम. कारी काकाने छ। ट्रावेड (रेशक त्रका काकेटड-CZA )119811 विदेग्र अवंगेर (वर र्याचन) द्विभए (कक्टर्यम) आरबंद माडिसं यांत्र िक्षा के मान में प्राय के कार लाहरंतु क कि कि हेर (नम् ति ) प्रवर्भ वाव : (पटा-व-र्क्स्प्र) केने में में में का का मंग्रे ( में का वा प्

Bryssigia min medy sta "[ma]) možní द्रिक स्थितिकार (देक कार्य ) अनेभावनः देव (प्राची में दिला) भवमं (भवमन्त्र ) के मंग्रेयः (स्थानेन) ( adjaca win) ezcezá lema uying ( [ o x x x यात्रेटमारे ] दुअम लान रूम प्रकेश, - चर्में प्राप्त-सरकाटवं अनुभ-कार्क (कट्ट) ।। वक।। क्री जिल्लां में भी (म्यमे) ममाद्विमाक (सम्माद्विम-मंक ) में कार्र (में काराहर) प्रकृत (मायक) मर्ग वर् में है। (त्रक्षे कंटक मान्य कार्य मा ) कार्य में भी विश्विष्ट (लामनं समर्थनं तियम ) मक्षा (सरम कर्निता) वितिवा ल्ला ( क्यार्मित व ) र्वासार (टमाइ उठ ) प्रवर्ष (किरा दर्शकी मिन्ड दर्शकर )॥ १७॥ वि कममक्ष्यं (त्र अमक्ष्यः) अन्तः (१ दर्म) विक्याः (कम्मी एक कालि) बन्न (धन (बन्धर्क) मिनिको (प्रामितिक) तो (क्षामार्य दे दे गर्क) वीका (दर्भन पूर्वक) इसेर (इस्वलकः) अक-त्रकात् (अम् तृषत भ न क्रम पड वालि निर्दे ]) जलार के व कार्म ह (द्रिशास्त्र व्यक्त्यंत तक व व व क्ष्यं) कथाना, (विकामिक कार्नमा ), अवमाउम्ब्राक्षाः (वर्षे कार्याः

(अक्टी तर्म मां का प्र वा का क्ष्र प्रमेश्य) अत्याहते हरे : (प्रक्राहिककारक) कामिकामंद्रः (कामिककत्मवर्ष) 2 mg (21 m misser ) 11 99 4 कि [न, प्रमें = बद्दी के (प्रवाद्मा के त्राहर ) के स्पृत् : (ममनी परने मर्क) र सीमक-कामन्त्री (रसीम-मृष्यात्री ) अल्प्ने (चे ) क्यं पूर्वा (वक्रे डममिर) अभीक्ष्त्र हा देश हो ( र्श देन भू में क्या म मूर्य के ) रात्रार (जिम्डमा) देम् (त्यां क्षिका) लक्ष कर द (अम्मिर्ड म्ट्यू) अम्बल (स्टबल क्यों) में [sico] ) ydie (sorders ) ning (myning कार्टिट्रे) गं १४ ग क्रीयम (प्राण्या ) सर्व स्क्रेस : (सर्व स्क्रेस ) विदर्भ र् अविकास अक्षक्करक) विभान प्रदेश ? ( किंग वनक्षि) दर्भान्त् (क्षिम् मन कर्ण देखें) कर्पन् (क्रिक्ट मानि (स मन)॥ १०॥ हिं नी अक् काम त्यालां । (दि मुका परम्याने , दि मुका वतन-न्यन ! अलिसीक्ष ]) तिवास्त्र मु ् (श्रिक्ष समाभटम धामक्ष ) व्यवर (वरे) वनकामर् (वनायकाम) तिहास्वर् (दर्भन हर्षेत्र हर्षेत्र पः (टम बराव जाम)

अं : (सम्मार्कारम) तहा हु। (मिलिक्षा (मं देवरितं ) अभावा कुमा (विवाससय यमा कर्तिते )क्यान कर् क्षित्रा । विकत् : (त्रिक्ष मध्य कामिश्वाण ) त्यरणारम्कः ( क्षितिक करमें रेट्र मा) हमाति (क्षाता माद्रावर )॥ द्रा भि भः लंग नमंद भाष्ट्र अप्रायमात्र इट (नक्षाप्ट) अर्द (त्राप्टि) र्रेक्टिन क्षित्र कार्वेश ) होता ( इक्ट्रिक न क्षित्र कार्वेश ( क्षित्र कार्वेश ) होता ( इक्ट्रिक क्षित्र कार्वेश ) होता ( इक्ट्रिक क्षित्र कार्वेश ( क्षित्र कार्वेश कार्य सिन्नी - कलावे - मिन्नि टिस्सि के मामहारी), किरो क्रिक - लिकी - वितेष - निर्माद (क्राकिन-क्रिका) भिक्रो क्रिका क्रि किरियो क्षेत्र के आंग्रे - यहः प्रदेश दिः च्यांग्रेश्वदं माक्रानाभक्त अखिकार [ कि ]) क्रियानीर्डान-भिक्तः ( अद्भावनात्वेव स्टब्स्मक्ष मधीरक्वे भावक) म्पः मार्क पाठाद्राः ( एक्ट्रम पाठाद्रा हिंद क्रोहाधां अर्डिमाट्य ) रिबेट (रिबेरे) क्रिक्से (रिवेरे) कारिट ११ (५०१) मार्ड हे दुर्द : देव (हात कार्का के दुर्त्य इंद्रांत रे

अट्टा: (भिक्षेत्रक्षिक का श्रिक हाए) जावत्र समार् ह व्यक्त प्रतिक का श्रिक है। ) बस्मार (बस्मिन्टि) भिक्षिक-प्रतिक (बेब्दि) मन व्यक्ति में कि बेद्ध : (स्वेत्रः (कर्ष्येभगूर क्किरे) मतीहः (भानिक्ष्यं अन-नामिन हत्म ) अभारकेम्प्य (अअंव आवन्त्रमहर) लियाल कर्म (यह बर दिताम ) येका किएत: (मेलरे) भी मू-करी व- काली - वाकादि : (भीमू करीय (हि), लाममकी 'मिलाम)' सर्वममामा देती (संबन). भत्रम, थाम, विच ), विक्श्रेष: (क्ष्रिक्र देवाह ) कामक जाम वीका: ([अर्थ] अभन्न वा कारि जाल स्थिप्रधाना ) मर् (अल्या दिव दृद्धां ) । यद्मावसे : (श्यान देखें के पर्ना ) सर क्षिति (लामा क के कार्डिट )।। १ त।। कि कम नेवर (क टर क्ट्रिक मान मेरे: (र क व में वा-मध्य ) रेर (नरे वनभट्य ) वाबभीने यक्त आ छ-हु मूम दीला मित्रकन् - कन्द्रातः (भूपमा दु राम्बालि हावा कादिलाता वस् वित्रिक्त व किला-

(अविश्विति) स्थाप्त (स्थाप्त ) लामकेर क्रिं (लामका याचे गाये कि जिसमें गान निर्माण : (ब्राहिस्ट् अगि का मान प्रमान प्रमानिक कार्या ) दवरिय (क्रायामेश दुरमात्क) हारते हा: (लाक प्रमुख्ये एक कार्ने कि ) अल्रेस : (अल्रेस मिला ) नीम गार्ड मित्र में का राम (मस में जवा क्या में या ) (बाध्य का कुटिट्ट ) है कि 1811 प्रमुख इड समा (लिपक्रमिक्स ) इंतर (नड़) कप्ती (कप्ती) ( निकाल्ये : (मिक्स (मर) (आहेत: बेता (अर्विविद्यात उद्गी ) हरमापुता (आहेत: बेता (अर्विविद्यात उद्गी ) हरमापुता (अवक्ष रम्भावा ) बार भागमंही. (त्यं स्वाम्मात्रेर भामम्बर्धाः कार्क)-ासकि अकार्य अध्येत स्थ त्यार हेर-( aux & six at ) see ( saled ) Sing. 5/3 (5(E) 11 6 Q11

## WEIGHTS AND MEASURES ...

INDIAN BAZAAR   BENGAL BAZAAR   WEIGHT	-	-	NAME AND ADDRESS OF THE OWNER, TH	
Chatch   C	INDIAN BAZAAR WEIGHT		BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
1   1   2   2   2   2   2   2   2   2	or X/5 Tolas = 1 Chatak.  4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 5 Seers = 1 Pasari.	2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pall. 2 Palls = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish.	2 Tipads = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payll. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight.
	or so 1 Maund.	16 Palis = 1 Maund.	OF LAND SURFACE	CAPACITY
6 Ratis   1 Anna.   MEASURE   6 Bigahs   1 Rukeh.   2 Rukeh.   2 Rukeh.   3 Rukeh.   2 Rukeh.   3 Rukeh.   2 Rukeh.   3 Rukeh.   2 Rukeh.   3 R	JEWELLER'S WEIGHT	20 Dones = 1 Sali.	20 Kathis = 1 Pand.	2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon.
1 Tola	6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha.	MEASURE	6 Bigahs - I Ruksh.	4 Pecks - 1 Bushel
INDIAN IIME	or a 1 Tola	4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti.	BOMBAY CLOTH MEASURE	
Co Anupal		2 Hats = 1 Gaz.	2 Appulie p 1 Tasu	3 Peet = 1 Yard.
1	1 60 Vipal - 1 Pal	2000 Dhanus = 1 Kosh.	24 Tosus = 1 Gaz.	54 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong.
INDIAN LIQUID   MEASURE   1 Koonkee   1 Keik   2 Reiks   2 Reiks   3 Tolas   1 Palam   3 Palams   1 Seer.   TABLE   5 Seers   1 Via.   8 Via   1 Maund   12 Pence   1 Shillings   1 Penny   20 Shillings   20 Shi	60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	8 Furlongs = 1 Furlong.
4 Chataks		5 Chataka = 1 Koonkee.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam.	
INDIAN MONEY TABLE  3 Pies a Pice anna. 6 Pies a Pice anna. 6 Pies a Pice anna. 10 Ratis anna. 12 Mashas a Poddis anna. 12 Pice anna. 12 Pice anna. 13 Mashas anna. 14 Pice anna. 16 Annes a Panna. 16 Annes a Panna. 16 Annes a Panna. 17 STERLING  1 Anna a Penny. 18 Annas a Shilling anna. 2 Shillings a Paddis anna. 3 Markale a Paddis British MEASURE OF LAND  WEIGHT  MADRAS BAZAAR MEASURE  8 Ollaks a Paddis British MEASURE OF LAND  WEIGHT  MADRAS BAZAAR MEASURE  1 Paddis British MEASURE OF LAND  WEIGHT  MADRAS BAZAAR MEASURE  1 Paddis British MEASURE OF LAND  1 Supera a Phara 80 Pharas a I Garee.  UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND  1 Anna a Penny. 12 Annas a I Shilling T Rupes	4 Chetaks = 1 Powah.	32 Raiks o 1 Maund.	5 Scers = 1 Vis. 8 Via = 1 Maund.	4 Farthings = 1 Penny.
6 Piet = 1 Helf- anna.  4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 3 Anna. 16 Annes = 1 Rupee.  MEASURE  1 Anna = 1 Penny. 12 Anna = 1 Shilling. TRupee	INDIAN MONEY		MADRAS BAZAAR	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
6 Piet = 1 Helf- anna.  4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 3 Anna. 16 Annes = 1 Rupee.  MEASURE  1 Anna = 1 Penny. 12 Anna = 1 Shilling. TRupee	3 Pies = 1 Pics	4 Dhans - 1 Rati.	a On by an 1 Roddi	-
4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 3 Anna. 16 Annes = 1 Rupee.  MEASURE  UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND  9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yda. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.  1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling T Rupee = 1 Shilling R 6 Penge. 13 Rupees & 6 Penge. 14 Rupee = 1 Shilling R 6 Penge. 15 Rupees & 1 Pound.  CEYLOFI MONEY TABLE  16 Chatshs = 1 Rupes.  17 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yda. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M. 12 Disvansis = 1 Bisvansis 20 Bisvansis = 1 Bisvansis 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Marlas = 1 Kennal. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Week. 4 Weeks = 1 Week. 4 Weeks = 1 Year. 650 Days = 1 Year. 660 Days = 1 Year. 660 Days = 1 Year. 670	anna.	12 Mashas = 1 Tola.	8 Paddie = 1 Markal.	TO STATE OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PROPERTY ADDRE
INDIAN MONEY TO STERLING  1 Anna	4 Pice = 1 Anna.	BENGAL CLOTH MEASURE	-	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1216 Sq. Yds. = 1 Rood.
TO STERLING  1 Anna 1 Penny. 12 Annas - 1 Shilling 1 Rupes - 1 Shilling 2 Annas - 1 Shilling 3 Annas - 1 Shilling 4 Annas - 1 Shilling 5 Annas - 1 Shilling 6 A Penge 13 Rupes - 1 Shilling 6 Annas - 1 Pound  14 Annas - 1 Shilling 6 A Penge 15 Rupes - 1 Pound  15 Annas - 1 Pound  16 Cathering - 1 Chatak 16 Chatering - 1 Katha 17 ABLE  18 Candes) - 1 Chatak 18 Candes) - 1 Chatak 19 Candes - 1 Rupes  19 Candes - 1 Rupes  10 Kachvenal - 1 Bisvanzi 20 Kachvenal - 1 Bisvanzi 20 Minute 21 Hours 21 Hours 21 Hours 22 Hours 23 Hours 24 Hours 24 Hours 24 Hours 24 Hours 25 Annas 26 Days 26 Days 27 Days 28 Weeks 28 Days 28 Days 28 Days 28 Days 29 Land 20 Square 20 Bisvanzi 21 Bisva 22 Minute 23 Hours 24 Hours 24 Hours 25 Hours 26 Days 27 Days 27 Days 28 Toronth 29 Days 20 Bisvanzi 21 Hours 21 Hours 22 Hours 23 Hours 24 Hours 24 Hours 25 Dishar 25 Dishar 26 Dishar 27 Days 27 Days 28 Dishar 28 Dishar 29 Bisvanzi 20 Bisva	16 Annes = 1 Rupec.	3 Angelia a 1 Clark	MEASURE OF LAND	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
12 Annas	TO STERLING	8 Girahs = 1 Hath 2 Heths = 1 Gaz	20 Bisvansis = 1 Bisva.	BRITISH TABLE
CEYLOF MONEY Candes  Candes  Condes  C	12 Annas - 1 Shilling. PRupes - 1 Shilling & 6 Ponce.	BENGAL MEASURE	PUNIAB MEASURE	CO Minuses on 1 Stone
TABLE Gandes) = 1 Chatak		20 Squere	9 Sami = 1 Maria	4 Weeks = 1 Month
13) Cents o I Ropes.	TABLE	Gandes) = 1 Chatak.	20 Marias = 1 Kenal.	365 Days = 1 Year 366 Days = 1 Leap Year.
			E Digital - Children	WEGES - 1 1627